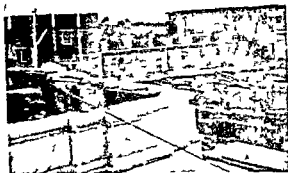


आत्म कल्याण के मार्गों में हर पल आपके साथ  
- एक गौरवपूर्ण परम्परा का निर्माण -



भारत का प्रथम श्री उवसगहर पार्श्व जिनालय  
निर्माणाधीन



तीर्थ म निर्माणाधीन विशाल उपाश्रय  
एव प्रवचन सभागृह

यात्रार्थ पधारिये-निर्माणा मे सहयोग दीजिए  
**श्री उवसगहरं पार्श्व तीर्थ**

पारस नगर (नगपुरा) जिला बुर्ग (मध्यप्रवेश)  
रेल्वे स्टेशन-बुर्ग जक्शन-(एस ई रेल्वे)

- तीर्थ निर्माण के अंतर्प्रेरक महान विभूति सूरिदेव श्री लब्धि सूरिश्वरजी म. सा  
योगीराज गुरुदेव श्री शांति सूरिश्वरजी म सा
- दिव्य आशीषदाता परम पूज्य आचार्य श्री जयत सूरिश्वरजी म सा  
परम पूज्य आचार्य श्री विक्रम सूरिश्वरजी म सा
- तीर्थ निर्माण सगाती परम पूज्य आचार्य श्री कलास सागर सूरिश्वरजी म सा  
परम पूज्य श्री अभय सागरजी म सा  
परम पूज्य आचार्य श्री हेमप्रभ सूरिश्वरजी म सा

तीर्थोद्धार मार्गदर्शक एव निश्रादाता

परम पूज्य आचार्य देव श्रीमद् विजय राजयश सूरिश्वरजी म सा

॥ ॐ हं श्री अर्हं नमः ॥

# श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची

वर्ष 14

1992

अंक 14



स्थानकवासी



मूर्तिपूजक



तेरापंथी



दिगम्बर

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदायों (श्वे. मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के लगभग दस हजार सभी पूज्य जैन आचार्यों, मुनिराजों एवं साध्वियाँजी म. सा. के सन् 1992 वर्ष के चातुर्मास एवं गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्डस् डायरेक्ट्री का वृहद् सूची ग्रंथ

संप्रेरक :

अनुयोम प्रवर्तक, पं. शत श्री कठहैयालालजी म. सा. 'कमल'

दिशा निर्देशक :

प्रवर्तक श्री रूपचन्द्रजी म. सा. 'शजत'

उप-प्रवर्तक, सलाहकार, श्री सुकनमुनिजी म. सा.

सम्पादक-संयोजक

श्री बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'

बम्बई

प्रकाशक

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन

परिषद्

105, तिरुपति ऑफाटमेंट्स, आकुली रोड नं 1,  
कादिवली (पूर्व), बम्बई 400101 (महा.)  
फोन 6881278

परिषद् द्वारा प्रकाशित साहित्य 1992

- 1 समग्र जैन चातुर्मास सूची, 1992 पृष्ठ 500 मूल्य 20/-
- 2 स्थानवासी जैन चातुर्मास सूची चाट, भाग प्रथम (हिंदी आवृत्ति) नि शुल्क
- 3 बम्बई महानगर स्या जैन चातुर्मास सूची चाट (हिंदी आवृत्ति) नि शुल्क
- 4 अ भा समग्र जैन पत्र-पत्रिका सूची मूल्य 5/-
- 5 गिनित बक आफ जैन समाज रिवाड डायरेक्ट्री मूल्य 5/-

प्रकाशन घय (चौदहवां) 14

सहयोग राशि लागत मूल्य 50/- प्रचाराय अल्पमूल्य 20/-

वि सवत् 2049 (गुजराती 2048)

धीर सवत् 2518

ईस्वी सन् 1992

मुद्रक पृष्ठ आवरण छायाकार श्री मोरारजी भाई छेडा, बम्बई

मुद्रक नईडुनिया-प्रिंटर, - 60/1, बाबू लामचंद छजलानी मार्ग,

इंदौर-452009 (मप्र)

फोन नं 61400-62061-62-63 (कोड 0731)

फोन नं 61400-62061-62-63 (कोड 0731)

प्राप्तिस्थान -

- 1 श्री बाबूलाल जन 'उज्ज्वल' (सपादक) प्रकाशक का पता
- 2 श्री बाबूलाल जैन पोस्टाल (शाखा प्रतिनिधि) 26-वीं, राधा नगर, इंदौर-452002 (मप्र) चातुर्मास काल में निम्न स्थाना पर भी उपलब्ध
- 3 नूतन राजूमणो ट्रासपोट प्रा लि डारिने भवन, 14, बर्निक राड, लाकमान्य निम्न भाग, बम्बई-400003 (महा) फोन-3428969-3447709
- 4 श्री शातिलाल गाधी महावीर भवन इमली बाजार, इंदौर 452001 (मप्र)
- 5 श्री डी टी नोस्टर (मन्त्री) क्वालिटी गारंटेड, गिरगाव चर्च के पास, मेजेस्टिक सिनेमा के सामने, बम्बई-400004 फोन-357755

समग्र जैन चातुर्मास सूची

□ सदस्यता शुल्क □

महा मंत्रम सदस्य	रुपये	11000/-
प्रमुख स्तम सदस्य	रुपये	5000/-
महा संरक्षण सदस्य	रुपये	3000/-
संरक्षण सदस्य	रुपये	2000/-
आजीवन सदस्य	रुपये	1000/-
चातुर्मास सूची वापिक शुल्क	रुपये	20/-
पंचवर्षीय ग्राहक शुल्क	रुपये	150/-
जैन एकता न देश वापिक शुल्क	रुपये	25/-

★ विज्ञापन शुल्क की दरें

★ समग्र जैन चातुर्मास सूची

★ जैन एकता न देश

(सन् 1993)

बवर पृष्ठ चतुथ

बवर पृष्ठ द्वितीय-तृतीय

छठ विभाग सम्पूर्ण पृष्ठ

सम्पूर्ण पृष्ठ

अध पृष्ठ

शुभकामनाएँ

आफ सट प्रिंटिंग

(आट पेपर चार रंगा में)

(आट पेपर दो रंगा में)

(रुपील पेपर)

(साधारण पेपर)

(साधारण पेपर)

(साधारण पेपर)

रुपये

5000/-

13500/-

2000/-

1000/-

500/-

250/-

रुपये (साधारण)

1000/-

750/-

500/-

300/-

150/-

नोट—यदि स्थानवासी जैन चातुर्मास सूची का हिंदी आवृत्ति चाट एवं बम्बई महानगर स्या जैन सूची चाट (हिंदी आवृत्ति) उक्त सभी स्थाना स नि शुल्क प्राप्त करें। चाट को स्थानक भवन में अवश्य लगावें।

# सादर समर्पण



शासन प्रभावक, संघ नायक, प्रसिद्ध वक्ता, व्याख्यान वाचस्पति

नवयुवक धर्म नवचेतन प्रेरक, पं. रत्न, महामहिम पूज्य

**श्री सुदर्शनलालजी स. सा.**

के पवित्र पावन चरण कमलों में सादर समर्पित...

शासन शिरोमणी पूज्य गुरुवर, मुनि सुदर्शनलाल है ।

त्याग तप संयम नियम की, एक सच्ची मिशाल है ॥

तीर्थ है जंगम धरम के, जगत के पूज्य महाराज है ।

मेरे दिल में है बसे, और मेरे शिर के ताज है ॥

उन्नीस सौ तेवीस रोहतक में, पूज्यवर ने लिया शुभ जन्म था ।

“चंदगी” पिता और माता “सुन्दरी”, को किया अति धन्य था ॥

आपके बाबा श्री जगमूलजी, भी महान सच्चे साधक बने ।

पिछे पिछे आप श्री भी, उनके महान आराधक बने ॥

सन् उन्नीस, सौ बयालीस में, नगर संगरुर में दीक्षा गही ।

पूज्य गुरुओं से सभी, शास्त्रों से फिर शिक्षा गही ॥

आपके गुरु मदन मुनिवर, की निराली शान थी ।

सम्पूर्ण जैन समाज में ही, धाक बे अनुमान थी ॥

सन् तिरेसठ में सिधारे, स्वर्ग गुरुवर आपके ।

संघ नायक अपने संघ के, फिर बने तब आप थे ॥

“सेठ” प्रकाशचन्द आपके, गुरु भ्राता महाराज है ।

और रामप्रसाद मुनिवर, कवियों के सर ताज है ॥

शिष्य प्रिय बाईस आपके, पच्चीस का मुनि परिवार है ।

आप सबके पूज्य गुरुवर, परम श्रद्धेय, आधार हैं ॥

शुद्ध संयम पक्ष के, धारक प्रचारक आप हैं ।

कुशल प्रभावी प्रवचनकार, मेटते सबके संताप है ॥

बढ़ता रहे, मुनि संघ आपका, ऐसी है हमारी प्रार्थना ।

आप भी युग युग जियें, ऐसी है मंगल कामना ॥

श्री चरणों में करें समर्पण, “चतुर्दश” यह पुष्प अमर ।

बयानवे के चौमासों की है, ‘सूची’ पुस्तक अति सुन्दर ॥

विनीत :

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई के सदस्यगण

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई  
परिषद् के प्रधान, शाखा कार्यालय एव प्रतिनिधि मण्डल

प्रधान कार्यालय—अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

संयोजक—श्री बाबूलाल जल "इन्डियन" 105, तिर्थपति अपार्टमेंट, आनुरी क्रॉस रोड नं 1, बरदिवनी (पूर्व)  
बम्बई-400 101 (महाराष्ट्र) फोन-6881278

शाखाएं	10
1 मद्रास (तमिलनाडु) शाखा—श्री एम लालचंद बागमार (उपाध्यक्ष), 80 ओपेडम्पा नायकन स्ट्रीट, गार्डवारपट, मद्रास-600079 (तमिलनाडु) फोन नं 522605, 522066 निवास 6423271, 6426223	10 'अहमदाबाद (गुजरात) प्रतिनिधि श्री जयतीलाल चटुभाई सघवा, 4, गिडाय अपार्टमेंट, मानूपित छाया नारायणपुरा त्रामिग, अहमदाबाद-380013 (गुज)
2 दिल्ली शाखा—श्री राधेश्याम जैन, म रामशाम मल्ह कापों, 32281/2 मला, पोषन महादेव चामुख मंदिर के सामने होज काजी दिल्ली-110006 फोन 3273527, 3264925	11 भीलवाडा (राज) प्रतिनिधि श्री शशीलाल खिमरा मी गौतम कनाथ स्टाम, गांधी नगर भीलवाडा 311001 (राज)
3 मालवा-इंदौर शाखा—श्री रावराज जैन परवाल, 26-बै, राधा नगर, इंदौर-452002 (मप्र)	12 उत्तरप्रदेश प्रतिनिधि श्री जेडी जैन, मेरुम जैन रोडिा मिन्म बेबी 45, कविनगर, गाजियाबाद (उप्र)-201091 फोन 840001-817205
प्रतिनिधि मण्डल	13 नासिक (महाराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री शांतिलाल दुग्ड, 203, मून्डा बिल्डिंग, गांधी राड, नासिक मिर्टा (महाराष्ट्र)-422001
1 आगरा (उ प्र) प्रतिनिधि श्री रामस्वरूप जल 22/4, बाग अता, लोहामण्डी, आगरा-282003 (उ प्र)	14 उदयपुर (राज) प्रतिनिधि श्री इन्द्रसिंह बाबेल, दिवाकर रोड, 38 सहेली नगर, देवी माग, उदयपुर-313001 (रा) फोन 25453
2 छत्तीसगढ़ दुर्ग (मध्यप्रदेश) प्रतिनिधि श्री राणीदान बायरा, शशीश्वर बाजार, दुर्ग-491001 (मप्र)	15 रतलाम (मध्यप्रदेश) प्रतिनिधि श्री मार्गालाल कटारिया, 19/3, पन्थ रोड, रतलाम (मप्र) 457001 फोन 22681 एव 20288
3 दिल्ली प्रतिनिधि श्री विरप मूहा, इए-21, इन्द्रपुरी, नईदिल्ली 110012 फोन नं 371741 5721175	16 बयलौर (कर्नाटक) प्रतिनिधि श्री गामकचंद ओस्तवाल नं 53, 1 मजिन 2 रं, मेन रोड, 4 थी, ब्राम नाम्पा त्पा, बैंगलोर-560021 (कर्नाटक)
4 जलगाव प्रतिनिधि श्री प्रकाशचंद हुण्डीवाल मे गजेन्द्र श्लेकट्रीवल स्टोम, पांजरा पाल, नेरी नाका, जलगाव 425001 (महाराष्ट्र)	17 राजकोट (गुजरात) प्रतिनिधि श्री रवीवलाल गं, पांन (जैन प्रार्थी), 31/36, करणपुरा राजकोट-360001 (गुज)
5 ब्यावर (राज) प्रतिनिधि श्री गिरहमल जल, साहपुरा माहलन, मानिवान गली, ब्यावर-305901 जिना अजमेर (राज)	18 सुरेद्रनगर (सौराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री हनुमूख भाई मूहा (फियणी बाल), चेतना समाजवादी सुरेद्रनगर-363001 (गुजरात)
6 सवाई माधोपुर (राज) प्रतिनिधि श्री सुवाहूकुमार जैन मराफ मराफा बाजार, सवाई माधोपुर (राज) 322021	19 मुजफ्फर नगर (उप्र) प्रतिनिधि श्री दिनानंदकुमार जैन, बंका 'यू' मण्डी, मुजफ्फर नगर (उप्र) 251001 फोन 43522 43122 निवास 45939
7 जोधपुर (राज) प्रतिनिधि श्री चंचलमल चौरडिया, चौरडिया हाऊस, जालारी गेट के बाहर, जोधपुर (राज) 342001	20 भुज कच्छ प्रतिनिधि श्री एडी मूहा मिडाचल हास्पिटल रोड भुज-कच्छ-370001 (गुज)
8 इचलकरजी (महाराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री रूपराज बन्ध म सजराज रूपराज बन्ध, कपडे के ब्यापारी, मन राड इचलकरजी जिना काहपुर (महा) 416115	
9 कोटा (राजस्थान) प्रतिनिधि श्री हुकमचंद जैन (बरवाडा बाल) पारस भवन दानमलजी का नाहवा, मेहरपाडा, कोटा 6 (राज)	

नोट—भारत के विभिन्न शहरों में परिषद् के प्रतिनिधि बनने वाले इच्छुक महानुभाव परिषद् के प्रधान कार्यालय से सम्पर्क करें एवं नियमावली प्राप्त करें। इसके अलावा हमारे और कोई प्रतिनिधि नहीं हैं।

# अनुक्रमिका

क्र.सं.	विवरण/सम्प्रदाय का नाम	पृष्ठ संख्या	क्र.सं.	विवरण/सम्प्रदाय का नाम	पृष्ठ संख्या
<b>भाग प्रथम</b>					
	सादर समर्पण	3		आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा.	35
	चातुर्मास सूची भेट योजना सूची	7		आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा.	37
	शाखा कार्यालय सूची	8		आशुकिवि प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	39
	कार्यकारिणी सदस्य परिचय फोटो	9		प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.	41
	प्रकाशवर्गीय	49		तपस्वी प.र. श्री मान मुनिजी म.सा.	43
	सम्पादकीय	53		स्व. उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.सा. का समुदाय	45
	कार्यकारिणी सदस्य सूची	57		नवज्ञानगच्छ समुदाय	47
	आय-व्यय का लेखा	58		वर्धमान वीतराग संघ	47
	समग्र जैन तालिकाएँ-सारिणियाँ	61		अन्य संत सतियाँजी	48
	विज्ञापनदाताओं की अनुक्रमणिका	81		(3) वृहद् गुजरात सम्प्रदाय	
	गाँवों/शहरो की अनुक्रमणिका	85		गोंडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय	51
<b>भाग द्वितीय</b>				छ कोटी लिम्बड़ी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	57
	(1) श्वे.स्थानकवासी सम्प्रदाय श्रमण सघ सम्प्रदाय			दरियापुरी आठ कोटि सम्प्रदाय	63
	आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत			लिम्बड़ी गोपाल संघवी सम्प्रदाय	67
	सतियाँजी के चातुर्मास स्थल प्रान्त.—			आठ कोटि कच्छ मोटा पक्ष सम्प्रदाय	71
	प्रान्त			आठ कोटि कच्छ छोटा पक्ष सम्प्रदाय	75
	राजस्थान	1		खंभात सम्प्रदाय	77
	तमिलनाडु	7		वोटाद सम्प्रदाय	79
	कर्नाटक	8		गोडल संघाणी सम्प्रदाय	81
	महाराष्ट्र	9		वरवाला सम्प्रदाय	83
	उत्तर भारतीय प्रान्त	13		सायला सम्प्रदाय	85
	मध्यप्रदेश	18		हलारी सम्प्रदाय	87
	आन्ध्र प्रदेश	20		वर्धमान सम्प्रदाय	87
	गुजरात	20		अन्य संत सतियाँ	87
	अन्य संत सतियाँ	20		<b>भाग तृतीय</b>	
	(2) स्वतन्त्र सम्प्रदाय			श्वे. तेरापंथी एवं स्वतंत्र नवतेरापंथी सम्प्रदाय	
	समता विभूति आचार्य श्री नानालालजी म.सा.	23		श्री श्वेताम्बर तेरापंथ समुदाय	20
	ज्ञान गच्छाधिपति तपस्वीराज श्री चम्पालालजी म.सा.	29		श्री स्वतंत्र नव तेरापंथ समुदाय	207

क्रम विवरण/सम्प्रदाय का नाम पृष्ठ संख्या

## भाग चतुर्थ

श्वे मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी ममा का समुदाय (भाग "प्रथम")	113
आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी ममा समुदाय (भाग "द्वितीय")	123
आचार्य श्री नदी सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	129
आचार्य श्री सागरानन्द सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	133
पद्मास श्रीधर विजयजी ममा (डेहतावाला) का समुदाय	141
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	145
आचार्य श्री विजय बुद्धिसार सूरेश्वरजी ममा समुदाय	149
आचार्य श्री विजय नीतिसूरेश्वरजी ममा का समुदाय	151
आचार्य श्री विजय लखि सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	157
श्री माहनलालजी ममा का समुदाय	161
आचार्य श्री विजय मोहन सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	163
आचार्य श्री विजय भक्ति सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	167
आचार्य श्री विजय कनक सूरेश्वरजी ममा (बागडवाला) का समुदाय	171
आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरेश्वरजी ममा का (बापजी समुदाय)	175
आचार्य श्री विजय केशर सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	177
आचार्य श्री विजय हिमाचल सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	179
आचार्य श्री विजय शादीचन्द्र सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	181

क्रम विवरण/सम्प्रदाय का नाम पृष्ठ संख्या

आचार्य श्री विजय अमृत सूरेश्वरजी ममा का समुदाय	183
अचलगच्छ (विधि पत्र) समुदाय	185
श्वतरगच्छ समुदाय	191
त्रिस्तुतिक समुदाय (भाग प्रथम)	195
त्रिस्तुतिक समुदाय (भाग द्वितीय)	197
त्रिस्तुतिक समुदाय (भाग तृतीय)	199
पारश्वचन्द्र गच्छ समुदाय	201
विमलचन्द्र गच्छ समुदाय	205
अन्य समुदाय के साथ माध्वीया	207

## भाग पंचम

द्विगम्बर समुदाय

द्विगम्बर समुदाय	209
------------------	-----

## भाग षष्ठम

अथ जानकारियाँ

समग्र जैन पत्र-पत्रिकाएँ	1
समग्र जैन आचार्य सूची	18
नई दीक्षा सूची एवं तालिका	19
समग्र जैन नई पदवी प्रदान सूची	27
बाल धर्म सूची एवं तालिका	25
पंचवर्षीय नये आचार्य पद सूची	33
एकादश वष महाप्रयाण सूची	35
उच्च शिक्षा प्राप्त मतसही सूची	39
राष्ट्रीय सभ अध्यक्ष सूची	41

## भाग सप्तम

गिनित बुक ऑफ जन समाज रिवाइज

## भाग अष्टम

विज्ञापन

# चातुर्मास सूची भेंट योजना-1992

## समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992 पुस्तकें भेंटकर्ताओं की नामावली

भेंट पुस्तकों की संख्या

भेंटकर्ता का नाम एवं विवरण

- 225 अ.भा. श्वे. स्था. जैन कान्फेन्स के अध्यक्ष एवं परिषद् के मंत्री श्री पुखराजजी लुंकड़ वम्बई की ओर से श्रमण संघ के संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 150 अ.भा.श्वे. मूर्तिपूजक जैन कान्फेन्स एवं परिषद् के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध दानवीर श्रीमान दीपचंद भाई गार्डी वम्बई की ओर से श्वे. मूर्ति. समुदायो के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 100 अ.भा. श्वे. जैन कान्फेन्स के उपाध्यक्ष एवं परिषद् के सहमंत्री श्री नृपराजजी जैन वम्बई की ओर से स्थानकवासी श्रमण संघ के संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 100 अ.भा. श्वे. जैन कान्फेन्स के उपाध्यक्ष, म.प्र. शाखा के अध्यक्ष एवं परिषद् के सहमंत्री श्री नेमनाथजी जैन इन्दौर की ओर से श्र. सं. उत्तर भारतीय एवं अन्य संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 100 परिषद् की कार्यकारिणी के सदस्य श्री माणकचंदजी, रतनलालजी कंवरलालजी, शांतिलालजी, मदनलालजी सांखला (अजमेर जिले) वम्बई की ओर से साधुमार्गी जैन श्री संघों एवं प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म. के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 75 श्री अ.भा. ज्ञान गच्छ श्रावक संघ के अध्यक्ष एवं परिषद् की कार्यकारिणी के सदस्यगण श्री जशवंत भाई एस. शाह (बायोकेम फार्मा) वम्बई की ओर से ज्ञानगच्छ के श्री संघों को सप्रेम भेंट।
- 75 राजकोट स्था. जैन श्री संघ के अध्यक्ष एवं परिषद् के उपाध्यक्ष श्री नंगीनभाई विराणी राजकोट की ओर से गोडल मोटापक्ष एवं गोडल संघाणो पक्ष समुदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 50 श्वे. तपागच्छीय गच्छाधिपति आचार्य देव श्री विजय भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा. के समुदाय के शासन प्रभावक युवक जागृति प्रेरक आचार्य श्री विजय गुणरत्न सूरेश्वरजी म.सा. की सद्प्रेरणा से श्री जैन संघ पिण्डवाडा (राज.) की ओर से समुदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 30 परिषद् के सदस्य एवं समाधोषा-कच्छ निवासी श्री गागजीभाई कुंवरजी भाई वीरा की ओर से स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 30 माण्डवी-कच्छ निवासी (वर्तमान में न्यूयार्क-अमेरिका स्थित) वृहद् कच्छ स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के भूतपूर्व-संघपति संघरत्न सेठ श्री चुष्ठीलाल वेलजी भाई मेहता की ओर से स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 25 श्वे. तपागच्छीय सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा. की सद्प्रेरणा से गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. समुदाय के साधु-साध्वियों को जैन श्री संघ नवाडीसा की ओर से सप्रेम भेंट करते श्री चन्द्रेश भाई, कांदिवली।
- 25 श्री व. स्था. जैन-श्रावक संघ (मेवाड़) वम्बई के संस्थापक ट्रस्टी, भूतपूर्व अध्यक्ष एवं परिषद् के सदस्य श्री भीठालालजी सिंघवी वम्बई की ओर से श्रमण संघ के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।



- 25 भारत जैन महामण्डल के प्राध्यापक एवं परिषद् के महामंत्री श्री विष्णुमन्त्रजी वर्धन वर्म्हई की ओर से निम्नलिखित सभ एवं अन्य माधु-माधियाओं को सम्मेलन भेंट।
- 10 श्री कपूरचंदजी पारममलजी कावरिया जैन (भापागण्ड वाले) जनगाव की ओर से जैन रत्न हिलेवी श्रावण मघा को सम्मेलन भेंट।
- 21 अचन गच्छ समुदाय के आचार्य श्री कन्याप्रभ सागर सूर्यवरजा म मा की सदप्रेरणा से श्री कच्छी वीमा ओगवान जैन महाजनवादी रम्बड की ओर से अचलगच्छ समुदाय के माधु-माधिया का सम्मेलन भेंट।
- 25 श्वेताम्बर गणराज्य श्री सागरानंद सूर्यवरजी म मा के समुदाय के आचार्य श्री भूषोदर सागर सूर्यवरजी म मा की सदप्रेरणा से जैन श्वेताम्बर मतिपूजक सभ माटा गाव (वामवान राज) की ओर से सागर समुदाय के माधु-माधिया को सम्मेलन भेंट।
- 15 श्रमण मघीय महाह्वार अनुयोग प्रवक्त श्री कन्यापालाजी म मा 'कमल' की सदप्रेरणा से सूरमागर जोधपुर के चातुर्मास के उपलक्ष्य से म्यानकवासी जैन माधु-माधियों को सम्मेलन भेंट।
- 25 भारत जैन महामंडल के प्राध्यापक एवं परिषद् के मार्गदर्शक श्री शांतिप्रसादजी जैन वर्म्हई की ओर से अचलगच्छ मघा के माधु-माधियों का सम्मेलन भेंट।
- 10 श्रमण मघीय ज्ञान प्रचारक श्री विचक्षण मुनिजी म मा की सदप्रेरणा से श्री व स्या जैन श्रावण सभ हुयली के ओर से माधु-माधिया एवं जैन श्री सभा का सम्मेलन भेंट।
- 10 श्रमण मघीय प्रवक्त श्री अम्बालालजी म मा की सदप्रेरणा से श्री व स्या जैन श्रावण सभ, लोका मरदार गढ (राज) की ओर से सत सतियों को भेंट।

1126 कुनयाग

सभी भेंटकर्ताओं का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार

## जैन पत्र-पत्रिका एकता पुरस्कार

आप सभी को सूचित करते हुए पत्रम हय हो रहा है कि जभा ममप्र जैन चातुर्मास सूचा प्रकाशन परिषद् वर्म्हई द्वारा सम्पूर्ण जैन समाज में वतमान में प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं के श्रेष्ठ प्रकाशन काय एवं कई छोटे पत्र-पत्रिकाओं का उत्साह बढ़ाने हेतु "एकता पुरस्कार" प्रारम्भ करने का निश्चय किया गया है। यह पुरस्कार पत्र के श्रेष्ठ प्रकाशन, मेकप सुन्दर छपाई, बहिषा वागज, पानबधन, समाजोत्थान, नव चेतना, एवता सगठन काय, नियमित प्रकाशन अवधि, सुन्दर लेख, रचनाओं, प्रसारण मन्था आदि श्रेष्ठ कार्यों के लिए किसी कायक्रम में पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र आदि प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। इस वर्ष का पुरस्कार 1-1-92 से 31-12-92 तक की अवधि में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं को प्रदान किये जायेंगे। पत्र की श्रेष्ठता एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ता का ध्यान निर्वापक समिति करेगी।

### एकता पुरस्कार की राशि

प्रथम पुरस्कार	रुपये 500/-	प्रशस्ति पत्र सहित
द्वितीय पुरस्कार	रुपये 300/-	" " "
तृतीय पुरस्कार	रुपये 200/-	" " "
सम्मान पुरस्कार	(पांच पत्र)	" " "

अतः सम्पूर्ण जैन समाज के सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय मपादिका से मन्त्र निवेदन है कि आप अपने पत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पत्र को एक प्रति परिषद् के पते पर हमें अवश्य भिजवाने का कष्ट करें।

-विनीत-

दीपचंद भाई गाडो, शांतिपाल छाजेड़, बाबूपाल जैन  
(जैन) 'उज्ज्वल'  
अध्यक्ष, महामंत्री मयाजक

## भाग-प्रथम

जीवन-परिचय एवं फोटो  
सारणियां एवं तालिकाएँ  
अनुक्रमणिकाएँ  
अन्य जानकारियाँ

*With best compliments from*

# Scholarship

Deserving candidates send your handwritten applications for scholarship to

**Shree Surajmal Shrimal Memorial Trust,**  
4F2(A) Court Chambers 35 New Marine Lines  
Bombay-400 020 (INDIA) Phone 299979 311067



# पूज्य गुरुदेव योगीराज श्री रामजीलालजी म.सा.

## गुरुदेव योगिराज: एक परिचय



साधुत्व प्रतिपन्न व्यक्तित्व समाज, राष्ट्र व विश्व की महान् निधि होता है। क्यों कि समय, शील, सदाचार से अभिभूत महा-पुरुष की आत्मा का आलोक राष्ट्र एव विश्व के अधकार को मिटाकर उसे नूतन जीवन प्रदान करता है।

पूज्य गुरुदेव योगिराज श्री रामजीलाल जी महाराज एक ऐसे ही महापुरुष थे, जिन्होंने आत्म-कल्याण के साथ-साथ समाज व राष्ट्र का भी उद्धार किया। उम महापुरुष के 25 वे स्मृति-दिवस पर भारत की जनता श्रद्धाओं में भर कर उन्हें भावार्थ समर्पित कर रही है। आओ! इस अवसर पर उम विमल-विभूति के जीवन-वृत्त को देखे और ममझे।

### जन्म:

वीर वसुन्धरा बडौदा ग्राम (हरियाणा) में जनवन्ध पूज्य गुरुदेव योगिराज श्री रामजीलालजी महाराज का मवत् 1947, भाद्रपद कृष्ण 1 को जन्म हुआ था। चौ श्री सुखदयालजी का पितृत्व मसुष्ट हुआ। माता श्रीमती लाडोवाई की गोद पुत्र-रत्न से भरी। पुत्र-रहित कुल धन्य हुआ। रामजीलाल अपने माता-पिता की एकमात्र सन्तान थे। इनका बचपन बड़े लाड-प्यार में बीता।

### दीक्षा:-

रामजीलाल युवा हुए थे। ये शरीर से बहुत बलवान् थे। गाँव में एक युवाजनो की मित्र-मडली थी। उम मित्र मडली के रामजीलाल प्रमुख थे। गाँव में तथा आम-पाम के इलाके में रामजीलाल को कोई चुनौती दे सकने में समर्थ न था।

21 वर्ष की आयु में इनका सम्पर्क परमश्रद्धेय चार्ित्र चूडामणि श्री मायारामजी महाराज में अप्रत्याशित हुआ। मन वैराग्य में भर उठा। अतत श्री मायारामजी महाराज के लघु शिष्य श्री मुखीरामजी महाराज के चरणों में आपने मंदर वाजार दिल्ली वि सवत 1971, मार्ग शीर्ष कृष्णा चतुर्दशी की क्षेम-बेला में मुनि-दीक्षा ग्रहण की।

### अध्ययन:-

अपने आराध्य गुरुदेव के निर्देशन व पथ-प्रदर्शन में श्रद्धेय मुनि श्री रामजीलालजी ने जैनागमो का विधिवत् अध्ययन किया। ध्यान एव योग आपके प्रिय विषय थे।

स्वाध्याय और योगाम्यास के समन्वय में आत्म-दर्शन के माध्य तक पहुँचकर उन्होंने स्वयं को ही योग-दर्शन का एक प्रमाणिक अध्याय बना लिया था। इसीलिए ये समय भारत में 'योगिराज' के नाम में सुविख्यात हुए।

### संघ नायक:-

गृही जीवन का मार्ग हो या साधक जीवन का पथ, नायक या नियन्ता की मध-संचालन में अनिवार्य आवश्यकता है। लोग-वन्द्य श्री मायारामजी महाराज के समस्त साधुओं और गृहस्थ समाज ने मन् 1964 में हरियाणा में प्रसिद्ध नगर जीन्द में पूज्य गुरुदेव को अपना धर्म-नायक मानकर निश्चिन्तता का अनुभव किया।

### अमीनगर की मिट्टी:-

पूज्य गुरुदेव के अंतिम वर्षावास अमीनगर (मेरठ, उ प्र) में था। साधु जीवन की सभी आवश्यक क्रियाएँ, जो देहोत्सर्ग के समय की जानी चाहिए, के सभी सम्यग रूप से कर चुके थे।

गुरुदेव ने अपने अंतिम मदेश में कहा- जीवन को खुली पुस्तक की तरह रखो। छल की कालिमा से मुक्त रहो। जीवन में सरलता होगी, तो आत्म-दर्शन एव मुक्ति सलक्ष्य तुम में कुछ दूर न रहेगा।

अमीनगर की मिट्टी में सवत् 2024 आश्विन कृष्ण 5 को उन्होंने भौतिक देह का विसर्जन किया। आज भी लाखों जन उनका पावन स्मरण कर, श्रद्धावदन में नत होते हैं।

**-विद्वद्गुरु मुनि रामकृष्ण**

# सन्त शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म सा जीवन परिचय



जन्म नामकरण	विद्याधर
जन्म तिथि	जातिव्रत शुक्ला पूर्णिमा विम 2003 दिनांक 10-10-1946
जन्म स्थल	ग्राम मन्सला (जि बलगाम) बनारस
पितृ नाम	श्री मन्सलानी (मुनिजी मन्सलसागरजी)
मातृ नाम	श्री श्रीमतीजी (आयिका समयमतीजी)
मातृभाषा	ब्रज
मुनि दीक्षा	आषाढ शुक्ला पंचमा विम 2025 दिनांक 30 जून 1968 अजम म
आचार्य पद	मग्निर कृष्ण द्वितीया विम 2029 दिनांक 21 नवम्बर 1972 नमीरावा (गजस्थान) म

शिष्या-दीक्षा गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज

विशेष — चरित्र चरुवर्ती आ श्री शान्तिसागर महाराज के उपदेशामृत न बचपन में विरक्ति के बीज जोय और आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत आ श्री दशभूषणजी से ग्रहण किया। अ ती पानसागरजी म शिष्या और मुनि-दीक्षा प्राप्त की।

आ श्री विद्यासागरजी को जहाँ प्राच्य सम्स्कृत अपभ्रंश-मगठी हिन्दी अंग्रेजी वाला ब्रज आदि अनेक भाषाओं म प्रवाण्ड पाठिय प्राप्त है, वही दर्शन इतिहास सम्स्कृत यद्यत्वावगम माह्दिय मनोविज्ञान और योग विद्याओं म अनुपम वैदुष्य भी उपलब्ध है। आपम आशुबपिबय और प्रयुक्तमन्त्रिष अत्यन्त प्रशस्य युण हैं।

आचार्य श्री स्वसाधना के साथ निरन्तर चानाम्याम म प्रवृत्त हैं। आपन भय्य जीवो के आमकल्याण हनु अनेक प्रयत्न का प्रयत्न किया है और मां भारती के भण्डारो को भरा आपके द्वारा प्रेषित एक अनुवादित रचनाओं की मख्या 100 से अधिक है। आपन पीछिन करीब 73 मातृभाषीजी एव 150 गण वालब्रह्मचारी भाई-बहन हैं।

आप सम्पूर्ण दश में काफी प्रभावशाली आचार्य हैं। आपके पूज्य पितान्त एव माताजी न ही दिगम्बर ममुनाय में ही मयम व्रत अगीकार किया है। सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज में आपके ममुनाय क बराबर अय किसी भी ममुनाय में इतनी विशाल मख्या म शिष्य शिष्याएँ अयत्र वही भी नही हैं। इम वर्ष आपक मन्त्रिष म (17) नई दीक्षाएँ शी सम्पन्न हुई हैं। आपका इम वर्ष मयम जीवन तीसा का रजत महोत्सव का आयोजन भी विशाल कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्पर्क सूत्र—

सन्त शिरोमणि, आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी

श्री दिगम्बर जैन अतिशय (गिठ) क्षेत्र  
बृहलपुंजी, म पा बुण्डलपुर, जिन्ना दमोह  
म प्र ) 470661 फोन न 30

# श्रमण संघ के युवाचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. MA, Ph-D.



## संक्षिप्त जीवन परिचय

धन्य हो उठी मलौट मण्डी की भूमि (जिफरीदकोट, पजाब) कि जिसे आपका जन्म स्थान कहलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दिन 18 सितम्बर 1942 पवित्र एव शुभ हो गया।

क्योंकि आपका इस धरा पर पदार्पण हुआ। आपके जन्म से श्री चिरंजीवीलालजी का पितृत्व सन्तुष्ट हुआ एव माता श्रीमती विद्या देवीकी कोंख गौरवान्वित हुई, "होनहार विग्दान के होत चिकने पात" इस उक्ति के अनुसार "यथा गुण तथा नाम" को दृष्टि में रखते हुए आपके ब्राह्म व्यक्तित्व को, आपके भीतर अन्तरंग भावों की अभिव्यक्ति स्वरूप मंगल के अर्थ को लिए हुए "शिवकुमार" इस नाम से नामांकित किया गया।

### साधना पथ पर

एक सच्चे त्यागी बनकर परम पूज्य गुरुदेव बहुश्रुत जैनागम रत्नाकर श्रमण मधीय सलाहकार पूज्य श्री ज्ञान मुनि जी म सा के श्री चरणों में 30 वर्षीय जीवन की स्वर्णिम वैला में विकसित यौवन काल में अतर प्रज्ञा की जागृति के आधार पर, अन्य त्रयभगिनिओ के सग 17 मई 1992 के दिन भगवान महावीर के दर्शन हुए सम्यक ज्ञान, दर्शन, चाग्रि के मार्ग का अनुगमन करते हुए वीतरागता की ओर प्रयाण किया।

### समीचीन अध्ययन:

आपश्री जी ने समय ग्रहण करने से पूर्व ही अंग्रेजी एव दर्शन शास्त्र में एम ए कर लिया था। दीक्षा लेने के पश्चात् आपने Doctrine of liberation in Indian Religions (with special reference of Jainism) इस विषय में पी एच-डी की उपाधि को प्राप्त किया। आप समस्त स्थानकवामी साधु समाज में पी एच-डी की उपाधि को प्राप्त करने वाले तो एकमात्र है। विविध देशों की मस्कृति उनके आचार-विचार एव आदर्शों के समीचीन अध्ययन हेतु वैराग्यवस्था में आपश्री जी ने जेनेवा, टोरन्टो, कुवैत, अमेरिका आदि स्थानों की विदेश-यात्रा भी की। व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ आगम ज्ञान की प्यास भी आपश्री जी में सदा जागृत रही है। आपके मन में एक अटूट अभीप्सा है सत्य को साक्षात्

करने की। जो किसी भव्य एव आत्मार्थी जीव में ही होती है।

### कृतित्व:

आपश्री जी ने कृतित्व अति सौम्य, सरल, मधुर एव स्नेहमय है। जैसे सुरभित विकसित कमल का फूल। विचारों से आप प्रगतिशील एव सर्वधर्म समाभावी है। आप एक ओजस्वी वक्ता एव कुशल लेखक है। आपके प्रवचन सूत्रवत सीधे और हृदयस्पर्शी होते हैं, जो भी वे बोलते है, करते है, वे सभी जीवन की आन्यन्तिक गहराई एवं अनुभूति में उद्भूत होता है। जीवन को उसकी समग्रता में जानने, जीने और प्रयोग करने में आप एक जीवन्त प्रतीक है।

### एक पौरुषीय व्यक्तित्व:

आपश्री जी का जीवन एक साकार स्वरूप है। आपका पराक्रम एवं आपकी अप्रमत्तता अत्यन्त विरल है। एक तरफ तो उग्र विहार साथ ही एकान्तर तप का अनुष्ठान, दूसरी ओर उन्नत शिखरों को स्पर्श करती हुई आपकी यह प्रखर ध्यान साधना। बाह्य एव आभ्यान्तर तप का यह अद्भुत सगम शायद ही कही और देखने को मिले। यह उनका पुरुषार्थमय जीवन वास्तव में आज के युवा वर्ग के लिये एक उच्चतम एव जीवन्त आदर्श को स्थापित करता है।

### अन्तरंग साधना:

साधना को स्वयं के अस्तित्व का अभिन्न अंग बनाया है परम पूज्य युवाचार्य श्री जी ने और इसी कारण उनके मुख में उद्भूत होते हुए वचनों के पीछे अनुभूति का बल होता है। जिस कारण उनके संपर्क में आने वाला व्यक्ति उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। इनका समग्र जीवन ध्यान-साधना में इस प्रकार डूब गया है कि वे ध्यान साधना के एक स्वर्णिम अध्ययन बन कर रह गए हैं।

### युवाचार्य पद

सद्गुरु वही होता है जो सत्य प्राप्ति का मार्ग बतलाए। जो केवल सत्य की परिभाषा करके रह जाय, वह सद्गुरु नहीं होता। सत्य के स्वरूप की परिभाषा के साथ-साथ उस स्वरूप को कैसे उपलब्ध किया जाय, यह जो दर्शाए, वही होता है सद्गुरु। ऐसे ही एक सद्गुरु है युवाचार्य प्रवर्ग जो धर्म के सैद्धांतिक पक्ष के साथ-साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को भी हमारे समक्ष रखते हैं।

ऐसे अनेकानेक विशिष्ट गुणों में अलंकृत आपके व्यक्तित्व में प्रमुदित होकर पूना के विशाल माधु सम्मेलन में 13-5-87 को परम पूज्य महामहिम राष्ट्र-मन्त आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म सा. ने आपको श्रमण संघ का युवाचार्य पदवी में सुशोभित किया।

अनेक पुस्तकी पुष्प के नवावन के समान उपतारायी सागर  
विगारक परम प्रभावा का नान ब्रह्मचारी

राष्ट्रसत आचार्य

आचार्य श्री निपुण प्रभ  
सुरीश्वरजी म सा

श्री जयत सेन मूगीश्वरजी म सा



आपका जन्म राजस्थान प्रांत के मवाड क्षेत्र के बगी नाम  
में जैष्ठ शुक्ला 14 वि सं 1960 का सुधाकर भीमा मन्नाजी  
के यहाँ हुआ। आपका बचपन का नाम श्री तबनमन्ना था।  
यहाँ में आप मूयत के नाम मन्नाजी गोबि म अना पूषामा के  
यहाँ आ गए और यहाँ ही आपकी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण हुई।  
मूयत के धर्मनिष्ठ वतप्राणी सुधाकर भीमा मन्नाजी वतप्राणी  
के यहाँ रहकर 16 वर्ष की उम्र में उनसे धर्म का प्रणाम लेकर  
श्रुत पञ्चम्यात समाधिक परोपध श्रुत अति विराम प्रणम हुए  
किया। आपका मूयत गांधीपुरा में पूज्य श्री पद्म मुनिजी महारा  
ज पान वि सं 1980 में उपधा विद्या बनी पर आपका आचारा  
मयम तीना सन की वा गयी श्री आपका मास 17 3 दि सं  
1984 में ही पूज्य पन्थाम श्री राजर मुनिजी महाराज के नाम  
शुभुज्यावतार तीर्थ वतार नाम में तीना प्रणम कर ही ही ता कु  
पन्नात आपका नाम श्री निपुण मुनिजी मन्ना हुआ। पूज्य  
श्री माहनलालजी म सा के शिष्य श्री बचन मुनिजी महाराज के नाम  
पद्म वैश्यावध भक्ति करत करत आपका मूयत पर्यु गहा  
अध्ययन किया। श्री बीनि मुनिजी महाराज के शिष्य श्री एव  
आचार्य श्री अमर मूगीश्वरजी महाराज के नाम पद्म कामी का  
अध्ययन भी किया।

अन्य नाम—रई सोपी का रई मय विगार,  
अभिधानाचर्य - प्रकाशक नाम ।  
राष्ट्रसत मूयत के शिष्य मा स्थानत ।  
वि—आचार्य श्री अमर मूगीश्वरजी महाराज के शिष्य  
रई मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी मन्नाजी महाराज  
के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य

मोहानलालजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
श्री विजय शर्मा महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
श्री शुभ शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य  
मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य मन्नाजी महाराज के शिष्य

एक वर्षमान तक आचारा उप विहारी आचर्य विगार  
कोषकी मूगीश्वर का काशीनापी बना।

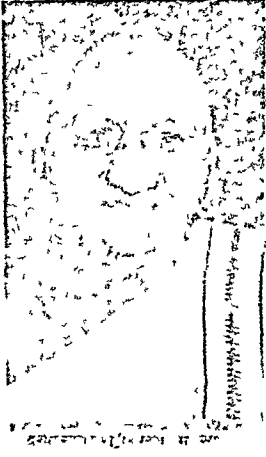
श्री आचार्य श्री निपुण प्रभ मूगीश्वरजी महाराज के नाम वि सं 2014 में  
बड़ा चौक मूयत में वि सं 2018 में तातुमास में पूज्य श्री

पूज्य आचार्य श्री विरवान् मूगीश्वरजी महाराज के शिष्य  
बीतिमन मुनि

श्वे. सूर्ति, तपा गच्छीय सागर समुदाय के संघ नायक गच्छाधिपति,

जिन शासनं ज्योतिर्धर, प्रशान्त संयम सूर्ति

## आचार्य प्रवर श्री दर्शन सागर सूरीश्वर जी म. सा.



### संक्षिप्त जीवन परिचय

गच्छाधिपति आचार्य श्री दर्शन सागर सूरीश्वरजी म.सा.

गरवी गुजरात नु ऐ झालावाड़ धाम।

ध्रागंध्रा जिल्लानु ऐ धोली नामनु गाम।।

पिताम्बर दास ऐ पिता नु नाम।

अने हरख बहिन ऐ माता नु नाम।।

पिताजी का नाम—श्री पिताम्बर दास वीशा श्रीमाली

ओसवाल

माताजी का नाम : श्रीमती हरख बहिन

मूल नाम : श्री देवचन्द भाई

जन्म तिथि : बैशाख बदी 7 वि. सं. 1964

जन्म भूमि : धोली गाँव जिला ध्रागंध्रा (सौराष्ट्र)

दीक्षा तिथि : जैष्ठ बदी 14 वि. सं. 1986

दीक्षा भूमि : खंभात (गुजरात)

दीक्षा गुरु : आचार्य श्री सागरानन्द सूरीश्वरजी  
म.सा.

शिष्य : श्री महोदय सागर म. सा.

नूतन नाम : श्री मुनि श्री दर्शन सागर जी म.सा.

समुदाय का नाम : श्वे. सूर्ति.तपागच्छीय सागर समुदाय

गणि पद : कार्तिक बदी 3 वि.सं. 2008 पालीताणा

उपाध्याय पद : साध शुक्ला 11 वि.सं. 2022

उपाध्याय पद प्रदाता : आचार्य श्री माणिक्य सागर  
सूरीश्वरजी म.सा.

आचार्य पद : दिनांक 4-2-1987 गोडीजी पायधुनी,  
बम्बई

आचार्य पद प्रदाता : पन्थाम श्री रेवत सागरजी म.सा.

भाषा ज्ञान : हिन्दी, गुजराती, प्राकृत, संस्कृत, पाली  
आदि

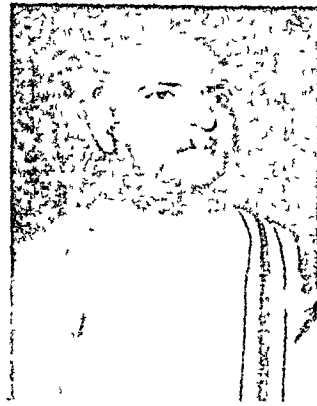
विहार क्षेत्र : राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि

पदयात्रा : लगभग 1 लाख कि.मी. का पैदल विहार  
यात्रा

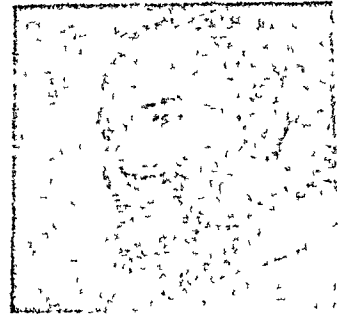
प्रतिष्ठा उपधान : अनेको जगह अनेकों वार

गच्छाधिपति पद : दिनांक 3-3-1991 प्रार्थना समाज, बम्बई  
समुदाय परिवार : लगभग 125, साधु 675, साध्वीयां कुल  
800 साधु साध्वीयों का परिवार

विशेष : लगभग 85 वर्ष की वय मे भी शास्त्री  
अगमो का अध्ययन अपने आप करना,  
सागर समुदाय का बडोल संघ नायक  
(प्रमुख) गच्छाधिपति, मधुर वक्ता  
आदि।



आचार्य  
श्री नित्योदय सागर सूरी जी म.



पन्थास  
श्री चन्द्रानन सागर जी म.



परम श्रद्धेय, स्व आचार्य श्री छोटालालजी म सा  
की द्वितीय वार्षिक पुण्य तिथि के अवसर पर  
भाव वंदना श्रद्धाजलि



पुण्य आचार्य गुरुदेव  
श्री छोटालालजी म सा

जन्म म 1943 भाजाय (बच्छर)  
पिता श्री बन्नाय गुंजायन  
माता श्रीमती मता इ  
बीसा म 1944 सुगा (बच्छर)  
गुरुदेव पू आचार्य श्री नागधत्री म सा  
आचार्य पद म 2040 गाइची (बच्छर)  
कालधर्म म 2046 थायन व 12 वारी (बच्छर)  
संप्रदाय बच्छर आठ वारी मोटी पन ग्या  
संप्रदाय

अमर पथना यात्रिक, परम कृपालु  
ओ पू गुरुदेव ।

आपनी मृतिमा मरकर समय मरकता जाय ह। आत्र दह  
स्वल्प जाग जामारी पाग नयी काळ कूर रती अमारी  
पाथयी आत्र न लई गयो पण सामोता हैयामा आप  
अनज पु रूप बिरानी हया छे। कोबनी पण अ ताराग  
नयी छे म्मारा अतरमाथी आपन सड शने । नोटेब  
आमर की बचन को ।।।

ओ परम उपकारी आचार्य  
गुरुदेवेश ।

आप त्रैलोक्य नमामरण मा सुख मम  
अपना अधार न दूर करता आत्र अमर प्रेरण न।  
उपना नो ह्या बिरानी अमर मर आत्र अमर न।

आपनी प्रेरणा अमर पापेय घने ।  
आपनी आशिष अमने अरिना बनाये ।।  
आपनी भक्ति अमने मुनि ।।।  
जापनु चरण अमाह न ।।  
आपनी प्रार्थना मणि - मो बोरो वागिर पुन  
आपना शिष्य आत्र अमरको मी शक्ति  
पडाकति ।।।  
आपनी प्रेरणा अमर पापेय घने ।  
आपनी आशिष अमने अरिना बनाये ।।  
आपनी भक्ति अमने मुनि ।।।  
जापनु चरण अमाह न ।।

श्री देवचंद वेलजी गडा  
दीनबधु स्वीट मार्ट

बाबू निराम लाल राव गुलुड (ब) बम्बई 400 080  
(मरा)

## श्री चाकण तीर्थ (पूना) में भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव

महाराष्ट्र राज्य के पूना जिला के चाकण तीर्थ में शामन प्रभावक पूज्य आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वर जी महाराज आदि ठाणाओं के सानिध्य में बड़ी धूमधाम में वैशाख शुक्ला 5 वि म 2048 को श्री महावीर परमात्मा श्री आदिनाथ भगवान आदि जिन विम्बो की प्रतिष्ठा लाखों रुपयों के चढावे के साथ हुई। प्रतिष्ठा महोत्सव में अध्यक्ष श्री नरपत भाई बदनमल मेहता, उपाध्यक्ष श्री बाबूभाई शिरचदभाई शाह ने अपनी संपत्ति का मद्ब्यय किया। पूना गोडी जी टेम्पल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री चंदुभाई एव सूर्यकान्त भाई ने बहुत बड़ा महयोग प्रदान किया। आठ दिनों तक तीनों समय नवकारसी एव ग्राम जमण का प्रोग्राम आयोजित किया गया था। यह तीर्थ पूना जिले में 138 वर्ष पुराना तीर्थ है। प्रतिष्ठा महोत्सव के पश्चात् आचार्य श्रीजी को चाकण तीर्थोद्धारक पदवी प्रदान की गई। आप भी इस प्राचीन चमत्कारिक भव्य तीर्थ में दर्शनो हेतु अवश्य पधारें।

विनीत  
ट्रस्टीगण



अप्रतिम प्रतिभाशाली  
आचार्य देव श्री विजय  
सुरेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.



चाणक तीर्थोद्धार सिद्धी तप के  
प्रेरक  
आचार्य श्री विजय  
यशोभद्र सूरीश्वरजी म.सा.

### जीवन-परिचय

आपके पिताजी का नाम श्री रूपचंद भाई एव माता का नाम श्रीमती बली बाई था। आपके बचपन का नाम शिरचद था। पूर्व जन्म के महाप्रताप एव इस जन्म में माता पिता के उत्कृष्ट संस्कार प्राप्त करके बचपन से ही जीवन को धर्म के रंग में रंगीन किया जिसके परिणामस्वरूप पूज्य श्रीधर्म विजय जी म.सा. (डेहला वाला) के सानिध्य में रहकर सयम जीवन का अभ्यास किया एवं दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आप उनके शिष्य बने। दीक्षा के पश्चात् आपका नूतन नाम मुनिश्री सुरेन्द्र विजयजी म.सा. रखा गया। उसके बाद ज्ञान, ध्यान, तप-त्याग में अग्रसर होने एव कठिन संयम साधना पूर्ण करके के पश्चात् आपको आचार्य पदवी प्रदान की गई। आपके पास कई व्यक्तियों ने दीक्षा ग्रहण करके शिष्य बने। आपका जन्म कार्तिक शुक्ला 2 वि.सं. 1950 को गुजरात प्रांत के वनासकाठा जिले के कुवाला गांव में हुआ। दीक्षा वि.स. 1969 में पाटन शहर में एवं आचार्य पदवी जूनागढ़ (सौराष्ट्र) में प्रदान की गई। अनेक गांव शहरों में विचरण करते हुए अनेक प्रतिष्ठाएँ दीक्षोत्सव उपदान आदि करके बहुत ही शानदार शासन प्रभावना की। आपका महाप्रयाण कार्तिक वदी 5 वि.स. 2006 को डेहला के उपाश्रय में हुआ। आचार्यश्री का जीवन बहुत ही आदर्शमय चारित्र्यशील प्रभावशाली था।

ऐसे पूज्य महापुरुष आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरीश्वर जी म सा रावन चरणों में कोटीशः वन्दना।

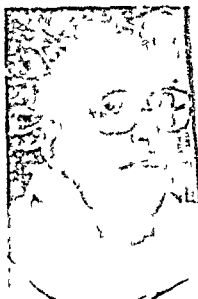
### जीवन परिचय

कोहीनूर रत्न श्री टीलचद भाई के कुलदीपक एव माता श्रीमती मैना बहिन के होनहार सपूत श्री नटुभाई का जन्म गुजरात प्रान्त के वनासकाठा जिले के कुवाला नामक गांव में हुआ। पूर्व जन्म के पुण्य उदय एव माता-पिता के धार्मिक उच्च संस्कारों में महेमाणा स्थित यशोविजयजी मस्कृत पाठशाला में धार्मिक अभ्यास किया। उसके पश्चात् मयमी जीवन का अभ्यास करने के पश्चात् अप्रतिम प्रतिभाशाली आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरीश्वरजी म सा के सानिध्य में जेष्ठ शुक्ला 3 वि म 2002 में राजनगर अहमदाबाद में सयम जीवन अगीकार किया। आपको कोट-वम्बई में वि म 2042 में आचार्य की पदवी प्रदान की गई। आपने गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बवई, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में विचरण भी किया है। अजन शलाका प्रतिष्ठा, दीक्षोत्सव, उपधान आदि अनेकों आयोजन भी आपके सानिध्य में पूर्ण हुए हैं। एव जिन शामन की शामन प्रभावना करने में आपने जप पताका फहराई है। इस वर्ष आपका चातुर्मास गोडी जी टेम्पल ट्रस्ट पूना मिटी में है। जहाँ पर आपके स्वयं के चार शिष्य रत्नों के साथ जिन शामन की प्रभावना कर रहे हैं। आपको चाणक तीर्थोद्धारक की पदवी भी प्रदान की गई है।

ऐसे महान प्रभावशाली आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वर जी म.सा के पावन चरण कमलों में कोटी-कोटी वन्दना।

तीर्थोद्धारक मार्गदर्शक, शासन प्रभावक,  
प्रगल्भ प्रवचनकार, तप प्रेरक—

आचार्य श्री विजय राजयश  
सूरीश्वरजी म सा.



प्रेरक कार्य—

- (1) आर्य समाजकारण में श्री उपमाह्वार प्राप्त करने का प्रथम कार्य (1902) का श्रेय (म.प्र.) के अतिथित श्रेय के कार्य प्राप्त हुआ है।
- (2) सम्पूर्ण भारत में एकमात्र एक आचार्य है जिसकी सद्गुरुता सद्गुरुता में प्रथित श्रेय प्राप्त करने के बाद भारत में सम्पूर्ण भारत में सर्वाधिक सम्पन्न 275 मास सम्पन्न की विवाद तदनुसार पूर्ण हुई थी जो एक विवाद है।
- (3) आर्य समाज के कार्य प्रभाव है तदनुसार श्रेय श्रेय में सर्वाधिक उपस्थिति पाती है।
- (4) आर्य समाज श्री सच्चिद मुनिजी सम्पन्न के प्रभावकारी आचार्य हैं।

आर्य समाज में श्रेय श्रेय के रूप में प्राप्त समाज सम्पन्न के रूप में 1992 के अनुसूचित की श्रेयता की मान कामगार करने है।

चानुमान स्थान—

श्री चन्द्रप्रभु स्व मूर्ति जैन वेदालय उपाध्य,  
राजा राममोहन राय जैन प्रार्थना समाज  
बम्बई 400 004 (महाराष्ट्र)

सभी पूज्य आचार्यों मुनिराजों को  
कोटी कोटी वन्दन!

धर्मज मण्डप सनातनकार  
श्री ज्ञानमुनिजी म सा



धर्मज मण्डप सम्पन्न के



ज्ञान प्रचारक श्री विकल्प मुनिजी म सा  
स्वाध्याय प्रिय श्री सौरभ मुनिजी म सा  
ध्यानप्रेमी श्री श्रेणिक मुनिजी म सा

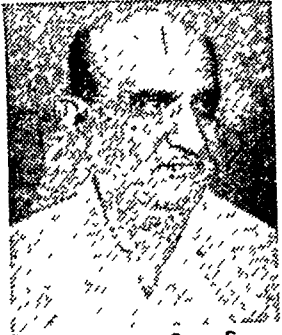
अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई  
कार्यकारिणी के माननीय पदाधिकारी सदस्यगण 1992

अध्यक्ष →



श्री दीपचंद भाई गाडी

उपाध्यक्ष



श्री विशनजीभाई  
लखमशीभाई शाह  
बम्बई  
महामंत्री



श्री नगीनदासभाई विराणी,  
राजकोट  
मंत्री



श्री एम. लालचन्द वाघमार,  
मद्रास  
मंत्री



श्री रिखचंद जैन (टी टी)  
दिल्ली  
मंत्री



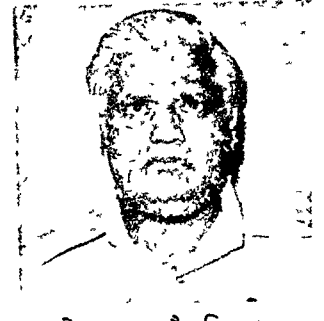
श्री शातीलाल छाजेड, जैन,  
बम्बई



श्री पुखराज लुकड,  
बम्बई

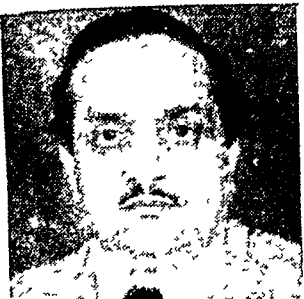


श्री डी टी नीसर,  
बम्बई



जेठमल चौरडिया,  
वैंगलौर

सहमंत्री



श्री नृपराज जैन,  
बम्बई



श्री नेमताथ जैन, (प्रेस्टीज)  
इन्दौर



श्री किशोरचन्द्र वर्धन,  
बम्बई



श्री कान्तीलाल जैन,  
बम्बई

## कोषाध्यक्ष

## संयोजक-सम्पादक

## मार्गदर्शक सलाहकार



श्री सम्पतराज कार्काड्या  
बम्बई

श्री ब्राजलाल जैन 'उज्ज्वल'  
बम्बई

श्री सुगलाल कोठारी,  
भार-बम्बई

श्री सुभाषचन्द्र कुलवाल  
बम्बई

## मार्गदर्शक सलाहकार



श्री हस्तीमल मुणात  
मिबन्दराबाद

श्री प्रतापभाई चानीवान  
बम्बई

श्री मोफतराज मुणात  
बम्बई

श्री ज डी जैन,  
गाजियाबाद

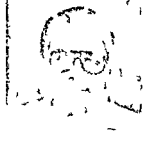


श्री जगन्नाथभाई सी शाह  
बम्बई

श्री गीजूभाई महता  
बम्बई

श्री अभयराज वलण्टा  
बम्बई

माणकचन्द साखला  
अजमेर बम्बई



श्री सरदारमल मुणात  
बम्बई

श्री माणकलाल सवानी  
बम्बई

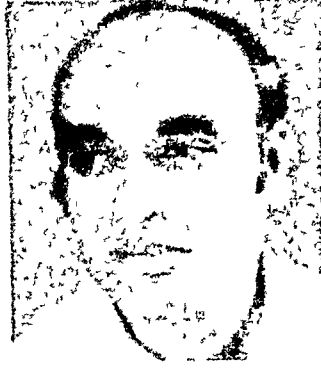
श्री हसमुखाभाई महता  
बम्बई

श्री एन ताराचन्द्र दुगड  
मद्रास

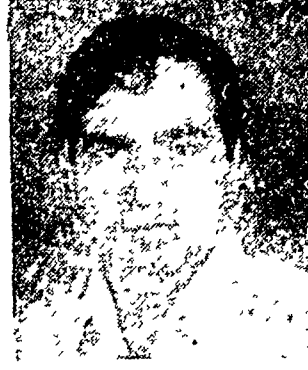
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



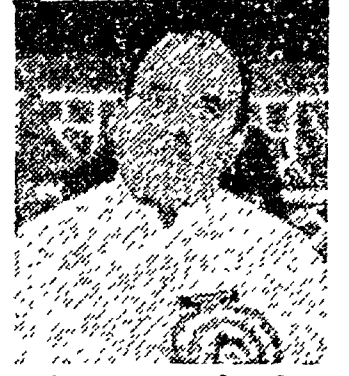
श्री जे के जैन (सावधान)  
वम्बई



श्री शान्तीलाल दुगड,  
नासिक



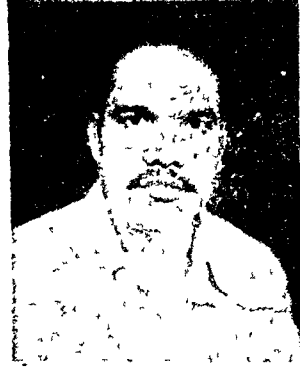
श्री ज्ञानराज मेहता,  
बैंगलोर



श्री वकटलाल कोठारी,  
पूना



श्री भीमराज कछारा,  
वम्बई



श्री मीठालाल मिषवी,  
वम्बई



श्री शकरलाल कोठारी,  
वम्बई



श्री पार्समल सुराना,  
वम्बई



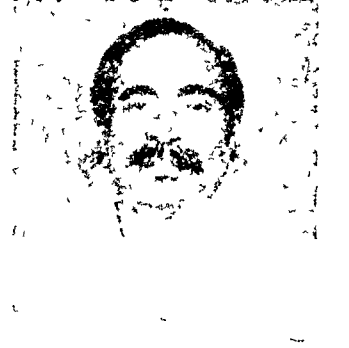
श्री चपालाल कर्नाटक  
वम्बई



श्री इन्द्रचद हीरावत,  
वम्बई



श्री रतनलालजी मी वाफना  
जलगाँव



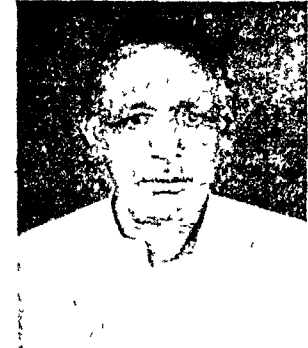
श्री उमरावसिंह मुगाना,  
मद्राम



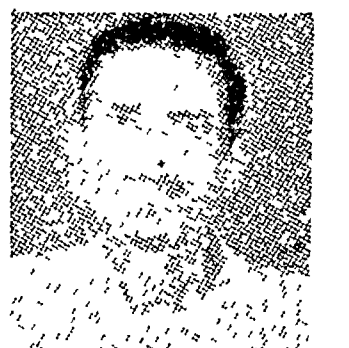
श्री रूपराज साखला,  
वम्बई



श्री उमरावसिंह ओम्तवाल,  
वम्बई



श्री वजरगलाल जैन 'मराफ'  
सवाई माधोपुर

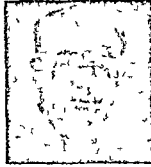


श्री रामदयाल जैन 'मराफ'  
सवाई माधोपुर

## परिषद के माननीय सदस्यगण



श्री चापमीभाई नन्द  
बम्बई



श्री अमरचन्द गाला  
(नवनीत) बम्बई



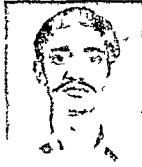
श्री पाचुभाई निवजी गाना  
बम्बई



श्री गगजी भाई छेडा  
(प्रिन) बम्बई



श्री गगजी भाई कुवरजी  
वोग समाधोधान्च्छ



श्री राजमीभाई करमणभाई  
करोआ ठाणा-बम्बई



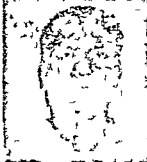
श्री रसिमलाल पचजी भाई  
छाडवा बम्बई



श्री मजुभाई सुभा भाई गढा  
(पोडा) बम्बई



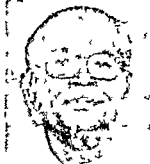
श्री रतनजी नायाभाई मोता  
थाणा-बम्बई



श्री मजुभाई पालणभाई नीमर  
बम्बई



श्री वलजीभाई वी नन्द  
बम्बई



श्री प्रमजीभाई शाह  
बम्बई



श्री मणीलाल वोग  
बम्बई



श्री दामजीभाई  
बम्बई



श्री रमणिकलाल छाडवा  
बम्बई

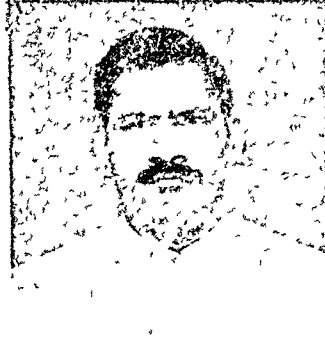


श्री राजेन्द्र ए जैन, बम्बई

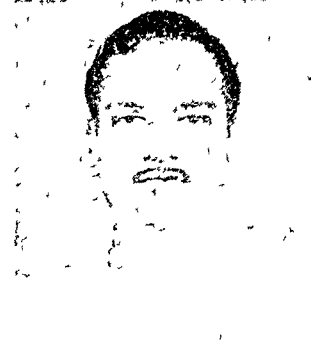
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री मपतराज वोकडिया,  
मद्रास



श्री उत्तमचन्द वाघमार,  
मद्रास



श्री पन्नालाल सुराना,  
मद्रास



श्री मुरेन्द्रभाई मेहता,  
मद्रास



श्रीजी कन्हैयालाल साहूकार,  
अरकोनम



श्री चन्दनमल बोहरा,  
वैगलोर



श्री एन. मुगालचद जैन,  
मद्रास



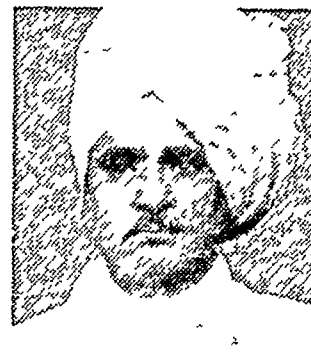
श्री सोहनलाल सिपानी,  
वैगलोर



श्री जवाहरलाल वाघमार,  
मद्रास



श्री एम शेरमल जैन,  
सिकन्द्रावाद



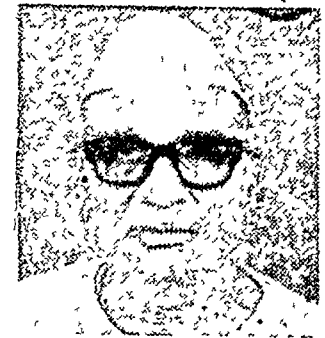
श्री भँवरलाल सियाल,  
वैगलोर



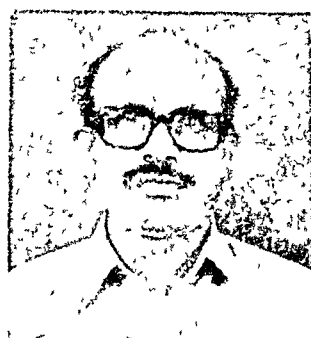
श्री फूलचन्द लुणिया,  
वैगलोर



श्री एव श्रीमती मोहनलाल  
पारख हैदगवाड



श्री भवरलाल श्री श्रीमाल,  
दुर्ग (म प्र)



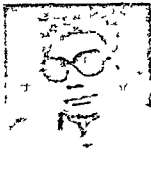
श्री अमरचन्द भुरट,  
गौहाटी



श्री धेवरचद भुरट,  
गौहाटी



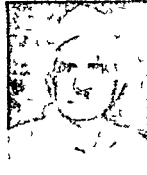
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री चणालाल मरवहा  
जालना



श्री दुनीच जैन  
जलाव



श्री भैवराल पूतफण 'मराफ'  
घोडानी (पूना)



श्री मुखालाल बाफना  
पुनिया (महागण्ड)



श्री गुरेश्वर तालवार  
पूना



श्री कलाल कोटारी  
जामनर



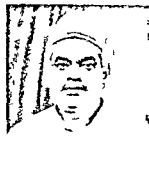
श्री इन्द्रविह बावेल  
उदयपुर



श्री गुरेश्वर तुगावत  
तिलोरा



श्री कुन्तलमल मावरिया  
इन्दौर



श्री बद्रीलाल जैन पोरवाल  
इन्दौर



श्री भाईलाल भाई तुरनिया  
इन्दौर



श्री माणिलाल कोटारी,  
इन्दौर



श्री गुरजमल जैन पोरवाल  
इन्दौर



श्री जमनालाल जैन पोरवाल,  
इन्दौर

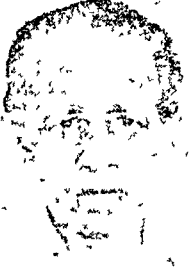


श्री हसमुखभाई मनमूखलाल  
शाह गुरदनगर

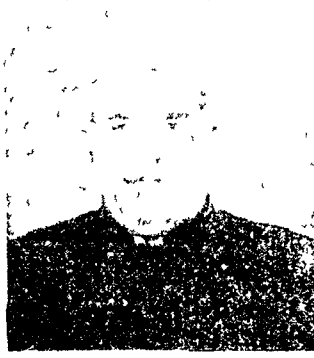


श्री सुधी पुण्या जैन  
बवाई

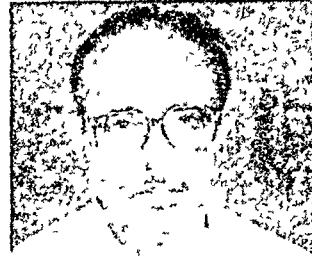
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



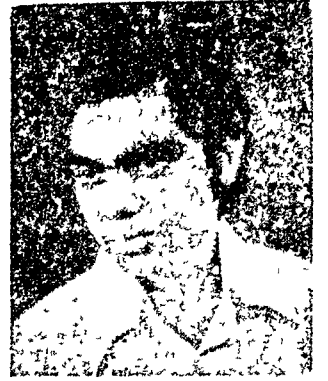
श्री ताराचन्द्र सिंघवी,  
पाली-मारवाड



श्री मोहनलाल डागा,  
पाली-मारवाड



श्री शान्तीलाल ललवाणी,  
पाली-मारवाड



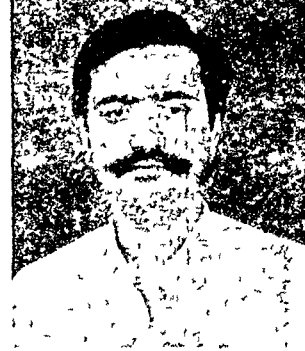
श्री गुमानमल लुकड,  
पाली-मारवाड



श्री कान्तीलाल एम गॉंधी,  
वम्बई



श्री भूपतसिंह ढढ्ढा,  
ववई



श्री गोतमचद काकरिया,  
मद्रास

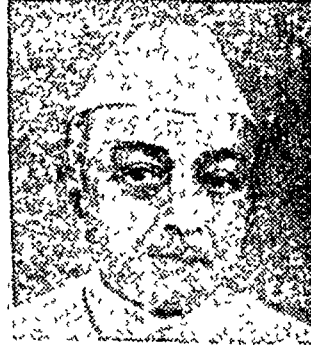


श्री फूलचद जैन पोरवाल,  
इन्दौर

## परिषद् के माननीय सहयोगी सदस्यगण



श्री जिनेन्द्र कुमार जैन,  
जयपुर



श्री एम जे देसाई,  
वम्बई



श्री चन्दनमल "चौद", वम्बई  
(जैन जगत)



श्री रतीलाल सी. शाह  
(धर्मप्रिय), वम्बई



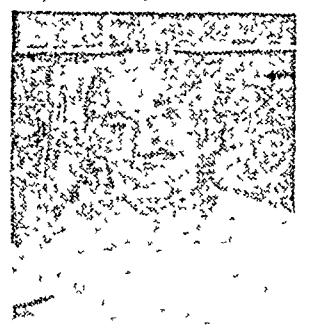
श्री नगीनभाई शाह  
(वावडीकर) वम्बई



श्री महेन्द्रभाई सेठ,  
भावनगर



रमणिक भाई एम. पटनी  
वम्बई



श्री प्रशांत एम. झवेरी,  
वम्बई

# सहयोगी कार्यकर्ता सदस्यगण



श्री हीरालाल चावरी (जैन)  
नईदुनिया प्रिन्टरी इन्डोर



श्री महेंद्र डांगी  
नईदुनिया प्रिन्टरी इन्डोर



श्री फूलचन्द महना  
इन्डोर



श्री मोतीलाल मुरारा  
इन्डोर



श्री विजयमिह नाहर  
इन्डोर



श्री मोतिलाल भामवाल  
बैंगलूर प्रतिनिधि

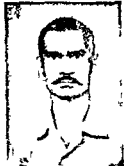


श्री छोटूभाई ददा  
(जयन प्रिन्टरी) बम्बई



श्री एन एम जैन  
मद्रास

## शाखा प्रतिनिधि सदस्यगण



श्री बालूलाल जैन पोगवाल इन्डोर  
(इन्डोर मालवा प्रतिनिधि)



श्री रणोदान बोपरा दुर्ग (म.प्र.)  
(छत्तीसगढ़-दुर्ग प्रतिनिधि)



श्री रामीलाल सी पारस  
(जैन ब्रान्ती)(राजकोट प्र.नि.)



श्री मंगीलाल बटारिया  
(रतलाम प्रतिनिधि)



श्री विनोद कुमार जैन  
(पुनर्पत्रण प्रतिनिधि)



श्री रामस्वरूप जैन आगरा  
(आगरा प्रतिनिधि)



श्री मुराहू कुमार जैन 'महाफ'  
(मवाई माधोपुर प्रतिनिधि)

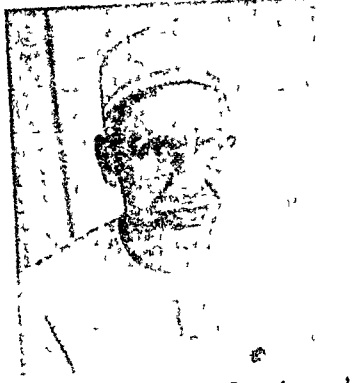


श्री प्रकाशचन्द्र हुण्डीवाल  
जलगांव प्रतिनिधि

## परिषद् के माननीय स्व. सदस्यगण



स्व श्री कंवरलाल वेताला,  
गौहाटी



स्व श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन',  
पाली-मारवाड



स्व श्री अमृतलाल कावडिया,  
वम्बई



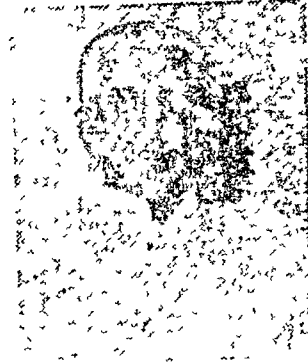
स्व श्री सचयलाल डागा,  
वम्बई



स्व श्री चुन्नीलाल मेहता,  
वम्बई



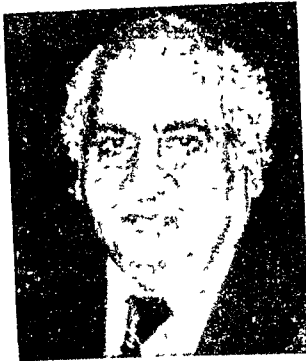
स्व. श्री चपालाल कर्नावट,  
वम्बई



स्व श्री भेरूलाल राका,  
सिकन्दरावाद



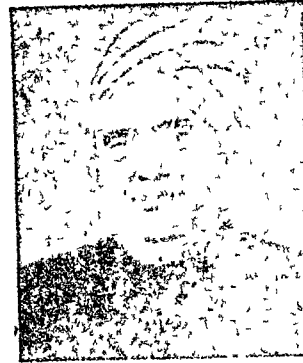
स्व श्री सचयलाल वाफना,  
औरगावाद



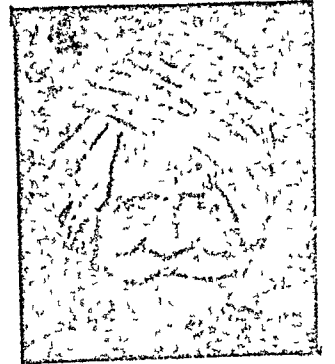
स्व. श्री हरीश जैन (जयसस)  
वम्बई



स्व श्रीमती मुखलाल कोठारी,  
खार-वम्बई



स्व श्री मुगनचन्द श्री श्रीमाल,  
मद्रास



स्व श्री प्रेमराजजी, कामदार,  
वैंगलोर



स्व श्री मोहनलाल मेडता  
वाला, पाली-मारवाड



स्व श्री मदनलाल साखला  
(जावला) वम्बई



स्व श्री रतनचद मुराना,  
खार-वम्बई

## गै रिसर्वेड जैन



बापू ने मधुना स्वभाव में एक नया रूप दे दिया। स्वदेश में बुद्धिमानों के हस्त पर ही। उनका मन में अनाद धर्म बड़ा आति जाक मुना। उनका कामठ कायकता जय प्रसिद्ध टी टी बनियान उद्योगपति श्रीमान निमरवन्जी जैन का जन्म 1907 में को नेल्सोन्स श्रीमान जैनगजजी के यहाँ हुआ। प्रारम्भिक पढाई प्राथम की एक मा 1910 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मटिब परीक्षा में निम्न प्राप्त कर उत्तीर्ण की। उनका पदचरु आप बलकता पधारा। वर्ष में 1964 में जे काम 1966 में सी ए एवं 1967 में एम बी ए में मरिट लिस्ट प्राप्त किया। उनका मा 1967 में कला जैन के भाय आपका विवाह मग्न हुआ। आपने ज्योति नामक एक सुपुत्री है। सभी अय भारिया का जगत आपका अलग उद्योग प्राण है।

मनु 1960 में ही शिक्षा ग्रहण करने के माध-माध आपकी रुचि होडियरी उद्योग की ओर उठन लगी और आपने बलकता में ही मने 1967 से 1970 तक इण्डिया इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के द्वारा बह प्रकाश के अनुभव प्राप्त किया। इण्डियन मशीन टूल्स निमाण कार्य के लिए आपने ने तरह के निमक करने भी उताया। आप सम्पूर्ण विश्व में कई कायकता में भारत के प्रतिनिधि जाकर भी गया। आपने दिल्ली में ही टी टी बनियान-अप्टर नियर उद्योग का एक छोटा सा उद्योग प्रारम्भ किया जो वर्तमान में तो सम्पूर्ण भारत में सबसे बड़ा बनियान अण्डर वियर उद्योग का उद्योग है एवं आज टी टी के नाम में अपनी विश्वमीयता के लिए जगप्रसिद्ध है। आज सम्पूर्ण भारत में जहाँ भी देखा वहाँ टी टी मार्का की मूज उठ रही है। आप टी टी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का मालिक एवं कता है।

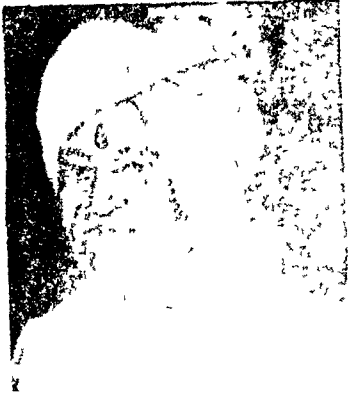
आपने अपने जीवन के दौरान बहुत सारे कामों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आपका ध्यान हमेशा समाज के हितों पर रहता है। आपने अपने धन का उपयोग करके अनेक समाजिक कार्य किए हैं। आपका नाम भारत में अनेक समाजिक संगठनों में सुना जाता है। आपने अपने जीवन के दौरान अनेक लोगों को सहायता दी है। आपका नाम समाज में अनेक लोगों के दिलों में अंकित है। आपने अपने जीवन के दौरान अनेक लोगों को सहायता दी है। आपका नाम समाज में अनेक लोगों के दिलों में अंकित है।

## श्री राजमल लखीचंद जैन, जलगाँव

भाषण दिया था।

आप पक्के राजनेता भी थे आपने कई बार राष्ट्रपिता महात्मा गाँधीजी से प्रत्यक्ष में सम्पर्क कर विचार-विमर्श भी किया था। सेठ साहब श्री लखीचंद के देहावसान के पश्चात बाल्यवस्था में ही व्यापार की बागडोर आपने सभाल ली आप व्याज एवं मनी लेडर का व्यवसाय करने लगे थे। जामनेर जलगाँव में आपके द्वारा स्थापित मेसर्स प्रेमराज मगनराज नामक 135 वर्ष पुरानी पेढी आज भी विद्यमान है। आपके पास जामनगर में 11 हजार एकड़ जमीन थी। आपके एक मात्र एक सुपुत्री श्रीमती माणकबाई है एव सुपुत्र नहीं होने के कारण आपकी ही जन्मभूमि के आपके ही परिवारजनों में श्री शकरलालजी ललवानी को आप गोद लाये। श्रीमान राजमलजी का जलगाँव एव जामनेर में काफी प्रभाव एव उपकार रहा है। जामनेर के सम्पूर्ण जैन परिवारों को आपने काफी योगदान देकर उन्नत बनाया है। सम्पूर्ण जामनेर के जैन परिवार आपके उपकार को कभी भूल नहीं सकते हैं और यही कारण है कि आज भी सम्पूर्ण जामनेर के सभी जैन परिवारों के घरों में सेठ साहब का फोटू लगा हुआ दिखायी देगा जो सम्पूर्ण जैन समाज में एक कीर्तिमान रिकार्ड्स है कि पूरा शहर ही किमी सेठ साहब की फोटो अपने घरों में देवी देवताओं की तरह लगावे। श्रीमान शकरलालजी को आप गोद लेकर आये। वह भी काफी प्रभावशाली पराक्रमी भाग्यशाली है। आप भी काफी धर्मनिष्ठ मौनव्रती वारहव्रतधारी श्रावक रत्न हैं। आपका पूरा परिवार आचार्य श्री हस्तीमलजी म.मा के प्रति भक्ति श्रद्धा वान रहा है। आपने आचार्य श्री के जलगाँव चातुर्मास में 61 दिनों की मौन साधना पूर्ण की है। वर्तमान में जलगाँव में मेसर्स राजमल लखीचंद सराफ नामक फर्म सम्पूर्ण महाराष्ट्र एव खानदेश में काफी प्रभावशाली विखसनीय पुरानी पेढी है। जलगाँव के ही श्री रतनलालजी बाफना सराफ ने भी प्रारंभ में आपके ही सर्विस की है। आपके तीन सुपुत्र श्री प्रकाशचंदजी जलगाँव, श्री सुरेशचंदजी जामनेर एव श्री ईश्वरबाबू जलगाँव एव दो सुपुत्रियाँ हैं। श्री ईश्वरबाबू लालवाणी राजनीतिक धार्मिक सामाजिक आदि सभी क्षेत्रों में काफी प्रभावशाली हैं। राजनीति में भी सक्रिय भाग लेते हैं आप पक्के कांग्रेसी नेता भी हैं कई बार आप चुनाव भी लड़ चुके हैं। आपका पूरा परिवार धर्मप्रिय एव मुसस्कारी है। पूरा परिवार मत-मतियों की सेवा करने में अपने को धन्य मानते हैं। आप काफी दानवीर भी हैं। आपके यहाँ में आज तक कोई भी खाली हाथ या निराश होकर कभी नहीं लौटा है यह भी एक रिकॉर्ड है।

श्रीमात शकरलालजी सा ललवाणी भी इस वर्ष परिपद के प्रमुख स्तम्भ सदस्य बने हैं।



सम्पूर्ण महाराष्ट्र एवं आसपास के क्षेत्रों में ऐसा कोनसा व्यक्ति होगा जो खानदेश के जामनेर जलगाँव के नगर पति सेठ साहब श्री राजमलजी लखीचंद जी सराफ को नहीं जानता हों। आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले में फलोदी के पास आऊ नामक गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ। वहाँ से बाल्यकाल में ही ऊट द्वारा आप सूरत पधार गये एव सूरत में पैदल चलकर मूडी नामक कस्बे में आकर रहे एव यहाँ ही आपके स्कूल में कुछ पढाई भी की। जामनेर के नगर में श्रीमान लखीचंद जी के कोई सतान नहीं थी तो उन्होंने किमी बच्चे को गोद लेने हेतु कई लड़कों की परीक्षा की इस तरह एक-एक करके तेरह लड़के उम्मीदवार बनकर आये लेकिन सभी असफल रहे। आपको आश्चर्य होगा कि श्रीगणेशीलाल जी म सा. खहरधारी भी उन तेरह बच्चों में उम्मीदवार थे आखिर चौदहवें उम्मीदवार के रूप में आपको भी लाया गया और सेठ साहब ने आपके शुभ लक्षणों को देखकर एव कड़ी परीक्षा करके आपका चयन कर लिया तब आपकी आयु आठ-नौ वर्ष की थी। सेठ साहब श्री लखीचंदजी के दो पत्नियाँ थी इस तरह दो माताएँ आपको मिली। परिवार में सेठ साहब एव दो पत्नियों के बीच में आप उनके दुलारे बने। आपकी हर तरह में परीक्षा ली गयी लेकिन आप हर कार्य में सफल होते ही गये। आपकी छोटी उम्र में ही पान कुँवर बाई के साथ हैदराबाद में शादी कर दी गयी। आप जब 8-9 वर्ष के थे तब आप श्रीमान लखीचंदजी के गोद आये और जब आप 11 वर्ष के थे तभी सेठ साहब श्री लखीचंदजी का स्वर्गवास हो गया। अब आपकी सहारा दोनो माताएँ श्रीमती भागीरथीबाई एव राजकुँवर बाई रह गये। सेठ साहब का जब स्वर्गवास हुआ तब आपके लिए वे 5500 सोने की मोहरे, 50 चाँदी की भरी पेटियाँ 2800 तोला सोना की पेटियाँ, इस तरह उस जमाने में 28 लाख के लगभग की सम्पत्ति छोड़कर गये। आप राजनीति में भी सक्रिय रूप में भाग लेते रहते थे। आप कई बार एम.एल.ए. भी बने। आप ही एकमात्र ऐसे निडर स्पष्ट वक्ता एव राज्य के माने हुए राजनेता थे कि सभी आपको आदर की दृष्टि से देखते थे। सम्पूर्ण एसेम्बली में आपका काफी जबरदस्त प्रभाव विद्यमान था। आप ही एक मात्र ऐसे एम.एल.ए. थे जिन्होंने हिन्दी भाषा में पहला

## श्री राजकुमार जैन दिल्ली



वाणी म मधुरता स्वभाव मे नम्रता हृदय मे उदारता व्यवहार म कुशलता उदारमना उन्माही मरल हृदय हैसमुख मिलनसार कार्य म दक्षता धर्म क प्रति प्रगाढ श्रद्धावान कमठ कार्यकता आदि गुणा मे युक्त श्रीमान राजकुमारजी जैन दिल्ली के जानेमाने युवा रत्न है। आपका जन्म पाकिस्तान देश क शहर म 9 11 1927 को श्रीमान मेठ साहय सैगयतिलालजी क यहां हुआ। बी ए काम होन्मे तक की शिक्षा ग्रहण करने क पश्चात् आपन मन 1949 म व्यवसाय की ओर अपने कर्म प्रयोगों के रबर उद्योग का उत्पत्तन करके विदेशो म नियात में जुटने लगे। वर्तमान म मै एनके (इण्डिया) रबर क प्रा लि नाम म जग विख्यात प्रतिष्ठान दिल्ली म नियुक्त है। आप एचएच एच स्मॉटस का सामान उत्पादक एवं निमाता है। आपका माल विदेशो म भी नियात होता है। आप आल इण्डिया रबर इण्डस्ट्रीज एनोमिएशन समिट क अध्यक्ष एवं एच वमिकल एवं अलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कौमिल क भूतपूर्व अध्यक्ष भी है। रबर उत्पादन म आपका दुनिया भर म नाम है। आपको रबर नियात क लिए कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। आप एक सुपुत्र एवं दा सुपुत्रिया हैं। ममी विवाहित हैं। आप धार्मिक सामाजिक अनेक मस्याओं म जनक पत्नी पर रहकर अपनी मेवार्थ समाज एवं देश को द ह है। दिल्ली स्थित श्री जामवल्लभ स्मारक के निमाण काम म आपका काफी योगदान रहा। अ था जैन श्वेताम्बर काकम समुदाय का मानद मंत्री श्री आम बन्धु जैन स्मारक मंत्री दिल्ली क मस्याएक एवं मंत्री श्री आरजेजी बल्याणजी टस्ट जहमनाबाव क टस्टी जैन महामात्रा दिव्या क उपाध्यक्ष एवं जैन समाज नई दिल्ली क अध्यक्ष आदि कई पदो पर कार्यरत है। धर्म के प्रति आपका काफी श्रद्धा है। दिल्ली एवं देश के हर कोन म आपका काफी प्रभाव है।

## डॉ रामानन्द जैन दिल्ली



आपका जन्म मन् 1920 म हुआ। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने मन् 1945 म स्टील ट्यूब उद्योग की ओर अपने कदम बढ़ाए एवं दिल्ली एवं कलकत्ता म जैन ग्रुम्स क नाम मे व्यापार प्रारम्भ किया। व्यापार मे विश्वमनीयता प्राप्त होने के कारण माल की काफी माँग आन लगी और आपने जैन ट्यूब कंपनी के नाम मे ERW स्टील पाइप मे युक्त निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया। अच्छी क्वालिटी एवं पूर्ण विश्वमनीयता म आपका व्यापार चहुमुखी प्रगति की ओर आगे बढ़ने लगा। मन् 1965-66 म जहाँ आपका टर्न ओवर व्यापार निर्र्फ 54 लाख का था वहीं 1988-89 म वह बढ़कर 7000 लाख का हो गया। इसका अनाया इजीनियरिंग केमिकल्स टक्सटाइल्स एवं पत्र व्यवसाय भी मलगत हैं। जैन ग्रुप आफ कम्पनीज क अलात अनेक व्यवसाय भी आप करते हैं। उत्तर प्रदेश हरियाणा राजस्थान जैसी कलकत्ता आदि स्थानो पर आपकी अनेक उद्योग इकाइयाँ कार्यरत हैं। आप वर्तमान म जैन ट्यूब कम्पनी एवं अनेक कम्पनियों के मेजिजा डायरेक्टर के पद पर कार्य कर रहे हैं। इजीनियरिंग माल के नियात म जैन मा ग्रेज की आधिक स्थिति काफी मुश्किल बनान मे पूर्ण योगदान करते रहे हैं। आपका 1976-77 मे इजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कौमिल ऑफ इण्डिया का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था।

आप कई धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक स्वाध्याय आदि मस्याओं म कई पदो पर रहकर समाज की काफी मेवार्थ करते रहे हैं। आप उद्यम निह जैन चरिटरबल ट्रस्ट श्री उद्यम निह जैन चरिटरबल हॉस्पिटल टस्ट चरखी दादगी हरियाणा क मस्याएक ह। इसके अलावा 'वे स्या जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड अहमदनगर क टस्टी भी हैं। आप काफी उदार जनवीर भी हैं। आप अनेक मस्याओं मे किन्नी न किन्नी पद मे जुड हुए हैं। आप मभी कार्यक्रमो मे हिस्सा लेते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सन्ध्य जन हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सन्ध्य जन हैं।

## श्री पन्नालाल जैन (बुटाना वाले) दिल्ली



मोनीपत जिले के ग्राम बुटाना मे पिता लाला गमधारी जैन के घर सन् 1929 मे आपका शुभ-जन्म हुआ। आपका परिवार अपनी धर्मभावना, आर्थिक-समृद्धि एव यश कीर्ति मे दूर-दूर प्रसिद्ध रहा है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती वोहती देवी जैन है जो कि बहुत उदार, गुण सम्पन्न, ममतामयी एव धर्म परायण महिला है। आपके सात पुत्र हुए जो श्री गधेय्यामजी, रामनिवासजी, जय कुमार जी, नरेश जी, रवीन्द्र जी, प्रमोद जी एव सुमति जी, बडौला निवासी लाला अलमचन्दजी जैन की सुपुत्री तथा सेठ सुकमाल चन्द जी जैन देहली-निवासी की धर्मपत्नी आदर्श सुश्राविका सौभाग्यवती सुदर्शना, जैन को आपने धर्मपुत्री के रूप मे स्वीकार किया है। आपकी मारी सतति बडी कुलीन, शिष्ट, समझदार तथा धार्मिक भावना मे ओतप्रोत है।

आपका जीवन सबके लिए प्रेरणादायी है। मर्यादानुसार गृहस्थ के मव कार्य करते हुए भी आपकी दृष्टि सदा परमार्थ मे रहती है। सादा जीवन उच्च विचार के तो आप मूर्तिमान रूप हैं।

शासन प्रभावक महामहिम पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी महाराज माहव की परंपरा के मुनिराजो के प्रति आप सदा समर्पित रहे हैं। आपने अपने तृतीय सुपुत्र श्री जयकुमार जी को गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी म के चरणो मे शिष्य रूप मे समर्पित किया, उन्होने सन् 1973 मे दीक्षा ली, तब से लेकर निरन्तर अपनी अगाध विद्वता, शान्ति समाधि, निस्पृहता एव मेवावृत्ति से वे जिन शासन का तथा अपने मुनिमण्डल का नाम उज्ज्वल कर रहे हैं।

जिनेन्द्र देरो से यही प्रार्थना है कि आपको सुदीर्घ स्वस्थ आयु प्राप्त हो।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बने हैं।

## श्री जगदीश प्रसाद जैन दिल्ली



आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के रिहणाणा ग्राम मे लाला चैतराम जी जैन के घर पर माता मौ वोहरी देवीजी जैन की कुक्षी से मन् 1950 मे हुआ। आप तीन भाई एव पाँच बहने हैं। आपके स्वय के दो मुपुत्र एव एक मुपुत्री है। वर्तमान मे आप उत्तम नगर दिल्ली मे रहते हैं। आप उत्तम नगर जैन समाज के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। नारायणा दिल्ली विश्व प्रसिद्ध लोहामडी मे आपका लोहे का बहुत ही फलता फूलता विगट व्यवसाय है। आप दिल्ली समाज के सामाजिक एव धार्मिक कार्यों मे रुचि रखने वाले और अनेक समाजो मे जाने माने सुथावक हैं।

आपकी जन्म भूमि ग्राम एव अपने परिवार मे से अनेक दिव्य महाविभूतियो का जन्म हुआ। घोर तपस्वी मथाग साधक श्री वद्री प्रसादजी म सा प्रजा महर्षि सरलात्मा सेठ श्री प्रकाशचदजी म सा आपके कुल मे जन्म लेकर ही जैन समाज मे उज्ज्वल देदीप्यमान ध्रुव नक्षत्र की तरह यत्र तत्र सर्वत्र मुशोभित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त युवा मनिपी श्री मुभद्र मुनिजी म सा कर्मठ तपस्वी, सेवाभावी, कला कुशल श्री सुन्दर मुनिजी म विचक्षण श्री रमेश मुनिजी म सा भी आपके ग्राम की ही विभूतियाँ हैं।

आप प्रारभ से ही व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक मुधारक, गुरुदेव श्री मदन लालजी म सा एव शासन प्रभावक गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी म सा की परम्परा के मुनिराजो के ही श्रावक उपासक और आराधक रहे हैं। आप समय-ममय पर अनेको सस्थाओ को दान राशि प्रदान कर पुण्यार्जन प्राप्त करते रहे। आपका परिवार भी बडा धर्मनिष्ठ एव माधु मेत्री है। आपकी धर्म पत्नी सौ शातिदेवी बडी मुशील, धर्मनिष्ठ एव विवेकवती महिला रत्न हैं। जिनेश्वर देवों मे यही प्रार्थना है कि आपकी धर्म भावना निरन्तर आगे बढ़ती रहे।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बने हैं।



# श्री उमरावमल चौरडिया जयपुर



आपका जन्म राजस्थान की राजधानी एवम् राज की एक मात्र विश्वप्रसिद्ध गुलाबी नगरी जयपुर शहर में 24 11-1931 को हुआ। मन् 1954 में राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रभुगण होने के पश्चात् आपने जयपुर में ममम स्वरूप रॉयल कॉलेजिन के नाम में अपना स्वतंत्र जवाहरान का एकनोटों का ग्लव व्यवसाय प्रारंभ किया। आप वचपन में ही धार्मिक प्रवृत्ति एक समाज सेवा के कार्यों में लग्न रह हैं। मन् 1961 में अमर जैन मेडिकल ग्लिलीफ सोसायटी जयपुर के ज्वाइंट मेम्बर बन। उमके बाद आप अनेक मन्थाओं में विभिन्न पदा पदु लयंरत रह हैं-जिनमें मुख्य इन प्रकार हैं। श्री मुमोध वाचिका विद्यालय गेटगे क्लब जयपुर अभा मातुमार्गी मध जैनरु एनोमिएशन जयपुर पु वैध्म आर कामम लण्ड डण्डम्टीज कलर नामापन राजस्थान मकार टलीफोन मलाहकार एम् राजस्थान व्यापार योग मडल मुबोध स्कूल मन् राजस्थान जयपुर मडरगन आर इण्डिया म कलर कलारी आइ हास्पिटल आदि लाभग म म विमी पने पर कार्य करते रह हैं। इनक शारा धावक मध जयपुर के आप अग्रम श्री र्मान में मत्रीगद की शोभा बटा म जयपुर लाल जी ममा क परम भन है। एक अनाद म् राजस्थान म जिम कार्य के दिना नाम विख्यात म है। म अभा ने म्या जैन का म राजस्थान प्रान्त क अग्र म पर रहकर यशस्वी सेनिहाणि रचनामक काय कर म् राजस्थान म एक नई जागि उाह उतपन्न कर रह है। यही उगण है कि आपके कार्यों की उपलभ्यो केदरत हुए एक कार्य में म् द्वारा भी आपका ही राजस्थान प्रान्त का अग्रम गानत किया है। म क अधिकांश प्रागो में जहाँ भी

# श्री देवीलाल इटोदिया (मोलेला-मेवाड़) बम्बई



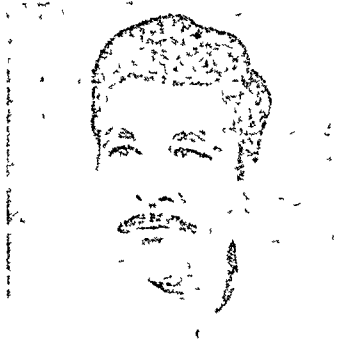
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र में मोलेला बम्ब में हुआ। आपका पिताजी का नाम मठ माहव श्रीमान श्रीमान श्रीमान श्रीमान है। मैट्रिक तक की पढाइ पूरा करने के पश्चात् आप 1953 में बम्बई प्रधार गये। वहाँ पर पाँच वर्षों तक मैट्रिक करने के पश्चात् आपन ग्प का अर्थात् स्वतंत्र व्यवसाय प्रारंभ कर लिया। वताप में बम्बई में आपका पाँच प्रतिष्ठा है। आपकी वचपन में ही धार्मिक कार्यों की आ र्त्ति रही है। आप श्रमण मध के प्रवक्त भी अम्वातानज ममा एव बम्बई युवक जाति माटन प्रत्य महामत्री था श्री मोभाय गुरिनी ममा मुमु जाति के परम भक्त थे। मभी म्मुया क गन-मतिरो की सेवा का म आप अर्पण आरों धय मानत है। प्रवर्तक भी जी एव महामत्री जी का मानना चातुंगम को मानन बना म अपना पूर्ण योगदान रहा। आप अनेक मन्थाओं को क शारा म पूरा योगदान प्रणा कर रहे हैं। श्री उग्र्य धावक मध (मराठ) बम्बई के आप गत्रिय सार्यकता है। उमक जनाका मेवाड़ मोलेला तबनुवक मडल क आप व्यवस्थापक एक मत्री भी है। मेवा के हर कार्य में आप हग्या में ही जाग रहन है। मेवाड़ मध में आपका काफी प्रभाव है। मेवाड़ मध बम्बईको मुदूद बनाने में आपका योगदान काफी महत्वपूर्ण रहा है।

आपभी इस उर्ष परिषद के सन्ध्य उने हैं।

बाई बड़े कार्यक्रम होते हैं वहाँ आप अवश्य भाग लते रहते हैं। आपम कार्य करने की ऐसी अनोखी है जो भी आपके सार्व में एक बार जा जाता है वह हमेशा आपका प्रिय बन जाता है। आप राजस्थान के हर जिलो में दौरा करके जैन वाच्य की नीव मुदूद बनाने में पूर्ण प्रयत्नशील रहते हैं। अभा ने म्या जैन काक्रम ग्लिली के उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य कर रह है।

आप भी हम वर्ष परिषद के सन्ध्य वो है।

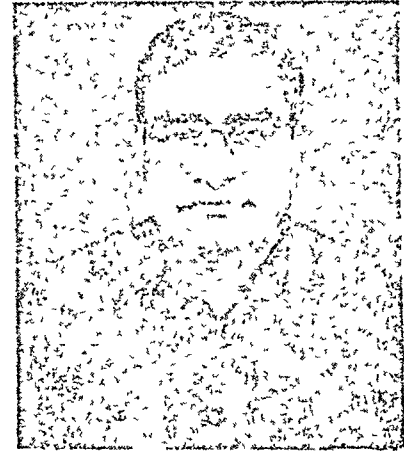
# श्री अशोक (बाबू सेठ) बोरा अहमदनगर



वाणी में मधुरता, व्यवहार में कुशलता, हृदय में उदारता, कार्य में स्फूर्तिता, हसमुख प्रवृत्ति, नम्रता, सहनशीलता, बुद्धिमत्ता, धैर्यता, देवगुरु धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा आदि अनेक गुणों से युक्त अहमदनगर के सुप्रसिद्ध व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री अशोक (बाबू सेठ) बोरा अभा श्वे स्था जैन कान्फ्रेंस युवा शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हैं। आपका नाम तो अशोक जी बोरा है लेकिन आप बाबू सेठ के नाम से संपूर्ण भारत में प्रसिद्ध हैं। आप अनेक धार्मिक सामाजिक संस्थाओं में किसी न किसी पद से जुड़े हुए हैं। पुना विद्यापीठ से बीकाम करने के पश्चात् आपने अपने कदम कपडे के व्यवसाय की ओर बढ़ाए वर्तमान में आप अहमदनगर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक कान्फ्रेंस पश्चिम महाराष्ट्र के भी अध्यक्ष हैं। आप श्रमण सघ एवं आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म के प्रति अगाध निष्ठा एवं श्रद्धा रखने वाले युवा रत्न शिरोमणि कार्यकर्ता हैं। आचार्य सम्राट के दीक्षा अमृत महोत्सव एवं भव्य दीक्षोत्सव अहमदनगर को सफल बनाने का पूरा श्रेय आपको ही है। इनके अलावा तिलोक रत्न धार्मिक परीक्षा बोर्ड अ नगर आनन्द प्रतिष्ठान पुना, ओमवाल पंचायत सभा अ नगर, आनन्द, जैन धर्मशाला नगर, पिले जैन बोर्डिंग नगर, मानव सेवा समिति नगर, सिद्धाचलम, चेरीटेबल ट्रस्ट पुना आदि अनेक संस्थाओं में किसी न किसी पदों से जुड़े हुए हैं। युवा अध्यक्ष बनाने के बाद देश के कोने कोने में आपने भ्रमण किया है एवं देश में युवा जाग्रति के लिए काफी प्रयत्नशील हैं। समाज को आपसे काफी आशाएँ हैं। जैन काफ्रेस को आप जैसे युवा अध्यक्ष मिलने से कान्फ्रेंस की भी काफी उन्नति होने की संभावना है। आचार्य श्री आनन्द ऋषीजी म के महानिर्वाण के अवसर पर वहाँ की सारी व्यवस्था को व्यवस्थित सफल बनाने में भी आपका पूर्ण सहयोग रहा।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

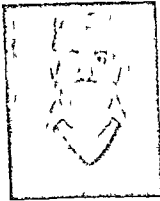
# श्री शांतिलाल सांड बैंगलोर



आपका जन्म बंगला देश के मौलवी नगर में 26-2-1946 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान चंपालाल जी सांड एण्ड माताजी का नाम श्रीमती सुवती देवी जी है। आपका पैतृक स्थान देशनोक (राजस्थान) में है। आपका विवाह विमला देवी के साथ 5-3-64 को हुआ। सजीवर्स कालेज कलकत्ता में बीएससी तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् बैंगलोर पधारे एवं वहाँ पर पीबीसी. पाईप फैक्ट्री का शुभारंभ किया। आपकी बचपन से ही हमेशा से धार्मिक कार्यों में रुचि रही है। आप आचार्य श्री नानालालजी मसा के पिताश्री के नाम से पुरस्कार भी प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं। आप अभा साधुमार्गी जैन सघ के विगत 27 वर्षों से सदस्य एवं कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। वर्तमान में आरवाय क्यू बैंगलोर के अध्यक्ष एवं अभा ममता युवा मघ रतलाम के सह सभापति आदि पदों पर रह कर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आप श्री चंपालाल सांड साहित्य पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए हैं। आपके दो सुपुत्र एवं एक सुपुत्री हैं। बैंगलौर देशनोक कलकत्ता बीकानेर आदि अनेक जगह की अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं में आप अनेक पदों पर रह कर अपनी सेवाएँ देश व समाज को अर्पण कर रहे हैं। आप धार्मिक सामाजिक कार्यों में हमेशा ही अग्रसर रहे हैं। आप अनेक संस्थाओं को काफी योगदान भी प्रदान करते रहे हैं। बैंगलौर जैन समाज में आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

## श्री सत्येन्द्र कुमार जेन दिल्ली



जापका जन्म 4 7 1955 को उत्तरप्रदेश प्रान्त के मगध जिन के आन्ध्र नाला कस्बे में मठ साहब श्री जनकरामजी जैन के यहाँ हुआ। मरिच तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात आपने अपने काम 1973 में दिल्ली में व्यवसाय की ओर वृत्तय जीव दक्षत-व्यवत अपनी कुशाग्र बुद्धि बड़ी महानत ईमानदारी विभवनीयता में 1983 में अपने व्यवसाय को लहमुखी मजिल तक ले गया। अभी आप दिल्ली में वर्धमान मटन इण्डस्ट्रीज के नाम में वायर स्त्रेप वायर डाउम मटल सिरोजल एड्मीनियम एल्टील का व्यवसाय करते हैं। आप बचपन में ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहते हैं एवं समाजसेवाओं में सक्रिय भाग लेते आये हैं। समाज के कई धार्मिक सामाजिक समस्याओं में अनेक पदों पर रहकर अपनी सेवाय लक्ष एवं समाज को अर्पित कर रहे हैं। वर्तमान में आप एम.एम. जैन मन्ना शक्ति नगर एकमटशाला दिल्ली के जाइंट मन्त्री पर पर कार्य कर रहे हैं। शक्ति नगर एवं शक्ति नगर एकमटशाला जैन सभा के हर कार्य में आप अपनी सेवाओं प्रदान करने जा रहे हैं। एम.पी.जी. अग्रोरा विहार पौलिस स्टेशन दिल्ली का भी आप अपनी सेवाओं अर्पित कर रहे हैं। आपका परिवार में आपका पिताजी श्री जनकरामजी माताजी श्री ब्रह्मणी धर्मपत्नी के जलावा पाँच भाई 7 पुत्र एवं भाभी एम. जैन भाई की पत्नी, दो भतीज शक्ति में एक भग्य पूरा पत्नी पूवता परिवार है। आप समाजसेवाओं के उपलक्ष्य में कई समस्याओं की ओर में सम्मानित भी हो चुके हैं जो लक्ष्य में एक ही होते हैं। सभी माधु-माश्रिवा की सेवाओं करने में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपकी सेवाओं काफी प्रशान्तीय एवं उत्कृष्ट हैं।

आप भी हम वर्ष परिपक्व में सम्म्य बन हैं।

## सेठ श्री किशोरीलाल जैन दिल्ली



आप शानीमार वाग दिल्ली जैन समाज के अति प्रतिष्ठित गुणमिद्ध एवं बर्मठ वापकता हैं। पदलिप्ता में कौमो दूर रहकर आप बर्तव्य भावना में समाज की सेवा करते हैं।

आपके परिवार में 3 मुपुत्र व 2 मुपुत्रियाँ हैं। आपका व्यवसाय सभी प्रकार के तार एवं जानी का है। आप विभिन्न समस्याओं की प्रतिवर्ष समय-समय पर तन मन धन में पूर्ण तरह सेवा करते हैं। समाज सेवा और परोपकार का कोई भी अवसर आप हाथ से नहीं जाने देते हैं। साम्प्रदायिक भ्रमभाव में दूर रहकर आप जैन शाखा और पूज्य गुरुत्वों की भक्ति को ही अपना लक्ष्य मानते हैं। आप स्वभाव में वरत उदार हैं। परमात्मा में आपने न जान बैगा अजीब बर्हिमाई व्यक्तित्व जन्मा है कि सितना ही प्रभावशाली व्यक्ति क्या न हो आपने समस्त एकत्म अभिभूत हो जाता है।

आपका भव परिवार धर्म में रगा हुआ है। आपके बड़े भाई श्यामलाल जैन के मुपुत्र एवं शाखा प्रभावक श्री श्री 1008 गुरुत्वों श्री मुन्शनलालजी मा मा के मुशिष्य हैं।

इस वर्ष गुरु महाराज शासन प्रभावक श्री श्री 1008 श्री मुन्शनलालजी मा का चानुमाम शालीमार वाग में है। इसमें आपकी जतरआमा में अनन्त खुशी है। आप अपने परिवार की समृद्धि प्रतिष्ठा और धर्म दृष्टि को गुरु देव की कृपा का ही फल मानते हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि आपकी धर्मनिष्ठा और गुरुभक्ति इसी तरह बढ़ती रहे।

आप भी इस वर्ष परिपक्व के सम्यक बने हैं।

## श्री सुभाषचंद्र जैन दिल्ली



## श्री रामकुमार जैन दिल्ली-बम्बई



आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के मोनीपत मडी मे 27-1-1955 को सेठ माह्व लाला श्री वनवागीलालजी जैन के यहाँ हुआ। मेट्रिक कक्षा तक पढाई करने के पश्चात आपने अपने कदम खिलौना व्यवसाय की ओर बढ़ाये। दिल्ली सदर बाजार में जैन ट्रेडिंग क के नाम में खिलौना का थोक में व्यवसाय एव कई खिलौनों की फैक्ट्रियाँ (ट्रेडिंग एव मैनुफैक्चरिंग) है एव देश के अधिकांश भागों बम्बई, इन्दौर, अहमदाबाद, बडौदा, हैदराबाद, बैंगलौर, पूना, नागपुर, जयपुर, भोपाल आदि स्थानों पर भी आपका माल जाता है। आप विभिन्न धार्मिक, सामाजिक मस्थाओं, जैन म्थानको, अस्पतालो, मदिरों एव अन्य मस्थाओं को भारी मात्रा में धनराशि प्रदान करते रहते हैं। सोनीपत जैन समाज में आपका काफी प्रतिष्ठित म्थान है। आप केवल सेवा करने में अपने आपको धन्य मानते हैं। किसी भी तरह के पद की इच्छा आप नहीं रखते हैं। सभी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में बढ-चढकर सेवा की भावना रखते हैं। आपके पाँच भाई एव तीन बहने हैं। आप पूज्य गुरुदेव शासन प्रभावक श्री मुदर्शनलाल जी म मा के चरणों के परम उपासक हैं। उनकी कृपा को ही अपनी मुख-समृद्धि का कारण मानते हैं। आपका एक भ्राता श्री राकेश मुनिजी म वर्तमान में पूज्य गुरुदेव की सेवा में मुनि सयमी जीवन का शुद्ध पालन कर रहे हैं। आपका इतना बड़ा व्यवसाय होने के पश्चात भी आप धर्मसेवा के प्रति हमेशा अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

आपका जन्म 65 वर्ष पूर्व मन् 1927 में दिल्ली में हुआ। आपके पिताजी का नाम श्री रामस्वरूपजी जैन है। मेट्रिक तक पढाई करने के पश्चात आपने कपडे के व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाए और वर्तमान में आपका बम्बई एव दिल्ली, मूगत में कपडे का थोक व्यवसाय एव निर्माता भी है। आपका धार्मिक रुचि रखने वाले सुश्रावक हैं। कई धार्मिक-सामाजिक मस्थाओं को आपने काफी योगदान प्रदान किया है। श्री म्था जैन श्रीमघ शालीमार बाग के आप मरक्षक हैं एव अनेक म्थानको के निर्माण में आपके पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। शालीमार बाग म्थानक के निर्माण में आपने प्रधान रूप में विशेष योगदान प्रदान किया। पजाब जैन भ्रातृ सभा खार बम्बई के भी आप सदस्य हैं। औषधालय के निर्माण में भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आप शासन प्रभावक पूज्य गुरुदेव श्री मुदर्शनलालजी म.सा के परम भक्त हैं। आपका पूरा परिवार धर्म के प्रति अगाढ श्रद्धा भावना रखता है। आपके 6 मुपुत्र हैं सभी विवाहित हैं। विशेष बात यह है कि आप जाति के अग्रवाल होते हुए भी जैन धर्म का विशिष्ट रूप में पालन करने में अन्य से अग्रसर हैं। आप अनेक छोटी-बड़ी मस्थाओं में किसी न किसी पदों पर कार्य कर रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

श्री सत्यकुमार जैन  
(बुढाना-हरियाणा)  
सोनीपत



श्री मगलसेन जैन  
(सामडी-हरियाणा)  
दिल्ली



आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के सोनीपत जिले के इतिहासिक ग्राम बुढाना में 2 नवम्बर 1932 ईसावरी के शुभ दिन श्रीमान साहाजी जैन एवं श्रीमती नीमा देवी जैन के यहां हुआ। बुढाना गांव में साहाजी जैन जी विद्यालय स्थापित हैं, जिसकी सैकड़ों छात्राओं छात्रों का शिक्षण के सुन्दर अनेक कक्षाओं में पढ़ाई हो रही है। आपके परिवार में गांव भाई एवं दो बहन हैं जिनके नाम श्री सोनीपतजी नामसुमारजी मलकुमारजी सुनीपतजी एवं विद्याकुमारजी (वर्तमान में श्री विनय मुनिजी) एवं बहिन अरुणी देवी एवं जैनमति हैं। आप पूज्य गुरुदेव शास्त्र प्रभावक श्री सुदीनलाल जी मसा के परम भक्त हैं। मन् 1967 में आपका गेट गना श्री विद्याकुमारजी ने पूज्य गुरुदेव श्री सुदीनलालजी मसा के चरणों में जैन नीमा ग्रहण का जो वतमान में श्री विनय मुनिजी मसा के नाम में प्रसिद्ध है। आपके चार सुपुत्र एवं छह सुपुत्रियां हैं। आपकी वचन में ही धार्मिक कार्यों में रुचि रही है। आप के जागीरदार चंडविहार एवं नवबाराजी एवं प्रतिष्ठित सामाजिक करने के लिए नियम हैं। आप समाज की हर सेवा के लिए सदैव अग्रसर रहते हैं। आपकी मुख्य धारा समाज को जान देना मन-मनिये ही सेवा करना एवं समाज को समृद्ध एवं प्रेम प्रदान करना है। आप जनक काल में भाग लेते ही रहते हैं। 195 में पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में नीमोसव के आप अध्यक्ष पद पर निर्वाचित थे। आपका सोनीपत शहर में काफी प्रसिद्ध है। समाज में आपको काफी श्रद्धा है। सभी मत्स्याजों को धार पूर्ण योगदान प्रदान करने रहते हैं।

आप भी इन रूप परिपक्व के मत्स्य बन हैं।

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के सामडी कस्बे में वि.म. 1906 में श्रीमान मजराजजी जैन के यहां हुआ। मिहिल कस्बे तक पढ़ाई पूरा करने के पश्चात् आप दिल्ली प्रेषित हुए और वहां पर अपना व्यवसाय व्यवसाय प्रारंभ कर लिया। वतमान में आपका पेशे अल्पा व्यापार है। समाज के हर कार्य में आप हमेशा अग्रणी रहते हैं। आप हरियाणा एवं दिल्ली के प्रसिद्ध कर्मठ कार्यकर्ता हैं। सभी धार्मिक-सामाजिक कार्यों में आप अल्पा मत्स्या म सहयोग प्रदान करने रहते हैं। सभी गांधी साधियों की सेवा करने में आप अपने आपका अग्र मानते हैं। दिल्ली एवं हरियाणा की जनता मत्स्याजों में आप किसी न किसी पदों पर रहकर समाज की सेवाएं करते रहते हैं। आपकी धर्मपत्नी तप-व्यास-मत्स्या म सर्वोपरि एवं स्वच्छंद बुद्धि धार्मिक प्रवृत्ति की महिला हैं। हमेशा सेवा में तत्पर रहती हैं। आपका दो सुपुत्र एवं दो सुपुत्रियां हैं। दिल्ली एवं हरियाणा में आपका काफी प्रभाव है। आप कर्म काल में समाजकारक हैं। धार्मिक भावना जागने में प्रमुख स्थान रखती हैं। पूरा परिवार धार्मिक प्रवृत्ति का है। अपनी जन्मभूमि सामडी में भी आपका काफी प्रभाव है एवं वहां भी आप काफी अल्पा सहयोग योगदान प्रदान करते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिपक्व के मत्स्य बन हैं।

# श्री सोमप्रकाश गोयल (जैन) बम्बई



# श्री धर्मपाल जैन (देहरा-हरियाणा) दिल्ली



आपका जन्म पंजाब प्रान्त के तपा मडी शहर मे 25-2-1929 को हुआ। आपके पिताजी का नाम मेठ माह्व श्री विलायती रामजी जैन एव माताजी का नाम श्रीमती भगवान देवीजी था। जब आपकी वय एक वर्ष की थी तभी अपने पिताजी का माया उठ गया और माताजी बाल विधवा बन गई। तभी बहुत कठिनाइयों का सामना करके माताजी ने आपका लालन-पालन करके बड़ा किया। कड़ी मेहनत, लगन, बुद्धिमत्ता मे आपने वी काम तक की शिक्षा ग्रहण की उसके पश्चात जब देश आजाद हुआ तभी 1947 मे आपने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान मे आप कपडे के निर्माता एव थोक व्यापारी है। बंबई के अलावा भटिण्डा दिल्ली आदि स्थानों पर आपका व्यवसाय कार्यरत है। आप अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी मे कार्य करके व्यवसाय मे आगे बढ़े है। आप बंबई दिल्ली एव भटिण्डा की कई सस्थाओं से जुड़े हुए है। भटिण्डा जैन श्री मघ के आप प्रधान पद पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। आप धार्मिक, सामाजिक सेवाओं मे हमेशा अग्रसर रहते है। अपनी माताजी के हाथों से भटिण्डा शहर मे कुष्ठ रोगियों के रहने के लिए एक विंग का निर्माता भी करवाया। 1986-87 तक दो वर्षों तक आप भटिण्डा गौशाला के पद पर रहकर गौशाला के बाहर एक बड़ा मार्केट बनाया एव गौशाला की अर्थ व्यवस्था काफी सुदृढ़ बनायी। आपने अपनी जन्म भूमि तथा मडी मे अपनी बहुमूल्य कीमती जमीन बेचकर वहाँ भी गौशाला का निर्माण किया। आप दया के प्रति काफी रुचि रखते है। सन् 1990 मे आपने भटिण्डा के कमजोर वर्गों के इलाज के लिए एक अस्पताल का निर्माण करवाया जिसका उद्घाटन पंजाब के मंत्री श्री सुन्दर कपूर ने किया। यहाँ सभी को अपनी ओर मे फ्री दवाई देकर फ्री इलाज होता है। आपकी

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के देहरा कस्बे मे जून 1942 को श्रीमान् विट्ठललालजी जैन के यहाँ हुआ। मिडिल कक्षा तक पढाई पूर्ण करने के पश्चात आप दिल्ली पधारे गये और अपने कदम व्यापार की ओर बढ़ाए।

वर्तमान मे दिल्ली मे आपका स्वतंत्र व्यवसाय है। सभी माधु-साधिव्यों की सेवा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है। समाज के हर कार्य मे आप सदैव अग्रसर रहते है। दिल्ली की विभिन्न संस्थाओं मे आप अनेक पदों पर रहकर समाज की सेवाएँ करते रहते है। आपके कई संस्थाओं को काफी अच्छी मात्रा मे सहयोग भी दिया है। आपकी धर्मपत्नी धर्मनिष्ठ एव अच्छे मस्कारों की महिला है। आपके तीन मुपुत्र एव तीन मुपुत्रियाँ है। दिल्ली जैन समाज मे आपका अच्छा प्रभाव है। सभी धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों मे आप हमेशा ही भाग लेते रहते है। धार्मिक भावना आपके मन मे प्रमुख स्थान रखती है। अपनी जन्मभूमि देहरा मे भी आप काफी प्रभावशाली है एव अनेक संस्थाओं को सहयोग योगदान देने रहते है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।



माताजी समाज सेवा एव माधु-साधिव्यों की सेवा बहुत लगन मे करती उनकी प्रेरणा से ही आप पर उनका प्रभाव पडा। आपका परिवार बम्बई मे रहते हुए भी भटिण्डा दिल्ली आदि संस्थाओं की आप पूरी सेवाएँ करते रहते है। आपके पाँच मुपुत्र एव दो मुपुत्रियाँ है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।

## श्रीमती नगीनादेवी जैन दिल्ली



## श्री सुशीलकुमार जैन दिल्ली



आपका जन्म 18 1915 को दिल्ली में हुआ। आपका पिताजी का नाम मेठ श्री धर्मोमलजी जोहरजी एवं माताजी का नाम श्रीमती पूनमतीजी था। आप श्रीमान विजयचन्द्रजी चौगड़िया की धर्मपत्नी थीं। आपके एक सुपुत्र श्री महताबचन्द्रजी एवं दो सुपुत्रियाँ श्रीमती विजयकुमारी एवं श्रीमती विनयकुमारी हैं। इसके अलावा दो सुपौत्र श्री मन्दिन एवं श्री साकेत एवं एक सुपौत्री सुश्री शानू चौगड़िया आदि में भग-पूजा परिवार है।

विशेष पाठ्य है कि मेठ साहब श्री धर्मोमलजी के हाथों आचार्य श्री महजमुनिजी ममा की सेवा सम्पन्न हुई थी। वे दिल्ली जैन समाज के पंच थे। परिवार में धर्म सेना शुरू में ही रही है। आपके माताजी महामती ह्री पूनमतीजी महाराज ने 45 वर्षों में भी ज्यादा निर्मल समय पाला। आप शास्त्रा की ज्ञाना है और साधु-साधिका का स्वाध्याय करती रही हैं। अपनी माताजी महामतीजी की पुण्य याद को बनाए रखने हेतु 'जैन पुण्य पुस्तक' का प्रकाशन भी आपने कराया है। सुप्रसिद्ध वक्ता जैन दिवाकर श्री चौधमलजी ममा की अपूर्व कृपा में आपका अष्टम ज्ञान प्राप्त हुआ। सभी साधु-साधिका असीम कृपा रखते हैं। दिल्ली के सुप्रसिद्ध मयाजमेठी बर्मठ कार्यकर्ता श्री जके जैन एडवोकेट आपके बँवर साहब हैं। सभी साधु-साधिका की सेवा करने में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपकी सुपुत्री श्रीमती विनयकुमारी भी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला हैं। आप धार्मिक क्षेत्र के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहती हैं। महिलाओं को धार्मिक ज्ञान आदि आप काफी लगन से सिखाती हैं।

इस वर्ष आप भी परिष्कृत की सम्झा बनी हैं।

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के करनाल जिला के गानीगाँव में 27 1962 का श्रीमान जयप्रकाशजी शैल के यहाँ हुआ। दिल्ली में कॉलेज तक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् दिल्ली स्थित तारापणा की लोहा मही में 1981 में लोहा का व्यवसाय एक भागीदार के साथ प्रारंभ किया एक डम वर्ष 27-92 में श्री सुशान्त शैल नाम की पत्नी में स्वयं का अपना स्वतंत्र लोहा का व्यवसाय प्रारंभ कर लिया है। आप जामन प्रभावक पूज्य गुरुजी श्री मुदरगनलालजी ममा के परम भक्त हैं। आपके लघु भ्राता वतमान में श्री नरेंद्र कुमारी ममा ने पूज्य गुरुजी के पास 1980 में जब वे भागवती सेवा ग्रहण की है तभी मैं आपके झुकाव धर्म की ओर उतन लगा है। आपकी माताजी स्व श्रीमती चमलीबीबी (24-6-89) भी आपको समय-समय पर धर्म की प्रेरणा देती रहती थी उनकी प्रेरणा में ही आपने कुछ सम्झाओं को छोड़ा बहुत ज्ञान एवं महयाग देना प्रारंभ कर लिया। आप मात भाई एवं दो बहनें हैं। आपके एक सुपुत्र आदीन जैन हैं। आप सेवा के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। दिल्ली एवं हरियाणा में आपके काफी प्रभाव है। पूरा परिवार धर्म के प्रति श्रद्धा भावना रखने लगा है। आप समाज के कई कार्यक्रमों में समय-समय पर भाग लेते ही रहते हैं। आप काफी परिश्रमी धर्मप्रिय हँसमुख प्रवृत्ति के युवा हैं। समाज की बड़े सम्झाओं के साथ मददगार हैं।

आप भी इस वर्ष परिष्कृत के सम्झा बन हैं।

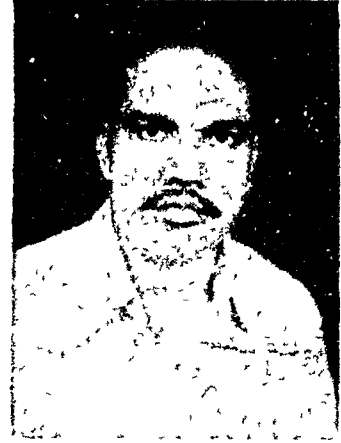
## श्री मीठालाल सुराना (कोठारीया-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के कोठारीया नामक कस्बे में 18-11-1943 को मेठ साहव श्रीमान् कन्हैयालालजी मुराना के यहाँ हुआ। उदयपुर में बी.ए. तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने स्कूल में अध्यापक का कार्य किया। उसके पश्चात् सन् 1966 में बम्बई महानगर में पधारा गये और यहाँ पर व्यवसाय प्रारम्भ किया एवं सन् 1967 में महेश क्लोथ स्टोर्स का व्यवसाय प्रारम्भ किया। अनेक वर्षों तक कपडे का व्यवसाय करने के पश्चात् सन् 1978 में महेश ज्वैलर्स के नाम से व्यवसाय प्रारम्भ किया। आपकी मूल जन्म भूमि कोठारीया है परन्तु सलोदा में आप अपने काका मा के यहाँ गोद चले गये। आपने अपने ग्राम सलोदा (मेवाड़) में स्थानक भवन के निर्माण में पूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। आप श्रमण संघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म सा एवं बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक महामंत्री श्री सौभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद' के अनन्य भक्त हैं। सभी सत्-मतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं। श्री वस्था जैन श्रावक संघ (मेवाड़) बम्बई के सक्रिय कार्यकर्ता एवं सदस्य हैं। उसके भवन निर्माण क्रय में आपका भी काफी योगदान रहा है। आपकी धर्मपत्नी का नाम श्रीमती कचन देवी है। आपके दो मुपुत्र श्री अशोक कुमार, प्रवीणकुमार एवं दो मुपुत्रियाँ कैलाश कुमारी, आशाकुमारी एवं सुपौत्र -मुपुत्रियाँ हैं। आप समाज के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। मेवाड़ संघ में आज आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री मीठालाल सिंघवी बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के भीलवाड़ा जिले में गगापुर शहर में हुआ। उदारमना, कर्मठ समाज सेवा में हर समय अग्रणी उत्साही, सरल हृदय, हसमुख, मिलनसार श्री मीठालालजी मा सिंघवी हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपका वर्तमान में बम्बई, सूरत, गगापुर (भीलवाड़ा) में कपडे की मिले एवं थोक में व्यवसाय है। आप श्री वस्था जैन श्रावक संघ (मेवाड़) बम्बई के मस्थापक एवं कई वर्षों तक अध्यक्ष पद पर रहे हैं। वर्तमान में संघ के उपप्रमुख हैं। इनके अलावा अभा. श्वे. स्था. जैन कान्फ्रेस के कार्यकारिणी के सदस्य, श्री ओसवाल जैन मित्र मण्डल बम्बई के पदाधिकारीगण, श्री वस्था जैन श्रावक संघ सूरत के कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण आदि पदों पर कार्यरत हैं। बम्बई मेवाड़ संघ की स्थापना एवं 7 स्थानक भवनों के निर्माण कार्यों में आपका सहयोग सर्वोपरि है। आप अनेक मस्थाओं में जुड़े हुए हैं एवं अनेक मस्थाओं को काफी मात्रा में दान देने में भी प्रसिद्ध हैं। आप सभी तीन भ्राता बम्बई, सूरत, गगापुर में व्यवसाय कार्य में कार्यरत हैं। आज आपका बम्बई, सूरत एवं मेवाड़ प्रान्तों में काफी प्रभावशाली नाम है। आप अनेक कार्यक्रमों में पूर्ण सक्रिय रूप से भाग भी लेते रहते हैं। आप वैसे तो सभी सत्-मतियों की सेवा में अग्रसर रहते हैं परन्तु विशेषकर श्रमण संघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म सा. एवं महामंत्री बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक श्री सौभाग्य मुनिजी म 'कुमुद' के परम भक्तों में से अतेवासी परम सर्वोपरि भक्त हैं।

आप परिषद के सन् 1988 से ही सदस्य बने हुए हैं।



## श्री लक्ष्मीचंद बोहरा (मोलैला-मेवाड) बम्बई



## श्री भँवरलाल बोहरा (मोलैला-मेवाड) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड क्षेत्र में मोलैला नामक स्थान में 55 वर्ष पूर्व हुआ। मेवाड़राजकी राजधानी के गरीब हुआ। मैट्रिक तक की पढ़ाई पूरा करने के पश्चात् आप बम्बई पधारे गये और वहाँ अनेक सविनय सेवाएँ तथा उमर पश्चात् स्वयं का निजी व्यवसाय प्रारंभ करने लिये। प्रकृति में भद्र परिचय में भारतीय व्यवहार में मरतना और भावना में उत्तमता का समीक्षण ही आपका स्वस्व है। आप कई वर्षों तक ग्राम में मरपच पद पर रहे हैं। उमर आगे आपकी मेवाडों में गाँव के नागरिक रहने प्रभावित हैं। आप श्रमण मध के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी के साथ एक बम्बई युवक जागृति सगठन प्रवर्क महामारी श्री गोभाय्य मुनिजी के साथ 'कुमुद' के पत्र में भक्त हैं। पूज्य गुरुत्व का मोलना चातुर्माण में आपन मूय मेवाडों की। मालला महावीर भवन के निर्माण कार्य में भी आपकी मेवाडों अत्यन्त प्रगतिशील रही है। आप उच्च उत्तमता हैं। आज तक आपने अनेक सम्मानों का काफी दाता भी किया है। आप समाज में बड़े सम्माननीय महानुभाव हैं। वर्तमान में बम्बई में आपका चार प्रतिष्ठान हैं। आप वतमा में कई सम्मानों का कई पदों पर कार्य कर रहे हैं जिनमें प्रमुख हैं—मोलैला जैन श्री मध के अध्यक्ष मेवाड जैन श्री मध के वायव्यारिणी के सदस्य हैं। मेवाड जैन मध बम्बई की स्थापना एक साधना मन्त्रों के निर्माण क्रम में आपका काफी योगदान रहा है। इसके अलावा मोलैला में हर वर्ष पानी की प्याऊ पैठाते हैं एउ मालला में ही प्राथमिक स्तूप के निर्माण में भी आपन पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। श्री भँवरलालजी एवं उदयलालजी बोहरा आपके ही भ्राता हैं जो सभी बम्बई में ही व्यवसाय करते हैं।

आप भी इन वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मोलैला (मेवाड) स्थान में श्रीमान राजराजजी बोहरा के यहाँ हुआ। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् आप बम्बई आ गये। आपने ही अनेक बड़े भ्राता श्री उदयलालजी एवं श्री लक्ष्मीलालजी भी बम्बई में ही व्यवसाय करते हैं। आपके पिताजी बहुत विद्वान् एवं मरत मान्य थे। श्री भँवरलाल जी बोहरा आप जैन जगत में एक ऐसे उज्ज्वल गिता हैं जिनकी चमक में समाज के कई कार्यक्रम संप्रति हो रहे हैं। स्वाभाव में विनम्र शांति में मधु व्यवहार में शान्ति श्री बोहराजी अपने जीवन में श्रुत्य में गिरा तब आगे बढ़े हैं। बहिष्कारों में बीता बचपन आज भी इनको सन्देह नहीं मारि-बहिष्कार की सेवा करने की प्रणया दाता रहता है। आप एक दोगे भ्राता मध और समाज की सेवा एवं गुरु भक्ति में सर्वथा अग्रण्य रहते हैं। आप मोलैला जैन श्री मध के महत्वपूर्ण पद पर तो हैं ही लेकिन श्री वसुधा जैन श्रावक मध (मेवाड) बम्बई के उपाध्यक्ष पद पर हैं तथा मेवाड मध शांताश्रम बम्बई के आप मरमण हैं। आपके द्वारा ज्ञान और सेवा की धारा मदा प्रवाहित होती रहती है। श्रमण मधीय प्रवर्तक श्री अम्बालालजी के साथ एक बम्बई युवक जागृति सगठन प्रवर्क महामारी श्री गोभाय्य मुनिजी के साथ 'कुमुद' का आप परम भक्त हैं। इनका मोलैला चातुर्माण बंगले में आपका बहुत उच्च योगदान रहा। आप महान तपस्वी भी हैं। मालला चातुर्माण में आपने सामन्तमण की उच्च तपस्या भी की है। आपन मध गौरवावित हैं। बम्बई मेवाड मध के निर्माण क्रम कार्य में आपका योगदान काफी सराहनीय है। समाज के हर कार्य में आप अग्रणी रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बन हैं।

श्री गणपतलाल कोठारी (जैन)  
(सेसा-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के सेसा कस्बे में मेठ माहव श्री रतनलालजी कोठारी के यहाँ 8-11-1953 को हुआ। मैट्रिक तक पढाई करने के पश्चात् आप बम्बई पधारे एव मन् 1973 में पुष्पम ज्वैलर्स नाम का व्यवसाय विक्रोली-बम्बई में प्रारंभ किया। श्री वस्था जैन श्रावक मघ (मेवाड़) बम्बई के वर्तमान में आप प्रसार-प्रचार मंत्री हैं। बम्बई में मेवाड़ मघ को मजबूत बनाने में आप काफी सक्रिय रूप में कार्य कर रहे हैं। माधना मदन चार विक्रोली की स्थापना भवन खरीदने में आपका पूर्ण योगदान रहा। आप विक्रोली जैन श्री मघ के मंत्री पद पर भी कार्य कर रहे हैं। आप विक्रोली जैन गुजरात मघ के विगत 17 वर्षों में मंत्री पद पर कार्यरत हैं। आप मेवाड़ श्री सघ बम्बई के द्वितीय वार प्रचार-प्रसार मंत्री बनाये गये हैं। बम्बई में विचरण करने वाले अधिकांश साधु-माध्वियाँ आपसे परिचित हो जाते हैं एव उन सभी की आप काफी सेवा करते रहते हैं। विक्रोली भाण्डुप घाटकोपर आदि क्षेत्रों के गुजराती समाज में भी आप काफी प्रभावशाली हैं। घाटकोपर एव भाण्डुप के बीच विक्रोली माधना मदन रास्ते में होने के कारण विहार करने वाले मत-मतियों वहाँ ठहरते हैं और उनकी आप काफी सेवाएँ करते रहते हैं। मेवाड़ जैन मघ के बम्बई में 19 जगह मघ बने हुए हैं। उनकी एक-एक सघ की हर रविवार को मीटिंग बुलाकर उनकी समस्याओं पर विचार करके मुझाव आदि प्राप्त करके मघ में नयी जाग्रति उत्पन्न करते हैं। आप श्रमण सघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा एव बम्बई युवक जाग्रति मगठन प्रेरक महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म के परम भक्त हैं। सम्पूर्ण बम्बई के मेवाड़ एव गुजराती समाज में आपका काफी प्रभाव है। आप अच्छे वक्ता भी हैं।

आपभी इस वर्ष परिषद के सरल बने हैं।

श्री नवलसिंह सुराना  
(कोठारिया-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र में कोठारिया कस्बे में 4-4-1956 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् प्रतापसिंहजी सुराना एव माताजी का नाम श्रीमती धापूर्वाई सुराना है। नाथद्वारा में बी.ए. तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आप अपने अन्य तीन भाइयों के पास बम्बई आ गये। आपके तीन भाई श्री मीठालालजी, औकारसिंहजी एव हिंमत्सिंहजी एव तीन बहिनें केशवदेवी, शकुन्तला एव मुमित्रा हैं। सभी, तीनों भाई बम्बई में अपने-अपने स्वतंत्र व्यवसाय कर रहे हैं। बम्बई में आने के पश्चात् आपने कोट बम्बई में मिलाप ज्वैलर्स नाम का व्यवसाय प्रारंभ किया। आप भी श्रमण मघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा एव महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म.सा कुमुद के परम भक्त हैं। मेवाड़ श्री सघ बम्बई के आप सक्रिय कर्मठ कार्यकर्ता हैं। आप भी अपने भ्राताओं की तरह समाज सेवाओं में सक्रिय रूप में भाग लेते ही रहते हैं। आप श्री वस्था जैन श्रावक मघ (मेवाड़) बम्बई के सदस्य हैं। कोठारिया ग्राम में स्कूल के निर्माण कार्य में धार्मिक कार्यों की ओर विशेष रुचि रही है। सभी सत-मतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं। सेवा के प्रत्येक कार्य में आप हमेशा ही अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री औंकारसिंह सुराना (कोठारिया-मेवाड़) बम्बई



## श्री मनोहरलाल चौरडिया (जैन) (सगरेव-मेवाड़) बम्बई



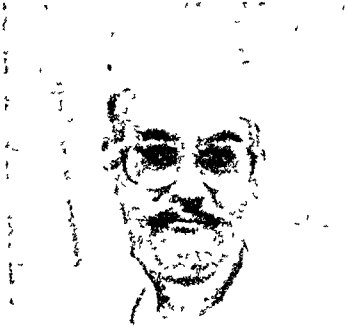
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के कोठारिया बम्बई में 26-3-50 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान प्रतापमलजी सुराना एवं माताजी का नाम श्रीमती धारूपबाई सुराना है। मेवाड़ में विश्वविद्यालय की पढाई पूर्ण करने के पश्चात् मॉडर्न एजुकेशन बोर्ड में आप विगत 22 वर्ष पूर्व आप बम्बई पधार एव यहाँ पर ज्वैलर्स का व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान में आपके बम्बई में मिलन ज्वैलर्स नामक मॉडर्न पुल्वर ज्वैलर्स एवं मिलाप ज्वैलर्स नामक चार जगह व्यवसाय कार्यरत हैं। आपकी व स्थानक जैन धारक मध (मेवाड़) बम्बई के कायकारिणी सदस्य हैं। इसके अलावा अपनी जन्मभूमि कोठारिया (मेवाड़) में भी जैन धर्म का अध्यापक हैं। आपने अनेक धार्मिक-सामाजिक समस्याओं में काफी मात्रा में पूर्ण सहयोग भी प्रदान किया है। कोठारिया में स्कूल के हाल निमाण कार्य के लिए 61 हजार का दान दिया। श्री कुमुद मेटल हस्तीधारी का निलायाम भी आपके हाथों ही संपन्न हुआ। आप धर्मण मध के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी ममा एवं महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी ममा के अत्यंत श्रद्धालु प्रथम भक्त धारक रहते हैं। बम्बई मेवाड़ मध के सभी स्थानिक भक्तों के निमाण ब्रह्म कार्यों में भी आपका पूर्ण सहयोग रहा है। आपकी वचन में ही धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि रहती है। सभी मत-मतियों की सेवाएँ करके आप अपने आपको धर्म समर्पित हैं। बम्बई मेवाड़ मध में आपका काफी प्रभाव है। मेवाड़ के कार्य में आप सबसे अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिपक्व बन गये हैं।

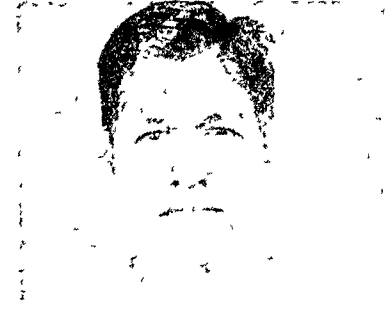
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र में भीरवाड़ा जिले के सगरेव बम्बई में आश्विन शुक्ल 5 वि 2017 का हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् नाथूलालजी चौडिया एवं माताजी का नाम श्रीमती मोहनबाई है। आपका जन्म माध्याह्न एव कमजोर आर्थिक स्थिति में हुआ। आप कुल पाँच भाई एवं चार बहिन हैं। आप आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थिति को अग्रगण्य कर शिघ्र तब पहुँचे हैं। सन 1978 में गंगापुर (भीलवाड़ा) से हायर सेकेंडी की शिक्षा पूर्ण करके आप जुलाई माह में ही बम्बई पधार गये एवं यहाँ आकर एक माध्याह्न नौकरी की। अनेक सामाजिक एवं राजनैतिक समस्याओं में सेवाएँ करने की ओर आपका लगाव रहा। धर्मण मध की स्थिति सुदृढ़ करने एवं समाज में कुछ रचनात्मक कार्य करने की आपकी रुचि रहती है। नेत्रुव के साथ-साथ जैन एकता की भावना की ओर आपका विशेष लगाव रहा है। अभी आप अधेरी बम्बई में ज्वैलर्स का व्यवसाय करते हैं। श्री मेवाड़ मध बम्बई के आप सक्रिय कार्यरत हैं। आप धर्मण मधिय प्रवर्तक श्री अम्बालालजी ममा एवं महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी ममा कुमुद के परम भक्त हैं। मेवाड़ मध को सुदृढ़ बनाने में आप हमेशा में ही प्रयत्नशील रहते हैं। आप कई सामाजिक धार्मिक समस्याओं में अनेक पदों पर कार्यरत हैं। बम्बई के सभी माध्याह्न भक्तों के निमाण में आपका भी काफी योगदान रहा है। आप काफी सक्रिय कर्मठ समाज सेवी हैं। मध समाज में आपकी काफी आशाएँ हैं।

आपकी इस वर्ष परिपक्व बन गये हैं।

## श्रीमंगल चन्द सांखला नासिक सिटी



## श्री भँवरलाल बोहरा (मोलेला-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त के जिला नासिक के समीप दावचवाडी गाँव मे 4-9-1945 को श्रीमान दगडू मलजी साखला के यहाँ हुआ। एस एस सी तक पढाई करने के पश्चात आपने खेती एव व्यापार करना प्रारभ किया उसके बाद 1976 मे आप नासिक पधार गए और वहाँ पर स्टील फर्नीचर का कार्य प्रारभ किया थोडे ही दिनों मे स्टील फर्नीचर का कारखाना भी डाल दिया। वर्तमान मे आप स्टील फर्नीचर की नासिक मे सबसे बडे निर्माता एवं प्रतिष्ठित व्यापारी गिने जाते हैं॥ गर्वन्मेन्वट सप्लायर्स एव दुकान पर भी माल की विक्री होती है। आपकी शुरू से ही धर्म के प्रति रुचि रही है। आप कई धार्मिक सामाजिक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रह कर कार्य कर रहे है। जैन श्री सघ नासिक के आप कोषाध्यक्ष है। दावचवाडी जैन श्रीसघ के भी आप कार्याध्यक्ष है। दावचवाडी मे नवनिर्मित जैन स्थानक भवन के निर्माण मे भी आपने पूर्ण योगदान सहयोग दिया है। नासिक सिटी के नव निर्माणित सम्पूर्ण महाराष्ट्र मे सबसे बडा जैन स्थानक भवन मे भी आपमे पूर्ण सहयोग दिया है। नासिक एव आसपास के क्षेत्रो मे आपका काफी वर्चस्व एवं प्रभाव है। आपके दो सुपुत्र श्री नवल किशोर जी एव सुनील कुमार एव दो सुपुत्रियाँ है। श्री नवलकिशोर जी जैन अखिल महाराष्ट्र जैन सघटना नासिक शाखा के अध्यक्ष एव कर्मठ ममाज सेवक युवा रत्न है। सामूहिक विवाह का कार्य यशस्वी रहा। इसके अलावा धर्मार्थ दवाखाना, महावीर जयंती आदि का कार्य आप काफी रुचि से करते है। श्री मंगलचंद जी का सम्पूर्ण नासिक मे काफी प्रभाव है। सपूर्ण महाराष्ट्र मे सबसे बडा जो जैन स्थानक नासिक सिटी मे नव-निर्मित निर्माणित हुआ है उसमे सपूर्ण योगदान सिर्फ नासिक सिटी का ही उपयोग में लाया गया। यह कोषाध्यक्ष एव अन्य कार्यकर्ताओ की कार्य प्रणाली की ही विशेषताएँ है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने है।

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड क्षेत्र के मोलेला कस्बे मे 5-4-1944 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्री दलीचदजी बोहरा एव माताजी का नाम श्रीमती नजगीबाई है। हायर सेकेण्ड्री तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने मोलेला स्कूल मे अध्यापक का कार्य किया। वहाँ मे अपना भाग्य अजमाने हेतु 1965 मे बम्बई पधार गये और वहाँ आकर ज्वैलर्स का व्यवसाय प्रारभ किया। आप उन युवा बंधुओ मे से एक है जिनका दृष्टिकोण सर्वदा रचनात्मक रहता है। सक्रियता जिनके जीवन का प्रमुख अंग है। मेवा के क्षेत्र मे श्रमशील बने रहना इनका मूल ध्येय है। यही कारण है कि मोलेला एव मेवाड सघ बम्बई के सभी रचनात्मक उपादानो को मूर्तरूप देने मे आपका सहयोग सर्वोपरि रहा है। स्वभाव मे सहिष्णु विचारो से प्रगतिशील आप बुद्धिमान युवक रत्न है। आप वर्तमान मे कई पदो पर कार्यरत है जिनमे मुख्य इस प्रकार है—मेवाड सघ बम्बई के कार्यकारिणी के सदस्य, मोलेला बम्बई शाखा के मंत्री, जैन श्री सघ मोलेला के मंत्री आदि। बम्बई के सभी साधना सदन स्थानको के निर्माण मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया। शिक्षा जगत मे भी पूर्ण सहयोग दिया है। मोलेला के महावीर भवन स्थानक के निर्माण मे भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। मोलेला मे स्कूल प्रयोगशाला कक्ष, कमरे, अम्ब्रेश गुरु जल घर के निर्माण मे भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। आप श्रमण सघ के प्रवर्तक श्री अम्बालाल जी म मा एव बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद' के परम भक्त है। पूज्य गुरुदेव के मोलेला चातुर्मास सत्र मंत्री के साथ चातुर्मास सफल बनाने मे आपने पूर्ण योगदान दिया। बम्बई मे वर्तमान मे आपके कई प्रतिष्ठान है। बम्बई एव मोलेला मेवाड मे आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने है।

## श्री अशोक भण्डारी जयपुर



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त की राजधानी एवं विश्व प्रसिद्ध गुलाबी नगरी जयपुर में 8-11-1951 को श्री रणजीत मिहठी भण्डारी के यहाँ हुआ। मैट्रिक तक की शिक्षा पूर्ण करने के बाद मन् 1969 में आपने जैन मूर्तियों और रत्नों की मालाएँ नारियल की सम्पूर्ण भारत में जैन कला जीव मानाओं का काम दक्षिणार्धत श्रम जादि का काम उड़ी कुशलता एवं बागीची में सूत्रमूरत ड्रैंग में किया जाता है। आप समाज के हर कार्यो में सदैव अग्रणी रहकर कार्य करते रहते हैं। आप समाज की शासन प्रभावता के कार्यो में भाग लेते ही रहते हैं। जयपुर मन्दर के सभी दान निमाण कार्य में हमेशा सहयोग प्रदान करते रहते हैं। मन् 1974 में मानव दश के तीर्थों की सम द्वाग मध त जाकर दशन करवाने हेतु आपने ही कार्य किया। वहाँ आपको मधपति से सम्मानित भी किया गया। आपने जैन तत्व शास्त्र विद्यापीठ पूना की प्रशासन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आपका व्यापार के क्षेत्र में पूरा भारत में प्रसिद्ध है। आप सभी माधु साहित्यिक कार्यो में ही श्रद्धा प्रभावना में सेवा करते रहते हैं। मन् 1974 में आपकी मूर्तियों दान हेतु आपका निवास स्थान पर 1974 में एक घर का पावन मान बनाने में आपने जयपुर में एक नए के तीर्थों की पैल मशार्त भी की है। आपने एक सा साहित्यिक कार्य साथ पैल विहार भी किया है। आप एक भावना राजनी जैन के जिण्य है। आपने इन्हीं में मूर्तिया का नाम प्राप्त किया है। आपका विवाह बोगवड (नागौर) में हुआ। धार्मिक भावना आपके मन में प्रमुख स्थान रखती है। आपने एक सुमुख नवीन मूर्तियों एवं दो सुमुखियों हमतना एवं वीर भण्डारी है। सम्पूर्ण जैन समाज में मूर्तिया के कार्य में आपका नाम विख्यात है।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बन दें।

## श्री दामजीभाई गेलाभाई शाह बम्बई



आपका जन्म गुजरात प्रान्त के मुज जिलानर्गल वाड कच्छ के रामवाक बम्ब में 18 जून 1935 को हुआ। आपका पिताजी का नाम श्री गेलाभाई शाह है। इन्टर तक पढाई पूर्ण करने के पचात् आपकी जय भाग्य को अग्रमान हेतु उम्बई आ गये और यहाँ आकर आपने 1959 में एकत्र साइज युव का व्यवसाय प्रारम्भ किया। उस व्यवसाय में आपने जयन मामाजी श्री भाई चण भाई का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। आप काफी परिश्रमी स्वच्छता युक्त, नमस्त्वभाव कोमल हृदय के श्रावक रहते हैं। आपने धर्म के प्रति काफी गहरी ज्ञास्था है। आपने प्रारम्भिक व्यवसाय का जो छोटा सा बीज बोया वह आज विमान वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। अनुलग्नमान स्ट्रीट उम्बई स्थित महाराज एजसीज का आज सम्पूर्ण दान में नाम विख्यात हो रहा है। आपने अनेक सम्पत्तियों को काफी महत्वा भी प्रदान किया है। वाण्ड कच्छ की अनेक धार्मिक सामाजिक मस्थाओं के निमाण कार्य एवं सुचारु रूप में चालू रखने हेतु काफी पूर्ण योगदान प्रदान किया है। उम्बई समुदाय के पारल श्री भास्कर मुनि जी मया महामती की शान्ता वाई मया गाडल समुदाय की महामती श्री वनिता वाड मया आदि आपके परिवारिक मधधी ही है। वाण्ड कच्छ के धर्मो के विवाह कार्यो के लिए आपने काफी योगदान दिया है। वाण्ड की वाडी विकाम गृह के निमाण में आपका महयोग निरन्तरणीय रहेगा। आपका तीन सुमुख (दा जमर्गिका में है) एवं तीन सुमुखिया है। सभी उच्च शिक्षित हैं। मयम बडा सुमुख दाइर स्थित मिलन मन्मवियर के मचातक है। आप अनेक धार्मिक सामाजिक मस्थाओं में वित्तीय वित्तीय पर म जुड रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बन दें।

## श्री केशरीचंद खिवसरा बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिले के मादडी मारवाड मे वि स. 1989 मे हुआ। आपके पिताजी का नाम मेठ साहव श्री मूलचंदजी खिवसरा है। मैट्रिक तक पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने कपडे के व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। वर्तमान मे आपका कपडे का थोक व्यवसाय बम्बई, सोलापुर, मूरत, अहमदाबाद आदि स्थानो पर कार्यरत् है। आप उपाध्याय श्री कस्तूरचंद जी म सा के अनन्य अतेवामी परम भक्त है। श्री कस्तूरचंद जी म सा जन्म शताब्दी के अवसर पर इस वर्ष रतलाम मे भोजन शाला प्रारभ करने मे विशेष रूप मे आपने ही सर्वोपरि सहयोग प्रदान किया। इसके अलावा विगत 12 वर्षो से सादडी मारवाड मे 24 घटे पानी उपलब्ध प्याऊ का प्रवध भी आपने ही किया। उसके संचालन का 12 माह का पूरा खर्चा आप ही देते है। दिल्ली मे अस्पताल मे 31 हजार की राशि दान मे दी। इसके अलावा अनेक छोटी-बडी सस्थाओ मे आप पूर्ण योगदान देते ही रहते है। उपाध्याय श्री कस्तूरचंदजी म सा जन्म शताब्दी ग्रथ के प्रकाशन कार्य मे भी आपकी सद्प्रयासो एव योगदान से ही पूर्ण हो पाया। श्रमण सघ के सत-सतियो के प्रति आपकी अगाढ भक्ति श्रद्धा भावना है। आप कई अनेक छोटी-बडी सस्थाओ मे किमी-न-किमी पद पर कार्य कर रहे है। आपके पांच सुपुत्र एव एक सुपुत्री है। रतलाम मे उपाध्याय श्री कस्तूरचंदजी म सा ममाधि स्थल निर्माण मे भी पूर्ण योगदान दिया।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।

## श्री दीपचन्द बाफना (भोपालगढ़), जलगाँव



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले के भोपालगढ मे 3-2-1947 को श्रीमान पारसमलजी बाफना के यहाँ हुआ। हायर सेकेन्ड्री स्कूल तक की पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आपका विचार लक्ष्य व्यापार करने का ही रहा। वहाँ से आप 1978 मे जलगाँव पधार गये एव श्रीमान सालेचा साहब के यहाँ सर्विस करने लगे। कई वर्षो तक सर्विस करने के पश्चात् आपने जलगाँव मे ही मेसर्स चन्द्रशेखर एग्री मिल्स के नाम मे स्वयं का दाल मिल का व्यवसाय प्रारभ कर दिया जो आज जलगाँव मे प्रमुख स्थान रखता है। वर्तमान मे आप जलगाँव दाल मिल ऑनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य कर रहे है। आपका पूरा परिवार रत्नवशीय आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमल जी म सा के प्रति प्रारभ से ही मर्मपित एव श्रद्धा भावना से प्रख्यात रहा है। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर समाज सेवा मे सक्रिय भाग लेते ही रहे हैं। श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक सघ जलगाँव के आप कार्यकारिणी के सदस्य, जैन श्री सघ जलगाँव के मदस्य, जैन श्री सघ भोपालगढ के कार्यकारिणी के सदस्य है। सेवा के हर कार्यो मे अग्रसर रहना एव सत सतियो की सेवा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है। जलगाँव जैन श्री सघ के चातुर्मास व्यवस्था मे भोजन समिति के आप इचारज है। आपका रत्नवश समुदाय एव जलगाँव मे काफी प्रभाव है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती पारसकुमार सा भी काफी तपस्विनी एव धर्मप्रिय धर्मानुरागी महिला श्राविका रत्न है। आपके दो सुपुत्र श्री अरुण कुमारजी वी कॉम., एव महेशकुमारजी मैट्रिक भी आपके साथ ही व्यापार मे आपका साथ दे रहे है। एव सुपुत्री मजुश्री है। आप व्यवहार कुशल उदार दानवीर, मृदुभाषी एव धर्मप्रिय युवा रत्न हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।

# उत्तर-प्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा (रजि.)

मुख्यालय श्री जैन स्थानक नया बाजार, प्लॉट 250611 जिन्ना-मरठ

अध्यक्ष

जे डी जन

के वी 45, कवि नगर, गाजियाबाद-201001 (उ.प्र.)

दूरभाष वाषाणय 8-780649, 8 731187

निवाय 8 40001, 8 712541

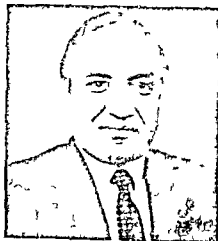
महामंत्री

मुर ड्रबुमार जन

10/63 बहाजन भवन, काँधला-247775

जि मुजफ्फर नगर (उ.प्र.)

दूरभाष - 203



जे डी जन

अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा (रजि.)

## — ♦ वधाई-सन्देश ♦ —

बडे ह्य का विषय है कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय ममग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई के माध्यम से "ममग्र जैन चातुर्मास सूची" 1992 का प्रकाशन कर रहे हैं। यह सूची सम्पूर्ण भारतवर्ष के जैन सम्प्रदायी (श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तरायथी एवं दिगम्बर) के लिए बहुत उपयोगी है। इस पुस्तिका में हमें सभी सम्प्रदायी के पूज्य जैन आचार्यों भाघु, साध्वियाजी के प्रति वर्ष हान वान चातुर्मासा नई दीक्षाजा, महाप्रयाणों, नई पदवियों एवं समाज की सभी गतिविधियाँ की सम्पूर्ण जानकारी आदि प्राप्त हो जाती हैं। जिससे सभी श्रावक व श्राविकागण धमलाभ लेते हैं।

ममग्र जैन ही नहीं पूरा विश्वास है कि यह परिषद् समाज को इसी प्रकार की सेवाएँ प्रदान करती रहेगी। मैं अपना आभार म तथा उत्तरप्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा की ओर से बधाई दे रहा हूँ।

जे डी जन

गाजियाबाद



**टी.टी.**

**अन्डरगारमैन्ट्स**

अन्डरवियर • बनियान  
ब्रा • पैन्टी • जुराबें • टी-शर्ट

आराम का दूसरा नाम..





*Good Book*



THE UNIVERSITY OF DELHI LIBRARY

ज्ञान के आभूषणों के व्यापारी



**दिलीपकमार हीराचंद अँड कंपनी**

106 महुँद बजार बनारस 221 009 (पहासाय) फोन 2,016 24436 ग्राम पहासाय  
 म प नों का जी ह री

भक्तामर स्तोत्र का परमार्थ बोध : रोचक अनुभूति प्रधान शैली में

## भक्तामर स्तोत्र : एक दिव्य दृष्टि

■ भक्ति साहित्य के अद्भुत/अमर स्तोत्र काव्य पर विदुषी विचारक साधनाशील साध्वी डॉ. दिव्य प्रभाजी द्वारा तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टि युक्त भक्ति और बुद्धि समन्वित विवेचन तथा साधना के अनुभूत प्रयोग । ■

जैन जगत् में एक अभिनव प्रकाशन : भक्ति साहित्य की बेजोड़ कृति  
मूर्धन्य मनीषियों के चिन्तन की कसौटी पर—

● श्री दिव्य प्रभाजी ने प्रतिभा का श्लाघनीय उपयोग करके भक्तामर स्तोत्र के श्लोकों में अन्तर्निहित आध्यात्मिक भावना को प्रस्फुटित किया है ।

—राष्ट्रसन्त कवि श्री अमरमुनि (वीरायतन)

● प्रत्येक श्लोक का सूक्ष्म एवं सरल विवेचन प्रशंसनीय है ।

—आचार्य श्री विजय इन्द्रदिन्न सूरी जी महाराज

● साध्वी श्री (दिव्य प्रभा) जी द्वारा किये गये भक्तामर-प्रवचन श्रद्धालुजनों की आस्था को पुष्ट आलम्बन देंगे ।

—आचार्य श्री तुलसी

● महासती जी सरल सुलझे विचारों की विदुषी साध्वीरत्न हैं । इनकी वाणी में जादू का असर है ।

—स्व. आचार्य श्री आनन्द ऋषि जी

● भक्ति प्रिया साध्वी दिव्या ने भक्तामर स्तोत्र की साधना करके जो कुछ आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की है, उस परमार्थ को, सहज बुद्धिगम्य शब्दों में प्रकट कर जनता पर असीम उपकार किया है ।

—डॉ. साध्वी मुक्तिप्रभा

सुन्दर सुरुचिपूर्ण मुद्रण और भावयुक्त कलापूर्ण आवरण के साथ ।  
मूल्य सिर्फ 51/- रुपया । शीघ्र आदेश भेजें ।

### प्राप्ति स्थान

जैन पुस्तक मन्दिर  
भारती भवन, चौड़ा रास्ता  
जयपुर

प्राकृत भारती अकादमी  
यति श्यामलाल जी का उपाश्रय  
मोतीसिंह भौमियों का रास्ता,  
जौहरी बाजार, जयपुर

हार्दिक शुभेच्छा!.....

कर्नाटक

कलशेश

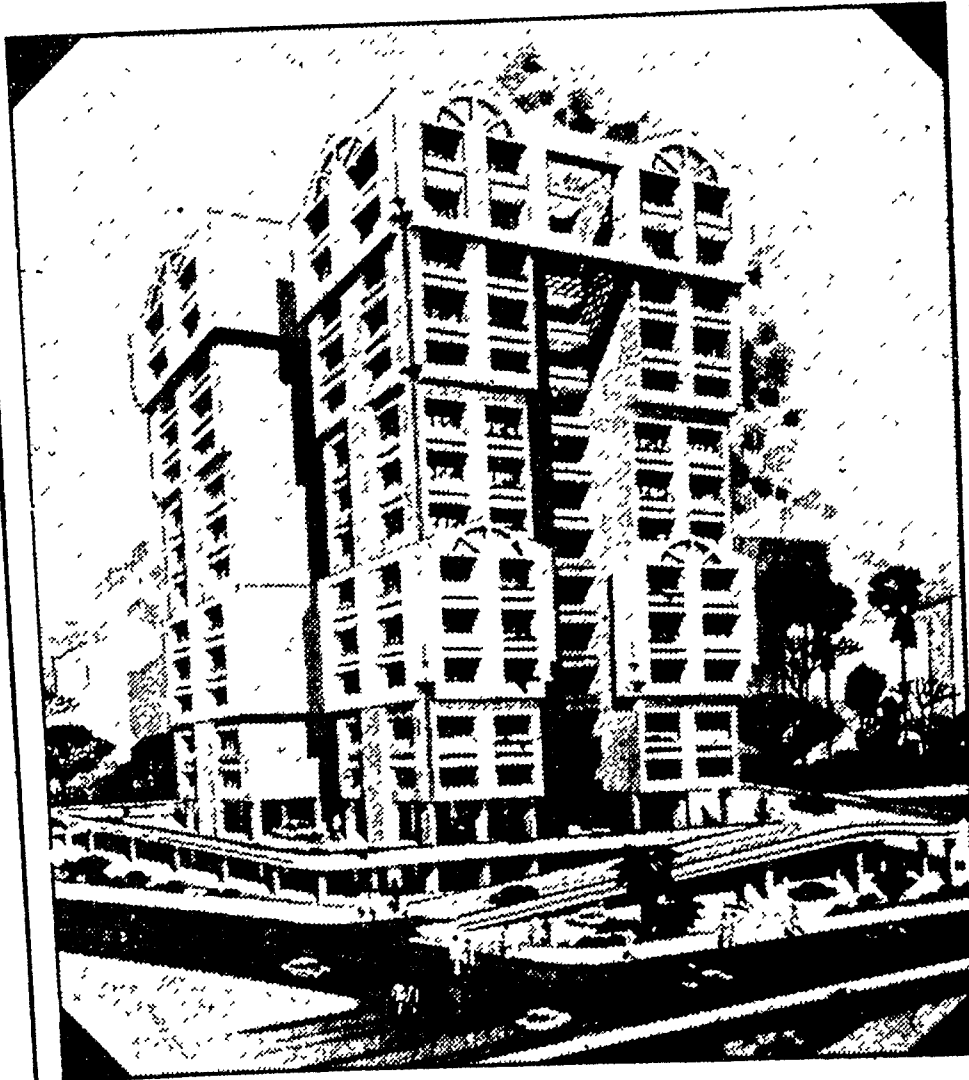
- ❖ संदीप बिल्डर्स अँड डेव्हलपर्स
- ❖ संदीप कन्स्ट्रक्शन्स
- ❖ संदीप अँड असोसीअेटस्
- ❖ संदीप अँटरप्राईजेस्

रेल्वे स्टेशन जवळ, ठाणे (पश्चिम)

फोन ५०८०६२, ५०३०६६, ५०९२११

# RUNWAL TOWERS

LAL BHADUR SHASTRI MARG, NEAR GABRIAL INDIA LTD.  
MULUND (WEST)



**2/3 BEDROOM ULTRA MODERN  
LUXURIOUS FLATS ON OWNERSHIP BASIS**

- TWO 13-STORIED TOWERS • POSH SHOPPING ARCADE
- ATTRACTIVE PODIUM—FIRST OF ITS KIND IN SUBURBS



Developers

**RUNWAL ESTATES PVT. LTD.**

Runwal Chambers, 1st Road, Chembur, Bombay-71.

Tel: 5554462-5555873-5554314

Sales Consultants:

**SHAKTI AGENCY**

Chagpar Khimji Building, 2/A, 1st Floor, 'A' Wing,

R R.T Road, Mulund (W), Bombay- 80

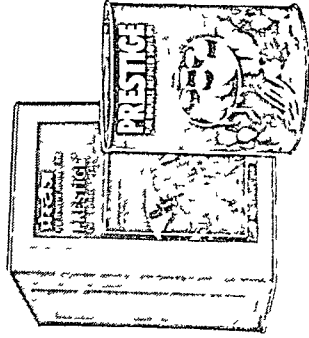
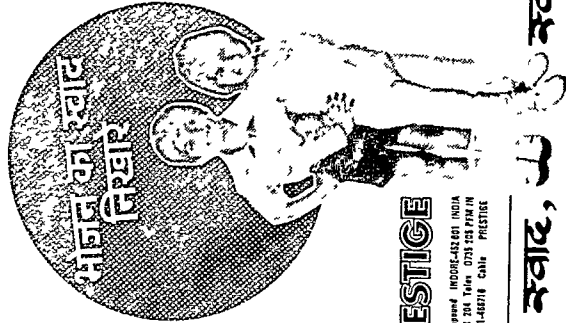
Tel: 5645843•5644590

Runwal keeping up a  
tradition of Qualities.  
Punctuality & Reliability.

- Artistically laid out project.
- Aesthetically landscaped gardens.
- Swimming Pool with Filtration Plant.
- Club House with modern facilities
- Common TV Dish Antenna, Cable TV and Point.
- Elegant Entrance Foyer.
- Highspeed Automatic Lifts.
- Servant's Toilet on each floor.
- 24 hours water
- Car Parking in the ground stilt and podium levels.

**Runwal Towers**  
*A Reflection of your  
distinct lifestyle*

1, 2, 5 व 15 किलोग्राम पैक में उपलब्ध



# प्रेस्टीज

शुद्ध सुपर रिफाइंड कुकिंग ऑइल

**PRESTIGE**

39 Jans Compound, INDORE-462 001, INDIA  
Phone: 462021, 204, Telex: 0735 508 PFM IN  
Telex: 9751-468716 Calc. PRESTIGE

स्वाद,  स्वास्थ्य, बचत की सीमात.

SM7/91403

## क्या आप जानते हैं?

कि आज के प्रचलित टूथपेस्टों में उपयोग में लाये जाने वाले फॉस्फेट और जिलेटिन का निर्माण मृत प्राणी की हड्डियों से किया जाता है? कई लोगों को इस का पता नहीं है. मृत प्राणी की हड्डियों का इस्तेमाल जिस टूथपेस्ट या टूथ पाउडर में किया जाता हो, इसको उपयोग में लाना उचित नहीं है.

## अमर टूथपेस्ट — टूथपाउडर में

किसी भी अभक्ष्य पदार्थ का इस्तेमाल नहीं होता. आयुर्वेदिक जड़ी बुट्टियों का इन में बहुत ही सावधानीभरा उपयोग किया जाता है

आयुर्वेदिक

# अमर

टूथपेस्ट - टूथपाउडर

नये युग की हर्बल-लहर  
जो दांतों को निरोगी, मज़बूत और  
चमकता रखे.



भारत का एकमात्र अहिंसक आयुर्वेदिक उत्पादन.

निर्माता स्वामि औषधालय प्रा लि, ४९७, एस.वी.पी रोड, वम्बई-४०० ००४  
फैक्ट्री ४६४, न्यू जी आई डी सी, कतारगाम, सुरत-३९५ ००८

श्री महावीराय नमः

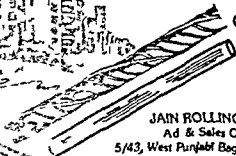
卐

# JAIN ROLLING MILLS

SR

## RE-ROLLERS, ENGINEERS & FABRICATORS

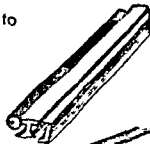
Manufacturers & Govt Approved Suppliers of  
M S ROUNDS, FLATS, ANGLES SQUARES  
& SPECIALISTS IN COLD WORKED  
STEEL HIGH STRENGTH DEFORMED  
BARS FOR CONCRETE REINFORCEMENT



Conforming to  
IS 1786-85



IS-226/75



JAIN ROLLING MILLS

Ad & Sales Office

5/43, West Punjab Bagh, New Delhi

Works: Mukand Nagar, Ghazalabad

Phones: 5439484, 8731187, 8-730649

एप. के. ए.डी. Conversion Re Roller  
By Appointment to  
STEEL AUTHORITY OF INDIA LTD  
(A Govt. of India Undertaking)

In order to Preach & Practice  
'AHIMSA' & 'VEGETARIANISM'  
Please do not celebrate  
functions at places  
which do not have 'Separate'  
Vegetarian Kitchens.

J D JAIN

# प्रकाशकीय

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् वस्वई द्वारा प्रकाशित "समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992" का चतुर्दश पुष्प आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए परम प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

**विश्व विख्यात प्रमाणिक सूची:—**आपको यह तो भलिभाति विदित ही है कि परिषद् द्वारा विगत 13 वर्षों से स्थानकवासी एव समग्र जैन समुदाय की समग्र जैन चातुर्मास सूची एव चार्ट का प्रतिवर्ष नियमित प्रकाशन करते आये हैं। सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज की असांख्यदायिक यही एक मात्र पूर्ण एवं प्रमाणिक विश्व विख्यात चातुर्मास सूची है। जिसे सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने एक स्वर से स्वीकार भी किया है। आज सम्पूर्ण विश्व का समग्र जैन समाज इस सूची से काफी लाभावित हो रहा है और भविष्य में भी काफी लाभावित होता रहेगा। चातुर्मास के पश्चात् भी दीक्षोत्सव, पट्टोत्सव, प्रतिष्ठोत्सव, सम्मेलनों एवं अन्य विशाल कार्यक्रमों में समग्र जैन समाज के संपर्क सूत्र एक जगह प्राप्त करने वाली यही एक मात्र सूची है जो वारह महिने ही उपयोग में आती है। अब यह सूची देश विदेश में काफी लोकप्रिय हो चुकी है। इसकी लगभग 300 प्रतियाँ विदेशों में भी जाती हैं।

**संकलन संपादन कार्य:—**विगत 12 वर्षों की भाति इस वर्ष भी संकलन संपादन का कार्य कर्मठ उत्साही कार्यकर्ता जैन श्रृंगार, उत्कृष्ट सेवाभावी समाज सेवी श्री वाञ्छुलाल जैन "उज्ज्वल" ने बड़ी कुशलता, तत्परता लगन उत्साह से सही समय पर पूर्ण कर आप तक पहुँचाया है। उनकी समाज सेवा से ही यह कार्य पूर्ण हुआ है। श्री 'उज्ज्वल' सभी कार्यों को छोड़कर अपना एकमात्र ध्यान इसी ओर केन्द्रित करके इसे कार्य में जुट जाते हैं। इन्दौर प्रेस में हर वर्ष 15-20 दिन तक वहाँ ही रहकर भूख प्यास की चिन्ता किये वगैरह असह्य कष्ट को सहन करते हुए यह कार्य पूर्ण करके ही दम लेते हैं। सभी समुदायों के चातुर्मास की सूचीयाँ एकत्रित करना, प्रेस कापी तैयार करना, कम्पोजिंग प्रूफ रिडिंग, पुस्तक पोस्ट करना, विज्ञापन सदस्यता बनाना एव परिषद् की आर्थिक स्थिति को वरकरार कायम रखने हेतु सदा प्रयत्नशील रहते हैं। यहाँ तक कि निःस्वार्थ अपार श्रमिक रूप सच्चा समाज सेवा करने हेतु आप अपना व्यापार तक भी 1-11 माह के लिए बन्द रख देते हैं। आपका हमेशा एक ही ध्येय बना रहता है कि जितना जल्दी हो सके यह जल्दी जल्दी से कार्य पूर्ण होवे ताकि समाज सर्वाधिक लाभ प्राप्त कर सके। आपकी समाज सेवा सम्पूर्ण जैन समाज में अद्वितीय है।

## आर्थिक संकट टला नहीं

इस कार्य में गत वर्ष भी हमारी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर ही रही थी। हमारे पास न तो कोई स्थायी फंड है और न ही किसी आचार्य भगवत की छत्र छाया हम तो यह कार्य सिर्फ विज्ञापन, पुस्तक भेंट-योजना, सदस्यता शुल्क आदि से ही विगत वर्षों से पूर्ण करते चले आ रहे हैं। इस वर्ष सूची का कुछ कार्य आफसेट एव कलर में करवाने के कारण इस वर्ष की आर्थिक स्थिति भी काफी कमजोर ही रहेगी। आप सभी से नम्र निवेदन है कि चातुर्मास के उपलक्ष में इस परिषद् को भी फूल नहीं तो पँखुड़ी ही सही कुछ न कुछ सहयोग अवश्य प्रदान करें। यह परिषद् भी आपकी अपनी ही सस्था है।

**देरी का कारण टला नहीं:—**यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी विज्ञापित सूचना को ध्यान में रखकर कुछ विशाल समुदायों को छोड़कर प्रायः कर सभी समुदायों की सूचियाँ चातुर्मास प्रारंभ होने तक प्राप्त हो गयी थी फिर भी प्रायः कर श्रमण मंच, साधुमार्गी संघ, एवं तपगच्छ समुदाय की कुछ सूचियाँ चातुर्मास प्रारंभ होने के 20 दिन बाद प्राप्त होने के कारण देरी का कारण बनी क्योंकि जिसका प्रारंभ ही वह ही देरी से प्राप्त हो



ता काय कसे घागे वढ सने। चानुर्मास प्रारम होन क 40 दिन वाट तक भी कुछ मूर्तिपूजक, एव दिग्मन्त्र समुदाय की पूण सूची कई बार पत्र नार स्मरता पत्र नेने पर भी प्राप्त नहीं हा मर्ती इन कारण देरी का मकट विगत वर्षों की भांति टम वष भी रहा ही ह। फिर भी मर्ती की सूचियाँ व्यवस्थित रूप से प्राप्त हुट है जिनके विग हम सभी का आभार प्रगट करते हैं।

चानुर्मास चाट का प्रकाशन—हम विगत कई वर्षों से स्थानकवासी समुदाय के तीन बार चाट प्रकाशित करते आ रहे हैं। इस वष सोजयदाताओं के अभाव में हम मिस दो ही चाटें बना सके हैं। प्रथम चाट वृहद् बम्बई के स्था जन चानुर्मास चाट हिन्दी भाषा में एव द्वितीय स्थानकवासी समुदाय के अमण सष एव स्वतंत्र समुदायों के चानुर्मास चाट हिन्दी भाषियों का हिन्दी आवृत्ति में प्रकाशित किया गया है। प्रथम चाट के मौजयदाता परिषद् के सन्ध्यापक एव भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मुख्यालयजी मोटागी बम्बई एव द्वितीय चाट के मौजयदाता परिषद् के सन्ध्यापक श्री वानोलावनी जैन (पी एच गौटरी) बम्बई है। दोनों चाट निशुक्ल प्रणम विषे जा रहे हैं। दोनों सोजयदाताओं के हम वहुत वदुन आभारी हैं।

बड़े खेद एव आश्चर्य क साथ लिखना पढ रहा है कि वृहद् गुजरात स्था समुदाय के चाट के सोजयदाता इस वष हमें प्राप्त नहीं हो सके। कई महानुभावों से विनती करने के परवान् भी समाज क काम आने वाला चाट क मौजयदाता तक नहीं मिले यह एक आश्चर्य की बात है। इसलिए वृहद् गुजरात स्था चाट की प्रेस काफी तयार की हुई ऐसे ही रची रह गयी। सम्पूर्ण भारत के स्था गुजराती समुदाय में एक भी मौजयदाता नहीं मिलना आश्चर्य की ही बात है। एक पन्ना छपाने तक विनती करने पर भी निगमा ही शाय लगना दुःख की बात है। आशा है भविष्य में हम और अग्रर ध्यान रखें।

### भेंट योजना में निराला —

हम विगत कई वर्षों से सम्पूर्ण जन समाज के सभी समुदायों के सभी पूज्य आचार्यों, साधु-माध्वीयों श्री सपों, सत्याओं को चानुर्मास सूची को पुस्तकें परिषद् को धोर से निशुक्ल प्रेषित करते आये हैं परन्तु परिषद् को आधिक स्थिति काफी कमजोर होव से उपर्युक्त सभी को पुस्तकें निशुक्ल भेजने में हम उन वष एव इस वष भी असमर्थ हैं हमने विनापन पत्र में एव विनापन में सूचना जारी कर दी थी कि कोई भी महानुभाव श्रीसप सत्याओं अपनी अपनी समुदायों के लिए पुस्तक भेंट योजना में अपना सहाय्य प्रदान कर। उनके सहयोग से हमारी आधिक स्थिति सुधर सकती है एव सभी पूज्य साधु-माध्वीयों को पुस्तक उनकी धोर से प्राप्त हो सकती है।

परन्तु बड़े आश्चर्य एव दुःख के साथ लिखना पढ रहा है कि स्थानकवासी समुदाय के अभावो जिनो भी समुदाय ने इस और मिलवुन भी ध्यान नहीं लिया। अत हम इस वष भेंट योजना में जिनजिन महानुभावों से सहयोग प्राप्त हुआ है उनको समुदायों के अभावो जिनो भी समुदाय के साधु-माध्वीयों को पुस्तकें निशुक्ल भेजने में असमर्थ हैं। सभी समुदायों जैन श्री सपों, सत्याओं से तन्न निवेदन है कि यदि आप भी इन पुस्तक को प्राप्त करना चाहते हैं तो रुपये 20/ शीघ्र भेज कर प्राप्त कर सकते हैं। विवशता के लिए क्षमा।

### मुद्रण का कठिन कार्य —आशा निराला फिर-आशा

चानुर्मास सूची का तैयार करने में जिनकी मददनाई चानुर्मास सूचीया एवतित करन, सक्लन सपादन कार्य करना नहीं हानी उगते नहीं ग्याग परेशानी मुद्रण कार्य में होता है। किसी भी प्रकाशन का मुद्रण काय समय पर पूरा हो जाये तभी उसका प्रकाशन करना माना जाता है। हम विगत 10 वर्षों से इस सूची का मुद्रण कार्य सम्पूर्ण मध्यप्रदेश की एकमात्र सबसे बड़ी मुद्रणिक नईदुनिया प्रेस इन्दौर से ही मुद्रण कार्य पूण करवान था वह है।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हम निश्चित थे कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी कार्य इन्दौर ही करवायेंगे। चातुर्मास प्रारंभ होने तक जितनी सूचीयां एवं प्रेस मेटर हमारे पास उपलब्ध हो सका उतना प्रेस में बम्बई से इन्दौर नईदुनिया प्रेस को मुद्रण हेतु भेज दिया, लेकिन कुछ दिनों बाद वाकी का पूरा मेटर लेकर "उज्ज्वल" इन्दौर प्रेस में पहुँचा और वहाँ प्रेस मेटर के मुद्रण कार्य के बारे में पूछताछ की तो जवाब मिला कि प्रेस में हेण्ड मोनो कम्पोज का कार्य प्रेस ने बन्द कर दिया है उसकी जगह आफ सेट कम्प्यूटर का कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस उत्तर को सुनते ही संपादक के पैरों की जमीन खिसकने लगी सोचने लगा अब क्या करें हमें तो आशा हमेशा यही रहती है कि कार्य प्रतिवर्ष वहाँ ही होता आया है और इस वर्ष भी वहाँ होगा ही। अब समय भी नहीं रहा। कार्य का किनारा पर्यपण पर्व भी समीप आने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि आफ सेट में कार्य पूर्ण हो सकता है लेकिन उसका चार्ज छपाई दुगुनी है। परिपद की ऐसी स्थिति भी नहीं कि वह यह खर्चा सहन कर सके। अब तो सारी आशाएँ पानी में मिल गयीं निराशा से संपादक का चेहरा मुरझा गया। इसी चक्र में दो-तीन दिन बीत गये।

लेकिन कई व्यक्ति ऐसे भी होते हैं जो पैसा को नहीं देखकर समाज सेवा, समाज हित, धर्म जागृति, धार्मिक भावना को ही प्रमुख स्थान देते हैं हम नईदुनिया प्रेस के संचालक मण्डल को जितना धन्यवाद देवे उतना कम है उन्होंने अपना अन्य कार्य को बीच में ही रूकवा कर इस कार्य को सर्वप्रथम प्रमुखता प्रदान की और इतने वर्षों का जो प्रेम व्यवहार बना हुआ है उसे ध्यान में रखते हुए इस कार्य को समय पर पूर्ण करने की पूरी कोशिश की। उन्होंने ज्योति इस कार्य को पूर्ण करने हेतु प्रारंभ करने का आश्वासन दिया संपादक को मानो अंधे को आँखें मिल गयी हो ऐसा लगा। उनका मन खुशी में झूम उठा। इस तरह पहले आशा फिर निराशा और अन्त में आशा की किरणें प्रगट हुईं। आप अगर यह कार्य समय पर पूर्ण करके नहीं देते तो हमारा यह कार्य असफल ही रहता। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उन्होंने सिर्फ 10/15 दिनों में ही यह कार्य पूर्ण करके दिया है। लेकिन गत वर्षों की अपेक्षा ऐसी परिस्थिति में इस वर्ष का कार्य काफी महत्त्व रखता है और उन्होंने पूर्ण करके दिया है कुछ कार्य मोनो कुछ आफसेट आदि जैसे हो पाया, पूर्ण किया है।

अतः इस कार्य के पूर्ण सफल प्रकाशन के लिए नई दुनिया प्रेस इन्दौर के संचालक मण्डल एवं कर्मचारी मण्डल के हम बहुत आभारी हैं सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए बहुत-बहुत आभार प्रगट करते हैं।

हार्दिक आभारः—अतः हम सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, साध्वियों जी.म.सा. जैन श्री संघों, हितेपी महा नुभावों, विज्ञापन दाताओं, भेंटकर्ताओं, नये सदस्यों, चतुर्विध संघों, नई दुनिया प्रेस मण्डल, एवं जयंत प्रिन्टर्स आदि का हम बहुत-बहुत आभार प्रगट करते हुए सभी से यही आशाएँ करते हैं कि भविष्य में भी इसी तरह का पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे—इसी आशाओं के साथ।

—हम हैं आपके—

बम्बई . 25/8/82

दीपचंद भाई गार्डी  
अध्यक्ष

शांतीलाल छाजेड़ (जैन)  
महामंत्री

सम्पतराज कावडिया  
कोषाध्यक्ष

## चातुर्मास सूची समर्पण तालिका 1979-92

अ भा समय जैन चातुर्मास सूची का प्रकाशन पहिले चम्पई द्वारा प्रकाशित था एवं समय जैन चातुर्मास सूची का विगत 13 वर्षों में नियमित प्रकाशन किया जाता रहा है, सन् 1979 में इसका प्रकाशन प्रारम्भ हुआ। सन् 1979 से 1985 तक स्थानान्तरित एवं 1986 से 1992 तक समय जैन चातुर्मास सूची प्रकाशित की जा रही है। हम हर वर्ष अला-अलग मन्थनियों के निम्नी एक मूल्य आचार्य/गण्डाधिकारि या सध नायक ने चरणा में यह सूची पुस्तक समर्पण करते आये हैं, आज तक हम निम्न लिखित सूची पुस्तक समर्पण करते हैं, जिनकी जागरूकी यहाँ दी जा रही है—

वर्ष	समर्पण किया उता नाम	विमानस्थल	सान्निध्य/निष्ठा
1979	चातुर्मास सूची का प्रकाशन प्रारम्भ		
1979	स्वयं सम्पदाय के मनो सत-नितियों को	चार-चम्पई	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा 'कमल'
1980	स्वयं सम्पदाय के मनो सत-नितियों को	बालेश्वर-चम्पई	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा 'कमल'
1981	स्वयं सम्पदाय के मनो सत-नितियों का	हेटवावा	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा 'कमल'
1982	दिस के न आचार्य श्री रणदजी स्वामी म मा	देवासी (गणिक)	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा 'कमल'
1983	श्रम के स्व आचार्य श्री आनन्दकृष्णजी म मा	नासिक मिटो	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा
1984	रत्नशील स्व आचार्य श्री हस्तीमलजी म मा	जोधपुर	रत्नशील आचार्य श्री रत्ननालजी म मा
1985	गाधुमार्गी आचार्य श्री नानालजी म मा	घाटोपर-चम्पई	गाधुमार्गी आचार्य श्री नानालजी म मा
1986	समय जैन चातुर्मास सूची का प्रकाशन प्रारम्भ		
1986	समय जैन मन्थनियों के मनो 120 आचार्यों को	इंदौर	श्रम श्रु प्रवर्तन श्री रत्ननालजी म मा 'कमल'
1987	स्वयं सम्पदाय के मनो सत-नितियों को	इन्दौर	श्री मल्लिकार्जुनजी म मा के पचास श्री शरण निजयजी म मा
1988	स्वयं मूर्ति स्व आचार्य श्री रामचन्द्र मुरारीजी म मा	इंदौर	श्रम के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म मा
1989	स्वयं मूर्ति स्व आचार्य श्री रामचन्द्र मुरारीजी म मा	इंदौर	श्रम मलाहारा श्री म न मुनिजी म मा
1990	स्वयं मूर्ति स्व आचार्य श्री जयतल्ल मुरारीजी म मा	इंदौर	श्रम मलाहारा श्री अजित मुनिजी म मा
1991	स्वयं मूर्ति स्व आचार्य श्री रामचन्द्र मुरारीजी म मा	इंदौर	श्री सागर म मा के ज्ञानेश्वर श्री रत्ननालजी म मा
1992	स्वयं मूर्ति स्व आचार्य श्री मुकुन्दनालजी म मा (हरिखाण)	इंदौर	(अहिंसा रेची म मा मुरारी म मा के मल मलियों का) श्रम म मा की शिल्पकर्मियों की अपवाजी म मा

# सम्पादकोय

अ० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992 का चतुर्दशपुष्प आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम संतोप का अनुभव कर रहा हूँ।

इस वर्ष इस प्रकाशन के लिए मई माह में ही सूचनाएं एवं विज्ञप्ति जारी कर दी थी कि सभी पूज्य आचार्य साधु-साध्वीयों जैन श्री संघ अपने अपने होने वाले चातुर्मासों की सूचनाएं हमें शीघ्र भिजवावे। मैंने भी अबकी बार यही प्रयास किया कि चातुर्मास प्रारम्भ होने तक यह पुस्तक सभी के पास पहुँचे परन्तु इस बार भी वही हुआ जो विगत वर्षों में होता आया है। मैं चाहे कितनी ही लाख कोशिश करूँ परन्तु किसी न किसी कारण से इसका हल नहीं निकलता और यह मैंने विगत कई वर्षों से देखा भी है। कई समुदाय चातुर्मास प्रारम्भ होने के एक माह बाद तक भी अपनी सूचियाँ नहीं भेज पाते या देर से भेजते हैं तो फिर आप ही बताइये कि मैं पुस्तक कहाँ से शीघ्र प्रकाशित कर आप तक पहुँचाऊँ? क्या मुद्रण कार्य में समय नहीं लगता। फिर भी मुझे पूर्ण संतोप है कि चाहे कुछ देर से ही प्राप्त हो सभी समुदायों की सूचियाँ तो प्राप्त हो रही हैं और प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पर्युषण तक आप तक पुस्तक प्रेषित करने में सफल हो पाया हूँ।

- \* इस वर्ष सभी समुदायों के साधु-साध्वीयों के सम्पर्क सूत्र स्थानकवासी समुदाय की तरह सभी का दिया गया है, ताकि सीधे उसी की फोटो कापियाँ करवा कर पोस्ट करने में सुविधा रहती है।
- \* अबकी बार प्रूफ रिडिंग में पूरा ध्यान दिया गया है गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष अशुद्धियाँ बहुत कम देखने को मिलेगी।
- \* गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया गया है।
- \* सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, परिषद् के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के फोटो आफ सेट में प्रकाशित किये गये हैं।
- \* इस वर्ष कई तरह की हृदयस्पर्शी जानकारियाँ प्रकाशित की गयी हैं।
- \* इस वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं की सूची पत्र अच्छी तरह से सम्पर्क सूत्र के साथ प्रकाशित की गयी है इसके साथ साथ जैन पत्र-पत्रिका सूची अलग से पुस्तक रूप में भी प्रकाशित की गयी है ताकि सूची पुस्तक के अभाव में इससे समाज अधिक लाभ प्राप्त कर सके।
- \* हमने गत वर्ष सूची पुस्तक में एक नया अध्याय "गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स" का एक उदाहरण के रूप में प्रकाशित किया था। सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने इस कार्य को काफी सराहनीय कार्य कदम बताया है एवं अपने अपने रिकार्ड्स भी इसमें सम्मिलित करने हेतु भिजवाये हैं। और उन्होंने इस बार भी आग्रह किया है कि इस विभाग के सभी रिकार्ड्स इस बार भी प्रकाशित करे अतः सभी के आग्रह को ध्यान में रखकर स्थानाभाव एवं समयाभाव के होते हुए भी इस बार भी स्थान दिया गया है। एवं इसकी एक अलग से भी पुस्तक प्रकाशित की गयी है ताकि सूची पुस्तक के अभाव में अधिक से अधिक महानुभाव इतने लाभ प्राप्त कर सकें।
- \* मेरे इस कार्य के गुरु से ही प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक श्रमण संघीय सलाहकार श्री कन्हैयालालजी म. सा. 'कमल' रहे हैं और आज भी हैं आपकी छत्र छाया में ही यह कार्य इस वर्ष भी पूर्ण हो पाया है अतः आपका भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

- \* गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सम्पूर्ण निर्देशन श्रमण सघोष प्रवक्ता श्री 'रूपवर्जो' मत्ता 'सुख' एवं उन प्रवक्ता एवं सलाहकार श्री सुकन मुनिजी मत्ता श्री छत्र छाया मत्ता ही पूरा हुआ है अतः आप दोनों का भाव बहुत आभारी हूँ।
- \* इस वर्ष इसके प्रशासन के लेखा सचिव चतुर्मास सूचीयां पत्रिका के नाम से श्रेयस्वा समुदाय के श्रमण सघोष आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी मत्ता श्री दिनेश मुनिजी मत्ता, मंत्री श्री कुन्दन ऋषीजी मत्ता, सहायक समुदाय श्री नवीन ऋषीजी मत्ता, नि म के शासन प्रभावक श्री नारायण जी मत्ता, ध म श्री विनय भुनिजा मत्ता "बागीश" मुखेश्वर श्री भास्कर मुनिजी मत्ता, श्रमण सघोष उ त प्रवक्ता श्री पद्मवर्जो मत्ता आदि, जन विश्व भाग्यो लाटनू प्र मूनि तपागच्छ के पयाग श्री 'व्रतानतमागर्जो' मत्ता, आचार्य श्री राजेश मुरीश्वरजी मत्ता, अचल गच्छ आचार्य श्री कलाप्रभ नागर मुरीश्वरजी मत्ता, पयाग श्री हम भूपर विद्वज्जी मत्ता, दिग्दर्शक मत्ता श्री आचार्य श्री विद्यामागरजी मत्ता 'अध म प र्जन श्री गमनिवाणजी मत्ता, नरम वक्ता श्री अर्जुन मुनिजी मत्ता, श्रमा सघोष विदुषी महामती डॉ श्री अचनाजी मत्ता आदि का मुझे पूरा महसूस एव मागर्जन प्राप्त हुआ है।

इन्हें अलावा भी कई पूज्य आचार्या माधु साध्वीयो का मुझ पूरा महसूस प्राप्त हुआ है त्यागभाव के कारण सभी का नाम लिखन में अममथ है अतः आप सभी का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

श्रवण की वार परिषद् की नींव मुद्दह कान हनु में लिन्नी, नामिक, प्रता, उचनकरजी, वनगांव, जयपुर आदि शक्तो म भी जाकर आया हूँ सभी जाहों व श्री सघो न मुझे वहाँ जो आदर्श सकार लिया किसी तरह की बौद्ध परेशानी कष्ट उठाने नहीं लिया उम में सभी भूला नहीं सकता। लिन्नी चादनी चौक जैन श्री सघ की सेवाए जीवन भर याद रहगी वहा पर पूज्य श्री मुदमनलासजी मत्ता के प्रथम बार दर्शन कर 5 दिन प्रवचनों का लाभ लिया सभी श्री सघो न इस कार्य के लिए काफी अच्छी सहाय म आधिक सहाय्य दिलाया। लिन्नी निवासी समाज सभी श्री गद्यश्यामजी जन बूढाना वाले (रोहिणी) श्री रिश्वरवदजी जन (मिनी) लिन्नी, ने भी मुझ काफी सहयोग प्रदान करवाया एवं जलगाव म श्री प्रकाशवर्जो सुभाषचदजी हुणडीवाल न भी काफी अच्छा सहयोग श्रवण की वार लिताया है लिन्नी व श्री गद्यश्यामजी जन (रोहिणी) लिन्नी वालों न अपना बहुमूल्य समय निदानकर बहुत ही अच्छी सहाय्य म जा महसूस प्रदान करवाया उमोस उने वष की स्थिति काफी मुद्दह उनी है। इसके अलावा श्री किरणजी महता लिन्नी वाला न भी अच्छा सहयोग प्रदान करवाया अतः आप सभी का मैं हृदय में बहुत-बहुत आभार प्रगट करना हूँ।

- \* अगली बार सम्पूर्ण जन समाज के प्राय कर सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादनो न भी सूची की सूचनाएं प्रदान करन पत्रों में प्रकाशित कर मुझे सहयोग प्रदान किया है आपने इस कार्य से ही मेरा यह कार्य समय पर पूरा हुआ है अतः आपका भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ।
- \* विगत 10 वर्षों की भांति इस वर्ष भी सेवा सभ्य एवं जन श्रेयस्वांबर कपडा मार्केट सुदूर फड धमशाला इन्फोर् मे भी मैं लगभग 20-25 दिनां तक रहा उनका बहुत ही आभारी हूँ जिन्होंने वहाँ रहने की अनुमति प्रदान की अतः आपन ट्रस्टीगण का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

उन् सूची में किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक भेदभाव नहीं रखा गया है। सभी के नाम समान रूप से लिखे गए हैं, इन सूची का मुख्य उद्देश्य यही है कि सभी सत-सतियों एवं समाज की सभी गतिविधियों की पूर्ण सहाय्य एवं गतिविधियों की सही जानकारी प्राप्त हो जाय। कितने सघ चतुर्मास से लाभान्वित हैं एवं सुमुमुं भावों में कितनी कितनी प्रगति हुई है न कि किसी तरह से समाज के पैसों का अपव्यय कर अयोपोजन करना।

नईदुनिया प्रिन्टरी इन्दौर के संचालक व्यवस्थापक श्री अभयजी सा. छजलानी, श्री हीरालालजी सा. झाझरी, श्री श्रीनिवासजी सा., श्री महेन्द्रकुमारजी सा. डांगी, श्री झा साहव, एव संचालक मण्डल आदि का भी अवकी वार भी विरक्तज्ञ हूँ जिन्होंने समाज हित एवं चातुर्मास का लक्ष्य ध्यान में रखकर 450 से अधिक पृष्ठों का यह ग्रंथ इतनी सुन्दर साजसज्जा, मेकअप, सुन्दर छपाई करके हमें अवकी वार भी सिर्फ 10-15 दिन में ही मुद्रित करके दिया है। इस वर्ष हेण्ड कम्पोज विभाग बन्द होने पर भी आपने छपाई का कार्य इतना अच्छा एवं जल्दी पूर्ण करके दिया, जितने पिछले वर्षों में कभी भी नहीं हुआ था। हम आपके आभार का किस तरह वर्णन करें हमारे पास शब्द नहीं है। कारण आपने हमारे कार्य को समय पर पूर्ण किया है। यह कार्य और जगह होना बहुत ही मुश्किल था। इस प्रयत्न से ही यह प्रकाशन इस रूप में प्रस्तुत हुआ है। अतः आपका भी बहुत-बहुत आभारी हूँ।

मैं यह कार्य विगत 13 वर्षों से सिर्फ सच्ची समाज सेवा हेतु ही बड़ी कठिनाईयाँ उठाकर अपारश्रमिक रूप से नियमित पूर्ण करता आ रहा हूँ। इस कार्य में किसी तरह की कोई गलती छपने में संकलन कार्य में रह गयी हो, नाम लिखने में छूट गया हो, नाम ऊपर-नीचे आ गया हो, या किसी अन्य तरह की कोई अन्य गलती रह गयी हो तो मैं चतुर्विध श्री सघ से क्षमा चाहता हूँ।

अन्त में प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक पं. रत्न मुनिश्री कन्हैयालालजी म.सा., 'कमल', निर्देशक प्रवर्तक श्री रूप-चन्दजी म.सा. 'रजत', उपप्रवर्तक सलाहकार श्री सुकन मुनिजी म.सा. आदि सभी परम श्रेष्ठ पूज्य मुनिराजों एव महासतियों जी म.सा., सभी श्री सघों, सभी स्नेही महानुभावों सभी विज्ञापनदाताओं, सभी पत्र-पत्रिकाओं परिषद् के उत्साही कार्यकर्ताओं, प्रतिनिधियों सूची के सभी शुभ-चिन्तकों, सभी प्रशसकों, हितैषी धर्म प्रेमी बंधुओं, नईदुनिया, प्रिन्टरी (इन्दौर) एव जयत प्रिन्टरी वम्बई (चार्ट मुद्रण)—के संचालक मण्डल आदि का भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया है एवं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी मुझे इसी तरह पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

मैं अन्त. करण पूर्वक आप सभी का एवं चतुर्विध श्री सघों का भी बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ।

इसी आशा के साथ ।

बम्बई 25/8/92

आपका सेवक

बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'

संयोजक-सम्पादक

जैन एकता सन्देश पत्र में अपना साहित्य समीक्षार्थ  
अवश्य भिजवावें

# समग्र जैन चातुर्मास सूची ग्रुप 1992 के प्रकाशन कार्य पर

## हार्दिक आभार

- ❖ उन सभी पूज्य आचार्या मुनिराजा एवं महात्मियों जी ममा का जिहान हम हर तरह का सहयोग प्रदान किया है।
- ❖ उन सभी महानुभावा, श्री मया का, जिन्होंने चातुर्मास की सूचियाँ, मक्का सामग्री, मुद्राओं अभिमत आदि भोजवर हमें सहयोग प्रदान किया है।
- ❖ बम्बई, मद्रास, इंदौर, दिल्ली, नासिक, जयपुर आगरा, दुम, मारवा-बच्छ, मुम्बैनगर, उदयपुर आदि शहरों के महानुभावा का जिहान परिपद के प्रमुख स्तम्भ, मरुतण, जर्जिन रुद्रम्य बनना का गुरुप स्वीकृति प्रदान कर परिपद की आर्थिक नीव मुलूद बनाना मपूर्वा-पूरा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। जिनके आर्थिक सहयोग ने, यह बाय सफल हो पाया है।
- ❖ उन सभी दामवीर विधापनराजा का जिनके जय सहयोग से ही यह बाय सफल हो पाया है।
- ❖ उन सभी पुस्तक सेंट याजना म माग देने वरिओं एवं म्या एवं बम्बई महानगर चाट हिंदी आवनिया के माजप दाताशा का जिन्होंने हमें पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। सेंट याजना में इस रूप भी हम काफी राशन मिली है।
- ❖ परिपद के सभी माया प्रतिनिधिया का जिहान हम पूज्य सहयोग प्रदान किया है।
- ❖ परिपद के उन सभी पत्राधिनारिया मन्थ्यों मागदजों मनाहवारों प्रतिनिधिया एवं सहयोगी वायातराशा का, जिन्होंने मन, मन, धन का हर तरह का सहयोग परिपद का सहय प्रदान किया है जिनके हार्दिक सहयोग म ही यह बाय इतना सफल हो पाया है।
- ❖ उन सभी पत्र-परियाशा के सम्पादका का जिन्होंने मय बाय के निरंतर हर तरह का पूरा सहयोग हम प्रदान किया है।
- ❖ नरुतिया प्रिटररी, इंदौर के व्यवस्थापका एवं उनके सहयोगिया का जिहान यह कठिन बाय निरन्तर मर 10 वर्षों की भाति इस रूप की अत्य ममय म पूरा करत हम किया है।
- ❖ उन सभी का हम इत्य मे बहुत आभार प्रगट करत है एवं आशा करत है कि भविष्य में भी आप इसी तरह का हार्दिक सहयोग प्रदान करत रहेंगे। इसी आशा के साथ—

—नाथ आभार  
परिपद के सभी सदस्यगण

## क्षमा वीरस्य भूषणम्

सावत्सरिय क्षमापना

मन, वचन और काया के योग से स्वार्थ या प्रभाव के वश होकर जाने अनजाने में यदि मैंने सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, साध्वियोंजी म सा श्रावक श्राविकाओं, श्री सधों आदि चतुर्विध सध

का हृदय दुखाया हो तो उसके लिए

सावत्सरिक प्रतिक्रमण

करते समय जैसे सभी जीवों से क्षमा मांगी है वैसे ही हम अपने अन्त करण पूबक

आपसे भी क्षमा याचना करते हैं।

विनित -

बाबूलाल जैन पोरवाल

सम्पादक-पारवाल नवव्यापि

(इंदौर-मालवा प्रतिनिधि)

इंदौर

बाबूलाल जैन 'उज्जैनबल'

सम्पादक

दिनांक 31-8-92

समय जैन चातुर्मास सूची-जैन एकता म दश

बम्बई

नोट-चातुर्मास सूची के बाय म बहुत ही व्यस्त रहने के कारण सभी को अलग से क्षमा याचना पत्र नहीं लिख सका, अतः इसे ही मरा क्षमापना पत्र माने।

—सम्पादक

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

कार्यकारिणी सन् 1992 के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण

अध्यक्ष :-

श्री दीपचन्द भाई गार्डी

बम्बई

उपाध्यक्ष :

श्री एस. लालचंद वाघमार

मद्रास

श्री विशानजी भाई लखमशी भाई शाह

बम्बई

श्री नगीन भाई विराणी

राजकोट

श्री रिखबचंद जैन (टी.टी.)

दिल्ली

महामंत्री :

श्री शातिलाल बी. छाजेड (जैन)

बम्बई

मंत्री :

श्री पुखराज एस. लुकड

बम्बई

श्री जेठमल चौरडिया

वैलोगर

श्री डी.टी. सर

बम्बई

सहमंत्री :

श्री किशोरचन्द्र वर्धन

बम्बई

श्री नेमनाथ जैन (प्रेस्टीज)

इन्दौर

श्री नृपराज जैन

बम्बई

श्री कान्तिलाल जैन (पी एच. जैन)

बम्बई

कोषाध्यक्ष :

श्री संपतराज कावडिया

बम्बई

संयोजक-संपादक :

श्री वाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

बम्बई

मार्गदर्शक-सलाहकार :

श्री हस्तीमल मुणोत

सिकन्दराबाद

श्री सुखलाल कोठारी

बम्बई

श्री मुभाषचन्द हनवाल

बम्बई

श्री जशवंत भाई एस. शाह (वायोकेम)

बम्बई

श्री मोफतराज मुणोत (कल्पतरु)

बम्बई

श्री शातिप्रसाद जैन (माडवी बैंक)

बम्बई

श्री नवरत्नमल एस. मुणोत (जैन ग्रुप)

बम्बई

श्री जानराज मेहता

वैगलोर

श्री प्रतापभाई चाँदीवाले

बम्बई

श्री अभयराज बलदोटा

बम्बई

श्री माणकचंद सांखला

अजमेर

श्री माणकलाल सवानी

बम्बई

श्री हंसमुखभाई मेहता (वर्धमान ग्रुप)

बम्बई

श्री खुशीनाल दक

बम्बई

श्री जे.डी. जैन

गाजियाबाद

श्री एन. ताराचंद दुगड

मद्रास

सदस्यगण :

श्री जम्बूकुमार भण्डारी

इन्दौर

डॉ. रामानन्द जैन

दिल्ली

श्री राधेश्याम जैन (रोहिणी)

दिल्ली

श्री ईश्वरदाबू ललवाणी

जलगाँव

श्री गौतमचन्द काकरिया

मद्रास

श्री चम्पालाल कर्नावट (रीड)

बम्बई

श्री उमरावसिंह ओस्तवाल

बम्बई

श्री जवाहरलाल लोढा

पाली-मारवाड

श्री भाईलाल भाई तुरखिया

इन्दौर

श्री इन्द्रचंद हीरावत

बम्बई/जयपुर

श्री रूपराज बम्ब

इचलकरंजी

श्री रतनलाल सी. वाफना (सरफ)

जलगाँव

श्री इन्द्रसिंह कावेल

उदयपुर

श्री राणीदान चौधरा

दुर्ग

श्री शान्तिलाल दुगड

नासिक

श्री मागीलाल कटारिया

रतलाम

श्री शंकरलाल कोठारी (मोनेला)

बम्बई

श्री हंसमुखभाई मेहता (सियाणी)

सुरेन्द्रनगर

श्री उत्तमचंदभाई मेहता (टोरंटो)

अहमदाबाद

श्री राजेन्द्र ए. जैन

बम्बई

सहयोगी कार्यकर्ता :

श्री फकीरचन्द मेहता

इन्दौर

श्री हीरालाल झांझरी (नईदुनिया)

इन्दौर

श्री महेन्द्रसिंह डांगी (नईदुनिया)

इन्दौर

श्री मोतीलाल सुराना

इन्दौर

श्री विजयसिंह नाहर

इन्दौर

श्री रामस्वरूप जैन

आगरा

श्री वाबूलाल जैन 'पोरवाल'

इन्दौर

परामर्श सहयोगी कार्यकर्ता :

श्री एम.जे. देसाई

बम्बई

श्री रतिलाल सी. शाह "धर्मप्रिय"

बम्बई

श्री जितेन्द्रकुमार जैन

जयपुर

श्री श्रीचंद सुराना "सरस"

आगरा

श्री रसीकलाल सी. पारख

राजकोट

श्री चंदनमल 'चाँद'

बम्बई

श्री नगीनभाई शाह 'चावडीकर'

बम्बई

श्री महेन्द्रभाई शाह

भावनगर

श्री प्रशान्त एम. झवेरी

बम्बई



# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास

सन् 1991 वर्ष का  
(दिनांक 1-1-1991 म)

सन् 1990 रपय	आय विवरण	सन् 1991 रपय
—	पुरानी बाकी शुद्ध नफा/नुनमान रहा विज्ञापन एव सदस्यता शुल्क से प्राप्त आय —	409-15
45,300-00	प्रधान कार्यालय बम्बई म प्राप्त आय हस्ते बाबूलाल जन उज्ज्वल न	49,405-00
2,800-00	शाखा कार्यालय पानी मारवाड म प्राप्त आय हस्ते स्व श्री मुद्गलान लडा 'मनन'	—
6,700-00	शाखा कार्यालय इंदौर मे प्राप्त आय हस्ते श्री बाबूलाल जैन पोखवाल	6,560-00
700-00	पूर्व अध्यक्ष श्री मुद्गलाल कोठारी द्वारा प्राप्त आय	—
500-00	आगरा प्रतिनिधि श्री रामस्वल्प जैन के द्वारा प्राप्त आय	—
3,700-00	दुग-छत्तीसगढ प्रतिनिधि श्री राणीदान बोधरा द्वारा प्राप्त आय	7,200-00
1,000-00	रतलाम प्रतिनिधि श्री मांगीलाल कटारिया द्वारा प्राप्त आय	2,300-00
800-00	उदयपुर प्रतिनिधि श्री इन्द्रसिंह बाबेल द्वारा प्राप्त आय	1,300-00
300-00	राजवाड प्रतिनिधि श्री रमीकानल पारख द्वारा प्राप्त आय	—
4,100-00	सुरेन्द्र नगर प्रतिनिधि श्री हममूख भाई मिवाणी वाले द्वारा प्राप्त आय	—
—	परिपद् के मत्री श्री डी टी नीसर द्वारा प्राप्त आय (भेट महिन)	3,100-00
—	श्री स्वा जैन श्री सध प्रागपुर-कच्छ द्वारा प्राप्त आय	5,800-00
—	मुजफ्फर नगर प्रतिनिधि श्री विनाय कात जैन द्वारा प्राप्त आय	1,000-00
65,900-00		77,074-15
27,000-00	पुस्तक भेंट योजना से प्राप्त आय — चातुर्मास सूची पुस्तकें भेंट की, उमवा आय का प्राप्त	11,700-00
5 502-00	आर्थिक सहयोग प्राप्त — चातुर्मास के उपरान्त एक अन्य प्रस्ताम पर सहयोग साभार प्राप्त	1,038-00
11,650-00	पुराने वर्षों की बकाया राशि प्राप्त हुई — पुराने वर्ष 1989 एव 1990 की बकाया राशि प्राप्त आय	10,400-00
1,395-00	चातुर्मास सूची पुस्तकों की बिक्री से प्राप्त आय — इंदौर -471-00, बम्बई -1,275-00 (याग -1,746-00)	1,746-00
1,12,347-00		1,01,958-15
—	शुद्ध नुकसान रहा जो आगामी वर्ष के लिए रखा गया	14,498-85
1,12,347-00	कुल योग	1,16,457-00

नोट—बम्बई सदस्यों एव विज्ञापनदाताओं से लगभग 25,000/- रुपये का पेमेंट आना बाकी रहा जो आगामी वर्षों में सम्मिलित किया जायेगा। बागज, छपाई, पोस्टेज एव मजदूरी के भाव बढ जाने के कारण कार्य करना बहुत भारी पड रहा है। आगामी वर्षों में प्रकाशन कार्य आफमेट पर ही करना पडेगा जो बहुत खर्चीला रहेगा।

बम्बई  
15-12 1991

बोधचंद भाई गाडॉ  
अध्यक्ष

सम्पतराज कावडिया  
कोषाध्यक्ष

# सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

आय-व्यय का विवरण

31-12-91 तक)

सन् 1990 रुपये	व्यय विवरण	सन् 1991 रुपये
9,298-85	पुराना शुद्ध नुकसान रहा	—
37,730-00	समग्र जैन चातुर्मास सूची एवं जैन एकता सन्देश 1991 प्रकाशन कार्य व्यय:- छपाई खर्च खाता:-मेसर्स नईदुनिया प्रेस, इन्दौर एवं जयन्त प्रिन्टर्स, बम्बई को चातुर्मास सूची, जैन एकता सन्देश पुस्तके छपाई का दिया	38,117-00
23,346-00	कागज खर्च खाता:-पुस्तको के लिए इन्दौर एवं बम्बई से कागज खरीदा उसका बिल का दिया	20,362-00
4,221-00	ब्लॉक खर्च खाता:-फोटो के ब्लॉक बनवायी के दिये	3,176-00
3,510-00	स्टेशनरी खर्च खाता:-स्टेशनरी, कागज, रफपेड, कार्बन, पेन, पोस्टर, विज्ञापन पत्र छपाई, झेरोक्स, साइक्लोस्टाइल्स, टाइपिंग लिफाफे, गोंद आदि स्टेशनरी का खर्चा	4,290-00
15,640-00	पोस्टेज खर्च खाता:-चातुर्मास सूची पुस्तके (दो) जैन एकता सन्देश अंक, दो चार्ट, विज्ञापन पत्र, सूचना पत्र, पोस्ट सूचनाएँ, रजिस्ट्री, पोस्टेज स्टाम्प आदि का खर्चा	23,728-00
1,380-00	पत्र-पत्रिका शुल्क खर्च खाता:-जैन समाज की लगभग (75) पत्र-पत्रिकाओं का वार्षिक शुल्क	2,115-00
6,460-00	यात्रा-प्रवास खर्च खाता:-इन्दौर प्रेस में मुद्रण कार्य हेतु 20-25 दिनों तक दो व्यक्ति रहकर कार्य किया, वहाँ का धर्मशाला, भाड़ा, रिकशा भाड़ा, भोजन, एव प्रेस में परचून खर्चा, विज्ञापन हेतु कई शहरों के प्रवास आदि का खर्चा	10,249-00
610-00	फोरवार्डिंग खर्चा:-इन्दौर से बम्बई, बम्बई से इन्दौर, एवं अन्य शहरों में सामान, पुस्तके भेजी उसका ट्रांसपोर्ट आंगडिया का खर्चा	845-00
—	टेलीफोन तार खर्च खाता:-कई जगह तार एवं टेलीफोन किये उसका खर्चा	686-00
355-00	बैंक खर्च खाता:-बैंक चैक क्लियरिंग, ड्राफ्ट, टी टी. आदि का खर्चा हुआ	915-00
5,509-00	शाखा कार्यालय खर्च खाता:-इन्दौर शाखा कार्यालय वेतन एवं अन्य खर्चा का	6,229-00
3,878-00	मेधावी विद्यार्थी अभिनन्दन एवं सम्मान समारोह खर्चा:- परिषद् द्वारा राजस्थान प्रान्त में सवाई माधोपुर, कोटा, वृंदा, टोंक जिलों एवं मध्यप्रदेश के इन्दौर शहर के जैन समाज के लगभग 300 मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज गौरव सम्मान अभिनन्दन समारोह में सभी को अभिनन्दन-पत्र एवं पारितोषिक प्रदान किये उस समारोह का खर्चा	5,015-00
—	परचून खर्चा	730-00
1,11,937-85		1,16,457-00
409-15	(नफा) शुद्ध नफा/नुकसान रहा जो आगामी वर्ष के लिए रखा गया	—
1,12,347-00	कुल योग	1,16,457-00

शांतीलाल छाजेड़ (जैन)  
महामंत्री

पुखराज एस लुंकड  
जेठमल चौरडिया  
डी.टी.नसीर  
मंत्री

बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'  
संयोजक-सम्पादक



उग्र तपस्वी श्री प्रतापभाई भूराभाई गाधी-  
चादी वाला, मुम्बई।

## सम्मान पत्र

"तप ए आत्मा ना भूमि पर रहेता कम शक्ती नाश करवा  
माटे नु 'अमोघ शस्त्र' छे"

जो सूत्र न आत्ममात् बरनाए जाय त म 1981 ना जैष्ठ शुक्ला 10 ना मंगलवाणे आ जगत उग्र  
पूवना धर्मो न क्षय करवा मानव रूप अवतारो पूव ना पुण्यादय पिता श्री भूराभाई तपस्वीना सम्भार न  
वारामा नामी आपे पण नानी बय थी ज तपश्चया नी शुभआल करेल वि सं 2020 यो 2030 सुधी 11  
वप वैशाखवाडी भा तेमज वि म 2031 यी मं 2047 ऐटने 18 वप बालवेश्वर उपाश्रय भा नानी माटी  
तपश्चर्या करेल । जात्मबल जन जात्म विश्राम ऐ आपनी महामूर्ती मूर्डी हावा थी आप हायाविटीज जेवु दद  
हावा छता मत्रम पणे तपश्चर्या चानु गयी एण वे नही पण मोल सोल मासखमण नी महान तपश्चर्या करेन  
जे टा सुरज महल्लिया स्पश्यानीस्ट माटे जाश्चय नी बाल वनी रही, अने तेमना शब्दो मा तबीवी बिान माटे  
आ वाडयानो विषय वनी गयन छे । जा आपनी धम तरफनी निष्ठा, श्रद्धा, भक्तिगी, क्षापी करवावे छे । अप  
गापाल, अमण, यमात, गडल श्रियापुरी वगेर विविध सम्प्रदाय ना साधु-माध्वीनी निश्रा मा मासखमण  
उत्कृष्ट तपश्चयात्रा करीछे त म 2041 मा आपने 25 मा 'उपवास दद हाया छता अन दरेक नी पारणा  
माटेनी बिनती हाजा छता आप मासखमण नी तपश्चर्या पूण करेल हती । आपना कुटुम्बाभायी पण आपना धम  
पति थी लईने नानी व्यता मुनीता बेन पण मासखमणनी तपश्चर्या करी हती । अन दरेक वर्षे आपना कुटुम्ब  
भायी छ साल कुटुम्बा जनानी तपश्चर्या हाय जछे । जा आपनी तपश्चर्या अने धम निष्ठा ना प्रभाव छे । तेम  
काई शवा नर्या ।

जाप जानी मुन्दर तपश्चर्याजा साथे बालवेश्वर सय नु मत्री पद प्रोभावा छो । गाधु सतानी बैया बच्चा  
करा छ । मुगान जन अनुपपादान मा माखरे-रहवो छ । साथे साथे मामाधिय प्रवित्रमण व्याख्यान आदि न  
जीवन मा बणी हया छ । अनजा बहु व्यावहारिक धम ने माचवना करा छ ऐ आपना गुणोनी विभिष्ठना छे ।  
मुनई मा दीक्षार्थीया न चादीनु नारियल तथा चादीनी माला ऐ पण आपणा तपश्चर्या थी ज ।

—तपश्चया धमना आगधना बैया बच्च पान, व्यवहार धम आ बधाना गगन रूप आप श्री प्रतापभाई  
भूराभाई गाधी चानी वाला नेमज परिवार न हमारा वदत ।

—आजे तारीख 28-6-1992 रविवारना राज जा उत्कल मधना द्वितीय वार्षिकोत्सव मकारम मा आ  
सम्मान पत्र माननीय श्री हमसुख भाई श्रीरमजी अजमेरा ट्रस्टी वाराणसिवा नगर उपाश्रय ना शुभ हस्त आपना  
कर कपल भा मुक्ता अमे मवे रूप तमज गारव नी सागणी अनुभवोये छोऐ अने शुभ मानना भवो । ऐ छोऐ  
क दीध-वान सुधी-आपनी-मुन्दर-म्याम्ब-माथे-शासन देरी हया सदाय आपनी ऊपर करपती रहे ।

नोट—श्री प्रतापभाई गाधी चादी यात्रा ऐ जा प्रमानुसार उपवास तप तरीन शासननु नाम गारवत वनाथु छे—  
उपवास मध्या— 8/7—9/2—11/1—13/1—14/1—17/1—20/1—30/16  
बेटनी बचन—

सलाहकार ममिनी-होदोदारा-बाल-बालिकाओ  
एजे आपना नम

(सोल मासखमण)

श्री बृहन् मुनई जन शाखा उत्तर मध, घाटनोपर मुनई

# समग्र जैन सम्प्रदाय तुलनात्मक तालिका 1992

(1) श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय

(1) श्रमण संघ :

श्रमण संघीय आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म.सा.

क्र. सं.	प्रान्त का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा
1.	राजस्थान	1	50	53	172	225
2.	तमिलनाडु	—	5	6	14	20
3.	कर्नाटक	—	8	17	19	36
4.	महाराष्ट्र	—	46	36	144	180
5.	उत्तर भारतीय प्रांत	—	69	60	237	297
6.	मध्यप्रदेश	—	25	22	77	99
7.	आन्ध्रप्रदेश	—	2	5	—	5
8.	गुजरात	—	2	2	6	8
	अन्य संत-सतियाँ	—	7	5	2	7
कुल योग		1	214	206	674	880

(2) स्वतन्त्र सम्प्रदाय :

क्र. सं.	सम्प्रदाय का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा
1.	आचार्य श्री नानालालजी म.सा.	1	51	40	254	294
2.	ज्ञान गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.	—	59	39	280	319
3.	आचार्य श्री हीराचन्दजी म.सा.	1	10	13	34	47
4.	आचार्य कल्प श्री शुभचंदजी म.सा.	—	12	6	34	40
5.	प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	—	4	6	11	17
6.	प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.	—	6	25	—	25
7.	नपस्वी रत्न श्री मान मुनिजी म.सा.	—	7	5	21	26
8.	स्व. उपाध्याय श्री अमरमुनिजी म.सा.	2	7	12	10	22
9.	श्री नव ज्ञान गच्छ (नया) समुदाय	—	7	7	5	12
9. II.	श्री वर्धमान वीतराग संघ (नया) समुदाय	—	1	3	—	3
	अन्य समुदाय के संत-सतियाँ	—	11	14	3	17
कुल योग		4	175	170	652	822

## (3) बृहद् गुजरात सम्प्रदाय

क्र.सं.	सम्प्रदाय का नाम	जाचाय -	चातुर्मास म्यल	मत	मतियाँ	कुल ठाणा
10	श्री गाडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	56	21	246	267
11	श्री लिम्बडी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	61	19	239	258
12	श्री दरियापुरी आठ बोटी सम्प्रदाय	1	28	13	118	131
13	श्री लिम्बडी (सघवी) गोपाल सम्प्रदाय	1	20	13	114	127
14	श्री कच्छ आठ बोटी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	28	16	76	92
15	श्री कच्छ आठ बोटी नानी पक्ष सम्प्रदाय	—	13	22	34	56
16	श्री खभात सम्प्रदाय	1	9	9	35	44
17	श्री बोटा सम्प्रदाय	—	11	4	46	50
18	श्री गाडल सघाणी सम्प्रदाय	—	8	1	32	33
19	श्री दरवाला सम्प्रदाय	—	5	6	11	17
20	श्री सायला सम्प्रदाय	—	1	2	—	2
21	श्री हालारी सम्प्रदाय (नया)	—	2	2	4	6
22	श्री वधमान सम्प्रदाय (नया)	—	2	1	5	6
	अन्य मत-मतियाँ	—	3	2	2	4
कुल योग		3	249	131	962	1093

## अ भा स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय कुल सत-सती सक्षिप्त तालिका 1992

समुदाय	1992				1991 1990 1989 1988 1987						
	जाचाय	चातु	मत	मतियाँ	कुल ठाणा प्रतिगत	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	
धर्मपक्ष	1	214	206	674	880	32%	975	910	937	926	883
स्वतंत्र समुदाय	4	175	170	652	872	29%	798	780	773	766	766
बृहद् गुजरात सम्प्रदाय	3	249	131	962	1093	39%	1080	1048	1053	1023	1022
	8	638	507	2288	2795	100	2853	2738	2763	2715	2671

नोट — 1992 में धर्मपक्ष के लगभग 150 माधु-माधिका की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

## अ. भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की तालिका 1992

## ( 1 ) तपागच्छ समुदाय

क्र. सं.	समुदाय का नाम	आचार्य	वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य	चातुर्मास मुनिराज साध्वियाँजी स्थल	कुल ठाणा		
1.	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा. (प्रथम भाग)	( 20 )	श्री विजय महोदय सूरीश्वरजी म.सा.	138	237	459	696
1ए.	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा. (भाग द्वितीय)	( 13 )	श्री विजय भुवन भानु सूरीश्वरजी म.सा.	66	178	181	359
2.	श्री विजय नेमी सूरीश्वरजी म.सा.	( 17 )	श्री विजय मेरू प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.	92	190	380	570
3.	श्री सागरानंद सूरीश्वरजी म.सा.	( 8 )	श्री दर्शनसागर सूरीश्वरजी म.सा.	144	106	683	789
4.	श्री धर्म विजयजी म.सा. (डेहलावाला)	( 6 )	श्री विजय राम सूरीश्वरजी म.सा. (डेहलावाले)	54	34	190	224
5.	श्री विजय बल्लभ सूरीश्वरजी म.सा.	( 2 )	श्री विजय इंद्रदत्त सूरीश्वरजी म.सा.	57	47	209	256
6.	श्री बुद्धिसागर सूरीश्वरजी म.सा.	( 6 )	श्री सुबोधसागर सूरीश्वरजी म.सा.	30	52	97	149
7.	श्री विजय नीति सूरीश्वरजी म.सा.	( 3 )	श्री विजय अरिहंत सिद्ध सूरीश्वरजी म.सा.	92	47	374	421
8.	श्री विजयलब्धि सूरीश्वरजी म.सा.	( 11 )	श्री विजय जिनभद्र सूरीश्वरजी म.सा.	37	50	185	235
9.	श्री मोहनलालजी म.सा.	( 1 )	श्री चिदानंद सूरीश्वरजी म.सा.	21	15	37	52
10.	श्री विजयमोहन सूरीश्वरजी म.सा.	( 6 )	श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म.सा.	55	45	210	255
11.	श्री विजय भक्ति सूरीश्वरजी म.सा.	( 5 )	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा.	47	61	184	245
12.	श्री विजयकनक सूरीश्वरजी म.सा.	( 1 )	श्री विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.	70	24	373	397
13.	श्री विजय सिद्धी सूरीश्वरजी म.सा. (वाणजी म.)	( 3 )	श्री विजय भद्रकर सूरीश्वरजी म.सा.	16	23	350	373
14.	श्री विजय केशर सूरीश्वरजी म.सा.	( 1 )	श्री विजय हेमप्रभ सूरीश्वरजी म.सा.	52	32	175	207
15.	श्री विजय हिमाचल सूरीश्वरजी म.सा.	( 1 )	श्री विजयलक्ष्मी सूरीश्वरजी म.सा.	25	15	75	90
16.	श्री विजय शक्ति चन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.	( 4 )	श्री विजय भुवनशेखर सूरीश्वरजी म.सा.	25	25	120	145
17.	श्री विजय अमृत सूरीश्वरजी म.सा.	( 1 )	श्री विजय जितेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.	4	4	17	21

कुल योग ( 107 )

1025 1185 4299 5484

क्र.सं.	समुदाय का नाम	आय के वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य	चातुर्मासिक मुनिराज सभ्यता	चातुर्मासिक मुनिराज सभ्यता	कुल आय
2	श्री जयल गच्छ समुदाय	( 2 ) आचार्य श्री गुणोदयसागर श्रीधरजी म ना	90	42	200
3	श्री परदार गच्छ समुदाय	( 1 ) आचार्य श्री जित उदयसागर श्रीधरजी म ना	64	21	195
4	श्री विस्तृति गच्छ समुदाय (साग प्रथम)	( 1 ) आचार्य श्री हेमद श्रीधरजी म ना	10	13	38
5	श्री विस्तृति गच्छ समुदाय (साग द्वितीय)	( 1 ) आचार्य श्री विजय जयदेव श्रीधरजी म ना	21	24	69
6	श्री विस्तृति गच्छ समुदाय (साग तृतीय)	( 1 ) आचार्य श्री लखी श्रीधरजी म ना	2	6	—
7	श्री रामचन्द्र गच्छ समुदाय	( — ) मुनि श्री रामचन्द्रजी म ना	29	11	71
8	श्री विस्तृति गच्छ समुदाय	( — ) पन्था श्री मधुसूदन विमलजी म ना	13	4	11
9	श्री गच्छ समुदाय	( 2 ) आचार्य श्री आनन्द श्रीधरजी म ना	2	9	—
			231	130	611
			( 117 )	1256	1315

( 6 )	331	130	611	711
( 117 )	1256	1315	4913	6229

### अ भा समग्र जन सभ्यतायिका के सभ्यतायिका के कुल सभ्यता 1992

समुदाय	1992 में कुल आय	1991 समग्र जन सभ्यतायिका		1990 समग्र जन सभ्यतायिका		1989 समग्र जन सभ्यतायिका		कुल आय
		कुल आय	प्रतिशत	कुल आय	प्रतिशत	कुल आय	प्रतिशत	
श्री गच्छ समुदाय	117	1315	6228	61%	6501	5772	5560	5175
श्री रामचन्द्रजी सभ्यतायिका	8	507	2288	28%	2853	2728	2715	2671
श्री विस्तृति गच्छ समुदाय	2	117	548	7%	702	712	728	707
श्री परदार समुदाय	38	121	178	4%	374	355	362	363
कुल आय	165	2138	10111	100%	10424	9974	9565	9216

With Best Compliments From:



SHRI KHARTARGACHCHA SANGH

**C/o Shri Shantiprashad  
Jain**

**4-F-2 (A) COURT CHAMBERS,  
35, NEW MARINE LINES,  
BOMBAY-400020 (MAH.)**

TELEPHONE NO.—299979 / 311067 / 2862983

TELEX NO.—011-6805 SIVA IN

FACSIMILE NO.—259808



गुरु हस्ती के दोउ फरमान ।

सामायिक स्वाध्याय महान ॥

श्री रत्नवंशीय सप्तम पट्टधर, सामयिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास भातंग, चारित्र्य सूडामणि, परम पूज्य गुरुदेव स्व आचार्य प्रधर श्री हस्तीमलजी म सा को कोटि-कोटि वन्दन, हादिक श्रद्धा मुमन

एष

वर्तमान में रत्नवंश के अष्टम् पट्टधर, आगमज्ञ, प रत्न, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रधर श्री हीराचन्द्रजी म सा एष परम पूज्य उपाध्याय श्री मानचन्द्रजी म सा एष रत्नवंश के सभी सत-सतियों का 1992 वर्ष का चातुर्मास सभी धार्मिक प्रवृत्तियों से सकल, यशस्वी, ऐतिहासिक बचने की मगल कामनाएं करते हुए —



KALPA-TARU

222888  
222833  
244123

**KALPATARU GROUP OF COMPANIES**

111, Maker Ceambers IV, 11th Floor, 221, Nariman Point  
BOMBAY 400 021 (MH)

— शुभेच्छुक —

मोफतराज मुणोल

मन्थक

म सा श्री जैन रत्न हितंषी श्रायक सन

(जोधपुर)

ज्ञान गच्छाधिपति, तपस्वीराज परमपूज्य गुरुदेव श्री चंपालालजी म सा. एवं श्रुतधर पूज्य श्री ब्रकाश मुनिजी म सा. आदि ठाणाओ (7) का सांचौर (राज.) में 1992 वर्ष का चातुर्मासि, ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एव तप की आराधनाओ से श्रोत-श्रोत बने, तपस्याओ की बढी लगे एवं यशस्वी ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करत हुए !

*With best compliments from :*



Telex : 011-84088 BYKM IN  
Cable : 'MULTIBIO'  
Telefax : 91-(022) 2870044

Tel. : Off. : 2085534-2085430  
2085457  
Resi. : 484223-485947

## Biochem Pharmaceutical Inds. Biochem Pharmaceuticals Pvt. Ltd.

Audun Bldg. 1st Dhobi Talao, Post Box No. 2217  
BOMBAY-400002 (India)



शुभेच्छुक :

**जशवंतलाल एस. शाह**

चेयरमेन एन्ड मेनेजिंग डायरेक्टर

अध्यक्ष :

- श्री अ.भा. ज्ञानगच्छ भावक संघ, जोधपुर,
- श्री अ.भा. सुधर्म भावक समिति (ज्ञानगच्छ), जोधपुर
- श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संस्कृति रक्षक बंध, सेवाना
- श्री सुधर्म प्रचारक मण्डल, गुजरात प्रांता, अहमदाबाद

हम समाज को जोड़ेंगे, हमने यह व्रत धारा है।  
जैसा समन्वय और एकता, यही हमारा नारा है ॥



हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

साहित्य- 274515/272426  
या 275620/274584  
नियाम-4942409/4935177

किशोरचंद्र एम. वर्धन

**वर्धमान बिल्डर्स (इन्डिया)**

हिन्द महाराष्ट्र कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

222, कॉमर्स हाऊस, नगोबदाव मास्टर रोड,

फोर्ट, बम्बई-400 023 (महा)

With best compliments from :

Abhayraj Baldota ❁ Narendra A. Baldota

FOR **IRON ORE** CONTACT

**MINERAL SALES PRIVATE LIMITED**

Producers of high grade and  
super high grade Iron ore



Regd. Office :

Baldota Bhavan, 1117, Maharshi Karve Road, BOMBAY-400020

Phone : 290989/319762

Telegram : HEMATITE



Branch Office :

Co-operative Colony, Hospet (Karnataka) 583203

Phone : 8402/8878/8591

Telegram : HEMATITE

जय महावीर

जय आनन्द

जय ववेन्द्र

श्रमण सचीय मन्त्रा प रत्न श्री कुन्तल ऋषीजी ममा आदि शाशाशा 8 का कार-बम्बई मे  
मन 1992 का चातुर्विंश सौमनाममय मानन सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करते हुए ।

हादिक शुभकामनाओं के साथ---

फोन { जाहिस-2087782, 015827  
निवास-0105178

# VISHAL AGENCY (P.H. JAIN)

Authorised Agents & Stockists for  
All States Government Lotteries

कार्यालय---

बोटावाला सिन्डिग, 1 माता 651 गिरगांव राड, कालवादेवी, पोस्ट आक्सि व नजदीक  
बम्बई-400002 (महा)

शाभेच्छुक

## कान्तीलाल जैन

स्पेशल एक्जीक्यूटिवम मजिस्ट्रेट (SEM)

अध्यक्ष

अ भा श्वे म्या जैन वान्फ्रेन्स-दिल्ली

(बम्बई शाखा)

विश्वस्य ट्रस्टी

मिडवाचलम् चेरिटेबल ट्रस्ट

पुणे

निवास स्थान---

एन्पीएन्सी, 1 माता, लालण्ड वाला काम्पलक्स 4 वी फासवेज, समसनगर,  
वैधेरी (पश्चिम) बम्बई-400058

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

फोन { आफिस 6092412  
6092468  
निवास 6092831

## श्री ओस्तवाल बिल्डर्स प्रा. लि.

ए-11 शान्ती गंगा आप टर्मेटम रेलवे स्टेशन के सामने,  
भायन्दर (पूर्व) जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401 105

हमारे यशस्वी सफल निर्माण प्रोजेक्ट—

- 卐 ओस्तवाल अपार्टमेंट्स भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल निकेतन, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल पेलेश, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल कुंज, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल महल, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल पार्क, (45 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल टावर (4 बिल्डिंग), भायन्दर

हमारे नये निर्माणाधीन प्रोजेक्ट---

- 卐 ओस्तवाल कार्मशियल सेंटर (7 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल नगर (20 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल कॉलोनी (35 बिल्डिंग), भायन्दर

—शुभेच्छुक—

**उमरावसिंह ओस्तवाल**

संजी—श्री साधुमार्गी जैन संघ—बम्बई

अध्यक्ष—अ.भा. साधुमार्गी ज्ञानता मुवा संघ, रतलाम

धर्मण भगवति महावीर का जन्म मन्दण

जीओ जीर जीगे दो

- भगवत महारो-

Live and Let Live

- Bhagvan Mahavir

इस धरती पर हर प्राणी को जीने का अधिकार है।

'धींधो और पीने दो गबकों' जिन प्राणों का मार है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

स्वर्ण जयंती वष



# सवानी ट्रांसपोर्ट लिमिटेड

## SAVANI TRANSPORT LIMITED

मुख्य मदा विद्यमान नाम—

"उद्योग रत्न अवाहं विप्रेता"

प्रधान कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय

ब्राह्मण शापिंग मॉडर, डॉ. नाबेटकर राड,  
वा वा न 5612

66, बम्बू चेंदटा स्ट्रीट,  
मद्रास-600001 (तमिलनाडु)  
दूरध्वनि-515282, 515921  
510830, 514423  
ग्राम 'LUGGAGE'

द्वारक, बम्बई 400014 (महाराष्ट्र)

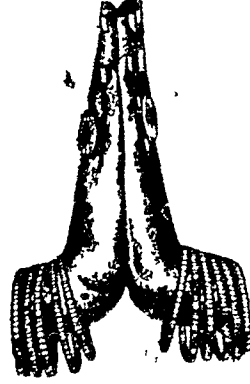
दूरध्वनि-1125640, 11  
ग्राम SAVANISION

सम्पूर्ण भारत में 400 शाखा कार्यालयों के साथ हम निम्न राज्यों में आपकी सेवा कर रहे हैं—  
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिमी बंगाल,  
उत्तरप्रदेश, हरियाणा, बिहार, पंजाब, उड़ीसा, पाकिस्तान आदि  
50 मान में राष्ट्र के लिए ट्रान्सपोर्ट सेवाएं।

ए.स. एम. एस. जैन

बालल मेहनत, मद्रास

With best compliments from :



Phone : Office—71507, 74002  
Resi —70053

Gram : PITHERJI

**JETHMAL CHORDIA**

**SECRETARY**

**A.I.S.J. Chaturmas Suchi Prakashan Parishad  
BOMBAY**



**Mahaveer Drug House**

**Mahaveer Mansion, No. 45, 5th Cross, Gandhinagar**

**BANGALORE-560 009**

**(Karnataka)**



*With best compliments from :*

# SHREE NITYANAND STEEL ROLLING MILLS

Re-Rollers of Mild & Special Steel Rounds, Flats,  
Squares, Hexagons, Octagons, C T D Bars  
Sections & Structural

TRANSWORLD TRADE FARE GOLD MEDAL  
SELECTION AWARD



Office ·

**3rd, Darukhana Lane,  
BOMBAY-400 010**



Works :

**Kotwalwadi, Neral,  
Dist. Raigad-410 101**

Phones Sales—8726192 8724054 Works—38 & 60

With best compliments from :

# DUGAR INVESTMENT LIMITED

Regd. Office : 'Dugar Towers'

123, Marshalls Road, Egmore

**MADRAS--600 008 (T. N.)**

Phone No. : 88 35 35

Telex : 041-6670 DUGRIN,

Grams : "DUGFINANCE"

Fax : 044-881122

HIRE PURCHASE	LEASING	PROPERTY DEVELOPMENT	PUBLIC DEPOSITS
Adayar (Madras)			
Mount Road (Madras)	831888	Ernakulam	369515
T. Nagar (Madras)	441541	Gudur	830
Bangalore	585744	Nellore	27576
Calicut	63344	Salem	68769
Coimbatore	37867	Secunderabad	846006
Delhi	3266681	Visakapatnam	46581

Dr C. ANNA RAO  
Chairman

N. TARACHAND DUGAR  
Managing director

# सभी पूज्य आचार्यों, संत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन

## दीपचन्द्र भाई गार्डी

अध्यक्ष अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन  
परिपद् धर्मार्थ

उपा निरण, केरमाईल रोड,  
पेडर रोड, बम्बई-400026 (महाराष्ट्र)  
फोन न - 1945431 1945270

## सुखलाल कोठारी

पूर्व अध्यक्ष अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन  
परिपद् धर्मार्थ

नूतन फर्नीचर भाट  
3 रा रोड, गेलवे स्टेशन के माफने  
गार रोड (बेन्ट) बम्बई-400052 (महाराष्ट्र)  
फोन न ऑफिस 6483919 6483081  
निवास 6498328

## जवाहरलाल लोढा

संस्थापक भागदशक सदस्य अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

बोर प्रिंटिंग प्रेस  
मुराना मार्नेट के पास  
पाली मार्वा-306401  
फोन न 20388 21008

## सरदारमल मुणोत

नवरत्नमल एस जैन  
भागदशक सदस्य अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

जैन धर्म पीठ पर चैम्बर, नम न 60, 3 माला,  
एम ए बेनवी रोड, जम धूमि प्रेस के पास,  
फाट बम्बई 400001 (महाराष्ट्र)  
फोन न ऑफिस 253248, 290201  
निवास 3682661, 3681070

## नगीनभाई रामजीभाई विराणी

अध्यक्ष अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन  
परिपद् धर्मार्थ

विराणा विला, दिवानपुरा, मेनराट  
पो बा 7 136, राजकाट 360001 (गुज)  
फोन न 28526, 25137

## एस. लालचंद वागमार

अध्यक्ष अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन  
परिपद् धर्मार्थ

80, आयडप्या नावकन स्ट्रीट  
माह्वार पठ, मद्रास-600079 (तमिलनाडु)  
फोन न ऑफिस 522605, 522066  
निवास 6423271, 6426223

## माणकचंद साखला

भागदशक सदस्य अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद्

माखला भवन, 177/24, लक्ष्मी मण्डे  
वदिन यशाय के पीछे, अगमेर-305001 (राजस्थान)



रत्नलाल भवरलाल साखला

5 "नवगुग" तान बती, बालवेणवर,  
बम्बई-400006 (महा)  
फोन 3670761, 3621655

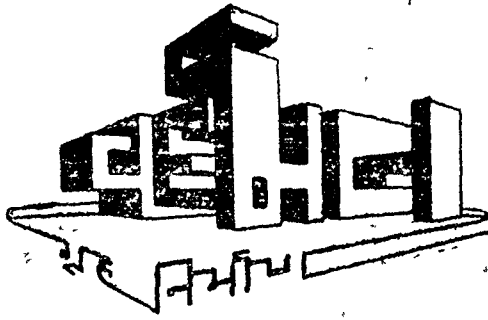
## ज्ञानचंद धर्मचंद वेताला

धर्मचंद वेताला  
संस्थापक सदस्य अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

मोटर फाइनैसियस  
ए टी रोड, गौहाटी 781001 (आसाम)  
फोन न ऑफिस 27217  
निवास 28157

सभी पूज्य आचार्यों साधु साधितयों को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित :



श्रेष्ठ बाँध काम के निर्माता

**वर्धमान ग्रुप एवं निर्माण ग्रुप**

**इन्जिनियर्स एवं बिल्डर्स**

40-41 विशाल शॉपिंग सेंटर, सर एम.बी. रोड,

अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व)

**बम्बई - 400 069 (महाराष्ट्र)**

फोन न. 637 7333 - 632 9917 - 632 3625

**ओनर्स हसमुखराय वनमालीदास मेहता**

फोन : 514 8948, 5150244

**लक्ष्मीचंद सावलचंद वर्धन**

फोन : 632 9873

**अमृतलाल जवाहरलाल जैन**

फोन : 828 2238

सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियोजी को कोटि-कोटि वन्दन

हादिक शुभकामनाओ सहित

जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन

मु पोस्ट गम्भीरा, बाया घमुण मुद्र,

जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322001

लड्डूलाल धर्मचंद जैन

बीप का बरवाडा-322 702

जिला सवाई-माधोपुर (राज)

बाबूलाल जैन "उज्जवल"

मर्याजक-अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची

प्रकाशन परियद, बवाई

105, मित्रमि अपार्टमेंट्स, छाफुती, नॉन राड न 1

नादियरी (पूष) बम्बई-400101 (महा)

फोन न 6891279

उज्जवल इंटरप्राइजेज

दिल्लीग्रुपम मानीवास पेनबाम बम्बई

प्रो बाबूलाल सोभाग्यमल जैन

शिव मन्दिर, दुवान न 3, टाव राड, स्टेशन बजरिया

सवाई-माधोपुर 322001 (राज)

दिपेशकुमार बाबूलाल जैन

11, पचावनबाड़ी, 4 माता,

101/3 भूतेश्वर रोड,

बम्बई 400002 (महा)

राजस्थान कार्यालय - 2/199, हाऊसिंग बोर्ड कारपोरी, बस स्टैण्ड के पास

सवाई माधोपुर (राज) 322021

उज्जवल प्रकाशन, बम्बई

# विज्ञापन अनुक्रमणिका

विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या	विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या
<b>विभाग पृष्ठ विज्ञापन (कवर पृष्ठ)</b>			<b>भाग प्रथम मीटर में विज्ञापन</b>		
श्री उवसग्गहर पार्श्व तीर्थ पेढी	नगपुरा-दुर्ग	कवर-2	श्री नगीन भाई विराणी	राजकोट	78
श्री रतनलाल सी. बाफना सराफ	जलगाँव	कवर-3	श्री एस. लालचंद वाघमार	मद्रास	78
श्री नूतन राजुमणी ट्रांसपोर्ट प्रा.लि.	बम्बई	कवर-4	श्री भाणकचंद रतनलाल साखला	अजमेर/बम्बई	78
<b>खण्ड-विभाग पृष्ठ विज्ञापन</b>			श्री ज्ञानचंद धर्मचंद बेताला	गौहाटी	78
श्री सूरजमल श्रीमाल मेमोरियल ट्रस्ट	बम्बई	भाग प्रथम	श्री वर्धमान एव निर्माण ग्रुप	बम्बई	79
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ	चौथ का वरवाडा	भाग द्वितीय	श्री जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन	गंभीरा	80
श्री भाण्डवी को.ओ. बैंक लि.	बम्बई	भाग तृतीय	<b>भाग प्रथम मीटर में विज्ञापन</b>		
श्री टोरंटो ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज	अहमदाबाद	भाग चतुर्थ	श्री प्रेस्टीज फूड्स लि.	इन्दौर	
श्री गुलशन शृंगर एण्ड केमी. लि.	मुजफ्फरनगर	भाग पचम्	श्री टी.टी. इण्डस्ट्रीज	दिल्ली	
श्री जैन ट्यूब कम्पनी	दिल्ली	भाग षष्ठम्	श्री रुनवाल ग्रुप	बम्बई	
श्री फ्लोर एण्ड फूड्स लि	इन्दौर	भाग सप्तम्	श्री कर्नल क्लासेस	ठाणा-बम्बई	
श्री नोबल स्टोर्स-तोहफा	बम्बई	भाग अष्ठम्	श्री स्वामी औषधालय	बम्बई	
<b>भाग प्रथम अन्य जानकारियाँ पृष्ठ विज्ञापन</b>			श्री भक्ताम्बर दिव्य दृष्टि	जयपुर	
श्री खरतरगच्छ जैन संघ	बम्बई	65	श्री जैन रोलिंग मिल्स	गाजियाबाद	
श्री दिवाकर प्रकाशन	आगरा	66	श्री जे.डी. जैन	गाजियाबाद	
श्री जीवन प्रकाश योजना	बम्बई	67	<b>भाग द्वितीय-चातुर्मास मीटर पृष्ठ विज्ञापन</b>		
श्री कल्पतरु ग्रुप	बम्बई	68	श्री पंजाब जैन श्रावक सभा	खार-बम्बई	22
श्री वायोकेम फार्मासिट्यूकल्स इण्ड.	बम्बई	69	श्री के. अमरचंद जीवराज	वैगलौर	28
श्री वर्धमान विल्डर्स	बम्बई	70	श्री एम. शातिलाल जैन	वैगलौर	28
श्री भिनरल सेल्स प्रा.लि	बम्बई	71	श्री सुखराज शातिलाल काकरिया	वैगलौर	34
श्री पी एच. जैन (लोटरिज)	बम्बई	72	श्री सोहनलाल चन्द्रप्रकाश मूथा	वैगलौर	34
श्री आंसवाल विल्डर्स प्रा.लि.	बम्बई	73	श्री गुलजारीलाल गणेशमल सिसोदिया	वैगलौर	38
श्री सवानी ट्रांसपोर्ट प्रा लि	बम्बई	74	श्री कानमल भंवरलाल चौपड़ा	जावद	38
श्री जेठमल चौरडिया	वैगलौर	75	श्री नगराज चन्दनमल एण्ड कं.	बम्बई	40
श्री नित्यानन्द स्टील रोलिंग मिल्स	बम्बई	76	श्री साहित्य सम्राट साहित्य प्रचार केन्द्र	आगासी तीर्थ	42
श्री दुग्ड इन्वेस्टमेंट्स लि.	मद्रास	77	श्री एम. भवरलाल नवरत्नमल साखला	मेट्रोपालियम्	42
श्री दीपचंद भाई गार्डी	बम्बई	78	श्री दक्ष ज्योति कार्यालय	आगासी तीर्थ	42
श्री मुखलाल कोठारी	बम्बई	78	श्री सिंघवी ज्वैलर्स	बम्बई	44
श्री जवाहरलाल लोढा	पाली-मारवाड	78	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	बडी सादडी	44
श्री सरदारमल मुणोत	बम्बई	78	श्री जैन श्वे. खरतरगच्छ श्री संघ	साचौर	46
			श्री पद्मावती प्रकाशन मन्दिर	बम्बई	50
			श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ	दुर्ग	58
			श्री कटारिया मिश्रीलाल मागीलाल	रतलाम	66

विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या	विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या
श्री मुनि भायू नाल जैन साहित्य विभाग	नोमचसिटी	69	श्री सी एल वेद मेहता कालेज ऑफ़	-	-
श्री गौतम चंद अस्तनाल	बैंगलूर	69	पार्सेसी	मद्रास	156
श्री वस्तूर गुरु भोजनशाला ट्रस्ट बोड	रतलाम	70	श्री रिलायबल पेन मेकर्स	बम्बई	160
श्री रूपाली स्टाल	सुरेद्रनगर	74	श्री वीनस मिनरल्स एण्ड केमिकल्स	उदयपुर	166
श्री साईं शृपा एम्पोरियम	शिर्डी	76	श्री बापूलाल चायरा	रतलाम	166
श्री सुंदरम वियर्स	इंदौर	76	श्री शशीकांत पूना बाला	सेलम	170
श्री वी आदिगचंद्र बाठिया	बैंगलूर	78	श्री अरिहंत इंटरनेशनल	दिल्ली	170
श्री विश्वनाथल सज्जन राज कोठारी	बैंगलूर	78	श्री शबेखर पाषवनाथ जैन टस्ट	आमासी तीर्थ	178
श्री अरिहंत पर्नीचर्स	इंदौर	80	श्री दिवाकर ट्रेडिंग	इन्दौर	178
श्री पी पन्नालाल हुबलीचंद बाठिया	बैंगलूर	80	श्री नेशनल ट्रेडिंग कम्पनी	दिल्ली	180
श्री छगनमार्ड मेमजीभाई दक्षिया	राजवाट	82	श्री शा उम्मेदमल तिलावचंदजी	गण्डकम्पनी	180
श्री रूपाली सेंटर	सुरेद्रनगर	84	श्री विनोदकांत हरीलाल	मुजफ्फरनगर	182
श्री लवीर टिम्बर भाट	बम्बई	86	श्री रमेश नमजीन भण्डार	इन्दा	182
श्री नवरग ज्वैलस	कोट-बम्बई	86	श्री राज इन्टेन्टिवल्स	बैंगलूर	184
श्री व स्या जैन धावक सघ (मेवाड)	बम्बई	89	श्री एम ज्ञाति नाल जैन	(एचएन पब्लि 28)	बैंगलूर
श्री प्राहुत भारती अनादमी	जयपुर	90	श्री वैयर इन्वेस्टमेंट्स सर्विसेस	अहमदाबाद	184
जैन साध्वी श्री बभलावतीजी	जयपुर	90	श्री जे के जैन एडवोकेट	दिल्ली	184
पारमार्थिक समिति	उदयपुर	92	श्री चंपालाल प्रेमचंद भयानी	दौंड	190
श्री पेगेडा प्लास्टिकम	बम्बई	93	श्री ठण्डीराम जन	दिल्ली	190
श्री पनामा स्टोम	बम्बई	94	श्री रमेशचंद जैन	कोटा	190
श्री बलवीरचंद जैन	जानघर	95	श्री सत्यकुमार मुरगनुमार जैन	दिल्ली	190
श्री जैन दिवाकर फाउंडेशन	इंदौर	96	श्री राजकुमार जैन (एनके रबर)	दिल्ली	196
श्री विनोदकुमार जैन	रोपड़	107	श्री मल्लिकार्जुन जैन	दिल्ली	196
श्री दीप काटन कम्पनी	सुरेद्रनगर	108	(सद्यमान मटन)	दिल्ली	196
श्री मेवाड भूपण प्रताप मुनि	जयपुर	109	शाह नानालाल भूराला एण्ड क	अहमदाबाद	196
श्रमण सेवा समिति	जयपुर	109	श्री जीवन प्रजाण योजना	बम्बई	198
श्री चामुण्डा काटन ट्रेडिंग	सुरेद्रनगर	110	श्री सुधवीरसिंह गतीमचंद जैन	दिल्ली	199
श्री इन्द्रसिंह बावेत	उदयपुर	111	श्री सुभाषचंद जैन (जैन ट्रेडिंग)	दिल्ली	199
श्री शाह हरजी सगमजी एण्ड क	माडवी-बच्छ	112	श्री अमर जैन साहित्य सम्प्रदाय	उदयपुर	200
श्री मातीचंद शोरडिया	मद्रास	122	श्री धमपान जैन	दिल्ली	203
श्री ए.डी. मेहता	भुज-बच्छ	128	श्री विशारीलाल जैन	दिल्ली	203
श्री अमरेली गौशाला पाजरपोल	अमरेली	132	श्री जगदीशप्रसाद जैन (जैन स्टीन)	दिल्ली	204
श्री श्यामल्य सघ	मद्रास	132	श्री निहालचंद मगनसेन जैन	दिल्ली	204
श्री मत्स्यम् इन्वेस्टिगल्स एण्ड	मद्रास	132			
हाईवेयर स्टोस	बम्बई	144			

विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या	विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या
श्री सुशील कुमार जैन (सुदर्शन स्टील)	दिल्ली	204	दोशी श्री मनसुखलाल खीमजी भाई	भवाऊ-कच्छ	27
श्री कीमतीलाल जैन (कैलास ज्वैलरी)	दिल्ली	204	श्री अजरामर जैन युवा संघ	बम्बई	28
श्री पन्नालाल राधेश्याम जैन	दिल्ली	206	श्री करसन देवराज कारीआ	रव-कच्छ	29
श्री रामकुमार धर्मपाल जैन	दिल्ली-बम्बई	208	श्री जैन विश्व भारती	लाडनू	30
श्री ए.के. ट्रेडिंग कम्पनी	बम्बई	208	श्री समीरमल पवनकुमार जैन	अलीगढ़ (टोंक)	31
श्री गंभीरमल राजमल छाजेड	करही (म.प्र.)	208	श्री चुन्नीलाल वेलजीभाई मेहता	मांडवी-कच्छ	32
श्री जय विजय पलसेज	जलगाँव	216	श्री सागर कल्याण योजना	बम्बई	33
श्री भोगीलाल लहेरचंद इंस्टीट्यूट ऑफ इन्डोलोजी	दिल्ली	216	श्री दिवाकर प्रकाशन	आगरा	34
<b>भाग अष्ठम् - विज्ञापन विभाग-विज्ञापन</b>			श्री जैन ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज	जलगाँव	35
श्री क्वालिटी गार्मेन्ट्स	बम्बई	1	श्री धर्माचन्द्र गौतमचंद मेहता	हरमाड़ा	36
श्री किशनचंद प्रेमचंद जैन	सुरेन्द्रनगर	2	श्री प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर	भुज-कच्छ	37
श्री एन्कर इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रीकल्स प्रा.लि.	बम्बई	3	श्री वेणित स्टोर्स	बम्बई	38
श्री अरिहंत ट्रेडिंग कम्पनी	मुन्ना-कच्छ	4	डॉ. हिम्मत भाई मोखीया	भुज-कच्छ	39
श्री सुरेश क्लॉथ सेंटर	सुरेन्द्रनगर	5	श्री जनुजय टेम्पल ट्रस्ट	पूना	41
श्री रतनशी भीमशी सावला	सुवई-कच्छ	6	श्री पदमचंद डी. नाहर	जलगाँव	41
श्री हीरालाल ब्रदर्स	सुरेन्द्रनगर	7	श्रीकच्छीवीसा ओसवाल जैन महाजन	बम्बई	42
श्री दामजी प्रेमजी एण्ड कं.	बम्बई	8	श्री कुन्दनमल मूलचंद साकरिया	इन्दौर	43
श्री 'लाजा ट्रेडर्स	बम्बई	9	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	जयपुर	44
उत्तमोत्तम आगमीय ग्रंथ प्रकाशन	बम्बई	10	श्री लक्ष्मी क्लॉथ स्टोर्स	नासिक सिटी	44
श्री महावीर एम्पोरियम	बम्बई	11	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	बीजाजीकागुड़ा	44
श्री करमचंद मोदी	बम्बई	12	मुनि श्री मायाराम स्मारक प्रकाशन	दिल्ली	45
श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	रतलाम	13	श्री वनासकांठा जिला सहायक फण्ड ट्रस्ट	बम्बई	46
श्री लाभचंद शुभचंद सुकृत पेढी	रतलाम	14	श्री कृपि गौ सेवा ट्रस्ट	नासिक	48
श्री एस.एस. जैन सभा रोहिणी	रोहिणी-दिल्ली	15	श्री प्रताप ब्रदर्स चाँदीवाला	बम्बई	49
श्री खेतमल राणीदान बोथरा	दुर्ग	16	श्री जीव दया मण्डल	पूना	50
श्री पी पी. जैन एण्ड कं.	बम्बई	17	श्री सायला महाजन पाजरपोल	सापला	52
श्री जयवंत भाई मेहता	राजकोट	18	श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र	कोदा	53
श्री चापशीभाई मालशीभाई बोवा	बम्बई	18	श्री ज्ञानचंद खूबचंद बूपक्या	खाँचरोद	54
श्री जयवंत भाई मेहता	राजकोट	18	श्री आध्यात्मिक भक्ति अनुसंधान संस्थान	बम्बई	54
श्री चापशीभाई मालशीभाई बोवा	बम्बई	18	श्री दिवानसिंह सम्पतकुमार वाफना	उदयपुर	55
श्री नीरव म्विच गियर्म इण्डस्ट्रीज	सुरेन्द्रनगर	19	श्री सुशीलकुमार भंवरलाल चौरडिया	मद्रास	56
श्री विककी परसेज	बम्बई	20	श्री राजमल लखीचंद सराफ	जलगाँव	56
श्री नन्दु ड्रेसेज (ओसवाल)	बम्बई	21	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	मद्रास	57
श्री सोनी प्लारिस्टक्स	बम्बई	22	एम. के. टेकमटाइल्स	बम्बई	58
श्री महेन्द्र सेव भण्डार	इन्दौर	23	लायन पेन्सिल्स प्रा. लि.		59
श्री सियाल ब्रदर्स	इन्दौर	24	श्री दर्शन ओडियो एण्ड विडियो	नासिक	60
श्री हस्तीमल वीरेन्द्रकुमार कर्नावट जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाई स्कूल	इन्दौर	25			
	भुज-कच्छ	26			



# अनुक्रमणिका सूची

अ. भा श्वे स्थानकवासी जैन समुदाय के चातुर्मास के गाव/शहरो  
की अनुक्रमणिका सूची 1992

गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(अ)		ननावाहज	67	उज्जैन	18, 19
अलवर	7	जोवरगज पाक	67	उदयरामनगर	23, 25
अरकानम	8	सावरगती	68	उधना (सुरत)	32, 73
अहमदनगर	9, 10	वृष्णनगर	68	उधमपुर	45
अम्बाला छान्नी	13	नवरगपुरा	68	उपलेटा	53
अम्बाला शहर	13, 15	वापू नगर	68	उमराला	71
अमृतसर	14	धनश्याम नगर	71	(ओ)	
अहियापुर	16	घाट लोडिया	77	धीरठावाड	9, 11
अहमदाबाद मण्डा	16	नगर सेठे का बडा	77	(क)	
अमलनर	25	शोला राड	79	काटा	4, 7
अलाय	26	मणीनगर	79	काकराली	4
अमीनगर मराय	31	जम्बावाटी	79	काशीयल	7
अमरावती	32	जवेरी पाक	83	के. जी. एफ.	8
अजमेर	37, 38, 49	(ख)		कडा	9
अटाली	39	आगिद	6	कजंत	11
अनवाई	51	आश्वी	11	कजगाँव	11
अमरेली	53	आगरा	45	करही	18, 19
अजगर	59	आनू पवन	47	कामारहुँ	20
अहमदाबाद शहर		आणद	51	काट (हरियाणा)	21
गाहीबाग	20	आषोर्दि	60	कजाडी	26
राजस्थान उपाश्रय	31	(इ)		कानोड	26
नारायणपुरा	53-65	इराड	8	काधला	29
वामणा	54	इदौर	18, 19, 20, 25, 26, 41, 43	कानाना	31
पानडी	57	इद्रावड	25	करजू	32
विजयनगर	63	इववन	26	कूताना	32
छीना पाल	63	इटाला	64	किसानगढ	36
गारगपुर	63, 77	(उ)		कुचेरा	37
मरसपुर	63	उदयपुर	4, 6, 7, 24, 31	कवलियाम	39
भाहपुर	63			कालावड (गितला)	52
गिधरनगर	65			कनकता	53, 45

गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
कुन्दरोड़ी	58	गागोदरा	60	जाशमा	33
कलाल	63, 64	गढा स्वामीनागायण	68	जवाजा	37
काठागरा	71	गेलड़ा	75	जामनगर	43, 52, 54, 87
कपाया-कच्छ	73, 75	गाधी नगर	79	जामजोधपुर	51
कारागोला	75	(घ)		जोरावर नगर	52
कोल्हापुर	83	घोटी	11	जैतपुर (कांठी)	59
काठमांडू (नेपाल)	55	घोड़नदी	12 83	जूनागढ़	60
(ख)		घासा	33	(झ)	
खरड़	14, 17	(च)		झावुआ	19
खेडी गुजर	16	चादवड़	9	झझू	24
खाचरोद	18, 19	चरखी दादरी	13	झाव	29
खैरोदा	27	चित्तौड़गढ़	25	झालरापाटन	31
खैरागढ	31	चीमहला	31	(ट)	
खोहं (राज.)	36	चीथ का वरवाड़ा	48	टोहाना	13
खण्डप	36	चित्तल	52	(ड)	
खीगसरा (गुज.)	43	चूड़ा	59	डूगला	4
खेजड़ी	49	चींटिला	59	डवोक	4
खारोई	58	चैला	87	डेरावसी	13
खेरालु	58	चालीसगाँव	12	डोगरगाँव	26
खंभात	77, 83	(छ)		डोण	60
(ग)		छोटी नादड़ी	25	(त)	
गढ सिवाना	3, 5, 30	(ज)		ताल (रतलाम)	43
गुलावपुरा	5,	जोधपुर	3, 4, 5, 6, 7, 29, 33, 35, 49	तीथल	59
गोदिया	9	जालार	3	तलवाणा	73
गोविन्दगढ	13, 17, 39	जयपुर	7, 2, 4, 25	(थ)	
गार्जियावादा	18	जालना	12, 47	थानगढ़	59
गंगा शहर	25, 30	जाखल	14	(द)	
गिरटवाहा मंडी	13	जम्मूतवी	15	देवलाली (नासिका 12, 49, 54, 87)	
गजेन्द्रगढ़	26	जालन्धर मंडी	17	दाहोद	61
गोटन	35	जालंधर शहर	17	देशलपुर	75
गोहाना मंडी	41	जावरा	20	दामनगर	80
गोजन	51, 52, 54, 81	जयनगर	24	देहरादून	13
गुन्नाला-कच्छ	57, 75	जिन्द	31	देवास	19
गुन्दियाना	58	जनगाँव	32	देगनोक	24, 30
गाधीग्राम	58				
गोधरा	60				

गाँव शहरा के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरा के नाम	पृष्ठ संख्या
बबरिया	25	राहिणी	47	पैची	21
हुग	25	(घ)		पातीपत	30
देनगढ	26	धूलिया	10, 29	पादर	31
दाडागा	32	घार	19	पाटना	32
देलवाडा	33	घाल	53	पचपदग	33
हुन्दाटा	35	धाराजी	54	फिसाट मिटी	37
दिल्ली शहर		त्रालवा	59	पटरगार	51
प्रौनगर	13, 15	प्रधुना	67	पडपरी	52
सदर बाजार	13	धाराधारा	67	पाटडी	59
शास्त्री पाव	16	धानारा	78	पाटण	64
प्रेमनगर	14	धारी	81	प्रतीज	64
काल्हापुर राड	14	धोलेरा	85	पालनपुर	64
बुद्ध विहार	14	(न)		पवी	71, 76
मुलतान नगर	15	निम्बाहटा	5, 23	पालिवाड	79
अरिहत नगर	15	नाथ द्वारा	5	पारनदर	81
राणा प्रताप बाग	15	नादगाव	9	फ	
वीर नगर	15	नार्थिक राड	10	फनेवावाड	15
शक्ति नगर	15	नाभा	17	फतेह नगर	27
यू शक्ति नगर	15	नीमच छावनी	18	(ब)	
बोल्हापुर हाउस	16	नागदा जक्शन	20	बीजाजी था गुडा	3
ममयपुर	16	नोखागाव	23	बडी सादडी	3, 4, 23
प्रशांत विहार	16	नवसारी	26	बडा महुजा	4
शास्त्रीनगर	16	नागौर	30, 38	ब्यावर	6, 24, 48
कैयवाडा	16	नोखा मडी	24	बैंगनोर	8
नरोल बाग	16	नागपुर	31	बाम्बोरी	10
कैलाश नगर	16	(फ)		बराडा	13
गाधी नगर	16	पाली-भांगराड	4, 37	बडा मण्डी	30
अशोक विहार	17	प्रतापगढ	6, 7	विजरोल	14
शाहदरा	17	पाण्डवपुर (कर्नाटक)	8	मुलडाणा मण्डी	14
लक्ष्मी नगर	17	पूना	10, 11, 53	बनूड	17
त्रिश्याग नगर	17	पाबडी	10	बदनावर	19, 27
महेंद्र पाव	17	पिपल गाव बमवत	11	बीकानेर	23, 25
लारेंग राड	18	पाचौरा	11	बलनारी	25
शालीमार बाग	41	प्रभात	14	वालाघाट	26
चादनी चाक	41	पिपुल्पा मडी	24	बालेमर सत्ता	27, 33
प्रीतमपुरा	47				

गांवों शहरों की अनुक्रमणिका

गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
वालोटारा	29, 35	मलाड़	60, 61, 73	भुज-कच्छ	59, 62, 72
वालोद	31	कालीना	60	भावनगर	63, 81
वाँरा	32	कांदावाडी	61	भोजाय-कच्छ	72
बालेसरा (दुर्गावता)	33	मुलुण्ड	61	भोसरी (पूना)	12
बडू	36	डोम्बीवली	61	(म)	
बावड़ी	37	कुर्ला	61	मदनगंज	4
वीदडा-कच्छ	57, 76	कोट	61	मेड़ता सिटी	5
विछिया	58	चिचवन्दर	61	मादलिया	6
बरवाला	60	जोगेश्वरी	61	मद्रास	7, 8, 53
बडौत	30	अंधेरी	62, 72, 87	मसूर	8
बडौदा	62	सायन	65	माण्डल	9
बोटाद	64	दौलत नगर	65	मालेगाँव	10
बीजापुर	64	वसई रोड (माणेकपुर)	65	मिरजगाँव	10
वीशलपुर	65	चिचपोकली	65	मलकापुर	12
बढवाण शहर	68, 87	वालकेश्वर	68	मण्डी गिदड़वाहा	13
बेराजा	71, 76	कादिवली	68	मेरठ शहर	13
वाकी-कच्छ	72	दादर	71	मुकेरिया	15
वारोई	75	भाण्डुप	71	मालेर कोटला	17
वारेजा	78	गोरेगाँव	72	मन्दसौर	19, 24
बोटाद	79	मुलुण्ड चकनाका	72	मोरवण	26
बावला	80	विक्रोली	72	मनमाड	30
वाँकानेर	67	दहीसर	77	मोखून्दा	30
बम्बई (महानगर)		मीरारोड	87	मावली	30
खार रोड	9	कल्याण	12	मुजफ्फरनगर मण्डी	31
ठकुर द्वार	11	विलेपार्ला	52	मथानिया	33
विरार	12	मुलुण्ड	72	मावटी	48
वाशी-न्यू बोम्बे	12	(भ)		मसूदा	37
भायन्दर	26, 62	भीम	5	महुडी	51
घाट कोपर	51, 65, 79	भीलवाडा	5, 6, 35, 49	माण्डवी-कच्छ	57, 71, 75
शाताक्रुश	52	भीनासर	24	मोरवी	58
चेम्बूर	52	भीडर	27	मनफेरा	55
वसई गाँव	53	भादसोडा	29, 30	मियागाँव	62
घाटकोपर	54, 55	भवानी मंडी	31	माधापर	72
बोरीवली	57	भटिण्डा	15, 37	मोरवा	75
माटंगा	58, 69	भिनया	39	मूली	79
थाणा	59	भाटी बड़ोदिया	49	मांगरोल	81
नालासोपारा	60	भचारु-कच्छ	5, 7	मोटा लीलीया	55

गाव शहरों के नाम	पृष्ठ मन्था	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ मन्था	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ मन्था
(घ)		उतूर	11, 59	मिन्नूर	24
यादगिरी	8	तधियाना	13, 14, 16, 21,	सात्तरा	26
(र)			41	निमोगा	27
गाममी	5	रामनगाव	32	साचौर	29, 30
गयपुर (राज)	6	त्रिम्बडी	43, 57, 58, 61,	निथाना (गढ)	30
गयचूर	8		68	ममदडी	32
गोपड	13	साकडिया	58	मोतामूर	32
गोहूतक शहर	16	लखतर	64	मैनागा	32
रतिया	18	लाटी	80	गात्रायाम	33
रतनाम	18, 23	(ब)		मोजन गड	38
गोहूतक मडी	41	विजय नगर	5	तुवई-कच्छ	58
रायपुर (म प्र)	30	दानयमवाडी	7	ममाथाथा	59
राजनादगाँव	49	बैजापुर	11	गामत्रिथारी	60
राजगड (धार)	43	बल्लभ नगर	29	मुदामडा	60
राजगृही	45	बीशनगर	47	सुरेन्द्र नगर	67, 68
रव-कच्छ	57	बीमा बदर	53	माडाऊ-कच्छ	75
रतनपुर	58	बैरावल	53	माणन्द	77
रापर-कच्छ	60	विरमगाँव	64, 68	नावर कुडना	81
राह (गुजरात)	73	वापी	67	नागनी	83
राडेठ (सूरत)	73	याकानर	67	नगई माधोपुर	7
राजकोट शहर		बडाला कच्छ	75	गायला	63
जयत सोसायटी		बनी	77	(ह)	
माण्डवी चौक	57	(ग)		हरमाडा	4
मील गुजरी	53	गंडुर्णी	10	हवली	8
मोघाली शेरि	53	मुजालपुर	19	हिंगणघाट	27
जक्शन प्लोट	53	भाजापुर	20	हिंगडोन मिटी	35
थमजीवी सोमायटी	54	(स)		हैदराबाद	72
जैन चाल	54	ममदडी	5	(त्र)	
महावीर नगर	54	मागानेर (भोलवाडा)	6	त्रवो-कच्छ	61
मरदार नगर	55	सादही मारवाड	6		
सदर	54, 55	सनवाड	6	नोट-श्वे म्या समुदाय के अलावा	
विरापी पोपधगाला	81	सायरा	6	श्वे तैरापवी, श्वे मूनिपूजक एव	
जैन भवन	51	सोरापुर	8	दियम्बर समुदाय की भी अलग-अलग	
प्रह्लाद प्लाट	52	सोनीपत शहर	14	तैयार करनी थी लेकिन प्रेम में बाध	
भक्तिनगर	64	सोनीपत मडी	17	बन्द होने एव समयाभाव के कारण	
(स)		सिखन्दराबाद	20	यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सके। इन वर्ष	
लावा सरदारगड	3, 48	सूरत	20, 64	सभी चातुमान म्यन बडे अक्षरों में	
		सम्मेत शिखरजी	21	दिये हूँ अतः पता ढडने में अक्षरों वार	
				ज्यादा परजानी नहीं उठानी पडेगी।	
				—सपादक	

## भाग-द्वितीय

श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदायें

श्रमण संघ

स्वतंत्र सम्प्रदायें

बृहद् गुजरात सम्प्रदायें

जय गुरु हस्ती

जय महावीर

जय गुरु शीतल

## पोरवाल प्रलीवाल क्षेत्र धर्म वृद्धि हेतु भठ्य चातुर्मास

श्वे स्थानकवामी मम्दाय के श्री वर्धमान वीतराग सघ के मूत्रधार, कुशल मेवाभावी परम पूज्य गुरुदेव श्री शीतल राज जी म मा, तत्व जिनासु पण्डित रत्न श्री चम्पक मुनि जी म सा एव आशुकवि श्री धन्ना मुनि जी म सा आदि ठाणाओ (3) का चौथ वा वरवाडा वाया ग्व जिला नवार्ड माधोपुर (राजस्थान) में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एव तप की आराधनाओ के साथ एव चातुर्मासिक धार्मिक शिक्षण शिविर के सफल दशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की शुभ मंगल कामना करते है।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित •



अ भा. श्री वर्धमान वीतराग जैन श्रावक सघ  
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ

चौथ का वरवाडा

वाया जिला नवार्ड माधोपुर (राजस्थान)-322702

फोन न 44

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई

—द्वारा प्रकाशित—

गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स डायरेक्ट्री

संकलनकर्ता एवं संपादक—बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल', बम्बई

## श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. के कुछ विश्व जैन रिकार्ड्स (महाप्रयाण 28-3-92 तक रिकार्ड्स)

श्वे. स्था. श्रमण संघ समुदाय

- |      |  |  |
|------|--|--|
| (1)  | सम्पूर्ण जैन समाज के लगभग 165 जैन आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जो सबसे वयोवृद्ध हों।   | 93 वर्ष  |
| (2)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जो आचार्य सम्राट के नाम से जाने जाते हैं।  | अन्य कोई नहीं  |
| (3)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके सर्वाधिक आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वी हों।   | लगभग 1050  |
| (4)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनकी आज्ञा में प्रतिवर्ष सर्वाधिक स्थानों पर साधु-साध्वियों के चातुर्मास सम्पन्न होते हों।  | लगभग 350   |
| (5)  | सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके सजिवित स्थिति में किसी बड़े शहर में उनके नाम पर रोड-मार्ग-गली का नाम रखा गया हो।                                | अहमदनगर (महाराष्ट्र)   |
| (6)  | सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी सम्प्रदाय, जो सर्वाधिक कई भूतपूर्व सम्प्रदायों के विलय के बाद एक विनाल समुदाय बनी हो।   | श्रमण संघ भूतपूर्व 16 सम्प्रदाय                              |
| (7)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके पट्टधर के भी पट्टधर यानी तीन पीढ़ियाँ आचार्य-उपाचार्य-युवाचार्य एक साथ विद्यमान हों।   | श्रमण संघ—आचार्य-उपाचार्य-युवाचार्य                          |
| (8)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनकी निश्चा, समुदाय में सर्वाधिक प्रवर्तक, उप-प्रवर्तक प्रवर्तनियाँ, उपप्रवर्तनियाँ विद्यमान हों।                                 | लगभग 40  |
| (9)  | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनको सर्वाधिक भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो।   | लगभग 16 भाषाएँ   |
| (10) | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँ सर्वाधिक रूप से उच्च शिक्षा एम.ए.पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त हों।  | लगभग . . 20  |
| (11) | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनका दीक्षा पर्याय अन्य सभी आचार्यों में सर्वाधिक हों।  | दीक्षा पर्याय 79 वर्ष  |
| (12) | सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिन्होंने सभी आचार्यों में सर्वाधिक चातुर्मास सम्पन्न किये हों।   | 78 चातुर्मास   |
| (13) | सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके साध्वियाँ समुदाय में जिनकी आज्ञानुवर्तिनी साध्वियाँ, सर्वाधिक रूप में उच्च शिक्षा एम.ए.पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त हों।         | एक मात्र केवल श्रमण संघ में 15 साध्वियाँ एम.ए.पी.एच.डी. हैं। |
| (14) | वर्तमान में सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके नाम पर शासन द्वारा पूरे शहर का नाम बदलकर नया नाम घोषित किया गया हो।   | अहमदनगर का नया नाम आनन्द नगर करने की घोषणा (30-3-92)         |
| (15) | सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनको सर्वाधिक वर्षों तक केवल साधु-मुनिराजों द्वारा केवल डोली में रखकर विहार कराया हो (अन्य व्यक्तियों या मजदूरों के द्वारा नहीं)। | लगभग 12 वर्षों तक केवल श्रमण संघ मुनिराजों द्वारा            |

विस्तृत-जानकारियाँ भाग षष्ठम् एवं डायरेक्ट्री में देखें



## श्रमण सघ के पदाधिकारीगण एवं चातुर्मास स्थल

नाम	चातुर्मास स्थल	पृष्ठ संख्या
<b>आचार्य</b>		
श्री देवे द्रमुनिजी म	गृहसिवाना (राजस्थान)	3
<b>पुवाचार्य</b>		
डाॅ श्री शिवमुनिजी म	मद्रास (तमिलनाडु)	7
<b>उपाध्याय</b>		
(1) श्री पुष्कर मुनिजी म	गृहसिवाना (राजस्थान)	3
(2) श्री बंजल मुनिजी म	बंगलौर (कर्नाटक)	8
(3) श्री मनोहर मुनिजी म 'कुमुद'	अम्बाला कैंप (हरियाणा)	13
(4) श्री विनाल मुनिजी म	मंसूर (कर्नाटक)	8
<b>प्रवर्तक</b>		
(1) श्री कल्याण ऋषिजी म	बड्डा (महाराष्ट्र)	9
(2) श्री अम्बालालजी म	लाधा सरदारगड (राजस्थान)	3
(3) श्री पदमचंदनी म 'भण्डारी'	त्रोतगर दिल्ली	13
(4) श्री उमेग मुनिजी म	छाचरोद (मध्यप्रदेश)	18
(5) श्री रमेग मुनिजी म 'शास्त्री'	बड्डा/मादडी (राजस्थान)	3
(6) श्री रूपचंदजी म 'रजत'	बीजाजी वा गुडा (राजस्थान)	3
(7) श्री महेंद्र मुनिजी म 'कमल'	जोधपुर (राजस्थान)	3
<b>महामंत्री</b>		
श्री सीभाग्य मुनिजी म 'कुमुद'	नाना सरदारगड (राजस्थान)	3
<b>मंत्री</b>		
(1) श्री सुमन मुनिजी म	वानपमवाडी (तमिलनाडु)	7
(2) श्री कुन्दन ऋषिजी म	खार बम्बई (महाराष्ट्र)	9
<b>सलाहकार</b>		
(1) अ.प्र श्री बन्दीपालालजी म 'कमल'	जोधपुर (राजस्थान)	3
(2) श्री नान मुनिजी म	गादिन्दगड (पंजाब)	13
(3) श्री मल मुनिजी म	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	
(4) श्री जीवन मुनिजी म	मन्ही (मध्यप्रदेश)	18
(5) श्री रतन मुनिजी म	गोंदिया (महाराष्ट्र)	9
(6) श्री सुभति प्रकाशजी म	मंसूर (कर्नाटक)	8
(7) श्री सुवन मुनिजी म	बीजाजी वा गुडा (राजस्थान)	3

श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर, पं. रत्न, आचार्य प्रवर  
श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियांजी म.सा. ।

श्रमण संघ में

कुल चातुर्मास स्थल (214) संत (206) सतियांजी (674) कुल ठाणा (880)

## (1) राजस्थान प्रान्त

### संत समुदाय

#### 1. गढ़ सिवाना (राजस्थान)

1. श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर आचार्य प्रवर  
पं. रत्न श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.

2. उपाध्याय पं. रत्न श्री पुष्कर मुनिजी म.सा.

3. पं. रत्न श्री रमेश मुनिजी म.सा. "शास्त्री"

4. उपप्रवर्तक श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा. M. A.

आदि ठाणा (7)

चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ तथा जैन  
स्थानक महावीर मार्ग, रायथल वालों का वास, मु. पो.  
गढसिवाना, जिला बाड़मेर (राजस्थान) 343044

सम्पर्क सूत्र—मेहता श्री गिरधरलालजी दीपचंदजी  
चौमुखजी मंदिर की गली

मु.पो. गढ़ सिवाना-343044

जिला बाड़मेर (राजस्थान)

फोन जैन स्थानक 85316 आवास व्यवस्था 85219

नोट—आचार्य श्री के सोमवार एवं उपाध्याय श्री के  
गुरुवार को मौन रहता है ।

#### 2. लावा सरदारगढ़ (राजस्थान)

1. प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा.

2. कवि श्री मगन मुनिजी म.सा. 'रसीक'

3. महामंत्री श्री सौभाग्य मुनिजी म.सा. "कुमुद"

4. डॉ. श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.

'रत्नेश' M.A.P.H.D. आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री फूलचन्दजी प्रकाशचन्दजी हिंसाड

मु.पो. लावा-सरदारगढ़ जिला राजसमंद (राज.)

#### 3. बीजाजी का गुड़ा (राजस्थान)

1. प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. 'रजत'

2. उपप्रवर्तक सलाहकार श्री सुकन मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री भंवरलालजी संकलेचा मंत्री  
मु.पो. बीजाजी का गुड़ा, वाया बगड़ी नगर  
जिला पाली (राजस्थान)

#### 4. बड़ी सादड़ी (राजस्थान)

प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा. "शास्त्री"  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ  
जैन स्थानक मु.पो. बड़ी सादड़ी

जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312403

#### 5. जोधपुर (निमाज की हवेली) (राजस्थान)

प्रवर्तक श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. "कमल"  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री हरकराज मेहता एण्ड कं.,

कटला बाजार, जोधपुर-342001 (राजस्थान)

#### 6. सूरसागर-जोधपुर (राजस्थान)

अनुयोग प्रवर्तक श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री मुन्नालालजी जैन मंत्री

C/o. सेठ सुरजमल गहलोत राजकीय चिकित्सालय  
क्वार्टर्स, गौ शाला के सामने, सूरसागर  
जोधपुर (राजस्थान) 342024

फोन नं. 27588, मंत्री 26459

नोट—अनु. प्रवर्तक श्री के मंगलवार को मौन रहता है ।

#### 7. जालौर (राजस्थान)

पं. रत्न श्री हीरामुनिजी म.सा. 'हिमकर'  
आदि ठाणा (3)

- सम्पन्न सूत्र-श्री फूलचन्दजी बंसीमलजी गांधी  
वाकरिया वाम, मुषा जागीर (राज) 343001
8. महामंदिर-जोधपुर (राजस्थान)  
तपोगमन के रत्न, उग्र तपस्वी श्री महजमुनिजी मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री आनंदलालजी बाहग, धानमंडी  
महामंदिर, जोधपुर-342005 (राजस्थान)
9. झूला (राजस्थान)  
तपस्वी श्री मंगलचन्दजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री माहनलालजी दब मनी  
उदर बाजार, झुला जिला चित्तौड़गढ़  
(राजस्थान) 312402
- (10) बौटा (राजस्थान)  
तपस्वी श्री वृद्धिचन्दजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दुर्लोकचन्दजी जैन, मसम रतनामी  
सेय भण्डार, घटापर के पाम, बौटा-324006  
(राजस्थान)
11. डबोक-(राजस्थान)  
प रत्न श्री गोशमुनिजी मसा 'शास्त्री'  
आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पुष्पर जैन युवा परिवद  
श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक  
मुषा डबोक जिला, बाया उदयपुर (राज)  
313022  
फानन (02947) 228
12. काकरोली (राजस्थान)  
मधुर वकना श्री नरेन्द्रमुनिजी मसा 'साहित्यरत्न'  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री अर्जुनलालजी वालिया  
मुषा वाकरानी, जिला राजसमंद (राजस्थान)
13. बड़ा महुआ (राजस्थान)  
उपप्रवक्ता श्री विनयमुनिजी मसा 'भीम'  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन थावक सघ जैन स्थानक  
मुषा बड़ा महुआ, जिला भीलवाड़ा (राज)  
312403
14. उदयपुर (राजस्थान)  
प रत्न श्री भुवनेश मुनिजी मसा  
मधुर व्यापानी श्री महजमुनिजी मसा 'पिनकर'  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-पता न 280, डिग्न मगरी  
मोटर न 3, उदयपुर 313001 (राजस्थान)
15. हरमाडा (राजस्थान)  
प रत्न श्री रामलालजी मसा शास्त्री  
मेधाभावी श्री रामचन्द्रजी मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री धर्माचन्द्रजी मेहता  
मुषा हरमाडा, बाया मदनगढ़  
जिला अजमेर (राजस्थान)  
महासतिपांछी समुदाय
16. पाली-भारवाड (राजस्थान)  
विदुषी महामनी श्री शीलकुबरजी मसा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक,  
रघुनाथ स्मृति जैन भवन, रई फटना  
पाली-भारवाड (राजस्थान) 306401
17. मदनगज (राजस्थान)  
1 विदुषी महामनी श्री उमरावकुबरजी मसा 'अचना'  
2 विदुषी महामनी श्री उमदेकुबरजी मसा 'आचार्य'  
3 व्याख्यात्री महामनी श्री सुप्रभाश्रीजी मसा M A,  
आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-श्री चम्पा नालजी पारसभनजी चौरेडिया  
आमयानी मोहल्ला, मुषा मदनगज (विशालगढ़)  
जिला अजमेर (राजस्थान) 305801
18. बडो सादड़ी (राजस्थान)  
उपप्रवक्ता श्री मज्जनकुबरजी मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री तेजसिंहजी मागग मनी  
श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक  
मुषा बडो सादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़ (राज)  
312403

19. विजयनगर (राजस्थान)  
 1. शासन प्रभाविका विदुषी महासती श्री जसकुंवरजी म.सा.  
 2. विदुषी महासती श्री सिद्धकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (13)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री गुलाबचन्दजी लुणावत मु.पो. विजयनगर, जिला अजमेर (राजस्थान) 305624
20. निम्वाहेड़ा (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री कुसुमवतीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री दिवाकर टेक्सटोरियम सदर बाजार, निम्वाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312601
21. राणमी (राजस्थान)  
 उपप्रवर्तिनी महासती श्री नानकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ जैन स्थानक मु.पो. राणमी, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312203
22. भीम (राजस्थान)  
 1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री मानकुंवरजी म.सा.  
 2. सहजानुरागी महासती डॉ. श्री सुप्रभाश्रीजी म.सा. M.A., Ph-D.  
 3. कलानुरागी महासती डॉ. श्री सुशीलजी म.सा. "शशि" M.A, Ph-D. आदि ठाणा (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री देरासरिया ट्रेडिंग कम्पनी अनाज के व्यापारी, मु.पो. भीम जिला राजसमन्द (राजस्थान) 305921 फोन नं 33 एवं 36
23. नाथद्वारा (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा. (मेवाड़) आदि ठाणा (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री कन्हैयालालजी सुराना लाल बाजार, मु.पो. नाथद्वारा जिला उदयपुर (राज.) 313301
24. समदडी (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री तेजकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री हरकचन्दजी पालरेचा मु.पो. समदडी, जिला वाडमेर (राज.) 344021
25. जोधपुर (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री हरकचन्द मेहता एण्ड कं., कपड़ा बाजार, जोधपुर (राजस्थान) 342001
26. मेड़ता सिटी (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री शांतीकुंवरजी म.सा. (मालव केशरी) आदि ठाणा (9)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री बुद्धराजजी झामड़ अध्यक्ष श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक मु.पो. मेड़ता सिटी, जिला पाली (राज.) 341510
27. गढ़सिवाना (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री पुष्पवतीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
 सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
28. गुलावपुरा (राजस्थान)  
 1. मधुर व्याख्यात्री महासती श्री ललितकुंवरजी म.सा.  
 2. शांत स्वभावी महासती श्री मुधाकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री भीमचन्द्रजी संचेती मु.पो. गुलावपुरा, जिला भीलवाड़ा (राज.) 311021
29. काशीपुरी-भीलवाड़ा (राजस्थान)  
 मधुर व्याख्यात्री महासती श्री शांतीकुंवरजी म.सा. शांत मूर्ति महासती श्री मनोहरकुंवरजी म.सा. (मेवाड़) आदि ठाणा (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री सुरेन्द्रकुमारजी लोढ़ा काशीपुरी, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
30. सांगानेर (भीलवाड़ा) (राजस्थान)  
 विदुषी महासती श्री सुगनकुंवरजी म.सा. शांत स्वभावी महासती श्री सज्जनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (6)

### महासतिपांजी समुदाय

- 3 पल्लवारम मद्रास (तमिलनाडु)  
विदुषी महासती श्री अजीतमुन्नरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Pukhrayi Navratnamaji Jain  
3 A, Police Station Road,  
PALLAVARAM Madras 600043 (T N)

- 4 इरोड (तमिलनाडु)  
विदुषी महामनी श्री शांतबुवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Virdhiman Sthanakwasi Jain Sangh  
Jain Sthanak P o ERODE (T N)

- 5 अरकोनम् (तमिलनाडु)  
विदुषी महासती श्री पुष्पवतीजी म मा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Parasmaji Kataria  
Main Bazar, ARKONAM  
N A Distt (Tamilnadu)

कुल चातुर्मास (5) सत (6) सतिपांजी (14) कुल ठाणा  
(20)

### कर्नाटक प्रान्त

#### सत समुदाय

- 1 बंगलौर सीटी (कर्नाटक)  
उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-  
Shri L Sohan Rajji Jain  
Mamul Peth BANGALORE 560053  
(Karnataka)
- 2 मसूर (कर्नाटक)  
1 सत्ताहकार श्री सुमति मुनिजी म मा  
2 उपाध्याय श्री विशाल मुनिजी म मा (नेपाल)  
आदि ठाणा (9)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Mahavir Jewellers  
Ashoka Road, MYSORE 570001  
(Karnataka)

- 3 हुबली (कर्नाटक)  
प रत्न श्री विचक्षण मुनिजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Svetamber Sthanakwasi Jain Sangh  
Kanchgar Gali, HUBLE-580028  
(Karnataka)

- 4 पाण्ड्यपुर (कर्नाटक)  
प रत्न श्री ह्यबदनजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-  
Shri Om Prakashji Mogri  
P S Road P O PANDAVPUR  
Distt Mandya (Karnataka) 571434

### महासतिपांजी समुदाय

- 5 के जो एफ (कर्नाटक)  
विदुषी महासती श्री आदश ज्यातिजी म मा  
आदि ठाणा (5)

- सम्पक सूत्र-  
Shri Parasmaji Banthia  
First Cross Lane, Robertsonpet  
K G F 563122 (Karnataka)

- 6 यादगिरी (कर्नाटक)  
महान स्वयंदिग महासती श्री शालीमुधाजी म मा  
विदुषी महासती श्री अवनजी म मा  
आदि ठाणा (7)

- सम्पक सूत्र-  
Shri Badarymal Suryamal Dhoka  
Mam Road, P O YADGIRI  
Distt Gulburga (Karnataka) 585201

- 7 रायचूर (कर्नाटक)  
विदुषी महागती श्री शीतलकुंदरजी म मा  
आदि ठाणा (4)

- सम्पक सूत्र-  
Shri Peerchand Ugumraj Bohra  
M/s Sangaveta Saree Centre  
Mahavir Chowk Raichur 584001  
(Karnataka) Tel No 8055, 8371

- 8 सोरापुर (कर्नाटक)  
महान स्वयंदिग महासती श्री छागकुंदरजी म मा  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Jasrajji Mohanlalji Bohra  
P. O. SORAPUR Distt Gulburga  
(Karnataka) 585224

सम्पर्क सूत्र—श्री पंजाब जैन भ्रातृसभा,

अहिंसा हॉल, अहिंसा मार्ग, 14-ए रोड,  
द्वार (वेस्ट) बम्बई-400 052 (महाराष्ट्र)  
फोन : 542509

कुल चातुर्मास (8) संत (17) सतियांजी (19) कुल  
ठाणा (36)

#### 4. महाराष्ट्र प्रान्त

संत समुदाय

##### 1. कड़ा (महाराष्ट्र)

1. प्रवर्तक श्री कल्याण ऋषिजी म.सा.
2. मधुरवक्ता श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.  
(उपदेशाचार्य) आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री क चू गांधी गुरुजी,  
श्री अमोल जैन वसीत गृह, मु. पो. कड़ा  
वाया अहमदनगर, जिला बीड़ (महाराष्ट्र)  
फोन न. 529 पी पी.

##### 2. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

1. महास्थवर वयोवृद्ध श्री पुष्प ऋषिजी म. सा.
2. वयोवृद्ध श्री धन्ना ऋषिजी म. सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री तिलोक रत्न जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड  
आचार्य श्री आनन्द ऋषिजी म. मार्ग  
अहमदनगर-414 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 24938

##### 3. गोन्दिया (महाराष्ट्र)

- सलाहकार प. रत्न श्री रतन मुनिजी म. सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कातीलाल गिरधरलाल शाह अध्यक्ष  
मेसर्स वारदाना ट्रेडिंग क.,  
मु.पो. गोन्दिया (महाराष्ट्र)-441 601  
फोन अध्यक्ष-2415, 2310,

##### 4. छार-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. मंत्री पं. रत्न श्री कुन्दन ऋषिजी म.सा.
2. ओजस्वी वक्ता श्री आदर्श ऋषिजी म.सा.
3. ओजस्वी वक्ता श्री प्रवीण ऋषिजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)

##### 5. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

तपस्वी श्री मिश्रीलालजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गुरु गणेश स्था. जैन शिक्षण समिति  
गुरु गणेश नगर, बीधी के मकवरे के पास,  
औरंगाबाद-431 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 3221, 25374 पी.पी.

##### 6. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

उग्र तपस्वी श्री मगन मुनिजी म. सा.  
तपस्वी श्री सुन्दरलालजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वसन्तलाल पूनमचंद भण्डारी  
-2585 नवा कापड बाजार, महात्मा गांधी रोड  
अहमदनगर-414 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 24938

##### 7. नांदगाव (महाराष्ट्र)

महास्थावर श्री वसन्त मुनिजी म.सा. (सकारण)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीचदजी पारख  
मु.पो. नांदगाव तालूका निफाड  
जिला नासिक (महाराष्ट्र)

##### 8. मांडल (धुलिया) (महाराष्ट्र)

सेवाभावी श्री कान्ती मुनिजी म.सा. (दिवाकरजी)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
मु.पो. मांडल, जिला धुलिया (महाराष्ट्र)

##### 9. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

पं. रत्न श्री नेमीचदजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—

##### 10. चांदवड़ (महाराष्ट्र)

शातमूर्ति, श्री दातारामजी म.सा. (सकारण)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक  
मु.पो. चांदवड़ वाया निफाड जिला नासिक  
(महाराष्ट्र)-423 102

- 36 जालना (महाराष्ट्र)  
व्याख्यात्री महासती श्री धनकुवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री चम्पानालजी घिसूनानजी सकलेचा  
दुर्गा माता मंदिर रोड, जालना 431 203
- 37 विरार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री चंदनाजी मसा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र—श्री व म्या जैन थावक सध, जैन स्थानक,  
जैन मंदिर राट, विरार जिला-ठाणा (महाराष्ट्र)  
401 303  
फोन न (025238) 3423, 2262
- 38 चासी-नई बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री मलय माधनाजी मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—श्री दीपचंद रूपचंद पारख,  
के-314 मकट्टर 16, शांतिग सेंटर,  
वाणी यू.वा.म्बे-400 703 (महाराष्ट्र)
- 39 घोडनदी (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री कौसल्या कुवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री भंडरीलानजी फूनफगर सराफ  
मु पा धाडनदी (शिखर) जिला पूना  
(महाराष्ट्र) 412 210
- 40 मलकापुर (महाराष्ट्र)  
व्याख्यात्री महासती श्री दशनप्रभाजी मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री राणीदानजी भीवरराजजी सचेती  
29, बुलडाणा राट, मु पा मलकापुर, जिला-  
बुलडाणा ((महा)-443101  
फोन 22811, 22411
- 41 देवताली केम्प (नासिक) (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती डॉ श्री ललित प्रभाजी  
मसा M.A., Ph.D आदि ठाणा (1)
- सम्पक सूत्र—श्री व म्या जैन थावक सध, बान्दावाडी  
सेनेटारियम लाम राट, देवताली केम्प वाया  
जिला नासिक (महा) 422402
- 42 चात्तीमगाव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री पात्र कुवरजी मसा  
तपस्विनी महामती श्री रमणिण कुवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री व म्या जैन थावक सध,  
मु पा चात्तीमगाव, त्रिना-जनगाव (महा)
- 43 बल्याण-बम्बई (महाराष्ट्र)  
मधुर व्याख्यात्री श्री मगन प्रभाजी मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—श्री व म्या जैन थावक सध, जैन स्थानक,  
गांधी चान बल्याण, जिला ठाणा बम्बई  
फोन 25492
- 44 देवताली केम्प-(नासिक) (महाराष्ट्र)  
शान्त स्वभावी महासती श्री कमलप्रभाजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री व म्या जैन थावक सध,  
बादावाडी जैन स्थानक, सेनेटारियम, लाम राट  
देवताली केम्प वाया नासिक (महा) 422401
- 45 जालना (महाराष्ट्र)  
वाणी भूपण महासती श्री प्रीति मुधाजी मसा  
विदल भूपण महासती श्री मधुस्मिताजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री चम्पानालजी सकलेचा  
दुर्गामाता मंदिर राट, जालना-431203 (महा)
- 46 भोसरी (पूना) (महा)  
विदुषी महासती श्री निमला कुवरजी मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—गाजरापोल  
मु पा भासरी, वाया जिला पूना (महा)

## उत्तर भारत प्रान्त

(दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश,  
जम्मू काश्मिर चण्डीगढ़ प्रांत)

### संत समुदाय

1. त्रीनगर-दिल्ली
  1. उत्तर भारतीय प्रवर्तक भण्डारी श्री पद्मचंदजी म.सा.
  2. उपप्रवर्तक श्री अमर मुनि जी म.सा.
  3. विद्वदर्थ डॉ. श्री सुव्रत मुनिजी म.सा.  
M. A Phd. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,  
25039 त्रीनगर, दिल्ली-110035
2. अम्बाला छावनी (हरियाणा)  
उपाध्याय श्री मनोहर मुनिजी म.सा. "कुमुद"  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
काली बाडी मंदिर के सामने, अम्बाला छावनी  
(हरियाणा)-134002
3. टोहाना (हरियाणा)  
उपप्रवर्तक स्वामी श्री फूलचंदजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, मु.पो. टोहाना  
शहर जिला-हिसार (हरियाणा)
4. अम्बाला शहर (हरियाणा)  
उपप्रवर्तक श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,  
महावीर भवन, महावीर मार्ग, अम्बाला शहर  
(हरियाणा)-134003
5. मण्डी गिदडवाहा (पंजाब)  
उपप्रवर्तक कवि सञ्जाट श्री चन्दनमुनिजी म.सा.  
(पंजाबी) (सफारण) आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
मु. पो मण्डी गिदडवाहा, जिला फरीदकोट  
(पंजाब)-152101.
6. डेरावसी (पंजाब)  
उपप्रवर्तक श्री जगदीश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,  
मु.पो डेरावसी, जिला पटियाला (पंजाब)
7. रोपड़ (पंजाब)  
उपप्रवर्तक श्री राम मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, सदर बाजार,  
मु.पो. रोपड़-140 001. (पंजाब)
8. चरखी दादरी (हरियाणा)  
उपप्रवर्तक श्री प्रेम मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, मु. पो. चरखी  
दादरी, जिला-महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)
9. देहरादून (उत्तरप्रदेश)  
उपप्रवर्तक श्री प्रेमसुखजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा ; प्रेम सुखधाम  
16, नेशनल रोड, लक्ष्मण चौक,  
देहरादून-248001 (उत्तरप्रदेश)
10. गोविन्दगढ़ (पंजाब)  
सलाहकार श्री ज्ञान मुनिजी म.सा.  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, शास्त्री नगर,  
मु.पो. गोविन्दगढ़, जिला पटियाला (पंजाब)  
147301
11. लुधियाना (पंजाब)  
पं. रत्न श्री रतन मुनि जी म.सा. (पंजाबी)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
आत्मचौक, रूपा मिस्त्री गली, लुधियाना-  
141 008 (पंजाब)
12. बराड़ा (हरियाणा)  
मधुर वक्ता श्री सुरेन्द्र मुनिजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा  
मु.पो. बराड़ा, जिला-अम्बाला (हरियाणा)
13. सदर बाजार-दिल्ली  
मधुरवक्ता श्री जितेन्द्र मुनिजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस एस जैन सभा,  
4530 डिप्टीगंज, सदर बाजार दिल्ली-110006
14. मेरठ (उत्तर प्रदेश)  
मधुर व्याख्यानी श्री श्रीचंदजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
जैन नगर, भगवान महावीर मार्ग, मेरठ-  
250001 (उ. प्र.)
15. बड़ौत मण्डी (उत्तर प्रदेश)  
शांतिमूर्ति श्री पारस मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
ला मेरठ (उ.प्र.) 250711



- 16 जाखल (हरियाणा) महासतिषाजी समुदाय  
मधुर व्याख्यानी श्री भगवत मुनिजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एम जैन सभा, मुपा जाखल  
मण्डी, जिला हिमाच (हरियाणा)
- 17 सोनीपत शहर (हरियाणा)  
मधुरवक्ता श्री रमणोव मुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,  
मुपो सोनीपत शहर (हरियाणा)
- 18 अमृतसर (पंजाब)  
प्रवरवक्ता श्री कमलमुनिजी म सा "कमलेश"  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, बी के गल,  
हाई स्कूल के पास, चारसती अटारी, अमृतसर-  
(पंजाब)-143 001 फोन प्रधान 42713  
मत्री-51556
- 19 बिजरोल (उत्तरप्रदेश)  
प रत्न श्री छटिलालजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-बिजरोल, जिला मेरठ (उ प्र)
- 20 खरड (पंजाब)  
मधुरवक्ता श्री नेमच रजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री ज्ञानचंद सुरण कुमार जन्, प्रधान  
एम एम जैन, मुपा खरड, जिला रोपड  
(पंजाब)-140301
- 21 प्रभात (पंजाब)  
तपस्वी श्री प्रीतम मुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एम जैन सभा, मुपा प्रभात  
(डेरावसी से चण्डीगढ माग पर)  
(पंजाब)-140507
- 22 बुलढाणा मण्डी (उत्तरप्रदेश)  
प रत्न श्री विजय मुनिजी म सा 'भारती'  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,  
मुपो बुलढाणा मण्डी (उ प्र)
- 23 शास्त्री पाव द्विती उपप्रवतिनी महासती श्री सत्यवतीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री एस एम जैन सभा,  
बी 45 शास्त्री पाव, द्विती-110 053
- 24 प्रेमनगर दिल्ली  
उपप्रवतिनी महासती श्री मया श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-एम एम जैन सभा, जैन स्थानक,  
गली न 18, जयौरा पुल के नीचे,  
2087 प्रेमनगर, दिल्ली-110 081
- 25 कोल्हापुर रोड, दिल्ली  
उपप्रवतिनी महासती श्री केसर देवीजी म सा  
विदुषी महासती श्री कौमत्या देवीजी म सा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पा सूत्र-श्री एम एम जैन सभा,  
5152 कोल्हापुर माग, बाल्हापुर हाउस,  
दिल्ली 11007
- 26 लुधियाना (पंजाब)  
1 उपप्रवतिनी महासती श्री अमयकुमारीजी म सा  
2 उपप्रवतिनी महासती श्री कौशल्याजी म सा  
3 विदुषी महासती श्री सावित्रीजी म सा  
आदि ठाणा (17)  
सम्पक सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जैन स्थानक,  
जात्य चौक सपा मिन्त्री गली,  
लुधियाना-141008 (पंजाब)
- 27 लुधियाना (पंजाब)  
उपप्रवतिनी महासती श्री सीतारजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-उपरोक्त समाज (26) अनुसार
- 28 बुद्ध विहार-दिल्ली  
उपप्रवतिनी महासती श्री सुंदर देवीजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री एम एस जैन सभा, जैन स्थानक  
17, बुद्ध विहार, दिल्ली 110041

29. मुलतान नगर, दिल्ली  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री प्रेनकुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, रोहतक रोड  
नया मुलतान नगर, दिल्ली-110056
30. अरिहंत नगर-दिल्ली  
1. विदुषी महासती श्री राजमतीजी म.सा.  
2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री आज्ञावतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा,  
रोहतक नगर, अरिहंत नगर, दिल्ली-110026
31. फतेहाबाद (हरियाणा)  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री कैलाशवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एन एस. जैन सभा  
मु.पो. फतेहाबाद, जिला हिमाल (हरियाणा)
32. राणा प्रताप बाग—दिल्ली  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सुभाषवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस एस. जैन सभा  
ए-11 राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007
33. वीर नगर—दिल्ली  
1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री स्वर्णकान्ताजी म.सा.  
2. विदुषी महासती श्री स्मृतिजी म.सा. M.A.  
आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस एस जैन सभा, महिला जैन स्थानक  
जैन कालोनी वीर, नगर दिल्ली-110007
34. त्रीनगर—दिल्ली  
1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री सरिताजी म.सा.  
Double M.A.  
2. विद्याभिलाषी महासती श्री मीनाकुमारीजी म.सा.  
M.A.  
3. विदुषी महासती श्री शुभांजी म.सा.  
Double M.A.  
4. विद्याभिलाषी महासती श्री गिवाजी म.सा. B.A.  
आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस एस. जैन सभा,  
2539 जैन स्थानक मार्ग—त्रीनगर  
दिल्ली-110035
35. भटिण्डा (पंजाब)  
1. तपगगन चन्द्रिका महासती श्री हेमकुँवरजी म.सा.  
2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री रचिरश्मिजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
फीकर बाजार, भटिण्डा (पंजाब)
36. जम्मू-तवी (जम्मू-काश्मीर)  
1. विदुषी महासती डॉ. श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा.  
M.A., Ph-D.  
2. विदुषी महासती डॉ. श्री दिव्यप्रभाजी म.सा.  
M.A., Ph-D.  
3. विदुषी महासती डॉ. श्री अनुपमाजी म.सा.  
M.A Phd. आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ज्ञानन्दनजी जैन  
मेमर्स जैन गोटा स्टोर्स  
लिक रोड, जम्मू-तवी (जम्मू एण्ड काश्मीर)  
180001
37. अम्बाला शहर (हरियाणा)  
वयोवृद्धा महासती श्री जिनेश्वरी देवीजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री संजय जनरल स्टोर्स, मरफा बाजार,  
अम्बाला शहर (हरियाणा)
38. शक्ति नगर-दिल्ली  
वयोवृद्धा महासती श्री मायादेवीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस एस. जैन सभा  
18/31 शक्तिनगर, दिल्ली-110007
39. मुकेरिया (पंजाब)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री राजेश्वरी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
मु.पो. मुकेरिया, जिला होशियारपुर (पंजाब)
40. न्यू शक्ति नगर-दिल्ली  
विदुषी महासती श्री पवनकुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
जैन साध्वी श्री पदमावती स्मारक जैन भवन  
ए-2/15 शक्तिनगर एक्सटेंशन, दिल्ली-110052

- 41 षोल्हापुर हाउस, दिल्ली  
विदुषी महामती श्री स्नातुमारीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा, महिना जन स्थानक  
षोल्हापुर हाउस, षोल्हापुर राण, दिल्ली-110007
- 42 रोहतक शहर (हरियाणा)  
मान मति महामती श्री प्रवाशकजीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा, जन स्थानक  
मु पा रोहतक शहर (हरियाणा) 124001
- 43 ममयपुर दिल्ली  
व्याख्यात्री महामती श्री रूष्णाजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा, जन निवास  
बी 12 यादवनगर ममयपुर, दिल्ली 110042
- 44 लुधियाना (पंजाब)  
विदुषी महामती श्री महद्रकुमारीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रंगीराम धमपाल जैन  
सायान मंदिर रोड, लुधियाना 141008  
(पंजाब)
- 45 अहिल्यापुर (पंजाब)  
व्याख्यात्री महामती श्री गुणमालाजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा जन स्थानक  
मु पो अहिल्यापुर, जिला होंगियारपुर (पंजाब)
- 46 प्रयाग विहार दिल्ली  
शात स्वमावी महासती श्री शातीदेवीजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा  
प्रयाग विहार, दिल्ली-110034
- 47 शास्त्री पाक-दिल्ली  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री विजयेद्राजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जन सभा  
बी-54 शास्त्री पाक, दिल्ली-110053
- 48 शास्त्रीनगर-दिल्ली  
व्याख्यात्री महामती श्री श्रीमतीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा  
ए 669 शास्त्री नगर, दिल्ली 110052
- 49 बयपाडा-दिल्ली  
शात मति महामती श्री शान्तिदेवीजी म सा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा  
जन स्थानक एम-754 बयपाडा, दिल्ली-110053
- 50 बरोल बाग-दिल्ली  
विदुषी महामती श्री राजकुमारीजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा, 16 बाग एरिया  
बरोल बाग, दिल्ली 110005
- 51 खेडी गुज्जर (हरियाणा)  
मधुर व्याख्यात्री महामती श्री मिनाकुमारीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा, जैन स्थानक  
मु पा खेडी गुज्जर,  
जिला पानीपत (हरियाणा)
- 52 बलासा नगर-दिल्ली  
विदुषी महामती श्री मुमनकुमारीजी म सा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जन सभा जन स्थानक,  
गली न 2, बलासा नगर, दिल्ली 110031
- 53 गांधी नगर-दिल्ली  
व्याख्यात्री महासती श्री शशिप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जन सभा  
6367 मती नेताजी, गांधी नगर, दिल्ली 110031
- 54 अहमदगढ़ मण्डी (पंजाब)  
अध्ययाशीला महासती श्री चंद्रप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जन सभा, गांधी चौक  
मु पो अहमदगढ़ मण्डी (पंजाब)

55. अशोक विहार-दिल्ली  
शांत स्वभावी महासती श्री प्रवीणकुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
एफ ब्लॉक फेज 1, अशोक विहार  
दिल्ली-110052
56. शाहदरा-दिल्ली  
व्याख्यात्री महासती श्री मोहन मालाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
1/5947 कबूल नगर, शाहदरा दिल्ली 110032
57. बनूड़ (पंजाब)  
व्याख्यात्री महासती श्री मीनाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, मु.पो. बनूड़  
जिला पटियाला (पंजाब)
58. लक्ष्मीनगर-दिल्ली  
1 विदुषी महासती श्री रमेशकुमारीजी म.सा. B.A.  
2 विदुषी महासती श्री अनिलकुमारीजी म.सा. Double M.A.  
3 विदुषी महासती श्री चेतनाजी म.सा. M.A.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
एम-87, जगत राम पार्क, लक्ष्मीनगर  
दिल्ली-110092
59. सोनीपत मण्डी (हरियाणा)  
व्याख्यात्री महासती श्री भागवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
सोनीपत मण्डी (हरियाणा)
60. मालेर कोटला (पंजाब)  
विदुषी महासती श्री सुमित्राजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, मलेरी गली  
मु.पो. मालेर कोटला 148025  
जिला संगरूर (पंजाब)
61. नाभा (पंजाब)  
व्याख्यात्री महासती श्री किरणाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
मु.पो. नाभा जिला पटियाला (पंजाब)
62. खरड़ (पंजाब)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री मंजुजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
मु.पो. खरड़ 140301 जिला रोपड़ (पंजाब)
63. जालंधर मण्डी (पंजाब)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री मंजु ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जैन सभा,  
वारदाना बाजार, मण्डी रोड,  
मु.पो. जालंधर मण्डी (पंजाब)
64. विश्वास नगर-दिल्ली  
विदुषी महासती श्री सुशील कुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा  
8/58, रामगली, विश्वास नगर  
दिल्ली-110032
65. गोविन्दगढ़ (पंजाब)  
अध्ययनशीला महासती श्री पुष्पाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जैन सभा,  
शास्त्री नगर, मु.पो. गोविन्दगढ़  
जिला पटियाला (पंजाब)
66. महेन्द्रा पार्क-दिल्ली  
शांत स्वभावी महासती श्री सुशील कुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
WZ-3353, महेन्द्र पार्क, राणी बाग,  
दिल्ली-110034
67. जालंधर शहर (पंजाब)  
शांत स्वभावी महासती श्री पुनीत ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री एम एम जैन सभा जैन स्वयंसेवक  
मु पा जानघर शहर-144001 (पंजाब)

68 लारेंस रोड, दिल्ली

बिदुषी महामती डा श्री भरोजश्रीनी म सा  
M A , Ph-D आदि ठाणा (3)

सम्पन्न सूत्र—श्री एम एम जैन सभा, जैन स्वयंसेवक,  
पोस्ट बॉ-4, प्लान न 3  
बेकनपुरम, लारेंस रोड, दिल्ली 110035

69 रतिया (हरियाणा)

बिदुषी महामती श्री बुधुमप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री एम एम जैन सभा, जैन स्वयंसेवक  
मु पा रतिया, जिला हिसार (हरियाणा)

कुल चातुर्मास (69) सत (60) सतिपांजी (237)  
कुल ठाणा (297)

## 6 मध्यप्रदेश प्रान्त

### सत समुदाय

1 खाँचरीद (मध्यप्रदेश)

1 प रत्न श्री रूपत्र मुनिजी म सा

2 प्रवक्तव्य रत्न श्री उमेश मुनिजी म सा "अणु"  
आदि ठाणा (6)

सम्पन्न सूत्र—श्री मुजानमनजी चंपालालजी रूपवया  
27 अन्नपूर्णा मार्ग खाँचरीद  
जिना उज्जैन (म.प्र.) 456224

2 करही (मध्यप्रदेश)

सलाहकार प रत्न श्री जीपनमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री अमालकचन्दी छाजेड  
मु पा करही, जिला खरगोन (म.प्र.) 451220  
फोन न अध्येक्ष 223, 225, स्वयंसेवक 231  
(STD 07280)

3 इंदौर महावीर भवन (मध्यप्रदेश)

गायन निधि प रत्न श्री रामनिवासजी म सा  
(संस्कारण) आदि ठाणा (1)

सम्पन्न सूत्र—श्री यस्या जैन श्रावण मण  
महावीर भवन, उमली बाजार,  
इंदौर-452002 (म.प्र.)

4 रतलाम (मध्यप्रदेश)

1 उपप्रवक्तव्य श्री मेघराजजी म सा

2 प रत्न श्री लक्ष्मणजी म सा "निदानाचार्य"  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री यस्या जैन श्रावण मण  
जैन स्वयंसेवक, 71 नीम पाव, रतलाम-457001  
(म.प्र.)

5 उज्जैन (मध्यप्रदेश)

सलाहकार श्री मूलमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र—श्री यस्या जैन श्रावण मण  
महावीर भवन, नमन मण्डो  
उज्जैन 456006 (म.प्र.)

6 इंदौर बल्ल बालानो (मध्यप्रदेश)

1 तपस्वी श्री मोहन मुनिजी म सा }  
2 मणन वनता श्री अजित मुनिजी म सा }  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र—श्री अमयकुमार पोडरना  
225, बल्ल बालानो परदेमीपुरा, इंदौर 452002  
फोन 441548

7 नौमच छावनी (मध्यप्रदेश)

प रत्न श्री अणु मुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री वीरद्विजयजी छावण  
1 वीर पाव रोड, नौमच छावनी  
जिना भदवनी (म.प्र.)

### महासतिपांजी समुदाय

8 रतलाम (मध्यप्रदेश)

महास्थविरा बिदुषी महामती श्री सोभाग्यकुवर्जी म सा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री निहालचन्दी गांधी  
78 बजाजघाना, रतलाम (म.प्र.) 457001

9. देवास (मध्यप्रदेश)  
महास्थविरा महासती श्री मनोहरकुंवरजी म.सा.  
(मालवा) आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ  
उपासना गृह, वड़े राजवाड़े के सामने,  
मु.पो. देवास-455001 (म.प्र.)
10. शुजालपुर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री शांताकुंवरजी म.सा. (मालवा)  
व्याख्यात्री महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री प्रवीणकुमारजी जैन  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, 56 बड़ा बाजार  
शुजालपुर शहर (म.प्र.) 456331
11. बदनावर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री वल्लभकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सुजानमलजी मूणत  
मु.पो. बदनावर जिला धार (म.प्र.) 454660
12. महावीर नगर, इन्दौर (म.प्र.)  
विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा.  
(मेवाड तृतीय) आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुलतानसिंहजी विराणी,  
5/12 यशवंत निवास रोड,  
इन्दौर-452002 (म.प्र.)
13. इन्दौर चन्दनवाला भवन (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
व्याख्यात्री महासती श्री चचलकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जीतमलजी जैन  
मै. जिनेन्द्र सेव भण्डार  
बड़ा सराफा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
14. धार (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री मधुवालाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री रमेशचन्द्रजी गांधी  
मेसर्स गांधी टेंट हाउस, मु.पो. धार  
(मध्यप्रदेश) 454001
15. झाबुआ (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री धैर्यप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिलालजी वेणीचन्द्रजी रूनवाल  
9 रूनवाल बाजार, झाबुआ-457661 (म.प्र.)
16. खोंचरौद (मध्यप्रदेश)  
तपोमूर्ति महासती श्री कमलप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
17. करही (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री प्रमोदकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार
18. इन्दौर (राजमोहल्ला) (म.प्र.)  
1. महास्थविरा महासती श्री चंपाकुंवरजी म.सा.  
2. व्याख्यात्री महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चंदनमल चौरडिया  
मै. राजमल रतनलाल  
साउथ हाथीपाला, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
19. उज्जैन (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री कंचनकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिलालजी मारु  
दौलतगंज, उज्जैन (म.प्र.) 456006
20. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री आदर्श ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चादमलजी मूरडिया  
मेसर्स जैन दिवाकर टेंट हाउस  
सम्राट रोड, मन्दसौर-458001 (म.प्र.)
21. इमली बाजार-इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री ताराकुंवरजी म.सा.  
(सकारण) आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्र. 3 के अनुसार

- 22 नागदा जवशान (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री प्रमोदकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (6)

सम्पन्न सूत्र—श्री भेटलालजी वाटेड  
तिलक भाग, नागदा-जवशान  
जिला उज्जैन (म प्र)

- 23 शाजापुर (मध्यप्रदेश)  
महास्वविरा महामती श्री सोहनकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री हिम्मतमलजी जैन नारालिया  
आजाद चौक, शाजापुर (मध्यप्रदेश) 456001

- 24 जावरा (मध्यप्रदेश)  
महास्वविरा महासती श्री कचनकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र—श्री शातिलालजी चतर  
जैन स्वयंसेवक सोमवारिया मुषी जावरा  
जिला खलाम (म प्र) 457226

- 25 इन्दौर (आन्ध्रप्रदेश) (म प्र)  
विदुषी महासती डॉ श्री अचनाजी म सा  
M A Phd आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री शातिलालजी मारु  
73/74 बडा सराफा, इन्दौर-452002 (म प्र)

कुल चातुर्मास स्थल (25) सत (22) सतियांजी (77)  
कुल ठाणा (99)

## 7 आन्ध्र प्रदेश प्रान्त

### सत समुदाय

- 1 सिक्द्राबाद (आन्ध्रप्रदेश)  
वपस्वी श्री जीवराजजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—  
Shri S Hastimalji Munot  
7-2 832 Pot Market  
SECUNDRABAD 500 003 (A, P)  
Tel No 824077, 834408

- 2 कामारेड्डी (आन्ध्रप्रदेश)  
तरुण तपस्वी श्री विमलमनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र—  
Shri Bhikamchandji Jain  
Mahavir Jain School Sirsila Road,  
P O KAMAREDDY-503 111  
Distt Nizamabad (A P)  
Tel No 2135, 2811, 2551

कुल चातुर्मास (2) सत (5) कुल ठाणा (5)

## 8 गुजरात प्रान्त

### सत समुदाय

- 1 सूरत (गुजरात)  
परुल श्री सुरेशमुनिजी म सा 'शास्त्री' ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री लहरीलाल डालचंद एण्ड व,  
सी 1004, सूरत टेक्सटाइल्स मार्केट  
रिंग रोड, सूरत-395002 (गुजरात)

### महासतियांजी समुदाय

- 2 शाहोबाग-अहमदाबाद (गुजरात)  
1 विदुषी महामती श्री सूबाजी म सा  
2 विदुषी महामती श्री संतप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (6)

सम्पन्न सूत्र—श्री राजमल वानूया  
C/o शाह छोगडमल मुलतानमल कानूगा,  
जामुद सेनेटोरियम, जैन मंदिर के पास,  
गिरधर नगर, शाही बाग,  
अहमदाबाद (गुजरात) 380004

कुल चातुर्मास (2) सत (2) सतियांजी (6) कुल ठाणा (8)

अभंग सच के अन्य एकल विहारी सत-सतियांजी

### सत समुदाय

- 1 गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश)  
मधुर वक्ता श्री दीपचंदजी म सा ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जे डी जैन  
जैन रोलिंग मिल्स के वी 45 बक्व नगर  
गाजियाबाद 201001 (उ प्र)  
फोन न 840001, 8712541

2. पेंची (म. प्र.)

वयोवृद्ध श्री मोहन मुनिजी म.सा. (कोटा समुदाय)  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री महावीरप्रसाद जैन  
मु.पो. पेंची जिला-गुना म.प्र. 473 115

3. सम्मेद शिखरजी (बिहार)

पं. रत्न श्री नवीन मुनिजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्व कल्याण केन्द्र  
मधुवन, शिखरजी, जिला गिरिडीह  
(बिहार) 825329

4. लुधियाना (पंजाब)

श्री तिलोक मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

5. कोट (हरियाणा)

सेवाभावी श्री पदममुनिजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री नेमचन्द गुरु भवन,  
मु.पो. कोट वाया (बरवाला) जिला अम्बाला  
(हरियाणा) 134178

महासतियाँजी समुदाय

6. राजस्थान में योग्य स्थल (राज.)

वयोवृद्ध महासती श्री रतनकुंवरजी म.सा. (कमल)  
ठाणा (1)

7. लुधियाना (पंजाब)

महासती श्री सिधुवालाजी म.सा. ठाणा (1)

8. पंजाब में योग्य स्थल (पंजाब)

महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा (3)

कुल चातुर्मास (8) संत (8) सतियाँ (5) कुल ठाणा (10)

नोट—इनके अलावा भी लगभग 5-6 अन्य एकल विहारी संत सतियाँजी म. हैं। जिनके बारे में कोई सूचना प्राप्त नहीं हो सकी। हो सकता है वे गृहस्थ भी बन गये हों या संयमी जीवन में होंगे तो उनके बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

—सम्पादक

श्रमण संघ में कुल

कुल चातुर्मास संतों के	} 214	कुल संत	206
कुल चातुर्मास सतियों के		कुल सतियाँ	674
कुल	214	कुल	880

कुल चातुर्मास स्थल (214) संत (206) सतियाँजी (674)  
कुल ठाणा (880)

श्रमण संघ प्रान्तवार संक्षिप्त तालिका 1992

क्र.सं.	प्रान्त	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1.	राजस्थान	50	53	172	225
2.	तमिलनाडु	5	6	14	20
3.	कर्नाटक	8	17	19	36
4.	महाराष्ट्र	46	36	144	180
5.	उत्तरभारत प्रान्त	70	60	240	300
6.	मध्यप्रदेश	25	22	77	99
7.	आन्ध्रप्रदेश	2	5	—	5
8.	गुजरात	2	2	6	8
	अन्य सकल विहारी	7	5	2	7
	कुल योग	214	206	674	880

- नोट—1. श्रमण संघ के आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋषीजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् तृतीय पट्टधर के रूप में आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म.सा. को श्रमण संघ का नया आचार्य बनाया गया है।
2. अभी तक भी श्रमण संघ के लगभग 150 संत सतियों की सूची प्राप्त नहीं हो सकी।
3. समयभाव के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।
4. श्रमण संघ की जैन पत्र-पत्रिकाएँ—(1) सुधर्मा अहमदनगर (2) आत्म रश्मि लुधियाना (3) गोयम मालेर कोटला (4) धर्म ज्योति भीलवाड़ा (5) अहिंसा दर्शन उज्जैन (6) तपोधन भीलवाड़ा (7) विजय ज्योति अलवर (8) शातीलोक मेरठ (9) जैन प्रकाश दिल्ली (10) महावीर मिशन दिल्ली
5. श्रमण संघ की सूची चातुर्मास प्रारंभ होने के 20 दिन बाद प्राप्त होने से समयभाव के कारण अधिक जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सका।

—सम्पादक



जय आत्म

जय भानु

जय दशरु

श्रमण सभ के द्वितीयपट्टधर आचार्य मन्माट श्री ज्ञानदशरुपित्री म मा म आगातुषर्तो श्रमण मणीय मया  
 सरनात्मा प रत्न मयुर वषता श्री गुदन ऋषित्री म मा, आजन्मी प्रसिद्ध वषता प रत्न  
 श्री आदश ऋषित्री म मा आदि टाणाआ (8)वा घार-बम्बई म मा 1992  
 का चतुर्मास ज्ञान दशन चारित्र एव तप की वाराधनाआ म  
 यणस्त्री एव ऐतिहासिक धनन की शुभ मयनकामनाएँ करन हूए-

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



फोन नं 542509

# पंजाब जैन भ्रातृ सभा

काशीराम स्मृति भवन

अहिंसा भवन, अहिंसा मार्ग, (14-ए रोड),

खार रोड (पश्चिम)

बम्बई-400052 (महाराष्ट्र)

## स्वतंत्र सम्प्रदाएँ

श्री साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य प्रवर श्री हुकसीचंदजी म. सा. के समुदाय के अष्टम् पट्टधर समताविभूति, आगम निधि, जिनशासन प्रद्योतक, धर्मपाल प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, विद्वद् शिरोमणि, चारित्र चूड़ामणि आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म. सा. एवं भावी संघ नायक तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (50) संत (40) सतियाँजी (254) कुल ठाणा (294)

### संत समुदाय

#### 1. उदयरामसर (राजस्थान)

1. समता विभूति, धर्मपाल प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, जिनशासन प्रद्योतक विद्वद् शिरोमणि, चारित्र चूड़ामणि, आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा.

2. भावी संघ नायक, तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ, युवा शिरोमणि, पं. रत्न युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा.

3. घोर तपस्वी श्री अमरमुनिजी म.सा.

4. शासन प्रभावक श्री धर्मेश मुनिजी म.सा.

5. मयूर व्याख्यानी श्री महेंद्रमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (12)

चातुर्मास स्थल—समता भवन, उदयरामसर

सम्पर्क सूत्र—श्री रतनलालजी जैन

C/o श्री सम्पतलालजी सिपानी

मु.पो. उदयरामसर, बाया जिला वीकानेर

(राजस्थान) फोन नं. 22, 25, 38

#### 2. बीकानेर (राजस्थान)

शासन प्रभावक संघ संरक्षण श्री इन्द्रचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री नथमलजी तातेड़

दस्ताणियो का चौक, बीकानेर-334005

(राजस्थान) फोन सेठियाजी 5812, 4124

#### 3. बड़ी सादड़ी (राजस्थान)

विद्वद्ध्य श्री सेवन्तमुनिजी म.सा आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रकाशचन्दजी मेहता

मु.पो. बड़ी सादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

312403

#### 4. रतलाम (मध्यप्रदेश)

स्थविर प्रमुख विद्वद्ध्य श्री शांति मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री रत्नचन्दजी कटारिया

74 नौलाईपुरा, रतलाम (म.प्र.) 457001

#### 5. निम्वाहेड़ा (राजस्थान)

आगम व्याख्याता श्री कंवरचन्दजी म.सा

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सागरमलजी चपलोट

नवावगंज, मु.पो. निम्वाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़

(राजस्थान) 312601 फोन नं 123

#### 6. नोखागांव (राजस्थान)

स्थविर प्रमुख विद्वद्ध्य श्री प्रेमचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

- सम्पक सूत्र—श्री उदयचन्दजी झागा, गाधी चौक  
मु पो नाडा, जिला बीकानेर (राज) 334803
- 7 भीनासर (राजस्थान)  
स्वयंवर प्रमुख व्याख्याता श्री पारममुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री बालचन्द्रजी गेठिया, श्री जवाहर जी  
विद्यापीठ, मु पो भीनासर  
जिला बीकानेर (राज) 334403
- 8 जयनगर (राजस्थान)  
द्विद्वय श्री सम्पतमुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री शांतिलालजी रावा  
मु जयनगर पोस्ट शभूगड  
जिला भीलवाडा (राजस्थान)
- 9 झारू (राजस्थान)  
आदश त्वाणी श्री रणजीतमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री शेषचरणजी तुणिया, मु पा झरू  
बाबा बालायत, जिला बीकानेर (राज)
- 10 जयपुर (राजस्थान)  
स्वयंवर प्रमुख द्विद्वय श्री पानमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—श्री उमरावमलजी चौरडिया म श्री  
मायती बाना वा रास्ता, जयपुर-302003  
(राजस्थान)  
फान न 47650 लाल भवन 62414  
चातुमास स्थल—श्री ब र्सा जैन श्रावक सघ लाल भवन  
चौडा रास्ता, जयपुर 302003 (राज)
- 11 पोपलिया मण्डो (मध्यप्रदेश)  
घार तनस्वी श्री बलमद्रमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री सुरेशकुमार धामचा  
मु पा पोपलिया मण्डो  
जिला मन्दावी (मप्र) फान न 38  
महासतिथियाँ समुदाय
- 12 मन्दावी (नई आबादी) (मध्यप्रदेश)  
शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री बल्लभकुवरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र—श्री चादमलजी पारवाल  
राड न 3, नई आबादी, मन्दावी 458001  
(मध्यप्रदेश)
- 13 भीनासर (राजस्थान)  
1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री पानकुवरजी म सा  
2 शासन प्रभाविका महासती श्री बचनकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पक सूत्र—श्री रागाचंदी गठिया मु सा भीनासर  
बाबा जिला बीकानेर (राजस्थान)
- 14 श्यावर (राजस्थान)  
शासन मदा र्मा, न स्वयंवर महासती  
श्री सम्पतकुंवरजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पक सूत्र—श्री नाथुमार्गी जन सघ  
जानत भवन, जैन मिन मण्डल, महावीर बाजार,  
श्यावर, जिला मन्दावी (राज) 305901
- 15 नोछा (राजस्थान)  
शासन प्रभाविका महासती श्री बेशरकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—उदराल प्रभाव 6 वे अंगुठार
- 16 उदयपुर (राजस्थान)  
शासन प्रभाविका महासती श्री धारुद्वरजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पक सूत्र—श्री बरणासिंहजी सिगादिया  
29 पानाग्राउण्ड, उदयपुर 313001  
(राजस्थान) फान न 26397
- 17 देशनोक (राजस्थान)  
1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री पणकुवरजी म सा  
2 श्यामप महासती श्री फलकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (11)  
सम्पक सूत्र—श्री डालचन्दजी भूर, मु पा देशनोक  
जिला बीकानेर (राज) 334801
- 18 सिधनूर (कर्नाटक)  
शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री नालकुवरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र—  
Shri Rikhabchand Sohanlal Bohra  
P O SINDHNUR - 584128  
Distt Raichur (Karnataka) Tel No 232

19. उदयरामसर (राजस्थान)  
 1. स्थविरा महासती सरलमना श्री धापूकुंवरजी म.सा.  
 2. विदुपी महासती श्री सरदारकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (17)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री उपरोक्त क्रमांक (1) अनुसार  
 (नोट—महासती श्री धापूकुंवरजी म.सा. आचार्य  
 श्रीजी की सासारिक बड़ी बहिन हैं)
20. वीकानेर (राजस्थान)  
 1. शासन प्रभाविका विदुपी महासती  
 श्री भवरकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (11)  
 सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (20) के अनुसार
21. देवरिया (राजस्थान)  
 शासन प्रभाविका विदुपी महासती श्री संपतकुंवरजी  
 म.सा. आदि ठाणा (4)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री सोहनलालजी नवलखा  
 मु.पो. देवरिया, वाया कोशीथल  
 जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)
22. जयपुर (राजस्थान)  
 शासन प्रभाविका महासती श्री सायरकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (3)  
 चातुर्मास स्थल—रतन स्वाध्याय भवन  
 तख्तेगाही रोड,  
 सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक नं (10) के अनुसार
23. जयपुर सिटी (राजस्थान)  
 विदुपी महासती श्री चेतनश्रीजी म.सा.  
 आदि ठाणा (3)  
 चातुर्मास स्थल—बार्ह गणगौर स्थानक  
 सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (10) के अनुसार
24. दुर्ग (मध्यप्रदेश)  
 शासन प्रभाविका महासती श्री इन्द्रकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (13)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री शंकरलालजी बोथरा, सदर बाजार  
 दुर्ग-491001 (म.प्र.)
25. इन्द्रावड़ (राजस्थान)  
 सेवाभाविकी महासती श्री बदामकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री सज्जनसिंहजी सिमोदिया  
 मु.पो. इन्द्रावड़, वाया मेड़ता मिटी  
 जिला नागौर (राजस्थान) 341510
26. छोटी सादड़ी (राजस्थान)  
 सेवाभाविकी महासती श्री सुमतिकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (4)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री सुजानमल चावत, मु.पो. छोटीसादड़ी  
 जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)
27. गंगाशहर (राजस्थान)  
 सेवाभाविकी महासती श्री रोगनकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (8)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री महेन्द्रकुमारजी मिश्री, नई लाइन  
 मु.पो. गंगा शहर जिला वाया वीकानेर (राज.)  
 334401
28. बल्लारी (कर्नाटक)  
 विदुपी महासती श्री सूर्यकाताजी म.सा.  
 आदि ठाणा (6)  
 सम्पर्क सूत्र—  
 Shri B. Surendra Baena  
 25, Car Street, BELLARY - 583101  
 (Karnataka)
29. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)  
 आदर्श त्यागिनी महासती श्री कस्तूरचन्दजी म.सा.  
 आदि ठाणा (8)  
 सम्पर्क सूत्र श्री बंगीलालजी पोखरना  
 मेसर्स गौतम बलाथ स्टोर्स, 3-ए नेहरू नगर  
 चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 322001
30. अमलनेर (महाराष्ट्र)  
 सेवाभाविकी महासती श्री गंगावतीजी म.सा.  
 आदि ठाणा (7)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी छोगमल पारख  
 मु.पो. अमलनेर, जिला जलगाव (महाराष्ट्र)  
 425401 फोन आफिस 178, निवास 172
31. इन्दौर (पलासिया) (मध्यप्रदेश)  
 विदुपी महासती श्री मगलाकुंवरजी म.सा.  
 आदि ठाणा (4)  
 सम्पर्क सूत्र—श्रीमती प्रेमलता बोहरा  
 4 डॉ. आर.एस. भण्डारी मार्ग,  
 इन्दौर-452002 (म.प्र.)

उत्तराधिवारी नवम ५४धर के रूप में युवा तपस्वी रत्न श्री रामलालजी ममा का मघ का युवाचाय मनानीत दिया हुआ मघ के भावी नायक हागे। युवाचाय श्रीजी न जन से आचायश्रीजी के सान्निध्य में दीक्षा ग्रहण की तब से आज तक आचायश्रीजी के साथ ही सभी चातुर्मास सम्पन्न विय हैं। इसके अलावा आचायश्रीजी ने पाँच मुनिराजा का म्पवर प्रमुख एवं शान्त प्रभाव श्री इन्द्रचदर्जी ममा का मघ सरक्षण पद प्रदान विय हैं इस वष युवाचाय चादर महालव 7-3-92 का जाधपुर में सम्पन्न हुआ।

3 आचाय प्रवर के सान्निध्य में इस वष जा दा बाप बहुत ही महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक हुए, वह प्रथम बीजानर के इतिहास में 16-2-92 का एव साथ एक जगह (21) नई दीक्षाया का होना। द्वितीय मघ मगधन एवय रूपता ता बल प्रदान करने हेतु मघ का भावी मघ नायक के रूप में श्री राममुनिजी ममा का युवाचाय पद प्रदान करना तथा अम 5-6 मुनिराजों का प्रमुख पद प्रदान करना, मघ मगधन तकबूत बनान का ऐतिहासिक पदम उठाया है।



हृ शि उ चो श्री ज ग नाना  
राम चमकसी नानु समाजा

नानगन्डाधिपति तपस्वीराज परम पूज्य गुरदव श्री चपालाल जी ममा आदि ठाणाया का भाचौर (राज) में 1992 का चातुर्मास मानद सुखमय सम्पन्न हनिष्की मगल कामनाएँ करत हुए—

**K. Amarchand Jeevraj**

No 80 G No 10th Street,  
ULSOOR BANGALORE  
560008 (Karnataka)

—शुभेच्छक—

**जीवराज अशोकचद लोढ़ा**

(वर निवासी), बैंगलोर

मानाधिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मातण्ड परम पूज्य आचाय प्रवर श्री हन्मिमलजी ममा का बाटी-बोटी बदन करने हुए-वर्तमान आचाय परमपूज्य श्री हीराचद जी ममा आदि ठाणाओं का बालातरा (राज) में सन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मगल कामनाएँ करत हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित !

**M Shantilal Jain**

No 4, Magadi Road  
Opp Chok Post  
Near K H B Colony  
BANGALORE 560079 (Karnataka)

माणकचद, शातिलाल, रिखवरराज, सुनील लोढ़ा  
(नाडसर निवासी), बैंगलोर

ज्ञान - गच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल-ब्रह्मचारी,  
चारित्र चूड़ामणि, प्रखर वक्ता, पं. रत्न श्री चम्पालालजी म.सा.  
के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (59) संत (39) सतियाँजी (280) कुल ठाणा (319)

### संत समुदाय

#### 1. सांचौर (राजस्थान)

1. ज्ञानगच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल-  
ब्रह्मचारी चारित्र चूड़ामणि, प्रखर वक्ता  
श्री चंपालालजी म.सा.

2. श्रुतधर पं. रत्न विद्वदर्य श्री प्रकाश मुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री आर. हरखचंदजी डोशी  
मु.पो. सांचौर, जिला जालौर (राजस्थान)  
343 041

#### 2. भादसोड़ा-मेवाड़ (राजस्थान)

सेवाभावी श्री सौभाग्यमलजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मनोहरलालजी पोखरना मंत्री  
श्री व.स्था. जैन श्रावक सघ जैन स्थानक  
मु.पो. भादसोड़ा, जिला चित्तौड़गढ़  
राजस्थान-312 024 फोन नं. 42

#### 3. झाब (राजस्थान)

विद्वदर्य श्री सागरमलजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वस्तीमलजी मेहता  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, मु.पो. झाब जिला  
जालौर (राजस्थान)

#### 4. जोधपुर (राजस्थान)

पं. रत्न श्री धेवरचंदजी म.सा. "वीर पुत्र"  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री धींगडमलजी गिडिया  
रायपुर हाउस कपड़ा बाजार, जोधपुर (राजस्थान)  
342 001 फोन 26145, 21866

#### 5. धुलिया (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यानी श्री उत्तम मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अशोक कुमारजी कोटेचा  
जूना धुलिया (महाराष्ट्र)-424 001

#### 6. बालोतरा (राजस्थान)

मधुर वक्ता श्री तेज मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री धनराजजी चौपड़ा,  
मुकन भवन, महावीर चौक, मु.पो. बालोतरा  
जिला बाड़मेर (राजस्थान) 344022

#### 7. वल्लभनगर (राजस्थान)

धर्मोपदेष्टा श्री मथुरा मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मोहनलालजी निमड़िया  
मु.पो. वल्लभ नगर जिला उदयपुर (राज)  
313601 फोन नं. 37 पी.पी.

#### 8. कांधला (उत्तरप्रदेश)

महात्माजी श्री जयंतीलालजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुलवत राय जैन  
मेसर्स-संजय जैन कन्फेक्शनरी जैन मंदिर के पास  
पुष्पा भवन, मु.पो. कांधला जिला मुजफ्फर-  
नगर (उ.प्र.) 247 775  
फोन नं. (0123481) 259

#### 9. रतलाम (मध्यप्रदेश)

मधुर व्याख्यानी श्री नवरत्न मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मणिलालजी शंभुलालजी तरसिंग  
31 नीम चौक, रतलाम (म.प्र.)-457 001  
(म.प्र.) फोन नं. 20744

## महासतिर्यांजी समुदाय

- 10 मिर्जा (राजस्थान)  
वयोवद्धा स्वविरा महामती श्री माधव कुंवरजी म मा  
जादि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाण्डुरामजी रावण, पाद के अन्दर  
मु पा मिराभासिता बाडमेर (राज) 343041
- 11 देसाणेर (राजस्थान)  
उयावृद्धा स्वविरा महामती श्री मंगल कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री भैरवराजजी भूग  
मु पा, उगनाम जिता बीकानेर (राज)  
334901
- 12 गगाशहर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री मनाहर कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री घेवरवदनी रामराजजी वायरा  
वायरा चौक, मु पा, गगा शहर  
वाया-जिता बीकानेर (राज)-334401
- 13 नोखा मण्डी (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री प्रेम कुँवरजी म मा  
जादि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दीपवदनी पावूदानजी पीचा,  
मु पा, नोखा मण्डी, जिता बीकानेर (राज)  
334803
- 14 भादसोडा (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री भीरम कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-उपराम्म शमाक 2 के अनुसार
- 15 साचौर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री विनय कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-उपराम्म शमाक 1 अनुसार
- 16 बडीत (उत्तरप्रदेश)  
वयावृद्धा महामती श्री प्रेम कुंवरजी म मा  
विदुषी महामती श्री भैरव कुँवरजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री बघमान मेडियन स्टोत  
मु पा, बडीत, जिता मेरठ (उ.प्र)
- 17 रायपुर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री सुधाति कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री तूपवर्णजी जैन, अध्याय  
श्री व स्या जैन थावन मण, महाराज भवन  
तावापाग रायपुर (मध्यप्रदेश) 492001  
फान न 525471, 525402
- 18 मनमाड (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री वचन कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (14)  
सम्पन्न सूत्र-श्री धमालाजजी अशाज कुंमारजी गिा,  
"स्यरूप" गिनाजी चौक, मनमाड (महाराष्ट्र)  
423014 फान न आदिम 2351  
निवाम 2451
- 19 नागौर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री अमर कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री मदनराजजी दुनीवदनी वांकरिया,  
वांहरियो वा चौक, मण्डारियो की पोत  
नागौर (राज)-341 001
- 20 पानीपत (हरियाणा)  
विदुषी महामती श्री छपन कुँवरजी म मा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा  
पानीपत (हरियाणा) 132 103
- 21 मोखुवा (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री आम कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रोशनलाल प्रवाजवद पोखरना  
मु पा मांजुन्दा, जिता भीनवाडा (राज)
- 22 मावली जयान (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री महर कुंवरजी म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री माहालाल पंतरलाल छटोड  
मु पा मावली जयान, जिता उदयपुर (राज)

23. भवानीमंडी (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री त्रिशला कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री चदालालजी जैन अध्यक्ष  
श्री व स्या. जैन श्रावक संघ स्टेजान रोड,  
भवानी मंडी (राजस्थान)

24. झालरापाटन (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री अरविन्द कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री बलवंतसिंहजी चौरडिया  
मु.पो. झालरापाटन, जिला-झालावाड़ (राज)  
326023 फोन पी.पी. 7105, 7305.11

25. चौमहला (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुमन कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सागरमलजी जैन  
C/o मेसर्स जैन मेडिकल स्टोर्स, मु.पो. चौमहला-  
326 515 जिला झालावाड़ (राजस्थान)  
फोन न 23 पी.पी.

26. भोपालपुरा उदयपुर (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री रमाकुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री भंवरलालजी कटारिया  
343 भोपालपुरा-उदयपुर (राज) 313 001

27. नागपुर (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री प्रवीण कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री नवलचंदजी पुंगलिया अध्यक्ष  
इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र)-440 001  
फोन न. 47371 47283 पी.पी.

28. बालोद (म.प्र.)

विदुषी महामती श्री चन्द्रकान्ताजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री भोमराजजी खेतमलजी श्रीमाल  
काँय मचेंद मु.पो. बालोद (म. प्र.)

29. खैरागढ़ (म.प्र.)

विदुषी महासती श्री सुबोध प्रभाजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री पारसमलजी गौतमचंदजी चौपड़ा  
मु.पो. खैरागढ़, जिला राजनादगांव (म.प्र.)

30. मुजफ्फरनगर मण्डी (उ.प्र.)

विदुषी महासती श्री शुभमतीजी म.सा

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री विनोद कुमारजी क्रांतिनाथजी जैन  
वैकर्स, न्यू मण्डी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251001  
फोन नं 3522, 3122

31. अमीनगर सराय (उत्तरप्रदेश)

विदुषी महामती श्री इन्दुमतिजी म.सा आ ठा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री रामसिंहजी जैन अध्यक्ष  
श्री एस. एस. जैन सभा,  
मु.पो. अमीनगर सराय, जिला मेरठ  
(उ.प्र.)-250 604

32. जिन्द (हरियाणा)

विदुषी महासती श्री जयप्रभाजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री अशोक ट्रेडिंग कम्पनी,  
जनता बाजार, मु.पो. जिंद (हरियाणा) 126102

33. कानाना (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री पुष्प कुँवरजी म.सा. आ ठा. (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री चंपालाल भेरूलाल जैन  
मु.पो. कानाना 344023 जिला ? (राज)

34. पादरू (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुमनवतीजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिनेश कुमार अमृतलाल बालड़  
मु.पो. पादरू, जिला बाड़मेर (राज.) 344801

35. राजस्थान उपाश्रय-अहमदाबाद (गुज.)

विदुषी महासती श्री कमलेश कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (11)

सम्पर्क सूत्र—श्री राजस्थान जैन संघ, हठी भाई की  
वाडी के सामने, दिल्ली दरवाजा बाहर  
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज.)



- 36 समदही (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री कमलावतीजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री मुलतानमलनी गण्डारी  
मु पा समदही जिला-बाडमेर (राज)
- 37 सीतामऊ (उत्तरप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री वनावतीजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री व म्या जै श्रावक सथ जैन स्वानव  
मु पा सीतामऊ जिला-मदमीर (उ प्र)
- 38 करजू (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री राजीमतीजी ममा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जै श्रावक मप,  
मु पा करजू, स्टेशन दनोदा, जिला मदमीर  
(म प्र)-458 667
- 39 वीरा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री विदुमतीजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री माधवजी वरमचदजी  
मिविल बाइस, वीरा (राज)-325 205  
फोन न 2037-2027
- 40 पोटला (मेवाड) (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री नममलजी शातिलालजी जैन  
मु पा पाटना (मेवाड) जिला भीलवाडा  
(राजस्थान)
- 41 उधना (सूरत) (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री निमला कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री चादमलजी वण्ट  
मेसस भगवती वनाय एम्बोरियम,  
उधना मेनरोड, तीन रास्ता, महावीर बाजार,  
उधना (सूरत) (गुजरात) फोन न 89171
- 42 दौंडाडचा (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री आनन्द कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री शातिलालजी चौरडिया  
मेसस शातिलाल वाणिजाल एण्ड व,  
मु पा दौंडाडचा (महाराष्ट्र) जिला 7
- 43 जलगांव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री उर्मिना कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पक सूत्र-श्री सुवरलालजी वावरिया  
मेसस नवजीवन प्रोव्हिजन स्टोम,  
जलगांव (महा) 425 001 फोन 24670
- 44 सताना (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री गिरामणिजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री पारममलजी बण्डालिया  
सम्पक दर्शन रायनिय, सताना-457 550  
जिला रतनाम (म प्र)
- 45 सासलगांव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री सुधाप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र-श्री मागीनानजी ब्रह्मेचा,  
मु पा सासनगांव, जिला नासिक (महाराष्ट्र)  
फोन न 106
- 46 अमरावती (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री हयदाजी ममा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री इन्द्रचंद वसन्तीनाल गालेडा  
4, चापोरकर कम्पलेक्स, राजवमन चौक  
अमरावती (महाराष्ट्र)
- 47 बूबाना (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री शारदाजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री हेमराजजी जानवदजी गूणले,  
मु पा बूबाना, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)
- 48 सनवाड़ (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सूरज कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री नरेशचंद्रजी जैन  
मु पा सावाड, तिला-उदयपुर (राज)

49. देलवाड़ा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री स्नेह प्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री कन्हैयालालजी रोशनलाल जी पामेचा,  
मु. पो. देलवाड़ा वाया  
जिला उदयपुर (राजस्थान)

50. जाशमा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कैलाशकुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री मीठूलालजी साखला  
मु.पो जाशमा, वाया कपासन  
जिला चित्तौडगढ़ (राजस्थान)-312 202

51. घासा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शाताकुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री देवीलालजी परमार  
मु.पो घासा, जिला उदयपुर (राज)

52. नाई (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री ताराभतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था. जैन श्रावक मध, जैन स्थानक  
मु.पो. नाई, जिला उदयपुर (राज.)

53. जोधपुर (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री लक्ष्मी कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 4 अनुसार

54. शास्त्रीनगर-जोधपुर (राजस्थान)

विदुषी महामती श्री गुणवालाजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—मंत्री श्री सुधर्म जैन श्रावक सध  
ए-209 शास्त्री नगर, जोधपुर (राज)

55. मथानिया (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शशीप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री तिलोकचंदजी गिडिया  
वस स्टेण्ड मु.पो. मथानिया मारवाड़  
जिला जोधपुर (राज.)

(56) सालावास (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री आरतीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भीकमचंदजी मोहनलालजी कवाड़  
मु.पो सालावास, जिला जोधपुर  
(राज.)-342 802

57. बालेसर सत्ता (राजस्थान)

विदुषी महामती श्री महेन्द्र कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री भीकमचंद मुन्नालाल साखला,  
मु.पो. बालेसर सत्ता  
जिला जोधपुर (राजस्थान)

58. पचपदरा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री फूलवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री चदनमलजी मागीलालजी चीपड़ा  
मु.पो. पचपदरा सिटी, जिला बाडमेर (राज.)

59. बालेसर (दुगविता) (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कमलेश कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री चन्दनमलजी पारख  
मु.पो. बालेसर (दुगविता) जिला-जोधपुर (राज.)

कुल चातुर्मास संतों के	9	कुल संत	39
कुल चातुर्मास सतियों के	50	कुल सतियाँ	280
	—		—
कुल	59	कुल	319
	—		—

कुल चातुर्मास (59) संत (39) सतियाँ (280)	कुल ठाणा (319)
--	----------------

## सत-सती सुत्तनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतिपां	कुत्त ठाणा
1991 मे कुत्त ठाणा थे	41	271	312
+ नई दोसाएँ हुईं	—	11	11
—महाप्रयाण हुए	41	282	323
	1	2	3
—जानकारी प्राप्त नहीं हुई	40	280	320
	1	—	1
	39	280	319
1991 मे कुत्त ठाणा हैं	39	280	319

विशेष—इस नाम गच्छ गुरुदास म आषाढ पर प्राप्त करने का रिवाज नहीं है परन्तु मघ के पावन गच्छाधिपति ही हैं जो एक तरह का आशाष पदके ममा हो हैं। नाम गज के मघ नायक गच्छाधिपति के रूप में ताम्बी राज था चरानाजजी ममा ही विद्यमान हैं। इस वर्ष आपके मघ धुतधर प राज थी प्रान्त मुनिजी ममा भी साचोर म ही चातुर्मास कर रहे हैं।

इस वर्ष उरदीधित मग नहीं महामतिपांजी (11) शिधा सूती दये। महाप्रयाण हुए मग (1) महामतिपांजी (3) महाप्रयाण सूती दये।

श्री ज्ञान गच्छ मगुदास की जन पत्र-प्रकाशने —

- (1) मग्यु दनन (मासिा हिन्दी) मगगा
- (2) मुधम प्रवचा (मासिा हिन्दी) जोधपुर

जय गच्छाधिपति आषाढ वन्प पूज्य श्री शुभचदनी मसा आदि ठाणाओं का पाली-मारवाट मे एव नाम गच्छाधिपति तपस्वीराज पूज्य श्री चपालासजी मसा आदि ठाणाजा का साचोर (राज) म मन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मगन कामनाएँ करत हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित !

## Kiran Bankers

14 C M S Road  
Laxmipuram Ulsoor  
BANGALORE 560008  
(Karnatka)

—गुमेच्छक—

सुखराज शातीलाल काकरिया

बगलौर

जय-गच्छाधिपति आषाढ वन्प पूज्य श्री शुभचदनी मसा आदि ठाणाजा का पाली-मारवाट (राज) एव नाम गच्छाधिपति तपस्वी राज पूज्य श्री चपालासजी मसा आदि ठाणाजा का साचोर (राज) म मन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मगन कामनाएँ करत हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित !

## L K Jawaharlal

105 G Street Ulsoor  
BANGALORE 560008  
(Karnatka)

—गुमेच्छक—

सोहनलाल चन्द्रप्रकाश मूथा

बगलौर

इवे. स्था. जैन रत्न वंशीय समुदाय के अष्टम् पट्टधर, पुं. रत्न,  
आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी म. सा. एवं उपाध्याय प्रवर  
श्री मानचन्द्रजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (10) संत (13) सतियाँजी (34) कुल ठाणा (47)

### संत समुदाय

#### 1. बालोतरा (राजस्थान)

1. आगमज्ञ, पं. रत्न, चारित्र चूड़ामणि, प्रखर  
वक्ता, महामहिम आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी  
म. सा.

2. ओजस्वी वक्ता श्री शुभेन्द्र मुनिजी म.सा.

3. तत्व चिंतक श्री प्रमोद मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री मीठालालजी "मधुर"

मेसर्स मधुर टेक्सटाइल्स मिल्स

ई-64 औद्योगिक क्षेत्र

बालोतरा-344 002 जिला बाडमेर (राजस्थान)

फोन आफिस 241 निवासाः 459

चातुर्मास स्थल -

श्री व स्था जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक

मु.पो बालोतरा, जिला बाडमेर (राज.)

#### 2. भीलवाड़ा (राजस्थान)

1. मधुर व्याख्यानी प. रत्न उपाध्याय  
श्री मानचन्द्रजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री सुशील कुमारजी गाँधी

मेसर्स ज्योति मेडिकल एजेन्सीज

अस्पताल रोड, भीलवाड़ा-311 001 (राज.)

फोन नं. 6402

चातुर्मास स्थल—श्री व स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्था.

जाति भवन, भूपालगंज, भीलवाड़ा (राज.)

311001

#### 3. गोटन (राजस्थान)

सोचक व्याख्याता श्री जान मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री रतनलालजी कोठारी

मु. पो. गोटन-342902

जिला नागौर (राजस्थान)

#### महासतियाँजी समुदाय

#### 4. जोधपुर (राजस्थान)

1. महास्थविरा सांघवी प्रमुखां प्रवर्तिनी महासती  
श्री वदनकुँवरजी म.सा.

2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री लाड़ कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री अनराजजी बोथरा, मंत्री

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

घोड़ी का चौक, जोधपुर-342 002 (राज.)

फोन न. कार्यालय 24891, निवास 22123

#### 5. दुन्दाड़ा (राजस्थान)

सरल हृदया महासती श्री सायरकुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री मागीलालजी चौपड़ा

मु.पो. दुन्दाड़ा-342801

जिला जोधपुर (राज.), फोन न. 36

#### 6. हिण्डोल सिटी (राजस्थान)

1. शासन प्रभाविका, विदुषी महासती श्री मैना  
मुन्दरीजी म.सा.

2. व्याख्यात्री महासती श्री रतन कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पन्न सूत्र—श्री मूलपदजी जैन, अध्यक्ष  
श्री जैन रत्न हितैषी श्रावण सघ  
ई-31 मोहन नगर, हिण्डोन सिटी-322230  
जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) फ़ोन 127

धातुर्मास स्वतन्त्र—श्री जैन रत्न हितैषी श्रावण सघ  
जैन स्यानक, मुपो हिण्डोन जिला सवाई  
माधोपुर (राज)-322230

### 7 घड़ू (राजस्थान)

सेवाभावी महासती श्री सन्तोष कुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री केशरीमलजी कुचेरिया, अध्यक्ष  
श्री वधमान स्यानकवासी जैन श्रावण सघ  
जैन स्यानक मुपो बहू-341501  
जिला गंगौर (राजस्थान)

### 8 किसानगढ़ (राजस्थान)

शात सेवाभावी महासती श्री शान्ति कुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री कानूंसिंहजी बाफना, अध्यक्ष  
श्री वधमान स्यानकवासी जैन श्रावण सघ  
जैन स्यानक मुपो किसानगढ़ (मदनगढ़)  
जिला अजमेर (राजस्थान)-305801  
फ़ोन दुकान 2080, पितास 2323

### 9 खोह (राजस्थान)

व्याख्यात्री महासती श्री तेजकुवरजी मसा  
(निर्मलावतीजी) आदि ठाणा (3)

सम्पन्न सूत्र—श्री ज्ञानचंदजी जैन  
मुपो खोह-321206 बाया रोणिजापान,  
जिला अलवर (राजस्थान)

### 10 खण्डप (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुशीला कुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री चम्पालालजी बिनाहकिया, मंत्री  
श्री वधमान स्यानकवासी जैन श्रावण सघ,  
मुपो खण्डप-343043 बाया समदही  
जिला बाजमेर (राजस्थान)

कुल धातुर्मास सतों के	3	कुल सत	13
कुल धातुर्मास सतियाँ के	7	कुल सतियाँजी	34

कुल 10 कुल 47

कुल धातुर्मास 10 सत 13 सतियाँजी 34 कुल ठाणा 47

### सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतियाँजी	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	14	35	49
+ नई बीसा हुईं	—	—	—
	14	35	49
—महाप्रयाण हुए	—	1	1
	14	34	48
—समय त्याग किया	1	—	1
	13	34	47
1992 में कुल ठाणा हैं	13	34	47

महाप्रयाण (कालघम) हुए महासती श्री शशीप्रभाजी म  
10-10-91 जोधपुर

समय जीवन त्याग कर गृहस्थ बने—श्री अरहदाम मुनिजी मसा  
मई 1992 जोधपुर

सघ को पत्र-पत्रिकाएँ—

- (1) जिनवाणी (मासिक हिंदी) जोधपुर (राज)
- (2) स्वाध्याय मध, मासिक बुलेटिन जोधपुर (राज)
- (3) स्वाध्याय शिक्षा (हिंदी द्विमासिक) जोधपुर

गुरु हस्ती के दो फरमान ।

सामायिक स्वाध्याय महान् ॥

श्री मज्जैनाचार्य श्री जयमलजी म. सा. की समुदाय के काव्य तीर्थ साहित्य सूरी आगम व्याख्याता आचार्य प्रवर श्री लालचन्दजी म. सा. के पट्टधर वर्तमान जय गच्छाधिपति प्रशांत मूर्ति आचार्य कल्प श्री शुभचन्दजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (12) संत (6) सतियाँजी (34) कुल ठाणा (40)

### संत समुदाय

1. पाली-मारवाड़ (राज.)  
जय गच्छाधिपति, स्वामी प्रवर, प्रशांत मूर्ति,  
पं. रत्न आचार्य कल्प श्री शुभचंदजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री छोटमल रूपचंद धारीवाल  
न्यू क्लॉथ मार्केट पाली-मारवाड़ (राज.)  
306401  
चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ  
शाहजी का चौक पाली-मारवाड़ (राज.) 306401
2. अजमेर (राजस्थान)  
कर्मठ अध्यक्षायी श्री गुणवत् मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ  
महावीर भवन, लाखन कोटड़ी  
अजमेर (राजस्थान)-305001  
महासतियाँजी समुदाय
3. पिपाड़ सिटी (राजस्थान)  
वयोवृद्धा महा स्थविरा महासती श्री नन्दकुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मांगीलालजी चौपड़ा  
मु.पो. पिपाड़ सिटी, जिला जोधपुर (राज.)  
342601
4. मसूदा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुगन कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)
5. जवाजा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुमित कुँवरजी म.सा. आदि  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अम्बालालजी नावरिया,  
मु.पो. जवाजा, जिला अजमेर (राज.)
6. भटिण्डा (हरियाणा)  
विदुषी महासती श्री शारदा कुँवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जन संघ,  
मु.पो. भटिण्डा (हरियाणा)
7. कुचेरा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सन्तोष कुँवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
C/o श्री गुलाबचंदजी नाहर, मु.पो. कुचेरा  
जिला नागौर (राज.)
8. बावड़ी (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री शील प्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री लाहूलालजी भण्डारी,  
मु.पो. बावड़ी (लवेरा) जिला जोधपुर (राज.)
9. पाली-मारवाड़ (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री शांति कुँवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री छोटमलजी रूपचंदजी धारीवाल  
न्यू क्लॉथ मार्केट, पाली (राज.)  
306401

10	अजमेर (राजस्थान) विदुषी महासती श्री अक्ल कुँवरजी म मा आदि ठाणा (4) सम्पक सूत्र-श्री अमालक चदजी सुराना मे रमेश डेयरी फाम, मदार, गेट के भीतर, अजमेर-305001 (राज)			
11	नागौर (राजस्थान) वयोवृद्धा महासती श्री पतास कुँवरजी म मा (मकारण) आदि ठाणा (2) सम्पक सूत्र-श्री तजराजजी तातेड, लोडा का चौक, मु पो नागौर (राजस्थान)-341001			
12	सोजत रोड (राजस्थान) वयोवृद्धा महासती श्री धाप्रू कुँवरजी म मा (सकारण) ठाणा (1) सम्पक सूत्र-श्री मंगीतालजी गंधी मेसस गंधी टेक्सटाइल मु पो माजन राड, जिला पाली (राज) 306103			
	कुल चातुर्मास सतों के	2	कुल सत	(6)
	कुल चातुर्मास सतियों के	(10)	कुल सतियाँ	(34)
		कुल 12	कुल	40
	कुल चातुर्मास (12) सत (6) सतियाँ (34) कुल ठाणा			(40)

सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतिया	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	6	33	39
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	2	2
	6	35	41
महाप्रयाण हुए	—	1	1
	6	34	40
1992 में कुल ठाणा हैं	6	34	40

नई दीक्षाएँ हुई—महासती श्री सम्यक प्रभाजी म मा  
महामती श्री वनन प्रभाजी म मा  
जन पत्र-पत्रिकाएँ—स्वाध्याय मगम (मासिक हिन्दी) जाधपुर

साल गुरु का यह सदेश ।  
आगम का हो स्वाध्याय हमेशा ॥

सभी पूज्य आचार्यों  
साधु-माध्वियाजी की  
बोटि-कोटी वन्दन ।  
हादिय शुभकामनाओं सहित—

**गुलजारीलाल गणेशलाल**  
**सिसोदिया जैन**

मु पो धायला वाधा नाथद्वारा  
जिला राजगमद (राजस्थान)

**सिसोदिया इलेक्ट्रीक एण्ड**

**हार्डवेयर स्टोर्स**

इन्द्रा रोड, दुकान नं 79

वन्दना हीटल के नीचे  
नाथद्वारा जिला राजसंसद (राजस्थान)

सभी पूज्य आचार्यों  
साधु-माध्वियों को  
बोटि-कोटी वन्दना

हादिय शुभकामनाओं सहित—

**कानमल भँवरलाल चौपडा**

धान मण्डी

जावद वाया नीमन

जिला मन्दासौर (म प्र)

458 330

स्वाध्याय शिरोमणि, आसुकवि, मरुधर छवि, मधुर प्रवक्ता  
पं. रत्न प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती सन्त-  
सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (4) संत (6) सतियाँजी (11) कुल ठाणा (17)

### संत समुदाय

#### 1. भिनाय (राजस्थान)

स्वाध्याय शिरोमणि आसुकवि, मरुधर छवि,  
मधुर प्रवक्ता, पं. रत्न प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. भिनाय  
जिला अजमेर (राजस्थान)

### महासतियाँजी समुदाय

#### 2. अंटाली (राजस्थान)

साध्वी प्रमुखा, विदुषी महासती श्री जयवंतकुवरजी  
म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
मु.पो. अंटाली, जिला भीलवाड़ा (राज.)

#### 3. गोविन्दगढ़ (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री घेवर कुँवरजी म.सा. M. A.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. गोविन्दगढ़  
जिला अजमेर (राजस्थान)

#### 4. कँवलियास (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. M. A.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. कँवलियास  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)  
(नोट—दो अन्य महासतियाँजी भी M.A. हैं)

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँ	11
	कुल 4		कुल 17

कुल चातुर्मास (4) संत (6) सतियाँ (11) कुल ठाणा (17)

तुलनात्मक तालिका 1991 अनुसार

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण (नहीं)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ:—

स्वाध्याय सन्देश (मासिक हिन्दी)  
गुलाबपुरा (राज.)

युग की आवाज संवत्सरी एक हो



सभी सत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन



हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



Tel Offi —310691, 2064263  
Res: —3681506, 3681510

Gram SUNSHADE BOMBAY

Telex 11-73948 UMB IN, BOMBAY, (INDIA)

**M/s NAGRAJ CHANDANMAL & Co.**

**M/s NEO EXPORTS (PALGHAR)**

MFGRS—Folding Umbrellas

Offi 39, Vithalwadi Bombay—400 002 (India)

Fact Tiwari Industrial Estate  
Boisar Road Palghar Dist Thana—401 404 (India)

पूज्यपाद चारित्र चूड़ामणि, व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक सुधारक श्री मदनलालजी म. सा. के सुशिष्य शासन प्रभावक, वर्तमान संघ नायक, प्रसिद्ध वक्ता, पं. रत्न, नवयुवक धर्म प्रेरक, महामहिम श्री सुदर्शनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-मुनिराज म. सा.

कुल चातुर्मास (6) संत (25) कुल ठाणा (25)

### संत समुदाय

#### 1. शालीमार बाग-दिल्ली

1. शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक धर्म प्रेरक, वर्तमान संघ नायक महामहिम पं. रत्न श्री सुदर्शनलालजी म.सा.
  2. मधुर व्याख्यानी श्री शांति मुनिजी म.सा
  3. विद्वद्वर्य श्री जय मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (7)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री एस. एस. जैन सभा,  
ब्लाक वी. के आर. (पश्चिमी) 11-A शालीमार  
बाग, दिल्ली-110 054  
फोन न. 7129364

#### 2. सुन्दर नगर-लुधियाना (पंजाब)

1. प्रज्ञामर्हिषि शान्तात्मा सेठ श्री प्रकाशचन्द्रजी म. सा. (प्रथम)
  2. आंगम ज्ञान रत्नाकर प. रत्न श्री रामप्रसादजी म. सा. आदि ठाणा (4)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
सुन्दर नगर, लुधियाना-141 008 (पंजाब)

#### 3. जानकी नगर-इन्दौर (म. प्र.)

1. दृढ संयमी प्रखर वक्ता श्री प्रकाश मुनिजी म. सा. (द्वितीय)
  2. परम विचक्षण श्री राजेन्द्र मुनिजी म. सा. "शास्त्री" आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, नया जैन स्थानक, जैन मंदिर के पास, जानकी नगर नौलखा, इन्दौर-452002 (म. प्र.)

#### 4. चाँदनी चौक-दिल्ली

1. महाप्रभावी ओजस्वी वक्ता श्री पद्मचन्द्रजी म.सा "शास्त्री"
  2. विद्वद्वर्य श्री राकेण मुनिजी म.सा. 'शास्त्री' 'साहित्यरत्न'
  3. मधुर व्याख्यानी श्री नरेन्द्र मुनिजी म. सा "साहित्यरत्न" आदि ठाणा (5)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
महावीर भवन, वाराहदरी, पराठे वाली गली के सामने चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006

#### 5. रोहतक मण्डी (हरियाणा)

- विनयमूर्ति प. रत्न श्री विनय मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
रेल्वे रोड, रोहतक मण्डी (हरियाणा)-124 001

#### 6. गोहाना मण्डी (हरियाणा)

- मनोहर व्याख्यानी श्री नरेश मुनिजी म. सा.  
आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
अनाज मंडी के पास, मु.पो. गोहाना मंडी (हरियाणा)

कुल चातुर्मास (6) संत (25) कुल ठाणा (25)

संत तुलनात्मक तालिका 1992

गत वर्ष 1991 अनुसार ही—

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण —नहीं

नोट-

- (1) साहित्य के सम्पूर्ण जैन समाज में यही एक मात्र ऐसा समुदाय है, जहाँ समुदाय में बचन मुनिराज ही हैं इस समुदाय में न तो काल साध्वियों हैं और न ही किसी माध्वी का दीर्घा प्रदान भी जानी है इसलिए साहित्य में बचन मुनिराज का ही उल्लेख किया गया है।
- (2) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें मध्याह्नक एक मन्वी 25 मुनिराज वान-श्रद्धाचारा है जो सम्पूर्ण जैन समाज में एक रिवाज है।
- (3) शासन प्रभावक प्रसिद्ध बकता श्री सुश्रुतनायका ममा के हर मन्वहारक मान रहा है।

साहित्य सम्राट् माझे आठ इनाम प्रमाण नवन साहित्य के महान गुरुक व्याकरण वाचस्पति, परम पूज्य जैनाचार्य महाराज श्रीमद विजय सायण्य गुरीश्वजी महाराज साहज का समुद्रन व्याकरण विषयक तमाम साहित्य निम्न स्थान पर उपलब्ध मितगा।

मूची पत्र अवश्य मगाजा

हादिक शुभसामना सहित !

## साहित्य सम्राट् साहित्य प्रचार केन्द्र

पाश्व नगर, चान पठ रोड,  
आगासा तीर्थ, बाया विगार (वेस्टर्न रेनवे)  
जिला टाणा (महाराष्ट्र) 401301

मन्वी पूज्य भावादी गुरुमतिना का काल-नर्तक मन्वा।  
हादिक शुभसामनाओं सहित ! |

फालन 2335

एम भवरलाल नवरत्नमल साखला

रमेश एण्ड कम्पनी

आठमासिक पत्र 11 708

235 महाराष्ट्र मन्वामन्य 641301

जिला काठस्यगूर (महाराष्ट्र)

-मुमुक्षु-

एम भवरलाल साखला

मन्वामन्य

हादिक शुभसामनाओं सहित ! |

## श्री दक्ष ज्योत

भारतीय सभ्यति के आत्मीय पर पर म गूतन उद्देश्य म प्रकाशित हा वाना आध्यात्मिक साहित्य जत पत्र-सर्वा-श्री मन्वा भाई एक गेठ सपादक श्री मुकेश म शाह श्री दक्ष ज्योत मन और आत्मा दोनों का पुष्ट करता है।

आजीवन शुल्क 501/- रुपये

वापिस मुल्य 51/ रुपये

दक्ष ज्योत कार्यालय

पाश्व नगर, चान पठ रोड,  
आगासा तीर्थ, बाया विगार (वेस्टर्न रेनवे)  
जिला टाणा (महाराष्ट्र) 401301

8

श्री धर्मदासजी महाराज के समुदाय के प्रमुख पूज्यपाद प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती आदर्श त्यागी घोर तपस्वी रत्न स्व. श्री लालचंदजी म. सा. के गण के संत सतियाँजी म. सा.

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख संत-तरुण तपस्वी श्री मानमुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (5) सतियाँजी (21) कुल ठाणा (26)

### संत समुदाय

1. जयंत सोसायटी-राजकोट (गुजरात)  
तरुण तपस्वी पं. रत्न श्री मान मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री राजूभाई रतीभाई पटेल  
'अकुर' जयंत सोसायटी 'समन्वय' खादी भण्डार  
के सामने, मवडी प्लोट, कृष्ण नगर मेनरोड  
मु.पो. राजकोट-360 001 (गुजरात)  
फोन नं. 8 6532
2. स्नेहलतागंज, इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
मधुर वक्ता प. रत्न श्री कानमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री गुजराती स्था. जैन संघ  
जैन भवन, पत्थर गोदाम, 16/4 स्नेहलतागंज,  
इन्दौर-452 003 (मध्यप्रदेश) फोन नं. 7654

### महासतियाँजी समुदाय

3. ताल (रतलाम) (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री मैना कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री हजारीमल बख्तावरमल पित्तलिया  
मु.पो. ताल वाया जिला रतलाम (म. प्र.)  
456118

4. राजगढ़ (धार) (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री कौशल्या कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री सतोष कुमार माणकचंद बूरड (जैन)  
143 जवाहर मार्ग, मु.पो. राजगढ़ (धार)  
जिला धार (म. प्र.)
5. लिम्बडी (पंचमहाल) (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री सुशीला कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जसवतलाल श्री श्रीमाल  
मु.पो लिम्बडी (पंचमहाल-दाहोद)  
जिला पंचमहाल (गुजरात)-389180
6. दिग्विजय प्लोट-जामनगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री हालारी वीसा ओसवाल जैन उपाश्रय,  
कन्या छात्रालय के सामने, 33 दिग्विजय प्लोट  
जामनगर, (गुजरात)-361005
7. खीरसरा (लालपुर) (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री जयाकुवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. खीरसरा वाया लालपुर  
जिला जामनगर-361170 (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	2	कुल सत	5
कुल चातुर्मास सतियों के	5	कुल सतियों	21
	कुल 7		कुल 26

कुल चातुर्मास (7) सत (5) गणियों (21)  
कुल ठाणा (26)

### सत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियों	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	6	21	27
+ नई बोपाएँ हुए	—	—	—
	6	21	27
—महाप्रयाण हुए	1	—	1
	5	21	26
1991 में कुल ठाणा हैं	5	21	26

विवरण—(1) समुदाय के प्रमुख गणनायक पार तारम्बी श्री तानवदजी मगा का 6-11 91 तारीख कृष्ण अमावस्या (महावीर निर्वाण दिवस दिवाली) के दिन महाप्रयाण हुआ गया। उनके स्थान पर सप्त प्रमुख के रूप में सत श्री मान मुनिजी मगा का सहायक बनाया गया है।

(2) यह समुदाय श्रमण सप्त में नहीं है परन्तु स्थानवासी श्री धमदासजी समुदाय के श्रमण गणायक प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी मगा से ही हमारा चातुर्मास की आज्ञा संग्रहित रहते हैं। इसलिए प्रवर्तक श्री जी का नाम आज्ञा के रूप में दिया गया है।

(3) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नहीं।

सभी पूज्य आचार्यों, माधु-साधियों का चातुर्मास सतों।

हादिक शुभचामनाओं सहित।

फोन } पुस्तक-5518460,  
निर्वाण-5510451

## सिंघवी ज्वेलर्स

गोले-बारी के शरीरों के ध्यन्तरी

साल्प इन्डियन स्टोल्स व रजत सँझा जवाहराण मिनरल का हानमन एच स्टोल्स मिनी का एक मात्र स्थान।

105-ए, त्रिमूर्ति चिल्ड्रन, एन.सी. आशान माद,  
पारदी गेट धम्मुर, बम्बई 400071 (महाराष्ट्र)

श्री महाशिव गुण

जय गुरु तद्! जय जैन विशाकर! जय देवेत्!  
जय भान! जय कथन!

### ऐतिहासिक नगरी में भठय चातुर्मास

पुण्य भूमि व ऐतिहासिक नगर बरडी तारुडों में मराठे भूपाल पूज्य गुरुश्वर श्री प्रतापसलतज मगा के सिद्ध साहित्य सत्रक श्रमण-गणायक प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी मगा आदि ठाणा 6 एच आगम ज्ञाना मेवाड़ उपाधि सप्त प्रवर्तकों श्री सज्जन कुबेरजी मगा आदि ठाणा 7 का यह चातुर्मास मान-रगत पारिज सप्त भाँति विविध धार्मिक आराधना व साप सुख जानद स्वाम्भ्यवक तथा मंगलमय है, एसी हंग सभी की मंगल मनिवा है।

हादिक शुभचामनाओं सहित।

अध्यक्ष } कायाध्यक्ष } मंत्री }  
मदनलाल गांग } अमरसिंह मार } तेजसिंह भोगरा }  
श्री बधमान स्थानक वासी जन धायक सप्त }  
बड़ी, सादरी (राज) 312403

प्रज्ञामहर्षि महामनीषी, राष्ट्र संत, कविजी पं. रत्न, जैन धर्म प्रचारक उपाध्याय स्व. श्री अमर मुनिजी म. सा. के सन्मति तीर्थ के संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (12) सतियाँ (10) कुल ठाणा (22)

संत समुदाय

1. हरियाणा के आसपास (हरियाणा)

वयोवृद्ध पं. रत्न श्री हेमचन्द्रजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—

2. उधमपुर (जम्मू-काश्मीर)

आचार्य विश्व केगरी श्री विमलमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—जैन पोपधशाला जैन भवन

मु.पो. उधमपुर (जम्मू-काश्मीर)

3. विरायतन-राजगृही (बिहार)

मधुर वक्ता श्री समदर्शीजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री विरायतन कार्यालय

मु.पो. राजगृही, जिला नालन्दा

(बिहार) 803116, फोन नं. 230, 240, 259

4. आगरा के आसपास (उ.प्र.)

पं. रत्न श्री विजयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—

5. बिहार में योग्य स्थल (बिहार)

वाणी भूषण श्री ईश्वरमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—

6. कलकत्ता के आसपास (प. बंगाल)

पं. रत्न श्री जिनेशमुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

महासतियाँजी समुदाय

7. विरायतन-राजगृही (बिहार)

1. विदुषी महासती श्री सुमतिकुंवरजी म.सा.

2. आचार्य महासती श्री चन्दनाजी म.सा.

आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (3) अनुसार

कुल चातुर्मास संतों के	6	कुल संत	12
कुल चातुर्मास सतियों के	7	कुल सतियाँ	10
	7		22

कुल चातुर्मास (7) संत (12) सतियाँजी (10) कुल ठाणा (22)

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	15	9
(+) नई दीक्षाएं हुईं	—	1
	15	10
(-) महाप्रयाण हुए	2	—
	13	10
(-) जानकारी ज्ञात नहीं हो सकी	1	—
	12	10
1992 में कुल ठाणा हैं	12	10

- 1 नोट-चातुर्मास प्रारंभ होने के 35 दिन बाद तक भी इस समुदाय की मुची उधमपुर के अलावा अन्य कहीं नहीं प्राप्त नहीं हुई। विगततन कई पत्र दिव्य पत्र तु एक पत्र का भी जवाब प्राप्त नहीं हुआ। जन गत वर्ष के अनुसार मत समुदाय के सिफ नाम ही प्रस्तुत कर सके हैं। पाठनगणा का याद हो ता मुधार कर पड़े।
- 2 ममति तीर्थ के सम्पायक उपाध्याय कविजी श्री अमरमुनिजी मसा के महाप्रयाण के पत्रात इस मन का प्रमुख नायक विने बनाया गया है, इसकी भी जानकारी प्राप्त नहीं है, पत्र तु इस समुदाय म सबसे ब्यावृद्ध सत श्री हमचन्द्रजी मसा ही हैं अत हमने ब्यावृद्धता के अनुसार जनता नाम सबसेप्रथम दिया है, पूर्ण जानकारी प्राप्त हात ही जन एकता सन्ध के आगामी जन म खुतामा करेंगे।
- 3 ब्यावृद्ध प रत श्री हमचन्द्रजी मसा आदि ठाणा (4) (क्रमाव 1) को छोड़कर इस समुदाय

के अन्य मनी सत-मुनियां मभी तरु के वाहना म प्रयाण करते है। दन् विदना मे जन धम का प्रचा पत्रन रहने है।

4 सम्पूर्ण जैन समाज के कुल 165 आचार्यों में आचार्य महामती श्री चदनाजी एक मात्र ऐसी आचार्य, जो साध्वी समुदाय की हैं। अन्य समुदायों में कहीं पर भी साध्वी आचार्य नहीं है।

नई बीप्सा हुई	1	महामतीश्री	दिल्ली
महाप्रयाण हुए	1	उपाध्याय कवि श्री अमरमुनिजी मसा	
		1-6-92 विरायतन	
	2	श्री सुरेता मुनिजी म अमृतसर	
		6-9-91	

जन पत्र-पत्रिकाएँ-अमर भारती (भासिक हिंदी)  
विरायतन राजगृही

श्री श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के महाप्रभावी परम पूज्य गणिवर्य श्री मणिप्रभ मागरजी म सा आदि ठाणा (3) एव परम पूज्या माताजी विदुषी साध्वी श्री रतनमाला श्रीजी म सा आदि ठाणा (3) एव वहिन विदुषी साध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणाओं का मन 1992 वर्ष का चातुर्मास साचौर (राजस्थान)- में सानन्द होने के उपलक्ष में मंगल कामनाएं करते हुए-

हादिक शुभकामनाओं सहित !

## जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्री संघ

! कुशल भवन, शाही नगर, साचौर, जिला जालौर (राजस्थान) 343 041

# स्वतंत्र सम्प्रदायों की नई (छोटी-नई) समुदायें एवं अन्य संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (19) संत (24) सतियाँजी (8) कुल ठाणा (32)

## (1) महामुनि श्री मायारामजी म.सा. का समुदाय

## संत समुदाय

जैन शासन सूर्य विद्वद्वर्य, पं. रत्न श्री रामकृष्णजी म.सा.  
के आज्ञानुवर्ती संत मुनिराज

### 1. आबू पर्वत (राजस्थान)

गच्छ प्रमुख आगम मनीषी पं. रत्न श्री तिलोक  
मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री हनुमानलालजी, श्री वर्धमान महावीर  
केन्द्र सब्जी मण्डी के सामने, देलवाड़ा रोड  
आबू पर्वत-307501, जिला सिरोंही (राज.)

### 2. वीसनगर (गुजरात)

व्याख्याता वाचस्पति श्री गौतम मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्ञानचन्दजी लोढा  
मेसर्स एस.एस. के मेटल, अनन्त मार्केट  
लाल दरवाजा, वीसनगर, जिला मेहसाना  
384315 (उत्तर गुजरात)

### 3. जालना (महाराष्ट्र)

सरल स्वभावी श्री राम मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर जैन गौशाला,  
शिवाजी पुतला के पास मे, गणेश नगर,  
जालना-431203 (महाराष्ट्र)

### 4. रोहिणी—दिल्ली

प्रखर व्याख्याता श्री विनय मुनिजी म.सा. (खीचन)

मधुर वक्ता श्री भंवरमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रकाशचन्दजी जैन प्रधान  
श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
27/1 अहिंसा विहार, रोहिणी सेक्टर नं. 9  
मधुवन चौक के पास, नईदिल्ली-110085  
फोन नं. 726441, 343845

## संत समुदाय

### प्रीतमपुरा-दिल्ली

1. जैन शासन सूर्य, विद्वद्वर्य पं. रत्न श्री रामकृष्णजी  
म.सा.

2. जैन धर्म प्रभावक श्री सुभद्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री रोशनलालजी जैन महामंत्री  
श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
पी पी. ब्लॉक, प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034  
फोन नं.

कुल चातुर्मास (1) संत (6) कुल ठाणा (6)

विशेष—महामुनि श्री मायारामजी म.सा. के समुदाय में शासन  
प्रभावक प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.

भी इसी समुदाय से संबंधित एक शाखा के भाग हैं।

इस समुदाय में भी कोई महासतियाँ नहीं हैं।

## (2) श्री नव ज्ञान गच्छ समुदाय

समुदाय के गच्छ प्रमुख आगम मनीषी श्री तिलोक  
मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (7) सतियाँ (5) कुल ठाणा (12)



5 लावा सरदारगढ (राजस्थान)  
 राजस्वी आत्मारथी श्री अचणमुनिजी म सा  
 मम्पक सूत्र-श्री व म्या जैन श्रावक मधे, जैन स्थानक,  
 मू पो लावा सरदारगढ-313330  
 जिला राजसम (राजस्थान)

### महासतियांजी ममुदाय

6 व्यावर (राजस्थान)  
 म्प्रविग महासनी श्री वेशरकुवरजी म सा  
 आदि ठाणा (3)  
 मम्पक सूत्र-श्री म्प्रच दर्जी गीतमच दर्जी गाथिया  
 नेह्क गोट के वाहर पी के जैन भवन  
 मू पो व्यावर, जिला अजमेर ( राज ) 305901

7 गांवरी (राजस्थान)  
 मरदनमना महामती श्री वचनकुवरजी म सा  
 आदि ठाणा (2)  
 मम्पक सूत्र-श्री व म्या जैन श्रावक मधे  
 जैन स्थानक मू पो गांवरी  
 जिला पाली (राजस्थान)

कुल चातुर्मास (7) सत (7) सतिया (5) कुल ठाणा (12)

विशेष—नव ज्ञान गच्छ समुदाय के उपरोक्त सभी मत-  
 सतियांजी पूव म ज्ञान गच्छाधिपति तपस्वीराजजी  
 म सा के आत्मानुवर्ती थे परन्तु अब उनकी आना मे  
 नहीं होकर नया गच्छ बनाकर स्वतंत्र विचरण कर  
 कर रहे हैं ।

### (3) श्री वर्धमान वीतराग सध समुदाय

समुदाय प्रमुख सध सूत्रधार-कुशल सेवा मूर्ति  
 प रत्न श्री शीतल मुनिजी म सा

### सत समुदाय

चौध बा बरवाडा (राजस्थान)  
 सध सूत्रधार कुशल सेवा मूर्ति प रत्न  
 श्री शीतल मुनिजी म सा

आदि ठाणा (3)

मम्पक सूत्र-श्री व म्या जैन श्रावक मधे, जैन स्थानक,  
 मू पो चौध बा बरवाडा-322702  
 लावा-जिला मन्सूर माधपुर (राजस्थान)  
 फोन न 44 कामदारजी

कुल चातुर्मास (1) सत (3) कुल ठाणा (3)

सत तुलनात्मक तालिका 1992

विचरण	सत	कुल ठाणा
1991 मे कुल ठाणा थे	3	3
(+) नई दीक्षा हुई	1	1
	4	4
(-) मुनि जीवन त्याग किया	1	1
	3	3
1992 मे कुल ठाणा है	3	3

विशेष—(1) श्री शालीभद्र मुनिजी म सा की 16-2-92  
 (मालपुरा राजस्थान) की नई दीक्षा हुई अब चौध बा  
 बरवाडा मे उन्होंने मुनि जीवन वा त्याग किया और  
 गृहस्थ बने हैं ।

(2) श्री वर्धमान वीतराग के उपरोक्त सभी सत पूव  
 मे रत्नवश समुदाय के स्व आचाय प्रवर श्री हस्तीमल  
 जी म सा के आत्मानुवर्ती थे परन्तु वर्तमान मे अलग  
 सध बनाकर स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं ।

पत्र-पत्रिकाएँ—वीतराग रश्मि (मासिक हिन्दी) जयपुर

(4) स्व प्रवर्तक श्री हृगामी लासजी म सा के  
 समुदाय के सत-सतियांजी म सा

समुदाय के प्रमुख सत मधुर व्याख्यानी प रत्न  
 श्री अथर्व मुनिजी म सा

**संत समुदाय**

**1. लाखन कोटड़ी-अजमेर (राजस्थान)**

मधुर व्याख्याता पं रत्न श्री अभयमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार  
बड़ा जैन स्थानक, लाखन कोटड़ी  
अजमेर (राजस्थान) 305001

**सहासतियांजी समुदाय**

**2. खेजड़ी (राजस्थान)**

विदुषी महासती श्री जतनकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी वाफना  
श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
मु.पो. खेजड़ी, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)

**कुल चातुर्मास (2) संत (2) सतियां (2) कुल ठाणा (4)**

**संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992**

विवरण	संत	सतियां	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	2	3	5
(+) नई दीक्षा हुई	—	—	—
	2	3	5
(-) संयमी जीवन त्याग	—	1	1
	2	2	4
1992 में कुल ठाणा है	2	2	4

**अन्य समुदायों के संत-सतियांजी म० सा०**

**1. भाटी बड़ोदिया (मध्यप्रदेश)**

तरुण तपस्वी श्री अणिकमुनिजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी सकलेचा  
मु.पो. भाटी बड़ोदिया, जिला रतलाम (म.प्र.)

**2. भाटी बड़ोदिया (मध्यप्रदेश)**

तरुण तपस्विनी महासती श्री सरोजबालाजी म.सा.  
ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार

धिशेष—(1) दोनों संत-सतियांजी पूर्व में साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती थे परन्तु अब आप स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं।

(2) वयोवृद्ध जीवदया प्रचारक श्री तखतमुनिजी म.सा. (आयु 84 वर्ष) ने 26-1-92 को सैलाना में दीक्षा ग्रहण की एवं 12-5-92 को भाटीबड़ोदिया में महाप्रयाण कर गये।

**3. भीलवाड़ा (राजस्थान)**

मेवाड़ मुकुट स्व. श्री हस्तीमलजी म.सा. (मेवाड़ी) के सुशिष्य प्रिय वक्ता कवि श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. 'ललित' ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक पोस्ट आफिस के पास, सुभाष नगर भीलवाड़ा (राज.) 311001

**4. जोधपुर (राजस्थान)**

स्व युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म.सा. के सुशिष्य अन्न जल त्यागी श्री अभयमुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—

**5. देवलाली-नासिक (महाराष्ट्र)**

वयोवृद्ध श्री रेखचन्दजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र 392 महावीर भवन, लाम रोड देवलाली बाया नासिक रोड, जिला नासिक (महाराष्ट्र)

**6. .... (महाराष्ट्र)**

मधुर वक्ता श्री प्रदीप मुनिजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—

**7. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महाराष्ट्र)**

सेवाभावी श्री कीर्ति मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

**8. राजनांदगांव (मध्यप्रदेश)**

सेवाभावी श्री ऋषभचरणजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक मु.पो. राजनांदगांव, (म.प्र.)

**अन्य समुदायों का कुल योग**

**कुल चातुर्मास (19) संत (24) सतियांजी (8)  
कुल ठाणा (32)**

**स्वतंत्र समुदायों में कुल योग**

कुल चातुर्मास संतों के	} 175	कुल संत	170
कुल चातुर्मास सतियों के		कुल सतियां	652
	175		822
<b>कुल चातुर्मास स्थल (175) संत (170) सतियांजी (652) कुल ठाणा (822)</b>			

हादिक शुभकामनाओं के साथ

पूज्य आचार्य श्री चिदानंद मुरीधरजी म सा प्रेरित

## पद्मावती प्रकाशन मन्दिर की आजीवन सदस्यों की नई योजना

पद्मावती प्रकाशन मंदिर द्वारा विगत 25 वर्षों में अनेक पुस्तिका का अनेक प्रतियों प्रकाशित हो चुकी हैं। उनमें से अभी तक हमारा पवित्र स्टाक में सिर्फ 15 पुस्तकें ही शेष बची हैं। वे सभी पुस्तकें तथा उनके अलावा अन्य कई नई पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित हो रही हैं एवं भविष्य में प्रकाशित होने वाली सभी साहित्य यदि आपका घर बैठे प्राप्त करना है तो पर्युषण पत्र तक आजीवन सदस्यता शुल्क के रुपये 251/- (दो सौ इक्यावन रुपये) पद्मावती प्रकाशन मंदिर के नाम से निर्मलित्तिन स्थाना पर भेजकर सदस्य बनकर घर बैठे साहित्य प्राप्त करें।

नोट-पर्युषण पत्र के पत्रघात सबस्यता शुल्क ₹ 501/- होगा।

### सम्पर्क सूत्र .

- (1) पद्मावती प्रकाशन मंदिर,  
द्वारा श्री गार्ह मूलनंद मानमन एण्ड क , 162 गुलानवाडी बम्बई 400004 (महा) फोन न 3753680
- (2) श्री बाबू गाल नेमचंद शाह, 49/5 सी-1, महावीर नगर शंकर सेन, वादिवली (पश्चिम)  
बम्बई 400067 (महा) फोन न 6080732
- (3) श्री कुमार माई पुरुषोत्तमदास, 3, विद्या निला, एण्ड न 4, 1 माता, जूना नामरदास रोड, अंधेरी (पूर्व,  
बम्बई-400069 (महा) फोन न 6350798
- (4) श्री हेमंत भाई आर. शाह शंकर मुबई क्रम न 3, जिनद्र गड, मलाठ (पूर्व) बम्बई-400097 (महा) -
- (5) श्री दीपक धार जखेरी, 10/1270, हाथीवाला देराजर नामे 1 माता, गोतीपुरा, गुरत-2 (गुज )
- (6) जखेरी स्टाल गांधीपुरा, सुभाष चौक, गुरत-2 (गुज )
- (7) श्री मट्टर जे शाह, 51/52, महावीर सोसायटी, 1 माता, नवसारी-396445 (गुज )
- (8) श्री मुमति लाल जमनादास, 227, अदामाना खडकी, पतासा पोत, गंधी राड, बहुमहावाद-1 (गुज )
- (9) श्री हरचंद मरदारमलजी, शारोमार चिडडय, 1 माता ब्लोक न 4-ए-जी राड, मरान ड्राईव,  
बम्बई 400002 फोन न 254266
- (10) श्री चंपालाल मुकनाजी, तिनक रोड, नडूरवार, जिना धुलिया (महाराष्ट्र) 425412
- (11) श्री पंथीलाल चंपालाल श्री श्रीमाल, श्री बाजार, नडूरवार जिला धुलिया (महा) 425412

कुल चातुर्मास (56) संत (21) सतियांजी (246) कुल ठाणा (267)

## संत समुदाय

## 1. जैन भुवन-राजकोट (गुजरात)

-1. तप स्र्राट तपस्वी श्री रतिलालजी म.सा.

2. वाणी भूषण श्री गिरीण मुनिजी म.सा

3. शास्त्रज्ञ श्री जनक मुनिजी म.सा

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन भुवन उपाश्रय

राजकोट-360001 (गुजरात)

## 2. पेटरवार (बिहार)

परम दार्शनिक श्री जयन्तीलालजी म.सा

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन भुवन, मु.पो. पेटरवार-829121

जिला गिरिडीह (बिहार)

## 3. आणन्द (गुजरात)

तत्त्वचिंतक श्री जसराजजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन उपाश्रय, मठावीर मार्ग,

मु.पो. आणन्द, जिला खेड़ा (गुजरात) 388001

## 4. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)

स्पष्ट बक्ता श्री जगदीश मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री वस्था जैन श्रावक संघ

कृष्णकुज-महात्मा गांधी रोड कोने मे.

राजावाडी, घाटकोपर (पूर्व)

बम्बई-400077 (महा) फोन नं 5110406

## 5. महुड़ी (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री हरिण मुनिजी म.सा ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

म.पो. महुड़ी (वीरपुर) वाया बीजापुर

जिला मेहसाना (गुजरात)

## 6. अनकाई (महाराष्ट्र)

स्थविर तत्व जिज्ञासु श्री हंसमुख मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री नन्दकिशोर, वसतीलाल जैन

मु.पो. अनकाई, तालुका येवला

जिला नासिक (महाराष्ट्र) 423401

## 7. गोंडल (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री काति मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. गोंडल, जिला राजकोट (गुज.) 360311

## 8. गोंडल (गुजरात)

तत्त्वचिंतक श्री धीरजमुनिजी म.सा ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ उपाश्रय,

नानी बाजार, मु.पो. गोंडल

जिला राजकोट (गुजरात) 360311

## 9. जाम जोधपुर (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री राजेश मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. जाम जोधपुर-360530

जिला जामनगर (गुजरात)

- 10 जामनगर (गुजरात) -  
मधुर व्याख्यानी श्री भावेशमनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, जैन उपाध्य  
रणजीत नगर, जामनगर-361001 (गुजरात)  
महासतिपौजी समुदाय
- 11 राजकोट (गुजरात) -  
चारित्र जेष्ठ स्वकिंग महासती श्री समर्यवाई म मा  
जादि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, जैन उपाध्य  
213, प्रह्लाद प्लाट राजकोट-360001 (गुज)
- 12 जामनगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री नवलवाई म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
वारियानो हेलो, जामनगर-361001  
(गुजरात)
- 13 जामनगर (गुजरात)  
प्रशान्तिमूर्ति महासती श्री वखतवाई म सा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, जैन उपाध्य  
बैक वात्रोनी, जामनगर-361001 (गुजरात)
- 14 जोरावर नगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री दयावाई म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, उपाध्य,  
सब्जी मण्डी के पास,  
मु पो जोरावर नगर-363020 -  
- वाया जिला सुरेद्रनगर (गुजरात) फोन न 22013
- 15 शांताश्रम-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री हीरवाई म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, जैन स्थानक  
किरोजशाह रोड रेल्वे स्टेशन के पास  
- शांताश्रम (वेस्ट) बम्बई-400054 (महा)  
- फोन न 6143465
- 16- बिलेपाला-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री ज्योतिवाई म सा  
आदि ठाणा (4)
- सम्पर्क सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सघ,  
जैन स्थानक, 65 वी पी रोड, स्टेशन के सामन  
- बिलेपाला (वेस्ट) बम्बई-400056 (महाराष्ट्र)  
फोन न 6121392
- 17 चेम्पूर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री हमावाई म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,  
मनसाल पाक, अरजुअली के पीछे  
विजय टाकीज के पास, चेम्पूर,  
बम्बई-400071 (महाराष्ट्र) फोन 5521660 PP
- 18 बालावड (गिजला) (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री हमावाई म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पो बालावड (गिजला) 361160  
जिला जामनगर (गुजरात)
- 19 पडघरी (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री हमावाई म मा (भोट)  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पो पडघरी-360110 जिला राजकोट (गुज)
- 20 भोजराजपरा-नाडल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री सनीतावाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
भोजपरा, गोडल-360331  
जिला राजकोट (गुजरात)
- 21 मांषी चौक-राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री जयावाई म मा  
विदुषी महासती श्री अनमुयावाई म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवामी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मांषी चौक, राजकोट-360001 (गुजरात)
- 22 चितल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री निमलावाई म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पो चितल 364620 जिला अमरेली (गुज)

23. नाराणपुरा-अहमदाबाद (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री नर्मदाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
28/29, स्थानकवासी जैन सोसायटी, नाराणपुरा  
क्रोसिंग पास, नाराणपुरा  
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)
24. गीत गूर्जरी राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री लाभुवाई म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषधशाला  
गीत गूर्जरी, राजकोट-360001 (गुजरात)
25. उपलेटा (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री हर्षिदाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. उपलेटा, जिला राजकोट (गुजरात)  
360490
26. ध्रोल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री ताराबाई म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
सोनीवाजार, मु.पो. ध्रोल  
जिला जामनगर (गुजरात) 360050
27. अमरेली (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री ताराबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. अमरेली (गुजरात) 364601
28. वगसरा (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री अरविन्द बाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. वगसरा (गुजरात)
29. मद्रास (तमिलनाडु)  
विदुषी महासती श्री भानुबाई म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-  
Gujrati Swetamber Sthanakwasi Jain Asst  
C. U. Shah Bhawan  
78/79-Ritherdon Road Puraswalkam,  
MADRAS-600007 [T.N.] Tle No. 22364
30. बसई गांव-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री अंजलीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
वाजार पेठ, मु.पो. बसईगाव  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
31. वीसावदर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री कनुवाई म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. वीसा वदर, जिला . . . . (गुजरात)
32. वैरावल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री वीणाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
स्टेशन रोड, मु.पो. वैरावल  
जिला जूनागढ़ (गुजरात) 362265 ;
33. मांडवी चौक-राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री शाताबाई म.सा.  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषधशाला  
मांडवी चौक, राजकोट-360001 (गुजरात)
34. बोघाणी शेरी राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री धीरजबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन पोषणशाला, बोघाणी शेरी,  
राजकोट-360001 (गुजरात) ;
35. जक्शन प्लोट राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री इन्दुबाई म.सा. (छांटे)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषधशाला  
जक्शनप्लाट, राजकोट-360001 (गुजरात)
36. बोघाणी शेरी राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री कांताबाई म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषधशाला  
बोघाणी शेरी, राजकोट-360001 (गुजरात)

- 37 श्रमजीवी सोसायटी राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री भानुबाई म मा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
श्रमजीवी सोसायटी, राजकोट-360001 (गुज)
- 38 नामनगर (गुजरात)  
दयोवद्धा महासती श्री धनकुंवरबाई म मा  
आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, चाहान बर्ला  
जामागर-361001 (गुजरात)
- 39 स्टेशन प्लोट-गोडल (गुजरात)  
सरल स्त्रमावी महासती श्री शताबाई म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ  
जैन पापघणाला, स्टेशन प्लोट गोडल  
जिला राजकोट (गुजरात) 360311
- 40 वासणा अहमदाबाद (गुजरात)  
शान स्त्रमावी महासती श्री सविताबाई म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
वासणा-अहमदाबाद (गुजरात)
- 41 जन घाल राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री विजयाबाई म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
जैन घाल, राजकोट-360001 (गुजरात)
- 42 धोराजी (गुजरात)  
सरल स्त्रमावी महासती श्री भानुबाई म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
स्टेशन प्लोट मु पा धोराजी-360410  
जिला मुन्द्रगर (गुजरात)
- 43 लातूर (महाराष्ट्र)  
व्याख्यात्री महासती श्री अनिताबाई म मा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री ५ म्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक  
मु पा लातूर, जिना (महाराष्ट्र)
- 44 घाटकोपर-वम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री ताराबाई म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री श्रमणी विद्यापीठ, हींगवाला सन  
घाटकोपर (पूर्व) वम्बई 400077 (महा)
- 45 देवसाली (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री जयाबाई म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक  
लाम राट, वारावाडी जैन रेनेटेरियम  
मु पा देवसाली वाया जिला नासिक (महाराष्ट्र)
- 46 सदर राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री गुलाबबाई म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
15 पचनाथ प्लाट, सदर,  
राजकोट-360001 (गुजरात)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त अनुसार
- 47 महावीर नगर-राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री प्राणकुंवरबाई म मा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ  
जैन पापघणाला, महावीर नगर,  
राजकोट-360001 (गुजरात)
- 48 घाटकोपर-वम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री जगदाई म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री ५ म्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक  
नीलवठ मुट्टीर प्लॉट न 90 शशी शोध के समग्र  
गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व)  
वम्बई 400077 (महाराष्ट्र)

49. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री वसुवाई म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
स्वाध्याय संघ, सर्वोदय आराधना केन्द्र,  
भीमनगर रोड, बोणीवाडी सामे. एल वी.  
गास्त्री मार्ग, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)
50. नासिक सिटी (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती डॉ.तख्तवाडी म.सा. M.A.,Ph-D.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हीरालाल चंपालाल सांखला अध्यक्ष  
330 रविवार पेठ, कारंजा, नासिक सिटी (महा)  
422001 फोन 77165 स्थानक 70884
51. राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री मुक्तावाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री लीलमवाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री पुष्पावाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री प्रभावाई म.सा.  
विदुषी महासती उषावाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री भारतीवाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री सुमतीवाई म.सा.  
विदुषी महासती श्री विनोदिनीवाई म.सा.  
आदि ठाणा (68)  
सम्पर्क सूत्र—  
श्री स्था. जैन संघ, जैन पोषधशाला सरदार नगर,  
राजकोट (गुज.) 360001
52. राजकोट (गुजरात)  
शात स्वभावी महासती श्री समजुवाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ  
जैन पोषधशाला, राजकोट-360001 (गुज.)
53. मोटा लीलीया (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री लतावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ  
मोटा लीलीया (गुजरात)
54. कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)  
विदुषी महासती श्री दर्शनावाई म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri.Kaman Jain Bhawan,  
3, Roy Street, Bhanipur,  
CALCUTTA-700 020 (West Bengal)

55. काठमाडौं (नेपाल)  
विदुषी महासती श्री संघमित्रावाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गुलाब खेतान, ज्ञानेश्वर,  
पो. वा नं 2975, मु.पो. काठमाडौं (नेपाल)  
फोन नं. (977) 411136, 214125  
तार—MTEVEREST
56. सदर-राजकोट (गुजरात)  
व्यारयत्री महासती श्री दीक्षितावाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषधशाला  
सदर राजकोट-360001 (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	12	कुल संत	21
कुल चातुर्मास सतियों के	44	कुल सतियांजी	246
कुल	56	कुल	267
कुल चातुर्मास 56 संत	21 सतियांजी	246 कुल योग	267

## संत-राती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियां	कुल ठाणा
1991 में विद्यमान थे	21	241	262
(+) नई दीक्षा हुई	---	5	5
(-) काल धर्म प्राप्त हुए	---	---	---
1992 में विद्यमान है	21	246	267

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—शासन प्रगति (साप्ताहिक गुजराती) राजकोट

विशेषताएँ—(1) विदुषी महासती श्री संघमित्रावाई म.सा. आदि ठाणा (2) पैदल विहार करते हुए नेपाल देश में चातुर्मास कर रही हैं जो सम्पूर्ण स्थानकवासी समाज में इस वर्ष का रिकार्ड बना है।

(2) चातुर्मास प्रारंभ होने के 1 माह बाद भी पूरी सूची, कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी, हमने यह सूची पत्र पत्रिकाओं से ही एकत्रित की है नई दीक्षा, महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं हो सकी। सम्पर्क सूत्र भी कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सके, इसलिए तालिका बराबर नहीं दे सके। —संपादक

भेंट योजना—परिषद् के उपाध्यक्ष एवं राजकोट स्थानक जैन श्री संघ के अध्यक्ष श्रीमान नगीन भाई विराणी राजकोट की ओर से गोडल मोटा पक्ष एवं गोडल संघाणी नाना पक्ष समुदाय के सभी साधु-साध्वियों को चातुर्मास-सूची की 75 पुस्तके सप्रेम भेंट।

—परिषद् की ओर से हार्दिक-धन्यवाद



हादिक शुभकामनाओं के साथ—

॥ श्री ॥

समता बरान प्रणेता, धर्मपाल प्रतिबोधक, समोक्षण ध्यान योगी  
चारित्र्य चुडामणी आचार्य श्री श्री 1009 श्री मानालालजी म सा जी

## आज्ञानुवर्तीनी

शासन प्रभाविका, धमणी रत्ना महासतोनी श्री श्री 1005 श्री

श्री इन्दरकंदरजी म सा

मधु व्याख्यात्री श्री प्रमदनाजी म सा तपस्विनी श्री पागमकरजी म सा, विदुषीरत्ना श्री रत्ना श्रीजी म सा, आदरा द्यागिनी श्री मजुना श्रीजी म सा, विदुषी रत्ना श्री सुप्रभा धाजी म सा, कौकिलवटी श्री अचना श्रीजी म सा, मेरामुरभि श्री ज्ञानना श्रीना म सा, स्वाध्यायिनी श्री जिनप्रभा श्रीना म सा, विद्यामिलापी श्री मी प्रभाजी म सा, विदुषी रत्ना पियप्रभाजी म सा, विद्यामिलापी श्री ममविनीनाजी म सा, मनामयी श्री विवेक शीलानी म सा टाणा 13 के इन जय के उत्तमगाठ क ऐतिहासिक नगर दुग का चतुर्मास म शासन दान, चारित्र्य व तप मे अभिवृद्धि हो, ऐसी मयन कामना करत १।

### —सुमेष्टक—

शकरलाल बोयरा धायक श्री जैन श्वेतम्बर सध, दुग	सिरेमेल बेरालहृदा मयाजय श्री जैन चतुर्मास समिति	भँवरलाल श्री श्रीपाल वधायक या यस्या जैन थावन सध
मिथालाल लोढ़ा कुलीचंद कलनाथ उपाध्यक्ष	नायाप्यध गोतमचंद बोयरा मयाजय भाजन समिति	मौंगीलाल सचेती कूलचंद सुराणा उपाध्यक्ष
पृथ्वीराम पारध मर्था	मिथीलाल कार्किरिया मयाजय आनास समिति	प्रयाशचंद श्रीमल नापाध्यक्ष
शार्जे दकुमार मारोठी साराचंद कार्किरिया महधर्मी, एय समन्त सदस्य	मुगनचंद सचेती, मत्री रार्णोबाज बोयरा नमस्त मदन्य	मोहनलाल कोटारो "विभर" मयाजय चतुर्मास प्रचार समिति, दुग
श्री जैन श्वेतम्बर श्रीमध, दुग (म प्र)	श्री जैन चतुर्मास व्यवस्था समिति, दुग	

चतुर्मास मध्यम—ओरावाल भवन, जवाहर चौक, दुग (म प्र) 491001

आवास स्थल—श्री बद्धमान स्थानकवासी जैन भवन गोलोपारा, दुग

बरानाय पधारकर सधे की मेया का घोडा बेकर अग्रुहित करें।

सम्पर्क सूत्र—भँवरलाल सुंदरलाल बायरा, दुग फोन 2830 पारध दुग्दस, दुग फोन 2066, 3045 पी पी

समुदाय के प्रमुख गादीपति :

गादीपति पं. रत्न श्री नृसिंह मुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (61) संत (19) सतियाँ (231) कुल ठाणा (258)

संत समुदाय

1. बीदड़ा-कच्छ (गुजरात)

गादीपति पं. रत्न श्री नृसिंह मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छ. कोटी जैन स्थानक, मु.पो. बीदड़ा-कच्छ  
वाया मून्द्रा, जिला भुज (गुजरात)-370435

2. गुन्दाला-कच्छ (गुजरात)

उग्र तपस्वी श्री रामचन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. गुन्दाला  
तापूका मून्द्रा, जिला भुज-कच्छ (गुजरात)-  
370410

3. लिम्बड़ी (गुजरात)

सरल स्वभावी श्री लाभचन्द्रजी म.सा आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—सेठ श्री नानजी डूंगरसी स्थानकवासी  
मोटा-उपाश्रय जैन संघ,  
आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी मार्ग,  
लिम्बड़ी-363421, जिला सुरेन्द्रनगर (गुज.)  
फोन नं. 235

4. बोरीवली-वम्बई (महाराष्ट्र)

शासन प्रभावक तप प्रचारक जितशासन चन्द्रमा,  
पं. रत्न श्री भावचन्द्रजी म.सा आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, Opp. डायमण्ड सिनेमा,  
स्टेशन रोड, लोक मान्य तिलक रोड,  
बोरीवली (वेस्ट) वम्बई-400092 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 605 1439

5. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

सुलेखक मधुर वक्ता, पं. रत्न श्री भास्कर मुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
जैन स्थानक, वारीवाला नांका के पास,  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)  
370465

6. भचाऊ-कच्छ (गुजरात)

सेवाभावी श्री निरंजन मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छ. कोटी जैन स्थानक, बाजार मे  
मु.पो. भचाऊ-कच्छ (वागड)  
जिला भुज (गुजरात)-370145

महासतियाँजी समुदाय

7. रय-कच्छ (गुजरात)

सरलात्मा महासती श्री मणी वाई म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मु.पो. रय -कच्छ  
जिला भुज (गुजरात)-370165

8. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री रक्ष्मणीवाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री ऐलीसत्रीज स्थानकवासी जैन संघ,  
कामधेनु सोसायटी पी.टी. ठक्कर कॉलेज रोड,  
पालड़ी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

- 9 गुन्दियाला (गुजरात) : 15 मोरवी (गुजरात),  
सरलात्मा महासती श्री भानुमती वाई मसा  
आदि ठाणा (2) रिदुपी महासती श्री चन्द्रावतीवाई म सा  
आदि ठाणा (7)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी जैन सघ,  
स्यान्नवासी जैन उपाध्य, मु.प. गुन्दियाला  
वाया जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
- 10 रतनपर (गुजरात) --- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी जैन सघ,  
जैन स्यान्न उपाध्य, मोती बाजार,  
मु.प. मारवी-363641  
जिला राजराट (गुजरात)
- सौम्यमति महामती श्री चन्द्रावाई मसा (माटा)  
आदि ठाणा (5) 16 खेरानु (गुजरात)  
व्याख्यात्री महामती श्री पुनाराई मसा  
आदि ठाणा (4)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासा छ वाटी जैन सघ,  
छ वाटी जैन स्यान्नक मु. रतनपर  
पोस्ट जोरावर नगर, वाया जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात)-363020 सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी जैन सघ,  
जैन उपाध्य, मु.पो खेरानु  
जिला मेहसाना (गुजरात)
- 11 बीछीया (गुजरात) 17 माटूगा-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुपी महासती श्री विमलावाई मसा  
आदि ठाणा (3) विदुपी महासती श्री दमयतीवाई मसा  
आदि ठाणा (3)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी जैन सघ जैन उपाध्य,  
मु.प. बीछीया वाया बोटाद  
जिला राजराट (गुजरात)-360055  
फोन 73 एव 39, सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी जैन सघ, जैन स्यान्नक,  
प्लाटन 377-78, तेलग कस रोड न 2,  
माटूगा (पूर्व) (C R) बम्बई-100019 (महा  
(महासतीजी वीरटगा विरटगा स्यान्नक के पास  
म विराजमान हैं।)
- 12 धारोई कच्छ (गुजरात) 18 कुन्डरोडी-कच्छ (गुजरात)  
तस्विनी महामती श्री प्राण कुवरवाई मसा  
आदि ठाणा (3) अल्पाथी महासती श्री कलावतीवाई मसा  
आदि ठाणा (3)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी छ वाटी जैन सघ,  
छ वाटी जैन स्यान्नक, मु.प. धारोई-कच्छ  
वाया रापर जिला भुज (गुजरात) 370140 सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ वाटी जैन स्यान्नक, मु.पो कुन्दरोडी  
वालूवा मूद्रा-कच्छ (गुजरात)-370410
- 13 सुवई-कच्छ (गुजरात) 19 लिम्बडी (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री सुरजवाइ मसा  
आदि ठाणा (6) मरलात्मा महासती श्री हसा वाई मसा (माटा)  
(मकारण) ठाणा (1)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी छ वाटी जैन सघ,  
छ वाटी जैन स्यान्नक, मु.प. सुवई-कच्छ  
वाया रापर जिला भुज (गुजरात)-370165 सम्पन्न सूत्र-उपराज्य क्रमानु 3 अनुसार
- 14 ताकडिया-कच्छ (गुजरात) 20 गाधीधाम (गुजरात)  
विदुपी महासती श्री उज्ज्वल कुमारीवाई मसा  
आदि ठाणा (8) विदुपी महासती श्री प्रभावती वाई मसा  
आदि ठाणा (7)
- सम्पन्न सूत्र-श्री स्यान्नवासी छ वाटी जैन सघ,  
छ वाटी जैन स्यान्नक उपाध्य,  
113/1 डी.बी. जेड एम्. हरीश दासपाट के  
बाजू म, मु.पो गाधीधाम कच्छ (गुज) 370201

21. मनफरा-कच्छ (गुजरात)  
सरल स्वभावी महासती श्री मंजुला वाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ  
छः कोटी जैन स्थानक उपाश्रय, मु.पो. मनफरा  
वाया भचारु-कच्छ (गुजरात)-370140
22. जेतपुर (काठी) (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री निर्मलावाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन लिम्बडी संघ,  
सहादेव शेरी, नाना चौक, मु.पो. जेतपुर (काठी)  
360370 वाया गोंडल, जिला (गुजरात)
23. थानगढ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री विजयावाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
महालक्ष्मी शेरी, मु.पो. थानगढ, जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात)-363530
24. पाटडी (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री लीलावतीवाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. पाटडी, वाया विरभगाव  
जिला अहमदाबाद. (गुजरात)
25. चूडा (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री राजेमतीवाई म.सा. (मोटा)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, बाजार मे, मु.पो. चूडा  
जिला-सुरेन्द्रनगर (गुजरात)-363410
26. थाणा-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री हंसावाई म.सा. (नाना)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ  
जैन स्थानक, तलाव पाली नौका विहार के सामने  
डॉ. मूस रोड, ठाणा (वेस्ट) महाराष्ट्र. (C.R.)  
400602 फोन न. 506008
27. भुज-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री मीनावाई म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-केशरवाई जैन भुवन, होस्पिटल रोड,  
भुज-कच्छ (गुजरात)-370001
28. धोलका (गुजरात)  
सरलात्मा महासती श्री हेमलतावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
कुवेरजी के मंदिर के पास, मु.पो. धोलका जिला  
अहमदाबाद (गुजरात)-387 850
29. समाधोघा-कच्छ (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री सुलोचनावाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक उपाश्रय,  
मु.पो. समाधोघा-कच्छ (गुजरात)-370 415  
फोन न. 48/37
30. तीथल (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री दिव्यप्रभावाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-कच्छी सेनेटेरियम रुम न 3, तल मजिल  
मु.पो. तीथल, जिला-वलसाड (गुज.)
31. चोटीला (गुजरात)  
सरल स्वभावी महासती श्री प्रमोदिनीवाई म. सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. चोटीला, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
363520
32. अंजार-कच्छ (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री विनोद प्रभावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
गंगा बाजार, मु.पो. अंजार-कच्छ  
जिला भुज (गुजरात) 370150

- 33 नासासोपारा-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री वसन्तप्रभावाई मसा (नासा)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-रञ्जी वीसा आसवाल जैनसभ, जैनस्थानक  
तुलीज राड, नासासोपारा (पूव) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) फोन-72139
- 34 गोधरा (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री बुसुमबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ, दना बब के  
सामने, मुषी नया बाजार, गोधरा, जिला  
पचमहाल (गुजरात) 389001 (W R)
- 35 आघोई-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री बुसुमबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक, मुषी आघोई-कच्छ  
सालूका सामखियारी, जिला भुज (गुज) 370135
- 36 डोण (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री नीलमबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ  
छ वाटी जैन स्थानक, उपाध्यय मुषा टाण  
ताया माण्डवी कच्छ (गुजरात)
- 37 रापर-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री अनिलाबाई मसा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन उपाध्यय, बाजार म  
मुषी रापर-कच्छ (भागड) (गुज) 370186
- 38 बरघाला (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री ज्योतिप्रभावाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ,  
जैन उपाध्यय मुषा बरघाला (धेनागाह)  
'पालका धधुका जिला, भावनगर (गुज) 382450
- 39 सामखियारी कच्छ (गुजरात)  
सेवाभावी महामती श्री अरुणाबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ  
छ वाटी स्थानक, मुषा सामखियारी कच्छ  
(गुजरात) 370150
- 40 सुदामडा (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री सखताबाई मसा (मोटा)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक, मुषा सुदामडा  
जिला वाया, सुरन्द्र नगर (गुजरात)
- 41 गागोदर-कच्छ (गुजरात)  
सरनात्मा महासती श्री पुनीताबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक मुषा गागोदर तानूका  
रापर कच्छ (गुजरात) 370165
- 42 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री रश्मिनाबाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सभ, जैन स्थानक  
मामलतदार वाटी, फ्रीम रोड न 1  
मनाड (वेस्ट) बम्बई-400064 (महा)  
फोन न 6820360 पीपी
- 43 बालीना-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री अमरनताबाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सभ,  
वेनस अनाटमटस, प्लोट न CTS 5835  
वेनरा बंब के पास, कुर्ला रोड, बालीना  
बम्बई-400029 (महाराष्ट्र)
- 44 जूनागढ़ (गुजरात)  
सेवाभावी महासती श्री सखताबाई मसा (नासा)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ, जैन उपाध्यय  
जगमाल चौक, जूनागढ़ (गुज) 362001

45. कांदावाडी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री गीतावाई म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
170 खाडीनकर रोड, कांदावाडी  
बम्बई-400004 (महा) फोन नं. 358817
46. लिम्बडी-(गुजरात)  
मेवाप्रिय महासती श्री वंदनावाई म.सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार
47. दाहोद (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री छायावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, हनुमान बाजार, मु.पो. दाहोद  
जिला पंचमहाल (गुजरात) 389151
48. मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री अंखनावाई म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
137-ए-सेवाराम ललवाणी मार्ग,  
मुलुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400078 (महा.)
49. डोम्बीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री उर्विशावाई म.सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
पारसमणि जैन मंदिर के बाजू में, लाला लाजपत-  
राय रोड, तिलकनगर, डोम्बीवली (पूर्व) जिला  
ठाणा (महा.) 421201
50. कुर्ला-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री नयनावाई म.सा (मोटा)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-कच्छा वीसा ओसवाल जैन सभाज,  
279 एल. वी. शास्त्री मार्ग, पोस्ट आफिस के  
सामने, कुर्ला (वेस्ट) बम्बई-400 070 (महा.)
51. मलाड बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री नृगादतीवाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
शिवाजी नगर, रोड प्रसाद विल्डिंग  
दफतरी रोड, मलाड (पूर्व)  
बम्बई-400 097 (महा.)
52. कोट-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री दर्शनावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
100/102 बाजार गेट स्ट्रीट, कोट,  
बम्बई-400 001 (महा), फोन 2610997
53. नडियाद (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री दीक्षितावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
संजय होस्पिटल पागे, रेल्वे स्टेशन के पीछे  
मु.पो. नडियाद जिला खेड़ा (गुजरात)  
फोन नं., 8542, 8520
54. त्रंबो-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री साधनावाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. त्रंबो वाया रापर-कच्छ  
जिला भुज (गुजरात) 370165
55. चिचबन्दर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री कमल प्रभावाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ (मांडवी)  
वोम्ब्रे ग्रेन डीलर एसोसिएशन विल्डिंग,  
1 माला, केशवजी नायक रोड, चिच बन्दर  
बम्बई-400 009 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 372 3357 पी.पी.
56. जोगेश्वरी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री कीर्तिप्रभावाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
अन्नपूर्णा विल्डिंग, कृष्णनगर गुफा रोड  
जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई-400 060 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 632 3142

## 57 बडौदा (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री मेठुनावाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्वानवरासी जैन मघ, जैन उराश्रय,  
नोठी चार राम्ना, शास्त्री नी पार  
बडौदा—(गुजरात) 390001

कुल धातुर्मात मतो वे	6	कुल सन	19
कुल-धातुर्मात सतियों के	55	कुल सतियाँ	239

—	61	—	258
---	----	---	-----

## 58 मियागाव-अर्जण (गुजरात)

महाभावी महामती श्री रत्नाराई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्यातवामी जैन मघ, जैन उराश्रय  
मुपो मियागाव-अर्जण, जिना प्रदोदा  
(गुजरात) 391240

कुल धातुगाम (61) सन (19) सतियाजी (239)
कुल ठाणा (258)

सत-सती तुलनात्मक तानिका 1991

विवरण	सन	सतियाँ	कुल ठाणा
-------	----	--------	----------

## 59 भुज कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री चदितावाई मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्वानकवामी छ नोठी जैन मघ  
छ वाठी जैन उराश्रय, वाणियावाड  
डॉ महिपत मेहता माग, मुपो भुज-कच्छ  
(गुजरात) 370001

1991 में विद्यमान थे	18	238	256
----------------------	----	-----	-----

+ गई दोषाएँ हुईं	—	1	1
------------------	---	---	---

—	18	239	257
---	----	-----	-----

— प्राप्त हुए	1	—	1
---------------	---	---	---

—	17 से	239	259
---	-------	-----	-----

+ एकता विहारी सम्मिलित हुए	2	—	—
----------------------------	---	---	---

## 60 भायन्दर-धम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री जिज्ञानावाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्या जैन थावक मघ, जैन स्यातव  
महावीर, जराटमदस, स्टेशन राड  
शिवसेना आफिस के सामने, भायन्दर (वन्ट)  
जिला ठाणा (महा) 401101

1991 में विद्यमान थे	19	239	258
----------------------	----	-----	-----

—	—	—	—
---	---	---	---

1992 में विद्यमान हैं	19	239	258
-----------------------	----	-----	-----

जन पत्र-पत्रिकाएँ—बाई हीं

## 61 अंधेरी-धम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री मधुस्मिताजी मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्या जैन थावक मघ, जैन स्वातव  
दोबेराय कम्पाउंड, भरडावाडी, जेपी राड,  
बंधेरी (वेल्ड) धम्बई 400058 (महाराष्ट्र)

विशेष—(1) इन समुदाय म स्व धातुगाम प्रथम श्री रघुवन्तजी स्वामी के महाप्रयाण के पचात् जमी तब किसी भी भी जायाय पद प्रदान नहीं किया गया। गादीपति का पद समुदाय म वरिष्ठ दोषा पर्याय वय वाले सन को प्रदान करने का नियम है। इस कारण समुदाय मे मयम ध्यावद्ध वरिष्ठ दोषा पर्याय श्री गरीसह मुनिजी म मा गादीपति पद पर नियुक्तन है।

श्री दरियापुरी आठ कोटी समुदाय के  
सत-सतियाँजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख आचार्यः— पं. रत्न, शास्त्रज्ञ आचार्य  
प्रवर श्री शान्तिलालजी म. सा.

कुल चातुर्मास (28) संत (13) सतियाँ (118) कुल ठाणा (131)

संत समुदाय

1. सायला (गुजरात)

आचार्य प्रवर शास्त्रज्ञ, पं. रत्न, श्री शान्तिलालजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, छत्री के पास, मु.पो. सायला  
जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

फोन-अध्यक्ष 49 एवं 25

2. भावनगर (गुजरात)

प्रखर व्याख्याता श्री वीरेन्द्र मुनिजी म.सा.

सौम्यमति श्री राजेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्रीकृष्णनगर स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, मेघाणी सर्कल, कृष्णनगर  
सोसायटी, भावनगर-364001 (गुजरात)

3. विजयनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर वक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ,  
89 विजयनगर, नाराणपुरा, अहमदाबाद  
(गुजरात) 380013

4. कलोल (गुजरात)

सेवाभावी श्री हर्षद मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सं.पर्क सूत्र—श्री दरियापुरी स्था. जैन संघ, जैन उपाश्रय  
उपाश्रय वाला खाचो बाजार मे  
मु.पो. कलोल, जिला अहमदाबाद  
(गुज.) 382721 फोन 2070पीपी

महासतियाँजी समुदाय

5. छीपापोल-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री सुभद्राबाई म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ  
छीपापोल रवानी नारायण मंदिर के पास  
कालूपुर, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)  
फोन नं. 363991 अध्यक्ष 365428

6. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री कान्ताबाई म.सा. आदि ठाणा (-)

सम्पर्क सूत्र—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,  
तलिया नी पोल, महादेव वालो खाचो,  
सारंगपुर, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)  
फोन नं. 340562

7. सरसपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री वासतीबाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सं.पर्क सूत्र—श्री दरियापुरी स्था. जैन संघ  
गारदाबाई हास्पिटल, पासे चार रास्ता,  
सरसपुर, अहमदाबाद-380018 (गुजरात)

8. शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री दमयंतीबाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री शाहपुर, दरियापुरी स्था. जैन संघ,  
मुनारा नो खाचो, अहमदाबाद-380008  
(गुजरात) फोन 20493



- 9 बत्तोत (गुजरात)  
मग्न स्वभावी महात्मनी श्री नारायणार्द्र म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—परतोत्र प्रमाण (4) अनुमात्र
- 10 पाटण (गुजरात)  
विदुषी महात्मनी श्री प्रभावाई म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
घेनावादे माता नी खडवी, रिगता जम्ब राड  
मु पो पाटण, जिन्ना मेहमाता (गज) 384265
- 11 प्रात्नीज (गुजरात)  
विदुषी महात्मनी श्री प्रभावाई म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
जैन उपाध्य, गया वातात्र  
मु पा प्रात्नीज जिला मावगवाठा (गुजरात)  
383205 फोन न 620व 12
- 12 बडोदा (गुजरात)  
विदुषी महात्मनी श्री प्रवीणार्द्र म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
मामागी मोल, जागीदान पोद के नावे के पाय  
गवपुरा राड, बडोदा-390001 (गुजरात)  
फोन अध्यक्ष 550314-55 2109
- 13 इटोला (गुजरात)  
मग्न स्वभावी महात्मनी श्री तरुणावाई म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
जैन उपाध्य नानी भाजल  
मु पा इटोला, वाया मियागाव-वज्जण  
जिला वडोदा (गुजरात)
- 14 विरमगाव (गुजरात)  
व्याख्यात्री महात्मनी श्री मालावाई म मा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पत् सूत्र—श्री विरमगाव दशा धोमानी दरियापुरा  
स्या जैन मय मयवी फनी,  
विरमगाव निरा जहमदादा (गुज) 382157  
फोन-अध्यक्ष आफिस 160 निवास 75
- 15 सयतर (गुजरात)  
व्याख्यात्री महात्मनी श्री जयानावाई म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
वागा मे, मु पा सयतर जिन्ना पुत्रतर  
(गुजरात)
- 16 मूरत (गुजरात)  
तेजमार्द्र महात्मनी श्री इन्द्रवाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
तवारी वोगर, पुनी के गम, लक्ष्मपुरा  
म मा-395003 (गुजरात)
- 17 पालापुर (गुजरात)  
विदुषी महात्मनी श्री मुनीमावाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पत् सूत्र—श्री सोनाग ट स्या जैन मय  
जैन उपाध्य, जीवतवाई, पात्रपुरा  
जिला वागावाठा (गुजरात) 385001
- 18 वादात (गुजरात)  
विदुषी महात्मनी श्री जगतीवाई म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—श्री दरियापुरी स्या जैन मय,  
जैन उपाध्य, मु पो वादान, वाया बोस  
जिला मेडा (गुजरात)
- 19 बीजापुर (कर्नाटक)  
विदुषी महात्मनी श्री इंदिरावाई म मा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—  
Shri Jeetmal Nandlal Jain  
Cotton Marchant, Mahavir Marg  
BIJAPUR-758610 (Karnataka)
- 20 भवितनगर राजकोट (गुजरात)  
मग्न स्वभावी महात्मनी श्री हीरवाई म मा  
आदि ठाणा (-)  
सम्पत् सूत्र—श्री स्थानवदानी जैन मय,  
जैन पोमधयाला, भक्ति नगर,  
राजकोट-360001 (गुजरात)

21. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)  
शांत स्वभावी महामती श्री कम्णाबाई म मा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन सघ,  
जैन उपाश्रय, सुभाष नगर, गिरधर नगर  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

22. बीसलपुर (गुजरात)  
व्याख्यात्री महामती श्री ललिताबाई म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु पो. बीसलपुर, तालुका हस्तोई  
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

23. नाराणपुरा-अहमदाबाद (गुजरात)  
व्याख्यात्री महामती श्री मोतीबाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री ताराबाई आर्याजी सिद्धान्त ट्रस्ट,  
जवेरी नो बंगलो, नाराणपुरा  
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

24. सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री विमलाबाई म सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ  
जैन भुवन, जैन सोसायटी रोड नं. 25  
बम्बई-400022 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 4072553

25. दौलतनगर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री हमाबाई म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक संघ रोड नं 9  
दौलतनगर, बोरीवली (पूर्व) बम्बई-400066  
फोन नं. 6057207 पीपी

26. बसई रोड (माणेकपुर) बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री मुलोचनाबाई म मा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, गुजराती  
स्कूल के सामने, बसई रोड (माणेकपुर)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) फोन 2040 पीपी

27. घाटकोपर-संघाणी बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री दीक्षिताबाई म सा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ  
आम्ना रोड, थ्रेयास टाकीज की गली मे, गार्डन लेन  
घाटकोपर संघाणी, बम्बई-400086 (महा.)  
फोन नं 5152027

28. निचपोकली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री गद्युबाई म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ  
64 आम्बेडकर रोड Opp वोल्टाज  
निचपोकली, बम्बई-400012 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 8725466

कुल चातुर्मास संतों के	4	कुल संत	13
कुल चातुर्मास सतियों के	24	कुल सतियां	118
	-----		-----
कुल	28	कुल	131
	-----		-----

कुल चातुर्मास (28) संत (13) सतियां (118) कुल  
ठाणा (131)

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

गत वर्ष 1991 अनुसार ही

जैन पत्र-पत्रिकाएँ कोई नहीं

जैन एकता संदेश

का आगामी अंक अक्टूबर 1992 में  
प्रकाशित होगा।

ॐ श्री गुरुदेवाय नमः

श्रमण सभ न पूज्य आचार्य गम्राट 1008 श्री देवेन्द्रमुनिजी ममा आनि ठाणाआ वा गड्डितराना म  
पूज्य -पाध्याय श्री केवन मनिजी ममा जादि ठाणाआ वा रंगनार म पूज्य प्रबतक श्री  
रमण मनिजी ममा ना जादि ठाणाआ वा उडा मादडी म शास्त्री श्री मुरम  
मनिजी म जादि ठाणाआ वा मुरम म एव मघ तनाभारी तपस्वी श्री  
मात्र मनिजी ममा जादि ठाणाआ वा ददौर  
रनर बाँतोनी मे वष 1992 वा उगावाम  
चारदशा चारित्र एव तप की  
आराधनाआ म आन-प्रात मगल वन  
ऐसी मगल कामना करते हुए

(एसटीडी 07412)

दूरभाष 202887 22754

## कटारिया मिश्रीलाल माँगीलाल

19/3 पनम राट, रतलाम (म प्र) 457001

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

दूरभाष 20443 व 22543

## फ्रेण्डस आटोमोबाईल्स, इंडियन आईल पेट्रोल पम्प

महू राट तामावडा जिना रतलाम (म प्र)

दूरभाष 22681

## श्री शक्ति आटोमोबाईल्स

भाषित विप्रेता टी वी एम मूवी, माटर गाइडि व मापट जाधुनि मनीना एव कम्पनी द्वारा  
प्रशिक्षित मेकनिना द्वारा रिपैरि व सर्विस  
एम्बेदायर कामपुत्रकम महू राट रतलाम (म प्र) 157001

दूरभाष 20125 व 24944

## दिवाकर मोटर्स

86, न्यू राट, रतलाम (म प्र)

दूरभाष 2062

## श्री महावीर आटोमोबाईल्स, इंडियन आईल पेट्रोल पम्प

महावीर जिना धार (म प्र)

दूरभाष 1679

## श्री शक्ति आटोमोबाईल्स

भाषित विप्रेता टी वी एम मूनिजी माटर गाईडि व मोपिड  
आर व जैन गाईड, नीमच जिना महमीर (म प्र) 458 311

शुभेच्छक

मागीलाल कटारिया

रतलाम (म प्र)

श्री लिम्बडी संघवी (गोपाल) समुदाय  
के संत-सतियाँजी म.सा.।

समुदाय के प्रमुख:-तपस्वी रत्न, सरल स्वभावी,  
पं. रत्न श्री रामजी मुनि म.सा.

कुल चातुर्मास (20) संत (13) सतियाँ (114) कुल ठाणा (127)

संत समुदाय

1. नवा वाडज-अहमदाबाद (गुजरात)  
तपस्वी रत्न, सरल स्वभावी पं. रत्न श्री रामजी मुनि  
म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मघ, जैन उपाश्रय  
चंपकनगर प्लोट नं 21, नवा वाडज  
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)  
फोन-अध्यक्ष दुकान 364987 निवाम 868457
2. वापी (गुजरात)  
आध्यात्मिक ज्ञानी श्री केवलमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, गुजन सिनेमा  
के पीछे, प्लॉट नं 345, जी आई.डी.सी  
एग्निया, मु.पो. वापी, जिला वलसाड़  
(गुजरात) 396191
3. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
सरल स्वभावी श्री रत्नसी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन समाज पूर्व विभाग  
36 स्वस्तिक सोसायटी, सुरेन्द्रनगर-363001  
(गुजरात)
4. धंधुका (गुजरात)  
संवाभावी श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. स्थानकवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, स्टेशन रोड जनता बैंक के पीछे  
मु.पो. धंधुका जिला अहमदाबाद (गुजरात)  
382460  
फोन माजी प्रमुख 72419

महासतियाँजी समुदाय

5. धागंध्रा (गुजरात)  
तेजस्वी महासती श्री मंजूलाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मघ, जैन उपाश्रय  
ग्रीन चौक, मु.पो. धागंध्रा-363380  
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
6. बांकानेर (गुजरात)  
मौनी आध्यात्मिक प्रेमी महासती श्री मुक्ताबाई म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मघ, जैन उपाश्रय  
उपाश्रय शेरी, मु.पो. बांकानेर, जिला राजकोट  
(गुजरात) 363621
7. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री जमवतीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन समाज, जैन उपाश्रय  
पूर्व विभाग मेघाणी मार्ग, भारत सोसायटी  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001 फोन 23302
8. जीवराज पार्क-अहमदाबाद (गुजरात)  
तत्व रसिका महासती श्री तारामतीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
Opp आशापुरी प्लेट, जीवराज पार्क,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

- 9 बालवेरवर बम्बई (महाराष्ट्र)  
तन्वित्वादी महामती श्री जयन्तीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (7)  
सम्पन्न मूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन स्थानक,  
तीन बत्ती व पाम जमनालाम मस्त्रा. मांग  
बालवेरवर, बम्बई 400006 (महाराष्ट्र)  
फोन 3621642
- 10 लिम्बडी (सीराष्ट्र) (गुजरात)  
विद्युपी महामती श्री हीराबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (5)  
सम्पन्न मूत्र-श्री धारणी रत्नाबाई स्या जैन मध  
मधवी जन उपाश्रय मम जी राट  
मु पा लिम्बडी (सागराष्ट्र), जिना गुरद्वनगर  
(गुजरात) 363421 फोन 456 पीपी
- 11 बडवाण सिटी (गुजरात)  
विद्युपी महामती श्री भाग्यतीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (6)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाश्रय  
मु पा बडवाण जहर, वाया जिला मुद्रनगर  
(गुजरात) 363630
- 12 सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात)  
विद्युपी महामती श्री प्रियशक्तीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध जन उपाश्रय  
हिराणी नगर रामनगर भाद्रमती  
अहमदाबाद 380005 (गुजरात)
- 13 कृष्णनगर, अहमदाबाद (गुजरात)  
सम्पन्न स्वभावी महामती श्री मयाबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (1)  
सम्पन्न मूत्र-श्री मयाबाई स्या जन मध,  
प्लॉक न 54/868 मेजपुर, वाधा, नगरपालिका,  
कृष्णनगर अहमदाबाद (गुजरात)
- 14 सुरेद्रनगर (गुजरात)  
तन्वित्वादी महामती श्री मयशाबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (14)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाश्रय  
केरी बाजार सुरेद्रनगर 363001 (गुजरात)
- 15 माटुगा बम्बई (महाराष्ट्र)  
विद्युपी महामती श्री जयन्तीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (9)  
सम्पन्न मूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन उपाश्रय  
नवा श्रम राट न 2, महेन्द्रजी उद्यान व पत  
माटुगा (पूर्व) (C R ) बम्बई 400029  
फोन 4372015
- 16 नवरगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात)  
सेदाभावी महामती श्री चन्द्रिकाबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (7)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाश्रय  
अचिता फ्लेट के पाम, ग्राह्य इन रोड  
नवरगपुरा, अहमदाबाद 380009 (गुजरात)
- 17 कांदिपली, बम्बई (महाराष्ट्र)  
विद्युपी महामती श्री जयन्तीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (7)  
सम्पन्न मूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन स्थानक  
पाडवदर रोड, राम वी रोड, मद्रव बँक के पाम  
कांदिपली (बम्बई) बम्बई 400067 (महाराष्ट्र)  
फोन 6071912
- 18 बापू नगर, अहमदाबाद (गुजरात)  
नवाभावी महामती श्री मृदुलाबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाश्रय  
बापू नगर अहमदाबाद 380024 (गुजरात)
- 19 गडडा (स्वामीनारायण) (गुजरात)  
सम्पन्न स्वभावी महामती श्री उपाबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाश्रय  
मु पा गडडा (स्वामीनारायण) 361700  
जिना भाजनगर (गुजरात)
- 20 विरमगाव (गुजरात)  
विद्युपी महामती श्री जयन्तीबाई मसा  
जिल्हा ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री स्थानकवामी जैन मध जैन उपाश्रय  
मोदी बटवाडा, मु पा विरमगाव  
जिला अहमदाबाद (गुजरात),

कुल चातुर्मास संतों के	4	कुल संत	13
कुल चातुर्मास सतियों के	16	कुल सतियाँ	114
—	—	—	—
कुल	20	कुल	127
—	—	—	—

कुल चातुर्मास (20) संत (13) सतियाँ (114) कुल ठाणा (127)

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	12	109	121
(+) नई दीक्षाएँ हुई	1	5	6
—	—	—	—
—	13	114	127
(-) काल धर्म प्राप्त हुए	—	—	—
—	13	114	127

1992 में विद्यमान है 13 114 127

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—केवल जिनदर्शन (गुजराती मासिक) बम्बई

जैन दिवाकरजी म.के मुशिष्य तपस्वीश्री वृद्धिचन्दजी म.व्या. वा. पं. श्री चन्दन मुनिजी म. बालकवि श्री सुभाष मुनिजी म "सुमन" साहित्य रत्न ठाणा 3 का 1992 का कोटा वर्षावास सानन्द सम्पन्न होवे। यही मंगल मनोपा—

## सत साहित्य मंगवाईये

- \* दिवाकर देन भाग 1 से 6 \* दिवाकर पूर्व चिन्तन
- \* सबक, \* झरोखा, \* गुलदस्ता, \* स्वप्न और संसार,
- \* एक आलोक पुज—जैन दिवाकर, \* मोक्ष मार्ग, \* संकल्प और सिद्धि, \* प्रीत की जीत, \* राही रुका नहीं, \* आदर्श रामायण, \* जैन संस्कृति परिचय 1 से 15, \* पर्युषण व्याख्यान, \* त्रय चरित्र \* जैन आगम—(गुटका साईज), \* महाबल मलिया चरित्र—

सम्पर्क सूत्र—सुनिलकुमार जैन (मंत्री)

मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग

चौधरी मोहल्ला, नीमच सिटी (म.प्र.)

सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मार्गण्ड, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म सा को कोटि-कोटि वन्दन करते हुए—वर्तमानाचार्य परम पूज्य गुरुदेव आगमज प रत्न श्री हीराचदजी म सा. आदि ठाणाओं का बालोतरा (राज ) मे सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हायिक शुभकामनाओं सहित !

## Gautam Chand Ostwal

Editor-Moksh Dwar (Hindi Fortnightly)

No.-53, 1st Floor, 2nd Main Road,

4th Cross, Nagappa Block,

BANGALORE-560021 (Karnatka)

उं उपभ

पूजन उपाध्याय श्री कचन मतिजी मना श्री टाणाजा वा बगतीर म पूजन प्रवतक श्री गगनमुनिजी मना  
जादि टाणाजा वा बडा नाबटो म एव प्राग्धी श्री गुरग मुनिजी मना जादि टाणाजा वा मूरन म  
वष 1492 वा वपात्राम यशस्वा वा एमा मगत वामना कर्न हूए

## श्री कस्तूर गुरु भोजनशाला ट्रस्ट बोर्ड

20, नीम चौक, रतलाम-457001 (म प्र)

पंचायत क्रमांक 227 दि 3-12-1990

मानव र्व्म ग्रानिर्दिष्ट पूजन गगन उपाध्याय श्री कस्तूरनदना मडागात्र मा क वाम पागाणी वष म  
दिनांक 10 5 92 म श्री कस्तूर गुरु भोजनशाला नीम चौक, रतलाम वा शुभारन

उदघाटन-द्वारा दानवीर सेठ श्री कशरीमलजी सा खिबेतरा बम्बई (सादरी मारबाड बाते)  
ममम्न मागामिन ट्जनावी पध्याग्न वात भाद्रपा म मघ र। तवा कर्न वा मुअनगर प्रदाा रग्न वा  
विनम्र निवदन ह।

### न्यासी गण

सठ कशरामलजी द्विवमरा	इ-बरमल जन	मागोमान बटारिया
बम्बई	राजाम	रतलाम
मनम्भ नदम्भ	अध्यग्न	मुपा
रखबचद कटारिया	मणीलाल गादिया	समररथमल कटारिया
कापाध्यग्न		
बाबूलाल वारा	मीठालाल मगनलाल संघवी	सुरेशकुमार मेहता

भोजनशाला -- व्यवस्थापक प्रमुख

माणकलाल बाफना, शैतानमल पटवा, नीम चौक  
रतलाम

श्री कच्छ आठ कोटी सोटा पक्ष समुदाय के  
संत-सतियाँजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख संत:- शास्त्रज्ञ श्री धीरजमुनिजी म. सा.

कुल चातुर्गति (29) संत (16) सतियाँजी (76) कुल ठाणा (92)

संत समुदाय

1. दादर-वम्बई (महाराष्ट्र)  
शास्त्रज्ञ श्री धीरजमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
पोट्रिंगीज चर्च स्ट्रीट, 12 एल लेन, ज्ञान मंदिर रोड  
दादर (वेस्ट) बम्बई-400028 (महाराष्ट्र)  
फोन 4229418
2. कांडागरा-कच्छ (गुजरात)  
त्रिदुर्ग श्री प्राणलालजी म.सा.  
मधुर व्याख्यान श्री मुभापचन्द्रजी म.सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. कांडागरा-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात) 370435
3. भाण्डुप-वम्बई (महाराष्ट्र)  
आत्मार्यो श्री दिनोदचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
आग्रा रोड, देना बैंक के सामने, ईश्वर नगर  
भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई-400078 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 5617828
4. उमरावा (गुजरात)  
मधुर वक्ता श्री भाईचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. उमरावा (गुजरात) (गुजरात)
5. सोवडा (कच्छ) (गुजरात)  
मधुर वक्ता श्री रमेशचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (2)

5. बेराजा-कच्छ (गुजरात)

सेवाभावी श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. बेराजा-कच्छ जिला भुज (गुजरात)

6. नवाडीसा (गुजरात)

तापस्वी रत्न श्री दिनेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
14, स्वस्तिक सोसायटी, मिडिल हास्पिटल के  
वाजू में, मु.पो. डीसा-385535  
(मौराष्ट्र) (गुजरात)

महासतियाँजी समुदाय

7. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

त्रिदुर्गी महासती श्री वेलवाई म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ-जिला भुज  
(गुजरात) 370465

8. पत्री-कच्छ (गुजरात)

त्रिदुर्गी महासती श्री लक्ष्मीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. पत्री-कच्छ जिला भुज (गुज) 370425

9. घनज्याम नगर अहमदाबाद (गुजरात)

त्रिदुर्गी महासती श्री मणीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
घनज्याम नगर, अहमदाबाद (गुजरात)



- 10 **माध्यापर-कच्छ (गुजरात)**  
महात्मनि महामती श्री भर्षासाई म मा  
जादि ठाणा (3)  
म.प.न. गृह-श्री स्थानवधारी जैन मध, जैन उपाध्य  
मु.पा. माध्यापर-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 11 **गोरेगाव-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महामती श्री दमयतीबाई म मा  
जादि ठाणा (6)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध  
274 ग. उवाहर नगर राठ न 12 ए.पी. रो  
राठ न. पाग. गारगाव (बम्बई)  
बम्बई-400062 (म.प.) फान न 6725780
- 12 **मुलुण्ड चक नावा बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महामती श्री प्रभातीसाई म मा  
जादि ठाणा (4)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध, जैन स्थान  
म.प.न.ग.म. वि.सि.ग. शिवाजीनगर, मा.प.न. स्टूट  
मुलुण्ड चक नावा जिना ठाणा (महाराष्ट्र)  
फान न 5618486
- 13 **बित्रीली-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
मोम्यमती महामती श्री नीतावतीबाई म मा  
जादि ठाणा (2)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध  
टगा. नगर सि.उ.ग. न 4 न. गामन  
वित्रीली (पूर्व) बम्बई-400083 (महाराष्ट्र)  
फान न 5781363
- 14 **बारा-कच्छ (गुजरात)**  
विदुषी महामती श्री मजुताबाई म मा  
जादि ठाणा (6)  
म.प.न. गृह-श्री स्थानवधारी जैन मध, जैन उपाध्य  
मु.पा. बारा-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 15 **हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)**  
विदुषी महामती श्री बाबताबाई म मा  
जादि ठाणा (2)  
म.प.न. गृह-  
Shri Sthanakwasu Jan Singh  
35 141/3 12 Gujrat Saving Jun  
Sthanak Bhawan  
Eden Bagh Ramkot Dr Saboo Gil  
HYDERABAD-500 001 (A P)  
Tel No 557749
- 16 **मोनाप-कच्छ (गुजरात)**  
म.प.न. म.न.वा. महामती श्री निमताबाई म मा  
जादि ठाणा (3)  
म.प.न. गृह-श्री स्थानवधारी जैन मध, जैन उपाध्य  
मु.पा. मोनाप-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 17 **गारेगाव (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महामती श्री निरजनाबाई म मा  
जादि ठाणा (4)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध जैन उपाध्य  
श्रीनिधाम. गट. पाय. न.प.न. के. गामन. आर. राठ  
गारगाव (पूर्व) बम्बई-400063 (महाराष्ट्र)  
फान न 6731204
- 18 **अधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महामती श्री सुभद्राबाई म मा  
जादि ठाणा (5)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध, जैन उपाध्य  
जुहारी, एम.वी. रोड, बरफीवाला लेन  
धाताबाई नगर, अधेरी (बम्बई) बम्बई 400085  
(महाराष्ट्र) फान न 6210238
- 19 **मुक्त-कच्छ (गुजरात)**  
मोम्यमती महामती श्री वन्मुराटी म मा  
जादि ठाणा (3)  
म.प.न. गृह-श्री स्थानवधारी जैन मध, जैन उपाध्य  
गण्डिग. शेरी, मु.पा. भुज 370001 (गुज.)
- 20 **मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महामती श्री वाचिनाबाई म मा  
जादि ठाणा (3)  
म.प.न. गृह-श्री व. म्या. जैन धावक मध, जैन स्थान  
गैलाणधाम 1 गारा जी.वी. स्कीम राठ  
मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-400081 (महाराष्ट्र)  
फान न 5612867
- 21 **नवीनाल-कच्छ (गुजरात)**  
म.प.न.वा. महामती श्री रविगबाई म मा  
जादि ठाणा (2)  
म.प.न. गृह-श्री स्थानवधारी जैन मध, जैन उपाध्य  
मु.पा. नवीनाल-कच्छ जिना भुज (गुजरात)

22. तलवाणा-कच्छ (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री वीरमणीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. तलवाणा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	7	कुल संत	16
कुल चातुर्मास सतियों के	22	कुल सतियाँ	76
	—	—	—
कुल	29	कुल	92

23. राह (बनाराकांठा) (गुजरात)

सौम्यमूर्ति महासती श्री उज्ज्वलबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. राह, जिला बनारकांठा (उत्तर गुजरात)

कुल चातुर्मास (29) संत (16) सतियाँ (16)	
कुल ठाणा (92)	

24. मलाड (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)

सेवाभावी महासती श्री गीताबाई म.सा. (सकारण)  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—अजन्ता गोपिग सेक्टर 1 माला, दफ्तरी रोड  
मलाड (पूर्व) बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	16	77	93
(+) नई दीक्षा हुई	—	1	1
(-) काल धर्म प्राप्त हुए	—	1	1
(-) नाम ज्ञात नहीं हो सका	—	1	1
	16	77	93
	16	76	92

25. रावेड़ (सूरत) (गुजरात)

सेवामूर्ति महासती श्री नीलाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. रावेड़, जिला सूरत (गुजरात)

1992 में कुल ठाणा हैं। 16 76 92

26. कपाया-कच्छ (गुजरात)

सरल स्वभावी महासती श्री जामिनाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. कपाया-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

370415

27. नाना भाडीया-कच्छ (गुजरात)

ज्ञान स्वभावी महासती श्री करुणाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. नाना भाडीया-कच्छ, जिला भुज (गुज.)

28. उधना-सूरत (गुजरात)

सेवाभावी महासती श्री जगजाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. उधना सूरत (गुजरात)

नोट—कच्छ आठ कोटी मोटा पक्ष समुदाय के स्व. आचार्य प्रवर श्री छोटालानजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात अभी तक समुदाय में किसी को भी नया आचार्य नहीं बनाया गया है। समुदाय का नियम है कि आचार्य पद माडवी-कच्छ में ही प्रदान किया जाता है। अतः जिनमें भी आचार्य बनाया जाये उसे माडवी-कच्छ पहुँचना जरूरी होता है। गत वर्ष की सूची, एव संघ द्वारा प्रकाशित सूची पत्र के अनुसार समुदाय से प्रथम नाग श्री धीरज मुनिजी म.सा. का दिया गया है।

जय महावीर

जय अजरामर

हात्तारी बीगा जोसवाल समाज में आद्य दीक्षित, प्रथमाधाय

## शासनोद्धारक 1008 श्री अजरामरजी स्वामी के

पूर्वाश्रम के पुण्यशाली माह-परिवार का परिचय

जन्मस्थली—गडाणा (ता. तानपुर) (राष्ट्रदादावाता) गाँव वि.सं. 1590 में उभाया गया था।

पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी का पूज्य बन्धुप्रातः वि.सं. 1617 में प्रस्थान कर हलार (जामनगर राज्य) प्रातः के माहा गाँव में स्थिर हुए। वि.सं. 1701 में माहा में प्रस्थान कर वगतः के गाँव पडाणा में स्थिर हुए।

पूज्यों की वंशावली क्रमशः निम्नोक्त है—वसु परमार, मूल राजधानी आसू। गोत्र माह—1 दादा बेगमी, 2 देववर्ण, 3 वीरम, 4 बरजाण, 5-जेठकरण, 6 आरुण, 7 जगा, 8 जेतगी, 9 उगा, 10 आमा, 11 रजमन, 12 हरगण, 13 खीयमी—उनके दो पुत्र 14-व माणिक एवं 14-ख मेगामाई। माणिकभाई का पुत्र 15-व वीरगार, 15-ख जाणद (अजरामर)। वीरगारभाई नैनिहान बडा लखिया गाँव में ही स्थिर हुए। उनका पुत्र 16-तत्पार, उनके पुत्र 17-परतभाई, उनके दो पुत्र 18-व पुजाभाई श्रद्धा गाँव में रहते थे। उनका पुत्र, 19-व जेगभाई का परिवार जकावा ख जवेरचंदभाई बडा लखिया गाँव में, य प्रेमचंदभाई का परिवार बम्बई है। परतभाई का दूसरा पुत्र, 18-ख हवाभाई के पाँच पुत्र 19-व रतानाभाई, ख आतिनाभाई, य जयतिनाभाई, घ नरगाभाई, च रतनजीभाई—इस पाँचों का परिवार बडा लखिया गाँव में है। फिनहान के सम्बन्ध रहते हैं।

पूज्यश्री का चाचा मेगामाई का पुत्र, 15-कम्मणी, उनका पुत्र, 16-अरमणी, उनके पुत्र, 17-पापभाई के पाँच पुत्र 19-(1) हीरजीभाई, (2) रतनमहाई (3) हरगण (हरखचंद) भाई, (4) गुलाबनदभाई, (5) शामजीभाई—उन पाँचा भाइयों का परिवार पूज्य गुरुदेव श्री का जन्म थली पडाणा में हुआ है। फिनहान के सम्बन्ध पर जामनगर में व्यवसायाध्य स्थिर हुए हैं। वे बहुत साध्याशाली, धर्ममन्त्री एवं पडाणा गाँव में धार्मिक एवं जवान्य मध्यामा में उदार स्त्रिय सहाय प्रदाता भी हैं। श्री हीरजी तारा, श्री हानारी बीमा आशाल जैन महाजन—बम्बई के स्तम्भ स्वरूप कमंड कायकता थे।

साक्षात् के उद्धारक जार आज भी लाखा धारिक-श्राविका का आराध्य देव का प्रेरणास्त्र पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी का नमारी परिवार हाल का नाम माह-परिवार की वीरि अमर स्त्री, आर हानारी गाल तक माह-परिवार भागवाचित रहेगा।

सशोधक—पुण्यवता आचार्यश्री स्वरुद्रजी स्वामी के अनुनामी मयदर्शा प कृपामु गुरुदेव श्री नवलयश्री स्वामी के शिष्य प रत्न मुनिश्री भास्करजी स्वामी।

सीजय

रूपाली स्टोर्स

(प्रो के डी बीसी)

विमल मित्त अधिष्ठत शो रुम

जवाहर गड, मुरदनगर 363001 (गुजरात)

फोन आदिम-22672 निवाय-42557

समुदाय के प्रमुख आचार्यः— आचार्य प्रवर  
पं. रत्न श्री रामजी स्वासी म. सा.

कुल चातुर्मास (13) संत (22) सतियाँ (34) कुल ठाणा (56)

संत समुदाय

1. वडाला-कच्छ (गुजरात)  
आचार्य प्रवर, पं. रत्न श्री रामजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. वडाला-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
2. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)  
विद्वदर्य श्री भाणजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. देशलपुर-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
3. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)  
विद्वदर्य श्री गोविन्दजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात) 370465
4. गेलडा-कच्छ (गुजरात)  
विद्वदर्य श्री छीमजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. गेलडा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
5. गुन्दाला-कच्छ (गुजरात)  
विद्वदर्य श्री मूरजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. गुन्दाला-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

महासतियाँजी समुदाय

6. साडाऊ-कच्छ (गुजरात)  
पदवीधर महासती श्री लक्ष्मीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. साडाऊ-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
7. कपाया-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री भर्तीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. कपाया-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात) 370415
8. मोरवा-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री साकबाई म.सा. (प्रथम)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. मोरवा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
9. वारोर्ड-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री भानुबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. वारोर्ड-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
10. कारागोवा-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री रत्नबाई म.सा. (द्वितीय)  
आदि ठाणा (4)

मंगल सूत्र-श्री स्वामीजी जैन मण जैन उपाश्रय  
मु पा राजगढ़ा-बन्ध जिला मुज (गुजरात)

कुल चातुर्मास सत के	5	कुल सत	22
कुल चातुर्मास गतियों के	8	कुल सतियां	34
कुल 13		कुल 56	

11 बेराजा-बन्ध (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री जयशंकर म मा  
आदि ठाणा (4)

कुल चातुर्मास (13)	सत (22)	गतियों (34)
		कुल ठाणा (56)

मंगल सूत्र-श्री स्वामीजी जैन मण जैन उपाश्रय  
मु पा राजगढ़ा-बन्ध जिला मुज (गुजरात)

सत-सती तुलनात्मक सतिका-गत वष 1991 अनुसार

12 पशो-बन्ध (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री निमनाज म मा (प्रथम)  
आदि ठाणा (3)

नोट - (1) इस समुदाय म 100% चातुर्मास क्या नाम  
क्या गुण सुनिश्चित बन्ध प्रदेश मे ही होत है एव  
ऐस राज म भी सभी गत-गतियों का विवरण क्षेत्र  
बन्ध प्रदेश ही है।

मंगल सूत्र-श्री स्वामीजी जैन मण जैन उपाश्रय  
मु पा राजगढ़ा-बन्ध जिला मुज (गुजरात)

(2) चातुर्मास म जित भी मपाडे है उनके शास्त्र-शास्त्र  
हर वष एक दूसरे के माथ चातुर्मास करते है। यदि  
दिसी सत-सतियों न चार ठाणा म एव वष एव जगह  
चातुर्मास क्या है तो आले वष के जय दिसी के  
जय चातुर्मास करेगे। यह सत्य बडे विशेषता  
सम्पूर्ण जैन समाज म इसी समुदाय म विद्यमान है।  
जय समुदाय म विषाया के सत-सती उधे हुए होते  
है यहाँ हर वष बदलत रहत र।

13 बीदा-बन्ध (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री हमनराज म मा  
आदि ठाणा (4)

जैन मण-सतिपाठो-नही

मंगल सूत्र-श्री स्वामीजी जैन मण जैन उपाश्रय  
मु पा राजगढ़ा-बन्ध जिला मुज (गुजरात)

आचार्य सहाय या आचार्य शशिजी म मा का शन धा  
बदन प्रथम हुए। आचार्य प्रथम श्री चन्द्र मुनिजी म मा  
उपाश्रय श्री पुनर मनिजा म मा आदि ठाणाओं के म-  
मिवाणा (मप्र) म 1992 का चातुर्मास, तान, वजन,  
चारित्र्य एव तप का जगधनाथा म परियुक्त होत ही मगन  
कामना करत हुए। -

श्रमण मणय प्रथम प ग्ल श्री उमेज मुनिजी म मा एव  
श्री चन्द्र मनिजी म मा का आपानुपूर्वी विदुषी महामती  
या मन्त्राणाजा, महामती श्री मुनिनाजी म मा ठाणा 3  
वष का 1992 का चातुर्मास की मगन कामना करत हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित!

हार्दिक शुभकामनाओं सहित!

कान न 48

## साई कृपा एम्पोरियम म होटल श्री साई शंकर

## सुन्दरम विअर

ठहरन क निग अति उत्तम व्यवस्था  
मिर्ठी जिला जहमनगर-423109

रडामंड म्प्रा व यात्र एक क्षेत्रका व्यापारी  
22, मुभाय चौक इंदार (मप्र)  
मह्यापो-प्रतिष्ठान  
अच्छित इन्टर प्राइजेस  
केशव डीप माफेट, हमनी बाजार, इंदार (मप्र)

राट -हमार यहाँ पर साइ म्प्रा को चोरी अगुठी एक प्रथम  
गारट, फाटा जोटिवल्स सभी प्रकार ही न्स्तु मित्रने  
वा एव मात्र स्थान।

श्री शिवचन्द डो पारध

समुदाय के प्रमुख आचार्यः—महान वैरागी, महान त्यागी,  
आत्मार्थी आचार्य प्रवर श्री कान्तीऋषिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (9) संत (9) सतियां (35) कुल ठाणा (44)

## संत समुदाय

## सहासतियाँजी समुदाय

1. साणन्द (गुजरात)
  1. महान वैरागी, आत्मार्थी, महान त्यागी, आगमन, तपस्वी, प्रखर वक्ता, पं. रत्न आचार्य प्रवर श्री कान्तीऋषिजी म.सा.
  2. मधुर व्याख्याता श्री अरविन्दमुनिजी म.सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शारदाबाई महासतीजी स्था, जैन उपाश्रय, बोल पीपलो, ढाकण चौक, तीन दरवाजा के पास, कपडा बाजार के पास मु.पो. साणन्द, जिला खेडा (गुजरात) 382110
  2. दहीसर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
मधुर व्याख्यानी तत्वज्ञ श्री तवीन ऋषिजी म.सा  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक शिव शक्ति कॉम्प्लेक्स, एस वी रोड दहीसर (पूर्व) बम्बई-400068 (महाराष्ट्र) फोन नं. 6034878
  3. चसो (गुजरात)  
प्रिय वक्ता श्री कमनेज मुनिजी म.सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वसो. स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, जेदनी खड़की सामे, गोवी बकला मु.पो. वसो, जिला खेडा (गुजरात)
4. खंभात (गुजरात)
  1. विदुषी महासती श्री मुभद्राबाई म.सा.
  2. विदुषी महासती श्री वामलाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री खंभात स्थानकवासी जैन संघ श्री शारदाबाई महासतीजी स्था जैन उपाश्रय बोल पीपलो, मंचवी नी पोल, मु.पो. खंभात जिला खेडा (गुजरात) 388620
  5. घाटलोडीया-अहमदाबाद (गुजरात)
    - 1 विदुषी महासती श्री वसुबाई म.सा.
    - 2 स्वाध्याय प्रेमी महासती श्री इन्दिराबाई म.सा  
आदि ठाणा (14)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था जन सघ, 10 मजु श्री सोसायटी, रत्न पार्क, घाटलोडीया अहमदाबाद-380061 (गुजरात)
  6. नगर सेठ का बंडा-अहमदाबाद (गुजरात)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री कान्ताबाई म.सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सोराण्ट् स्था जैन उपाश्रय, नगर सेठ का बंडा, घी काटा अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
  7. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
मधुर व्याख्यानी महासती श्री चन्दनबाई म.सा,  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अहमदाबाद स्था जैन संघ, उपाश्रय, दीनतयाना, सारंगपुर अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

## 8 बारेजा (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महामती श्री शोभावादी म मा  
आदि ठाणा (3)

मम्पक सूत्र-श्री म्थानात्रासी जन मथ, जैन उपाश्रय,  
जैन देरामर के राज मे, मु पा रागेजा  
जिना खेडा (गुजरात)

## 9 धानेरा (गुजरात)

विदुषी महामती श्री सर्गितादी म मा  
आदि ठाणा (1)

मम्पक सूत्र-श्री धारा म्था जैन मथ जन उपाश्रय  
राजार म, मु पो धानेरा, जिना प्रनामराडा  
(गुजरात)

कुल चातुर्मास सतों के	3	कुल मत्	9
कुल चातुर्मास सतिमों के	6	कुल सतियाँ	35
	कुल	कुल	44

कुल चातुर्मास (9) सत (9) सतियाँ (35) कुल (44)

## सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे (+) नई दीक्षा हुई	11	35	46
	—	—	—
	11	35	46
(-) महाप्रयाण हुए	1	—	1
	—	—	—
	10	35	45
(-) साधु जीवन त्याग कर गृहस्थ बने	1	—	1
	—	—	—
	9	35	44
1992 में कुल ठाणा है,	9	35	44

- नोट—(1) महाप्रयाण (वान धम) प्राप्त हुए—  
(2) साधु जीवन त्यागकर गृहस्थ बने—श्री मनोहर  
मुनिजी म मा  
(3) वन पत्र पत्रिकाएँ—कोई नहीं  
(4) आचार्य श्री बार्तीकृपित्री म मा  
विगत 16 वर्षों में प्रति वर्ष 16 मास परमाणु की  
तपस्सा पूर्ण कर चुके हैं।

जय गच्छाधिपति तपस्वराज पूज्य श्री चण्डीनजी म मा  
आदि ठाणाओं के माचीर (राजस्थान) में सन् 1992 का  
चातुर्मास मानस मन्वन्त हात की मंगल रामनाथ करत हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

## B Adishchandra Banthia

50 G No 10th Street Ulsoor  
BANGALORE 560008 [Karnatak]

—शुभेच्छुक—

अनुराजल, आदिशचन्द्र, महावीरचन्द्र, अभयकुमार बाठिया  
(यादवला गिधासी), बैंगलौर

जय गच्छाधिपति आचार्य करप पूज्य श्री शुभचन्द्रजी म मा  
आदि ठाणाओं के पागी मारवाड (राजस्थान) में सन् 1992  
का चातुर्मास मानस मन्वन्त हात की मंगल कामनाएँ करत  
हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

## Kothari Jewellers

Bazar Street Ulsoor  
BANGALORE 560008 (Karnatak)

—शुभेच्छुक—

एच किशनलाल, सज्जनराज, गौतमचन्द्र कोठारी  
बंगलौर

समुदाय के प्रमुख मुनिराजः—आध्यात्मिक योगी, मधुर  
व्याख्यात्री पं. रत्न श्री नवीनचन्द्रजी म. सा.

कुल आनुवंशिक (11) संत (4) सतियाँजी (46) कुल ठाणा (50)

### संत समुदाय

#### 1. पालीयाद (गुजरात)

आध्यात्मिक योगी मधुर व्याख्यात्री पं. रत्न,  
श्री नवीन मुनिजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. पालीयाद, बाया बोट्टाद  
जिला भावनगर (गुजरात) 364720

#### 2. गांधी नगर (गुजरात)

प्रवचन प्रभावक पं. रत्न श्री अभीषंदजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
सेक्टर नं. 22, गांधी नगर 382022 (गुज)

### महासतियाँजी समुदाय

#### 3. बोट्टाद (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री चपावाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री जे. स्थानकवासी जैन संघ, जैन  
उपाश्रय, मुख्य बाजार गाँव में,  
मु.पो. बोट्टाद, जिला भावनगर (गुज) 364710

#### 4. घाटकोपर-संघाणी-बम्बई (महा.)

विदुषी महामती श्री सविता वाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
श्रेयस टाकीज के पीछे, आग्रा रोड, गाव देवी रोड,  
घाटकोपर संघाणी, बम्बई-400086 (महा.)  
फोन नं. 5152027

#### 5. सोला रोड-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महामती श्री संराज वाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री सोला रोड स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, 260, सुन्दरनन अपार्टमेंट्स,  
सोला रोड, नाराणपुरा, अहमदाबाद-380013  
(गुजरात)

#### 6. मणीनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री मधुबाई म.सा आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
पटेल भुवन, वस स्टेण्ड के सामने, मणी नगर,  
अहमदाबाद-380008 (गुजरात)

#### 7. आम्बावाडी-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महासती श्री अरुणा वाई म.सा.  
आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
स्नेह कुज, वस स्टेण्ड के पास, नेहरू नगर,  
आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015 (गुजरात)  
फोन नं. उपाश्रय C/o 403322  
ट्रस्टी-413735, 463525

#### 8. मूली (गुजरात)

शांत ध्वर्भावी महासती श्री अनिलावाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मूली, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)



जय महावीर

जय अन्नराम

# पूज्य श्री गुलाब-वीर पुस्तक भण्डार

मु.पो. धामद (जिला-मुरेन्द्रनगर) सोराष्ट्र

प्राप्य साहित्य	कीमत
1 निर्णोय सूत्र ता हिन्दी अनुवादन मयालय 'वीरय'	अमूल्य
2 सामायिक प्रतिश्रमण मूत्र तथा जैन अणुद्वारा विधि (माटे टाइट्य तत्रवरी जाडूति) गुजराता	7 00
3 सामायिक प्रतिश्रमण मूत्र (गुजराता) माटे टाइट्य	2 00
4 मन्नामर स्नाय मूल (माटे टाइट्य)	2 00
5 सामायिक सूत्र मूत्र ( ,, ) हिन्दी-टर्मिनस	5 00

श्री स्यातक्यासो छ कौटि जन लोम्बडी सप्रदाय के मुषण-युग प्रथक

(1) पूज्य आचार्य श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी

(2) कविवर्य प श्री वीरजी स्वामी

मक्षिप्त परिचय

दाना महादर भाई ये

पिता—श्री श्रवणभाई भाग्यनभाई दण्डिया माता—श्रीमती आर्द्राई

जाति—बीसा जोगवान जन्मस्थली भागगा (रच्छ)

जन्म—(1) विस 1921 ज्येष्ठ शुक्ल-2 (2) जन्म विस 1926

दीक्षादिन—वि 1936 माघ तदन-10 अन्नार (रच्छ)

आचार्यपद—वि 1988 ज्येष्ठ शुक्ल 1 रविवार लोम्बडी (सोराष्ट्र)

स्वगवाम—(1) वि 2008 वैश शुक्ल 12 रविवार लोम्बडी (सोराष्ट्र)

स्वगवाम—(2) वि 2001 चत शुक्ल 15 जेतपुर (काठियावाड) (सोराष्ट्र)

गुरुदेव—पूज्य श्री नयजी स्वामी

शिष्य—1 (क) प्रभावदानी पण्डित मनिगत्रयी—तत्रदत्ता स्वामी, (ख) मद्र-वकी श्री नाराजी स्वामी,  
(ग) मुनि श्री नवचन्द्रजी स्वामी

2 (क) पू आचार्य श्री स्वचन्द्रजी स्वामी (ख) मुनि श्री उमदचन्द्रजी स्वामी  
(ग) मनि श्री कृष्णचन्द्रजी स्वामी

मौजन्य

भागरा-रच्छ निवामी

छगमभाई मेघजीभाई देडिया

कल्पतरु कलेक्शन

डा. यादव गड, राकाट-360001 (रुज)

समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति संघ नायक:—  
गच्छाधिपति, विद्वदर्य, पं. रत्न श्री सरदार मुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (5) संत (6) सतियाँजी (11) कुल ठाणा (17)

### संत समुदाय

#### 1. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

गच्छाधिपति, संघ नायक विद्वदर्य, मधुरवक्ता पं. रत्न  
श्री सरदार मुनिजी म.सा.

कुल ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, जैन मंदिर के सामने,  
शाहपुरी, व्यापारी पेठ, कोल्हापुर-416001  
(महाराष्ट्र)

#### 2. घोड़नदी-(शिरूर) (महाराष्ट्र)

तरुण तपस्वी श्री पारस्य मुनिजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भवरलालजी जुगराजजी फूलफगर  
अध्यक्ष, मु.पो. घोड़नदी (शिरूर) जिला पूना  
(महाराष्ट्र) 412210  
फोन नं. 2163, 2339

### महासतियाँजी समुदाय

#### 3. खंभात (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री शंवेरवाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री भोगीलाल त्रिभुवनदास शाह  
कडा कोटड़ी, जूनी मडई के पास,  
मु.पो. खंभात, जिला-खेडा (गुज) 388620

#### 4. जवेरी पार्क-अहमदाबाद (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री कचनवाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री तारावाई आर्याजी ट्रस्ट, सिद्धान्त  
शाला, जवेरी पार्क, नाराणपुरा, अहमदाबाद-  
380013 (गुजरात)

#### 5. सांगली (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यात्री महासती श्री अंगूर प्रभावाई म.सा  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक मध जैन स्थानक,  
220 महावीर नगर, गुजराती स्कूल के पास,  
सांगली (महाराष्ट्र)-416416

कुल चातुर्मास संतो के	2	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँ	11
	कुल 5		कुल 17
कुल चातुर्मास (5)	संत (6)	सतियाँ (11)	कुल (17)

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	5	11	16
+ नई दीक्षा हुई	1	—	1
—कालधर्म प्राप्त हुए	6	11	17
	6	11	17
1992 में कुल ठाणा हैं	6	11	17

नोट— (1) इस समुदाय में आचार्य पद के रिक्त स्थान पूर्ति हेतु अभी तक आचार्य पद प्रदान नहीं किया गया है, परन्तु गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया ।

(2) जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं

(3) नई दीक्षा हुई—श्री शांति मुनिजी म.सा. 7-5-92  
अम्बई ।

जैनशासन में गौरवशाली 400 भगण भगिणियों का धर्मसूच

# श्री स्थानकवासी छ कोटि जैन लीम्बडी सम्प्रदाय के नवसंस्कर्ता

## समाज उद्धारक जैनाचार्य श्री अजरामरजी म को

### कच्छी-हालारी बीमा-ओशवास जैन महाजन-जाति का संक्षिप्त इतिहास

वि स 1213 में मारवाड़ (राजस्थान) में युगप्रधान आचार्यप्रवर श्री जयसिंहसूरजी के उपदेश म बहन में श्रेष्ठिय गजपूनी का जीवन-परिचय हुआ, उद्दान व्यसन-त्याग किया और जैनात्म अंगीकार किया। उन सभी का आचार्यश्री ने म बहन जा बीमा ज्ञानमान जैन समाज का उमम शामिल किया।

वि स 1455 म 1462 तक सात वर्ष की भागी अवान पढ़ने में प्रवृत्त म आमवान परिवार म मारवाड़ छोड़कर मिथु नदी का प्रवेश मिथ प्रांत म धरणाकर प्रदेश म काफी उर्पा तब यमागट किया।

बुछ वर्षों के बाद मिथ में हिंदू-राजाओं के वजाय मुस्लिम मन्नाधोशा की राजसत्ता आ जान म अपना जनधम प्रदान न किया वे मिथप्रदेश छोड़कर कच्छ प्रांत का पूर्व विभाग गिन्वा "बागड प्रदेश (रापर आर भचार तहसील) कहे। ज्ञाना है, जमरी उत्तर दिशा में विस्तृत गण देश पार करके खडीर (गण व बीच) खेती न तयक टायु है) रापर बागड के प्राचीन रचनाडा तयवाट शहर म यमागट किया। बुछ वर्ष तब वही रहन व बाद एक दफ वहाँ के ठावुर माहर के पुत्र युनराज कुनर के गौरवर्तिय के बावजूद मतभेद हा जान म स्वमान रथा हनु वहाँ म हिजगत कर दी। बाद रह उम जमान में उन ओशवानो का मुख्य व्यवसाय कृषि एव पशुपालन ही था। दुध-माछवा शहर म नजदीर नदी म विध्राति खने में हनु पछाव रथा था। इस मौत पर करवाण ठावुर जाय। भाषायोचना की। ठहर जान की विनक्ति भी थी। बुछ परिवार वही रच गय, आगे जाकर उ हान बागड प्रांत म 24 गाव बसाय। बुछ परिवार पच्छिम कच्छ म गय, जमें म कठी (मुद्रा-माडवी समुद्र विनाग का विस्तार) म 52 गाव एव अबडामा विस्तार म 42 गाव जमाय गये।

वि स 1565 म कच्छ छोड़कर जाम रावन नाम के परगणमी जाटेजा वजज राता हालार में जपन राज्य की स्थापना कर रह थ। उनकी विजयि म बहुत म आगवान परिवार खेती (कृषि) व्यवसाय के लिए हालार म आग। आगे जाकर भा कच्छ में जून म परिवारा का जामन जागे रहा। उस मिलमिने में कच्छ समागत इन जैन आमवाला का 52 गाव में बसवाट फटा गया। बुन मिनाकर कच्छी जैन बीसा आशवाता का 4 विभाग म (1 बागड, 2 कठी, 1 अबडामा आर 4 हालार) बसवाट हुआ। 170 गांव म बस हुए इन चार विभाग व आशवाता का जान 500 मान व बाद भी सामाय-सा, पर बाद करके पूरी मानुभाषा "कच्छी" है। गन्तव्य पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी की मानुभाषा मोठी भधुर जार्नी "कच्छी" ही थी।

पूज्यश्री श्री हालारी बीमा-ओशवास जैन महाजन जाति की कुल आजादी जामनगर एव हालार के 52 गाव, बस्यट जून अफाना, दूराप अमराका एव भान्न व अजाय शहर म स्थित करीव 68 म 70 हजार की माना जाना है। गौरवशाली इस जाति में मवप्रथम जन भागवती दाशा आज में 229 वर्ष पूर्व वि स 1819 माघ शकन 5 का पुत्र अजरामरजी स्वामी एव माता कवुनई महामतीजा न ही अंगीकार, की थी। इस जाति के वे ही मवप्रथम माध आर माटरी थे, और वे ही मवप्रथम आचार्य भगवत थे, जा मिय 35 वर्ष की भर जानन अवस्था म आचार्यपर आर्मान हाकर जैनधम का पून चमकाया था।

आज जून जगामो 400 मत-संनियोजी म सा एव तादा श्रायक-श्राविकाआ न हृदय में भगवान महावीर व वाट द्वितीय नवर म आराध्यदेव स्वर्ण जगस्थान है ता उ ही का है। वे ही उनने प्रेरणा स्रोत व श्रद्धा के नेत्र हैं।

ससोधक — पुण्यपुत्र आचार्यश्री रूपवद्रजी स्वामी के परम अनेवासी सत्यत पटिन कुपालु मुधदेव भी नवलषडजी स्वामी व गिण्य मुलेषक, प रत्न मुनिश्री भास्करजी स्वामी म सा।

सौजय

शशीकान्त धीरजलाल दोशो

रपाली सेन्टर (सूटिंग शटिंग शो रूम)

नवाहर राट मुनेद्रनगर 363 001 (गजगत)

फोन नॉफिम-23978/21866

## श्री सायला समुदाय के संत-सतियाँजी म.सा.

समुदाय के प्रमुख संत-वयोवृद्ध पं. रत्न श्री बलभद्र मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (1) संत (2) कुल ठाणा (2)

### संत समुदाय

#### 1. धोलेरा (गुजरात)

वयोवृद्ध पं. रत्न श्री बलभद्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, मु.पो धोलेरा तालुका अंधुआ  
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (1) संत (2) कुल ठाणा (2)

नोट—यह समुदाय स्थानकवासी वृहद् गुजरात समुदाय में  
एक समय से माना हुआ समुदाय है इसमें कोई  
सतियाँजी नहीं है।

आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. को शत गत वन्दन करते हुए श्रमण सर्वोच्च सलाहकार पं. रत्न श्री मूलचन्दजी म.सा. ठाणा 2 का उज्जैन का 1992 का चातुर्मास, ज्ञान, दर्शन, चाण्डि एवं तप की आराधनाओं से सफल वशास्वी, ऐतिहासिक बनने की मंगल कामना करते हुए!

मसाले ही मसाले ❀ खाना मसालों का

जैन के शुद्ध पिसे मसाले

फोन . ऑफिस-412864 नि.-412262

❀ जैन किराना भण्डार ❀

61/1, मल्हारगज मेनरोड, जिखर भवन, इन्दौर (म.प्र.)

नोट—सभी प्रकार के सेव बनाने का सुपर भण्डार हमारे यहाँ पर मिलता है, नमकोन सवधित कच्चे मान के थोक व खेरची विक्रेता।

— जय ट्रेडर्स —

सरदार पटेल ब्रिज के नीचे, वेअर हाऊस रोड, इन्दौर (म.प्र.)

फोन नं. 430495

नोट—मसाला, किराना एवं ड्रायफ्रुट्स से थोक व खेरची विक्रेता।

पद्म होम इण्डस्ट्रीज

जूना राजमोहल्ला, इन्दौर

फोन नं - 412864

सेव, खमण, फाफड़े, सोहन पपड़ी, शुद्ध चना दाल का बेसन बनाने के निर्माता व विक्रेता।

नोट—ठण्डी अमेरिकन पिसाई करने का प्रमुख केन्द्र

शुभेच्छुक - लक्ष्मोचंद, चौथमल, ओमप्रकाश, विमलवंद, पद्मवंत, गिरिशकुमार जैन

जय महावार

जय अजगाम

शामन प्रभावित जिन कामना चंद्रमा मज्जुवचना प रत्न श्री भावचंद्रजा म मा जाति टाणाजा (6) वा  
 रागीनवी-ब्रम्हड म एउ मुनश्चर, मधुर वचना प रत्न श्री भावचंद्र मुनिजा म मा आदि टाणाजा (4)  
 वा माडवी-बच्छ म मन् 1992 वष र्ण चातुर्मास सात्तद गफन एव ऐतिहासिक यशस्वी बनन  
 वा मगत वामनाए वरत द्वए—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

टवी जाफिम-4113521, 4114211

रमी- 2131677

# LUCKY TIMBER MART

SULLY MANZIL, SHIP No 5-6

208, Dr Ambedkar Road, Near CHITRA CINEMA,

DADAR (EAST) BOMBAY-400 014 (INDIA)



—शुभेच्छा—

शांतीभाई लालजीभाई कारीजा

बम्बई

# बृहद् गुजरात की अन्य छोटी नई समुदाएँ के संत-सतियाँजी म. सा.

## 1. श्री हालारी सम्प्रदाय संत समुदाय

- जामनगर (गुजरात)  
संघ प्रमुख, आगम आग्रही, पं. रत्न श्री केशवमुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,  
कामदार कॉलोनी, जामनगर-361001 (गुज)  
**महासतियाँजी समुदाय**
- चेला (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री कमलाबाई म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु पो चेला, जिला ... (गुजरात)

कुल चातुर्मास (2) संत (2) सतियाँजी (4) कुल ठाणा (6)

## 2. श्री वर्धमान समुदाय के संत-सतियाँजी म. संत समुदाय

- मीरा रोड-वम्बई (महाराष्ट्र)  
संघ प्रमुख, तख्त, पं. रत्न श्री निर्मल मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्था. जैन सघ, सेक्टर नं 6,  
शांति नगर, मीरा रोड (पूर्व) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) फोन न 342 4612 पी.पी.

### महासतियाँजी समुदाय

- अंधेरी (पूर्व) वम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री रुक्मिणी वाई म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्था जैन थावक सघ, जैन भवन,  
वर्मा नगर, विल्डिंग न. 6, जूना नागर दाम रोड,  
चिनोई कॉलेज के पीछे, अंधेरी (पूर्व) वम्बई-  
400069 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 6326808 पी.पी

कुल चातुर्मास (2) संत (1) सतियाँजी (5) कुल ठाणा (6)

## 3. अन्य संत समुदाय

- दुर्गा (म. प्र.)  
सिद्धान्त प्रेमी श्री धर्वेन्द्र मुनिजी म सा.आदि ठाणा (1)
- देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)  
वयोवृद्ध श्री शांति मुनिजी म सा (लिम्बडी गोपाल  
समुदाय) ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र महावीर  
भवन, 392 लाम रोड, कादावाड़ी जैन  
सोनेटेरियम के पास, देवलाली केम्प, वाया  
नासिक (महाराष्ट्र)

### अन्य महासतियाँजी समुदाय

- बढ़वाण (गुजरात)  
मेवाभावी महासती श्री विनोदिनीवाई म सा.  
(लिम्बडी मोटा पक्ष आज्ञा वाहर) आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—ब्रैकर सोसायटी, 10 मंगल कॉलेज रोड,  
Opp. दूध डेयरी, मु पो बढ़वाण, वाया जिला  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363030

कुल चातुर्मास (3) संत (2) सतियाँ (2) कुल ठाणा (4)

### बृहद् गुजरात के समुदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	} 249	कुल संत	131
कुल चातुर्मास सतियों के		कुल सतियाँ	162
		कुल	1093

कुल चातुर्मास (249) संत (131) सतियाँ (162)  
कुल ठाणा (1093)

# प्राकृत भारती, अकादमी जयपुर,

## महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

न	दृति नाम	मूल्य	न	दृति नाम	मूल्य
1	बाल्यमूत्र सचित्र	200 00	23	आचाराम चयनिवा	25 00
*2	राजस्थान का जन माहि्य	50 00	24	वास्तुनिर्माण की सामान्यमूर्ति	12 00
3	प्राचिन स्वय शिक्षण	15 00	25	प्राचिन गद्य साधना	16 00
*4	जगम नीर	10 00	26	अपभ्रंश और हिन्दी	30 00
5	स्मरण कला	15 00	27	नीतिशास्त्रना	12 00
6	जैननायक चित्रदशन	20 00	28	चरित्रमूर्ति	20 00
7	जन कहानियाँ	4 00	29	एस्ट्रानामी एण्ड वास्तुशास्त्रज्ञ	15 00
8	तानि स्मरण नाम	3 00	30	नोट पर काम द रोवर	50 00
*9	हाफ एट न (अप्रस्थान)	150 00	31	उपनिषद्-भव-प्रपञ्च कथा भाग-1, 2	} 15 00
10	गणप्रवाद	50 00	32	—, —	
11	जैन इन्सिप्लिन ऑफ राजस्थान	70 00	33	ममणमुन चयनिवा	16 00
12	वेदिक भेदेमेडिकम	15 00	34	मिले मन गीतर भण्डारण	30 00
13	प्राकृत वाक्य मञ्जर	16 00	35	जन धर्म आर दान	9 00
14	महावीर का जीवन मन्थन	20 00	36	जैनजन्म	30 00
15	जन व कलिटिवल वाट	40 00	37	शब्दकालिण चयनिवा	12 00
16	स्टडीज ऑफ जैनजन्म	100 00	38	रमरन्त ममुच्चय	15 00
17	जन बौद्ध आर गीता का माधना माग	20 00	39	नीतिशास्त्रामन	100 00
18	जैन, वाद और गीता का समाज दान	16 00	40	तामसिक धर्म एव पूर्ण धर्म	10 00
19	जन राध आ गीता के	} 140 00	41	गातमराम एव परिमोलन	15 00
20	आचार दाना का सुनतात्मक अध्ययन भाग 1 2		42	अष्ट पाहूट चयनिवा	10 00
21	जन वसु मिदना का सुनतात्मक अध्ययन	14 00	43	अहिंसा	30 00
22	दूम प्राचिन व्याकरण विभा	16 00	44	वज्रानाम म जीवन मूल्य	10 00
			45	गाना चयनिवा	16 00





- परम श्रेष्ठ उपाध्याय श्री वरन मुनिजी मया आदि ठाणा वगनार, प्रवक्ता धा गमण मुनिजी मया आदि ठाणा उडा मान्डा एव परम विदुषी महासती धा चन्दनार्जी मया आदि ठाणा विरार (बम्बे) म वष 1992 का चातुर्मास ज्ञान दान, चरित्र एव तप की आराधना म परिपूर्ण हान की मंगल कामना करत हुए ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित :



जैन साध्वी महासती श्री कमलावती जी  
परमार्थिक समिति (रजिस्टर्ड)

38, सहेली नगर, सहेली मार्ग, उदयपुर-313001 (राज)

मदनलाल वंश  
अध्यक्ष

श्री चन्द सुराना 'सरस'  
मन्त्री

इन्द्रसिंह बाबेल  
कोषाध्यक्ष

सभी पूज्य आचार्यों, संत-सतियों को कोटि-कोटि बन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन . आफिस-4226375/4363071  
मिनास-4301376/4363072

## पेगोडा प्लास्टिक्स

मैन्युफेक्चर्स—प्लास्टिक पी.वी.सी. फाइलें, आफिस फाइलें, डायरी कवर्स, मनी पर्स, वीडियो कैसेट कवर, विजिटिंग कार्ड फाइलें, एलबम फाइलें, पुस्तकों के प्लास्टिक कवर्स, प्लास्टिक हेड (टोपियाँ), कैसेट एलबम कवर एवं अन्य उपहार की प्लास्टिक वस्तुएँ

204, जय गोपाल इण्डस्ट्रियल इन्स्टेट, 2 माला. भवानी शंकर क्रॉस रोड, कोहिनूर टेक्नीकल के पास, दादर वेस्ट, बम्बई-400 028 (महाराष्ट्र)

शुभेच्छुक :

बाबूभाई लुंभाभाई गड़ा

(लाताडिया-कच्छ) बम्बई

सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

Tel 3444570/3435221

# PANAMA STORES

Mfgs & Dealers In :

All Kinds of Ladies & Gents Money Purses  
Hand Bags, Air Bags, File Cases & Air Pillows  
and Compliments Articles ect.

196, Janjekar Street, Bombay-400 003



शुभेच्छुक

गांगजी भाई शाह

(सामखियारी-कच्छ) बम्बई

श्री पार्वनाथाय नमः

श्री शातिनाथाय नमः

## हा र्दिक - अ भिन न्द न !

1

पूज्य श्री नूतनप्रभाजी महाराज,  
हिमाचल प्रदेश मे विराज रहे ।  
ज्ञान ध्यान संयम साधना की,  
पावन निर्मल गंगा बहा रहे ।

3

कौसी निडरता पाई आपने,  
तूफानों मे भी न बबराये ।  
ले हर परिस्थिति मे टक्कर,  
स्वप्न सभी साकार बनाये ।

2

चल रही ध्यान योग साधना,  
लूटा रहे नित्य नूतन ज्ञान ।  
मौन भाव से नव जागरण का,  
सुनाते सुखद संदेश महान ।

4

निश दिन हम कामना करते,  
यही शुभ भावना भाते है ।  
युग-युग जीओ प्यारे गुरुवर,  
सानिध्य आपका चाहते है ।

श्रमण सघ के तृतीय पट्टधर, साहित्य वाचस्पति, परमपूज्य आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी महाराज एवं पण्डित रत्न, महाराष्ट्र प्रवर्तक श्री कल्याण ऋषिजी महाराज की आजानुवर्ती शास्त्र विगारदा, महामाध्वी पूज्य श्री इन्द्र-कुंवरजी महाराज की सुशिष्या परम विदुषी, अध्यात्म साधिका योगनिष्ठ श्रद्धेय श्री नूतनप्रभाजी महाराज ने साधना हेतु हिमाचल प्रदेश टसीलिये चुना क्योंकि प्राचीनकाल से ही यह ऋषि-मुनियों की तपोभूमि रही है। यहाँ का नैसर्गिक सौन्दर्य मानव मन मे आत्मिक सौन्दर्य को उजागर करने के लिए प्रेरित करता हुआ सा प्रतीत होता है। स्वयं आपश्री का कठोर मौनव्रत के साथ दीर्घकाल तक साधनारत होने का पुनीत विचार था, जिसे साकार रूप देते हुए 27 मई 1989 मे वराह मे आपने अपनी साधना आरम्भ की। प्रारम्भ के दो वर्ष एक घण्टा मौनव्रत खुला रखकर साधना के पश्चात शात मुरम्य पहलुओं के दामन मे बसे (कुल्लू के निकट) भून्तर मे "जैन साधना केन्द्र" के अन्तर्गत बने नव-निर्मित भवन 'नूतन साधनालय' मे आपश्री पूर्ण मौनव्रत के साथ 12 वर्ष की साधना मे संलग्न हो गये।

आज आपश्री की कठोर मौनव्रत के साथ आरम्भ की साधना का एक वर्ष मानन्द पूर्ण होने पर हम आपका हार्दिक अभिनन्दन कर आपश्री की आगामी साधना की सफलता हेतु हृदय की अनन्त-अनन्त मंगल कामनाएं प्रकट करते हुए आपके श्री चरणों मे शत-शत वन्दन करते है !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित--

### बलवीरचन्द जैन

निवास पता :

12, आदर्श नगर जालंधर (पंजाब)  
पिन-144008

मिल का पता

ए.वी रवर मिल्स, गाँव-सगल सोहल, डाकघर-मंड  
कपूरथला रोड, जालंधर पिन-144002

दूरभाष . ऑफिस-79631 निवास-74009

सम्पर्क सूत्र:-योग साधना केन्द्र, नूतन साधनालय, मु. पो. भून्तर  
जिला कुल्लू (मनाली) (हिमाचल प्रदेश)-175 125

नोट:-परमश्रद्धेय, साधनालीन, पूज्य श्री नूतनप्रभाजी महाराज के मंगलमय, पावन, मुदर्शनो का लाभ सिर्फ प्रातः 10 मे 11 बजे तक ही प्राप्त होता है।

सभी 'पूज्य संत-सतियो को कोटि-कोटि बन्दन

श्री मगन मुनि जैन ज्ञानाचार प्रचार समिति

कचन बिहार, न्यू पलासिया, इन्दौर (म प्र ) द्वारा सञ्चालित



# जैन दिवाकर फाउण्डेशन

प्रेरक—स्वर्गीय काचि श्री अशोक मुनिजी महाराज

## उद्देश्य :

- (1) समान व उचित ता स्थानकामा श्रद्धालुगार मान एक ज्ञानाचार चरित्र गिणन देना तथा अस्तन एक प्रवृत्त व पण्डित तैयार करना ।
- (2) समान चरित्रवान व्यक्ति तयार करना जा शिक्षा मे तानर धर्म ता प्रचार करें ।
- (3) चतुर्विध सध मना मुख्यता करना ।
- (4) मान दणन, चरित्र के प्रचार के लिए साहित्य एवं पत्र का प्रकाशन करना ।
- (5) स्थानकामियो का जिविक महयान देना ।
- (6) जार्ड थावक या श्राविका दीक्षा लेना चाहे ता उमरी दीक्षा की व्यवस्था करना एवं दीक्षा के पूर्व उमक शिक्षण महायना करना ।
- (6) अगस्त तार्यों के निये भवन तादि बाताना धन त्रिभय करना जार्वी तमुनि व्यवस्था करना ।

फकीरधन्ध मेहता

अध्यक्ष

शिरोमणिधन्ध जैन

मनी

सागरमल बेसाता

उपाध्यक्ष

बापूलाल बोधरा

महामंत्री

शान्तिलाल धाकड

नायाध्यक्ष

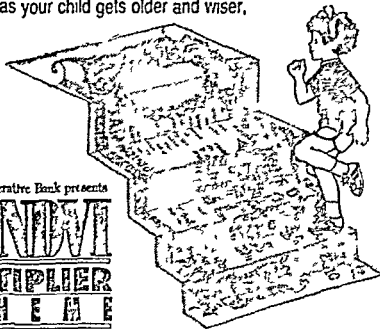
भाग-तृतीय

श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

Good news for every parent

If you want your child to inherit lacs ..

all you have to do is deposit Rs 1,899 70  
Your money multiplies to Rs 3,84,730  
and more, as your child gets older and wiser.



Mandvi Co-operative Bank presents

**MANDVI**  
**MULTIPLIER**  
**S C H E M E**



**MANDVI CO-OPERATIVE BANK LTD**

Regd & Adm Office

18-B Narman Bhavan Narman Point Bombay-400 021 Tel 2873724/2873725

Branches: Vysar Bhavan 43 P. D. Mello Road, Near Camac Bunde, Bombay-400 009  
Tel 3759016 3753630 Telex: 011 73130 • 179 Samuel Street, Near. M. J. rd Rly Station  
Bombay-400 009 Tel 3721556 3752027 Gram MANDVICOOP • M. G. Cms Road No. 3  
Kandiv (W) Bombay-400 067 Tel 6016182 60112 8 • K-8 A. J. Industrial Estate, Sakinaka,  
Andheri (East) Bombay-400 072 Tel 5725844 5785333 • Sarvodya Parishad, Nath Nagar,  
Nizam Road, Mulund (W) Bombay-400 080, Tel 5605034 5605570

Chavanji Har's  
Chairman

Shantiprasad Jais  
Managing Director

S. S. A. J. J. J.  
General Manager

Designed by Imageads

# श्वेताम्बर तेरापंथी समुदाय

1

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम् अधिष्ठाता, युग प्रधान, आचार्य श्री तुलसी एवं उनके आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणी वृन्द के विक्रम संवत् 2049 (गुजराती 2048) सन् 1992 वर्ष के चातुर्मासिक प्रवास की सूची

कुल चातुर्मास (123) श्रमण (147) श्रमणियाँ (548) कुल ठाणा (695)

## 1. राजस्थान प्रान्त

चातुर्मास स्थल (79) श्रमण (120) श्रमणी (380)  
कुल ठाणा (500)

(क) जोधपुर संभाग:- चातुर्मास स्थल (20) श्रमण (49) श्रमणी (141) कुल ठाणा (190)

### 1. लाडनू (राजस्थान)

1. आध्यात्मिक जगत के उज्ज्वल नक्षत्र, पुरुषार्थ के प्रतीक, अणुव्रत अनुशास्ता, युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसी

2. युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी आदि श्रमण (35)

3. मघ महानिदेशिका महाश्रमणी विदुषी साध्वी प्रमुखा श्रमणी श्री कनकप्रभाजी आदि श्रमणी (65)  
कुल ठाणा (100)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन विश्वभारती, पो. वा नं 8,

मु.पो. लाडनू-341306 जिला नागौर

(राजस्थान) फोन नं. 25 एवं 97

### 2. बीरावड़ (राजस्थान)

मुनिश्री जसकरणजी आदि श्रमण (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. बीरावड़, जिला नागौर (राज.) 341502

### 3. सरदारपुरा (राजस्थान)

मुनिश्री वत्सराजजी आदि श्रमण (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तातेड़ भवन,

छठी पाल रोड, सरदारपुरा-342003 (राज.)

### 4. पादकलां (राजस्थान)

मुनि श्री संगीतकुमारजी आदि श्रमण (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री अमरचन्द चपालाल आचलिया,

मु.पो. पादकला, जिला नागौर (राजस्थान)

341031

### 5. बालोतरा (राजस्थान)

मुनि श्री गुलाबचन्दजी "निर्मोही" आदि श्रमण (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, सदर बाजार

मु.पो. बालोतरा, जिला बाडमेर (राज.)

344022

### 6. डीडवाना (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,

मु.पो. डीडवाना, जिला नागौर (राजस्थान)

341303

### 7. पिपाड़ सिटी (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री चादकुमारीजी आदि श्रमणी (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,

मु.पो. पिपाड़ सिटी, जिला जोधपुर (राजस्थान)

342601

### 8. जोजावर (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री सिरेकुमारीजी आदि श्रमणी (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा

मु.पो. जोजावर, जिला पाली (राज.) 306022



- 9 जसोल (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री पानकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पा जमोल, जिला बाडमेर (राज) 344024
- 10 जोधपुर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री म्पाजी आदि श्रमणी (9)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
जाटावाम जौपुर (राजस्थान) 342001
- 11 पाली-भारवाड (राजस्थान)  
विदुषी साधवी श्री माहनुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा,  
मु पा पाली-भा-वाड (राजस्थान) 364001
- 12 ईडवा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री कचनपुमारीजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जयचंदलाल प्रनाशचन्द कोठारी  
मु पो ईडवा वाया डेगाना, जिला नागौर  
(राजस्थान) 341503
- 13 असाढा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री जतनपुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, मु पो असाढा  
जिला बाडमेर (राजस्थान) 344028
- 14 सोजत रोड (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री मानपुवरजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पा सोजत राट, जिला पाली (राजस्थान)
- 15 बाडमेर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री चान्दुमारी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पा बाडमेर (राजस्थान) 344001
- 16 पचपदरा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री भीवाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो पचपदरा जिला बाडमेर (राजस्थान)
- 17 टापर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री अजितप्रभाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो टापर, जिला बाडमेर (राजस्थान)
- 18 माड़ा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री भीवाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री पुष्पराज बन्नागिया, मु पा माडा दाला  
सोजत राट, जिला पाली (राज) 301704
- 19 घोवाडा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री भागवतीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पा घोवाडा, जिला पाली (राज) 306502
- 20 छोटी घाटू (राजस्थान)  
साधवी श्री यशामतीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो छोटी घाटू पिता नागौर (राज)  
341302
- (ख) बीकानेर सभागा  
धातुर्मात रथल (27) श्रमण (37) श्रमणी (147)  
कुल (180)
- 21 रतनगढ (राजस्थान)  
मुनिश्री गणेशमलजी आदि श्रमण (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो रतनगढ, जिला चूरू (राज) 331022
- 22 भीनासर (राजस्थान)  
मुनि श्री डूंगरमनजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो भीनासर, जिला बीकानेर (राज)  
334403
- 23 सुजानगढ, (राजस्थान)  
मुनि श्री दुर्गाचंदजी आदि श्रमण (7)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो सुजानगढ, जिला चूरू (राज) 331507
- 24 देशनोक (राजस्थान)  
मुनिश्री सोहनानजी आदि श्रमण (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो देशनोक पिता बीकानेर (राज)  
344801
- 25 तारात्तार (राज)  
मुनिश्री जवरीमलजी आदि श्रमण (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मु पो तारात्तार, जिला बीकानेर  
(राज) 331304

26. नोहर (राजस्थान)  
 मुनिश्री नवग्रन्थमाजी आदि श्रमण (2)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा,  
 मु.पो. नोहर, जिला बीकानेर (राज.) 335523
27. छापर (राज.) (सेवाकेन्द्र)  
 मुनिश्री अमरचदजी आदि श्रमण (8)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा, सेवा केन्द्र  
 मु.पो. छापर, जिला नागौर (राज.) 331502
28. सादुलपुर (राज.)  
 मुनिश्री रिद्धगरणजी आदि श्रमण (3)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जगरमलजी कोठारी  
 मु.पो. सादुलपुर, जिला नागौर (राज.) 331023
29. श्री गंगानगर (राज.)  
 मुनिश्री विनयकुमार "आलोक" आदि श्रमण (3)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. श्री गंगानगर (राज.) 335001
30. चूरु (राजस्थान)  
 विदुषी साध्वी श्री जतनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन तैरापंथी सभा, मु.पो. चूरु  
 जिला चूरु (राज.) 331001
31. चाड़वाम (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री टमकूजी आदि श्रमणी (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. चाड़वाम, जिला चूरु (राज.) 313503
32. श्री टंगरगढ़ (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री गुलाबजी आदि श्रमणी (20)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा (सेवाकेन्द्र)  
 मु.पो. श्री टंगरगढ़, जिला चूरु (राज.) 331803
33. भीमानर (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री विस्ताजी आदि श्रमणी (6)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. भीमानर, जिला चूरु (राज.) 331801
34. उदाहर (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री पत्राजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. उदाहर, जिला बीकानेर (राज.) 334022
35. राजलदेसर (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (20)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा (सेवा केन्द्र)  
 मु.पो. राजलदेसर, जिला चूरु (राज.) 331802
36. लूणकरणसर (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री राजकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. लूणकरणसर, जिला बीकानेर (राज.)  
 334603
37. सांडवा (राजस्थान)  
 विदुषी साध्वी श्री सुखदेवाजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. सांडवा, जिला चूरु (राज.) 331517
38. पडिहारा (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री केशरजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. पडिहारा, जिला चूरु (राज.) 331505
39. राजगढ़ (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री रतनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु. राजगढ़, पोस्ट सादुलपुर, जिला चूरु (राज.)  
 331023
40. पीलीबंगा (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री तीजाजी आदि श्रमणी (5)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री केशरीचदजी वाठिया, मु.पो. पीलीबंगा  
 जिला श्री गंगानगर (राज.) 335803
41. सरदार शहर (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी  
 आदि श्रमणी (9)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तैरापंथी सभा  
 मु.पो. सरदार शहर, जिला चूरु (राज.) 331403
42. सूरतगढ़ (राज.)  
 विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (3)  
 सम्पर्क सूत्र—श्री मोहनलालजी राजा  
 मु.पो. सूरतगढ़, जिला श्री गंगानगर (राज.)  
 335804

- 43 घोषानेर (राजस्थान)  
विदुषी माध्वी श्री वमलश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, बोधरा मोहल्ला  
मुपा बीकानेर (राजस्थान) 334001
- 44 नोषामडो (राजस्थान)  
विदुषी माध्वी श्री विनयश्रीजी (द्वितीय)  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, मपो  
नोरवा मंडी जिला बीकानेर (राज) 334803
- 45 गगासहर (राजस्थान)  
विदुषी माध्वी श्री चन्द्रधाराजी आदि श्रमणी (9)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मुपा गगासहर, जिला बीकानेर (राजस्थान)  
334401
- 46 हनुमानगढ़ (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री मजयश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र—डॉ० पारसमल जैन, मुपो हनुमानगढ़  
टाउन, जिला श्रीगंगानगर (राज) 335513
- 47 बीदामर (राजस्थान)  
विदुषी माध्वी श्री सोमलताजी आदि श्रमणी (26)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन तेरापथी सभा ममाधी क्षेत्र  
मुपा बीदामर, जिला चुरू (राज) 331501
- (ग) उदयपुर सभाग—चातुर्मास स्थल (25) श्रमण  
(27) श्रमणी (73) कुल ठाणा  
(100)
- 48 आमेठ (राजस्थान)  
मुनि श्री मोहनलालजी आदि श्रमण (5)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा,  
मुपो आमेठ स्टेशन चारभुजा रोड  
जिला राजसमद (राजस्थान) 313332
- 49 वागोर (राजस्थान)  
मुनि श्री हनुमानभोजी आदि श्रमण (4)  
सम्पक सूत्र—श्री मिथीनाल शातिसाल वावेल  
मुपो वागोर, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)  
311402
- 50 सरदारगढ़ (राजस्थान)  
मुनि श्री जयान्ताजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मुपा सरदारगढ़, जिला राजसमद (राज)  
313330
- 51 आसोद (राजस्थान)  
मुनिश्री श्री पन्डेयाश्रीजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा मुपा आसोद  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 311301
- 52 केसवा (राजस्थान)  
मुनि श्री शुभवर्णजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, मुपो बल्लभ  
समन सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा मुपा बल्लभ  
जिला राजसमद (राजस्थान) 313334
- 53 भीम (राजस्थान)  
मुनि श्री हंसराजजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा मुपा भीम  
जिला राजसमद (राजस्थान) 305921
- 54 साधरा (राजस्थान)  
मुनि श्री जतनमलजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, मुपो साधरा  
जिला उदयपुर (राजस्थान) 313704
- 55 रोहोड (राजस्थान)  
मुनि श्री देव लालजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा, मुपो रोहोड  
वाया चारभुजा रोड, जिला राजसमद (राज)  
313333
- 66 नायद्वारा (राजस्थान)  
मुनि श्री विजयराजजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन श्वे तेरापथी सभा  
मुपा नायद्वारा, जिला राजसमद (राजस्थान)  
313301
- 57 राजनगर (राजस्थान)  
विदुषी माध्वी श्री रायभुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र—श्री भिक्षु बाधि स्थल, मुपा राजनगर  
जिला राजसमद (राजस्थान) 313326

58. थामला (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी संतोकाजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. थामला, वाया मावली जंक्शन  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313203
59. कानोड़ (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री सोहनाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कानोड़  
जिला उदयपुर (राजस्थान) 313604
60. कुंवाथल (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री हर्षकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कुंवाथल  
जिला राजसमंद (राजस्थान)
61. रेलमगरा (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री जतनकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. रेलमगरा  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313329
62. वेमाली (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री भीखाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा मु.पो. वेमाली  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 311809
63. उदयपुर (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री कानकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, भामाशाह मार्ग  
उदयपुर-313001 (राजस्थान)
64. कोसीवाड़ा (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी (प्रथम)  
आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कोसीवाड़ा  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313709
65. देवगढ़ (मदारिया) (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी (द्वितीय)  
आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. देवगढ़  
(मदारिया) जिला राजसमंद (राज.) 313331
66. बिनोल (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री क्षमाश्रीजी आदि श्रमणी (4)
- सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. बिनोल, वाया कांकरोली, जिला राजसमंद  
(राज.) 313324
67. कांकरोली (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री हुलासाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. कांकरोली, जिला राजसमंद (राज.)  
313324
68. गोगून्दा (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री कंचन कुमारीजी  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. गोगून्दा, जिला उदयपुर (राज.) 313705
69. पूर (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री मेणरयाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. पूर जिला भीलवाड़ा (राज.) 311002
70. भीलवाड़ा (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री अशोकश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, भोपालगज  
भीलवाड़ा (राज.) 311001
71. दौलतगढ़ (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री स्वयंप्रभाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो.  
दौलतगढ़, वाया आसीद, जिला भीलवाड़ा  
(राज.) 311303
72. गंगपुर (भीलवाड़ा) (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री उज्ज्वल रेखा श्रीजी  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,  
मु.पो. गंगपुर, जिला भीलवाड़ा (राज.) 311801
- (घ) जयपुर संभाग—चातुर्मास स्थल (4) श्रमण (5)  
श्रमणी (9) कुल ठाणा (14)
73. जयपुर (राजस्थान)  
मुनिश्री सुमेरमलजी "सुमन" आदि श्रमण (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मिलाप भवन, के.जी.वी. का रास्ता, जोहरी  
वाजार, जयपुर-302003 (राज.)

- 74 सवाई-माधोपुर (राज)  
मुनिथी माहमनालजी 'मादून' आदि श्रमण (२)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा, सहर बाजार  
मसार्द-माधोपुर (राज)-322021
- 75 टमकोर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री निनयथीजी (प्रयाग)  
आदि श्रमणी (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा टमकोर, जिला बुधनु (राज) 331026
- 76 फतेहपुर (राजस्थान)  
विदुषी साधवी श्री घ (श्री) श्री आदि श्रमणा (४)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा फतेहपुर, जिला सीकर (राज) 332301
- (८) अचमेर समाग-चातुर्मास स्थल (२) श्रमण (२)  
श्रमणी (५) कुल ठाण (७)
- 77 टाटगड़ (राजस्थान)  
मुनिथी मिथीमथरा आदि श्रमण (२)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा टाटगड़, जिला अचमेर (राज) 305925
- 78 ब्यावर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री विजय श्रीजी आदि श्रमणी (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा ब्यावर जिला अचमेर (राज) 305901
- (च) कोटा समाग-चातुर्मास स्थल (१) श्रमणी (४)  
कुल (४)
- 79 कोटा (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री गुणप कुमारीजी म  
आदि श्रमणा (४)  
सम्पन्न सूत्र-श्री शिवनाथ पत्रावात बावरा  
नया गेटा, रामपुरा बाजार  
कोटा (राज) 324006
- 81 जावर (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री मानाजी आदि श्रमणा (२)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा जावर जिला रायसेर (म.प्र.) 458339
- 82 राजनावगाव (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री तिमूराजी आदि श्रमण (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पूरुषोत्तम बाठारी, बाठारा हाउस  
मुषा राजनावगाव (म.प्र.) 491441
- 83 इबीर (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री गुरुगुरुजीजी  
आदि श्रमणा (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा,  
चौमन रत्नानी, जगमगुरा, इबीर 452002  
(म.प्र.)
- 84 बेमूर (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री धनकुमारीजी आदि श्रमणी (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा बेमूर, राया बागनिया जिला धार (म.प्र.)  
454667
- 85 स्वातिपर (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री पूरुषोत्तमजी आदि श्रमणी (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री मनवाप्रसाद आमराताग  
सरवर माधोपार, स्वातिपर-474001 (म.प्र.)
- 86 वेदसावद (म.प्र.)  
विदुषी माधवी श्री विद्याजीजी आदि श्रमणी (५)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा  
मुषा पन्नावद जिला, सातुआ (म.प्र.)  
457773

### 3 महाराष्ट्र प्रान्त-

चातुर्मास स्थल (५) श्रमण (३) श्रमणी (२०) कुल (२३)

### (२) मध्यप्रदेश प्रान्त

चातुर्मास स्थल (७) श्रमण (३) श्रमणी (३०) कुल (३३)

- 80 रतलाम (म.प्र.)  
मुनिथी स्वन्दि कुमारजी आदि श्रमण (३)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्व तरावपी मभा, न ४ मठजी  
का बाजार, रतलाम (म.प्र.)-457001
- 87 जयसिंहपुर (महाराष्ट्र)  
मुनिथी मागमनजी आदि श्रमण (३)  
सम्पन्न सूत्र-श्री गालीलाल मनवाल  
ममम महावीर टुवेवा, मुषा जयसिंहपुर  
जिला वास्हापुर (राजस्थान) 416101

88. मरीन ड्राईव-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी साध्वी श्री गोरार्जी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-अणुव्रत सभागार, राजहंस बिल्डिंग,  
अणुव्रत मार्ग, मरीन ड्राईव, बम्बई-400002  
(महाराष्ट्र)
89. पूना (महाराष्ट्र)  
विदुषी साध्वी श्री फूलकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री भंवरलाल मोहनलाल जैन जरीवाला,  
1155 रविवार पेठ, पूना-411002 (महा.)
90. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी साध्वी श्री सरोजकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री देवीलाल कच्छारा, अणुव्रत ज्योति,  
जीवदया लेन, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)
91. भुसावल (महाराष्ट्र)  
विदुषी साध्वी श्री सरोजकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापंथी सभा  
C/o. मे चोरडिया टी. डिपो, मु.पो. भुसावल  
जिला जलगाव (महाराष्ट्र) 425201

#### 4. गुजरात प्रान्त

चातुर्मास स्थल (6) श्रमणी (29) कुल ठाणा (29)

92. वारडोली (गुजरात)  
विदुषी साध्वी श्री सोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री महालक्ष्मी जनरल स्टोर्स, सिनेमा रोड  
मु.पो. वारडोली, जिला सूरत (गुज.) 394601
93. भुज-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी साध्वी श्री चादकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री माधवजी जयमलजी मेहता  
भीड़ बाजार, मु.पो. भुज-कच्छ (गुज.) 370001
94. शाहीबाग-अहमदाबाद (गुजरात)  
विदुषी साध्वी श्री रामकुमारीजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापंथी सभा तेरापंथ भवन  
शाहीबाग पुलिस चौकी के पास,  
अहमदाबाद-380004 (गुजरात)

95. सूरत (गुजरात)  
विदुषी श्री साध्वी नगीनाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री रूपचन्द सेठिया  
द्वारा-मेसर्स भारत रिविन्स, 8-1526 मेनरोड  
गोपीपुरा, सूरत-395001 (गुजरात)
96. वाव (गुजरात)  
विदुषी साध्वी श्री भागवतीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अणोक जैन द्वारा श्री उजमचंद  
मोतीचन्द जैन, मु.पो. वाव, जिला वनासकाठा  
(गुजरात) 385575
97. गांधीधाम (गुजरात)  
विदुषी साध्वी श्री मधुस्मिताजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चंपालाल सेठिया, द्वारा जनता आर्ट्स  
दुकान नं 202, Opp. होटल प्रेसिडेंट,  
गांधीधाम-कच्छ (गुजरात) 370201

#### 5. आन्ध्र प्रदेश प्रान्त

चातुर्मास स्थल (1) श्रमणी (4) कुल ठाणा (4)

98. हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)  
विदुषी साध्वी श्री सच मित्राजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Kanhaiyalalji Baid  
30, Sindhi Colony,  
HYDERABAD-500 003 (A. P.)

#### 6. तमिलनाडु प्रान्त

चातुर्मास (1) श्रमणी (5) कुल ठाणा (5)

99. तंडियार पेठ-मद्रास (तमिलनाडु)  
विदुषी साध्वी श्री यशोधराजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Jain Swetamber Terapanthi Trust  
14, Tandvaram-Mudali Street,  
Tandawar Peth, MADRAS-600 021(T.N.)



110. जीद (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
श्री पीरचंद जैन, हेपी नर्सरी स्कूल के पास  
मु.पो. जीद 126102 (हरियाणा)

111. भिवानी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री भीकाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तेरापंथ भवन  
लोहड बाजार, मु.पो. भिवानी (हरियाणा)

112. रोहतक (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री रूपाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. तेरापंथी सभा, प्रेक्षा साधना केन्द्र  
कटर भवन, शक्तिनगर, ग्रीन रोड  
रोहतक (हरियाणा)

113. कालावाली (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. कालावाली-125201 (हरियाणा)

114. हिसार (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री कनकश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तेरापंथ भवन  
कटरा रामलीला, मु.पो. हिसार (हरियाणा)  
125001

115. जाखल मंडी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री सुमनश्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
श्री जगन्नाथ रविन्द्रकुमार, मु.पो. जाखल मंडी  
जिला हिसार (हरियाणा)

116. सिरसा (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री चारित्र श्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
भादरा बाजार, मु.पो. सिरसा (हरियाणा)  
125055

117. हांसी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री आनन्दश्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
द्वारा मुनियामल दिनेशकुमार जैन, सराफा बाजार  
मु.पो. हांसी (हरियाणा) 125033

12. पंजाब प्रान्त

चातुर्मास (3) श्रमणी (15) कुल ठाणा (15)

118. संगरूर (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री सिरकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. संगरूर (पंजाब) 158001

119. धुरी (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मालगोदाम रोड  
मु.पो. धुरी (पंजाब) 148024

120. जगराओ (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री कचनप्रभाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. जगराओ 142026 (पंजाब)

13. दिल्ली प्रान्त

चातुर्मास (2) श्रमणी (4) श्रमणी (4) कुल (8)

121. नई दिल्ली

मुनि श्री राकेशकुमारजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अणुव्रत विहार, 210 दीनदयाल  
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

122. प्रीतमपुरा-दिल्ली

विदुषी साध्वी मानकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री देशराज जैन क्यू डी. 3  
प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034



## 14 नेपाल (विदेश)

चातुर्मास (1) श्रमणी (5) कुल (5)

## 123 विराटनगर (नेपाल)

विद्युपी माछी श्री रत्नश्रीजी आदि श्रमणी (5)

सम्बन्ध सूत्र-

Shri Jain Swatanter Terapanthi Sibir

P O VIRAT NAGAR Koshi Anchal

(Nepal) Via Jog Batti, (Bihar)

कुल चातुर्मास श्रमण के 34 कुल श्रमण 147

कुल चातुर्मास श्रमणी के 89 कुल श्रमणी 548

कुल 123 कुल 695

कुल चातुर्मास (123) श्रमण (147) श्रमणी (548)

कुल ठाणा (695)

## श्रमण-श्रमणी तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	149	553	702
(+) नई दीक्षा हुई	-	4	4
	149	557	706
(-) महाप्रयाण हुए	-	8	8
	149	549	698
(-) श्रमण जीवन त्याग किया	1	-	1
	148	549	697
(-) जानकारों पात नहीं हुई	1	1	2
	147	548	695
1992 में कुल ठाणा हैं	147	548	595

## प्रातःकार्य श्रमण श्रमणी चातुर्मास तालिका 1992

क्र.सं.	प्रातः/दिनांक	चातुर्मास	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
		स्थल			
1	राजस्थान	79	120	380	500
2	मध्यप्रदेश	7	3	30	33
3	महाराष्ट्र	5	3	20	23
4	गुजरात	6	-	29	29
5	आंध्र प्रदेश	1	-	4	4
6	तमिलनाडु	1	-	5	5
7	कर्नाटक	4	6	11	17
8	पश्चिम बंगाल	1	4	-	4
9	आसाम	2	2	5	7
10	बिहार	1	-	5	5
11	हरियाणा	10	5	35	40
12	पंजाब	3	-	15	15
13	दिल्ली	2	4	4	8
14	नेपाल (विदेश)	1	-	5	5
	कुल	123	147	548	695

बोट - (1) एम समुदाय में इन वर्ष 4 श्रमणिया की नई दीक्षा हुई एवं 8 श्रमणिया महाप्रयाण या प्राण हुई। बिस्तृत जागहारी नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची में देखें।

(2) इस समुदाय श्री विद्युपी माछीश्री रत्नश्रीजी आदि श्रमणी (5) पैदल बिहार वरत हुए नेपाल विदेश में चातुर्मास कर रहे हैं। म्या समाज एवं तरापथी समाज दोनों समुदायों की साध्वियों का इस वर्ष विदेश में चातुर्मास है। (पाद त्रिहारी)

(3) इस वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज में किसी एक जगह सर्वाधिक चातुर्मास आचार्य श्री के साध्वियों में लाडलू (राजस्थान) में हैं जहाँ 35 श्रमण एवं 65 श्रमणिया कुल ठाणा (100) का चातुर्मास एक ही जगह हो रहा है जो इस वर्ष का एक रिकार्ड है।

(4) सम्पूर्ण जैन समाज की चारों समुदायों में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें प्रमुख आचार्य का चारों समुदायों में सन्निधि एवं समुदाय पर पूरा अधिकार प्रभुत्व है यानी श्वे मूर्ति स्थानकवासी एवं दिगम्बर समुदायों के बड़े समुदायों के कई आचार्य हैं परन्तु तैरापथी समुदाय एक ही आचार्य के साध्वियों में विद्यमान है जो एक रिकार्ड है।

(5) श्वे तैरापथी समुदाय की जैन पत्र-पत्रिकाएँ-जैन पत्र पत्रिका सूची भाग 6 में देखें।

(6) इससे अलावा 5 समण एवं 55 समणी कुल (60) भी धर्म प्रचार में सलमन हैं।

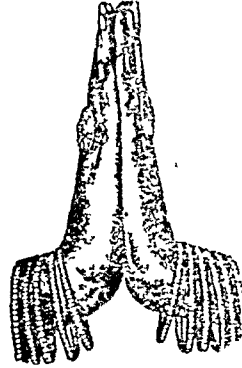
श्री ऋषभदेव नमः.

श्री महावीराय नमः.

—: शत शत बधाई :—

आपका पावन मानिध्य पाकर,  
प्रफुल्लित है हमारा तन-मन ।  
हे अर्न्तभावना मिलता रहे,  
युगा-युगो तक तव मार्गदर्शन ।

कुल्लू से 12 किमी पूर्व स्थित "जैन साधना केन्द्र" में पूर्ण मौनव्रत के साथ 12 वर्ष की साधना में मंगलम पररा योगिनी, तपोनिष्ठ श्रद्धेय, श्री नूतनप्रसाजी महाराज के नानन्द एक वर्ष की साधना के पूर्णता के अवसर पर हमारी शत-शत बधाई एवं आगामी साधना मंगलमय हो, इस हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ. . . . ।



शुभेच्छुक

विनोदकुमार जैन

निवास पता : शली नं 2, प्रीत कॉलोनी  
रोपड़ (पंजाब) फोन-2567

शाखा प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला,  
आनन्दपुर साहिब जिला रोपड़ (पंजाब)

नोट.—पिछले वर्ष ही जैन साधना केन्द्र बराह से भून्तर में स्थानान्तरित हो चुका है, अतः पत्र व्यवहार करने वाले कृपया ध्यान दें। सम्पर्क सूत्र निम्नोक्त है।

जैन साधना केन्द्र नूतन साधनालय, भून्तर-175125 (कुल्लू) हिमाचल प्रदेश

श्री महाशाराय नम

श्री अजरामर गुरुभ्यो नम

पूज्य गुरुदेव या भान्तर मुनिजी म मा ना गानिञ्ज मा-

महासागर नु मोती

- साह बिघारवु ऐ साह छे, तेमा करता साह बरवु ऐ यघारे साह छे अने तेमा करता य सारा दबु ऐ सन्नभेळ छे ।
- निदा, ईर्ष्या, निरबामघात, न बरो जने ते बोलो सामलो नही ते सब माटे उत्तम छे ।

*With best Compliments From*

टेला न आफिस 23061, 24689

निवास 24323

**DEEP COTTEN CO.**

*Proprietor* JITENDRA M SHAH

108, Mehta Chambers, Mehta Market,  
Surendra Nagar 363001 (Gujrat)

卐—卐—卐

**CHANDRAPRABHU TRADING CO.**

Surendra Nagar (Gujrat)

卐

*Sister Concern*

फान आफिस 226, निवास 227

**शाह मनसुखलाल मोहनलाल**

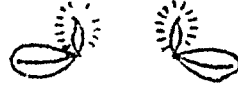
बाजार म मु पो गियाणी तालुका सिम्बर्दी  
जिला सुरेद्रनगर (गुजरात)

—शुभेच्छुव

जितेद्र मनसुखलाल शाह (सियाणी बाले), सुरेद्रनगर

परम श्रद्धेय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. आदि ठाणा वंगलौर, प्रवर्तक श्री रमेज मुनिजी म.मा.  
आदि ठाणा वड़ी सादड़ी एव श्री सुरेज मुनिजी म.सा. आदि ठाणा सूरत मे वर्ष 1992  
का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की आराधना से परिपूर्ण होने की  
मंगल कामना करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



श्री मेवाड़ भूषण प्रताप मुनि श्रमण  
सेवा समिति  
उदयपुर, (राज.)

कन्हैयालाल नागौरी  
अध्यक्ष

इन्द्रसिंह बाबेल  
मंत्री

जय महावीर

जय अजरामर

## महान क्रान्तिकारी तत श्री अजरामरजी स्वामी जिनके सान्निध्य से सिंह भी जात हो जाते थे एक सस्मरण

आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी जितने ज्ञानी व प्रतिभा-अम्यप्र थे जन्मे भी बहुत अधिक वे निरंतर व माहिरिन थे। एक रात को जात ह। वि.स. 1845 म आप जगत गिण्य-वर्ग के माय कच्छ में विहार कर मानावाट व नोम्बडी (फिनहान मुनेद्रनगर जिना) की आर पया रह थे। यानाद में चाग्वीग गाँव जाने के लिए विहा ह। चुका या, उम समय डम गरिया म भयकर जगन था, त्रिममू मीठाप्ट के प्रमिद शेर जैम हिमक बयप्राणा स्वच्छद रूप म विचरण करत थे।

यकायक उम जगन म विर्मा सिंह की गजना मुनकर स्वामीजी के साथ चल रट गिण्य बुगी तरह म डर भये तथा स्वामीजी का कहने लगे कि वे आगे की आर विहार का निगार त्याग दें। गिण्य इतने डर गये कि वे वाग्-वाग् स्वामीजी का विहार व निण भना कर रह थे।

स्वामीजी ने महज भाव म विनम्रता म शिष्यो ना उत्तर दिया कि आप जगो का सनिन भा डग्ने की आवश्यकता नहीं है। बस महामत्र नवकार मत्र का ज्ञाप करत रहा तथा मेरे पीछे चले आज। गिण्यगण डर ता रह थे कि-तु स्वामीजी की आना को टाट भी नहीं सकत थे। अत स्वामीजी के पीछे हो लिए।

अतत गिण्यो की वान मच ही निरन्ती। घने पडा के चुग्मूट में एक विशालकाय शेर दहाडता हुआ स्वामीजी की आर आगे बडा। गिण्यगण बुगी तरह बाँप रह थे, तैकिन स्वामीजी निरचल व निर्भिक ५३। स्वामीजी और शेर की आध चार हूई, कि-तु स्वामीजी आमात्र विचलित नहीं हुए। स्वामीजी की यह निडरता और उनकी आँखों में अगाध प्रेम व करुणा एवं मौम्य-मुखाविट देखकर शेर न भी रास्ता छाड दिया। और स्वामीजी शिष्य ममुदाय के साथ व शेर अलग दिगाजा म चढने लगे।

इम प्रमग म स्वामीजी म धीरज, निडरता व नवकार मत्र के प्रति श्रद्धा तथा जात्म विश्राम की- भी दृढ हो गया। उनका मानना था कि यदि हमारे मन में अहिमक-भाव है ता वैसा भी हिमक प्राणी क्या न हा जयता हिमक-भावना ही बलन जाएगी। "अहिमा प्रतिप्याया तत् सनिधी वैरत्याग"—यह पातजल योगमूत्र ना महाकाव्य चरिताय हा जाएगा।



-सौम्य-

### चामुण्डा कोटन ट्रेडर्स

शाह हसमुखलाल मनमुखमाई (सियाणी वाले)

कोटन मर्चेट

मेहता मार्केट, मुनेद्रनगर-363 001 (गुजरात)

फोन ऑफिस-21243 23074 निवास-22462

परम श्रद्धेय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. आदि ठाणा वैगलीर, प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा वडी सादड़ी, विद्रुपी महासनी श्री चन्दनाजी म.सा. आदि ठाणा विगार (बंबई)  
एवं महासती श्री विजय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा उदयपुर मे वर्ष 1992 का  
चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की आराधना से परिपूर्ण होने  
की मंगल कामना करते हुए!

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन नं.-25953

**इन्द्रसिंह बाबेल**  
**एवं**  
**श्रीमति पुष्पा बाबेल**

**दिवाकर दीप**

**38, सहेली नगर, सहेली मार्ग,**  
**उदयपुर-313001 (राज.)**

॥ जय महावीर ॥

॥ जय अजरामर ॥

अजरामर घमघ (जैन प्रोताम्बर स्थानचामा छ वाटि लाम्बडो मम्प्रदाय) के गुण्यवना-प्रशातर्मा<sup>१</sup> जाचार्य भगवत 1008 श्री रूपचन्द्रजी स्वामी व परम अतवामी तत्त्रय पठिन कृपालु गुरुदत्त श्री नवलचन्द्रजी स्वामी के शिष्य—1 मुनिश्री भास्वरजी स्वामी, 2 मुनिश्री घमंजचन्द्रजी स्वामी, 3 मुनिश्री घनेशचन्द्रजी स्वामी, 4 मुनिश्री जिनशचन्द्रजी स्वामी आगा 4 शासन प्रभावक, जिन-शासन चन्द्रमा पू पण्डित रत्न श्री भावचन्द्रजी स्वामी (धारीपत्री-चम्बड) के मंगलमय शुभार्थोप दे भाष वहत-वच्छ विभाग के छ वाटि लाम्बडो मम्प्रदाय के गनी व धाम वच्छ-माडवी उदर म विम 2048 के चातुर्मास म विराज रह है। यहाँ मुनिराजों का चातुर्मास 28 वष के पश्चान हुआ ह। एम यणस्वी चातुर्मास मे निम्नान पुण्यशालिनी तपस्विनी दहन हमार यहा मयप्रथम मिद्धि तप उी मगन जाराधना कर रही है—उनकी तपानुमादना एव चातुर्मास की मगन नामना करत है।

### सिद्धितप के आराधक :

- 1 कु निराली नंधीनचन्द्र शाह
- 2 श्रीमती चन्दनाबहन विनोदकुमार दोशी
- 3 श्रीमती मजुलाबहन भोगीलाल शाह
- 4 श्रीमती कचनबहन धीरजलाल दोशी



देवीपान-127

-शुभेच्छा-

शाह हरजी लखमशी एण्ड क

उषा टिम्बर ट्रेडींग क

श्री अरिहन्त ट्रेडींग क

जवाहर भाग, (टिम्बर मार्केट)

माडवी-वच्छ (जिला-भुज) 370465 (गुजरात)

## भाग-चतुर्थ

तपागच्छ समुदाय

अचलगच्छ समुदाय

खरतरगच्छ समुदाय

त्रिस्तुतिकगच्छ समुदाय

पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय

विमलगच्छ समुदाय

अन्य समुदाय



*With best compliments from :*

WITH BEST COMPLIMENTS FROM  
TORRENT GROUP OF INDUSTRIES

WHERE COMMITMENT TO QUALITY  
LEADS THE WAY



**TORRENT ALWAYS AHEAD**

MANUFACTURERS AND EXPORTERS OF PHARMACEUTICAL  
FORMULATIONS BULK DRUGS VETERINARY MEDICINES  
CABLES MEDICAL ELECTRONIC EQUIPMENTS



CORPORATE OFFICE  
TORRENT HOUSE NEAR DINESH HALL  
ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009  
PHONE 405090 TELEX 121 8600 TL I 121 6142 TEPL IN  
GRAM TRINILAB FAX 272 460048

## तपागच्छ समुदाय

सिद्धान्त महोदधि, कर्म साहित्य, निष्णात आचार्य प्रवर  
श्रीमद् विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

1

### भाग प्रथम

शासन प्रभावक व्याख्यान वाचस्पति शासन शिरताज,  
सुविशाल गच्छाधिपति स्व. आचार्य प्रवर श्री विजय रामचन्द्र  
सूरेश्वरजी म.सा.के समुदायवर्ती-वर्तमान में समुदाय के  
प्रमुख गच्छाधिपति:-सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (138)

मुनिराज (237)

साधिव्यंजी (459)

कुल ठाणा (696)

### साधु मुनिराज समुदाय

#### 1. नवाडीसा (गुजरात)

1. सालबोद्धारक आचार्य प्रवर श्री विजय  
सुदर्शन सूरेश्वरजी म.सा.

2. तपस्वी सम्राट आचार्य श्री विजय राजतिलक  
सूरेश्वरजी म.सा.

3. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा.

4. पन्याम श्री कीर्तिमेन विजयजी म.सा

5. पन्याम श्री हेमभूषण विजयजी म.सा

सम्पर्क सूत्र-श्री ज्जे. मूर्ति जैन उपाश्रय

आदि ठाणा (48)

रिमाला बाजार मुपो नवाडीसा

जिला बनामकाठा (गुजरात) 385535

आदि ठाणा (4)

#### 2. बड़वाण (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय कयंत शंकर सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय नित्यानन्द सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री संवेगी जैन उपाश्रय, मस्जिद चौक

मु.पो. बड़वाण शहर, बाबा जिला सुरेन्द्र नगर

(गुजरात) 363030

#### 3. जामनगर (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय प्रधीतन सूरेश्वरजी म.सा.

2. पन्याम श्री वज्रमेन विजयजी म.सा

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री हालारी वीसा ओमवाल जैन उपाश्रय,

45 दिग्विजय प्लॉट, जामनगर (मौराष्ट्र)

(गुजरात) 361005

#### 4. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय मित्रानन्द सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री पालनगर जैन देरामर उपाश्रय ट्रस्ट पेढी

12 जमनादाय मेहता मार्ग, बालकेश्वर

बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

#### 5. पालीताणा (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय रविप्रसन्न सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय महावल सूरेश्वरजी म.सा.

3. आचार्य श्री विजय पुष्यपाल सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (12)

सम्पर्क सूत्र-महाराष्ट्र भुवन जैन धर्मशाला

तन्वेटी रोड, पालीताणा-364270 (मौराष्ट्र)

(गुजरात)

- 6 शोल्हापुर (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय विवक्षण सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न मूल-श्री मुनिगुवन स्वामी जी श्वनाम्बर  
मन्दिर टम्ब, जैन मन्दिर लक्ष्मीपुरी ताल्हापुर  
(महाराष्ट्र) 416002
- 7 मुत्तुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय ललितशेखर सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मन्दिर, 45 जवर् रोड  
मुत्तुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400080 (महाराष्ट्र)
- 8 विरार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय राज शेखर सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री मधवनाथ जैन मन्दिर स्टेशन के सामने  
मु पो विरार (वेस्ट) जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
- 9 भीवण्डी (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय बीर शेखर सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन मन्दिर  
मु पो भीवण्डी, जिला ठाणा (महा) 421302
- 10 सावरकुण्डला (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न मूल-श्री धर्मनाथ तद्विनायक की पत्नी  
जैन धर्मशाला जैन मन्दिर सावरकुण्डला  
(सागर) जिला सावरनगर (गुज) 364515
- 11 कालपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जयकुमार सूरेश्वरजी म सा  
आचार्य श्री विजय मुक्तिप्रभ सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (14)  
सम्पन्न मूल-आचार्य विजयदान सूरेश्वरजी जैन धान मन्दिर  
पोषणशाला, कालपुर रोड, टकमाल के पास  
अहमदाबाद 380001 (गुजरात)
- 12 रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय पूणधर सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री जैन आराधना भवन, पाटियासी पास  
रिलिफ रोड, अहमदाबाद-380001 (गुज)
- 13 बालेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय चन्द्रोदय सूरेश्वरजी म सा  
पयाम श्री वनवधन विजयजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री सेठ भैराल कल्याणलाल वाढारी, जैन  
उपाश्रय चदनवावा अपाटमेट्टा, रानीवाल ठरवा  
-माग, रीस रोड, बालेश्वर, बम्बई-400001  
(महाराष्ट्र)
- 14 सूत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय अमरगुप्त सूरेश्वरजी म सा  
पयाम श्री चन्द्रगुप्त विजयजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-आचार्य विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी जैन  
आराधना भवन, गोपीपुरा, मन रोड,  
सूरत-395002 (गुजरात)
- 15 ध्रांगधा (गुजरात)  
उपाश्रय श्री नरचन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मन्दिर जैन उपाश्रय  
महालक्ष्मी मन्दिर के पास, नानी वाजार  
मु पो ध्रांगधा जिला मुन्डनगर-36331  
(गुजरात)
- 16 नयाटोसा (गुजरात)  
पयाम श्री महाशय विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-चन्दन मोसागटी हॉटेल् रोड,  
नयाटोसा, जिला जनामवाडा (गुज) 38553
- 17 शाहपुर (महाराष्ट्र)  
पयाम श्री चन्द्रवीर विजयजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन मन्दिर  
मु पो शाहपुर, जिला ठाणा (महाराष्ट्र)

18. कलकत्ता (प. बंगाल)  
पन्यास श्री रत्नभूषण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति. जैन संघ, जैन मंदिर  
11/ए-हैणाम रोड, भवानीपुर,  
कलकत्ता-700020 (प. बंगाल)
19. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)  
1. पन्यास श्री भद्रणील विजयजी म.सा.  
2. पन्यास श्री गुणणील विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—मुक्ति द्वार जैन उपाश्रय, दशा पोरवाड़  
मोसायटी, पालड़ी बस स्टैण्ड पास,  
पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात) 380007
20. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नरवाहन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर स्वामी जैन देरासर  
त्रेनहूर अपार्टमेंटम्, चन्द्रावरकर लेन, बोरीवली  
(वेस्ट) बम्बई-400092 (महाराष्ट्र)
21. जोगेश्वरी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री पुण्योदय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर पेडी  
मनीष रोड, पारमनगर, जोगेश्वरी (पूर्व)  
बम्बई-400060 (महाराष्ट्र)
22. जामनगर (गुजरात)  
श्री चन्द्रयण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिभुवन जैन उपाश्रय, आनंदाबाबा  
नो चकलो, जामनगर (गुजरात) 361001
23. जामनगर (गुजरात)  
श्री कीर्तिकांत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ओमनाल कालोनी, जैन उपाश्रय  
मुमेर बलव रोड, जामनगर (गुज.) 361001
24. साणन्द (गुजरात)  
श्री मनोगुप्त विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जेठा वेणा नो उपाश्रय  
मु.पो. साणन्द, जिला खेड़ा (गुज.) 382110
25. घोटी (महाराष्ट्र)  
श्री विनोद विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति. जैन मंदिर  
मु.पो. घोटी वाया डगतपुरी, जिला नासिक  
(महाराष्ट्र)
26. साभर (गुजरात)  
श्री वाररेण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति. जैन मंदिर, मु.पो. साभर  
385320 जिला वनामकांठा (गुजरात)
27. डभोई (गुजरात)  
श्री सिधाचल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री माली वगा सागर गच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. डभोई, जिला बडोदा (गुज.) 391110
28. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री अक्षय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री रत्नपुरी जैन उपाश्रय, जैन मंदिर,  
गौणाला लेन, दपतरी रोड,  
मलाड (पूर्व) बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)
29. नवाखल (गुजरात)  
श्री भुवनचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, बाजार मे,  
मु.पो. नवाखल ता बोरसद,  
जिला खेड़ा (गुजरात)
30. सूरत (गुजरात)  
श्री तपोधन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—शाह प्रकाशचन्द्र मणीलाल छापगिन्ना शेरी  
महीदरपुरा, सूरत-395003 (गुजरात)
31. राधनपुर (गुजरात)  
श्री ध्रुव सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भागर गच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. राधनपुर, जिला वनामकांठा  
(उत्तर गुजरात) 385340
32. नवागांव (गुजरात)  
श्री कामल सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन मंदिर, जैन उपाश्रय  
मु.पो. नवागांव, जिला-जामनगर (गुजरात)

- 33 बायो (गुजरात)  
श्री वसन्त रत्ना विजयजी म मा आदि ठाणा (1)  
मध्यक सूत्र-श्री ज्ञान उपाध्य, जल स्टांड  
मु वा बायो जिना बगसाइ (गुजरात) 746191
- 34 पाटन (गुजरात)  
श्री तिनपुरी विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
मध्यक सूत्र-श्री ज्ञानिभाई पायधमारा पचामराज  
माने, मु वा पाटन (उत्तर गुजरात) 784265
- 35 तिराही (राजस्थान)  
श्री भक्तिदेव विजयजी म मा आदि ठाणा (4)  
मध्यक सूत्र-जगन्नाथ आचार्य विजयजी म मा  
ज्ञान उपाध्य, मानाथ जी मनी, तिराही  
(राजस्थान) 307001
- 36 सचतगढ़ (राजस्थान)  
श्री तिनपन विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
मध्यक सूत्र-श्री ज्ञान मन्दि, ज्ञान धमारा  
म वा सचतगढ़, स्टेशन फावा  
जिना पानी (राजस्थान) 706912
- 37 भूतोबर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नयवधनजी म मा आदि ठाणा (८)  
मध्यक सूत्र-नाथ मनीना लाल धाम ज्ञान उपाध्य  
पाजगापाल जल भूतोबर-बम्बई 400004  
(महाराष्ट्र)
- 38 पादरा (गुजरात)  
श्री चांदि प्रम विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
मध्यक सूत्र-आचार्य श्री रामदास सुरेजी ज्ञान  
जा ज्ञाना मन्दि श्री मन्दिनाथ ज्ञान मन्दि म  
माने मु वा पादरा, जिना बडोदा  
(गुजरात) 391440
- 39 छाणी (गुजरात)  
श्री भुविधन विजयजी म मा आदि ठाणा (1)  
मध्यक सूत्र-ज्ञान उपाध्य चार्णीमानाथ  
मु वा छाणी, जिना बडोदा (गुज) 491740
- 40 पूरा केम्प (महाराष्ट्र)  
श्री जयशंभ विजयजी म मा आदि ठाणा (4)
- 41 सुतेन्द्रनगर (गुजरात)  
श्री विजयजी विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
मध्यक सूत्र-श्री आचार्यना मन्दि, ज्ञानिदेव म  
आचार्यना मन्दि 767001 (गुजरात)
- 42 मन्दिनाथ (गुजरात)  
श्री विजयजी विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
मध्यक सूत्र-श्री मन्दिनाथ मन्दिनाथ धारा  
मन्दि Opp पोस्टल ज्ञानिदेव मन्दि म  
मन्दिनाथ (गुजरात) 396445
- 43 माहरमती-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री बांदिनाथ विजयजी म मा आदि ठाणा (4)  
मध्यक सूत्र-श्री सुवराज मन्दि आचार्यना मन्दि  
मन्दिनाथना मोसायटी, रामदास राट, माना  
मन्दि, अहमदाबाद 780005 (गुजरात)
- 44 नातिक मिटी (महाराष्ट्र)  
श्री भुवा रत्ना विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
मध्यक सूत्र-श्री गुरु मन्दि, पण्डित ज्ञान, ज्ञानिदेव  
नातिक नातिक मिटी (महाराष्ट्र) 422001
- 45 मातेगाव (महाराष्ट्र)  
श्री जयमन्दि विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
मध्यक सूत्र-श्री चन्दा बाबा ज्ञान उपाध्य, तिनप  
नातिक मु वा मातेगाव जिना नातिक (महाराष्ट्र)  
423203
- 46 राजकोट (गुजरात)  
श्री विजयजी विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
मध्यक सूत्र-ज्ञान आचार्यना मन्दि वधमान मन्दि  
हुमर पचोग रोड, राजकोट 780001 (गुजरात)
- 47 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री मन्दिनाथ विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
मध्यक सूत्र-ज्ञान मन्दि सोसायटी ज्ञान उपाध्य,  
मन्दिनाथ रोड, पालडीनगर पालडी, अहमदाबाद  
380007 (गुजरात)

48. बीस नगर (गुजरात)  
श्री तत्व रत्न विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री-सुमनलाल कातिलाल वखारिया  
मे. आशीर्वाद एम्पोरियम, काजीवाडो, मु.पो.  
वीमनगर-384315 (गुजरात)
49. पालडी-अहमदाबाद (गुज.)  
श्री चैतन्य दर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—रग सागर सोसायटी पी टी. कालेज  
रोड, पालडी, अहमदाबाद-380007 (गुज)
50. शाहीबाग-अहमदाबाद (गुज.)  
श्री तीर्थरत्न विजयजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन देरासर उपाश्रय, गिरधर नगर,  
शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुज)  
नोट—निम्न लिखित पूज्य आचार्यों मुनिराजों ने भी इस  
वर्ष आज्ञा प्राप्त की है।
1. आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरजी म. (बापजी म.)  
का समुदाय:—  
दांतराई (राजस्थान)  
आचार्य श्री विजय विबुध प्रभूसूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शीतल पार्श्व जिन पेढी, पंच  
महाजन, मु.पो. दातराई बाया आबू रोड, जिला  
गिरोही (राजस्थान) 307512
2. आचार्य श्री विजय अमृत सूरेश्वरजी म. का  
समुदाय:—  
खंभात (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जितेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री तपागच्छ अमर, जैन शाला,  
टेकरी, मु.पो खंभात, जिला खेडा (गुजरात)  
388620
3. आचार्य श्री विजय शान्तिचन्द्र सूरेश्वरजी म.  
का समुदाय:—
1. अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय सोम सुन्दर सूरेश्वरजी म.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शाहपुर दरवाजा नो खाचो,  
अहमदाबाद 380001 (गुज)
2. अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान जैन उपाश्रय, आश्रम रोड,  
Opp. सभवनानथ जैन देरासर, उस्मानपुरा,  
अहमदाबाद-380013 (गुज.)

## साध्वियाँजी समुदाय

1. प्रवसिनी साध्वी श्री ज्याश्रीजी म सा.  
आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र—सोना नो उपाश्रय, रिसाला बाजार,  
मु.पो. नवाडीला जिला बनासकांठा (गुज.)  
385535
2. साध्वी श्री कान्ता श्री जी म सा. आदि ठाणा (17)  
सम्पर्क सूत्र—दशा पोरवाल सोसायटी, पालडी बस  
स्टेण्ड पामे, बगलान 18 पालडी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)
3. साध्वी श्री अनुपमा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार (बगलान  
न. 21)
4. साध्वी श्री परमप्रभाश्री जी म सा आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र—बालोडवाला जैन उपाश्रय, लक्ष्मीभुवन  
सामे, गोपीपुरा सूरत-395002 (गुज)
5. साध्वी श्री मणिप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुदनलाल लल्लुभाई जवेरी नो  
बगलो मेनरोड, गोपीपुरा सूरत-395002  
(गुज.)
6. साध्वी श्री पुण्य प्रभाश्री जी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हममुखलाल चुन्नीलाल मोदी,  
कमला निकेतन, 3 माला, नारायण दामोलकर  
रोड, बालकेश्वर-बम्बई-400006 (महा)

- 23 माध्वी श्री सत्य रत्नार्थीजी ममा आदि ठाणा (11)  
सम्पत् सूत्र—श्री नमोनाथ नगर जैन उपाध्य, मम  
स्टेण्ड पास, नमोनाथ नगर, नवाडोसा जिला-  
प्रतामवाडा (गुज) 385535
- 24 माध्वी श्री नयदगनाथीजी ममा आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—जैन मकेंट सासायटी, थाविना उपाध्य,  
कन्हपुरा पालडो-अहमदाबाद-380007 (गुज)
- 25 माध्वी श्री नयभाला श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)  
सम्पत् सूत्र—चारी न. उपाध्य, पाजरागान माम,  
पजामरा राट, पाटण (गुजरात) 384265
- 26 माध्वी श्री ह्यपूर्णार्थीजी ममा आदि ठाणा (8)  
सम्पत् सूत्र—मुलशा अपार्टमेंटस थाविना उपाध्य,  
रतिलाल आर टक्कर माग राग राड, बालकेश्वर,  
बम्बई-400006 (महा)
- 27 माध्वी श्री साम्य ज्योतिशार्थीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—सुतरीया उपाध्य, छापरीया शेरी,  
महादरपुरा सुरत 395003 (गुजरात)
- 28 माध्वी श्री मुक्ति पूणार्थीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—हरियाला विलेज जैन श्व मूति ट्रस्ट  
आदिना जैन मंदिर हुजारा बाग विक्रीनी  
(बेस्ट) बम्बई-400083 (महा)
- 29 माध्वी श्री रीतनार्थीजी मसा आदि ठाणा (4)  
सम्पत् सूत्र—जैठ भालाशा तानबाग जैन उपाध्य,  
मुलश्वर, पाजरा पाल लन बम्बई 400004  
(महाराष्ट्र)
- 1 प्रवर्तिनी माध्वी श्री देवद्वीजी मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पत् सूत्र—अरवि जेनाटमटम ब्वाक न 1,  
सम्पत् दग. जाराधना नवन पी टी बालेज राड,  
रग भागर माम, पालडो अहमदाबाद 380007  
(गुजरात)
- 2 माध्वी श्री दमरतीश्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—महाराष्ट्र भुवन वमभाला, तनटा राट,  
पालीताणा 364270 (महाराष्ट्र) (गुजरात)
- 3 माध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी मसा आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—जन उपाध्य, रिमाना बाजार  
नवाडोसा जिला ननामवाडा (गुज) 385535
- 4 माध्वी श्री विश्वप्रभाथीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—बीणा श्री मानी तपागच्छ जैन उपाध्य  
दान बाग, जामनगर (महाराष्ट्र) 361001  
माध्वी श्री राहिताथीजी मसा का परिवार  
1 प्रवर्तिनी माध्वी श्री गानीश्रीजी मसा  
आदि ठाणा (11)  
सम्पत् सूत्र—मगतदार जैन उपाध्य, मुपो पिडबादा  
स्टेशन, जिना मिराही (राजस्थान) 307022
- 2 माध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी मसा आदि ठाणा (5)  
सम्पत् सूत्र—जैन उपाध्य, राजबादा, वेणु सठ का  
पाडा के मामन, मुपो पाटण  
(उ गुजरात) 384265
- 3 माध्वी श्री नदीरत्नाथीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—श्री जन उपाध्य, जैन मंदिर,  
मुपो बीरबादा स्टेशन एव जिला सिराही  
(राजस्थान)
- 4 माध्वी श्री मुक्तिरत्नाथीजी मसा आदि ठाणा (6)  
सम्पत् सूत्र—श्री थाविना जन उपाध्य नेड्ड स्ट्रीट,  
मुपो बापो जिला बलसाड (गुज) 396191
- 5 माध्वी श्री विश्वप्रभाथीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—श्री जैन मंदिर, जन उपाध्य, मुपो वेणुआ  
स्टेशन बनाव (राजस्थान)
- 6 माध्वी श्री चन्द्रशिताथीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—श्री जैन मंदिर, जन उपाध्य, मुपो रोहीडा  
स्टेशन स्वल्पगज (राजस्थान)
- 7 माध्वी श्री निवेशरत्नाथीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—श्री जैन उपाध्य, सदर बाजार  
मुपो उतासा जिला ननामवाडा (गुज) 385535
- 8 माध्वी श्री नैलयरत्नाथीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पत् सूत्र—जैन मंदिर, जैन उपाध्य, मुपो मिक्ली  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 421302
- 9 माध्वी श्री चदनकालाथीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पत् सूत्र—मणीबेन थाविना उपाध्य, बजु कटाई  
ता डेला, मुपो जामनगर 361001 (महा)

- कच्छ बागड़ देशोद्वारक स्व. आचार्य प्रवरश्री कनक सूरेश्वरजी म.सा. के समुदाय के वर्तमान में गच्छाधिपति आचार्य प्रवर भी विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म. की आज्ञानुवर्ती साध्वियोंजी
1. प्रवर्तिनी साध्वी श्री हेमश्रीजी म.सा  
साध्वी श्री चन्द्राननाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2J)  
सम्पर्क सूत्र—श्री केशवलाल प्रेमचन्द का बंगला  
Opp. जन जाति प्लैट्स, एलीस ब्रीज,  
अहमदाबाद 380006 (गुजरात)
  2. साध्वी श्री अरुणश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—माडवी नी पोल मे, जैन देरासर वालो  
खाचो, श्राविका उपाश्रय, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
  3. साध्वी श्री अरविन्दा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—अभय निवास, विमल बंगला नी सामे,  
फतेहपुरा बस स्टेण्ड नी गली मा, पालड़ी-  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
  4. साध्वी श्री अमितगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—आयचित्त भवन का मेडा ऊपर, 3रा माला  
जवैरीवाड़, वाषण पोल, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
  5. साध्वी निर्मलाजी श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—सम्यग्दर्शन जैन उपाश्रय, अमूल सोसायटी  
ओपेरा सोसायटी, चित्रकार रमीकलाल पारेख  
मार्ग पालड़ी-अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
  6. साध्वी श्री पुष्य प्रभाजीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री संभवनाथ जैन मंदिर, स्टेणन के मामने  
मु.पो. विरार (वेस्ट) जिला धाणा (महाराष्ट्र)
  7. साध्वी श्री चन्द्रोज्वलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय कालूसी नी पोल,  
कालूपुर रोड, अहमदाबाद-380001 (गुज.)
  8. साध्वी श्री दिव्यदर्शिता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय कीवा भट्ट नी पोल,  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
  9. साध्वी श्री प्रणमिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जहापनाह की पोल, जैन उपाश्रय, कालूपुर  
रोड, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
  10. साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म.सा आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, 4 विट्ठल प्रेस रोड,  
गेनेटोरियम, सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
  11. साध्वी श्री चारुलक्षणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, महालक्ष्मी मंदिर पास,  
नानी बाजार, धामंध्रा-363810 जिला  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
  12. साध्वी श्री तत्वदर्शिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति. जैन उपाश्रय, जैन मंदिर  
मु.पो. नादेज (गुजरात) 382453
  13. साध्वी श्री दिव्यपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुनि सुव्रत स्वामी जैन मंदिर  
लक्ष्मीपुरी, कोल्हापुर-416002 (महाराष्ट्र)
  14. साध्वी श्री निर्वेदगुणा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—101 आकाश गंगा प्लेट, रूपाली सर्कल  
सावनगर-364002 (सौराष्ट्र) (गुजरात)
  15. साध्वी श्री उदयपूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जैन देरामर  
मु.पो. पालेज (गुजरात) 382220
  16. साध्वी श्री चन्द्रदर्शिता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन देरामर, जैन उपाश्रय, बाजार में,  
मु.पो. एलवद वाया धामंध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात) 363330
  17. साध्वी श्री चारु रत्ना श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुमनलाल कानिलाल वरवारिया  
से आशीर्वादि एम्पोरियम, काजीवाडो  
मु.पो. बीसनगर (गुजरात) 384315
  18. साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—मंगलमूर्ति अपार्टमेंटस्. Opp शास्त्री नगर  
मोला रोड, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)
  19. साध्वी श्री सुरक्षाला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्राविका जैन उपाश्रय, न्यू आशीय  
सोसायटी, राजमहल रोड, पाटण  
(उ गुजरात) 384265



20 माधवी श्री नयप्रज्ञा श्रीजी म सा जादि ठाणा (2)  
मय्यव मूत्र-मगा मा उदाशय, तीरा तन मागायटी  
Opp मकधर मागायटी, गमगागर  
सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005

कुल चातुर्मास (138) मुनिराज (237) गाखीवाजी  
(459) कुल ठाणा (696)

गत वर्ष 1991 में समुदाय में विद्यमान थे - मुनिराज (246)  
साधिव्याजी (438) कुल ठाणा (704)

समुदाय में विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (20)  
पपास (10) उपाध्याय (1) प्रवर्तिनी (5)

नोट -1 नई दाशा एव महाप्रमाण की मूर्ची प्राप्त की हान  
के कारण पुनरात्मक साधिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

परन्तु उन्मुक्त मर्यादा आगामी में अनुमान लगाया  
जा सकता है कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूर्ण  
मूर्ची प्राप्त हुई है, मर्यादा भी सही लगती है।

2 सुविशाल गच्छाधिपति शासन प्रभावके ब्याप्तान  
वाचस्पति, आचार्य प्रवर श्रीमद विजय रामचंद्र  
सूरीस्वरजी म सा के महाप्रमाण के परवान रिक्त  
स्थापना की पूर्ति के लिए समुदाय में नया गच्छाधिपति  
आचार्य प्रवर श्रीमद विजय महादेव सूरीस्वरजी म सा  
का संप्रदाय बनाया गया है।

3 विरक्त मूत्रा में शक्त हुआ है कि सम्पूर्ण जन समाज  
में सभ्यता यही एक मात्र ऐसा समुदाय है जिसमें  
महार पक्ष के पिता-पुत्र एवं वर्तमान में मुनि दीक्षा में  
दान आचार्य पद का सुशोभित कर रहे हैं। आचार्य  
श्री जयगुजर सूरीस्वरजी म सा (मिनाजी) एवं  
आचार्य श्री पूर्णचंद्र सूरीस्वरजी म सा (पुत्र) दोनों  
आचार्य हैं वे दोनों वा चातुर्मास अहमदाबाद है।

मभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन ।

Tel. No OFF 523270  
RESI 523279

# MOTI CHAND CHORDIA

## FINANCIER

49 GENERAL MUTHIA MUDALI STREET, SOWCARPET  
MADRAS-600079 (T N)

सिद्धान्त महोदधि, कर्म साहित्य निष्णात, आचार्य प्रवर  
श्रीमद् विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

1 ए

भाग-द्वितीय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति : न्याय विशारद,  
108 वर्षमान आर्यबिल तप-आराधक, सकल संघ हितैषी,  
गच्छाधिपति आचार्यप्रवर श्री विजय भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (66) मुनिराज (178) साध्वियर्जा (181) कुल ठाणा (359)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. शांतिनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय हिमांशु सूरेश्वरजी म.सा.
2. आचार्य श्री विजय नर रत्न सूरेश्वरजी म.सा.
3. आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.
4. पन्यास श्री कुलचन्दविजयजी म.सा.

आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र-श्री ज्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय, जैन देरासर  
शांतिनगर, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

2. सूरत (गुजरात)

1. गच्छाधिपति, न्याय विशारद, 108  
वर्षमान आर्यबिल तप आराधक सकल  
संघ हितैषी, आचार्य प्रवर श्री विजय-  
भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय जयघोष सूरेश्वरजी म.सा.
3. उपाध्याय श्री यशोभद्र विजयजी म.सा
4. प्रवर्तक श्री योगेन्द्र विजयजी म.सा.
5. प्रवर्तक श्री जिन रत्न विजयजी म.सा.
6. पन्यास श्री तदमंगल विजयजी म.सा.
7. पन्यास श्री रत्न मुन्दर विजयजी म.सा
8. पन्यास श्री हेम रत्न विजयजी म.सा

आदि ठाणा (37)

सम्पर्क सूत्र-श्री ओंकार सूरि आराधना भवन,  
गोपीपुरा, सुभाष चौक, सूरत-395002 (गुज.)

3. तुमकूर (कर्नाटक)

1. आचार्य श्री विजय धनपाल सूरेश्वरजी म.सा.
2. पन्यास श्री चतुरविजयजी म.सा आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Jain Temple, M. G Road,

P O TUMKUR-572 101 (Karnataka)

4. कोरेगांव (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय भद्र गुप्त सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, जैन मंदिर, मु.पो. कोरेगांव  
जिला सातारा (महाराष्ट्र) 415501

5. विले पार्लो-वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री चितामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर  
43 एम जी रोड, विलेपार्लो (पूर्व)  
वम्बई-400057 (महाराष्ट्र)

6. रीछेंड (राजस्थान)

मेवाड़ देशोद्धारक आचार्य श्री जितेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र-श्री ज्वे मूर्ति तपागच्छ जैन संघ

जैन उपाश्रय, मु.पो. रीछेंड, जिला राजममंद  
(राजस्थान) 313337

- 7 दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री जयसोहर सूर्योदरजी म मा  
आदि ठाणा (4)  
ममक सूत्र-श्री जैन आचार्यजी भवन 289 एम के  
जान माग दादर (बम्बई) उम्बई-400028  
(महाराष्ट्र)
- 8 कर्वाटिया (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जगचंद सूर्योदरजी म मा  
आदि ठाणा (4)  
ममक सूत्र-श्री जैन दरामर मन्दिर, मु पा कर्वाटिया  
जागा चवानु जिना वनामकाठा (गुजरात)
- 9 पिण्डवाडा (राजस्थान)  
सूर्य जगन्नि प्रेरक आचार्य श्री विजय गुण रत्न  
सूर्योदरजी म मा  
आदि ठाणा (15)  
ममक सूत्र-श्री कल्याणजी नानागचन्दजी जैन पंडी  
मु पा पिण्डवाडा न्देगा मिगही राड  
जिना मिगही (राजस्थान) 307022 फोन 28
- 10 अहमदनगर (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय धनेश्वर सूर्योदरजी म मा  
आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, राण बाजार  
जी न्दुपम मभव जैन पंडी अहमदनगर-414001  
(महाराष्ट्र)
- 11 बीटाद (गुजरात)  
प्रवचन श्री धम गुप्त्र विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री नावण्य सूर्योदर चान मदिह, अवाजी  
चार, मु पा: बीटाद 364710 जिना राजवाट  
(गुजरात)
- 12 आम्नायाडी अहमदाबाद (गुजरात)  
पन्नाम श्री चन्द्रशेखर विजयजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
ममक सूत्र-जैन उपाधय जम्बावानी नेहल मण,  
चार मन्ना, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)
- 13 बीरा बाजार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री विमल मन विजयजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
ममक सूत्र-श्री वाट शांतिनाथजी जैन देरामर  
190/84 बाग बाजार स्ट्रीट, वाट-बम्बई  
100001 (महाराष्ट्र) फोन न 2613163
- 14 पाणधुनी बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नारीशोध विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री आदिनाथ जैन दरामर पाणधुनी  
विजय बम्बई चान, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)
- 15 शिरपुर (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री विद्यानन्द विजयजी म मा  
आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, मु पा शिरपुर  
जिना धूतिया (महाराष्ट्र) 425405  
फोन न 139 316
- 16 घाट रोड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री जयतिपत्र विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, भारत नगर  
घाट राड बम्बई 400008 (महाराष्ट्र)
- 17 अघेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री जय माम विजयजी म मा  
आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री चन्द्रचन्द जैन उपाधय, 106 एस सी  
राड, इलाकोत्र, अघेरी (बम्बई)-400056  
(महाराष्ट्र)
- 18 निपाणी (कर्नाटक)  
पन्नाम श्री तपस्वन्म विजयजी म मा  
आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-  
Shri Swetamber Jain Temple  
Guru warpeth, P O NIPANI 591 237  
(Karnataka) Tel 20264, 20956
- 19 ब्यारा (गुजरात)  
पन्नाम श्री धीर रत्न विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, वानपुरा  
मु पा न्याग जिना मूठ (गुजरात) 394650

20. तपोवन (नवसारी) (गुजरात)  
श्री जयचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान संस्कृति धाम, तपोवन  
मु. धारागिरी, पोस्ट कवीलपीर,  
वाया नवसारी (गुजरात) 397445
21. मालेगांव (महाराष्ट्र)  
श्री शील रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामीजैन मंदिर, जैन उपाश्रय  
वारह बगला रोड, मालेगांव, जिला नासिक  
(महाराष्ट्र) 423203
22. कालुपुर, अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री कनकसुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—पगथियानो उपाश्रय, हाजी पटेलनी पोल  
कालुपुर अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
23. गोरेगांव-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री विश्वानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चिनामणि पार्श्वनाथ जैन देरासर  
आरे रोड, गोरेगांव (वेस्ट) बम्बई-400062  
(महाराष्ट्र)
24. जलगांव (महाराष्ट्र)  
श्री चन्द्रजीत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति. जैन उपाश्रय, Opp. काग्रेस  
भवन, जलगांव (महाराष्ट्र) 425001
25. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री निपुणचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीवर्धक जैन सघ, नारायण नगर  
रोड, पालडी-अहमदाबाद-380007 (गुज.)
26. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री इन्द्रयश विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, संघाणी इस्टेट, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)
27. नडीयाद (गुजरात)  
श्री वरवोधि विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति. जैन उपाश्रय देव चकला  
मु.पो. नडीयाद (गुजरात) 387001
28. जालना (महाराष्ट्र)  
श्री भुवन सुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, अहिंसा मार्ग, सदर बाजार  
जालना-311203 (महाराष्ट्र)
29. सूरत (गुजरात)  
श्री गुणसुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, बडा चौटा,  
सूरत-395002 (महाराष्ट्र)
30. वोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री अभयशेखर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सभवनाथ जैन देरासर पेढी, जामलीगली  
वोरीवली (वेस्ट) बम्बई-400092 (महा.)
31. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
श्री जिनहस विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर जोहरी बाड़ा  
औरंगाबाद-431001 (महाराष्ट्र)
32. नवसारी (गुजरात)  
श्री मुक्तिदर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—धूडालाल मगनलाल जैन उपाश्रय,  
कानजी वाडी, शातादेवी रोड,  
नवसारी-396445 (गुजरात)
33. काकीनाडा (आन्ध्र प्रदेश)  
श्री दिव्य रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Neminath Jain Svetamber Aradhana  
Bhawan, Rajaji Street,  
P O. KAKINADA-533001 (A P)
34. शांताकुल-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री कात्य रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री कुधुनाथ जैन मंदिर  
एन्ड्रुझ रोड, शांताकुल वेस्ट बम्बई-400054  
(महाराष्ट्र)
35. चिचवड गांव-पूना (महाराष्ट्र)  
श्री विश्व कल्याण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. चिचवड गांव  
पूना-411033 (महाराष्ट्र)
36. चौपाटी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नैत्रानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कल्याण पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
35 सी.फेश चौपाटी, चाबूलनाथ मंदिर के पास  
बम्बई-400007 (महाराष्ट्र)—

॥ जय महावीर ॥

श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तारागण्ड याग्य ममुदाय के  
अधिष्ठाना सुविशुद्ध-मयमूर्ति, अष्ट्यात्मयागी, पद्मपाद  
आचार्य भगवत् 1008 श्री विजय कलापूण सूरीश्वरजी महाराज आवि टाणार्गे  
के यशमयी मूर्ति (गुज०) के चातुर्मास एव उनके  
आगतवर्ती मनी पू माधु-माध्वीजी मसा न चातुर्मास भी  
भूरि-भूरि अनुमादना एव भगवत् शुभकामनाए करन हुए ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



टेलि 20816/24816

श्रेष्ठोर्वर्ध ए. डी. मेहता (भचाउ वाले)

निमाण कर्मटो के चयरमेन

जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्कूल-भूज

“सिद्धाचल” होस्पिटल रोड,

भूज (कच्छ) 370001 (गुजरात)

शासन सम्राट तपागच्छाधिपति सूरी चक्रवर्ती, आचार्य श्रीमद्  
विजय नेमी सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

2

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:— गच्छाधिपति,  
निडर वक्ता, शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय  
मेरुप्रभ सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (190) साध्वियाँ (380) कुल ठाणा (470)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. भावनगर (गुजरात)

1. गच्छाधिपति, निडर वक्ता, शासन प्रभावक,  
आचार्यश्री विजय मेरुप्रभ सूरीश्वरजी म. सा.

2. पन्याम श्री मानभुग विजयजी म. सा.

3. पन्याम श्री इन्द्रमेन विजयजी म. सा.

आदि ठाणा —

सम्पर्क सूत्र—श्री नूतन जैन उपाश्रय, नानमा जेरी,  
दाणापीठ पामे, मु.पो. भावनगर (गुज.)

364001

2. आगासी तीर्थ-विरार-(बम्बई) (महा.)

1. आचार्य श्री विजय दक्ष सूरीश्वरजी म.सा.

2. पन्याम श्री प्रभाकर विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री समवमरण जैन मंदिर, पार्श्वनाथनगर  
चाल पेठ, मु.पो. आगामी तीर्थ वाया विरार  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र)-401301

3. जामनगर (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय देव सूरीश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

3. पन्याम श्री प्रद्युम्न विजयजी म.सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री मोहन विजय जैन पाठशालाजी. पी.  
ओ. के सामने, भावनगर-364001 (गुजरात)

4. वेडा (राजस्थान)

1. आचार्य श्री विजय सुशील सूरीश्वरजी म.सा.  
पन्याम श्री जिनोत्तम विजयजी म.सा.  
गणि श्री रत्न गेखर विजयजी म.सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति जैन मंदिर, जैन मंदिर पेडी  
मु.पो. वेडा, जिला जालौर (राज.) 343001

5. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रियंकर सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा —

सम्पर्क सूत्र—श्री महिमाप्रभ सूरी ज्ञान मंदिर, शांति-  
वन वम स्टेण्ड के पाम, नारायण नगर रोड,  
पालडी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

6. गोधरा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय शुभंकर सूरीश्वरजी म.सा.

आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, जैन देरासर, ज्ञानमंदिर,  
ज्ञाति नगर, मु.पो. गोधरा, जिला पंचमहाल  
(गुजरात)-389001

7. करमवेला (गुजरात)

आचार्यश्री विजय महिमा प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. उपाश्रय जैन देरासर,  
हाई वे रोड, मु.पो. करमवेला, वाया चापी  
जिला बलसाड (गुज.)

- 8 'नवसारी (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय प्रद्योतचन्द्र सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री पावनाय चिनामणि जैन देरासर  
मधुमति नवमारी 396445 (गुजरात)
- 9 सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय चन्द्रोदय सूर्यशरजी म सा  
आचार्य श्री विजय जयचन्द्र सूर्यशरजी म सा  
जादि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय नागपुरा  
सूरत 395003 (गुजरात)
- 10 रादेड रोड-सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय अशोक चन्द्र सूर्यशरजी म सा  
पयास श्री गुण चन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन देरासर,  
उत्तम स्ट्रीट, रादेड राड, सूरत 395005  
(गुजरात)
- 11 शोला रोड-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय श्रीतिचन्द्र सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री जैन नान मंदिर, भुजगदव, चार  
राम्ता, पारान नगर, शोला रोड, अहमदाबाद  
380061 (गुजरात)
- 12 नेल्लूर (आन्ध्र प्रदेश)  
आचार्य श्री विजय नय प्रभ सूर्यशरजी म सा  
पयास श्री यमादेव विजयजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple  
C/o M/s Jain Silver Palace  
13 94, Mandapal Street,  
NELLORE 524 001 (A P)  
Tel No (0861) 23772 28772
- 13 पालीताणा (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय विशाल सेन सूर्यशरजी म सा  
"विराट"  
पयास श्री राजशेखर विजयजी म सा  
आदि ठाणा—
- 14 सिरोही (राजस्थान)  
उपाध्याय श्री विनाद विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे जैन मंदिर उपाश्रय, सोनारखण  
सिरोही (राज)-307001
- 15 शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
पयास श्री अजित चन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री पारवाड नो जैन उपाश्रय, शाहपुर  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 16 कोल्हापुर के आसपास (महाराष्ट्र)  
पयास श्री श्रेयास विजयजी म सा आदि ठाणा—
- 17 अहमदाबाद (गुजरात)  
पयास श्री कुम्भुन्द विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—जैन श्वे उपाश्रय, हट्टी भाई की चारि,  
दिल्ली दरवाजा के बाहर  
अहमदाबाद-380001 (गुज)
- 18 महुवा (सौराष्ट्र-गुजरात)  
पयास श्री शीलचन्द्र विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन देरासर,  
केवीन चौक, मु पो महुवा-बन्दर जिना भावनगर  
(गुजरात) 364290
- 19 खभात (गुजरात)  
पयास श्री दान विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे जैन देरामर, जैन उपाश्रय,  
लाडवाडो मु पा खभात, जिना खेडा (गुज)  
388620
- 20 बडोदा (गुजरात)  
पयास श्री चन्द्रसेन विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे जैन उपाश्रय, मामा नी पोल,  
रावपुरा, बडोदा-(गुजरात)-390001
- 21 राजकोट-(गुजरात)  
पयास श्री सिद्ध सेन विजय जी म सा  
पयास श्री धमध्वज विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री माण्डवी, जैन उपाश्रय श्वे देरामर,  
माण्डवी, राजकोट-360001 (गुजरात)

22. पेटलाद (गुजरात)  
पन्यास श्री हिकार चन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, मु.पो.  
पेटलाद, जिला खेडा (गुजरात)-388450
23. सौराष्ट्र में योग्य स्थल (गुजरात)  
पन्यास श्री स्थूलभद्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—
24. भावनगर (गुजरात)  
पन्यास श्री सिंह सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री दादासाहेब जैन देरासर, उपाश्रय,  
काला नाला, भावनगर (गुजरात)-364001
25. वांकांनेर (गुजरात)  
पन्यास श्री पुंडरिक विजयजी म.सा.  
पन्यास श्री चन्द्रकीर्ति विजयजी म.सा.  
श्री दर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय,  
मु.पो. वांकांनेर (सौराष्ट्र) (गुजरात)-363621
26. मोरबी (गुजरात)  
गणि श्री रत्न प्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, दरवारगढ  
मु.पो. मोरबी, जिला राजकोट (गुजरात) 363641
27. अहमदाबाद (गुजरात)  
प्रवर्तक श्री निरजन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन देरासर उपाश्रय, शेख नो  
पाडो, अहमदाबाद (गुज.)-380001
28. बडौदा (गुजरात)  
गणि श्री वाचस्पति विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री सोसायटी, श्री विजय नेमीसूरी मार्ग,  
प्रतापनगर. बडौदा-390001 (गुज.)
29. पालीताणा (गुजरात)  
श्री महायश विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—महायश विजयजी ज्ञान मंदिर, गिरिराज  
सोसायटी, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)-  
364270
30. नवसारी (गुजरात)  
श्री सूर्यसेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, आदिनाथ  
सोसायटी, महावीर नगर, नवसारी-396445  
(गुजरात)
31. सूरत (गुजरात)  
श्री अभयसेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, नवापारा,  
मारकास मोहल्ला, कग्वा रोड, सूरत-395002  
(गुजरात)

32. अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री भुवन हर्ष विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, मेजपुर  
वोधा, कृष्ण नगर, अहमदाबाद (गुजरात)
33. अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री राजचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, पाजरापोल,  
रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (190) साध्वियों (380)  
कुल ठाणा (470) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (17)  
पन्यास (21) उपाध्याय (1) प्रवर्तक (1) गणि (2)

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (202)  
साध्वियों (378) कुल ठाणा (580)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं  
नई दीक्षाएँ हुई—ज्ञात नहीं  
महाप्रयाण हुए—दो आचार्य एवं अन्य ज्ञात नहीं  
संयम त्याग—दो मुनिराज

नोट—चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92 तक भी इस समुदाय की पूरी-अधूरी सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी। इस समुदाय के आचार्य श्री विजय हेम प्रभ सूरीश्वरजी म.सा. प्रतिवर्ष हमें पूरी सूची बनाकर भेजते आये हैं लेकिन अबकी बार वहाँ से भी प्राप्त नहीं हो सकी। हमने उपर्युक्त जो अधूरी सूची प्रस्तुत की है व सभावित सूची ही कही जा सकती है। हमारे पास जो पत्र आये हैं एव अन्य जगह से एकत्रित करके अधूरी सूची ही यहाँ प्रस्तुत की गयी है। साध्वियों की सूची भी प्राप्त नहीं हो सकी। यहाँ जो मख्या दी गयी है वह गत वर्ष के अनुसार अनुमानित मख्या है।

प्रिय पाठकगण अब आप ही विचार कीजिये कि 37 दिन बाद तक भी सूचियाँ हमें प्राप्त नहीं हो सके तो हम फिर क्या कर सकते हैं। हमने इस समुदाय की सूची प्राप्त करने के लिए कई पत्र दिये लेकिन हमें निराशा ही नजर आयी और न किसी पत्र-पत्रिकाओं में सूची छपी है। हमारा अन्तिम क्षण तक यही प्रयास रहता है कि हम सभी की सूचियों को सम्मिलित करें। उपर्युक्त सूची सिर्फ अनुमान से ही तैयार की गयी है भूल सुधार कर पढ़ें।—सम्पादक



## अमरेली गौशाला पाँजरापोल

अमरेली-365 601 (गुजरात)

Regd under Public Trust Act No E/50 Amreli Dt 20-3 53



गणराज प्राण की जानी पहिचानी और मवा काय मे अग्रणी-नाजरापोल मस्या जहाँ गिन 56 वर्षों मे भी अविन वर्षों मे जीवदया और गोमिवा का काय मुचा रूप मे होता जा रहा है। गोमवर्धन भी इन मस्या का निष्ठावत एव अनाया काय रहा है। इस मस्या मे अपा-अपाहित एव बीमार पशुओं की सहायता का उद्घाट काय भी अच्छी तरह देखभाल करने किया जा रहा है।

मभी गोमवा भक्ता और जीवदया प्रेमिया, दानवीरो, दानताताभा मे हर्षित उन्न प्रायना है कि इन अबाल, अमहाय प्राणिया की सहायता के लिए हमारी सहायता करके इस मस्या का उदार दिल मे महवाग अग्र्य प्रदान करने की कृपा करें।

टि 2950-मस्या मनेजर  
3643-अध्यक्ष श्री राजान भाई मपराजका  
2066-गन टुस्टी, श्री वेचरमार्द पटेन

बिनीत—  
श्वषरचापक समिति

नाट—जायकर अधिनियम, कानन 80जी (5) के अंतगत मस्या को दिय हुए दान की गति जायकर मापी पाय के योग्य है।

I T Exemption No CITR/63 26/up to Date 31-3 93

## जीवन मे अत्यंत प्रेरणादायी

स्वाध्याय सध-मद्रास द्वारा अथ तत्र प्रकाशित 40 हिंदी प्रकाशनों मे से उपलब्ध हिंदी साहित्य—

लेखक—अध्यात्मयोगी पू प श्री भद्रकर विजयजी गणिवय म सा

- |                  |                      |
|------------------|----------------------|
| 1 चिंतन को चादनी | 3 परमेष्ठि नमस्कार   |
| 2 प्रतिमा पूजन   | 4 ममत्व योग का साधना |

लेखक—प्रवचनकार पू मु श्री रत्नसेन विजयजी म

- |                                      |                               |
|--------------------------------------|-------------------------------|
| 1 जीवन की मगन यात्रा                 | 8 रिमविम रिमविम अमृत वरम      |
| 2 महाभारत की हमारा मन्त्रति-भाग 1    | 9 अग्निवा प्रभु दशन की प्यामी |
| 3 महाभारत की हमारा मन्त्रति भाग 2    | 10 नव चमक उठेगी युवा पीढी     |
| 4 गान मुधारम द्विती विवेचन भाग 1     | 11 तब आसू भी मोती का ताने हैं |
| 5 गान मुधारम द्विती विवेचन भाग 2     | 12 युवा मदद                   |
| 6 रामायण म मन्त्रति का अमर मदद-भाग 1 | 13 जापन निमोण विज्ञेया        |
| 7 रामायण म मन्त्रति का अमर मदद-भाग 2 | 14 श्रानक जावन दशन (प्रम म)   |

प्राप्ति स्थान—

कालिदास मुण्डत  
106 रामगढ़-आपूर्वदिक् हॉस्पिटल का पार्क  
रतनाम (मंत्र) 457001

काकराज पाल्देवा  
द्वारा-गणाराम मुस्तानमल  
मुपो गनी जिलापाली (राज) 306 115

आगमोद्धारक आचार्य प्रवर श्री सागरानन्द सूरेश्वरजी  
म. सा. का समुदाय

3

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख (बडील) गच्छाधिपति:—  
सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर  
श्री दर्शन सागर सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (144) मुनिराज (106) साध्वियाँजी (683) कुल ठाणा (789)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. पायधुनी-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर  
श्री दर्शनसागर सूरेश्वरजी म.सा.

2. पन्यास श्री चन्द्रानन सागरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
पायधुनी, विजयवल्लभ चौक, गुलाल वाड़ी के  
नाके पर, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)  
फोन न 3713156-3760639

2. मोटागांव (राजस्थान)

आचार्य श्री सूर्योदय सागर सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय, जैन मंदिर  
मु.पो मोटागाव जिला डूंगरपुर (राजस्थान)

3. पालीताणा (गुजरात)

आचार्य श्री नरेन्द्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—शासन कटकोद्धारक जैन ज्ञान मंदिर  
गिरिराज सोसायटी, पालीताणा-364270  
(सौराष्ट्र) (गुजरात)

4. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

1. आचार्य श्री यशोभद्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.  
2. पन्यास श्री चन्द्रणोखर सागरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री आदिनाथ जैन पोरवाल जैन संघ  
जैन मंदिर (उपाश्रय) मु.पो. मदसौर-458002  
(मध्यप्रदेश)

5. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री जितेन्द्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, वीतराग  
सोसायटी, प्रभुदास ठक्कर कालेज रोड,  
पालडी-अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

6. बालकेश्वर-बम्बई, (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री नित्योदय सागर सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—सेठ जवेरचन्द्र प्रतापचन्द्र जैन उपाश्रय,  
101 न्यू इन्द्र भवन, बालकेश्वर रोड  
बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

7. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

उपाध्याय श्री कनकमागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, पीनली बाजार  
जैन आराधना केन्द्र, मु.पो इन्दौर-452002  
(मध्यप्रदेश)

8. नवसारी (गुजरात)

उपाध्याय श्री प्रमोदसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, जवेरी सडक  
महावीर नगर-नवसारी-396445 (गुजरात)

- 9 नरोदा-अहमदाबाद (गुजरात)  
उपाध्याय श्री रामसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय, नरोदा राट,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 10 भायशना-बम्बई (महाराष्ट्र)  
उपाध्याय श्री नवलसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-मैठ मर्णागा जैन दासरा, 180 मारीगा  
जैन, भायखना, बम्बई-400027 (महाराष्ट्र)
- 11 पालीताणा (गुजरात)  
उपाध्याय श्री नरदवसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-सावित्राय भदन, जैन धमसागा, तनेटी राट  
पालीताणा (सागराट) (गुजरात) 364270
- 12 गोंडल (गुजरात)  
उपाध्याय श्री पुष्पायसागरजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन मूर्ति उपाध्याय, मृषा गाडल  
जिना गजवाट (गुजरात) 360311
- 13 पालीताणा (गुजरात)  
पपाय श्री आनसागरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र-श्री जवहीर जैन देरसा पर्वी, आगम  
मदिर के पीठे, पालीताणा-364270 (गुजरात)
- 14 गढ़मिवाणा (राजस्थान)  
पपाय श्री निरम सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री तपागच्छ जैन उपाध्याय  
मुषा गढमिवाणा, स्टेसन व लातरा,  
जिना बाडेगर (राजस्थान) 343044
- 15 चाणस्मा (गुजरात)  
पपाय श्री कल्याण सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय राणियावाड  
मुषा चाणस्मा जिना महाना  
(गुजरात) 384220
- 16 कादिवनी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पपाय श्री मन्सायसागरजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय मन्साय नगर, राट गरी  
कादिवानी (बम्बई) बम्बई-400067 (महा)
- 17 कपडवज (गुजरात)  
पपाय श्री निरजन सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री मोंडाबाई गुनावचन्द जैन उपाध्याय  
दत्तावाडा, मुषा कपडवज, जिना छेडा  
(गुजरात) 387620
- 18 इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
उपाध्याय श्री तनक रज सागरजी म सा  
गण श्री जिनचन्द्रसागरजी म सा  
गण श्री हेमचन्द्रसागरजी म सा आदि ठाणा (10)  
सम्पक सूत्र-श्री अर्जुनगिरी जैन उपाध्याय, 52 महावीर  
साग, पाली बाजार, राटो-152002 (म.प्र.)
- 19 सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)  
गण श्री जिन लसागरजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय, सायन हासिटन क  
सायन, जैन सासायटी सायन (बम्बई)  
बम्बई-400022 (महाराष्ट्र)
- 20 पालीताणा (महाराष्ट्र)  
श्री अमरेन्द्रसागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्रीमण म्पवीराजय, गिरिजा मोंडाबाई  
तनेटी राट, पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 21 कामनगर (गुजरात)  
श्री अरुणोदय सागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाध्याय देवगा राट म्प सा बानोद  
जामनगर (गुजरात) 361001
- 22 आतोड (मध्यप्रदेश)  
श्री जयधोपसागरजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय गाधी राट म्प सा बानोद  
जिला रतनाम (म.प्र.)
- 23 मूरत (गुजरात)  
श्री नरसिंहेण सागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-दाडीना उपाध्याय के पीठे मुनी बदाल  
गोरीपुज मूरत-395001 (गुजरात)
- 24 रतनाम (मध्यप्रदेश)  
श्री बमनसागरजी म सा आदि ठाणा  
सम्पक सूत्र-गुजराती उपाध्याय बन्सायाना रतनाम  
(म.प्र.) 457001

25. बंकोड़ा (राजस्थान)

श्री नित्यवर्धन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मृ.पो. बंकोड़ा  
जिला डूंगरपुर (राजस्थान) 314023

26. मुरेन्द्रनगर (गुजरात)

श्री नावण्य सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरामर, थोमण  
मार्ग अमीझरा चौक मुरेन्द्रनगर-363001  
(गुजरात)

27. बोरोवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री केवल्यसागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जंखेस्वर पाण्डवनाथ जैन देरासर  
दौलतनगर बोरोवली (पूर्व) बम्बई-400066  
(महाराष्ट्र)

28. वख्राद (गुजरात)

श्री मुधर्मसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. वख्राद  
जिला गार्धनिगर (गुजरात)

29. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री कीर्तिवर्धन सागरजी म.सा. आदि-ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री भट्टा नो वारी, वीर नो उपाश्रय,  
रीची रोड, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

30. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री पूर्णानन्दसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नारायणपुरा जैन उपाश्रय,  
नारायणपुरा, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

31. नलखेड़ा (मध्यप्रदेश)

श्री अपूर्णरत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. नलखेड़ा वाया  
रतलाम (मध्यप्रदेश)

32. विलेपार्लो-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री जितरत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-महामुख भवन, जैन उपाश्रय, सुरोजिनी  
नायडू रोड, Opp. विजला बैंक, विलेपार्लो  
(वेस्ट) बम्बई-400056 (महाराष्ट्र)

33. पायधुनी-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री दिव्यानन्द सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नेमीनाथ जैन उपाश्रय, पायधुनी,  
बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)

34. मरीन ड्राईव-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री दिव्य रत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-पाटण मण्डल, जैन उपाश्रय, पाटण  
मण्डल चिल्डिंग, एफ रोड, मरीन ड्राईव  
बम्बई-400020 (महाराष्ट्र)

35. मधुवन (बिहार)

श्री न्यायवर्धन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन श्वेताम्बर धर्मशाला, मु.पो. मधुवन  
स्टेशन पारमनाथ, जिला हजारी बाग (बिहार)

साध्वियाँजी समुदाय

36. साध्वी श्री रेवतश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, नगर सेठ नो बंडो घी कांटा  
रोड, जैन कालोती, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)

37. साध्वी श्री मृगेन्द्रश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-लिम्बड़ा नो उपाश्रय, माली फलीयू  
गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुजरात)

38. साध्वीश्री नित्यमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-स्वस्तिक अपार्टमेंट्स, खानपुर वाय सेटर  
अहमदाबाद-(गुजरात)

39. साध्वी श्री निर्जरा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-अमीरीबाई का उपाश्रय, कायस्थ  
मोहल्ला, गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुज.)

40. साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-भूलीबाई नो उपाश्रय, गिरधर नगर,  
शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुजरात)

41. साध्वी श्री गृणोदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन श्वेताम्बर कोठी, मु.पो. बिहार सरीफ  
पावापुरी वाया नवादा (बिहार) 803115

42. साध्वीश्री रिपुजीता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-निवहापता उपाश्रय, माली फलीया  
गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुजरात)

- 43 माध्वी श्री सम्पूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-गानि जिना आटमटम, राजी वा भयान  
गालीपुग, मूरत (गुजरात)
- 44 माध्वी श्री सम्पूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जै उपाश्रय, ममागर, गडबग राड,  
अहमदाबाद- (गुजरात)
- 45 माध्वी श्री सुधा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-माणा न भुवन धमशाला वनटी राड  
पालीपाणा (गुजरात)
- 46 माध्वी श्री प्राम पूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री जनन श्री वा उपाश्रय मगत  
पाण्डनाखाच, शाहपुर, अहमदाबाद 380001  
(गुजरात)
- 47 माध्वी श्री मनाता श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-माणा पाव 1 मना, विन्नि राड  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 48 माध्वी श्री सुधाश्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जन उपाश्रय, माटा नणायवाड,  
मुषा, चाणस्मा जिला मेहसाणा  
(गुजरात) 384220
- 49 माध्वी श्री जेष्ठा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री जन उपाश्रय, मुषा आकाता (म )
- 50 माध्वी श्री श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री श्रीविवा त उपाश्रय, दावत नगर,  
दागिना (पूर्व) बम्बई-400066 (महा)
- 51 माध्वी श्री संपूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री सात आशीष जैन दरमर नपियन मी  
राट बम्बई 400006 (महाराष्ट्र)
- 52 माध्वी श्री प्रामपूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-गगत व्रमाव 1 अनुभार
- 53 माध्वी श्री सुगीमा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-महिमा आटमटम ब्लाक न 4 गानिनन  
नागरण नगर राड पालडी अहमदाबाद  
380007 (गुजरात)
- 54 माध्वी श्री हिन गा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्वतर पण्ट, 1 माणा, वानपुर वाय मटर  
अहमदाबाद- (गुजरात)
- 55 माध्वी श्री विनीत यार्थीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-माटेगड मवन, धमाणा, तलेटा राड  
पालीपाणा 364270- (गुजरात)
- 56 माध्वी श्री दिव्यपूजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-व जन मदिर् मुषा बदनाबर, जिना-  
धार (मध्यप्रदेश) 454660
- 57 माध्वी श्री मुहुता श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-आगम मदिर् वनटी राड  
पालीपाणा 364270 (गुजरात)
- 58 माध्वी श्री गजेन्द्र श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-नार्थीजी म मापाटी बिहार पण्ड  
पाण्डा, अहमदाबाद 380007 (गुजरात)
- 59 माध्वी श्री सुगीमा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री राविनात चिमननात रोहाम  
रगत न 4 ममनय गडबग राड,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 60 माध्वी श्री पूजाश्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री गजेन्द्रपूजा माणा न न वा वगना  
वानपुर वाई पेंटर शाहपुर, अहमदाबाद (गुज)
- 61 माध्वी श्री सुतारा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री जन उपाश्रय मुषा जोराबर नगर  
नाया जिना मुन्द्रनगर (गुजरात) 363020
- 62 माध्वी श्री मणानन श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-पासु मागावटी, जीनलनाय दरमर,  
वगना न 47 बडोवा (गुजरात) 390006
- 63 माध्वी श्री निरान दा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-नै उपाश्रय, मुषा रामपुरा बणा  
विग्मगाव स्टेशन भवाडा (गुजरात)
- 64 माध्वी श्री रत्नपूजाश्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-मरीदया मागावटी सुरेन्द्रनगर (गुज)
- 65 माध्वी श्री निरजा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री शातिनाथ जैन दरमरपडी, मुषा  
गोधरा, जिला पचमहाल (गुजरात) 389001
- 66 माध्वी श्री सुरक्षा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जै उपाश्रय मुषा डग स्टेशन वीमहला  
जिला क्षीनासड (गजस्थान)

69. साध्वी श्री आत्मजया श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-देवास फ्लेट्स, गुप्ता नगर, वस स्टाप के  
पास, सरखेज रोड, अहमदाबाद-380055  
(गुजरात)
68. साध्वी श्री विजेता श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-हीरा भुवन, मामलतदार वाड़ी,  
श्री वासुपूज्य स्वामी जैन, देरासर के सामने  
मलाड (वेस्ट) ब्रम्बई-400064 (महाराष्ट्र)
69. साध्वी श्री नयंपूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, नरोडा रोड  
नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)
70. साध्वी श्री रक्षित पूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन देरासर, मु.पो. चोरवड़  
जिला जूनागढ़ (गुजरात) 362250
71. साध्वी श्री निवेदश्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री शाखेश्वर पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
चंदेर रोड, सूरत-395002 (गुजरात)
72. साध्वी श्री मृगलक्ष्मा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन देरासर पेढी, मु.पो. महुआ बन्दर  
(सौराष्ट्र)
73. साध्वी श्री मोहजीता श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, काली गोरी, मु.पो. कूड़ी  
वाया कलोल, जिला अहमदाबाद
74. साध्वी श्री मोक्षरता श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-देवकीनन्दन सोमायटी, जैन उपाश्रय  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
75. साध्वी श्री प्रणमधरा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-दादा साहेब, काला नाना,  
भावनगर-364001 (गुजरात)
76. साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-भक्ति विहार, तलेटी रोड,  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
77. साध्वी श्री भाग्योदया श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-वल्लभ विहार, तलेटी रोड  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
78. साध्वी श्री नयस्तना श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-पद्मावती सोमायटी, नरोडा-अहमदा-  
बाद (गुजरात)
79. साध्वी श्री कल्पगुणा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. बाजना जिला  
'रतलाम (म.प्र.) 457555
80. साध्वी श्री नितीप्रजा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, रामोल जनता नगर  
अहमदाबाद- (गुजरात)
81. साध्वी श्री तत्वत्रया श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री लालभाई पारेख नो बगलो Opp.  
वी एस दवाखाना, एलीस ब्रीज  
अहमदाबाद 380006 (गुजरात)
82. साध्वी श्री हितोदया श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-तीर्थरजन विहार, शाहपुर वाय सेंटर  
अहमदाबाद- (गुजरात)
83. साध्वी श्री सुधर्मा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. करबरीया तालुका  
दडनगर, जिला मेहसाणा (गुजरात) 384355
84. साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, चार रास्ता, नारायणपुरा  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
85. साध्वी श्री निर्मला श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-आराधना भवन नारायणपुरा  
चार रास्ता, अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
86. साध्वी श्री पूणनिन्द श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-शिल्पा सोमायटी, डी कंचिन साबरमती,  
अहमदाबाद-380005 (गुजरात)
87. साध्वी श्री कल्पजा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-शीतल कुज सोसायटी, रामनगर साबरमती  
अहमदाबाद-380005 (गुजरात)
88. साध्वी श्री प्रणमगुणा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-पल्लव सोमायटी, घीया नगर,  
पामे, नरोडा अहमदाबाद (गुजरात)
89. साध्वी श्री महानन्दा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-नीरव फ्लेट्स, माणक बाग, आवावाड़ी  
अहमदाबाद-380006 (गुजरात)
90. साध्वी श्री स्वीरमदा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-लावडा नो उपाश्रय, माली फलीचा,  
गोपीपुरा, सूरत-395003 (गुजरात)

- 91 साध्वी श्री लक्ष्मिना श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-जैन मंदिर उपाश्रय मुपा टोटीई वापा  
माडामा, जिला बनारवाडा (गुज) 383250
- 92 साध्वी श्री ध्यान धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री गुणलिया मा जैन उपाश्रय, घाता बाजार  
मुपा रतलाम (मप्र) 457001
- 93 साध्वी श्री तत्वना श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री मुन्दरबाई उपाश्रय, पीपनी बाजार  
इन्दोर-452002 (मप्र)
- 94 साध्वी श्री विनय धमा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-दमाड फर्नाया, गाता बाजार,  
मुपा अक्लेबर जिला भन्च (गुजरात)
- 95 साध्वी श्री मृदुता श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-आगम मन्दिर, तनटी राड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
- 96 साध्वी श्री प्रिय धमा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-आगम मंदिर, तनटी राड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
- 97 साध्वी श्री अमिन गुणा श्रीजा म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, साबरमती, नमनगर  
अहमदाबाद-380005
- 98 साध्वी श्री चान्द्रना धाजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-जैन दरगहर, श्वे जैन मंदिर,  
आकोला (महाराष्ट्र)
- 99 साध्वी श्री जय्य वपा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-गुलवा अवाटमटम, रतिलाज ठक्कर माग  
गीन राड, बालकेबर बम्बई 400006 (महा)
- 100 साध्वी श्री सुनाक्षता धाजा म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुपा बेजलपुर स्टेशन  
बरमाडिया, जिला पचमहाल (गुजरात)
- 101 साध्वी श्री त्रिदिल रत्ना श्रीजा म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, दावनगज राड,  
मुपा दाहोद, जिला पचमहाल (गुज) 380151
- 102 साध्वी श्री प्रणमानना श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-गणराज बिल्डिंग, वादन गुजस व पाग  
बालकेबर राड बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)
- 103 साध्वी श्री प्रणमरत्ना श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-धम वृपा बिल्डिंग, जूना नागरनागर राड  
अधेरी (पूर्व) बम्बई-(महाराष्ट्र)
- 104 साध्वी श्री प्रणम रत्ना श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री मजोदय पाश्र्वनाथ नगर नहूर राड,  
मुत्तुष्ट वेस्ट बम्बई-100081 (गुजरात)
- 105 साध्वी श्री मनक श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री मुन्दरबाई महिनाथम,  
पीपनी बाजार, इन्दोर-452002 (मप्र)
- 106 साध्वी श्री त्रिवक्षणा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-यत्न विहार, तनेटी राड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 107 साध्वी श्री निष्पमा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
साध्वी श्री मुनादमा श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-मर्वा मुर्दावा री धमशाला  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 108 साध्वी श्री यज्ञाधरा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री श्रमणी विहार धमशाला, तनेटी राड  
पालीताणा गुजरात) 364270
- 109 साध्वी श्री तिलक श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-गिरि विहार धमशाला,  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 110 साध्वी श्री शुभकरा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-धमणी विहार धमशाला, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
- 111 साध्वी श्री जालप्रभा श्रीजा म मा आदि ठाणा  
साध्वी श्री वनप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-टिकारी निवास धमशाला  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 112 साध्वी श्री निरजना धाजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-त्रिपाटी नवन, आरे राड, गारेगाव  
(वेस्ट) बम्बई-400062 (महाराष्ट्र)
- 113 साध्वी श्री आत्मता श्रीजी म मा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय पतनगर, बिल्डिंग  
न 111, घाटनगर (पूर्व) बम्बई 100070  
(महाराष्ट्र)

114. साध्वी श्री अमित गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—इवासा नी पोल, नाथी श्री उपाश्रय  
अहमदाबाद (गुजरात)
115. साध्वी श्री विश्वप्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—गुजराती श्वे. जैन मंदिर, किनारी  
बाजार, दिल्ली-110006
116. साध्वी श्री विपुल यशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री मीठालालजी मेहता, मेसर्स निकुंज  
मेचिंग सेटर, सराफा बाजार, मु.पो. डूंगरपुर  
(राजस्थान)
117. साध्वी श्री चन्द्रयशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—  
Jain Swetamber Temple, 96, Kenning  
Street, Bipla Bihari Road,  
CALCUTTA-700001 (W.B)
118. साध्वी श्री आत्मानन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—जन उपाश्रय, नवापुरा, मु.पो. बीलीमोरा  
(गुजरात)
119. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्रीमाली पोल, जैन देरासर  
मु.पो. भरुच शहर (गुजरात)
120. साध्वी श्री गुणोदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, वडवा, कृष्णनगर,  
भावनगर (गुजरात)
121. साध्वी श्री स्नेहप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—भद्र नो उपाश्रय, मु.पो. कपड़वंज  
जिला खेड़ा (गुजरात) 387620
122. साध्वी श्री विद्या श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—आसनकरकोट्टारक ज्ञान मंदिर,  
गिरिराज सोसायटी, पालीताणा (गुजरात)
123. साध्वी श्री चेलणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—गिरिविहार, धर्मशाला Opp काच  
मंदिर, पालीताणा (गुजरात)
124. साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री चपालालजी जैन, बाजार पेठ, मु.पो.  
नागठण जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र)-402106
125. साध्वी श्री कुसुम श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री नागेश्वर तीर्थ पेढी मु.पो. नागेश्वर  
तीर्थ स्टेशन उन्हेल, जिला झालावाड़ (राज.)
126. साध्वी श्री कारुणोदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. हाड़ेचा जिला  
जालीर (राज.)-347027
127. साध्वी श्री सौम्य यशा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—आराधना भवन, शातिलाल मोदी मार्ग,  
ईरानी वाड़ी, कांदिवली (वेस्ट) बम्बई-  
400067 (महा.)
128. साध्वी श्री सौम्य वदना श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन श्वे. मंदिर, सदर बाजार, मु.पो.  
छोटी सादडी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
129. साध्वी श्री विनय प्रभा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—अमरी वाई धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
130. साध्वी श्री सूर्योदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर मु.पो. सैलाना  
जिला रतलाम (म.प्र.)-457550
131. साध्वी श्री धैर्यता श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर मु.पो. मोटागाँव वाया  
उदयपुर मेवाड़, जिला बासवाड़ा (राज.)
132. साध्वी श्री विमल प्रभाजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय मंदिर मु.पो. पीपलोन  
स्टेशन तानोड़िया, जिला शाजापुर (म.प्र.)-  
465444
133. साध्वी श्री दमिता श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री मिश्रीलाल कुमठ, कुमठ निवास, मु.पो.  
पिपल्यामडी जिला मन्दासूर (म.प्र.) 458664
134. साध्वी श्री विश्व प्रजा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री मोर्ताशा, जैन मंदिर, 180 मोर्ताशा-  
लेन, भायकला-बम्बई (महा.)-400027
135. साध्वी श्री प्रिय दर्शना श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, जैन सोसायटी सायन  
होस्पिटल के मामने, सायन (वेस्ट) बम्बई-  
400022 (महा.)



- 10 अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री गजबन्ध विजयजी मसा आदि टापा (1)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा ना पाव, मदन  
मासाव इतरी गज अहमदाबाद 380001  
(गुज)
- 11 अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री वानि विजयजी मसा आदि टापा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय चाकमी पाव, पीवगज  
पाव के पाव अहमदाबाद 380001 (गुज)
- 12 शारणा तोष (गुजरात)  
श्री अनुपम विजयजी मसा आदि टापा (3)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा नाग, पीष (गुज)
- माध्विपाजी समुदाय
- 13 माध्वी श्री मज्जना श्रीजी मसा आदि टापा (3)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय चिन्ता वा जैन उपाश्रय  
मिठोपो वा वास मुपा मिरोही (गज)
- 14 माध्वी श्री मुदरानाश्रीजी मसा आदि टापा (13)  
सम्पन्न सूत्र-श्री ज्ञाननायकी जैन धर्मशास्त्रा,  
मानसम स्मृति उदयपुर (राज) 313001
- 15 माध्वी श्री चन्द्रदायाश्रीजी मसा आदि टापा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाण्डवान नी भाग 342/8  
हरण भवन 15 अण्डम मास मोमवार पठ,  
पूना मिटी (मद्र) 411002
- 16 माध्वी श्री चारित्र्य पूर्णा श्रीजी मसा आदि टापा (12)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुपा मानवाडा जिना  
जातौर (गजस्थान)
- 17 माध्वी श्री मयमपूर्णा श्रीजी मसा आदि टापा (7)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा शरत वाया वागवा  
जिला जातौर (गजस्थान)-न 1343025
- 18 माध्वी श्री वचनार्थीजी मसा आदि टापा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा मिरोही (गज)
- 19 माध्वी श्री वीरभद्रा श्रीजी मसा आदि टापा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री इन्द भाई जे गज ८/8- वर्षमान  
पलेट, मोटा देरामर के पीछे, मुपो वनारगाव  
जिला मुरन (गुजरात)
- 20 माध्वी श्री मज्जना श्रीजी मसा आदि टापा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा मन्दीपुर जिना  
जातौर (गजस्थान)
- 21 माध्वी श्री कुमुद प्रमार्थीजी मसा आदि टापा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन मन्दि उपाश्रय, विनावेश जिना  
मन्दिमा (मद्र)
- 22 माध्वी श्री पुष्पनाथश्रीजी मसा आदि टापा (3)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपो वनार जिना गजा  
(मद्र)
- 23 माध्वी श्री मन्दिश्रीजी मसा आदि टापा (4)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुपो कुशाता मज्जना  
जिना, जिना वनामवाडा (गुजरात)
- 24 माध्वी श्री ज्योतिषपूर्णश्रीजी मसा आदि टापा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मुपा विजोरा-  
जिना वनामवाडा (गुजरात) 385320
- 25 माध्वी श्री पुष्पनाथश्रीजी मसा आदि टापा (4)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुपा राममेश वाया इतौर  
जिना वनामवाडा (गुजरात)
- 26 माध्वी श्री शिवनाथश्रीजी मसा आदि टापा (3)  
सम्पन्न सूत्र-जैन धर्मशास्त्रा, टी आर्ट टी नो  
रतनाम 457001 (मद्र)
- 27 माध्वी श्री ज्योतिषपूर्णश्रीजी मसा आदि टापा (4)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुपो वनारपुर वाया  
जमनपुरा, जिना जातौर (राज)
- 28 माध्वी श्री मज्जना श्रीजी मसा आदि टापा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुपो जावाल, जिना  
मिगडी (गजस्थान)
- अहमदाबाद शहर विभाग
- 29 माध्वी श्री वसंत श्रीजी मसा आदि टापा (5)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मन्दि ना वाडा, गिनिफ रोड  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 30 माध्वी श्री ज्योतिषपूर्णश्रीजी मसा आदि टापा (6)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय वसंतवद की खडी,  
दागा वाडा नी पाव, अहमदाबाद (गुजरात)
- 31 माध्वी श्री वचनश्रीजी मसा आदि टापा (11)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय पंचमार्दनीपाव, अहमदाबाद  
(गुजरात)

32. साध्वीश्री विमला श्री जी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय शातिनाथ नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  33. साध्वीश्री अनिलप्रभाश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय धन्नासुतार नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  34. साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कमुंवावाड, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  35. साध्वीश्री प्रवीणा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, श्री सिमंधर स्वामी नी  
खडकी, दोशीवाडा नी पोल, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  36. साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी म सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  37. साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, वाघणपोल, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  38. साध्वीश्री सूर्ययशा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, गिल्यालय, वासणा,  
अहमदाबाद (गुज.)
  39. साध्वीश्री पूर्णकला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शातिनाथ नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  40. साध्वीश्री प्रसन्नप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, दोशीवाडा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  41. साध्वीश्री सूरजप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जूनो महाजन वाडो,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  42. साध्वीश्री गुणपूर्णा श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  43. साध्वीश्री शीलगुणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, दोशीवाडा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  44. साध्वीश्री यशप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री सिमंधर स्वामी नी  
खडकी, अहमदाबाद (गुजरात)
  45. साध्वीश्री पदम प्रभाश्री जी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कल्याण सोसायटी  
अहमदाबाद (गुजरात)
  46. साध्वीश्री रत्नकलाश्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री शातिनाथजी की पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  47. साध्वीश्री रत्नप्रभाश्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, सावरमती, रामनगर  
अहमदाबाद (गुजरात)
  48. साध्वीश्री कीर्तिपूर्णा श्री जी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खांचो  
शाहपुर अहमदाबाद (गुजरात)
  49. साध्वीश्री आर्ययशा श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कुवा वाली पोल, शाहपुर,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  50. साध्वीश्री सुरलता श्रीजी म सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, तलिया नी पोल सारंगपुर,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  51. साध्वीश्री पुष्पलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  52. साध्वीश्री अक्षय रत्नाश्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—अहमदाबाद शहर में (गुजरात)
  53. साध्वीश्री सुव्रतप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—गुजरात सोसायटी महालक्ष्मी रोड,  
पालंडी अहमदाबाद (गुजरात)
  54. साध्वीश्री चन्द्रा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शातिनाथजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (54) मुनिराज (34) साध्विर्याजी (190)  
कुल ठाणा (224)
- 
- समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (6)  
गणि (1)
- 
- इस वर्ष नई दीक्षाएं हुईं—मुनिराज एक, साध्वियाँ एक  
इस वर्ष महाप्रयाण हुए—मुनिराज एक, साध्वियाँ चार
- 
- गत वर्ष 1991 में विद्यमान थे—मुनिराज (30) साध्वियाँ  
(206) कुल ठाणा (236)

जय ज्ञानन्द

जय ज्ञानन्द

जय ज्ञानन्द

धर्मग मधीय पुत्र्य गण्डिन पराव धी त्र्यापालना ७ मगा, महागत्रा श्री गानाम्य मुनिजी मगा 'पुमुद आदि  
ठाणाजा वा लावा गदा' गढ म परम विदुयी महामनी श्री पुमपुके जी मगा (मिवाट प्रथम) आदि ठाणाजा वा  
नाथदाग म गा विदुयी महामनी श्री गणपुवकी मगा आदि ठाणाजा वा नाथदाग मगा १ ठाणुद्गाय-वन्द म  
मत् 1992 वा ज्ञानमणि मानद गण्यत ज्ञान की गणत गणनाजा गहित-

हादिक शुभकामनाओ सहित—

फोन नं 2618632

**SATYAM****ELECTRICAL & HARDWARE STORES**

Dealers of All Electric &amp; Hardware Accessories

17, Dwarakadas Lane, Modi Street, Fort  
BOMBAY-400001 (M H)

Tel No 6051355

**AMBIKA PLYWOOD**Com Plywood, Laminates Sheets C P Teakwood Venmar  
Marin Plywood & Hardware Material EtcCanpal Apts Shop No 2, 177 Lokmanya Tilak Road,  
BORIVLI (East) BOMBAY-400092 (M H)

Tel-No 6054930

**AMBIKA TIMBER MART**Shreyansh Bldg Shop No 2, Carter Road No 9,  
BORIVLI (East) BOMBAY - 400092

Tel No 6063315

**AMBIKA TIMBER CO.**Shnehal Bldg Carter Road No 5  
BORIVLI (East) BOMBAY - 400092

—शुभेच्छक—

देवीलाल रूपलाल, मागीलाल, विरेन्द्रकुमार जंन  
(मोलेला मेवाट वाले) बम्बई

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति परमार क्षत्रियोद्धारक, जिनशासन  
प्रभावक, मधुर वक्ता, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय  
इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म. सा. ।

कुल-चातुर्मास (57) मृनिराज (47) साध्वियाँ (209) कुल ठाणा (256)

साधु-मृनिराज समुदाय

1. सादड़ी-मारवाड़ (राजस्थान)

1. गच्छाधिपति परमार क्षत्रियोद्धारक, जिन शासन प्रभावक, मधुर वक्ता, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म.सा.
2. महाप्रभावी पन्यास श्री वसंत विजयजी म.सा.
3. कार्यदक्ष पन्याम श्री जगच्चन्द्र विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (13)

सम्पर्क सूत्र-सेठ श्री धर्मचन्द्र दयाचन्द्र जैन पेढी  
जैन न्याति नोहरा, मु.पो. सादड़ी-मारवाड़  
जिला पाली (राजस्थान) 306702

2. अहमदाबाद (गुजरात)

1. सर्वधर्म समन्वयी आचार्य श्री विजय जनकचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.
2. श्रुत भास्कर श्री धर्मवर्धर विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री लूणासावाड़ा जैन उपाश्रय  
मोटी पोल के सामने, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)

3. वडोदा (गुजरात)

पन्याम श्री रत्नाकर विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मानन्द जैन उपाश्रय,  
जानी शेरी, घड़ियाली पोल,  
वडोदा (गुजरात) 390001.

4. जोधपुर (राजस्थान)

1. पन्यास श्री नित्यानन्द विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-जैन धर्म क्रिया भवन,  
आहोर की हवेली के पास, खैरातियों का वास,  
मु.पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001

5. राणी स्टेशन (राजस्थान)

1. पन्याम श्री वीरेन्द्र विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री ज्ञातिनाथ श्वे. मृति पेढी, जैन मंदिर  
मु.पो. राणी स्टेशन-306115 जिला पाली  
(राजस्थान)

6. सेवाड़ी (राजस्थान)

- गणिवर्य श्री जयंत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन देव स्थान पेढी,  
मु.पो. सेवाड़ा, जिला पाली-306704 (राज.)

7. वडोदा (गुजरात)

- श्री चन्द्रोदय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-25, शिव कृपा सोमायटी, माजलपुर,  
लालबाग रोड, वडोदा (गुजरात) 390001

8. अहमदाबाद (गुजरात)

- श्री हीर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मबल्लभ उमंग स्वाध्याय मंदिर,  
मावरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005

- 9) मन्झारा (राजस्थान) श्री रामदिग्विजयी ममा आदि ठाणा (1) मम्यक सूत्र-श्री जैन स्वस्ताम्बर उपाश्रय मुषा तखाना, जिला पानी (राजस्थान)
- 10) उम्मेदाबाद (राजस्थान) श्री मुक्ति विजयजी ममा आदि ठाणा (2) मम्यक सूत्र-श्री जैन स्वस्ताम्बर उपाश्रय, मुषा उम्मेदाबाद, जिला जालार (राज.)
- 11) बाली (राजस्थान) श्री विमुद विजयजी ममा आदि ठाणा (2) मम्यक सूत्र-श्री जैन स्वस्ताम्बर उपाश्रय, मुषा बाली, जिला पानी (राजस्थान)
- 12) अन्नाला शहर (हरियाणा) श्री जितेन्द्र विजयजी ममा आदि ठाणा (1) मम्यक सूत्र-दन्तम विवेकन, सरफा बाजार अन्नाला शहर (हरियाणा)
- 13) पायागढ़ (गुजरात) श्री गौतम विजयजी ममा आदि ठाणा (2) मम्यक सूत्र-श्री परमार शक्ति जैन मवा ममाज, मुषा पायागढ़, सामुरा-हानाज जिला पंचमहाल (गुजरात) 389360
- 14) पालीताणा (गुजरात) श्री हेमचन्द्र विजयजी ममा आदि ठाणा (3) मम्यक सूत्र-श्री बलव उ विहार, धमाताणा, लोटी हाड मुषा पानीताणा, जिला भावनगर (गुज) 364270
- 15) मधुवन शिखरजी (बिहार) श्री भद्रबाहु विजयजी ममा आदि ठाणा (1) मम्यक सूत्र-श्री पाण्डुराज्य केन्द्र, मधुवन, मुषा सिद्धजी, जिला गिरिडीह (बिहार) 825329
- साधुर्जाती समुदाय
- 16) प्रवृत्ति साधु श्री विनीता श्रीजी ममा आदि ठाणा (17) मम्यक सूत्र-श्री मुक्ति श्रीजी ममा आदि ठाणा (17) मम्यक सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, जानी गैरी, बड़ियाली पोख बड़ोण (गुजरात) 390001
- 17) प्रवृत्ति साधु श्री विद्याश्रीजी ममा आदि ठाणा (9) मम्यक सूत्र-श्री विहार धमयाणा, लोटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुज) 364270
- 18) साधु श्री भद्राश्रीजी ममा आदि ठाणा (5) मम्यक सूत्र-श्री आश्विनवल्नम सुमुद स्वाध्याय मण्डि, चिन्तामणी पाण्डनाय जैन मण्डि के पीठे, मुषा रामनगर, साबरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005
- 19) साधु श्री गुणम श्रीजी ममा आदि ठाणा (2) मम्यक सूत्र-मेट वा उपाश्रय, रामनपोख, रतनपोख, अहमदाबाद (गुजरात) 380001
- 20) साधु श्री सुमद्राश्रीजी ममा आदि ठाणा (3) मम्यक सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मोटी पान, कुसावाडा अहमदाबाद (गुजरात)
- 21) साधु श्री ज्योत्सना श्रीजी ममा आदि ठाणा मम्यक सूत्र-श्री जालीनाय जैन देवसर, श्री विजय वल्नम वात, पाण्डुनी बन्दर-400003(महा)
- 22) साधु श्री हेमचन्द्र श्रीजी ममा आदि ठाणा (2) मम्यक सूत्र-श्री जाम वल्नम जैन मयन, चिनारी बाजार, जिला-110006
- 23) साधु श्री अक्षय श्रीजी ममा आदि ठाणा (4) मम्यक सूत्र-आगम बराटमेटम्, महागया आराधना मयन, गोंपोपुरा, सुरत (गुजरात)-395003
- 24) साधु श्री प्रवीण श्रीजी ममा आदि ठाणा (3) मम्यक सूत्र-परावी धमयाणा, लोटी रोड, पालीताणा जिला भावनगर (गुजरात) 364270
- 25) साधु श्री जयवन्त श्रीजी ममा आदि ठाणा (6) मम्यक सूत्र-श्री जैन ममा उपाश्रय, मोटा देवसर नीर, पाण्डपुरा, जिला रामबाठा (गुजरात)
- 26) साधु श्री चित्तरजन श्रीजी ममा आदि ठाणा (6) मम्यक सूत्र-परावी धमयाणा, लोटी रोड, पालीताणा (गुजरात) 364270
- 27) साधु श्री सुर्मा श्रीजी ममा आदि ठाणा (3) मम्यक सूत्र-श्री आश्विनोय देवसर के पीठे, जैन उपाश्रय, गरीदाहे, मुषा वाटण जिला मेहसाणा (गुजरात)

28. साध्वी श्री कनकप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, रूम नं. 25, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात) 364270
29. साध्वी श्री रंजन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन इवेताम्बर मूर्तिपूजक मंदिर,  
रायकोट, जिला लुधियाना (पंजाब)
30. साध्वी श्री जगत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—महिला जैन उपाश्रय, मु.पो. सेवाड़ी  
जिला पाली (राजस्थान) 306707
31. साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
साध्वी श्री निर्मला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—सेठ धर्मचन्द दयाचन्द पेढी, जैन न्याति  
नौहरा, मु.पो. सादड़ी मारवाड़-306702  
जिला पाली (राजस्थान)
32. साध्वी श्री दर्शनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, तलेटी रोड,  
मु.पो. पालीताणा (गुजरात) 364270
33. साध्वी श्री दर्शन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—बीसा श्रीमाली देरावासी महाजन,  
मु.पो. डगारा कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
34. साध्वी श्री चरण श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—हजारी निवास, तलेटी रोड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
35. साध्वी श्री पद्मलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—सेठ नवलचन्द पेढी, गुजराती कटला,  
पाली मारवाड़ (राजस्थान) 306401
36. साध्वी श्री समयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—वाणिया शेरी, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. जंबूसर, जिला भरूच (गुजरात)
37. साध्वी श्री सुमति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सुमेर-टाँवर जैन संघ, 108 सेठ  
मोतीशा लेन, भायमला बम्बई-400010  
(महाराष्ट्र)
38. साध्वी श्री सुमंगला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (22)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन धर्मशाला, लखारा बाजार,  
मु.पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001
39. साध्वी श्री सुन्नता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन श्रीसंघ 2/82 रुपनगर  
दिल्ली-110006
40. साध्वी श्री नरेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चन्द्रप्रभ जैन देरासर पेढी, पांडु पाटिल  
पोल, जयप्रकाश रोड, अन्धेरी (वेस्ट)  
बम्बई-400058 (महाराष्ट्र)
41. साध्वी श्री यशकीर्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—थोव की वाडी उपाश्रय, देहली गेट बाहर,  
अल्का होटल रोड, गुच्छारा के पीछे,  
मु.पो. उदयपुर (राजस्थान) 313001
42. साध्वी श्री लक्षगुणो श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—राजस्थान में योग्य स्थल
43. साध्वी श्री चन्द्रयशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन बडा मंदिर, उत्तमाराम स्ट्रीट,  
मु.पो. राँदेर, जिला सूरत (गुजरात)
44. साध्वी श्री धर्मता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुंथुनाथ जैन मंदिर, 38, गुजरात  
विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-110092
45. साध्वी श्री कल्पयशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, बोहरावाडी,  
मु.पो. नागौर (राजस्थान) 304001
46. साध्वी श्री शीलपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शातिनाथ जैन तपागच्छ संघ,  
देवचन्दनगर, मलाड़ (ईस्ट) बम्बई  
(महाराष्ट्र) 400097
47. साध्वी श्री सुमिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पारमार क्षत्रिय जैन समज,  
मु.पो. पावागढ़, तालुका-हालोल,  
जिला पंचमहाल (गुजरात) 389360
48. साध्वी श्री उदित प्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—बहनो का उपाश्रय, मु.पो. रानी स्टेशन,  
जिला पाली (राजस्थान)
49. साध्वी श्री वसन्तप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दासु पूज्य स्वामी जैन देरासर,  
अन्मोल दिल्लीडग, उमर पार्क, 95, भुलाभाई  
देसाई रोड, बम्बई-400036 (महाराष्ट्र)

- 50 साध्वी श्री चन्दनवती श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री श्वेताम्बर जैन उपाध्यक्ष  
मु पा भानपुरा, जिला मन्दागा (मध्यप्रदेश)
- 51 साध्वी श्री कीर्तिप्रसा श्रीजा मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—भावनगर बडगा चाटा, मोर्नी फरिया वै  
साधने, बीरवा श्रेणी, बटगा, भावनगर  
(गुजरात) 364001
- 52 साध्वी श्री देवद श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वे मुनिपूजक पन्नादान गण  
मु पा गणपुर सिटी, जिला मन्दागा माधगु  
(उज्जयिन) (W Rly)
- 53 साध्वी श्री मुनिरति श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन श्वेताम्बर तपागच्छ मध  
मु पा बालापुर, जिला जावारा (महाराष्ट्र)
- 54 साध्वी श्री स्वयम्भवा श्रीजी मसा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाध्यक्ष, जैन मंदिर  
मु पा बोलिया, स्टेशन गराट, जिला मन्दागा  
(मध्यप्रदेश)
- 55 साध्वी श्री प्रसाद श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—पञ्जाबी धर्मशाला, नरेंटी राड,  
मु पा पालीताणा जिला भावनगर  
(गुजरात) 364270
- 56 साध्वी श्री दिव्य प्रसा श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—निवृत्ति अध्यक्ष, नरेंटी राड,  
मु पा पालीताणा, जिला भावनगर  
(गुजरात), 364270
- 57 साध्वी श्री रमलता श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री माधोदेव पाण्डनाथ जैन पदा  
मु पा बायो, जिला पार्सी (गुजरात)
- 
- कुल जातुर्मास (57) मुनिराज (47) साध्वियाँ (208)  
कुल ठाणा (256)
- 
- समुदाय मे विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) ज्ञानाय (2)  
पन्नाम (5) गणि (1) प्रवर्तितियाँ (2)
- 
- गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (66) साध्वियाँ (225) कुल ठाणा (291)
- 
- नोट—(1) नई शीला एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं हए  
के कारण मुनिराजक तानिका प्रस्तुत नहीं कर  
सके।  
(2) गत वर्ष की सूची दर्शने से ज्ञात होता है कि  
कुई मुनिराज एवं साध्वियों की पूरी सूची  
इस वर्ष प्राप्त नहीं हुई है।
- जन पत्र-पत्रिकाएँ—(1) विजयानन्द (साप्ताहिक हिन्दी)  
लुधियाना  
(2) चन्द्र दिपन म दश (साप्ताहिक हिन्दी)  
वाहमर

## अ० भा० समग्र जैन आचार्य डायरेक्ट्री का प्रकाशन

सम्पूर्ण भारत के समग्र जैन समाज के चारों समुदायों (जो मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापथी, एवं दिगम्बर समुदाय) के लायक सभी 165 जन आचार्यों की डायरेक्ट्री हिन्दी भाषा में शोध से प्रकाशित होने जा रही है। इस डायरेक्ट्री में सभी पूज्य आचार्यों का जीवन परिचय, फोटो, प्रेरक वाक्यों एवं समुदाय, शिष्य परिवार आदि बातों की पूर्ण जानकारी का प्रकाशन की जायेगी।

अन्य जैन समाज के सभी पूज्य आचार्यों से मन्त्र निवेदन है कि वे अपना पाटा-जीवन परिचय एवं प्रेरक वाक्यों का पूर्ण विवरण शीघ्र भिजवाने का कष्ट करें।

सम्पन्न सूत्र—भावनगर जन 'उज्जवल'  
उज्जवल प्रकाशन,

105, तिरुपति अपाटमटम, आनुर्ली रोड राड न 1

बाणवली (पूब), बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन नं-6881278

योगनिष्ठ आचार्य प्रवर श्रीमद् बुद्धिसागर  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

6

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति, प्रखर वक्ता, शासन प्रभावक, आचार्य  
प्रवर श्रीमद् सुबोध सागर सूरीश्वरजी म. सा. ।

कुल चातुर्मासि (30) मुनिराज (52) साधिव्यांजी (97) कुल ठाणा (149)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात)
  1. गच्छाधिपति प्रखर वक्ता शासन प्रभावक  
आचार्य श्रीमद् सुबोध सागर सूरीश्वरजी म.सा.
  2. आचार्य श्री दुर्लभ सागर सूरीश्वरजी म.सा.
3. प्रवर्तक श्री यशकोर्ति सागरजी म.सा. आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चितामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर  
रामनगर साबरमती, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
2. साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री मनोहर कीर्ति सागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-सेठ श्री गाडालाल फकीरचन्द शाह  
नूतन जैन उपाश्रय सत्यनारायण सोसायटी,  
रामनगर साबरमती, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
3. भीलाड़ (गुजरात)  
आचार्य श्री कल्याण सागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री सिमंधर स्वामी जैन तीर्थ, नंदीग्राम  
ओसियाजी नगर, मु.पो. भीलाड़, जिला वलसाड़  
(गुजरात) 396105
4. कोबा (गुजरात)  
आचार्य राष्ट्रसेत श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आचार्य श्री भद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा.  
पन्था श्री धरणेन्द्र सागरजी म.सा.  
गणि श्री वर्तमान सागरजी म.सा. आदि ठाणा (19)

सम्पर्क सूत्र-श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र  
मु.पो. कोबा, दाया जिला गाधी नगर (गुज.)  
फोन नं. हेमंत ब्रदर्स अहमदाबाद-  
441444-406669

5. पालनपुर (गुजरात)  
पन्थास श्री सुभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. पालनपुर  
385001 (गुजरात)
6. बीजापुर (गुजरात)  
पन्थास श्री सुदर्शन कीर्ति सागरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्रीमद् बुद्धि सागर सूरी जैन समाधि मंदिर  
मु.पो. बीजापुर-382870 (गुजरात)
7. अंधेरी-वम्बई (महाराष्ट्र)  
पन्थास श्री कंचन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री शल्लेण्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर,  
जूना नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व).  
वम्बई-400069 (महाराष्ट्र)
8. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री अहर्णादय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पोपटलाल हेमचन्द जैन नगर,  
गारदा मंदिर रोड, पालडी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)
- 8 ए-मलाड (वेस्ट) वम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री मित्रानन्द सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री राजन्धान जैन संघ, 3 मामलतदारवाडी  
मलाड (पश्चिम) वम्बई-400064 (महा.)



- 11 राणपुर-(चूडा) (गुजरात) 17 साध्वीश्री निमलाश्रीजी म मा M A.आदि ठाणा (6)  
श्री हिरण्य प्रभ विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय मु पा राणपुर (चूडा)  
-बाया वाटाद जिला सुरद्र ना- (गुजरात) 18 साध्वी श्री मनाहर श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय मु पा आहिरियाणा सातुरा  
दमाडा, वाया विरमगाव (गुजरात)
- 12 नाकोडा तीर्थ, (राजस्थान) 19 साध्वी श्री जान श्रीजी म मा आदि ठाणा (7)  
श्री प्रवीण विजयजा म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री नाकोडा पाषाणाथ तीर्थ म् पा.  
मेवा नगर, जिना वाटभर (राज) 20 साध्वी श्री आनंद श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-हल्ली माहेर धमशाला, माण्डेराव भवन  
व पीछे, पालीताणा (गुजरात) 364270 21 साध्वी श्री प्रना श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-अरविबल खाता, मु पा माडवला  
-जिला जालार (राजस्थान)-343042
- 13 पालीताणा (गुजरात) 22 साध्वी श्री शुभवरा श्रीजी म मा आदि ठाणा (7)  
श्री हय विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-हल्ली माहेर धमशाला, माण्डेराव भवन  
व पीछे, पालीताणा (गुजरात) 364270 23 साध्वी श्री सतिप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (16)  
सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रभाव (1) अनुसर
- 14 अहमदाबाद (गुजरात) 24 साध्वी श्री दक्षा श्रीजी म सा आदि ठाणा (12)  
श्री विभन विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-गारमानन्द जैन उपाश्रय, डा केविन,  
सावरमती, अहमदाबाद 380005 (गुज) 25 साध्वी श्री राजेंद्र श्रीजी म मा आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय मु पा हिम्मतनगर  
जिना सावरवाठा गुजरात
- 14 (ए) साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात) 26 साध्वी श्री श्यामकर यशा श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
श्री जलभद्र विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री महावीर जैन आराधना भवन,  
निवेशर सोसायटी, अर्जित नगर के पास, साबर-  
मती, डी केविन अहमदाबाद (गुज) 27 साध्वी श्री चन्द्रवना श्रीजी म सा आदि ठाणा (12)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय, पनाम नो पीछे, सावेरी शेरी  
मु पा पाटण जिला महेसाणा (गुज) 384265
- 14 (बी) हिम्मत नगर- (गुजरात) 28 साध्वी श्री गनवता श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
श्री वलभद्र विजयजी म सा आदि ठाणा  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय मु पा हिम्मतनगर  
जिना सावरवाठा गुजरात 29 साध्वी श्री तनवता श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय मु पा कोसेलाव  
स्टेशन मानना, जिला पानी (राजस्था)
- 14 (सी) सुमेरपुर (राजस्थान) 30 साध्वी श्री नावण्य श्रीजी म मा आदि ठाणा (8)  
श्री विनय विजयजी म सा आदि ठाणा  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाश्रय जैन मंदिर के पास म  
मु पा सुमेरपुर स्टेशन जवाई बाघ जिला सिरोही राज
- 31 साध्वी श्री साध्वी श्रीजी समुदाय
- 15 साध्वी श्री दर्शा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-कुवावाली पाव शाहपुर, अहमदाबाद  
380001 (गुज)

29. साध्वी श्री महिमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-खिचीयो का वास, तिलक भवन  
मु.पो. शिवगंज, जिला सिरौही (राजस्थान)
30. साध्वी श्री अंजना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-केशर निवास जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
31. साध्वी श्री कल्पजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, बाजार नौ पांडो, गोल शेरी  
मु.पो. पाटण, जिला महेसाणा (गुज.) 384265
32. साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, चितामणी शेरी,  
मु.पो. राधनपुर (गुजरात)
33. साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
34. साध्वी श्री रमणीक श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-आयदिल खाता के पास, मु.पो. जावल  
जिला सिरौही (राजस्थान)
35. साध्वी श्री जयप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-लुणावा मंगल कार्यालय तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात) 364270
37. साध्वी श्री तरुणप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-आरीसा भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात)
38. साध्वी श्री मुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-सरकारी उपाश्रय, पतासा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
39. साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. बांकली स्टेज  
जवाई बाध, जिला सिरौही (राजस्थान)
40. साध्वी श्री जयमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, दन मेहता नौ पांडो,  
मु.पो. पाटण, जिला महेसाणा (गुज.) 384265
41. साध्वी श्री किरणमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (40) अनुसार
42. साध्वी श्री मदनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-प्रकाश भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
43. साध्वी श्री कनक प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-गिरि विहार, तलेटी रोड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
44. साध्वी श्री सुनदा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-घाची नी पोल, रायपुर, अहमदाबाद  
(गुजरात)
45. साध्वी श्री कैलाश श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-चरला वास, श्रमणी निवास, मु.पो.  
आधोई-कच्छ, तालुका भचाऊ, वाया सामखियारी  
(गुजरात)
46. साध्वी श्री कुसुमवती श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, बखारिया वाड, मु.पो.  
हिम्मतनगर (गुजरात) 383001
47. साध्वी श्री प्रजप्ता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, तारा अपार्टमेंट्स, सईनाथ  
नगर, एल.वी.एस. रोड, घाटकोपर (वेस्ट)  
बम्बई 400086 (महा.)
48. साध्वी श्री पद्मरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चितामणी पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
2 माला ईश्वर नगर, एल.वी. शास्त्री मार्ग  
भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई 400082
49. साध्वी श्री सम्यग रेखा श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (15)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (1) के अनुसार
50. साध्वी श्री जयशीला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (1) के अनुसार
51. साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन तपागच्छ उपाश्रय, मु.पो. बालवाड़ा  
वाया भाटवला, जिला जालौर (राज.)
52. साध्वी श्री विश्व पूर्णा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, पारसवाड़ी-मु.पो. आहोर  
जिला जालौर (राज.)
53. साध्वी श्री सुनिला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, गाधी वाम, मु.पो. राधनपुर  
जिला बनामकाठा (गुजरात)

- 54 साध्वी श्री मृगलाक्ष्मी श्रीजी म सा जादि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन उपाश्रय, जी  
बाई पी विन्म सनन, माटूपा-अम्बई-400019  
(महाराष्ट्र)
- 55 साध्वी श्री दिव्य प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र—माडवी नी पोल, सूरदास मेठनी पाव,  
मदन गानाल हवेली के पास, अहमदाबाद  
380001 (गुज)
- 56 साध्वी श्री कल्पधरा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—उपरान्त प्रमाण (1) के अनुसार
- 57 साध्वी श्री पदमवता श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र—नाकाडा पाव नासायटी, रजनी गधा  
के बाजू में शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)  
380004
- 58 साध्वी श्री ह्य प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—7 धमनाथ मामापटी, नेम्प रोड  
शाहीबाग अहमदाबाद 380004 (गुज)
- 59 साध्वी श्री गुणप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र—शामल भवन गिरधर नगर, शाहीबाग,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 60 साध्वी श्री नलिजियशा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्वे मूर्ति जैन मय मु पा टिटोडा  
382620 (गुज)
- 61 साध्वी श्री नलिता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—माडिराव जिनेद्र भवन धमशाला,  
पालीताणा (गुजरात)
- 62 साध्वी श्री वार्तिजुर्गा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्वेतग्यान नौ पाडो, गोर्न जेगी मुपो  
पाटण—384265 (गुजरात)
- 63 साध्वी श्री मृगमाता श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र—पुणावा मंगल भुवन, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
- 64 साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभा श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरामर क  
गास, अम्बदाबाद अहमदाबाद (गुजरात)
- 65 साध्वी श्री अमित प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री चन्द्र प्रभु जैन मंदिर, गौम माण,  
नवापुरा, मुपो उज्जैन—456006 (म.प्र)
- 66 साध्वी श्री कव शीला श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—उपरान्त प्रमाण (1) अनुसार
- 67 साध्वी श्री चन्द्रलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—उपरान्त प्रमाण (1) अनुसार
- 68 साध्वी श्री भवनगुणा श्रीजी म सा आदि ठाणा (13)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो सेटा जिला वार्ति  
(राजस्थान)
- 69 साध्वी श्री वीरविद्यया श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरामर,  
45 जवेर राड, मुलुण्ड (सेन्ट) अम्बई 400080  
(महाराष्ट्र)
- 70 साध्वी श्री सुवाचना श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो मुडारा स्टेन  
फालना, जिला पाली (राज)
- 71 साध्वी श्री शील रत्ना श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र—उपरान्त प्रमाण (1) अनुसार
- 72 साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—गुजाता पलेट के बाजू में, रजता गधा  
शाहीबाग, अहमदाबाद 380004 (गुजरात)
- 73 साध्वी श्री विमल प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—वीररायण मुपो मुडारा, वामा फालना  
जिला पाला (राज)
- 74 साध्वी श्री नक्षत्र प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाश्रय मुपो परवतसर, स्टेन  
फालना, जिला पाली (राज)
- 75 साध्वी श्री मनुजा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो कोट बालिबाग  
वाया फालना, जिला पाली (राज)
- 76 साध्वी श्री शासनदर्शिता श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो बिसलपुर स्टेन  
जनाई बाध, जिला मिरोही (राज)

77. साध्वी श्री कौशल्या श्री जी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, तलाव पास, मु.पो.  
तखतगढ़, जिला सिरोही (राज.)
78. साध्वी श्री चारु यशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, नगीन झुम्मा नी. पास,  
स्टेशन रोड, मु.पो. ईडर (गुजरात)
79. साध्वी श्री रत्नमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
80. साध्वी श्री जय प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)
81. साध्वी श्री अक्षय प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—यशोविजय जैन पाठशाला, मु.पो.  
महेसाणा (गुजरात)
82. साध्वी श्री चन्द्रयेशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
83. साध्वी श्री सुलशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
84. साध्वी श्री मुक्ति प्रिया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—कल्याण सौभाग्य आराधना भुवन, मु.पो.  
उम्नेदाबाद (गोल) जिला जालौर (राज.)  
343021
85. साध्वी श्री तत्व प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. भवराणी, जिला जालौर  
(राजस्थान) 343042
86. साध्वी श्री अशोक कल्पलता श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—ज्ञान मंदिर, मु.पो. खीमाणाजी, स्टेशन  
जवाई, बाध, जिला सिरोही (राज.) 306901
87. साध्वी श्री सरस्वती श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. पाली-भारवाड़  
(राजस्थान) 306401
88. साध्वी श्री रत्न माला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, पाली बस स्टेशन के सामने  
मु.पो. उदरी, वाया सुमेरपुर, जिला पाली  
(राजस्थान)
89. साध्वी श्री अक्षय प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री यशोविजयजी संस्कृत जैन पाठशाला,  
मेन बाजार मु.पो. महेसाणा (गुजरात)

कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (47) साध्वियाँ (374)  
कुल ठाणा (421)

गत वर्ष 1991 में समुदाय में विद्यमान थे—

मुनिराज (42) साध्वियाँ (310) कुल ठाणा (352)

समुदाय में विद्यमान है—गच्छाधिपति (1) आचार्य (3)  
पन्थास (1) गणि (1)

नोट:—(1) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने से  
तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

(2) गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—कुल  
चातुर्मास (68) मुनिराज (42) साध्वियाँ  
(310) कुल ठाणा (352)

(3) इस वर्ष समुदाय की पूर्ण सूची प्राप्त हुई है।

(4) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नहीं।

## जैन पत्र पत्रिका डायरेक्ट्री का प्रकाशन

सम्पूर्ण भारत के समग्र जैन समाज में वर्तमान में लगभग 350-400 जैन पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं, उन सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं के नाम, सम्पर्क सूत्र, कार्यालय फोन नम्बर, संपादक का नाम आदि सम्पूर्ण जानकारीयों जैन समाज के हर वर्ग को सुलभ हो, इस हेतु हमने समग्र जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित होने वाली सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं की डायरेक्ट्री का पुस्तक रूप में प्रकाशन कार्य किया है। इच्छुक महानुभाव अपनी प्रति आज ही मंगावे। पुस्तक का मूल्य 5/- पये रखा गया है।

सम्पर्क सूत्र—बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'  
उज्ज्वल प्रकाशन,

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स, आकुर्ली क्रॉस रोड नं. 1,  
कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन नं.—6881278

With best compliments from :

## C. L. BAID MEHTA COLLEGE OF PHARMACY

(Affiliated to Tamilnadu Dr M G R Medical University)

Jyothi Nagar, Thorapakkam,

**MADRAS-600 096 (T.N)**

Phone 474877

Application are invited for admission to the  
following courses

1. Master of Pharmacy - (Two year course)
2. Bachelor of Pharmacy - (Four year course)
3. Diploma in Pharmacy - (Two year course)

Application forms and prospectus can be had from the Pharmacy College on payment of Rs 50/- in cash For despatch by post, send demand draft Rs 50/- with a self addressed envelope with stamp for Rs 5/- affixed

(No capitation fees Seat on Merits but Chemists and Jains will be given in Quota)

**VINOD KHANNA**

Chairman

**Dr C L Mehta**

Secretary & Correspondent

कवि कुल किरिट, जैन रत्न, व्याख्यान वाचस्पति, आचार्य प्रवर  
श्री विजय लब्धि सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर श्री  
विजय जिन भद्र सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (37) मुनिराज (50) साध्वियाँजी (185) कुल ठाणा (235)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. आचार्यश्री विजय जिनभद्र

सूरीश्वरजी म. सा.

2. आचार्य श्री विजय यशोवर्ध सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र-श्री बाबू अमीचंद पन्नालाल आदिश्वर-  
जैन मंदिर, तीन बत्ती के पास, रीझ रोड,  
बालकेश्वर, बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

2. पालीताणा (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय पुण्यानन्द सूरीश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय अरुण प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

3. आचार्य श्री विजय बीर सेन सूरीश्वरजी म.सा.

4. पन्यास श्री पदम विजयजी म.सा.

5. प्रवर्तक श्री हरिश भद्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-श्री पन्ना रूपा जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,

मुं.पो. पालीताणा, जिला भावनगर (गुज)

364270

3. हिरियूर (कर्नाटक)

1. आचार्य श्री विजय अशोक रत्न सूरीश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय अभय रत्न सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Swetamber Jain Temple, Main Road,

P. O. HIRIYUR, Distt Chitra Durg

(Karnataka) 572143

4. चित्रदुर्ग (कर्नाटक):

आचार्य श्री विजय स्थूल भद्र; सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Swetamber Jain Temple

P. O. CHITRA-DURG-577 501

(Karnataka)

5. प्रार्थना समाज-बम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय राजयश सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जैन मंदिर

-186 राजाराम मोहन राय मार्ग, प्रार्थना समाज

बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)

फोन 357120, 3865385

6. द्राक्षाराम (आन्ध्र प्रदेश)

आचार्य श्री विजय वारिषेण सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Adinath Swetamber Jain Temple

P. O. DRAKSHARAM (A.P.)-533 262

7. जयपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय हिरण्य प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मानन्द जैन सभा, श्री वालो का

रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 (राज)

- 8 ईडर (गुजरात)  
पंचाम श्री पदम विजयजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन मंदिर उपाश्रय, चाठारी  
वाडा, मुपा टैडर-383438, जिना मावण्णाडा  
(गुजरात)
- 9 भाण्डुप-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नय भद्र विजयजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री पाशवनाथ जैन मंदिर, भट्टी पाडा,  
के जी गुप्ते चाल, भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई-400078  
(महाराष्ट्र) फोन न 5601325
- 10 गवालिया टेंक-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री गुण रत्न विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-आराधना जैन भवन, जैन मंदिर,  
गवालिया टेंक, बम्बई-400036 (महा)
- 11 नवजीवन सोसायटी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री वज्र यश विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्वे मूर्ति जैन सप नवजीवन सोसायटी,  
बिल्डिंग न 12, लेमिग्टन रोड, बम्बई-400008  
(महाराष्ट्र)
- 12 समदडी (राज)  
श्री जय कुजर विजयजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री कुयुनाथ जैन मंदिर, नया वास, मु पो  
ममदडी, वाया बालातरा, जिना मडदे (राज)
- साध्वियाजी समुदाय
- 13 साध्वी श्री सर्वोदया श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पक सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (5) अनुसार
- 14 साध्वी श्री नय पदमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-मनहर बिल्डिंग केशव दाग, सुहार चाल  
बम्बई-400002 (महा)
- 15 साध्वी श्री अर्हत पदमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जैन मंदिर, महासुख  
शवन सरोवरी रोड, विलिंगली, (वेस्ट) बम्बई  
(महाराष्ट्र)
- 16 साध्वी श्री परम पदम श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-आराधना भवन, जैन मंदिर,  
गवालिया टेंक, बम्बई-400036 (महाराष्ट्र)
- 17 साध्वी श्री विनेश पदमा श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-अरविन्द बुज बिल्डिंग, एयर कडीशन  
मार्नेट के सामन, ताडदेव-बम्बई 400038  
(महा)
- 18 साध्वी श्री जिनग पदमा श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (11) अनुसार
- 19 साध्वी श्री सुधागु यना श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री मुनिमुक्त स्वामी जैन मंदिर, जामनी  
नागा, मुपा वाणा (वेस्ट) बम्बई (महा)  
401601
- 20 साध्वी श्री विशद यमाश्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, पावापुरी,  
'गोकुल' छेतयाड़ी, बम्बई 400004 (महा)
- 21 साध्वी श्री रत्न चूना श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-गुजरात हार्जनिंग मासायटी, चिनपुर  
शाला राड, नाराणपुरा, महमदाबाद-380013  
(गुज)
- 22 साध्वी श्री गीत पदमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-मस्कृति भवन, शातिनगर, महमदाबाद  
(गुजरात)
- 23 साध्वी श्री जया श्रीजी म सा आदि ठाणा (10)  
सम्पक सूत्र-श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, मडई के पास,  
माडवी चौक, मु पो खमात, जिना खेडा (गुज)  
388620
- 24 साध्वी श्री उमग श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्वे मूर्ति जैन देरामर उपाश्रय, मु पो  
ईडर जिना भाबरवाठा (गुजरात) 383430
- 25 साध्वी श्री ह्य पदमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-पालीठाणा (गुजरात)
- 26 साध्वी श्री विनोत मालाश्रीजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (1) के अनुसार
- 27 साध्वी श्री जितेद्र श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पक सूत्र-श्री त्रिभु मूर्ति जैन मंदिर, ज्ञान मंदिर  
डाड, 12 मदासिक जैन बावर (वेस्ट) बम्बई  
400028 (महा)

28. साध्वी श्री गौतम श्रीजी म.सा.  
साध्वी श्री उज्ज्वललता श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, तेल गली नं. 2,  
मु.पो. धुलिया (महाराष्ट्र)-424001
29. साध्वी श्री सूर्य प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—आरीसां भवत. धर्मशाला, हम् नं. 46,  
तलेटी रोड, पालीताणा (गुज.) 364270
30. साध्वी श्री विराग मालाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा —  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, जैन उपाश्रय,  
जवाहर नगर, गोरेगांव (वेस्ट) बम्बई (गुज.)
31. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर गुरुवार पेठ, पुना-  
411002 (महा.)
32. साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple,  
Gandhi Nagar,  
BANGALORE-560009 (Karnataka).
33. साध्वी श्री विरागमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—मीरा नगर—बम्बई (महां.)
34. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—बासणा-अहमदाबाद (गुजरात)
35. साध्वी श्री सुभद्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—अहमदाबाद (गुजरात)
36. साध्वी श्री सुभोदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—तलेगाँव (महाराष्ट्र)
37. साध्वी श्री जयलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—पालीताणा (गुजरात)

इन बातुमांस (37) मुनिराज (50) साध्वियाँजी (185)  
कुल ठाणा (235)

समुदाय में विद्यमान है—

आचार्य (11) पन्यास (2) प्रवर्तक (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ:—(1) लब्धि कृपा मासिक-कोल्हापुर  
(2) लब्धि संदेश बुलेटिन-भरुच

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

नोट:—(1) इस समुदाय के गच्छाधिपति आचार्यश्री विजय भद्रंकर सूरेश्वरजी म.सा. के महाप्रयाण के कारण रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु आचार्य श्री विजय जिन भद्र सूरेश्वरजी म.सा. को संघ का प्रमुख आचार्य बनाया गया है। अभी तक गच्छाधिपति के स्थान की पूर्ति नहीं हुई है।

(2) इस समुदाय की पूरी सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हुई। साधु मुनिराजों की सूची के अलावा साध्वियों की सूची जितनी प्राप्त हो सकी उतनी अधूरी सूची ही प्रकाशित की गयी है। कई साध्वियों की सूचियाँ अभी भी बाकी हैं।

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—

मुनिराज (57) साध्वियाँजी (183) कुल ठाणा (240)

जैन एकता सन्देश अंक—अभिमत

सत्य संगठन जैन हित,

प्रथम प्रयाग मु वेश।

पदो प्रेम से रूप यह,

जैन एकता सन्देश ॥



सभी पूज्य आचार्यों एवं साधु-माध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Tel 3441053

## RELIABLE PEN MAKERS

MFG & EXPORTERS

ARMOUR FOUNTAIN PEN & BALL PEN

216, Abdul Rehman Street,

BOMBAY - 400 003 (INDIA)

Tel 693386

## RELIABLE PEN MAKERS

FACTORY

17, MUNGEKAR INDS ESTATE,  
OFF AAREY ROAD, GOREGAON (EAST)

BOMBAY - 400 063 (INDIA)

## ARMOUR PEN MFG CO.

KHAN MARKET

46, Narayana Mudali Street Sowcarpet

MADRAS - 600079 (T N)

— शुभेच्छुक —

मोतीलाल जे गडा ❀ मगनलाल जे गडा

( लाकडिया - कच्छ ) बम्बई

बम्बई उद्धारक, बम्बई महानगरी के प्रथम प्रवेशक, धर्म प्रभावक  
तपागच्छीय जगतगुरु श्री मोहनलालजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य— गणनायक, आचार्य प्रवर  
श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्भास (21) मुनिराज (15) साधिव्यांजी (37) कुल ठाणा (52)

### साधु-मुनिराज समुदाय

#### 1. कादिबली-बम्बई (महाराष्ट्र)

गणनायक आचार्यश्री चिदानन्द  
सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री मुनिसुब्रत स्वामी जैन मंदिर  
भूलाभाई देसाई रोड, कादिबली (वेस्ट) बम्बई-  
400067 (महा.)

#### 2. माटूंगा-बम्बई (महाराष्ट्र)

पन्यास श्री सुयश मुनिजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री माटूंगा मूर्ति जैन तपागच्छ मघ  
श्री जीवनभाई अवजी भाई ज्ञान मंदिर,  
ताथालाल पारेख मार्ग, किंग सर्कल माटूंगा,  
बम्बई-400019 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 4372771

#### 3. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री भानु मुनिजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर, ज्योतिवा  
फुले रोड, नायगाँव, दादर (पूर्व)  
बम्बई-400014 (महा.)

#### 4. मालवा मे (मध्यप्रदेश)

श्री प्रिय दर्शन मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—

#### 5. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

श्री तपोधन मुनिजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, फ्रीगज, उज्जैन (म प्र)

#### 6. पालीताणा (गुजरात)

श्री जयचंद्र मुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अमरचन्द्र जंसराज धर्मशाला  
नवापारा, पालीताणा (गुजरात)-364270

#### 7. वांद्रा-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री मृगेंद्र मुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे जैन मंदिर, जैन मंदिर रोड,  
हील रोड, वांद्रा (वेस्ट) बम्बई

### साधिव्यांजी समुदाय

8 साध्वी श्री जवु श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—19/20 हजारी निवाम, Opp आरीसा  
भवन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा-  
(सौराष्ट्र) (गुजरात) 364270

9 साध्वी श्री विजय श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु पो केशवणा, जिला  
जालौर (राज)

10 साध्वी श्री कविन्द्रा श्री जी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—हजुवाई धर्मशाला, मानमानाली वाम  
मु.पो शिवगंज, जिला मिरोही (राज)

11 साध्वी श्री खातीश्रीजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु पो मालवाड़ा.  
जिला जालौर (राज)

- |  |   |
|--|---|
| <p>12 माध्वी श्री प्रेमवता श्री जी म मा आदि ठाणा (2)<br/>सम्पन्न सूत्र-ग/10 राजुन अषाढमध्य, श्रीपाव नण<br/>के प्राय में नपियन नी 17 पावकवार,<br/>बम्बई 400006 (महा)</p> <p>13 माध्वी श्री वमन श्रीता मसा आदि ठाणा (3)<br/>सम्पन्न सूत्र-जैन त्रिधा वन, राणा प्रताप चौक,<br/>पाली-भारवाड (राज) 306101</p> <p>14 माध्वी श्री मज्जन श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)<br/>सम्पन्न सूत्र-उपरासत प्रमाण (10) अनुसार</p> <p>15 माध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय, मुषा रानीवाडा<br/>जिला नागौर (राज)</p> <p>16 माध्वी श्री जया श्रीती मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुषा दादार, जिना पाना<br/>(राजस्थान)</p> <p>17 माध्वी श्री गयम श्रीता मसा आदि ठाणा —<br/>सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुषा देमूरी जिना पाना<br/>(राजस्थान)</p> <p>18 माध्वी श्री भाग्यादया श्रीजी मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-जैन उपाश्रय मुषा विन्डवाडा<br/>जिना निराही (राज)</p> | <p>19 माध्वी श्री इमरता श्रीजी मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-अहमदाबाद में</p> <p>20 माध्वी श्री जयत श्रीती मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-अहमदाबाद पानाटी पानटी, अहमदाबाद<br/>(गुज)</p> <p>21 माध्वी श्री तुमगता श्रीती मसा आदि ठाणा—<br/>सम्पन्न सूत्र-हट्टीनिह नी राधी, गानपुर, अहमदाबाद<br/>(गुजाल)</p> |
|--|---|
- 
- कुल आनुर्गा म (21) मुनिरान (15) साध्विवादी (37)  
कुल ठाणा (52)
- 
- समुदाय म विद्यमान हैं—आबाय (1) पयास (1)  
इन वष ई दीक्षाएँ—नहीं - - -  
इन वष महाप्रयाण हुए—नहीं  
जन पत्र-प्रतिराएँ—नहीं
- 
- जन वष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिरान (16) साध्विवादी  
(37) कुल ठाणा (53)

गणप्र जैन एकता और सगठन का असांख्यिक निष्पन्न पत्र

## जैन एकता सन्देश

सम्पूर्ण जैन समाज का एकता पत्र निम्न गणप्र जैन एकता, सगठन और सगठन के लिए असांख्यिक निष्पन्न पत्र का रूप लिया जाता है।

पत्र की मुख्य विशेषताएँ— (हर अक्षर में)

- (1) जैन समाज के विना एकता पत्र का अर्थ ही नहीं रहता।
- (2) जनता के क्षेत्र का पूर्ण विस्तार।
- (3) जैन समाज के क्षेत्र का पूर्ण विस्तार।
- (4) समाज के उन्नत प्रवृत्तियों का समाधान।
- (5) यह माह में होने वाली नई शिक्षा का प्रदर्शन करने के लिए प्रकाशित किया गया है।

- (5) उच्च वाचि के नेतृत्वा विद्याला के तहत
  - (6) जैन समाज का अखण्ड धर्मिकता की जागरूकता के लिए प्रकाशित।
  - (7) अज्ञान ही मुक्ति के रास्ते में बाधा है।
  - (8) जैन समाज के अन्तर्गत प्रकाशित समाज के अन्तर्गत अन्य बंध विवरण।
- नतीजतन जैन ही मुक्ति का रास्ता है।  
वर्तमान शुद्ध गणप्र 25/11/1992 के अन्तर्गत सगठन पत्र

—याज्ञिक जैन 'उत्तमवत्त' सम्पादक

शारदा प्रभावक, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय मोहन सूरीश्वरजी  
म. सा. का समुदाय (युग दिवाकर)

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्यः—साहित्य कलारत्न आचार्य  
प्रवर श्रीमद् विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मासि (55)

मुनिराज (45)

साहित्ययाँजी (210)

कुल ठाणा (255)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. पालीताणा (गुजरात)

साहित्य कला रत्न, आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—श्री जैन साहित्य मंदिर, तलेटी रोड.

पालीताणा-(सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)

2. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, ओपरा सोनायटी, पाल्ही

अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

3. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय कलक रत्न सूरीश्वरजी म.सा.

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय देवकी नन्दन सोनायटी

पाल्ही अहमदाबाद-380007 (गुज.)

4. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय महामन्द सूरीश्वर जी म.सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय भगवान नगर नौ टेकरे

मन्दापानी, चार गन्ना, पाल्ही, अहमदाबाद-

380007 (गुज.)

5. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय सुधीन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शानपुर, Opp. निहारिका

पाल्ही, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

6. बटोदा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय पूर्णानन्द सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कोठी पॉल के सामने,

रायपुरा, बटोदा-390001 (गुजरात)

7. बटोदा (गुजरात)

पन्थाग श्री परमानन्द विजयजी म.सा आदि ठाणा —

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कारेली बाग बटोदा (गुज.)

8. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

प्रवर्तक श्री सुगोत्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—प्रीति विन्डिंग ब्यांक न 24

गोमाजगि नगर, बोरीवली (बिन्ट) बम्बई-

100092 (महाराष्ट्र)

9. पालीताणा—(गुजरात)

श्री महामन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जामनगर वाली धर्मजन्दा, नन्दी रोड

पालीताणा (सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)

10. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री ललित मेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय माट्री नी पॉल मे.

भुधरजी नी पॉल, अहमदाबाद-380001

(गुजरात)

11. बोधातीर्थ (गुजरात)

श्री निरानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपों बोधातीर्थ

जिला भावनगर (गुजरात)

साध्विवाजी मण्डूदाय

- 12 साध्वी श्री मनदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (1)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, मसा महुसा तातन  
नरियाण, जिना गेडा (गुजरात)
- 13 साध्वी श्री वमना श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य न व प्रयोगीपिनी न  
मसा पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 14 साध्वी श्री जना श्रीजी मसा आदि ठाणा  
मण्यक सूत्र-वृममधर, जाम्पिन मम  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 15 साध्वी श्री विमना श्रीजी मसा आदि ठाणा (6)  
मण्यक सूत्र-जनागि निनाम तनेटी राट  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
- 16 साध्वी श्री वृमना श्रीजी मसा आदि ठाणा (6)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य निनाम तनेटी राट  
पालीताणा 36 270 (गुजरात)
- 17 साध्वी श्री जनेत्र श्रीजी मसा आदि ठाणा  
मण्यक सूत्र-प्रयोगी विहार, तनेटी राट  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 18 साध्वी श्री मनुदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
मण्यक सूत्र-जनागि निनाम तनेटी राट  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 19 साध्वी श्री चद्रप्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य न व प्रयोगीपिनी न  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 20 साध्वी श्री वनवप्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)  
मण्यक सूत्र-प्रयोगी विहार, तनेटी राट,  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 21 साध्वी श्री पुष्यवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट,  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 22 साध्वी श्री विद्या श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, माटा जगमर वाम  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 23 साध्वी श्री पद्मवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-प्रयोगी विहार, तनेटी राट,  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 24 साध्वी श्री मनदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 25 साध्वी श्री विमना श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-जनागि निनाम तनेटी राट  
पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 26 साध्वी श्री मनुदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)  
मण्यक सूत्र-प्रयोगी विहार, तनेटी राट,  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
- 27 साध्वी श्री प्रियवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट, धरियाणा प,  
बदोदा 390001 (गुजरात)
- 28 साध्वी श्री प्रवीणा श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
बदोदा में घोष मलय (गुजरात)
- 29 साध्वी श्री पद्मवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट, बनेला (गुजरात)
- 30 साध्वी श्री वृणवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट, तनेटी राट,  
बदोदा (गुजरात)
- 31 साध्वी श्री प्रियवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (7)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, मण्यक सूत्र-जन उपाध्य,  
अहमदाबाद 380001 (गुजरात)
- 32 साध्वी श्री वीणा श्रीजी मसा आदि ठाणा (7)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट, बनेला,  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 33 साध्वी श्री वृणवता श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट,  
तनेटी राट अहमदाबाद 380007 (गुजरात)
- 34 साध्वी श्री विमना श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट,  
अहमदाबाद 380007 (गुजरात)
- 35 साध्वी श्री मनदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
मण्यक सूत्र-महानदी तनेटी राट, तनेटी राट,  
मोदागिटी, अहमदाबाद 380007 (गुजरात)
- 36 साध्वी श्री मनदा श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
मण्यक सूत्र-जन उपाध्य, तनेटी राट,  
तनेटी राट, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

37. साध्वी श्री किरणलता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, नागजी भूधरजी नी पोल  
साडवी पोल, अहमदाबाद-380001 (गुज.)
38. साध्वी श्री जय सेना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—गृदंग फ्लेट्स् वी-26 वासण। नस स्टेण्ड  
के पीछे वासण।, अहमदाबाद (गुजरात)
39. साध्वी श्री कीर्तिकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—देवकीनन्दन सोसायटी पालड़ी  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
40. साध्वी श्री जयनंदिनी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, नागजी भूधरजी पोल  
मंकोड़ी पोल, अहमदाबाद 380001 (गुज.)
41. साध्वी श्री पदमयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—भद्र भवन अपार्टमेंटस् Opp. पो. आफिस  
पालड़ी, फतेहपुरा, अहमदाबाद-380007  
(गुजरात)
42. साध्वी श्री ज्योतिप्रभा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—आयोजन अपार्टमेंटस्, श्रेयास क्रोसिंग  
Opp. राधारमण सोपिंग सेंटर, पालड़ी,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
43. साध्वी श्री ललिताग श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री विमलनाथ जैन देरासर, उपाश्रय,  
अवर सिनेमा के पास, बापू नगर,  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
44. साध्वी श्री हर्षप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—मर्चेंट सोसायटी, वगला न 27,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
45. साध्वी श्री मृगेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—भोगीलाल नो उपाश्रय, श्रीमाली वागा,  
मु.पो. डभोई, जिला बड़ौदा (गुजरात)
46. साध्वी श्री इन्द्र श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्रीमाली वागा, जेठ जेरी ना नाके,  
मु.पो. डभोई, जिला बड़ौदा (गुजरात)
47. साध्वी श्री रश्मिलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, दरवारगढ, मु.पो मोरवी  
जिला राजकोट (गुजरात)
48. साध्वी श्री जयधर्म कला जीजी म.सा.आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, उज्जकृपा, मु.पो. तेजपुर  
(गुजरात)
49. साध्वी श्री पदमयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—मेहता हरगोविन्ददास ग्रामजी, जेल रोड़,  
अमरेली (गुजरात)
50. साध्वी श्री धर्मप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कोर्टर रोड़, वीरीवली  
वम्बई (महाराष्ट्र)
51. साध्वी श्री विरेश पदमा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. महमदाबाद  
जिला खेड़ा (गुजरात)
52. साध्वी श्री कनकप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मोटार वाग, जामनगर  
(गुजरात)
53. साध्वी श्री मुवणप्रभा श्रीजी आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—डेवरीया गच्छ ना उपाश्रय, मोटा देरासरे  
पास, मु.पो. ध्रामंध्रा, जिला मुगेन्द्रनगर (गुज.)
54. साध्वी श्री तत्वगुणा श्रीजी म.सा आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो तलोद, (गुजरात)
55. साध्वी श्री पीयूषपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—तुलसी श्याम अपार्टमेंटस्, वाडज,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (55) मुनिराज (45) साध्वियाणी (210)  
कुल ठाणा (255)
- 
- समुदाय में विद्यमान है—आचार्य (6) पन्थास (1) प्रवर्तक  
(1)
- 
- नोट.—(1) यह समुदाय युग दिवाकर आचार्य श्री विजय  
धर्म सूरेश्वरजी म.सा के समुदाय के नाम से  
भी जाना जाता है। गत वर्ष की सूची में इसी  
नाम से उल्लेख किया गया था। इस वर्ष  
आचार्य श्री विजय मोहन सूरेश्वरजी म. का  
नाम दिया गया है दोनों एक ही समुदाय है।
- (2) नई दीक्षा एव महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने  
के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर  
सके।
- जैन पत्र-पत्रिकाएँ— नहीं

- 10 માચોર (રાજસ્થાન)  
શ્રી નર વિજયજી મ મા જાદિ ઠાળા (2)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જન ઉપાશ્રય મુ પા માચાર  
જિના તાતાર (રાજસ્થાન)
- 11 પાલીતાણા (ગુજરાત)  
શ્રી યોગ વિજયજી મ મા જાદિ ઠાળા (3)  
મમ્બક મૂલ-મહિન વિહાર જૈન મમાન. જગરિયાજી  
જ મામન તવટી ગઢ પાલીતાણા (માગણ)  
(ગુજરાત) 364270
- 12 ઉસ્માનપુરા-અહમદાબાદ (ગુજરાત)  
શ્રી પ્રવાણ વિજયજી મ મા જાદિ ઠાળા (2)  
મમ્બક મૂલ-  
શ્વ મૂર્તિ જન દગમર, જૈન  
ઉપાશ્રય, ઉસ્માનપુરા અહમદાબાદ (ગુજ)
- 13 પાલાતાણા (ગુજરાત)  
શ્રી ગમચંદ્ર વિજયજી મ મા જાદિ ઠાળા  
મમ્બક મૂલ-
- 14 બધરી ચમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)  
રાજસ્થાન રાજગ મી બધચંદ્ર વિજયજી મ મા જાદિ ઠાળા (2)  
મમ્બક મૂલ-શ્રી ચંદ્રપ્રભુ શ્રીમી જા દગમર પાટ  
પાર્ટીન વન, બધપ્રવાણ ગઢ, બધરી (વેન્ટ)  
વપ્-400056 (મહારાષ્ટ્ર)  
પાન ન 6282901, 6285469
- 15 ચમ્બઈ મે યામ્ય સ્થલ (મહારાષ્ટ્ર)  
શ્રી મદમન વિ યજી મ મા જાદિ ઠાળા (2)
- માધ્વિયાજી સમુદાય**
- 16 માધ્વી શ્રી તાલુચ શ્રાજી મ મા જાદિ ઠાળા (11)  
મમ્બક મૂલ-જન શ્વે મૂર્તિ, ઉપાશ્રય, શાંતિનગર  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 17 માધ્વી શ્રી ત્રિવંદ્ર શ્રીના મ મા જાદિ ઠાળા (3)  
મમ્બક મૂલ-રવળામની પાવ, ગામપુરા, અહમદાબાદ  
(ગુજરાત)
- 18 માધ્વી શ્રી મુલપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (4)  
મમ્બક મૂલ-જૈન ઉપાશ્રય, વિજયનગર, મયવતા મ,  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 19 માધ્વી શ્રી મુલપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (5)  
મમ્બક મૂલ-જન ઉપાશ્રય, ગમાગાઈ સ્વાધ્યાય મંદિર,  
પાલીતાણા (ગુજરાત)
- 20 માધ્વી શ્રી ચંદ્રપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (24)  
માધ્વી શ્રી ગુરિનીના શ્રીજી મ મા  
મમ્બક મૂલ-ઉપગાઈ પ્રમાત (2) જનુમાર
- 21 માધ્વી શ્રી પદ્મવતના શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (4)  
મમ્બક મૂલ-જૈન શ્વ મૂર્તિ ઉપાશ્રય, કૃષ્ણનગર,  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 22 માધ્વી શ્રી ચંદ્રપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (4)  
મમ્બક મૂલ-મલાઈ-ચમ્બઈ
- 23 માધ્વી શ્રી હિતવા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (3)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય  
મુ પા જિના (ગુજરાત)
- 24 માધ્વી શ્રી નવપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (4)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય, માબરમની,  
ગામગર, અહમદાબાદ-380005 (ગુજરાત)
- 25 માધ્વી શ્રી મામ્યપ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (4)  
મમ્બક મૂલ-જન શ્વ મૂર્તિ ઉપાશ્રય, વઢા ચાંદ  
સૂરત (ગુજરાત)
- 26 માધ્વી શ્રી જલન શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (6)  
મમ્બક મૂલ-જન ઉપાશ્રય, વીતગમ પામાલપ,  
પાનઈ, અહમદાબાદ-380007 (ગુજરાત)
- 27 માધ્વી શ્રી હમવતના શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (12)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જન ઉપાશ્રય મુ પા કલોલ  
વાયા જિના અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 28 માધ્વી શ્રી વિપુલ પ્રભા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (16)  
મમ્બક મૂલ-ઉપગાઈ પ્રમાત (1) અનુમાર
- 29 માધ્વી શ્રી પૂણવતના શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (5)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જન ઉપાશ્રય, મુ પા સાદવી  
મારબાઢ, જિના પાલીતાણા (રાજ) 306702
- 30 માધ્વી શ્રી શૈવગુણા શ્રીજી મ મા જાદિ ઠાળા (6)  
મમ્બક મૂલ-શ્વ મૂર્તિ જૈન દગમર, ઉપાશ્રય,  
મુ.મા સમી (ગુજરાત)

31. साध्वी श्री सूर्यकला श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय, आनन्दनगर,  
वाडज-अहमदाबाद (गुजरात)
32. साध्वी श्री सिद्धपूर्णा श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, महावीर सोसायटी,  
नवसारी (गुजरात) 396445
33. साध्वी श्री वीरकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, पावापुरी सोसायटी,  
मु.पो. थरा, जिला साबरकाठा (गुजरात)
34. साध्वी श्री सौम्यप्रज्ञा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. प्रान्तीज (गुजरात)
35. साध्वी श्री राजप्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरान्त क्रमांक (33) अनुसार
36. साध्वी श्री सुरेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. भाणवड़ (गुजरात)
37. साध्वी श्री अमीरसा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)
38. साध्वी श्री भावपूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)
39. साध्वी श्री नात्रिरत्ना श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. ऊण (गुजरात)
40. साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—पालीताणा (गुजरात)
41. साध्वी श्री कंचन श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—रजिम फ्लेटम्, वासणा-अहमदाबाद (गुज.)
42. साध्वी श्री रामरमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—पाटीया नो. उपाश्रय, अहमदाबाद (गुज)
43. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—पालीताणा (गुजरात)
44. साध्वी श्री विरलप्रभा श्री जी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, मु.पो रतलाम  
(म.प्र.) 457001
45. साध्वी श्री सम्यग रत्ना श्रीजी म सा ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—पालनपुर (गुजरात)
46. साध्वी श्रीमुमंगला श्रीजी म.सा. ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—महेसाणा (गुजरात)
47. साध्वी श्री तेजप्रभा श्रीजी म सा ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—विरमगांव (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (47) मुनिराज (61) साध्वियांजी (184)  
कुल ठाणा (245)
- 
- समुदाय में विद्यमान है—गच्छाधिपति (1) आचार्य  
(5) पन्थास (4)  
इस वर्ष नई दीक्षाएँ हुईं—मुनिराज (3) साध्विया नहीं  
इस वर्ष महाप्रयाण हुए—मुनिराज नहीं। साध्वियां (3)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं
- 
- गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (58)  
साध्विया (176) कुल ठाणा (234)
- 
- नोट—स्थानाभाव एवं समयभाव के कारण तुलनात्मक  
तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।
- 

युग की आवाज

सवत्सरी एक हो





36. (ए) साध्वी श्री चारुप्रज्ञा श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
(बी) साध्वी श्री जयलक्षा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
(सी) साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
(टी) साध्वी श्री प्रवीणप्रभा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, पाजयपोल शेरी  
मु.पो. राधनपुर जिला व का (उ. गुज.)
- 37 साध्वी श्री जयानन्दा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जीवी वेन उपा., संघनी क्ली,  
मु.पो. चिरसगांव (गुजरात)
38. साध्वी श्री चन्द्रकला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मोटी बाजार,  
मु.पो. बलमांड (गुजरात)
39. साध्वी श्री जयकीर्ति श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, स्टेशन रोड  
मु.पो. वारडोली जिला मूरत (गुजरात)
40. साध्वी श्री निरूपमा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—फूलीवाडी नो डेलो, देव बाग के पास  
मु.पो. जामनगर (गुजरात) 361001
41. साध्वी श्री सुनन्दा श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. दाड़ा (सौराष्ट्र)
42. साध्वी श्री सुदक्षा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—सौधर्म निवास, रूम न 25, तलेटी रोड,  
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
43. साध्वी श्री इन्दुयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन धर्मशाला, कंसारा बाजार, नानी  
दान शाला, मु.पो. सिरोही (राजस्थान)
44. साध्वी श्री विक्रमेन्द्रा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—साधर्म निवास तलेटी रोड,  
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) 364270
45. साध्वी श्री हेमगणा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—पादरली भवन, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
46. साध्वी श्री देवानन्दा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—ओसवाल यात्रिक गृह, पालीताणा (गुज.)
- 47 साध्वी श्री प्रियदर्शना श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जगा चौरवाल,  
मु.पो. वैरावल-362265 (सौराष्ट्र) (गुज.)
- 48 साध्वी श्री पुष्पचूला श्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जावूवाला नो उपाश्रय, जीनतान रोड,  
भारत मोमायटी की बाड़ी के पीछे,  
मु.पो. सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
- 49 साध्वी श्री हंसकीर्ति श्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. मोरवी (क्वोट)  
जिला राजकोट (गुजरात)
- 50 साध्वी श्री चन्द्रज्योति श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मोटा देरासर, मु.पो. लिम्बडी  
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
51. साध्वी श्री हर्षपूर्णा श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—तणगच्छ श्राविका नो उपाश्रय,  
लिम्बडा नो चौक, मु.पो. वोटदा जिला भावनगर  
(गुजरात)
- 52 साध्वी श्री विमल श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. खाखरेची  
वाया मोरवी, जिला राजकोट (गुजरात)
- 53 साध्वी श्री गुवर्णरेखा श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गाडलिया पार्वनाथ जैन देरासर  
छायजी वाम मु.पो. मांडल
54. साध्वी श्री अक्षय श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन ज्वे मूर्ति पेढी, मराना चौक, बाजार मे  
मु.पो. महैमाणा (गुजरात)  
अहमदाबाद शहर क्षेत्र
55. साध्वी श्री यगोधना श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, निरधर नगर, अहमदाबाद  
(गुजरात)
- 56 साध्वी श्री मुनद्रा श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
साध्वी श्री मुलोचना श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—रुधमणी दाई जैन पोषधशाला,  
माबरमनी, रामनगर, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)

57	माध्वी श्री रामा श्रीजी म मा आदि ठाणा (7) मम्पक सूत्र-गामाई जैन उपाध्य मबरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005	65	मा श्री प्रभुप्रसा श्रीजी म मा आदि ठाणा (5) मम्पक सूत्र-नीराधनः जपाटभेट्गु, धेदाम दक्षिण प न जम्बावाडी-अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
58	माध्वी श्री हमन श्रीजी म मा आदि ठाणा (7) मम्पक सूत्र-मुनाग न। खाता शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)	96	मा श्री चन्द्रप्रता श्रीजा म मा आदि ठाणा (9) मम्पक सूत्र-श्री भोगीनाथ मणीपान 14 ग नरा तागापटी, नरा जगरा मदिन राट पावडी-अहमदाबाद (गुजरात) 380005
59	माध्वी श्री रमनभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3) मम्पक सूत्र-नैन दगमर तुभाप श्रीन, बेसावनवर अहमदाबाद (गुजरात)	67	माध्वी श्री चन्द्रप्रता श्रीजी म मा आदि ठाणा (4) मम्पक सूत्र-गामीवध्वं अहमदाबाद (गुजरात)
60	माध्वी श्री जनुपमा श्रीजी म मा आदि ठाणा (6) मम्पक सूत्र-गदमावनी मानापटी, पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)	68	माध्वी श्री जिनप्रता श्रीजी म मा आदि ठाणा (4) मम्पक सूत्र-नीप गानि पालडी-अहमदाबाद (गुजरात) 380007
61	माध्वी श्री नाराय श्रीजी म मा आदि ठाणा (9) मम्पक सूत्र-वहीपना श्री पाव तातुपुर राट न 1 अहमदाबाद (गुजरात)	69	माध्वी श्री विष्णुप्रता श्रीजी म मा आदि ठाणा (8) मम्पक सूत्र-अहमदाबाद शहर मे
62	माध्वी श्री दागत श्रीजी म मा आदि ठाणा (7) मम्पक सूत्र-भठ इरवि गनगा नी पाव, जैन उपाध्य माटडी नी पाव गा, माटडी-अहमदाबाद- 380001 (गुजरात)	70	माध्वी श्री जगदिप्रता श्रीजी म मा आदि ठाणा (4) मम्पक सूत्र-नारा टेनामट, पावडी अहमदाबाद (गुजरात) 380007
63	माध्वी श्री सुगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2) मम्पक सूत्र-गना महनानी पाव मा जैन उपाध्य, लक्ष्मीनारायण पाव अहमदाबाद (गुजरात)	कुल चातुर्मास (70) सुत्राज (24) साध्विपंजी (373) कुल ठाणा (397)	
64	माध्वी श्री नुरन श्रीजा म मा आदि ठाणा (11) मम्पक सूत्र-नीराज जपाटभेटग डी श्री नारायण म राट गानिवन, क्रमम तागापटी व नमन पालडी अहमदाबाद (गुजरात)	समुदाय मे विद्यमान है-आषाढ (1), पंचाम (1) उपाध्याय (1) जन पत्र-परिवाए नहीं गाट - (1) उ सीक्षा एव पाल धम सूची प्राप्त नहीं हू व काय नुननाभव नातिना प्रस्तुत नहीं कर भवे।	
		जन वष समुदाय मे विद्यमान थे सुत्राज (26) साध्विपंजी (385) कुल ठाणा (441)	

**किसी भी सामयिक अवसर पर परिषद् को  
सहयोग अवश्य प्रदान करें।**

संघ, स्थविर आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय सिद्धी  
सूरीश्वरजी म. सा. (वापजी ख. सा.) का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्यः—  
आचार्य श्री विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (16) सुनिराज (23) साध्वियाँजी (350) कुल ठाणा (373)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. वासणा-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म. सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री ष्वे मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
नवकार पनेट के पास, वानगा-अहमदाबाद (गुज)
2. वाव (गुजरात)
  1. आचार्य श्री बिलय अरविन्द सूरीश्वरजी म. सा.
  2. आचार्य श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म. सा.
  3. प्रवर्तक श्री जयानन्द विजयजी म. सा.  
आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो वाव जिला  
वनासकांठा, वाया डीमा (गुजरात) 385575
3. आदरीयाला (गुजरात)  
प्रवर्तक श्री जम्बू विजयजी म. सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो. आदरीयाला  
वाया विरमगाव (गुजरात)
4. मांचौर (राजस्थान)  
श्री मुनिचन्द्र विजयजी म. सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, नवा वाम,  
मुपो. सांचौर, जिला जालौर (राजस्थान)
5. डभोई (गुजरात)  
श्री हरिचन्द्र विजयजी म. सा आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो. डभोई (गुजरात)

साध्वियाँजी समुदाय

6. साध्वी श्री मनक श्रीजी म. सा आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो. जूनाडीसा, वाया  
पालनपुर, जिला वनासकांठा (गुजरात)
7. साध्वी श्री सुवर्णा श्रीजी म. सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो. शीझुवाड़ा  
वाया दिरमगाव (गुजरात)
8. साध्वी श्री सूर्यकला श्रीजी म. सा  
साध्वी श्री नूतनप्रभा श्रीजी म. सा  
साध्वी श्री नरमणचन्द्र श्रीजी म. सा  
साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म. सा आदि ठाणा (30)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपो वाव वाया डीमा  
जिला वनासकांठा (गुजरात)
9. साध्वी श्री भावपूर्णा श्रीजी म. सा  
साध्वी श्री तीर्थोदया श्रीजी म. सा आदि ठाणा (15)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वीरमती जैन उपाश्रय, लक्ष्मी भुवन  
गोपीपुरा-सूरत-395001 (गुजरात)
10. साध्वी श्री धर्मरत्ना श्रीजी म. सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—मिमला मोनायटी, शंखेण्वर पार्श्वनाथ  
मंदिर के पास, साचरभती-अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
11. साध्वी श्री ज्योतिप्रभा श्रीजी म. सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—लक्ष्मीवर्धक संघ, नारायण नगर रोड.  
जातिवन बस स्टेण्ड, पालडी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)

- 12 माधवी श्री श्रीमतीश्रीजा म मा आदि ठाणा (5)  
मम्पक मूत्र-जैन उपाश्रय, मुपा ठाणा, राम मेहार  
त्रिना नवनगर (गुजरात)
- 13 माधवी श्री मना पूणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
मम्पक मूत्र-गिरिनिरहा आराधना केंद्र, रिंटी राण  
पालीताणा (सांगर) 361270 (गुजरात)
- 14 माधवा श्री मृगाव श्रीजा म मा आदि ठाणा (7)  
मम्पक मूत्र-माधवी नाम मुपा राधापुर बागा  
पावनपुर त्रिना नवनगर (गुजरात)
- 15 माधवी श्री वंश मना श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
मम्पक मूत्र-जैन उपाश्रय मुपा थानगढ़  
त्रिना मुन्द्रनगर (सांगर) (गुजरात)
- 16 माधवा श्री जयपूणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
मम्पक मूत्र-शामना नवन गिरधरनगर,  
अहमदाबाद 380010 (गुजरात)

कुल चातुर्मास (16) मुनिराज (23) साध्विर्वाजा (350)  
कुल ठाणा (373) (अनुमानित)

नाट-(1) उपर्युक्त माध्विया के अलावा जीर भी अन्य  
माध्विया विद्यमान हैं लेकिन उनकी जानकारी  
प्राप्त नहीं हो सकी। यही माध्विया की वा  
गण्या की गयी है यह मत अन्य अनुयायियों  
की गयी है।

(2) नट शिवाण महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं हो  
के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर  
सके।

(3) जैन पर पत्रिकाएँ—नहीं

गत वष सन्तुदाय मे विद्यमान थे—मुनिराज (26) साध्विर्वा  
(400) कुल ठाणा (426) (अनुमानित)

## यह कैसा संयोग

आप कुछ भी समझिये परन्तु सम्पूर्ण जैन समाज में यह  
एक तरह का संयोग ही साबित हो जितने भी प्रभावशाली  
आचार्य या मुनिराज हैं वह विगत 10 वर्षों में अपनी जगति  
के किन्तार पहुँचते-पहुँचते महाप्रयाण के आ-कर्म बढ़ा  
गये और यह भी उचित उाकी व 95-96 के जन्म-प्राप्त  
की ही। कुछ विवरण इस प्रकार हैं—

(1) त्रिन्द्रडी सम्प्रदाय के प्रभावशाली आचार्य प्रण  
श्री सम्प्रदायी म मा भी 96 वष में वाचनम का  
प्राप्त हो गए।

(2) श्रमण मण के प्रभावशाली प्रवक्त मध्वर केजरी  
श्री मिश्रीमन्जी म मा भी 96 वष की वष में ही  
काल धर्म का प्राप्त हो गए।

(3) जब मुनि तपामण्ड के मण्डाधिपति आचार्य श्री  
त्रिजय रामचन्द्र गुरीश्वर जी म मा भी 96 वष  
का वाचन हो वाचन धर्म का प्राप्त हो गए।

(4) श्रमण मण के प्रभावशाली उपाध्याय श्री वसुदेवजी  
म मा भी 95 व आश-प्राप्त हो वाचन धर्म का प्राप्त  
होए।

(5) श्रमण मण के आचार्य मणाल श्री आदि श्रद्धाजी  
म मा भी 93 वष की उम में वाचन धर्म का प्राप्त  
हो गये।

—अन्य विवरण नामांकी अन्य म

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमप्रभ  
सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (52) मुनिराज (32) साध्वियांजी (175) कुल ठाणा (207)

### साधु-मुनिराज समुदाय

1. साहूकार पेंठ-मद्रास (तमिलनाडु)  
गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय हेमप्रभ सूरीश्वरजी  
म.सा.  
पन्यास श्री मलयचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Jain Aradhana Bhawan,  
351, Mint Street, Sowcarpet,  
MADRAS-600079 (T.N.)
2. खंभात (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय यशोरत्न सूरीश्वरजी म.सा.  
सम्पर्क सूत्र-श्री ओसवाल जैन उपाश्रय, माणिक चौक,  
मु.पो. खंभात, जिला खेडा (राज.) 388620
3. सरधना (उ.प्र.)  
श्री कीर्तिप्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे जैन धर्मशाला, चौक बाजार  
मु.पो. सरधना, जिला मेरठ (उ.प्र.) 250340  
निम्नलिखित मुनिराजो के चातुर्मास के बारे में जान-  
कारीज्ञात नहीं हो सकी। कोष्ठक में 1991 के चातु-  
र्मास स्थल का नाम दिया गया है।
4. श्री विभाकर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (अहमदाबाद)
5. श्री भास्करविजयजी म.सा. आदि ठाणा (जामनगर)
6. श्री सिद्धिविजयजी म.सा. आदि ठाणा (राजस्थान)
7. श्री आनन्दविजयजी म.सा. आदि ठाणा (सेरीसा तीर्थ)
8. श्री विनीत प्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा  
(कुंभारियाजी तीर्थ)
9. श्री हरिभद्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (पालीताणा)
10. श्री कीर्तिप्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (पालीताणा)

11. श्री हंसविजयजी म.सा. आदि ठाणा (मुरेन्द्रनगर)

कुल चातुर्मास (52) मुनिराज (32) साध्वियांजी (175)  
कुल ठाणा (207) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान है--गच्छाधिपति (1) आचार्य (2)  
पन्यास (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे--मुनिराज (28) साध्वियां  
(165) कुल ठाणा (193)

नोट--(1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92  
तक भी कई पत्र देने के पश्चात् भी इस समुदाय  
की पूरी-अधूरी सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो  
सकी। इसलिए संख्या 1991 की सूची के अनु-  
सार अनुमान से ही प्रस्तुत की गई है।  
साध्वियों की सूची भी प्राप्त न हो सकी।

(2) जब पूरी सूची ही प्राप्त न हो सकी तो नई दीक्षा  
एवं महाप्रयाण की सूची कहीं से उपलब्ध होती  
और तब तुलनात्मक तालिकाएँ देने का तो  
प्रश्न ही नहीं उठता।

(3) यह सूची पुस्तक समग्र जैन समाज के हर वर्ग  
तक पहुँचती है और फिर जब किसी समुदाय  
की सूची पुस्तक में प्राप्त नहीं हो तो वह उस  
समुदाय के लिए एक चुनौती बन जाती है सभी  
का ध्यान उस ओर खिंच जाता है अतः समु-  
दाय के पदाधिकारीगणों से यही नम्र निवेदन  
है कि आप अपने समुदाय के अलावा समग्र  
जैन समाज के लिए अपनी पूरी सूची यहाँ अवश्य  
देवे ऐसा मेरा एक सुझाव, नम्र विनंती है,  
क्योंकि यह पुस्तक सम्पूर्ण विश्व के जैन समु-  
दाय के हर वर्ग के पास पहुँचती है।

## तारे ते तीर्थ

### भारत का महान तीर्थ श्री आगासी तीर्थ पारवर्तनाथ

सम्पूर्ण भारत में एवं मात्र अति मन्व्य एवं रमणीय, सुन्दर परमात्मा श्री शखेश्वर पारवनाथ भगवान का मन्व्यनिर्माण श्री समवेतरण महामंदिर का मन्व्य निर्माण धर्म प्रभायक पूज्य आचार्य प्रवर श्रीमद विजय दस मुरीवरजा मसा एवं पयान प्रवर श्री प्रभाकर विजयजी मसा आदि पूज्यवरों की सन्प्रेरणा से सम्पन्न हुआ है।

सवित्र नियान श्री गौतम ग्नामीजी का कर्मन आकार गुरु मंदिर एवं राज राजेश्वरी भगवति श्री पन्मावती देवी का भव्य मंदिर कपल आनार का निर्माण भी सम्पन्न हुआ है।

विस 2046 (भारताई 2047) वैशाख शुक्ला 6 के पावा शुभ तिथिमें ताया भक्तों की शुभ भावना व माय उत्साह एवं ह्यनिहाह के साथ अजनशयाना प्रतिष्ठा महासब भी सम्पन्न किया गया था।

- 0 धर्मशास्त्र, उपाश्रम, भावनाशास्त्र, मेनेटरियन आदि की आधुनिक ममी, गुनिघाशा व माय प्राप्ति हृते पर भव्य तीर्थ धाम में सातिष्ठा परम शांति का गुण अनुभूत होता है।
- 0 महातीर्थ का मन्व्य निर्माण सम्पन्न हो चुका है एवं विशेष निर्माण काय अभी भी चल रहा है।
- 0 शासन प्रेमी मज्जनों को भद्र मागर पार उत्तरन व निरागेष महा तीर्थ का महारा अवश्य जाना चाहिए।
- 0 ट्रस्ट की आर म आप सभी को सादर आमंत्रण है कि ऐम महातीर्थ की यात्रा करने क्षय्य पयारे, आप सभी का हादिक स्वागत है।

श्री समवेतरण महामंदिर पारवनाथ,

3 ब्यालपट राड, आगासी तीर्थ बाधा निराग (रेटन रेनवे) जिना ठाणा (महागट्ट) 401301

-निवेदन-

श्री शखेश्वर पारवनाथ जन ट्रस्ट (आगासी तीर्थ) ट्रस्टी मण्डन

श्री महावीराय नम

आचार्य सद्गुरु श्री आनंद ऋषिजी मसा को शन शन वन्दन करत हुए। आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्रमुनिजी मसा उपाश्रय श्री पुष्करमुनिजी मसा आदि ठाणाशास्त्रा गढगिवाणा (राज) म एर श्रमण मधीय मलाहारा प. रन श्री मन्व्यदजो मसा का उद्घन म 1992 का धातुर्मास, ज्ञान, दाद, चाग्रि एव तप की आगप्रनाओं में परिपूर्ण होने की मगन नामना करत हुए।

हादिक शुभकामनाओं सहित।

## श्री दिवाकर के पिसे मसाले

स्पेशल ड ठलट्टूरी कुटो मिर्ची, धनिया, हल्दी, सांगली, पिसे हुई लाल मिर्ची, जमचूर, काली मिर्ची, जोरावन एव संब मसाला

### श्री दिवाकर ट्रेडर्स

- 84, आन्ड राजमोहन्ला (मालगज), इंदौर (मप्र) 452002

श्री दिनेशकुमार रामस्वरूप जन

सभी प्रकार के नमकीन का सामान उपलब्ध

श्री नाकोड़ा तीर्थोद्धारक आचार्य श्री विजय हिमाचल  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति मालानी क्षेत्र उद्धारक, आचार्य प्रवर  
श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (15) साध्वियाँ (75) कुल ठाणा (90)

साधु-मुनिराज समुदाय

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (15) साध्वियाँ (75)  
कुल ठाणा (90) अनुमानित

1. नाकोड़ाजी तीर्थ-मेवानगर (राजस्थान)  
गच्छाधिपति मालानी क्षेत्र उद्धारक, आचार्य  
श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म. सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नाकोड़ाजी जैन तीर्थ पेढी,  
मेवानगर, वाया बालोतरा, जिला बाड़मेर  
(राजस्थान) 344025
2. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)  
पन्यास श्री रत्नाकर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)
3. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)  
पन्यास श्री विद्यानन्द विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)
4. पालीताणा के आसपास (गुजरात)  
श्री बलभद्र विजयजी म.सा. ठाणा (1)
5. शिवगंज (राजस्थान)  
श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री आदिश्वरजी ओसवाल जैन मंदिर पेढी  
मु.पो. शिवगंज स्टेशन, जवाई बाघ,  
जिला सिरोंही (राज.) 307027

समुदाय में विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)  
(1) पन्यास (2)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (15) साध्वियाँ  
(75) कुल ठाणा (90)

नोट:- (1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92  
तक भी इस समुदाय की पूरी सूची प्राप्त नहीं  
हो सकी। गच्छाधिपति श्री के तीन पत्र प्राप्त  
हुए परन्तु उन्होने अपनी असमर्थता ही प्रेषित  
की है। अतः उपर्युक्त सूची सिर्फ अनुमान  
से ही प्रकाशित की गयी है।

(2) जब पूरी सूची ही हमें प्राप्त नहीं होवे तो  
तुलनात्मक तालिकाएँ देना तो एक स्वप्न बन  
जाता है।

(3) यह सूची सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज के हर  
वर्ग तक पहुँचती है, इसका ध्यान रखकर हर  
समुदाय को अपना कीर्तिमान स्थापित कायम  
रखने हेतु सभी को सूचियाँ भेजनी चाहिए,  
ऐसी हमारी विनंती है।

—सम्पादक



हादिक शुभकामनाओ के साथ

# NATIONAL

- ★ CLUTCH CARBON ASSEMBLY
- ★ CLUTCH RELEASE PLATE
- ★ CLUTCH RELEASE FORKS
- ★ CLUTCH BEARINGS
- ★ CYLINDER HEAD EICHER

DISTRIBUTORS FOR TRACTOR PARTS

## NATIONAL TRADING CO.

58 STATE BANK COLONY, G.T. ROAD

DELHI-110 009

TEL NO 7225040

With best compliments from .

Tel No 3437904/3444000

### Sha Umedmal Tilokchandji & Co.

Exclusive Gold Jewellery

Shop No 51-52, Dagina Bazar, Mumbadevi Road,

Tambakantha, BOMBAY-400002 (MH)



Tel No 3446176 3447809

### M/s. Ummed Jewellers

36, Dagina Bazar, Mumbadevi Road,

BOMBAY-400 002 (MH)

श्री बुद्धि तिलक, प्रशांत तपोमूर्ति, आचार्य प्रवर  
श्री विजय शांतिचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर  
श्री भुवन शेखर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (25) साध्वियाँ (120) कुल ठाणा (145)

### साधु-मुनिराज समुदाय

1. केशव नगर-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय भुवन शेखर सूरीश्वरजी  
म.सा.

आदि ठाणा

सम्पर्क सूत्र-श्री भुवन शेखर सूरीश्वरजी ज्ञान मंदिर  
कोठारी कुंज के बाजू में केशवनगर,  
अहमदाबाद-380027 (गुजरात)

2. गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय सोम सुन्दर सूरीश्वरजी म.सा.  
आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा

3. सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर उपाश्रय  
कैलाश नगर, मथुरा गेट-सूरत-395001  
(गुजरात)

4. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)

पन्थास श्री भद्रानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा

5. बम्बई के आसपास (महाराष्ट्र)

श्री रत्नेन्दु विजयजी म.सा. आदि ठाणा

6. गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)

श्री मुभद्रा विजयजी म.सा. आदि ठाणा

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (25) साध्वियाँ (120)  
कुल ठाणा (145) अनुमानित

समुदाय में विद्यमान है-आचार्य (4) पन्थास (1)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ--नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (26) साध्वियाँ  
(125) कुल ठाणा (151)

नोट-(1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद  
19-8-92 तक भी इस समुदाय की सूची कई  
वार पत्र व्यवहार करने के पश्चात् भी प्राप्त  
नहीं हो सकी। इसलिए गत वर्ष के अनुसार ही  
संख्या अनुमान से दी गयी है। जब पूरी सूची  
ही प्राप्त नहीं हुई तो तुलनात्मक तालिकाएँ देने  
का प्रश्न ही नहीं उठता।

(2) यह सूची पुस्तक सम्पूर्ण विश्व के जैन समुदाय  
के हर वर्ग तक पहुँचती है। इसलिए अपने कीर्ति-  
मानों को कायम रखने हेतु सभी समुदायों की  
सूचियाँ प्रकाशित होना आवश्यक है। इस समु-  
दाय की सूची प्राप्त नहीं होने में सभी पाठक  
इस समुदाय के बारे में जानकारी प्राप्त करने  
से वंचित रहेंगे। अतः सम्पूर्ण विश्व के समग्र  
जैन समाज का ध्यान रखकर अपने-अपने समु-  
दायों की सभी सूचियाँ अध्वय भेजे।

-सम्पादक

सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियों को कोटि - कोटि वन्दन

## VINODKANT HARILAL JAGGERY MERCHANTS

New Mandi, MUZAFFARNAGAR-251 001 (U P)

PHONE 403122 403522, 405939

卐 शुभेच्छक卐

### विनोदकान्त गोसलिया

उपाध्यक्ष

एस एस जैन सभा

मुजफ्फरनगर (उ प्र)

जय आनन्द

॥ जय महावीर ॥

जय देवेन्द्र

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Ph. 39168

## श्री रमेश नमकीन भण्डार

नमकीन एव मिठाईयो के थोक एव खरची विक्रेता

54, इमली बाजार, इन्दौर (म प्र)

विशेषताएँ -

- 0 भावे की एव बगाली मिठाईयाँ
- 0 शुद्ध देशी घी की सोहन पपड़ी, सोहन हलवा
- 0 मलाई रोल एव काजू कतली
- 0 शुद्ध मूगफली तेल से निर्मित नमकीन

प्रो लक्ष्मीनारायण जैन

शुभेच्छक -

लक्ष्मीनारायण, रमेशचन्द्र, मुकेशकुमार

एव दिलीपकुमार

हालार देशोद्वारक आचार्य प्रवर श्री विजय

अमृत सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर  
श्री विजय जितेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (4) मुनिराज (4) साध्वियाँ (17) कुल ठाणा (21)

### साधु-मुनिराज समुदाय

1. खंभात (गुजरात)

आचार्य श्री विजय जितेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन भाला, टेकरी, मु.पो. खंभात,  
जिला खेडा (गुजरात) 388620

### साध्वियाँजी समुदाय

2. साध्वी श्री महेंद्रप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-शांति भवन कन्या छात्रावास के सामने  
द्विजय प्लॉट जामनगर-364005 (गुज.)

3. साध्वी श्री अनंतप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

साध्वी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

साध्वी श्री तत्वमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री शांति बिहार चौकसी पॉल, खंभात  
जिला खेडा (गुजरात) 388620

4. साध्वी श्री इन्दुप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)

साध्वी श्री भव्यदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, काशीपुरा, मु.पो. वोरसद  
वाया आणन्द, जिला खेडा (गुजरात)

कुल चातुर्मास (4) मुनिराज (4) साध्वियाँ (17)

कुल ठाणा (21)

समुदाय में विद्यमान हैं आचार्य (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--श्री महावीर शासन (गुजराती-मासिक)  
जामनगर

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (4) साध्वियाँ

(21) कुल ठाणा (25)

रात्रि में बनाये गये खाने-पीने के पदार्थ का दिन

में खाना भी रात्रि भोजन ही है।

- अनुयोग प्रवर्तक - मुनि कन्हैयालाल 'कमल'

ममी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को  
कोटी-कोटी वन्दन

हादिक शुभकामनाओं के साथ

卐

TEJRAJ SUNIL SHANKHLA  
**Raj Electricals**  
115/1, C M H Road,  
ULSOOR,  
Bangalore-560 008  
(Karnataka)

With Best Compliments from

किसी जिज्ञासु ने भगवान महावीर स्वामी म पूछा—  
कि भगवन् साधु की ध्याया क्या है ?

तो प्रभु ने जवाब दिया—

“अमुत्ता मुनि मुत्ता अमुनि”

ऐसे जागृत मुनिवर भगवन् की कोटि-कोटि वन्दन।

**CARE**

**Investments Services**

INVESTMENTS CONSULTANTS

Office 4015, Astodia Rang Bazar  
AHMEDABAD—830001 (Guj)

Resi SEVENTILAL C SHAH  
23, Nemi Nath Nagar, Society,  
S M Road, Ambawatt,  
Ahmedabad—380015 (Guj)

Tel No Office—352516/354375/357278  
Resi—400987/400886

सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मानण्ड  
परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म मा  
को कोटी-कोटी वन्दन करते हुए वर्तमानाचार्य  
परम पूज्य श्री हींगचद्रजी म मा आदि ठाणाओं  
का बालोतरा (राज) में सन् 1992 का  
जातुर्मानि मानद सम्मन् होने की मंगलकामनाएँ  
करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं के साथ—

**M. Shantilal Jain**

No 4, Magadi Road,  
Opp Chak Post

Near K H B Colony,

BANGALORE—560 079 (Karnataka)

शुभेच्छक -

माणकचंद, शांतिलाल, रिखवरराज, सुनिल लोढ़ा

(नाडमर निवासी) बंगलौर

सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों  
को कोटी-कोटी वन्दन

हादिक शुभकामनाओं  
के साथ

**जे. के. जैन**

एडवोकेट

346, दरौबा कला, कूचा सेठ के सामने

दिल्ली-110006

शासन सम्राट, महातपस्वी, राष्ट्रसंत, भारत दिवाकर, कलिकाल अचलगच्छाधिपति आचार्य प्रवर स्व. श्री गुण सागर सूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साधिवयाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (90) मुनिराज (42) साधिवयाँ (200) कुल ठाणा (242)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. 72 जिनालय तीर्थ, तलवाणा (गुजरात)  
तपस्वी रत्न आचार्य श्री गुणोदय सागर  
सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, 72  
जिनालय तीर्थ, गुरुनगर, मुपो तलवाणा  
तालूका माडवी-कच्छ (गुजरात) 370465

2. चौच बन्दर-बम्बई (महाराष्ट्र)

साहित्य दिवाकर, राजस्थान दीप आचार्य  
श्री कलाप्रभ सागर सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-श्री कच्छी वीसा ओसवाल देरासर  
नत्री जैन, महाजन वाडी, 99/101 न्यू चौच  
बंदर रोड, माण्डवी, बम्बई 400009 (महा.)

3. विज्ञान कच्छ (गुजरात)

गणि श्री कवीन्द्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
विज्ञान तालूका अवडासा-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात)

4. जैन आश्रम-नागलपुर (गुजरात)

श्री प्रेमसागरजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री मेघजी सोजपाल जैन आश्रम  
मु.पो. नागलपुर (ढीढ) तालूका माडवी (गुज)

5. बिदड़ा-कच्छ (गुजरात)

गणि श्री महोदय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-मोटी धर्मशाला, चापाणी फरियो,  
मु.पो. विदड़ा-कच्छ, तालूका माडवी (गुजरात)  
370435

6. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

श्री महाभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन धर्मशाला, झासी की, राणी रोड,  
आवा वाजार, मु.पो. माडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370465

7. मांडल (गुजरात)

श्री हरिभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मांडल, वाया विरमगाव (उ गुजरात)  
382130

8. नाला सोपारा-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पुण्योदय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री वासुपूज्य  
स्वामी जैन देरासर पास, वीरा अपार्टमेंटस्,  
महेण पार्क, तुलीज रोड, नाला सोपारा (पूर्व)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401203

9. बड़ौदा (गुजरात)

श्री कमलप्रभ सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ कच्छी जैन भवन,  
भालेराव टेकरा, रावपुरा, जी.पी.ओ. के पीछे  
बड़ौदा (गुजरात) 390001

- 10 लालवाडी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री धर्मप्रथ सागरजी म मा जादि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री मुविधिनाथ जैन दरामर, डा एम एम  
राव रोड धमपुरी, लालवाडी, बम्बई-400012  
(महाराष्ट्र)
- 11 विशाना (राजस्थान)  
श्री नयप्रभ सागरजी म मा जादि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन मंदिर उपाश्रय, मु पा विशाला,  
जिला बाडम (राजस्थान) 344011
- 12 पालीताणा (गुजरात)  
श्री सुदमसागरजी म मा जादि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-जामनगर वाणी धमशाना, माती मुखीया  
क मामने पालीताणा (साराष्ट्र) (गुजरात)  
364270
- 13 हमला भजल-बच्छ (गुजरात)  
श्री मनयसागरजी म मा जादि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु पा हमला भजल, वाया माण्डवी-बच्छ (गुज )
- 14 डिप्रस (महाराष्ट्र)  
श्री उदयरत्न सागरजी म मा जादि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु पा डिप्रस  
जिला यवतमाल (महाराष्ट्र) 445203
- 15 सनवाड (राजस्थान)  
श्री वचनसागरजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री विनायकुमार जम्वालाल, जनरल  
विराना मर्चेंट, मु पा सनवाड, जिला उदयपुर  
(राजस्थान) 313206
- साञ्चियांजी समुदाय
- 16 माधवी प्रमुख श्री हरधश्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-तीन गगन जन सामायटी, तलेटी राड  
मु पा पालीताणा (माराष्ट्र) 364290 (गुज )
- 17 माधवी श्री गिरिवर श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जन उपाश्रय, मु पा  
सामराई-बच्छ तालूका माडवी (गुज ) 370450
- 18 माधवी श्री नमश्रीजी म मा जादि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-उपरान्त प्रमा (4) अनुमार
- 19 माधवी श्री नरेद्र श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र- श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु पा  
मुधरी तीथ, तातूवा अवरामान-बच्छ  
(गुजरात) 370490
- 20 साधवी श्री गुन्द्रथीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-उपरान्त प्रमा (4) अनुमार
- 21 साधवी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री बच्छी भजन, तनेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 22 साधवी श्री मूयमशा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री देरार फर्नीपो, श्री रणनी कुवले  
री जगह म, मु पा गडमीसा धाया माडवी बच्छ  
(गुजरात) 370445
- 23 साधवी श्री-मुनक्षणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु पा  
हातापुर वाया माडवी-बच्छ (गुजरात)
- 24 साधवी श्री निरजन श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय, मु पा कोडाय तालूका  
माडवी-बच्छ (गुजरात) 470460
- 25 साधवी श्री हीरप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु पा मेरालू  
तालूका माडवी-बच्छ (गुजरात) 370465
- 26 साधवी श्री पुण्योदय श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु पा  
नागलपुर (बीड) तालूका माडवी बच्छ (गुज )
- 27 साधवी श्री लखेश्री श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जचलगच्छ जैन उपाश्रय, प्लाट  
न 26/30 पारम हान, डी विंग, गार्गीवार  
रोड, जगडशा नगर, घाटकोपर (केन्द्र)  
बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)
- 28 साधवी श्री चारुनता श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री महेशपण पाश्वनाथ जैन दरार  
महेश्वरी उद्यान वे पाम, विन्ड भनल  
माटूगा-बम्बई-400019 (महाराष्ट्र)
- 29 साधवी श्री वसन्तप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय विनय मावटे  
1 माता स्टेशन वे सामन, मणी नगर,  
अहमदाबाद 380008 (गुजरात)

30. साध्वी श्री अरुणोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. फराही-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
31. साध्वी श्री कनकप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, गणेश चौक  
मु.पो. भीनमाल, जिला जालौर (राज.) 343029
32. साध्वी श्री खरुहप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
गढ़सीसा, वाया माडवी-कच्छ (गुज.) 370445
33. साध्वी श्री वनलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, गणेश चौक  
मु.पो. भीनमाल (जिला जालौर (राज.)  
343029
34. साध्वी श्री कल्याणोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
कांडागरा वाया माडवी-कच्छ (गुजरात)
35. साध्वी श्री भुवन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
कोटड़ा (रोहा) वाया भुज-कच्छ (गुजरात)  
370030
36. साध्वी श्री विश्वोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. नाग्रेचा-कच्छ वाया माडवी (गुजरात)
37. साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-कच्छी भवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
मु.पो. पालीताणा (सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)
38. साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. डूमरा  
वाया माडवी-कच्छ (गुजरात)
39. साध्वी श्री आनन्दप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. कोठारा तीर्थ तालूका अवनाडा कच्छ  
(गुजरात) 370645
40. साध्वी श्री पूर्णानन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
देवपुर (गढ़वाली) तालूका मांडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370445
41. साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
मु.पो. मोटा आसंबिया, वाया भुज कच्छ  
(गुजरात) 370485
42. साध्वी श्री मनोरमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. कोटड़ी  
(नण) वाया मांडवी-कच्छ (गुज.) 370450
43. साध्वी श्री हसावली श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पाग्वनाथ जैन देरासर, प्लॉट न 59,  
जी.आई.डी.सी. नई कालानी, अंकलेश्वर  
(गुजरात) 393002
44. साध्वी श्री सुनन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-राजस्थान में योग्य स्थल
45. साध्वी श्री जयलक्ष्मी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर, 54/55  
जवेर रोड, मुलुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400080  
(महाराष्ट्र)
46. साध्वी श्री महोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, सिगमा  
लेवोरेटरी के पीछे, देरासर लेन, संभवनाथ चौक,  
बडाला-बम्बई-400031 (महाराष्ट्र)
47. साध्वी श्री विपुलयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नरसी केशव धर्मशाला, मु.पो.  
पालीताणा (गुजरात)
48. साध्वी श्री गुणलक्ष्मी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री कच्छी दसा धोमवाल जैन महाजन,  
श्री पदमप्रभु जैन देरासर, स्टेशन रोड,  
मु.पो. चालीसगांव, जिला धूलिया (महा)  
424101
49. साध्वी श्री निर्मलगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
(5) सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन महिला उपाश्रय,  
छापरा शेरी, कच्चा टोणी घर मामे, मु.पो.  
मांडवी-कच्छ (गुजरात) 370465
50. साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. शेरडी  
वाया मांडवी-कच्छ (गुजरात) 370465



- 51 साध्वी श्री विचक्षण श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र—उपराश्रय नमाक (4) अनुसार
- 52 साध्वी श्री अमयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
डोण-कच्छ तालूका माडवी (गुज) 370465
- 53 साध्वी श्री अमयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
मोटो लायजा तालूका माटवी-कच्छ  
(गुजरात) 370475
- 54 साध्वी श्री निलप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
मकडा-कच्छ गार्मीना पाम, वाया भुज (गुज)
- 55 साध्वी श्री ह्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
मोटो वायण तालूका माडवी-कच्छ (गुजरात)
- 56 साध्वी श्री जयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, दरभर के  
मामन, मुपा मोधरा-कच्छ वाया माडवी  
(गुजरात) 370450
- 57 साध्वी श्री धैर्यप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय जैन मंदिर  
नवधर राड, इनाहावाड वक के मामन  
मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-400081 (महाराष्ट्र)
- 58 साध्वी श्री नित्यप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मुपा  
वाक-कच्छ तालूका जरासा, वाया कोठार  
(गुजरात)
- 59 साध्वी श्री चारप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री कच्छी वीणा आमवात जैन साजजतिव  
मध प्रेमगु जैन मंदिर माग, 1 भागा, बाद्रा  
(वेस्ट) बम्बई (महाराष्ट्र) 400050
- 60 साध्वी श्री दिव्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, 15 वाडीया  
स्ट्रीट, मकर वाई मजिन, ताडदेव-बम्बई-  
400034 (महाराष्ट्र)
- 61 साध्वी श्री महाप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र—श्री जैन जयपुरिदा फायवी 9/6 भैरव  
वाणार, नैनगज भागरा 282004 (उ प्रदेश)
- 62 साध्वी श्री तत्रप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, उज्जैन  
पाव न 4, 1 भागा, स्टेशन रोड,  
गोरगाव (वेस्ट) बम्बई (महा) 400062
- 63 साध्वी श्री शीतगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
चीयातर, तालूका जवडागा-कच्छ  
(गुजरात) 370650
- 64 साध्वी श्री ननीवधमा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, पवन  
मेल्न-मी, बुद्ध मंदिर के वाजू म, डा एबी राड,  
बर्ली-बम्बई-400018 (महाराष्ट्र)
- 65 साध्वी श्री मद्रगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
रामाणोया वाया मूद्रा-कच्छ (गुजरात)
- 66 साध्वी श्री कीर्तिगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, विन्दु श्री  
गिल्डिंग 15 वा गस्ता, चेम्बूर-बम्बई-400071  
(महाराष्ट्र)
- 67 साध्वी श्री हिरण्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—जैन उपाश्रय, मुपा नानी तूम्बी  
तालूका माटवी कच्छ (गुजरात)
- 68 साध्वी श्री अमीतप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, कमला  
जपाटमेटम, खप्रा रेस्टारेंट, स्विमिंग पूल व बावू  
म, एम जी राड, कांदिबली (वेस्ट)  
बम्बई (महाराष्ट्र) 400067
- 69 साध्वी श्री तत्वपूर्णा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, जूना  
भोर्डो पाडा, मुपा अम्बरनाथ, तिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 421501
- 70 साध्वी श्री दवगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
भुजपुर तालूका मद्रा कच्छ (गुजरात)
- 71 साध्वी श्री जयपदम गुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय जतिन आर्वेड  
1 भागा एन वी शास्त्री माग, भाण्डुप (वेस्ट)  
बम्बई (महाराष्ट्र) 400078

72. साध्वी श्री चारुधर्मा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जीरावाला पार्श्वनाथ जैन देरासर लेन,  
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-400077 (महा.)
73. साध्वी श्री वीरगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
भोरारा तालूका अवडासा-कच्छ (गुजरात)
74. साध्वी श्री आर्य रक्षिता श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री नेमनाथ  
जैन, देरासर के पास, काजी चकला  
मु.पो. जामनगर (गुजरात) 361001
75. साध्वी श्री जयधर्मा श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
वराडिया, तालूका अवडासा कच्छ (गुजरात)
76. साध्वी श्री संयमगुणा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. जखौ तीर्थ, तालूका अवडासा कच्छ (गुज.)
77. साध्वी श्री गुण दर्शना श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—अचलगच्छ जैन उपाश्रय, कल्पतरु-  
विल्डिंग-वी मु.पो. कांजूर मार्ग)  
(पूर्व) बम्बई-400078 (महाराष्ट्र)
78. साध्वी श्री जारुदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. नाना आसंत्रिया, वाया भुज-कच्छ (गुज.)
79. साध्वी श्री नयगुणा श्रीजी म.सा. ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—वाडमेर जैन समाज, 10 वी, रोड,  
सरदारपुरा, जोधपुर (राज.) 342001
80. साध्वी श्री गुणमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
रूप सिनेमा के पीछे, शांताक्रुञ्ज  
(पूर्व) बम्बई-400055 (महाराष्ट्र)
81. साध्वी श्री अर्हंतकिरणा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, वीरा  
सोपिंग सेटर, 2 माला, तिलक टाकीज के पास,  
स्टेशन के सामने, मु.पो. डोम्बीवली (पूर्व)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 421201
82. साध्वी श्री सम्यग्दर्शना श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे मूर्ति. संघ, महावीर पार्क के  
सामने, भूपालगंज, भीलवाड़ा (राज.) 311001
83. साध्वी श्री निती गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, जूनी चौकी नो  
वास, बाड़मेर (राजस्थान) 344001

आचार्य श्री दान सागर सूरेश्वरजी म. सा. के  
समुदाय के साधु-साध्वियाँ म.सा.

1. श्री कैलाश सागरजी म सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, आनन्द  
वावा नो चकलो, वारोट फली, मु.पो. जामनगर  
(गुजरात) 361001
2. साध्वी श्री मनहर श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री चिंतामणी  
पार्श्वनाथ जैन देरासर, वाणियावाड़ डेला मे.  
मु.पो. भुज-कच्छ
3. साध्वी श्री वसंत श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
श्री नेमीनाथ जैन देरासर के पास, काजी चकला,  
जामनगर-361001 (गुजरात)
4. साध्वी श्री रत्नप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मोटी वरंडी वाया माडवी कच्छ (गुज.)
5. साध्वी श्री जयानन्द श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—गिरि विहार आराधना केन्द्र  
पालीताणा (गुजरात)
6. साध्वी श्री चन्द्रयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
तेरातीर्थ, तालूका अवडासा-कच्छ (गुजरात)
7. साध्वी श्री विघ्ननन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. नलीया तीर्थ, वाया अवडासा-कच्छ (गुज.)

कुल चातुर्मास (90) मुनिराज (42) साध्वियाँजी (200)  
कुल ठाणा (242)

साधु-साध्वी तुलनात्मक तालिका-1992

विवरण	मुनि	साध्वियाँ	कुलठाणा
1991 में कुल ठाणा थे—	41	199	240
(+) नई दीक्षाएँ हुईं	1	6	7
	—	—	—
	42	205	247
(—) महाप्रयाण हुए	—	5	5
	42	200	242
1992 में कुल ठाणा हैं	42	200	242

समुदाय में विद्यमान हैं—आचार्य (2) गणि (2)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ—(1) गुण भारती (मासिक गुजराती)  
बम्बई  
(2) आर्य रक्षित सन्देश (मासिक  
गुजराती) बम्बई

- 11 महूवा (राजस्थान) श्री चन्द्रमाणरजी मया ठाणा (1) सम्पक सूत्र-श्री महावीरप्रसादजी सुग्जचन्द्रजी जैन यागी माहूवा, मुपा मरुवा जिना मर्वाट माघापुर (राजस्थान)
- 12 भागरा (उत्तर प्रदेश) श्री महिमा प्रभ भागरानी मया जादि ठाणा (3) सम्पक सूत्र-भागरा-282001 (उप्र)
- साध्वियांजी समुदाय
- 13 प्रधान माथी श्री जविवन श्रीनी मया जादि ठाणा (12) सम्पक सूत्र-जैन भवन नरेटी गड, मुपो पालीताणा (माराट्ट) 364270 (गुजरात)
- 14 छत्तामण्ट रत्न शिरोमणी माथी श्री मनोहर श्रीजी मया जादि ठाणा (7) सम्पक सूत्र-श्री जजिननाथ जैन प्र मदिन भाजी मडा टलवारी, नागपुर-440002 (महाराष्ट्र)
- 15 माथी श्री विद्वान श्रीनी मया जादि ठाणा (4) सम्पक सूत्र-श्री छगननाथ भागरमल डागी, बरना के व्यापारी, धानमडी, मुपा प्रतापगड जिना चिनीडग (राजस्थान) 312605
- 16 माथी श्री कुमुम श्रीजी मया जादि ठाणा (8) सम्पक सूत्र-श्री जैन प्रवे मदिन, गाधी चौक मुपो महासमुद, जिना रायपुर (मप्र) 493445
- 17 माथी श्री निपुणा श्रीजी मया जादि ठाणा (2) सम्पक सूत्र-श्री जिन हरिविहार धमशांता मुपो पालीताणा (गुजरात) 364270
- 18 माथी श्री निरव श्रीजी मया जादि ठाणा (6) सम्पक सूत्र-श्री महावीर स्वामी जैन देवासर, विनाथ वनम चौक, पायगुनी-बम्बई-400003 (महा)
- 19 माथी श्री कानि प्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (3) सम्पक सूत्र-श्री पाश्र्वनाथ जैन वगीचा, मुपा राजनारगांव (मप्र) 491441
- 20 माथी श्री तरणप्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (3) सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रभा 1 जनुमार
- 21 माथी श्री गुमगना श्रीजी मया जादि ठाणा (4) सम्पक सूत्र-श्री जैन प्रवे मदिन, मुपा धमतरी जिना रायपुर (मप्र) 493773
- 22 माथी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (5) सम्पक सूत्र-Shri Jain Svetamber Temple 15-1 414 Jain Temple Road Feelkhana, HYDERABAD-500012 (A P)
- 23 माथी श्री विद्य प्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (4) सम्पक सूत्र-Shri Svetamber Jain Temple Sultan Bazar Kothi HYDERBAD 500002 (A P)
- 24 साध्वी श्री शूभकर श्रीजी मया जादि ठाणा (3) सम्पक सूत्र-श्री जैन प्रवेताम्बर मदि, मुपा कर्णो जिना वालाघाट (मप्र) 481445
- 25 माथी श्री मनोहर श्रीजी मया जादि ठाणा (9) सम्पक सूत्र-जीनलवाडी उपाश्र्वय, ओमवाट माहल्ला, गोपीपुरा सूरत 395003 (गुजरात)
- 27 माथी श्री मणीप्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (4) सम्पक सूत्र-श्री पाश्र्वनाथ जैन तीर्थ, भावनजी, मुपो भद्रावती, जिना चन्द्रपुर (महा) 442902
- 27 साध्वी श्री सुरजना श्रीजी मया जादि ठाणा (2) सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रभा (5) जनुमार (बंडमैर)
- 28 साध्वी श्री चन्द्रकला श्रीजी मया जादि ठाणा (2) सम्पक सूत्र-श्री मनिनुवत स्वामी जैन दरसर, दादा माहूवा ना पगला नवरगपुरा अहमदाबाद 380009 (गुजरात)
- 29 साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी मया जादि ठाणा (6) सम्पक सूत्र-श्री जिनन्त मूरी जन दादावाडी, बलिबुट तीर्थ के नामने, मुपो धोलका जिना जहमदाबाद-387810 (गुजरात)
- 30 साध्वी श्री गुणप्रभा श्रीजी मया जादि ठाणा (5) सम्पक सूत्र-श्री जिननाथजी जैन देवासर, भावा बाजार, मुपा अजार-कच्छ, जिना मुज (गुजरात) 370110

31. साध्वी श्री सुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple,  
7-C-Mosi Street, P.O ERODE-638003  
(Tamil Nadu)
32. साध्वी श्री प्रकाशवतीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—महावीर भवन, मु.पो. मोकलसर  
जिला वाड़मेर (राजस्थान) 343043
33. साध्वी श्री रतनमालाजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—कुशल भवन, शांतिनगर मु.पो. सांचौर  
जिला जालौर (राजस्थान) 343041
34. साध्वी श्री शशिप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हीराचन्दजी खजाची खजाचियों की  
गवाड़, मु.पो. बीकानेर-334001 (राज.)
35. साध्वी श्री तत्त्वदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—त्रिचक्षण भवन, एस एस वी. का रास्ता,  
जौहरी बाजार, जयपुर-302003 (राज.)
36. साध्वी श्री मुदित प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. दादावाड़ी मंदिर, श्री मालो  
का मोहल्ला, मु.पो. झुंझनु-333001 (राज.)
37. साध्वी श्री जयप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन मंदिर, मु.पो. जैतारण  
जिला पाली (राजस्थान) 306302
38. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन मंदिर, सेक्टर नं. 12,  
प्लॉट नं. 362, मु.पो. गांधीधाम-कच्छ  
(गुजरात) 370201
39. साध्वी श्री विजयेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी मन्नालालजी राणावत,  
मु.पो. बूढा, जिला मन्दासौर (म.प्र.) 458556
40. साध्वी श्री कमल श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—आराधना भवन, नई आवादी,  
मन्दासौर (म.प्र.) 458001
41. साध्वी श्री प्रियदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. जैन मंदिर, दादा साहेब ना पोल,  
स्वामी नारायण रोड, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
42. साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय शाही बाग, अहमदाबाद  
(गुजरात)
43. साध्वी श्री पद्मप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गीतलनाथजी का उपाश्रय  
मु.पो. फलौदी जिला जोधपुर (राज.) 342301
44. साध्वी श्री कोमला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—फलचन्द, धर्मशाला मु.पो. फलौदी  
जिला जोधपुर (राज.) 342301
45. साध्वी श्री विकास श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—कुशल धर्मशाला, सरदारपुरा, मु.पो.  
फलौदी, जिला जोधपुर (राज.) 342301
46. साध्वी श्री विनय प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. जैन मंदिर, 1-0 वी रोड,  
सरदारपुरा-जोधपुर (राज.) 342003
47. साध्वी श्री कुशल श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—केशरियानाथजी की धर्मशाला,  
दफ्तरियों का वास, जोधपुर-342001 (राज.)
48. साध्वी श्री मोहन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जिन हरि विहार धर्मशाला, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
49. साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (48) अनुसार
50. साध्वी श्री चन्द्रकांता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (48) अनुसार
51. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, साडेराव भवन के पीछे  
पालीताणा (गुजरात) 364270
52. साध्वी श्री मेघ श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—महिमा कुटीर, पालीताणा (सौराष्ट्र)  
(गुजरात) 364270
53. साध्वी श्री प्रमोद श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—माधोलाल बाबू की धर्मशाला, पालीताणा
54. साध्वी श्री जगवंत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—समर्थ भवन जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)

- 55 साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (8)  
सम्पक सूत्र-मूलनन्द जन धमशाला, नया बाजार,  
बडोदा 390006 (गुजरात)
- 56 साध्वी श्री दसगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-जैन धमशाला, म पा चौहट्टन  
जिला वाडमेर (राजस्थान)-344702
- 57 साध्वी श्री मुक्ति श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-बोरा की शेरी, रागडी चौक, बीकानेर  
(राजस्थान) 334001
- 58 साध्वी श्री सुन्दर श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-सुगमजी का उपाश्रय, रागडी चौक,  
बीकानेर (राजस्थान) 334001
- 59 साध्वी श्री विनाद श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-धरनरगच्छ जैन उपाश्रय, गुजराती बटला,  
नारेल पोत, पाली-मोरवाड (राज) 306401
- 60 साध्वी श्री मताप श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री शातिनाथजी का मंदिर, शातिनाथजी  
की गर्ला, छोट्टा मेराफा, म पा उज्जैन-456006  
(मध्यप्रदेश)
- 61 साध्वी श्री मञ्जुला श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्व जैन मंदिर, मदा बाजार,  
मु पा रायपुर (मप्र) 492001
- 62 साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-जैन श्वे दादावाडी मंदिर, यू प्ला,  
मु पा अमलनेर, जिना जलगाव (महा)  
425401
- 63 साध्वी श्री दिव्य श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्वे जैन मंदिर, 36 पाग, बापू बाजार,  
धरगदा फाटव, मु पा खडगपुर, जिना मिन्नापुर  
(पश्चिम बंगाल) 721310
- 64 साध्वी श्री कमला श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-गुरंतरगच्छ उपाश्रय, नार्नी पोत,  
मु पा नगौर (राजस्थान) 341001

कुल चातुमति (64) मुनिराज (21) साध्वीदात्री (195)

कुल ठाणा (216)

समुदाय में विद्यमान हैं- गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)  
उपाध्याय (1) गणि (1)

गत वर्ष 1991 में विद्यमान थे-उपर्युक्त अनुसार ही

जन पत्र-पत्रिकाएँ - (1) ज्योति सन्देश बार्ता (हिन्दी  
मासिक) दिल्ली  
(2) जिनैवबर (हिन्दी मासिक) बनारस

## सूचना

बुद्धिपूर्वक से तालाब भरता है, उसी प्रकार आपकी छोटी छोटी जानकारीयाँ, जैसे दीक्षासूत्र, पट्टोत्सव, जयन्तियाँ, तपोत्सव, अजन्मशाला, प्रतिपद्याएँ, विहार ममाचार, चातुमति की जानकारीयाँ आदि ममाचारा से यह पुस्तक तैयार हो जानी है। आप जिस प्रकार सभी मंदिरा, उपाश्रया, देरासग, श्री सभा का अपने महोत्सव की पत्रिकाएँ उड़ भेजते हैं उसी तरह की पत्रिकाएँ इस परिषद का भी भिजवाने की कृपा करावें। यह परिषद भी समग्र जैन ममाज की आपकी अपनी ही एकमात्र अद्वितीय संस्था है।

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

## भाग प्रथम

# 4

सौधर्म बृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक गच्छ समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छ नायक, शासन प्रभावक, गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (10)

मुनिराज (13)

साध्वियाँ (38)

कुल ठाणा (51)

### साधु-मुनिराज

- मोहन खेड़ा तीर्थ (मध्यप्रदेश)
  - गच्छाधिपति, गच्छनायक, शासन प्रभावक, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा.
- ज्योतिषाचार्य श्री जयप्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (9)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर चेरिटेवल ट्रस्ट, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, मु.पो. राजगढ (धार) जिला धार (म.प्र.) 454116 फोन नं 25/97/80
- महामंदिर-जोधपुर (राजस्थान)
 

श्री नरेन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री त्रिस्तुतिक राजेन्द्र जैन भवन, महामंदिर, जोधपुर (राजस्थान)
- शंखेश्वर महातीर्थ (गुजरात)
 

कोकण केशरी श्री लेखेन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन महातीर्थ मु.पो. शंखेश्वर तीर्थ, वाया जिला महेसाणा (राजस्थान)

### साध्वियाँजी समुदाय

- साध्वी श्री ललित श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरी क्रिया भवन, बहिनी का उपाश्रय, मु.पो. सोनमाल, जिला जालौर (राजस्थान) 343028
- साध्वी श्री मुक्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)
 

सम्पर्क सूत्र-  
Shri Sambhavnath Jain Temple,  
Jain Temple Rd. Dada wadi,  
Wishveshwarampur,  
BANGALORE-(Karnataka)

- साध्वी श्री जयन्त श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरी क्रिया भवन, पुराना बस प्लेण्ड, मु.पो. आहौर, जिला जालौर (राजस्थान) 307028
- साध्वी श्री देवेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र भवन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताना (गुजरात) 364270
- साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे मंदिर, मु.पो. मोहना, वाया कल्याण जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
- साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)
 

सम्पर्क सूत्र-  
Shri Rajendra Suri Jain Sangh,  
Rajendra Bhawan,  
Sowcarpet, MADRAS-600079 (T N.)
- साध्वी श्री हर्षलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र- इन्दौर-452002 (म.प्र.)

कुल चातुर्मास (10) मुनिराज (13) साध्वियाँ (38)  
कुल ठाणा (51)

समुदाय में विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)

नई दीक्षाएँ हुई (2)

महाप्रयाण हुए नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (12) साध्वियाँ (39) कुल ठाणा (51)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--राजेन्द्र विद्या प्रकाश (मासिक हिन्दी) मोहनखेड़ा तीर्थ

नोट.-इस समुदाय की जो सूची हमें प्राप्त हुई उसमें किसी के भी पूर्ण सम्पर्क सूत्र नहीं लिखे हुए थे। अतः हमने यहाँ जो सम्पर्क सूत्र प्रस्तुत किये हैं वे अनुमान से ही प्रकाशित किये गये हैं। पाठकगण सुधार कर पढ़ें।

सभी पूज्य आचार्यों एवं माधु-साध्वियों  
को कोटि-कोटि वन्दन

हादिक शुभकामनाओं सहित—

आफिस-2522676/2529185

निवा-7213193/7243194

सेठ श्री खैरायतीलाल जैन  
चेरीटेबल ट्रस्ट

एन के (इण्डिया) स्वर कम्पनी प्रा लि  
2/8, एन नगर, दिल्ली-110007

शुभेच्छक

राजकुमार जैन

मन्त्री अ भा श्वे जैन फार्मेट्स, बम्बई  
दिल्ली

शान्त प्रभावक, प्रसिद्ध बक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचयति  
ए रत्न पूज्य गुरुदेव श्री मुद्गल्लानजी म मा आदि ठाणा  
(7) का शालीमा वाग एवं आजन्वी बक्ता महाप्रभावी धा  
पदमचन्द्रजी म मा "शाम्प्री" आदि ठाणा- (5) का चान्दा  
नवी दिल्ली म सन्, 1992 का चातुर्मास शान्त, दर्शन, चारि  
एव तप की आगधनाओं म यशस्वी एवं मङ्गल वाते की मात्र  
कामनाओं करत हूँ।

हादिक शुभकामनाओं सहित !

OFFICE 7215368

Tel- 7246665

Rest 7123799

**Vardhman Metal Inds.**

Plot No 2, Near Post Office,  
Hyderpur, DELHI-110042

शुभेच्छक

सत्येन्द्र कुमार जैन

दिल्ली

जय ध्यानन्द

जय महाराज

जय अम्बेश

जन-जन के श्रद्धावेन्द्र पूज्य प्रवक्तक गुरुदेव श्री 1008 श्री अम्बालालजी-म सा, श्रमण सघीय  
महामन्त्री श्री सौभाग्यमुनिजी म सा 'कुमुद' आदि ठाणाओ 8 का लावा  
सरदारगढ, (राज) में वर्षावास

(1) महासती जी श्री.प्रेमवतीजी म सा. आदि ठाणा 6 का नाथद्वारा वर्षावास

(2) महासतीजी श्री सोहनगुवरजी म सा आदि ठाणा 5 का सनवाड वर्षावास

(3) महासतीजी श्री रूपकुवरजी म सा आदि ठाणा का रायपुर वर्षावास

\* सभी वर्षावास सानन्द-यशस्वी स्वरूप लेकर नमस्कृत हो।

इन्हीं शुभ मङ्गल कामनाओं के साथ—

अभिनन्दनकर्ता

\* शाह नानालाल मुरालाल एण्ड कम्पनी \*

शाहपुर चकला, अहमदाबाद (गुज)

आफिस 24454, निवा-481555

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

## भाग द्वितीय

# 4 A

सौधर्म बृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक सुविशाल जैन संघ के प्रमुख गच्छाधिपति :- संघ सुविशाल गच्छाधिपति, साहित्य मनीषी, तीर्थ प्रभावक, प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, मधुर भाषी, राष्ट्र संत, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (21)

मुनिराज (24)

साध्वियाँ (69)

कुल ठाणा (93)

### साधु-मुनिराज समुदाय

#### 1. सूरत (गुजरात)

संघ सुविशाल गच्छाधिपति, राष्ट्रसंत, साहित्य मनीषी, तीर्थ प्रभावक, प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, मधुर भाषी, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरेश्वरजी म.सा. "मधुकर"

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर, हनुमान चार रास्ता, मेन रोड, गोपीपुरा, सूरत-495003 (गुजरात)

#### 2. जीवाणा (राजस्थान)

श्री गातीविजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, मु.पो. जीवाणा (राजस्थान)

#### 3. भीनमाल (राजस्थान)

श्री भुवन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति. जैन मंदिर, मु.पो. भीनमाल जिला जालौर (राजस्थान) 343020

#### 4. सांघु (राजस्थान)

श्री केवल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति. जैन मंदिर, मु.पो. सांघु जिला सिरौही (राजस्थान)

#### 5. थराद (गुजरात)

श्री मुक्तिचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन मंदिर, त्रिस्तुतिक जैन संघ, मु.पो. थराद, वायो डीसा जिला वनासकाठा (गुजरात)

#### 6. नेनावा (राजस्थान)

श्री जयकीर्ति विजयजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-

#### 7. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

श्री पद्म रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-

### साध्वियाँजी समुदाय

#### 8. साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर

मु.पो. रेवतड़ा (राजस्थान)

#### 9. साध्वी श्री महाप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति. जैन मंदिर मु.पो. भीनमाल

जिला जालौर (राज) 343020

#### 10. साध्वी श्री भुवनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (11)

सम्पर्क सूत्र-सूरत-उभरोक्त क्रमांक (1) अनुसार

#### 11. साध्वी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (12)

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि दादावाड़ी, तलेटी रोड

पालीताणा (गुजरात) 364270

#### 12. साध्वी श्री प्रेमलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन देरामर, मु.पो. पाटण

जिला महेशाणा (गुजरात)



- 13 साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म मा आदि ठाणा (5),  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, निस्तुतिक  
जैन मघ, मु पो महिदपुर, जिना मदनौर (म प्र)
- 14 साध्वी श्री महिला श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पा मियाणा  
जिला नागार (राजस्थान) 343028 -
- 15 साध्वी श्री बोनललता श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पा साधु  
जिला धिराही (राजस्थान)
- 16 साध्वी श्री मूषविला श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पा जीवाणा, जिना नगर (राजस्थान)
- 17 साध्वी श्री जलवमुषा श्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पा राणापुर (मध्य प्रदेश)
- 18 साध्वी श्री जात्मदत्ता श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न मूत्र-श्री राजेन्द्र मूर्ति जैन मंदिर, राज पात,  
हाथीखाना, राजेन्द्र मूर्ति, चाण,  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 19 साध्वी श्री पुण्यदत्ता श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पा धानेरा जिना बनानाठा (गुजरात)
- 20 साध्वी श्री दिव्य दमना श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर  
मु पो वागरा (राजस्थान)
- 21- साध्वी श्री दशित बना श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पा धार  
(मध्य प्रदेश)
- कुल चातुर्मास (21) मुनिराज (24) साध्वीयांजी (69)  
कुल ठाणा (93)
- समुदाय से विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)  
जन पत्र-परिभाषा—शाश्वत धाम (हिंदी मासिक)  
ठाणा सम्बन्ध
- नोट—(1) नड शीगा एवं महाप्रयाग की मूर्ति प्राप्त नहीं  
होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं  
क सके।  
(2) इन समुदाय की जो मूर्ति हमें प्राप्त हुई हैं उनमें  
विभी की भी सम्पर्क मूत्र पूषण सिद्ध हुए नहीं  
होने के कारण सम्पन्न मूत्र अनुमान में ही  
प्रकाशित किया गया है।
- गत वर्ष 1991 में समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (25)  
साध्वीयांजी (69) कुल ठाणा (94)

## अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेस, दिल्ली के अध्यक्ष श्री पुखराज लुंकड द्वारा प्रेरित एवं संचालित भव्य आयोजन जीवन प्रकाश योजना

जैन समाज के निम्न माध्यम बग की सेवा,

किडनी, कैंसर, हाट आदि बीमारियों में तत्काल सहयोग,

प्रतिभाषाली छात्रों के उच्च अध्ययन में महरो आदि की सहायता की जाती है।

आप भी अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें

**पुखराज एस लुंकड - अध्यक्ष**

99, आड प्रभादेवा, बम्बई-400025

फोन - 4309536, 4306494

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

भाग तृतीय

# 4 B

सौधर्म बृहद् तपागच्छ त्रिस्तुतिक गच्छ समुदाय (भाग तृतीय) के वर्तमान में प्रमुख गच्छाधिपति:—गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय लब्धि सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साधिवयांजी म. सा.

कुल चातुर्मास (2)

मुनिराज (6)

कुल ठाणा (6)

## साधु-मुनिराज समुदाय

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति जैन मंदिर, मु.पो. बामणवाड़ा स्टेशन जवाई बाध, जिला सिरोही (राज.)

### 1. लाकरा (राजस्थान)

गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय लब्धि सूरेश्वरजी म.सा. आदि ठाणा (5)

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (5) कुल ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, उपाश्रय म.पो. लाकरा (राजस्थान)

समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति, आचार्य (1) जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं

### 2. बामणवाड़ा (राजस्थान)

श्री कमल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (1)

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं (7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए !

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति पं. रत्न पूज्य गुरु देव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं (7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए .

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

Tel.: Office—2513096  
Resi.—3275048

Tel. 7775722

**Sukhbir Singh**

**Satiih Chand Jain**

✽ **Sushil Textiles** ✽

Whole Sale Cloth Marchants

1219, Katra Satya Narayan,

1st Floor, Chandni Chowk, DELHI—110006

**Jain Trading Co.**

Suppliers of All Kinds of Toys  
5393/17-A, Gupta Market, Sadar Bazar,

DELHI—110 006

शुभेच्छुक :

**सुभाषचंद जैन** ✽ **मुकेश जैन**

(सोनीपत वाले) दिल्ली

# श्री अमर जैन साहित्य संस्थान उदयपुर का जीवन प्रेरक साहित्य

शोध प्रबंध	नाटक
0 आधुनिक विज्ञान और अहिंसा	0 पंगोसा
0 अहिंसा की दोनती मोनारे	0 मानवता का अंत स्वर
0 इन्द्रभूति गौतम एक अनुभूति	0 औसू और आवाज
0 श्री भगण मुनि शास्त्री माधव-मजंक	0 भटकते बंदम
0 अमर दीप (स्मारिका ग्रंथ)	0 रत्न कम्बोज
0 भगवान महावीर एक परिचय	0 विराय का भवान
0 आचार्य श्री अमर जीवन दर्शन	0 छून का रिस्ता
<b>भागम</b>	<b>कविता</b>
0 भगवान महावीर के हजार उपदेश	0 विश्व ज्योति महावीर
<b>चिंतन</b>	0 विश्व ज्योति महावीर
0 प्रेरणा क विदु	0 सुवह के भूल
0 विचार दगन	0 वाणी वीणा
0 विचार-रेखा	0 सरन भावना बोध
0 जीवन-के अमर कण	0 जीवित सप्तमी
<b>कहानी</b>	<b>मुसतक</b>
0 आशोवाद	0 अनर्ज स्व
0 वरदान	0 प्रहृति के चौराह पर
0 अपना धर्म	0 महक उठा कवि मम्मेलन
0 डालक वीन बनायेगा	0 अपना आईना अपना चहरा
0 जि दगी के लिए	<b>शणिकारें</b>
0 मेरा भगवान	0 सच्चाई के पद पर
0 पतमड के बाद	0 तालियों की गडगडाहट
0 पय के जलते दीप	0 ययार्थ की घना पर
<b>उपन्यास</b>	0 हर्ग ज्यादा घर पन
0 शीशमहर	<b>गीत</b>
0 विजय	0 पाच कवि
0 चरित्र का चमत्कार	0 गीता का मधुवन
0 कु दन	0 मगल प्रायना
0 मजोग	0 नये गीत
0 परदेसी	0 जिन द गीत
0 ज तयात्रा	0 प्रायना के मंगल स्वर
0 सुवह की धूप	<b>प्राप्ति के दर्शन</b>
0 भागर के पाप	0 श्री अमर जैन साहित्य संस्थान
0 विश्वास	गणेश विहार, मण्डल-1, उदयपुर (राज)
0 मेरी कहानी	313001

नाट-प्रसिद्ध साहित्यकार- पानज्योति पूज्य गुरदेर/ श्री गणेश मुनिजी "शास्त्री" की 47वीं दीक्षा जयंती-आरंभित  
मुक्ता-10 तक पुस्तक खरीदी पर पाठकों के गुविप्राथ 25% प्रतिशत की छूट का प्रायदान है।

युग प्रधान बादा साहेब आचार्य श्री पार्श्वचन्द्र सूरेश्वरजी  
म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख:— पार्श्व गच्छ नायक पं. रत्न  
मुनि श्री रामचन्द्रजी म. सा.

कुल चातुर्मासि (29) मुनिराज (11) साध्वियाँ (71) कुल ठाणा (82)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. रायपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
पार्श्वगच्छ नायक पं. रत्न मुनि श्री रामचन्द्रजी म.सा.  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय  
भैयानी वारी, जामली ती पोल, रायपुर-  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
2. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)  
श्री मुक्तिचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री देशलपुर जैन उपाश्रय, मु.पो. देशलपुर  
(कंठी) तालूका मुन्द्रा-कच्छ (गुज.) 370415
3. बलसाड़ (गुजरात)  
श्री भुवनचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—बोधि बगलो, जवाहर सोसायटी,  
हालर रोड, क्रोस लेन, मु.पो. बलसाड़  
(गुजरात) 390006
4. बीकानेर (राजस्थान)  
श्री तिनोकचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वनाथ जैन उपाश्रय, रामपुरिया  
सड़क, बीकानेर-334001 (राजस्थान)
5. खंभात (गुजरात)  
श्री मनोजचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
बोरपीपलो, मु.पो. खंभात जिला खेड़ा  
(गुजरात) 388620

6. डोम्बीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पूर्णयशचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन सघ उपाश्रय,  
श्री गुरु मादली छापा, रामनगर, चितरंजनदास  
मार्ग, डोम्बीवली (पूर्व) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 421201

7. मांडल (गुजरात)

श्री पुन्यरत्नचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र जैन उपाश्रय, मांडवी चौक  
मु.पो. मांडल, बाधा विरमगाव (गुज.) 382130

साध्वियाँजी समुदाय

8. साध्वी श्री महादेव श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय, पोपट नगीन  
की खड़की, माणोक चौक मु.पो. खंभात जिला  
खेड़ा (गुजरात) 388620
9. साध्वी श्री मुनन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ,  
श्री भैरवान जैन धर्मशाला, सी रोड, मरदरपुर,  
मु.पो. जोधपुर-342001 (राजस्थान)
10. साध्वी श्री अमृत श्रीजी म.सा. (स्थिरवास)  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पुष्पमणि सोसायटी, जवेर रोड  
मुलुण्ड-(वेस्ट) बम्बई-400080 (महाराष्ट्र)

- 11 माध्वी श्री मूयप्रभा श्रीजी म सा - आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
माटा भाटवाडा, मुपा विरमगाव  
(गुजरात) 382150
- 12 माध्वी श्री चन्द्रादय श्रीजी म सा (स्विरराम)  
ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, दरामर राड,  
मुपा बिदडा-कच्छ तातुवा माडवी  
(गुजरात) 370435
- 13 माध्वी श्री उद्यानरमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री नवावाम मूर्ति पूजक जैन उपाश्रय  
मुपा नवावास (डुगापुर) तातुवा माण्डवी-कच्छ  
(गुजरात)
- 14 माध्वी श्री वसतप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय, माडवी  
चाव, मुपा गाडल वाया विरमगाव  
(गुजरात) 382130
- 15 विदुया माध्वी श्री लेंकार श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पक सूत्र-श्री ऋषभदेव जन दरारद, 10 वा रोड,  
जैन मंदिर चेम्बूर-बम्बई-400071 (महा)
- 16 माध्वी श्री सुमयता जी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय, मुपा  
मोटी खाडर राया विण्डा, कच्छ (गुजरात)
- 17 माध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय वचरा  
वाना नोखाचा नानी बाजार बाको लिबटो,  
मुपा धाणध्या (सीराष्ट्र) (गुज) 363310
- 18 माध्वी श्री मूरनता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
आनद चाव, गामला ना पाल, रावपुर-  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 19 माध्वी श्री स्वयप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
मुपा उन्नावा (सीरादतार) तातुवा जैसा  
विना बनामराठा (गुजरात) 384160
- 20 माध्वी श्री आम्भगुणा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री गौरीराज पाव, हानर राड, फाल वे,  
मुपा बलसाद (गुजरात) 396001
- 21 माध्वी श्री मुयगलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र मूरी ज्ञान मन्दिर, गोट  
गावटे रोड, मल्लुच (बेम्बई) बम्बई 400080  
(महाराष्ट्र)
- 22 माध्वी श्री तुमव श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
रामपुरिया भडन, मुपा बोकातेर (राजस्थान)
- 23 माध्वी श्री पवज श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र मूरी ज्ञान मंदिर, रतनभार  
विन्डिंग, 60 फुट रोड, सायदर (बेम्बई)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401101
- 24 माध्वी श्री निवानन्द श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
मुपा नानी खाडर वाया बिदडा-कच्छ  
(गुजरात) 370435
- 25 माध्वी श्री तत्वानन्द श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री लोकागच्छ जैन उपाश्रय, 125  
बालचद्र हीराचन्द्र माग, वाटा बाजार, बी टी क  
सामन, बोट बम्बई-400001 (महाराष्ट्र)
- 26 माध्वी श्री रम्यानन्दा श्रीजी म सा (स्विरवास)  
ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाश्रय, गाधीमज, मुपा छिबवाडा  
(मद्र) 480001
- 27 माध्वी श्री पदमरखा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
गुजरातिया की पोत, मुपा नागौर  
(राजस्थान) 344001
- 28 माध्वी श्री जयनदिता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री पाश्वचद्र गच्छ जैन उपाश्रय  
मुपा नाना भाडीया तातुवा माडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370415

29. साध्वी श्री अनंत गुण। श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. बिदड़ा-कच्छ, तालूका मांडवी  
(गुजरात) 370435

कुल चातुर्मास (29) मुनिराज (11) साध्वियाँ (71)  
कुल ठाणा (82)

- नोट:—(1) नई दीक्षा एवं काल धर्म सूची प्राप्त नहीं होने  
के कारण तुलनात्मक तालिका नहीं दे सके।  
(2) गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज  
(11) साध्वियाँ (70) कुल ठाणा (81)  
(3) संघ जैन पत्र-पत्रिकाएँ—बाल स्मृति (मासिक  
गुजराती) बम्बई  
(4) इस समुदाय में गच्छाधिपति या आचार्य  
नहीं है मुनिराज ही संघ नायक है।

विशेष.—इस समुदाय की यह सूची 15-8-92 को चातुर्मास  
प्रारंभ होने के 33 वे दिन प्राप्त हुई वह भी छपी हुई  
कापी। हमने तो अथकी बार प्राप्त नहीं हुई का नोट  
लगा दिया था परन्तु फिर भी इसे सम्मिलित कर  
कर लिया। काश ! यदि इस सूची की कच्ची फोटो  
कापी ही हमें कुछ दिन पूर्व मिल जाती तो हमें  
मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ता। पाठकगण  
अब आप ही विचार करे कि 33 वे दिन हमें सूची  
मिले तो पर्यूपण का किनारा हमारे क्यों हाथ  
नहीं लगेगा फिर आप ही कहते रहते हैं कि इतनी  
देर कर दी। आज 15/8 को ही श्री नेमीसूरीजी  
समुदाय की सूची अभी भी हमें प्राप्त नहीं हुई है।  
आशा है भविष्य में इस ओर अवश्य ध्यान देगे।

—सम्पादक

शानन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं  
(7) का शालीमार बाग एव ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री  
पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी  
चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
कामनाएँ करते हुए !

卐

हादिक शुभकामनाओं सहित !

धर्मपाल जैन

Z-213, लोहा मंडी, नारायणा

नईदिल्ली-10028

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं  
(7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री  
पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी  
चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
कामनाएँ करते हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

Ph : Office—26 72 41

Rest—7129364

7227463

Shree Shanti Nath  
Wire Store

Dealers in

Wire, Wire Netting, Expanded Metal

Perforated Sheets, Welded Mesh

Hexagonal Wire Netting ect.

KISHORILAL JAIN

3494, Gali Bajrang Bali, Chawri Bazar,

DEHLI—110006

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
 प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदशननाथजी म मा आदि टागाभा  
 (7) का शासनाभार प्राप्त एवं आचर्यवी वक्ता महाप्रभावी श्री  
 पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि टागाभा (5) का चौथी  
 बार दिल्ली में म 1992 का चातुर्मास पान, दान, चारित्र्य  
 एवं तप की आराधनाओं में यत्नस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
 कामनाएं करने हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

## Jagdish Prashad Jain

K-78, Bal Vdyan Marg Uttam Nagar  
 NEW DELHI-110 051

卐 Tel Office—5707315  
 Rest—5550067

## Jain Sales Corp

Iran & Steel Merchants  
 2 10 Loha Mandi Naraina  
 NEW DELHI-110028

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
 प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदशननाथजी म मा आदि टागाभा  
 (7) का शासनाभार प्राप्त एवं आचर्यवी वक्ता महाप्रभावी श्री  
 पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि टागाभा (5) का चौथी  
 बार दिल्ली में म 1992 का चातुर्मास पान, दान, चारित्र्य  
 एवं तप की आराधनाओं में यत्नस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
 कामनाएं करने हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

Tel Rest—7224579

## Shri Sudershan Steels

Dealers in BP CZC Sheets & CZ  
 Coil & Order Suppliers  
 Deals in Nippon Denro Ispat Ltd  
 & E D D Sheet

X 37, Loha Mandi Naraina,  
 NFW DELHI-110028

## सुशील कुमार जैन

पोस्ट-10, सानोमार बाग, (परिषद)  
 दिल्ली-110052

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
 प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदशननाथजी म मा आदि टागाभा  
 (7) का शासनाभार प्राप्त एवं आचर्यवी वक्ता महाप्रभावी श्री  
 पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि टागाभा (5) का चौथी  
 बार दिल्ली में म 1992 का चातुर्मास पान, दान, चारित्र्य  
 एवं तप की आराधनाओं में यत्नस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
 कामनाएं करने हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

Tel Office—5708564  
 Rest—7228616

## Nihalchand Mangal Sain Jain

Y 138, Loha Mandi Naraina  
 NFW DELHI-110028

शुभेच्छुक  
 मंगल सेन जैन  
 दिल्ली

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
 प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदशननाथजी म मा आदि टागाभा  
 (7) का शासनाभार प्राप्त एवं आचर्यवी वक्ता महाप्रभावी श्री  
 पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि टागाभा (5) का चौथी  
 बार दिल्ली में म 1992 का चातुर्मास पान, दान, चारित्र्य  
 एवं तप की आराधनाओं में यत्नस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
 कामनाएं करने हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

Ph 5721173/5715285

## Kailash Jewellery House

Manufacturers & Exporters of  
 Gold & Diamond Jewellery  
 11/2396 Gurdwara Road  
 (Below State Bank of Mysore)  
 Karol Bagh  
 NEW DELHI-110005

शुभेच्छुक  
 किमतीलाल जैन  
 दिल्ली

श्री विमलगच्छ समुदाय

6

विमल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री शांति विमल  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख संघ नायक:-  
पन्यास श्री प्रधुम्न विमल जी म. सा.

कुल चातुर्मास (13) मुनिराज (4) साध्वियाँजी (41) कुल ठाणा (45)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. अहमदाबाद (गुजरात)  
विमलगच्छ नायक, मधुर वक्ता, पन्यास श्री  
प्रधुम्न विमलजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री विमल गच्छ जैन उपाश्रय, देवसा नो  
पाड़ो, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
2. पालीताणा (गुजरात)  
श्री नरेन्द्र विमलजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-हिम्मत विहार जन धर्मशाला  
तलेटी रोड, पालीतणा (गुजरात) 364270

साध्वियाँजी समुदाय

3. साध्वी श्री त्रिलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति. जैन उपाश्रय, मु.पो. ऊँछा  
जिला वनासकांठा (गुजरात)
4. साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन देवास  
मु.पो. बोरसद (गुजरात)
5. साध्वी श्री सुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र-श्री विमल गच्छ जैन उपाश्रय, रिलीफ  
रोड, देवसा नो पाड़ो, अहमदाबाद  
(गुजरात) 380001
6. साध्वी श्री भुवन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन देरामर उपाश्रय, पाछीया नी पोल  
अहमदाबाद (गुजरात)
7. साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-शोधुष्य मोसायटी, पालडी  
अहमदाबाद (गुजरात)

8. साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-अमारि विहार धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
9. साध्वी श्री गुणोदिया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-अण्ठपद जैन उपाश्रय, मु.पो. विसनगर  
वाया जिला महेसाणा (गुजरात)
10. साध्वी श्री शरदपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-दहीसर-बम्बई (महाराष्ट्र)
11. साध्वी श्री भव्यकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे. जैन मंदिर मु.पो. चौहदन  
जिला वाडमेर (राजस्थान)
12. साध्वी श्री सुभद्रा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-आरीसा भुवन धर्मशाला, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
13. साध्वी श्री महापूर्णा श्रीजी म.हा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन श्वे. उपाश्रय मु.पो. पाटडी  
वाया विरमगांव, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

कुल चातुर्मास (13) मुनिराज (4) साध्वियाँजी (41)  
कुल ठाणा (45)

समुदाय में विद्यमान है-पन्यास (1)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ-- नहीं  
नई दीक्षाएँ-- नहीं  
महाप्रयाण हुए-- साध्वियाँ एक

नोट:-उपर्युक्त सूची में मुनिराजों एवं कई अन्य साध्वियों  
के नाम गत वर्ष की सूची के अनुसार इस वर्ष प्राप्त  
नहीं हुए। ऐसा गत वर्ष की सूची से जात हो रहा है।  
गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (9) साध्वियाँजी  
(54) कुल ठाणा (63)



गामन प्रमात्रा प्रसिद्ध वक्ता, महाभक्ति व्याख्यान साप्ताहिक व "लपूंग मुरख श्री मुदातावात्रा ममा  
 आदि टाणाओ (7) का प्राचीनतर राग एव आजम्बी वक्ता महाप्रमात्री श्री पञ्चदशी ममा "ताम्ना" आदि  
 टाणाओ (5) का चर्चितो चार टिप्पणी म मन् 1992 टा तागुमान चान, एगन आदि एव तप की आगप्रनात्रा म  
 यमम्बा एव मपन ताले की मगत कामनाओं करके हुए ।

**शुभकामनाओं के साथ**

Tel No 3273527  
3264925

# Ram Sham Sales Corporation

Dealers in -  HARDWARE GOODS  SANITARY WARE  WELDING  
 MATERIALS  WIRE & WIRE-PRODUCTS  PIPE &  
 PIPE FITTINGS

AND

GENERAL ORDER SUPPLIER

3228/2, Gali Pipal Mahadev Opp Chomukha Temple, Hauz Qazi  
 DELHI-110 006

Sister Concerns -

Tel No (054462)  
276

## Pannalal Jain & Sons

7, Auri More Bina Road, P O Anpara,  
 Distt SONBHADRA (U P) -231225

Tel No 7271585  
7272136

## Pannalal Radheysham Jain

120/H-32 Sector 3, Rohini,  
 DELHI-110085

# श्वे. मूर्ति. जैन समुदायों के अन्य साधु-साध्वियाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (9) साध्वियाँ (—) कुल ठाणा (9)

## साधु-मुनिराज समुदाय

### 1. मजेरा (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय आलन्दघन सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति, जैन मंदिर, मु.पो. मजेरा  
वाया केलवाड़ा (राजस्थान) 313325

### 2. सावत्थी तीर्थ-बाबला (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री संभवनाथ जैन देरासर पेढी, नेशनल  
हाईवे रोड नं. 8-ए, मु.पो. सावत्थी तीर्थ, पोस्ट  
बाबला, जिला अहमदाबाद (गुजरात) 382220  
फोन नं. (02704) 2612

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (9) कुल ठाणा (9)

नोट:—इनके अलावा भी अन्य कई साधु साध्वियाँ और भी  
हो सकते हैं। पूरी जानकारी प्राप्त नहीं होने के  
कारण प्रस्तुत नहीं कर सके।

## श्वे. मूर्ति. समुदायों में कुल

कुल चातुर्मास (1256) मुनिराज (1315)  
साध्वियाँजी (4918) कुल ठाणा (6228)

## छपते-छपते

### श्वे. नवतेरापंथी स्वतंत्र समुदाय के साधु-साध्वियाँ

#### भाग प्रथम :

#### 1. द्रोणाचलम् (राज.)

नव तेरापंथ के आचार्य श्री चन्दनमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

साध्वी श्री उषाकुमारीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—व्यवस्थापक, अहम.आश्रम, मु. द्रोणाचलम्  
पो. गोपालपुरा जिला चूरू (राज.) 331503

#### 2. अहमदगढ़ मंडी (पंजाब)

साध्वी श्री मोहनकुमारी जी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर, मु.पो. अहमदगढ़  
जिला संगरूर (पंजाब) 148021

#### भाग द्वितीय :

#### 1. टोरन्टो (कनाडा)

नव तेरापंथ के सूत्रधार श्री रूपचन्द्रजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

#### 2. नई दिल्ली

साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर मिशन रूप विहार,  
सराय कालेखा के सामने,  
रिंग रोड, नई दिल्ली-110013

#### 3. सुनाम (पंजाब)

साध्वी श्री मंजु श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर, टैगोर वस्ती,  
सुनाम-148028 (पंजाब)

कुल चातुर्मास (5) मुनिराज (4) साध्वियाँ (13)  
कुल ठाणा (17)

नोट:—यह समुदाय भी अब दो भागों में बंट चुका है। प्रथम  
भाग के श्री चन्दन मुनिजी म. को इस वर्ष आचार्य पद  
प्रदान किया है, भाग द्वितीय के संघ सूत्रधार विदेश में  
धर्म प्रचार करने गये हैं, यहाँ सिर्फ नाम ही दिया गया है।  
गत वर्ष के अनुसार ही तालिका

Tel Ph Office—298263, 2086818 2063422  
Bombay { Resi—2181011, 2183986, 6264976  
6261932

**Ramkumar Dharampal**

Mfg—Whole Sale Cloth Merchant &  
Com Agent

14 Dahānukar Bldg 3rd Floor,  
Resham Bazar, 480, Kelbadēvī Road  
BOMBAY—400002

शुभेच्छक

**राजकुमार धर्मपाल जैन**

कटला लेमत्रा चांदनी चौक, दिल्ली-110006

मनी पूज्य आचार्यों, साधु साध्वियों को

कोटि-कोटि वन्दन

हादिक शुभशामनाओं सहित !

Tel Office—3449012/3426413  
Resi—8725262

**A K Trading Co.**

Importers Dealer of Paper, Board  
& Graphic Art Materials

44 Suryamani Center, 4th Floor  
63/67 Sutar Chawl BOMBAY—400002

शुभेच्छक

**अरविन्द भाई लूखी**

वम्बई

— श्री महावीरराय जम —

मानव केशरी, महाराष्ट्र विभूषण, शांति के अग्रदूत, जैन मुद्याकर, प्रसिद्ध बक्ता, पूज्य 'गुम्बेक' प्रातःस्मरणीय  
ऋषेय स्व श्री सामाग्यमन्त्री ममा बु जनेवासी मुशिष्य धमग सधीय मनाह्वार, वाणीभूषण, पूज्य  
गुरुदत्त श्री जीवनमुनिजी ममा, मयूर व्याख्यानी श्री महन्द्रमुनिजी ममा, घोड तपस्वी श्री कमर  
मुनिजी ममा एवं मुनिश्री प्रकाशचन्द्रजी ममा 'निमय' 'एमए' टाणा 4 तथा उन्की  
मुनिष्याणो—स्वाध्यायी श्री तारा कुन्जी ममा, मरन स्वभाषी श्री प्रसादकुन्जी ममा,  
प्रिय वन्द श्री रमणिक बुवर्जी ममा एवं अध्ययनशील श्री चदानाजी ममा  
टाणा 4 के सन 1992 के करही ग्राम मे सन 1992 वा यशस्वी चासुमाम  
मानद सम्पन्न होन की मगन कामनाएँ करने हेतु एवं पूज्य गुरुदेव  
श्री सामाग्यमन्त्री ममा की 8वीं तथा पूज्य पिताश्री  
राजमलजा मा छाजेड की 11वीं पुण्यनिधि-पर  
स्मृति स्वरूप !

卐

हादिक शुभशामनाओं सहित !

दिनीत

— गभीरमल राजमलजी छाजेड —

मुषो करही (जि अरणीन-अप्र) विनकोड-451220 फोन न-304

शुण-डुनुडु

दुगसुवर कुन ससुडुदुदु

**GULSHAN**

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**गुलशन शुगर एण्ड केमिकल्स लि.**

एवम्

सहयोगी कम्पनियाँ

उत्पादन प्लांट्स

- 1 कैल्सियम कार्बोनेट
- 2 सोडियम हाइड्रोसल्फाईट
- 3 फोरमिक एसिड प्लाट
- 4 सोडियम फॉर्मेट
- 5, क्राफ्ट पेपर

आफिस

- 1 बम्बई, 112-थो बानाजी दशन, तिलक मार्ग, फोन 6493749
- 2 मद्रास, 146-अनामलाई साइदापथ, फोन 4192296
- 3 मुजफ्फरनगर, 45-बी, नई मण्टी, फोन 403655
- 4 जालघर, 31-न्यू ग्रेन मार्किट, फोन 785, 83
- 5 भिवाडी, ए-595, इण्डस्ट्रीयल एरिया, फोन 220, 691, 692
- 6 नई दिल्ली, 121-मुषदेव विहार, फोन 6839364, 6843822  
जी-81, प्रीत विहार, फोन 2214751, 2215802

गुलशनराय जैन  
चेयरमेन

चन्द्रकुमार जैन  
डायरेक्टर

प्रदीपकुमार जैन  
डायरेक्टर

# श्री दिगम्बर सम्प्रदाय

## दिगम्बर समुदाय के मुनि एवं आर्यिकागण

कुल चातुर्मास (121) मुनिराज (245) आर्यिकाजी (178) कुल ठाणा (423)

(1) संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती मुनि, आर्यिकागणः—

### 1. कुण्डलपुर (मध्यप्रदेश)

1. संत शिरोमणि, आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म.सा.

2. मुनि श्री समयसागरजी महाराज

3. मुनि श्री योगसागरजी महाराज

4. मुनि श्री स्वभावसागरजी महाराज

5. मुनि श्री उत्तमसागरजी महाराज

6. मुनि श्री पावनसागरजी महाराज

7. एलक श्री दयासागरजी महाराज

8. एलक श्री सिद्धान्त सागरजी महाराज

9. क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज

10. आर्यिका श्री आदर्शमति माताजी

11. आर्यिका श्री दुर्लभमति माताजी

12. आर्यिका श्री अखण्डमति माताजी

13. आर्यिका श्री अनुपममति माताजी

14. शुल्लिका श्री निर्माणमति माताजी

आदि (46) साधु-साध्विया एव  
100 बाल ब्रह्मचारिणीयां बहिर्ने  
10 ब्रह्मचारी भाई

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन अतिशय (सिद्ध) क्षेत्र  
कुण्डलपुरजी, मु.पो. कुण्डलपुर, जिला दमोह  
(म.प्र.) 470661 फोन न. 30

### 2. विदिशा (मध्यप्रदेश)

मुनि श्री क्षमासागरजी महाराज आदि (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, स्टेशन रोड,  
मु.पो. विदिशा (मध्यप्रदेश) 464001

### 3. अशोकनगर-गुना (मध्यप्रदेश)

मुनि श्री सुधासागरजी महाराज आदि (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सुभाषगंज,  
अशोकनगर जिला, गुना (मध्यप्रदेश) 473331  
फोन न. 371 (07541)

### 4. करेती (मध्यप्रदेश)

एलक श्री सम्यत्व सागरजी महाराज आदि (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. करेती  
जिला नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश) 407221

### 5. वारासिवनी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री गुरुमति माताजी आदि (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो.

वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.) 481331

### 6. खातेगांव (देवास) (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री दृढमति माताजी आदि (11)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. खातेगांव  
जिला देवास (म.प्र.) 455336

### 7. डिण्डोरी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री प्रशान्तमति माताजी आदि (9)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. डिण्डोरी  
वाया मण्डला (मध्यप्रदेश) 481880

### 8. कटंगी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री शालमतिजी माताजी आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. कटंगी  
जिला जबलपुर (मध्यप्रदेश)

### 9. योग्य स्थल

मुनि श्री नियतसागरजी महाराज आदि (1)

### 10. योग्य स्थल

मुनि श्री सरलसागरजी महाराज आदि

### 11. योग्य स्थल

मुनि श्री आर्जव सागरजी महाराज आदि

### 12. योग्य स्थल

एलक श्री वात्सल्य सागरजी महाराज आदि

- 13 योग्य स्थल  
धुल्लव श्री चारित्र सागरजी महाराज आदि
- 14 योग्य स्थल  
धुल्लव श्री निम्भ सागरजी महाराज
- कुल चातुर्मास (14) मुनियर (49) आर्याजी (44)  
कुल (93)  
ब्रह्मचारिणो बहिनो (100) ब्रह्मचारी भाई (10)  
कुल (100)
- 15 कमठार (विदर)  
आचार्य श्री श्रुतसागरजी महाराज  
आदि ठाणा
- 16 दिल्ली (साल बिस्ता)  
आचार्य श्री विद्यानदजी महाराज  
आदि (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, साल मंदिर  
साल बिस्ता के सामने, चौदनी चौक के नाने पर  
दिल्ली 110006
- 17 तारगाजी (गुजरात)  
आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज  
आदि (5)  
विदुषो अर्याजी श्री जिनमति माताजी आदि (20)  
सम्पन्न सूत्र-श्री तारगाजी दिगम्बर जैन मंदिर क्षेत्र  
कोठी तारगाजी, मुपो तारगाजी, सालूना  
खेरालू जिला महेसाणा (गुजरात)
- 18 मदनगज (किशनगढ़) (राजस्थान)  
तपस्वी सद्भाट आचार्य श्री समति सागरजी महाराज  
आदि (5)  
आपिनरा श्री विगुद्ध मति मानाजी आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री मुनिमुवत दिगम्बर जैन मंदिर मेनरोड  
मुपो मदनगज (किशनगढ़) जिला अजमेर  
(राजस्थान)
- 19 अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री सुधम सागरजी महाराज  
आदि  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन समाज, श्री महावीर  
फाउंडेशन, सी जी रोड, नवरगपुरा,  
शिल्प के सामने, अहमदाबाद 380009 (गुज)
- 20 गिरनारजी (जुनागढ़) (गुजरात)  
आचार्य श्री निर्मल सागरजी महाराज आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर मन्दिर जैन मंदिर, मुफ्तुन  
गिरनारजी, जुनागढ़ (गुजरात)
- 21 धर्मनगर (चिपरी-बोल्हापुर) (महाराष्ट्र)  
आचार्य रत्न श्री बाहुबलीजी महाराज  
आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपो धर्मनगर  
चिपरी-बोल्हापुर (महाराष्ट्र)
- 22 सम्पन्नसाधरजी (बिहार)  
आचार्य श्री धर्मल सागरजी महाराज  
आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन बीमपथी राठी,  
मरुवनी भवन, मुपो शिखरजी मधुवन, जिला  
गिरिडीह (बिहार), 825129 फोन न 22
- 23 सम्पन्न साधरजी (बिहार)  
आचार्य श्री सुमति सागरजी महाराज  
आचार्य श्री समय सागरजी महाराज  
आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र तैरापथी  
कोठी, मुपो शिखरजी मधुवन, जिला गिरिडीह  
(बिहार) 825329
- 24 जयपुर (राजस्थान)  
गणधराआचार्य श्री कुमुतागरजी महाराज आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, पाण्डनाथ भवन,  
नाटागिया बाराभन्ना जयपुर 302003 (राजस्थान)  
फोन-60744
- 25 धुसिया (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री ज्ञानमयगणजी म सा आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपो धुसिया  
(महाराष्ट्र) 424001
- 26 उदयपुर (राजस्थान)  
आचार्य श्री सीमधर सागरजी महाराज  
आचार्य श्री वामुनूय सागरजी महाराज  
आदि ससय  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाण्डनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मण्डी  
की नाल उदयपुर (राज) 313001

27. जमुनिया कलां (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री कल्याण सागरजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कल्याण नगर,  
मु.पो. जामुनिया कलां वाया तहसील नीमच  
जिला मन्दसौर (म.प्र.)
28. इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज  
आदि (5)  
आयिका श्री पदमश्रीजी माताजी आदि (3)  
सम्पर्क सूत्र—कृष्णपुरा दिगम्बर जैन पंचायत भवन  
राजवाड़ा के पास, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
29. केशरियानाथजी ऋषभदेव (राजस्थान)  
आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा  
कमेटी जैन मंदिर मु.पो. ऋषभदेव-313802  
वाया जिला उदयपुर (राजस्थान) 313802
30. सुजानगढ़ (राजस्थान)  
आचार्य श्री सुबाहु सागरजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. सुजानगढ़  
जिला चूरु (राजस्थान)
31. द्रोणगिरी (कर्नाटक)  
आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर  
मु.पो. द्रोणगिरी (कर्नाटक)
32. सनावद (म.प्र.)  
आचार्य श्री दर्शनसागरजी महाराज  
उपाध्याय श्री समता सागरजी महाराज आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सनावद  
जिला खरगोन (मध्यप्रदेश)
33. लखनऊ (उत्तरप्रदेश)  
आचार्य श्री नेमीसागरजी महाराज  
आचार्य श्री दयासागरजी महाराज  
आदि संघ
- सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्री मुन्नेलाल  
कागजी की धर्मशाला के पास, चार बाग,  
जैन मंदिर, लखनऊ (उत्तरप्रदेश)
34. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री शांति सागरजी महाराज आदि
35. धोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री आर्यनंदीजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र पोदनपुर  
तीन मूर्ति, नेशनल पार्क के पास, धोरीवली  
(पूर्व) बम्बई-400092 (महाराष्ट्र)
36. सोनगिरीजी (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री पार्श्वसागरजी महाराज  
आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र संरक्षण  
समिति, मु.पो. सोनगिरी, जिला दतिया  
(म.प्र.) 475669
37. मांगीतुंगीजी (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री श्रेयांस सागरजी महाराज  
आयिका श्री सुजान मति माताजी आदि संघ  
सम्पर्क सूत्र—श्री सिद्ध क्षेत्र मांगी तुंगीजी दिगम्बर जैन  
देवस्थान, मु.पो. मांगीतुंगीजी, तालूका सटाणा  
जिला नासिक (महाराष्ट्र) 423302
38. छिन्दवाड़ा (मध्यप्रदेश)  
आचार्य कल्प श्री सन्मति सागरजी महाराज  
आयिका श्री मुक्ति भूषण माताजी  
आदि संघ (18)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. छिन्दवाड़ा  
(मध्यप्रदेश)

नोट:—निम्नलिखित आचार्यों के बारे में जानकारीयां प्राप्त नहीं हो सकी:—

1. आचार्य श्री शांति सागरजी महाराज
2. आचार्य श्री नेमीसागरजी महाराज (द्वितीय)
3. आचार्य श्री विमल सागरजी महाराज
4. आचार्य श्री आदि सागरजी महाराज
5. आचार्य श्री अजीत सागरजी महाराज
6. आचार्य श्री सुबाहु सागरजी महाराज
7. आचार्य श्री निर्वाण सागरजी महाराज



- 74 शोलापुर (महाराष्ट्र) श्री वीरसागरजी महाराज आदि  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपा शोलापुर (महाराष्ट्र)
- 75 फलटण (पूना) (महाराष्ट्र) श्री रम्यसागरजी महाराज आदि ससप  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपा  
फलटण वाया जिला पूना (महाराष्ट्र)
- 76 खरगापुर (टोकमगढ) श्री श्रुतिसागरजी महा आदि
- 77 फलकी—श्री वराह सागरजी महाराज आदि
- 78 बागेवाडी—क्षुल्लक श्री वृषभ सेनजी महाराज आदि
- 79 मागूर—श्री भूलवलिजी महाराज आदि
- 80 नसलापुर—श्री जयमद्रजी महाराज आदि
- 81 उधरदा—श्री वीरसागरजी महाराज आदि
- 82 जलेशर (एटा)—क्षुल्लक श्री रत्नकीर्तिजी महा आदि
- 83 नरायना—क्षुल्लक श्री चैत्यसागरजी महा आदि
- 84 छतरपुर—क्षुल्लक श्री स्वरूपान दजी महा आदि
- 85 पचेवर (राजस्थान) श्री निर्माणसागरजी महाराज आदि  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपा  
पचवर वाया जिला टाक (राजस्थान)
- 86 भोरये—श्री नेमीसागरजी महाराज आदि
- 87 धामणी—श्री जिनभूषणजी महाराज आदि
- 88 नाद्रे—श्री अहदवलिजी महाराज आदि
- 89 समडोली—श्री मल्लिमागरजी महाराज आदि
- 90 दातोली—श्री वृषभसेनजी महाराज आदि
- 91 बाहुवली—श्री महावलसागरजी महाराज आदि
- 92 मजले—श्री धमभूषणजी महाराज आदि
- 93 रुडकी—श्री अमृतसनजी महाराज
- 94 बुपरी—श्री अमृतचंद्रजी महाराज
- 95 कोल्हापुर—शु श्री सूयचंद्रजी
- 96 बरागडे—श्री पुण्यदत्त सागरजी महाराज
- 97 कुरडवाड—श्री विद्याभूषणजी महाराज
- 98 बोरगाव—श्री शांति सिंधुजी महाराज
- 99 आजील (बनारस)—श्री वरदत्त सागरजी महाराज
- 100 बेलगाव—क्षुल्लक श्री चंद्रभाऊजी
- 101 शोडवाल (बनारस)—श्री सुवलसागरजी महा आदि  
आयिका श्री सुवत मति माताजी आदि
- 102 निवाई (राज)—श्री कनकनदीजी महाराज  
आयिका श्री राजश्री माताजी आदि  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपा निवाई जिला टोक (राजस्थान)
- 103 ईडर (गुजरात) आयिका श्री विजय मति माताजी आदि  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपा ईडर-383438 जिला साबरकाठा (गुज)
- 104 पावागढ़ (गुजरात) आयिका श्री नगमति माताजी आदि ससप  
सम्पक सूत्र—श्री पावागढ़ दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपा पावागढ़-389360 वाया बडोदा  
जिला पचमहाल (गुजरात)
- 105 फलासिया आयिका श्री विशुद्ध मति माताजी आदि ससप  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपा फलासिया
- 106 नलवाडी (आसाम) आयिका श्री सुर्याश्वमति माताजी आदि ससप  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
नलवाडी (आसाम)
- 107 जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर (उप्र) आयिका श्री ज्ञानमति माताजी आदि ससप  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र  
जम्बू द्वीप हस्तिनापुर जिला मेरठ (उप्र)
- 108 ताडवेव-जम्बई (महाराष्ट्र) आयिका श्री अजित माताजी आदि ससप
- 109 गोरगाव-जम्बई (महाराष्ट्र) आयिका भरत मति माताजी आदि ससप
- 110 पडरपुर (महाराष्ट्र) आयिका श्री शांति मति माताजी आदि  
सम्पक सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपा पडरपुर (महाराष्ट्र)
- 111 अकलूज (महाराष्ट्र) आयिका श्री सबन श्री माताजी आदि—  
सम्पक सूत्र—ज्ञात नहीं

112. नातेपूते (महाराष्ट्र)  
आयिका श्री श्रेयास मति माताजी आदि—  
सम्पर्क सूत्र—जात नहीं
113. सहारनपुर (हरियाणा)  
आयिका श्री चन्द्रमति माताजी आदि—  
सम्पर्क सूत्र—जात नहीं
114. जावद (म.प्र.)—आयिका श्री कीर्तिमति माताजी आदि
115. कूपवाड़—क्षुल्लिका श्री जिनमति माताजी आदि—
116. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
आयिका श्री श्रेयासमति माताजी आदि संसंव  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मु.पो. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
117. फसगड़े (महा) —क्षुल्लिका श्री अनंतमति माताजी
118. भोदवड़े—आयिका श्री नेमीमति माताजी आदि—
119. नांदड़ी—आयिका श्री वृषभमति माताजी आदि—
120. इचलकरंजी—आयिका श्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आदि
121. मांगलवाड़ी—आयिका श्री निर्वाण लक्ष्मी माताजी

कुल चातुर्मास (121) मुनिराज (245) आयिकाजी  
(178) कुल योग (423) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान है:— आचार्य (38) आचार्य कल्प (1)  
एलाचार्य (2) बालाचार्य (2) उपाध्याय (8)

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (236) आयिकाजी  
(138) कुल (374)

नोट.—चातुर्मास स्थापना होने के 35 दिन बाद 19-8-92

तक भी हमें इस समुदाय की सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी। हम इन्दौर में कई दिगम्बर आचार्य मुनिराजों के पास सूचना प्राप्त करने गये परन्तु हमें वहाँ से निराशा ही प्राप्त हुई। दिगम्बर समुदाय की सूचिया पूर्ण रूप से किसी पत्र-पत्रिका में भी तो प्रकाशित नहीं होती है। पूरा नाम, कुल ठाणाओं के

नाम एवं सम्पर्क सूत्र तो किसी भी पत्र में प्रकाशित नहीं होता है तो फिर हम कहीं से सूचना संख्या एवं सम्पर्क सूत्र आपको देवे। आप अन्य समुदाय की सूचियां देख सकते हैं कि कितनी जानकारियों के साथ सूचना एकत्रित करते हैं। यह माना कि दिगम्बर समुदाय के मुनिराज सूचना नहीं बताते लेकिन भक्तों दर्शनार्थियों एवं अन्य से पत्र व्यवहार आदि के लिए तो पूरे नाम एवं सम्पर्क का पता तो प्रकाशित होना ही चाहिए यह सभी के लिए लाभदायक है क्योंकि आप चार माह एक जगह विराजते हो तब उसकी जानकारियां हर वर्ग को तो मिलनी ही चाहिये।

इसके अलावा और भी कई मुनिराज, आयिकाओं के चातुर्मास हो सकते हैं। इस समुदाय की पूरी जानकारियां हमें कहीं से भी प्राप्त हो सकी, यहाँ जो उपर्युक्त सूची हमने दी है वह अनुमान एवं समाचारपत्रों से एकत्रित करके प्रस्तुत की है, संभव है कई नाम ऊपर-नीचे हों या कईयों के नाम छूट गये हों। हमारा तो यही प्रयास रहता है कि अधिक से अधिक जानकारिया प्राप्त कर सही सूची प्रकाशित करे। सूची में किसी तरह की त्रुटि हो तो क्षमा करे। इस समुदाय की सूची क्रमवार व्यवस्थित रूप से हम सूची प्रकाशित करने में असमर्थता ही प्रकट करते हैं। दिगम्बर समाज के सभी कर्णधारी पदाधिकारियों से नम्र निवेदन है कि वे भविष्य में इस कार्य की ओर विशेष ध्यान देकर इसे पूर्ण बनाने का प्रयास अवश्य करें। यह सूची समग्र जैन समाज के हाथों में पहुँचती है इसलिए इस सम्प्रदाय की पूरी सूची का प्रकाशित होना बहुत महत्व की बात है।

प्रत्येक दिगम्बर जैन पत्र-पत्रिकाओं में जो सूचियां प्रकाशित होती हैं उनमें किसी में भी सम्पर्क सूत्र प्रकाशित नहीं होते हैं यह एक बहुत बड़ी कमी है। हम पता कैसे लिखें। आशा है भविष्य में इस ओर अवश्य ध्यान देंगे।

जय गुरु हस्ती

जय गुरु हीरा

रत्नवर्णीय समुदाय के इतिहास मार्गण्ड आचार्य प्रवर श्री हस्ती भलजो म सा को हार्दिक वंदन !  
 वनमान आचार्य प्रवर श्री हीराचंदजी म सा आदि टाण्णाओं का वारोत्तरण एव रत्नवरा  
 समुदाय के सभी संत-मनिया के मन 1992 के चातुर्मास मानद सम्मेलन,  
 होने की मंगन कामनाएं करने हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

Phone Mill—25638 27538, Rest—26138

Cable JAYVIJAY

**JAY VIJAY PULSES****SHRI MAHAVEER PULSES**

J-4 M I D C Jalgoan—425 003 (Maha)

शुभेच्छुक

**पारसमल कांकरिया (भोपालगढ वाले)**

जलगांव

भोगीलाल सहैरचन्द इंस्टीच्युट आफ इन्डालोजी

श्री आत्म बल्लभ जन स्मारक शिक्षण निधि

जोड़ो बरनाल रोड, पोखो अलीपुर, दिल्ली 110 036

प्रकाशित पुस्तकें

1	स्टडीन इन सस्कृत माहिल्य शास्त्र, कुनवर्णीवी एम, 2—201	रुपये 60
2	पत्तमूत्रकम ऑफ चिंतनाचार्य, (स) मुनि श्री जम्बूविजयजी, 8—46—113	रुपये 120
3	जैन भाषा दर्शन, जैन भाग्यरत्न, 2—109 (हिंदी में)	रुपये 50
4	मम एमपक्टस ऑफ दि गम शिवोरी, कुनवर्णी, वी एम, 8—120	रुपये 120
5	दि गाहाकोम ऑफ हान, (म) पटवघन, वी एम, 16—248	रुपये 250
6	प्राइवट वेसंस इन मस्कृत वक्स आन प्राइवटिकम भाग-1 (मून) कुनवर्णी, वी एम, 12—771	रुपये 159
7	अपघ्नय लैंगवेज एंड लिटरेचर, भयानी, एच सी, 6—144	रुपये 125

प्रकाशनाघोष

- 1 प्राइवट वेसंस इन मस्कृत वक्स आन प्राइवटिकम, भाग-2 (अप्रेजी अनुवाद), कुनवर्णी, वी एम, 46—699
- 2 महोभांगन पर आधारित सस्कृत नाटक - डॉ एम एम पट्ट्या, अहमदाबाद (गुजराती में)
- 3 हरिमद्रीयम, आचार्य हरिमद्रीयूर पर आयोजित सगाप्टी मे प्रस्तुत घोष-मनावा मववन ।
- 4 शांतिनाथ चरित्र, (म) मुनि श्री जम्बूविजयजी ।
- 5 मरुवनीकण्ठ भरगाम्, राजा भोज द्वारा प्रणीत (स) प्रो वि वेंकटाचलम, सस्कृत का अलकारशास्त्र ग्रंथ रत्नेश्वर की टीका रत्नदणप तथा जैन टीकाकार आजह के टिप्पण (अभी तक अप्रकाशित) के साथ ।
- 6 भास्त्रभेद-प्रकाश, भइश्वर कवि प्रणीत, जैन टीकाकार पान विमल उपाध्याय की टीका (अभी तक अप्रकाशित) के साथ (स) म विनयसागर ।

## भाग-षष्ठम्

जैन पत्र-पत्रिकाएँ

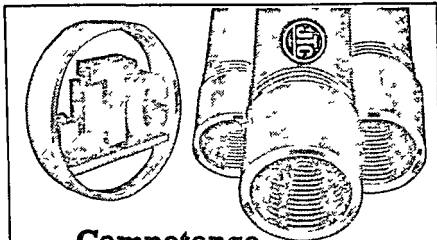
नई दीक्षा सूची

महाप्रयाण (काल धर्म) सूची

नई पदवी प्रदान सूची


अन्य जानकारियाँ

With Best Compliments from



## Competence in the Competition

Rely on and select JTC Steel Tubes & Pipes amongst the 'n' number of brands available in the market

- ★ JTC Pipes are the selection of quality conscious customers like U P Jal Nigam Taj Hotel Engineers India Ltd Oil India Ltd N T P C etc
- ★  marked JTC pipes have correct wall thickness, strong weld and superior quality based on stringent quality control test from raw material stage to finished product
- ★ Economically priced JTC pipes are available in light medium & heavy quality from 15 mm to 150 mm dia

Available on DGS & D Rate Contract

□ BDK 462



**JAIN TUBE CO. LTD.**

D 20 Connaught Place New Delhi 110 001  
Ph 353217 353267 Telex 31 3102 JTC IN

# समग्र जैन पत्र-पत्रिकाएँ

## (1) श्वे. स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाएँ

1. जिनवाणी (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री नरेन्द्र भानावत  
सम्यग ज्ञान प्रचारक मण्डल  
दुकान नं. 182-83 के ऊपर  
वापू बाजार  
जयपुर-302003 (राजस्थान)  
फोन नं. 565997
2. आत्म रश्मि (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री तिलकधर 'शास्त्री'  
आत्म रश्मि कार्यालय  
जैन स्थानक, आत्म चौक  
लुधियाना-141008 (पंजाब)  
फोन नं 60797 (प्रेम)
3. सम्यग्दर्शन (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री पारमचन्द्र चण्डालिया  
अ भा. साधुमार्गी जैन संस्कृति रक्षक संघ  
सम्यग्दर्शन कार्यालय  
सैलाना-457550  
जिला रतलाम (म प्र.)
4. अमर भारती (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री कृष्णानन्द "शारत्री"  
विरायतन कार्यालय  
मु.पो. राजगृही-803116  
जिला नालन्दा (बिहार)
5. जैन सौरभ (गुजराती मासिक)  
सम्पादक श्री रमणिकलाल एम. सेठ  
आशीर्वाद पेपर मार्ट,  
मालवीया स्ट्रीट डेवर चौक,  
राजकोट-360001 (गुजरात)  
फोन नं. 27339
6. जैन क्रान्ति (गुजराती मासिक)  
सम्पादक श्री रमीकलाल सी. पारेख  
जैन क्रान्ति कार्यालय  
31/36 करणपरा, राजकोट-360001 (गुजरात)  
फोन नं. 23399
7. सुधर्मा (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक पं. श्री चन्द्र भूषण मणि त्रिपाठी  
सुधर्मा कार्यालय, पाथर्डी बोर्ड भवन,  
आचार्य श्री आनन्द ऋषिजी मार्ग  
अहमदनगर-414001 (महाराष्ट्र)  
फोन नं 24938 ग्राम-"परीक्षा बोर्ड"
8. स्थानकवासी जैन (गुजराती मासिक)  
सम्पादक श्री प्रवीणचन्द्र जे संधवी  
स्थानकवासी जैन कार्यालय  
512 सर्वोदय कार्मणियल सेटर  
सलाणस क्रोसलेन, जी पी.ओ. के पास  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
9. सुधर्म प्रवचन (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री लक्ष्मीलाल दक  
सुधर्म प्रचारक मण्डल  
सिटी पुलिस के सामने  
जोधपुर-342001 (राजस्थान)
10. धर्म ज्योति (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री वसन्तीलाल जैन एडवोकेट-  
धर्म ज्योति परिषद  
फव्वारा संकल भीलवाड़ा-311001 (राज)  
फोन नं. 82402
11. शासन प्रगति (गुजराती मासिक)  
सम्पादक-श्री मनहरलाल बी. मेहता  
शासन प्रगति कार्यालय  
श्रमजीवी सोसायटी, डेवर रोड  
राजकोट-360002 (गुजरात)  
फोन नं. 82402

- 12 शांति लोक (हिंदी भासिक) सपादक-श्री नरेश चन्द जैन  
शांति लोक पार्थिव  
एम एस जैन मभा, जैन म्वाणक जैन नगर,  
मु पो मेरठ शहर 250001 (उप्र)
- 13 गोपम (हिंदी भासिक) सपादक-श्री विरद्र कुमार जैन  
आत्म मनोहर जैन सम्प्रति वेद  
वाम बाजार  
मालेर कोटना-148023 (पंजाब)
- 14 स्वाध्याय सगम (हिंदी भासिक) सपादक-श्री गौतम लक्ष्मी  
"पारस" जी-186 शास्त्री नगर  
जोधपुर-342003 (राजस्थान)
- 15 स्वाध्याय सवेश (हिंदी भासिक) सपादक-श्री रतनराज जैन  
श्री म्यानवचामी जैन स्वाध्याय मघ  
मु पो गुलाबपुरा-311021  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)
- 16 मुनि बन्ना (हिंदी भासिक) सपादक-श्री श्री शिवराज जोड़ा  
मुनि बन्ना कार्यालय,  
11-मन्नधी स्ट्रीट, बटपलनी,  
भद्राम-600026 (तमिलनाडु)
- 17 स्वा जन सोपप्रिय समाचार (गुजराती भासिक) सपादक-श्री जितेंद्र डी मणीयार  
माहा चम्बम, रामनगर, साबरमती  
अहमदाबाद-380005, (गुजरात)  
फोन न 487550 घर-488708
- 18 स्वाध्याय सघ-भासिक बुलेटिन (हिंदी भासिक) सपादक-श्री नीरता शर्मा  
जि मा श्री जैन रत्न हितैषी श्रावण मघ, पौडा वा चीर  
जोधपुर-342001 (राजस्थान)  
फोन न 24891-ग्राम "जैन रत्न"
- 19 वीतराग रसिम (हिंदी भासिक) सपादक-श्री अश्वमेध जैन, "राजा"  
अ भा श्री बर्देमान वीतराग जैन श्रावण मघ,
- 20 आत्म प्रकाश (गुजराती भासिक) सपादक-श्री हिमालय ए भागमा  
वार्डम फौट्री रोड, आईम फौट्री के पास,  
मुनेद्रनगर-363001 (गुजरात)
- 21 अहिंसा वशा (हिंदी भासिक) सपादक-श्री तेजमिह गोड  
अहिंसा प्रचार मघ  
11 अन्नपात माग, गनी न 2 काजीवाडा,  
उज्जैन 456006 (म प्र)
- 22 झालायाड जैन पत्रिका (गुजराती भासिक) झालावाड जैन पत्रिका कार्यालय  
47 डॉ एम वी केनर स्ट्रीट,  
1 भागा, बोडभाट जैन, कानवादेवी रोड  
वर्म्ब-400002 (महाराष्ट्र)
- 23 झालायाड स्या जन (गुजराती भासिक) सपादक-श्री शांतिनाथ शी मेठ  
रायपुर दरवाजा बाहर, आश्रम बिल्डिंग,  
अहमदाबाद 380022 (गुजरात)
- 24 केवल जिन दर्शन (गुजराती भासिक) सम्पादिका-श्री प्रतापराज म मा  
केवल जिन दर्शन ट्रस्ट  
15/ए-प्रताप गुज सासायटो,  
वासणा पोस्ट आफिस के पास,  
अहमदाबाद-380007 (गुज)
- 25 तपोधन (हिंदी भासिक) सपादक-श्री शशीवर चट्टका (राजस्थानी)  
तपोधन पार्थिव  
शीतल स्वाध्याय भवन, काशीपुरी,  
भीलवाडा 311001 (राजस्थान)
- 26 विजय ज्योति (हिंदी भासिक) सपादिका-श्री श्री "दीदी"  
विजय ज्योति प्रकाशन समिति  
योग माधना/विद्व,  
चुगी भावे के पास, दिल्ली गड, अन्नवर (राज)

27. आगम आलोक (हिन्दी मासिक)  
संपादक श्री श्रीचन्द्र सुराना 'सरस'  
208/2-ए-7 आवागढ हाउस,  
एम. जी. रोड, आगरा-282002 (उ.प्र.)
28. समर्थ दर्शन (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री भंवरलाल वाफता  
मु.पो. खींचन बाया फलीदी, जिला जोधपुर (राज.)
29. महावीर मिशन (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री जोगीराम जैन  
दिल्ली प्रदेशीय व स्था. जैन महासंघ,  
10326 मोतीया खान, जैन स्थानक  
नई दिल्ली-110055  
फोन नं. 7114434
30. ओसवाल हितैषी (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री विरेन्द्र कुमार जैन  
ओसवाल हितैषी कार्यालय  
तरुण जैन त्रिपोलिया, जोधपुर-342001 (राज.)
31. स्वाध्याय शिक्षा (हिन्दी द्विमासिक)  
संपादक—श्री धर्मचन्द जैन  
स्वाध्याय संघ, घोड़ों का चौक,  
जोधपुर-342 001 (राज.)  
फोन : 24891 ग्राम "जैन रत्न"
32. श्रवर स्वर (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री राजकुमार जैन 'राजिन'  
चित्रा प्रकाशन  
मु.पो. आकोला जिला चित्तौड़गढ (राज.)
33. जैन प्रकाश (हिन्दी पाक्षिक)  
संपादक—श्री राजेन्द्र नगावत जैन  
अ. भा. ण्वे. स्था. जैन कान्फेन्स,  
जैन भवन, 12 शहीद भगत सिंह मार्ग  
गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001  
फोन न 343729 तार—"जैन धर्म"
34. जैन प्रकाश (गुजराती पाक्षिक)  
संपादक—श्री वृजलाल कपूरचन्द गाधी  
अ. भा. ण्वे. स्था. जैन कान्फेन्स  
त्रिभुवन बिल्डिंग, 4 माला, एवीएन बैंक के ऊपर
- पायघुनी, 1 विजय वल्लभ चौक  
बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 3422927
35. श्रमणोपासक (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक श्री जुगराज मेठिया  
अ भा. साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन,  
रामपुरिया मडक बीकानेर-334005 (राजस्थान)  
फोन नं. 26867 तार—"साधुमार्गी"
36. जीत की भेरी (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक—श्री विजय चौपडा  
श्री जीतमल चौपडा, 42/225 शातिकुंज,  
रामनगर, पुष्कर रोड, अजमेर-305001 (राज.)  
फोन नं. 30509
37. समता युवा सन्देश (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक—श्री मणीलाल घोटा  
अ भा. साधुमार्गी जैन समता युवा संघ  
2 चौमुन्नी पुल, रतलाम-457001 (म. प्र.)  
फोन-20684, 23480
38. दशाश्रीमाली (गुजराती-पाक्षिक)  
संपादक—श्री जयत मेहता  
श्री सीराष्ट्र दशा श्रीमाली सेवा संघ  
कामाणी दशा श्रीमालीवाडी, 2 माला  
542 जे.एस. रोड, चीरा बाजार, गिरगाव  
बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)
39. तरुण जैन (हिन्दी-साप्ताहिक)  
संपादक श्री फतेहसिंह जैन  
तरुण जैन कार्यालय त्रिपोलिया,  
जोधपुर-342001 (राजस्थान).  
फोन : 44455 पी.पी. तार—"तरुण जैन"  
21713 पी.पी. घर
40. चमत्कार सन्देश (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री हीरालाल जैन  
वेयर हाउस के सामने, सदर बाजार  
सवाई माधोपुर (राजस्थान)-322021  
फोन नं. 5506



- 33 मेवाड मालवा-किरण (हिन्दी)  
सपादक-श्री अजित मादी  
मु पो चित्तौडगढ (राज) -322001
- 34 मागलिक (गुजराती मासिक)  
योगी अपार्टमेंटस, रामजी की पोल  
नाणावट, सूरत-395003 (गुज)
- 35 आय-रक्षित सदेश (मासिक हिन्दी)  
गुण सागर मेघ मन्वृति भवन, देरासर लेन  
मेघरतन 1 भागा, घाटकोपर (पूर्व)  
बम्बई-400077 (महा)
- 36 जिनवाणी (पाक्षिक गुजराती)  
सपादक-श्री वातिलाल चुमीनान शाह  
जिनवाणी प्रचारक ट्रस्ट, 59 वक ऑफ इण्डिया  
बिल्डिंग, 185 शेख मेमन स्ट्रीट  
बम्बई-400003 (महा)
- 37 प्रबुद्ध जीवन (पाक्षिक गुजराती)  
सपादक-श्री रमणलाल सी शाह  
385 एस वी पी राड, 1 भागा  
एच एन हॉस्पिटल के माथन बम्बई-400004  
(महाराष्ट्र)
- 38 ज्योति सदेश (पाक्षिक हिन्दी)  
सपादक-श्री महन्द्र नाहटा  
ए मा जैन श्व खरतरणच महामघ  
9 B मार्ग अघाटमटम, 6 निनक माग नई दिल्ली  
फोन न 385929
- 39 अहम सुन्दरम (मासिक-गुजराती)  
सपादक-श्री राजेश बालोणी  
अहम सुन्दरम कार्या, सतलानगा-384330 (गुज)
- 40 विजय इन्द्र सदेश (पाक्षिक हिन्दी)  
सपादक-श्री प्रकाशचन्द्र चौहरा  
अरिहत भवन, सदर बाजार, वाडमेंट-344001  
(राजस्थान) फोन 84430
- 41 स्वबल (मासिक-गुजराती)  
सपादक-श्री के आर थिंगी  
स्वबल कार्यालय दलास प्रिन्डिंग वी 21  
जाम मदिद राड Opp भीसरेहाल दादर (वेस्ट)  
बम्बई 400028 (महा)  
फोन 4378089 6126042
- 42 जैन प्रतीक (मासिक-हिन्दी)  
सपादक-श्री नन्द कुमार रावा,  
19/6 साउथ तुकोगज इटी-452002 (मप्र)
- 43 श्री पत्नीवाल जन पत्रिका (मासिक हिन्दी)  
सपादक-श्री मवीनचन्द जैन  
नानक नगर, मयुरा (उप्र)-281001
- 44 श्रमण भारती (हिन्दी साप्ताहिक)  
सम्पादक-श्रीमती जया राणी लोढा  
श्रमण प्रवर्षण, 9/4 वाग मुजफ्फरिया मैन्स टेकम  
ऑफिस बम्पाउण्ड, आगरा 282002 (उप्र)
- 45 दिव्यदर्शन (साप्ताहिक-गुजराती)  
सपादक-श्री कुमारराज वी शाह  
दिव्यदर्शन, 36 कलिकुण्ड सासायटी  
धोन्वा-387810 जिला अहमदाबाद (गुजरात)
- 46 दिव्य दर्शन (पाक्षिक-हिन्दी)  
सपादक-श्री कुमार पाल वी शाह  
दिव्यदर्शन ट्रस्ट, -36 कलिकुण्ड, सासायटी  
धोन्वा-387810 जिला-अहमदाबाद (गुज)
- 47 जन (साप्ताहिक गुजराती)  
सपादक-श्री महेंद्र भार्द गुलाबचन्द शेट  
वी/3 मानु जाशीप 10 भागा  
39 नतिषा मी राड, बम्बई-400006 (महा)  
(पुराना पता-जैन कार्यालय, दाणापीठ के पीठे  
भावनगर-364001 (गुजरात))
- 48 सपम धारा (मासिक हिन्दी)  
सम्पादिका-पद्म श्री चौपडा महिला सगम, 2  
गिब्रतन लेन कलकत्ता-700069 (प बंगाल)
- 49 अहंनू जैन टाइम्स (मासिक हिन्दी)  
सपादक-श्री गीतम ओमवाल, अहंनू जैन सघ  
आचार्य सुशील जाधम सी 599 चेतना माग,  
डिफेंस कालोनी नई दिल्ली-110024  
फोन 4622729-4627282
- 50 श्वेताम्बर जन (साप्ताहिक हिन्दी)  
सपादक-श्री विरेन्द्र मिह नाडा  
9/10 मोती बटना, आगरा 282003 (उप्र)

51. जैन जागृति (मासिक-मराठी)  
संपादक-श्री कातीलाल चौरङ्गिया  
62 ऋतुराज सोसायटी "जागृति" प्रेम नगर जवळ,  
पूना-सतारा रोड, पूना-411037 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 435583
52. जैन समाज (दैनिक-हिन्दी)  
सम्पादक-श्री जिनेन्द्र कुमार जैन  
यग लीडर कार्यालय  
2073 वीं वालो का रास्ता जोहरी बाजार  
जयपुर-302003 (राजस्थान)
53. श्री दक्ष ज्योति (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री मुकेश के. शाह  
दक्ष ज्योति कार्यालय,  
पार्श्व नगर, चाल पेठ रोड  
आगासी तीर्थ वाया विरार जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 401301
54. जैन गजट (साप्ताहिक हिन्दी)  
संपादक-श्री नरेन्द्र प्रकाश जैन  
जैन गजट कार्यालय, नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स,  
एशवाग लखनऊ-226004 (उ. प्र.)
55. जैन महिलादर्श (मासिक-हिन्दी)  
संपादिका-डॉ. कुसुम शाह  
जैन महिला दर्श कार्यालय,  
एशवाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.)
56. जैन बालादर्श (त्रैमासिक-हिन्दी)  
जैन विद्यालय, चाहचंद जीरो रोड,  
इलाहाबाद-211003 (उ. प्र.)
57. निर्मल ध्यान ज्योति (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-पं. श्री मोतीलाल मार्तण्ड  
श्री विश्व शांती निर्मल ध्यान केन्द्र  
गिरनार तलहटी जूनागढ़-362004 (गुज.)  
फोन नं. 24611
58. सन्मति सन्देश (मासिक हिन्दी)  
संपादक-श्री प्रकाश हितैषी 'शास्त्री'  
जैन मंदिर मंली, 535 गांधी नगर, दिल्ली-110031  
फोन नं. 2205372
59. वीतराग विज्ञान (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-डॉ. हुशामचंद भारिल्ल  
पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट  
ए-4 वापू नगर, जयपुर-302015 (राज.)  
फोन नं. 515581-515458
60. समन्ति वाणी (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-श्री जयसैन जैन  
श्री महावीर ट्रस्ट कार्यालय  
63 एम. जी. रोड, तुकोभाज मेन रोड  
इन्दौर-452001 (म. प्र.)
61. विश्व जैन मिशन (मासिक बुलेटि)  
संपादक-श्री ताराचंद जैन वक्सी,  
वक्सी भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302003 (राज.)
62. महावीर सन्देश (मासिक-हिन्दी)  
दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र,  
श्री महावीरजी  
जिला सवाई माधोपुर (राज.)
63. आत्म दर्शन (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री नागरदास वी मोंदी,  
दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट  
सोनगढ-जिला भावनगर (गुज.)
64. वल्लभ सन्देश (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-श्री विनोद कोचर  
गौड भवन, कमला मार्ग  
सी-स्कीम, जयपुर-302002 (राज.)
65. दिगम्बर जैन मित्र (साप्ताहिक-हिन्दी)  
संपादक श्री शैलेश भाई कांपडिया  
जैन मित्र कार्यालय, गांधी चौक  
सूरत-395003 (गुजरात)  
फोन नं. 27621, 26550
66. तीर्थकर (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री नेमीचंद जैन  
65, पत्रकार कानोनी, कनाडिया रोड,  
इन्दौर-452001 (म. प्र.)
67. आत्म धर्म (त्रैमासिक-हिन्दी)  
प्राकृत विद्या, प्राकृत अध्ययन  
मुधर्मा विद्यालय परिसर रोड नं. 10  
अशोक नगर उदयपुर-313001 (राज.)

- 68 जन जागृति (मासिक-हिंदी)  
संपादक श्री भद्रेन्द्र मादिया  
भारत टायर्स, महु रॉड, रतनाम-457001 (म.प्र.)
- 69 जैन विद्या (हिंदी मासिक)  
श्री दिगम्बर जैन अतिथिगण तीर्थ क्षेत्र श्री महावीरजी  
जिला सवाई माधपुर (राज.)
- 70 पाणसार (मासिक-हिंदी)  
संपादक अशोक जैन  
5/263 यमुना विहार  
दिल्ली-110053
- 71 मणिमद्र (मासिक-हिंदी)  
आत्मानन्द जैन ममा भवन  
पी बान्ना का गम्हा, जौहरा बाजार  
जयपुर-302003 (राज.)
- 72 तिल्यवर (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री गणेश ललवारण  
जैन भवन पी 25 कानवार स्ट्रीट  
बनकसा-700007 (प.ब.)
- 73 आगमोद्धारक (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री सुभाष चंद जैन  
मे नागर इलेक्ट्रिकल्स, 150 जवाहर मल,  
मुकेशपुरा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
- 74 जन पथ प्रदर्शक (पाशिक-हिंदी)  
संपादक श्री रमनचंद भारद्वाज  
श्री टाइरमल म्मारक भवन  
ए-4 बापू नगर-जयपुर-302015 (राज.)  
फोन 515581, 515458
- 75 कुन्दकुन्द वाणी (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री कमल कुमार जैन  
कुन्द कुन्द वाणी कार्यालय म.पो जयनपुर (म.प्र.)
- 76 जयकन्यास श्री (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री राजीव प्रचण्डिया,  
मंगल बसस, 394 सर्वोदय नगर,  
जयपुर रॉड, अजीम-202001 (उ.प्र.)  
फोन नं. 264486
- 77 वीतराग वाणी (मासिक-हिंदी)  
संपादक श्री विमल कुमार जैन  
वीतराग वाणी कार्यालय, मोहल्ला तेल मागर  
म.पो टीकमगढ़ (म.प्र.)
- 78 शाकाहार क्रांति (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री नमीचंद जैन  
होरा नैया प्रकाशन  
65 पत्रकार कालानी, बनावडिया मार्ग  
इन्दौर-452002 (म.प्र.)
- 79 अहिंसा (मासिक-हिंदी)  
अहिंसा कार्यालय,  
712 बारडों का राम्ना, विशनपॉन बाजार  
जयपुर-302003 (राज.) फोन 78252
- 80 दिव्य उदय (मासिक हिन्दी)  
संपादक श्री अनिल कुमार बडजाल्या  
दिव्य उदय कार्यालय  
7-अनुकूल मुखर्जी रोड, बनारसा-700006 (प.ब.)
- 81 प्राकृत विद्या (त्रिमासिक-हिंदी)  
संपादक डॉ. प्रेम सुभद्र जैन  
प्राकृत अध्ययन प्रसार सम्यान  
अशोक नगर, उदयपुर-313001 (राज.)
- 82 शानि निकेतन (द्विमासिक)  
संपादक श्री अशोक शाह  
प्रेरणा प्रकाशन ट्रस्ट, शानि निकेतन, साधना वेड  
म.पो तीर्थल जिन्दा बलसाड (गुज.)
- 83 मन्त्री (मासिक गुजराती)  
मे टी.ए. गाना एमार्शिप्ट्स  
नीलकंठ दन मंदिर रोड, बाकाला  
शातानुप (पूर्व) बम्बई-400055 (महारा.)
- 84 लब्धि कृपा (मासिक-गुजराती)  
संपादक श्री अक्षय राम गांधी  
श्री. लब्धि कृपा प्रकाशन समिति  
53बी, गीता गुजरी, कोल्हापुर-416602 (महारा.)
- 85 जन पत्रकार बुलेटिन (गुजराती)  
संपादक श्री नटवरान शाह  
बम्बई जैन पत्रकार मण, हनुमान बिल्डिंग, 2 मार्ग,  
2 फ्लैट राड, बम्बई-400002 (महारा.)

86. कथालोक (मासिक जैन)  
संपादक श्री हर्षचन्द्र जैन  
119 स्टेट बैंक कालोनी दिल्ली-110009
87. छाजेड़ टाइम्स (हिन्दी)  
संपादिका-अनिता छाजेड़  
यग्लीडर प्रेस, चाकसू का चौक  
घी वालों की रास्ता, जोहरी बाजार  
जयपुर-302003 (राज.)
88. सहज आनन्द (हिन्दी-मासिक)  
संपादक अशोक कुमार जैन  
बी-5/263 यमुना विहार दिल्ली-110053
89. तारण बन्धु (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री जानचंद जैन  
15 वीं टी टी आई कालोनी,  
श्यामला हिल, भोपाल-462001 (म.प्र.)
90. धर्म मंगल (पाक्षिक-हिन्दी)  
संपादिका-श्रीमती लीलावती कातिलाल जैन  
415 भीकमचंद नगर विपराले रोड,  
जलगाव-425001 (महाराष्ट्र)
91. अहम् कुशल निर्देश (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री भवरलाल नाहटा,  
5/ए, लक्ष्मीनारायण मुखर्जी रोड  
कलकत्ता-700091 (प. व.)
92. दिव्य कृपा (साप्ताहिक-गुजराती)  
नमस्कार आराधना ट्रस्ट  
11 नवरंगपुरा  
अहमदाबाद-380013 (गुज)
93. प्रेरणा पत्र (गुजराती)  
संपादक श्री मफतलाल वी. दोशी,  
3, चन्द्र विला; 2 माला, अम्बाजी रोड  
सूरत-395003 (गुज)
94. शांति सौरभ (मासिक-गुजराती)  
संपादक श्री मुक्तिनलाल आर. शाह  
शांति सौरभ भवन, जैन वॉर्डिंग मु.पो. भामर  
वाया पालनपुर, जिता वनासकाठा (गुज)
95. दूसरा कोई न खोजा (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री नरेन्द्र डागलिया  
फैशन, मार्किल, सदर बाजार  
राजनादगाव (म.प्र.)
96. जैन प्रदीप (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री कुलभूपण कुमार,  
प्रेम भवन, चाहपारस  
मु.पो. देववन्द-247554  
जिला सहारनपुर (उ.प्र.)
97. तुलसी प्रज्ञा (त्रैमासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री परमेश्वर सोलंकी  
जैन विश्व भारती संस्थान  
लाडनू-341606  
जिला नागौर (राजस्थान)
98. प्रेक्षाध्यान (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री गकरलाल मेहता  
तुलसी अध्यात्म नाडम्  
जैन विश्व भारती लाडनू-341606  
जिला नागौर (राज)
99. युवा दृष्टि (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री पन्नालाल वाठिया,  
अ.भा. तेरापथ युवक परिषद्,  
जैन विश्व भारती, लाडनू-341606
100. जैन भारती (साप्ताहिक हिन्दी)  
जैन विश्व भारती,  
लाडनू-341606  
जिला नागौर (राज)
101. तेरापथ युवक परिषद् समाचार (हिन्दी)  
अ.भा. तेरापथ युवक परिषद् गंगा शहर,  
जिला बीकानेर (राज)
102. विज्ञप्ति (साप्ताहिक-हिन्दी)  
श्री कमलेश चतुर्वेदी प्रबंधक,  
आदर्श साहित्य संघ,  
जैन विश्व भारती, लाडनू-341606 (राज.)
103. अणुव्रत (पाक्षिक-हिन्दी)  
संपादक श्री धर्मचंद चौपड़ा,  
अ.भा. अणुव्रत समिति,  
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

- 138 धमधारा (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री मनहरान मो शाह  
धमधारा कार्यालय, 118 श्रेयाम काम्पलेक्स सेंटर,  
जैन दरामर के सामने, चार रास्ता, नाराणपुरा  
धहमदाबाद-380009 (गुज)
- 139 JAIN DIGEST (English Monthly)  
Editor Shri Bhopal Shood  
Muni Kumud Centre of Jain Culture,  
1619-6 B Viahampur Savin Sahadara  
DELHI 110032
- 140 जम्बूदीप (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री जयद्र भांड आर, शाह  
जम्बू दीप कार्यालय, तलेटी रोड, पानीताणा-  
364270 (गुजरात)
- 141 जन शासन (साप्ताहिक-गुजराती)  
जैन शासन कार्यालय,  
45 दिव्यजय प्लॉट, जामनगर 361001 (गुजरात)
- 142 जगमग दीप ज्योति (हिंदी-मासिक)  
संपादक-श्री सुमति कुमार जैन  
जगमग दीप ज्योति कार्यालय, महावीर मार्ग,  
बलवर-301001 (राजस्थान) फोन 22328
- 143 पूनम प्रकाश (मासिक गुज, अप्रेजी)  
संपादक-श्री महावीर सेधा ट्रस्ट,  
C/o डॉ मनसुखलाल वी जैन दवाखाना,  
33-ए-मुल्ता पार्क, मनाड (पूर्व)  
बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)
- 144 दिव्य ध्वनि (गुजराती-मासिक)  
संपादक श्री प्रकाश शाह  
श्रीमद् राजचन्द्र आध्यात्मिक माधनो केन्द्र  
मुपा. बोदा, गाधीनगर (गुज)-382009
- 145 अहंत् वचन (हिंदी-मासिक)  
संपादक-श्री अनुपम जैन  
दक्कुमार मिह नामनीवाल, बुद्रुकुड ज्ञानपीठ,  
564 एम जी राट सुरागज,  
इन्दौर 452002 (मप्र)
- 146 इटरनेशनल जन फ्रेडस, (द्विमासिक-अप्रेजी)  
इटरनेशनल जैन फ्रेडस कार्यालय,  
पो बॉक्स 58, बोम्बे-मुना मार्ग, चिचवड (पूर्व),  
पूना-411019 (महा)
- 147 गुरु प्रसाद (हिंदी मासिक)  
संपादक-श्री रामजी भाई मोंटाणी  
पूज्य श्री कानजी स्वामी स्मार्क ट्रस्ट, लाम राड,  
वलत गाव्हन राड, द्ववनाली बाया मासिक  
(महाराष्ट्र)-422401
- 148 THE JAIN ANTIQUARY  
(English Monthly)  
Editor Shri Jain Sidhant Bhasker  
Oriental Reaserch Institute  
P O AARA (Bihar)
- 149 JAIN JOURNAL (English Quarterly)  
Jain Bhawan, P-25 Kalak first  
CALCUTTA 700007 (W B)
- 150 AHIMSA VOICE (English Monthly)  
Shraman Sahitya Sansthan,  
53 Rishabh Vihar  
DELHI 110092
- 151 सम्पूर्ण ज्ञान (हिंदी-मासिक)  
दिगम्बर जैन विनायक शाध सम्मान  
हस्तिनापुर, जिना मठ (उ प्र)
- 152 अनेकात हिंदी (मासिक)  
वीर मेवा मंदिर, 21 दरियागज  
नई दिल्ली-110002
- 153 मुक्कुडई (मासिक हिंदी)  
जैन यूथ फोरम,  
3 साजय बाग राड, टी नगर  
मद्रास-600017 (तमिलनाडु)
- 154 जन प्रिय (हिंदी-मासिक)  
संपादक डा बाटवली कुमार  
8 मिनित्र लाइन्स, लखनपुर-284403 (उत्तरप्रदेश)
- 155 गुण स्थान (हिंदी मासिक)  
जैन मूनि विमल समिति ट्रस्ट  
समिति नगर, सगमर (पंजाब)

156. वीतराग संदेश (गुजराती मासिक)  
अ. भा. अचलगच्छ श्वे. जैन संघ  
110-दी. केशवजी नायक रोड,  
वम्बई-400009 (महाराष्ट्र)
157. इशारो जैन पूर्ति (गुजराती-द्विमासिक)  
संपादक-त्रीणा वहेन सी. शाह  
ईशारो कार्यालय 17 सर्वोदय सोसायटी,  
एस टी बस स्टैण्ड के पास  
मु. पी. वालासिनोर, जिला खेडा (गुजरात)
158. जिनेश्वर (हिन्दी मासिक)  
संपादक-श्री प्रदीप सुराना  
जिनेश्वर कार्यालय C/o श्री राजेन्द्र दस्सानी  
ए-7/17 महेण नगर, गोरिगाँव, (वेस्ट)  
वम्बई-400062 (महाराष्ट्र)  
फोन नं 6726386
159. धर्म बिन्दु (मासिक गुजराती)  
संपादक-प्रकाश पी. वोरा  
धर्म बिन्दु कार्यालय, प्लॉट 209/8,  
दि लक्ष्मी विलास बैंक के ऊपर, डॉ. आम्बेडकर रोड,  
माटूगा (से. रे.) वम्बई-400019 (महा.)
160. वीर (हिन्दी पाक्षिक)  
अ. भा. दिगम्बर जैन परिषद्  
37 डिफेन्स एन्कलेव, विकास मार्ग,  
दिल्ली-110092
161. समाज दर्पण (मासिक गुजराती)  
संपादक-श्री जयंतिलाल एम. शाह  
3/12/26 आर. नवजीवन सोसायटी, लेमिग्टन  
रोड, वम्बई-400008 (महाराष्ट्र)
2. यंग लीडर (हिन्दी (दैनिक)  
संपादक श्री अमृत जैन; यंग लीडर कार्यालय  
508, के.वी. कार्मशियल सेंटर, दीनवाई टावर के पास,  
लाल दरवाजा खानपुर, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात) फोन नं. 350099
3. टाइम्स ऑफ इन्टरनेशनल (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री नरेन्द्र जैन  
508, के.वी. कार्मशियल सेंटर, दीनवाई टावर के पास,  
लाल दरवाजा, खानपुर, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात) फोन नं. 350099
4. राजस्थान प्रदीप (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073 घी वालों का रास्ता जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.)
5. अमृत टाइम्स (हिन्दी पाक्षिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073, घी वालों का रास्ता, जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.)
6. हलकारा (हिन्दी पाक्षिक) :  
संपादक श्री शातिलाल राका,  
हलकारा कार्यालय, राका प्रेस, 1, सद विचार बिल्डिंग,  
मिम्पोली रोड, रेयाणी ग्राम बोरीवली (वेस्ट),  
वम्बई-400092 (महा.) फोन नं. 6051029
7. ब्लास्ट दर्शन (हिन्दी साप्ताहिक) :  
संपादक श्री हीरालाल तातेड,  
466 तातेड कुंज, 6-ए-पाली रोड  
सरदारपुरा, जंघपुर-342001 (राज)
8. टाइम्स ऑफ अरावली (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री तेजराज कोठारी,  
62, नवलखा रोड, पाली-मारवाड  
(राजस्थान) 306401 फोन-21188
9. धीर (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री धीरेन्द्रकुमार जैन,  
15, वी.वी.वे. अयंगर रोड (न्यू रोड),  
बैंगलोर-560053 (कर्नाटक)

### (3) धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक जैन पत्र-पत्रिकाएँ

1. यंग लीडर (हिन्दी दैनिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073, घी वालों का रास्ता, जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.) फोन नं.-66593

- 20 तीर्थवन्दना (हिंदी भाषिक)  
श्री मा. लि. एम्बर तीर्थ क्षेत्र चण्डी  
हिनाराम धर्मदाता सो. पी. टा. ए.  
बम्बई 400004 (मद्र.)
- 21 कुमानु निर्देश (हिंदी)  
श्री विनय मुरी मरा मय  
4 पी. व. चण्डी टा. ए.  
बम्बई 700001 (प. चण्डी)
- 22 सागर ज्योति (हिंदी)  
लि. एम्बर ज. के. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
बम्बई 700007 (प. चण्डी)
- 23 (बाप स्मृति पुस्तकालय भाषिक)  
मराठम श्री बुधमारा दक्षिण,  
मय. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
1 म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
बम्बई 400009 (मद्र.)
- 24 सेवा मदीयन (हिंदी)  
नागपण मरा मयान,  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 25 अणुविमा (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
अणुविमा वि. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 26 सलकार (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
वि. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 27 वर्षी प्रयत्न (हिंदी भाषिक)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
15, ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 28 पाश्च ज्योति (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
जै. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 29 अमर जगन (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 30 ज्ञानकीर्ति (भाषिक हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 31 मराठम मराठम (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 32 जै. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 33 ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 34 ज्ञान भाषिक (हिंदी भाषिक)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 35 विद्या सागर (हिंदी)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 36 ज्ञान टाइम्स (हिंदी भाषिक)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.
- 37 शास्त्राचार जगति (हिंदी भाषिक)  
मराठम श्री म. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
म. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.

नोट.—इनके अलावा भी कई स्थानों से कई अन्य जैन पत्र-पत्रिकाएँ भी वर्तमान में प्रकाशित होती हैं। हमें जितनी पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध हुईं या उनकी जानकारियाँ प्राप्त हुईं, उन सभी को सम्मिलित किया गया है। उपर्युक्त जैन पत्रिकाओं के हमने चार तरह के विभाग बनाये हैं। प्रथम भाग में श्वे. स्थानकवासी समुदाय की पत्र-पत्रिकाएँ जो अधिकांश रूप से अधिकतर स्थानकवासी समाज से ही जुड़ी हुई हैं, द्वितीय भाग में समग्र जैन समाज श्वे. मूर्तिपूजक, तेरापंथी दिगम्बर एवं शेष बचे स्थानकवासी। इस तरह इस विभाग में प्रायः कर अधिक से अधिक संख्या है, ये सभी पत्र-पत्रिकाएँ समग्र जैन समाज से जुड़े हुए हैं। तृतीय भाग में ऐसी जैन पत्रिकाओं को सम्मिलित किया है, जो जैन समाज के तो हैं, लेकिन धार्मिक के अलावा सामाजिक, राजनैतिक आदि से जुड़े हुए हैं, इनमें आधे से ज्यादा समाचार जैन समाज के ही होते हैं। एवं चतुर्थ भाग में ऐसी जैन पत्र-पत्रिकाओं को सम्मिलित किया है जो जैन समाज की पत्रिकाएँ तो हैं, प्रकाशन भी प्रारंभ हुआ था और कइयों का संभव है वर्तमान में भी

हो रहा होगा, लेकिन हमें पक्के सही समाचार जात नहीं होनेके कारण हमने इनका नाम तो यहाँ प्रकाशित किया है, लेकिन संभावित शब्द लगाया है। सभी संभावित प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं के माननीय संपादक महोदयों से नम्र निवेदन है कि अगर पत्र का वर्तमान में प्रकाशन यथा रूप से चालू है, तो उसकी एक प्रति अवलोकनार्थ हमें अवश्य भिजवावे, ताकि उनको भाग द्वितीय में सम्मिलित कर सकें। जो जैन पत्र-पत्रिकाएँ वर्तमान में प्रकाशित नहीं हो रही हैं, उनका नाम यहाँ नहीं दिया गया है।

इनके अलावा यदि अन्य स्थानों से और जैन पत्रिकाएँ वर्तमान में प्रकाशित हो रही हैं, तो सभी संपादकों से नम्र निवेदन है कि वे अपने पत्र की एक प्रति हमें अवलोकनार्थ अवश्य भिजवावे, ताकि भविष्य में प्रकाशित होने वाली वृहद जैन पत्र-पत्रिका डायरेक्ट्री में सम्मिलित किया जा सके। उपर्युक्त पत्र-पत्रिकाओं में यदि सम्पर्क सूत्र बदल गया हो या प्रकाशन बन्द हो गया हो तो उसकी भी हमें सूचना अवश्य भेजे।

—सम्पादक

## अ. भा. जैन पत्र-पत्रिका डायरेक्ट्री-1992

सम्पूर्ण भारत के जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित होने वाली उपर्युक्त सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं को "समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992" में प्रकाशित किया गया है। कई महानुभावों का यह आग्रह रहा, निवेदन किया कि इसकी एक अलग से पुस्तिका भी प्रकाशित करे, ताकि यह डायरेक्ट्री सभी के पास सुरक्षित भी रह सके। इसके अलावा जैन समाज के जितने भी आयोजन होते रहते हैं उनके समाचार सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं को प्रेषित कर सके, इसके लिए छोटी-सी पुस्तिका हर जगह सभी के पास सुरक्षित रहे, इस दृष्टि से सभी महानुभावों के आग्रह एवं विनती को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं की अलग से एक पुस्तक

रूप में प्रकाशित की गयी है। पुस्तक का मूल्य सिर्फ रु. 5/- रखा गया है।

इच्छुक महानुभाव आज ही अपनी प्रति मंगावे। पुस्तकें सीमित मात्रा में हैं।

सम्पर्क सूत्र :

बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"  
उज्ज्वल प्रकाशन

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स,  
आकुर्ली क्रोस रोड नं. 1, कादिवली (पूर्व),  
बम्बई-400101 (महाराष्ट्र) फोन नं. 6881278

छपते-छपते

1. परिणय प्रतीक (द्विमासिक-हिन्दी)  
सम्पादक डॉ. जैनेन्द्र जैन  
दिगम्बर जैन महासमिति  
महावीर गृह उद्योग, शाहीनाथ मांगलिक भवन,  
83 सर हुकमचन्द मार्ग  
इन्दौर-452002 (म.प्र.) फोन नं. 30571

2. हे प्रभो ! यह तेरापंथ (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक डॉ. माणिकचन्द्र मालू  
21, रोझमेरी लेन, हावडा-1 (प. बं.)  
फोन नं. 604239



# अ. मा. समग्र जैन आचार्य सूची 1992

क्र.सं.	समुदाय का नाम	आचार्यों की संख्या
1	श्वे स्यान्ववासी जैन समुदाय	(1)
1	धमण राय समुदाय	(1)
	धमण मध न कुन आचार्य	(1)
2	स्वतंत्र समुदाय	
1	माधमणी समुदाय	(1)
2	रत्न बग समुदाय	(1)
3	समर्पित तोष (विराटजन)	(2)
3	मूह्व गुजरात समुदाय	
1	दरियापुरी समुदाय	(1)
2	निम्बडी मणवा समुदाय	(1)
3	श्रमात समुदाय	(1)

9	आचार्य श्री नैनी मुराधरजी समुदाय	(11)
10	श्री मोहन विजय समुदाय	(1)
11	आचार्य श्री मोहन मुराधरजी समुदाय	(6)
12	आचार्य श्री भक्ति मुराधरजी समुदाय	(5)
13	आचार्य श्री नन्द मुराधरजी (योग्य) समुदाय	(1)
14	आचार्य श्री मिदि मुराधरजी समुदाय	(3)
15	आचार्य श्री श्याम मुराधरजी समुदाय	(1)
16	आचार्य श्री हिमाचल मुराधरजी समुदाय	(1)
15	आचार्य श्री शांतिचन्द्र मुराधरजी समुदाय	(4)
18	आचार्य श्री अमृत मुराधरजी समुदाय	(1)
19	अचल चण्ड समुदाय	(2)
20	श्रवणरामचण्ड समुदाय	(1)
21	त्रिमूर्तिचण्ड समुदाय भाग प्रथम	(1)
22	त्रिमूर्तिचण्ड समुदाय भाग द्वितीय	(1)
23	त्रिमूर्तिचण्ड समुदाय भाग तृतीय	(1)
24	अचल चण्ड समुदाय	(2)

श्रान्तवासि समुदाय में कुल आचार्य (117) हैं

श्वे स्यान्ववासी समुदाय में कुल आचार्य (117)

2	श्वे तेरापथी एव नवतेरा पथी समुदाय	
1	श्वे तरापथी समुदाय	(1)
2	श्वे नवतरापथी समुदाय	(1)

4	दिगम्बर समुदाय	
	दिगम्बर समुदाय में कुल आचार्य	(38)

कुल आचार्य (1+1) = 2

कुल आचार्य (38)

3	श्वे मूर्तिपूजक समुदाय	
1	आचार्य श्री प्रेममुराधरजी समुदाय भाग (1)	(20)
2	आचार्य श्री प्रेम मुराधरजी समुदाय भाग (2)	(13)
3	आचार्य श्री नैनी मुराधरजी समुदाय	(17)
4	आचार्य श्री मांगिरानन्दजी समुदाय	(8)
5	पद्माम श्री धमविजयजी (हेलाराना) समुदाय	(6)
6	आचार्य श्री विजय वल्लभ मुराधरजी समुदाय	(2)
7	आचार्य श्री बुद्धिनागर मुराधरजी समुदाय	(6)
8	आचार्य श्री निती मुराधरजी समुदाय	(3)

क्र.सं.	समुदाय का नाम	आचार्यों की संख्या
1	श्वे स्यान्ववासि समुदाय	(8)
2	श्वे तरापथी एव नवतेरापथी समुदाय	(2)
3	श्वे मूर्तिपूजक समुदाय	(117)
4	दिगम्बर समुदाय	(38)
कुल योग		(165)

# अ. भा. समग्र जैन नई दीक्षा सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

क्र.	संत-मती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्रा
1.	एल्लक श्री ताराचन्दजी	18-10-91	गिरनार	दिगम्बर समुदाय
2.	श्री गिलापीजी म.	23-10-91	दिल्ली	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.
3.	आर्याजी श्री मुक्ति भूषण माताजी	6-11-91	मिवनी	दिगम्बर समुदाय
4.	आर्याजी श्री भक्तिमति माताजी	12-11-91	आमाम	दिगम्बर समुदाय
5.	श्री सुदर्शन सागरजी म.	17-11-91	वम्बई	दिगम्बर समुदाय
6.	श्री सुप्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
7.	श्री सम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
8.	श्री ध्यान प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
9.	श्री हिम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
10.	श्री चारु प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
11.	श्री विनम्र प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
12.	श्री मत्य प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
13.	श्री संयम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
14.	श्री गौरव प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
15.	श्री श्रेष्ठ प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
16.	आर्यिका श्री विरक्तमती माताजी	21-11-91	विजोनिया	दिगम्बर समुदाय
17.	धुल्लिका श्री विमुक्त माताजी	21-11-91	विजोनिया	दिगम्बर समुदाय
18.	श्री ममता बाई	17-11-91	पेटलावठ	श्रमण संघ समुदाय
19.	श्री सिद्ध कुंवरजी म.	23-11-91	खीचन	ज्ञान गच्छ समुदाय
20.	श्री विरक्ति कुमारीजी म.	23-11-91	खीचन	ज्ञान गच्छ समुदाय
21.	श्री सम्पत कुंवरजी म.	12-12-91	नीमच	ज्ञान गच्छ समुदाय
22.	श्री गुणमालाजी म.मा.	12-12-91	नीमच	ज्ञान गच्छ समुदाय
23.	श्री लालजी भाई	1-12-91	अहमदाबाद	तपःगच्छ समुदाय
24.	श्री गरिमाजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
25.	श्री अंकिताजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
26.	श्री महिमाजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
27.	श्री छाया बहिन	15-12-91	धानागढ	लिम्बडी गोपाल समुदाय
28.	श्री तखतमलजी कटारिया	26-1-92	मैलाना	रथो. स्वतंत्र समुदाय
29.	श्री कविता बहिन	8-2-92	अहमद नगर	श्रमण संघ समुदाय
30.	श्री जितेन्द्र भाई	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
31.	श्री अल्का बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
32.	श्री मीरा बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय

क्र	सत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/विधा
33	श्री बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
34	श्री इला बहिन	10-2-92	अहमदाबाद	लिम्बडी गोपाल समुदाय
35	कुमारी लता बहिन	16-2-92	अम्बरनाथ-बम्बई	अचल गच्छ समुदाय
36	कुमारी मनीषा बहिन	16-2-92	अम्बरनाथ-बम्बई	अचल गच्छ समुदाय
37	श्री सोहाल बहिन	16-2-92	मोरवी	गोडन सघार्णी समुदाय
38	श्री उषा बहिन	16-2-92	वडवाण शहर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
39	श्री शमप्रभाजी	17-11-91	नाडनू	आचार्य श्री तुलसी
40	श्री शमप्रभाजी	17-11-91	नाडनू	श्री आचार्य तुलसी
41	श्री ध्यान प्रभाजी	17-11-91	नाडनू	आचार्य श्री तुलसी
42	श्री लक्ष्मीवतीजी	17-11-91	नाडनू	आचार्य श्री तुलसी
43	श्री विगलकुमार जैन	16-2-92	मालपुरा (टाक)	शंतिराज सघ समुदाय
44	श्री ममता जी म	21-2-92	चुडलाणा	ज्ञान गच्छ समुदाय
45	श्री उदिताजी म	16-2-92	जाधपुर	ज्ञान गच्छ समुदाय
46	कुमारी विनीता कटकानी	16-2-92	शम्भुगढ़-भीरवाडा	श्रमण सघ समुदाय
47	श्री रजतरिणि जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
48	श्री अन्पम जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
49	श्री प्रवीण जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
50	श्री चन्दना जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
51	श्री रुचिका जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
52	श्री रिद्धिमा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
53	श्री रुचिका जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
54	श्री प्रेरणा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
55	श्री प्रेक्षा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
56	श्री शिखा जैन	18-2-92	चण्डीगढ़	श्रमण सघ समुदाय
57	श्री रजना जैन	16-2-92	सुधियाना	श्रमण सघ समुदाय
58	श्री सलेखचंद जैन	16-2-92	दिल्ली	दिगम्बर समुदाय
59	कुमारी हेमानी बहिन	2-3-92	गोडल	गोडन मोटा पक्ष
60	श्री राजीव हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
61	श्री इंद्रेस कोठारी	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
62	श्री इंदु हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
63	श्री चन्दनवान हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
64	श्री अजु हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
65	श्री जय श्री भूटा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
66	श्री सरोज भूटा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
67	श्री रीना वच्छावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय

क्र.	संतःसती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्ठा
68.	श्री कुमुद दस्तानी	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
69.	श्री कान्ता गोलेछा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
70.	श्री धैर्य प्रभा जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
71.	श्री मंजू नाहर	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
72.	श्री जयन्ती बाला जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
73.	श्री कविता जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
74.	श्री अनिता लोढ़ा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
75.	श्री सीमा सेठिया	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
76.	श्री सूरज नवलखा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
77.	श्री संगीता साखला	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
78.	श्री मणि प्रभा गुगलिया	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
79.	श्री मधु सुराना	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
80.	श्री लता काजल	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
81.	श्री जवाहर पाठक	9-2-92	कुरुक्षेत्र	श्रमण संघ समुदाय
82.	श्री हेमाली बहिन	2-3-92	गोडल	गोडल मोटा पक्ष समुदाय
83.	श्री दिनेश भण्डारी	16-4-92	मोहनखेडा	आचार्य श्री हेमेश्वर सूरजी म
84.	श्री दौलतकुमार	20-4-92	मालेरकोटला	श्रमण संघ समुदाय
85.	कु. मधुबाला	24-4-92	सिरोही	आचार्य श्री गुण रत्न सूरजी म
86.	आयिका	15-4-92	फिरोजाबाद	दिगम्बर समुदाय
87.	श्री अर्पिताजी म.	7-5-92	साचीर	ज्ञान गच्छ समुदाय
88.	श्री मंजू श्री जी म.	7-5-92	साचीर	ज्ञान गच्छ समुदाय
89.	श्री शोभना कुमारी	7-5-92	भचाऊ	लिम्बड़ी मोटा पक्ष समुदाय
90.	श्री शांति मुनिजी म.	7-5-92	मलुंड-बम्बई	बरवाला समुदाय
91.	श्री जय श्री बहिन	7-5-92	देशलपूर	अचल गच्छ समुदाय
92.	श्री हंसा बहिन	7-5-92	तीथल	पार्श्वचन्द्र गच्छ समुदाय
93.	श्री वीणा गोलेछा	3-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
94.	श्री चन्द्र किरण गादिया	3-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
95.	श्री चन्दन बाला	8-5-92	देशनोक	साधुमार्गी संघ समुदाय
96.	श्री कुसुम छोडा	13-5-92	वांकी-कच्छ	कच्छ मोटा पक्ष समुदाय
97.	श्री क्षुल्लक	13-5-92	फूलेरा	दिगम्बर समुदाय
98.	श्री क्षेमन्धर तन्दीजी म.	13-5-92	सांगानेर	दिगम्बर समुदाय
99.	श्री काम विजयनन्दीजी म.	13-5-92	सांगानेर	दिगम्बर समुदाय
100.	श्री हर्षित रत्न विजयजी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरजी म.
101.	श्री नय रत्न विजयजी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरजी म.
102.	श्री यशोलता श्री जी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरजी म.

क्र	मत-सूची का नाम	दिनांक	स्थान	समूदाय/नित्या
103	श्री भक्ति रमाश्रीजी म	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयत मेन सूरीजी म.
104	श्री हृष वसना श्री जी म	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयत मेन सूरीजी म
105	श्री प्रवीणा जी	7-5-92	पानीताणा	आचार्य श्री यशोदेव सूरीजी म
106	श्री धीरजलाल शोरो	7-6-92	राजापेट	गाडल मोटा पक्ष समुदाय,
107	श्री सुधा वहिन	21-5-92	जामनगर	गाडल मोटा पक्ष समुदाय
108	श्री सुप्रियका बाई म	4-6-92	वडिया	गाडल मोटा पक्ष समुदाय
109	श्री कौलवती बाई म.	4-6-92	वडिया	गाडल मोटा पक्ष समुदाय
110	श्री हमाक्षा बाई म	4-6-92	वडिया	गाडल मोटा पक्ष समुदाय
111	श्री नीलाबाई म	4-6-92	वडिया	गाडल मोटा पक्ष समुदाय
112	श्री आत्म विजयजी	10-6-92	पाली-भारवाट	आचार्य श्री इन्द्र दिग्न सूरीजी म
113	श्री दिव्यामद विजय म	10-6-92	पाली-भारवाट	आचार्य श्री इन्द्र दिग्न सूरीजी म
114	श्री पुनीत यश श्री जी म	10-6-92	पाली-भारवाट	आचार्य श्री इन्द्र दिग्न सूरीजी म
115	श्री पूर्णानंद श्री जी म	10-6-92	पाली-भारवाट	आचार्य श्री इन्द्र दिग्न सूरीजी म
116	श्री तत्व दशना श्री जी म	10-6-92	पाली-भारवाट	आचार्य श्री इन्द्र दिग्न सूरीजी म
117	श्री ममय मारजी म	21-6-92	मालपुरा (राज)	दिगम्बर समुदाय
118	श्री प्रकाशकुमार	21-6-92	गर्वेश्वर नौथ	नयागच्छ समुदाय
119	श्री शोभाबामरा	2-7-92	मद्राम	धर्मण सप समुदाय
120	जायिका श्री आदर्श मति जी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
121	जायिका श्री कुन म मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
122	जायिका श्री अब तर मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
123	जायिका श्री अविचन मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
124	जायिका श्री अनुभव मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
125	जायिका श्री अनुग्रह मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
126	जायिका श्री अश्व मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
127	जायिका श्री अमूर्त मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
128	जायिका श्री अत्र मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
129	जायिका श्री आनंद मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
130	जायिका श्री अनुभव मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
131	जायिका श्री अश्व मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
132	जायिका श्री अनुभव मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
133	जायिका श्री अनुभव मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
134	जायिका श्री अतिशय मतिजी	4-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
135	जायिका श्री अनुभव मतिजी	7-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म
136	जायिका श्री आनंद मतिजी	7-7-92	कुण्डलपुर	आचार्य श्री विद्याभागरजी म

## अ. भा. स्था. जैन दीक्षा (द्वादश वर्ष) संक्षिप्त तालिका

(सन् 1981 से 1992 तक)

सम्प्रदाय 1992 1991 1990 1989 1988 1987 1986 1985 1984 1983 1982 1981 12 वर्षों का कुल योग

सम्प्रदाय	1992	1991	1990	1989	1988	1987	1986	1985	1984	1983	1982	1981	12 वर्षों का कुल योग
श्रमण संघ	19	25	24	25	27	21	48	35	42	31	41	40	359
स्वतंत्र सम्प्रदाय	37	27	28	24	24	35	30	24	55	24	41	19	332
वृहदगुजरात सम्प्रदाय	19	30	14	32	30	40	30	42	45	43	45	42	393
कुल—	75	82	66	81	81	96	108	101	142	98	127	101	1084

नोट.—उपर्युक्त तालिका की जानकारी श्वे. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची 1979 से 1985 एवं समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 से 1992 के प्रकाशन वर्ष की चातुर्मास सूची पुस्तकों के अनुसार यहाँ प्रस्तुत की गयी है, इससे आप आसानी से अनुमान लगा सकते हैं कि स्था. सम्प्रदाय में नई दीक्षाओं की क्या स्थिति है सिद्धा. घट रही है या बढ़ रही है।

## अ. भा. समग्र जैन नई दीक्षा (सप्तम् वर्ष) तुलनात्मक तालिका

क्र. स.	सम्प्रदाय	1992 कुल	1991 कुल	1990 कुल	1989 कुल	1988 कुल	1987 कुल	1986 कुल	योग सप्तम्-वर्ष
1.	श्वे. मतिपूजक	19	93	155	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	—
2.	श्वे. स्थानकवासी	75	82	66	81	81	96	108	589
3.	श्वे. तेरापंथी	14	11	18	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	10	—
4.	दिगम्बर	29	15	28	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	—
कुल योग		137	201	267	—	—	—	—	—

नोट.—1986 से 1989 तक स्थानकवासी सम्प्रदाय के अलावा अन्य सम्प्रदायों की नई दीक्षा सूची प्रकाशित नहीं कर सके। उस वर्ष श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय में 4 श्रमण 10 मर्षण-मर्षणी दीक्षा हुई। उस वर्ष काफी कम नई दीक्षाएँ हुई।

—सध्यादक

## नई दीक्षाओं की प्रमुख विशेषताएँ:-

- (1) श्री माधुमार्गी समुदाय के आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म सा के मासिध्य म बीरानर मे 21 नई दीक्षाएँ एक साथ 16-2-92 को सम्पन्न हुई जा बीरानर का एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ। वनमान म समग्र जैन समाज म एक साथ 31 दीक्षाओं का रिकार्ड विद्यमान है।
- (2) श्वे तपस्य समुदाय के आचार्य श्री तुलसी के सासिध्य म दिना 17 11 91 को लाइन म ना समना समना दीक्षाएँ एक साथ सम्पन्न हुई।
- (3) श्वे स्थानकवासी समुदाय म—श्रमण सघीय उत्तर भारतीय प्रवक्तव श्री पद्मपदजी म सा के मासिध्य में दिल्ली मे 16 2 92 का एक साथ नौ नई दीक्षाओं का आयोजन हुआ है।
- (4) जीवनदाया मित्र महान मनावा के सम्पादन एक मंत्री ब्यावृद्ध श्री तखतमलजी कटारिया ने 26-1 92 का मैलाना (मप्र) म श्वे स्थानकवासी स्वतंत्र समुदाय के श्री अशोक मुनिजी म सा के मासिध्य म 85 वष की आयु म दीक्षा ग्रहण करके यह दिखा दिया है कि उम्र चाहे 85 वष की ही क्या न हो जीवन सुख प्राप्त के लिए दृढ़ मनोबल चाहिए। मुनिश्री 12 5-92 को महाप्रयाण भी कर गये।
- (5) दिगम्बर सम्प्रदाय के आचार्य श्री विद्याभारतजी म की निश्रा मे 4-7 92 का कुण्डलपुर म (15) एन 7 7 92 का (2) कुल (17) नई दीक्षाएँ हुई जा दिगम्बर समुदाय मे एक रिकार्ड है।
- (6) श्वे स्थानकवासी ज्ञान गण्ड समुदाय के ज्ञान गण्डाधिपति श्री चवानानजी म सा के नद्यय मे खीवन म 23-11-91 को दा, नामच मे 12-12-91 को दा, देणाना मे 13-12-91 का तीन, सावा म 7 5 92 का दा बहिनी को कुन नौ नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुए।
- (7) श्वे स्थानकवासी लिम्बडी गणपाल समुदाय के तपस्वीरत्न श्री रामजी मुनि म की नेश्राय म मुरदनगर म 9-2-92 का चार नई दीक्षाएँ एक 15-12-91 को धानगढ़ मे एक, बटवान शहर मे 16-2 92 का एक। इस तरह कुल 6 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हो चुकी है।
- (8) श्वे स्थानकवासी स्वतंत्र समुदाय व (बाहन विहारी) उपध्याय श्री अमर मुनिजी म सा की नेश्राय म आचार्य श्री चन्दनाजी के मासिध्य म दिल्ली मे एक बहिनी की नई दीक्षा सम्पन्न हुई।
- (9) श्वे मूर्ति त्रिस्तुति समुदाय के आचार्य प्रवर श्री मद् विजय जयत गेन मुरीजी म के निश्रा मे 22 1 92 का पांच नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (10) गाटन मोटापक्ष समुदाय मे 4 6-92 को बहिया मे चार एक अय जगह तीन, कुल 7 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (11) श्वे तपागण्ड आचार्य था विजय इन्द्र दित्र मुरीजी म का निश्रा मे 10-6-92 का पाला-भारवा म पाँच नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुए।
- (12) डम वष श्वे मूर्ति एक स्थानकवासी, तपस्यी, दिगम्बर समुदाय म वही पर भी ज्यादा दीक्षाएँ नहीं हुए। विशेषकर श्वे मूर्ति समुदायों म ता नाम मात्र की दीक्षाएँ हुई हैं। क्याकि सर्वाधिक दीक्षाएँ इसी समुदाय म होनी ह।

—सम्पादक

नोट—परिपद के सभी सदस्यों की ओर से—सभी नव दीक्षित श्रमण-श्रमणिया का समयी जीवन, ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की उन्नति कर जैन समाज की शोभा बढ़ाते रह, भगवान महावीर स्वामी का दिव्य सदाशुचि, दुनिया मे पहुँचता रहे। यही अभिलाषा एक भगवत कामना करते ह।

—परिपद परिवार

# अ. भा. समग्र जैन संत-सती नई पदवी प्रदान सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92)

क्र.सं.	संत-सती का नाम	पदवी	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्चा
1.	श्री मुक्ति श्रीजी म.	शासन दीपिका	17-10-91	कोयम्बतूर	त्रिस्तुतिक संघ समुदाय
2.	प्रवर्तक श्री महेन्द्र मुनिजी म. "कमल"	युवा शिरोमणि	अक्टू. 1991	नागौर	श्रमण संघ समुदाय
3.	तपस्वी श्री सहज मुनिजी म.	{ तपोगगन के पूर्णचन्द्र एवं तपस्वीरत्न	10-11-91	अजमेर	श्रमण संघ समुदाय
4.	आचार्य श्री सुधर्म सागरजी म.	राष्ट्र संत	22-12-91	बम्बई	दिगम्बर समुदाय
5.	श्री आर्यनन्दजी म.	आचार्य	24-12-91	बम्बई	दिगम्बर समुदाय
6.	श्री राम मुनिजी म.	युवाचार्य	7-3-92	वीकानेर	साधुमार्गी समुदाय
7.	श्री मनोज सागरजी म.	रत्नशिरोमणि	5-3-92	ब्रह्मसर	खरतर गच्छ समुदाय
8.	श्री अभिनन्दनसागरजी म.	आचार्य	8-3-92	वासवाडा	दिगम्बर समुदाय
9.	उपा. श्री नेमीसागरजी म.	बालाचार्य	15-4-92	फिरोजावाद	दिगम्बर समुदाय
10.	गणि श्री सुयश मुनिजी म.	पन्यास	5-5-92	चेम्बूर-बम्बई	तपागच्छ समुदाय
11.	उपाचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.	आचार्य	7-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
12.	श्री चंदन मुनिजी म.	आचार्य	मई-92	गोपालपुरा	नव तेरापंथ समुदाय
13.	गणि श्री वीर रत्नविजयजी म.	पन्यास	7-5-92	रायपुर (म.प्र.)	तपागच्छ समुदाय
14.	गणि श्री पदमरेन विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवन भानु सूरीजी म.
15.	गणि श्री विद्यानन्द विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
16.	गणि श्री जय सोम विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
17.	गणि श्री जगवत्लभ विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
18.	गणि श्री हेमरत्न विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
19.	आचार्य श्री वि. महोदय सूरीजी म.	गच्छाधिपति	8-5-92	शंखेश्वर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
20.	गणि श्री कुलचन्द्र विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
21.	गणि श्री रत्न सुन्दर विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
22.	गणि श्री वीररत्न विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
23.	गणि श्री चतुर विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.

## नई पदवियों की मुख्य विशेषताएँ:—

- समग्र जैन समाज के विशाल समुदाय श्वे. स्था. श्रमण संघ मे श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् तृतीय पट्टधर के रूप मे सुप्रसिद्ध साहित्यकार उपाचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. को श्रमण संघ का तृतीय पट्टधर आचार्य बनाया गया है।
- दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री श्रेयास सागरजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् श्री अभिनन्दन सागरजी म.सा. को संघ का नया आचार्य बनाया गया है।



- 3 ज्ये तपस्यगच्छ निमुदाय के विभाज सपे 11 गच्छाधिपति आर्ज्ये श्री विजय मंगलत्र मूर्तिपवर्गी ममा के महा प्रयाण क पश्चात विनाल मघ का नया गच्छाधिपति के लिए आचाय श्री विजय महादय मुरीपरजो ममा का मघ का नया गच्छाधिपति जनाया गया है।
- 4 ज्ये न्या मातुमर्गी ममुदाय क अट्टम् पट्टधर आचाय श्री नानालाजो ममा ने नया तपस्वी श्री राम मुनिजा ममा का सघ ज्जा युवाचाय (भारो नवम पट्टधर) मनानीत किया है।
- 5 नव तरापधीममदाय क भाग प्रथम (दा भाग ह) के 6य नायक के रूप म श्री चदन मुनिजी म को नया आचाय बनाया गया ह।
- 6 इस तप नयो पदविया प्रदान की उनम मुख्य इग प्रकार है-गच्छाधिपति (1), आचाय (1), युवाचाय (1), ज्ञानाचाय (1), पंचान (11)। इनक अलावा भी अन्य स्थाना पर नयो पदविया प्रदाय की होगी। हमार पाम जितनी जानकारिया प्राप्त हुई, उन ममा का यहाँ प्रस्तुत किया गया ह।  
-ममदाय

**परिपद् की ओर से सभी नए पदवीधारको को  
बहुत-बहुत हार्दिक मंगल कामनाएं।**

-परिपद् परिवार

**मघ निष्क्रातित एव सयम जीवन त्याग सत-सती सूची**  
(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

**1 सघ निष्क्रातित सत-सतियाजी म सा**

क्रम	सत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	मुमुदाय
1	श्री नयन ज्योतिजी म	21-8-91	उदयपुर	श्रमण सघ

**2 संयमी जीवन त्याग सन्त-सतियां**

क्रम	सत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	मुमुदाय
1	श्री सूर्य मुनिजी म	17-10-91	फाली-भो वाड	श्रमण सघ
2	श्री कमराजी म	जनवरी 92	अजमेर	रुया स्थान
3	श्री अनाम शालाजी म (51 उपवार)	92	तानावना (पुता)	श्रमण सघ
4	श्री अजयदास जी म	मई 92	जाधपुर	रुतवग मुमुदाय
5	श्री शानीबदजी म	जुलाई 92	चौर का बरनाडा	वीतराग सघ
6	श्री श्रमण	जुलाई 92	गवाई माधपुर	तरापद् मुमुदाय
7	श्री प्रणाल भागर विजयजी	—	चम्बल	श्री नमीमुरीजी मुमुदाय
8	श्री विजयजी	—	चम्बल	श्री मुरीमुरीजी मुमुदाय

# अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रथारा सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

क्र.सं.	संत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
1.	पन्थाम श्री पुण्डरीक विजयजी म.	1-8-91	गंखेवर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
2.	श्री पान कुंवरजी म सा.	4-8-91	मद्रास	श्रमण संघ
3.	आचार्य श्री रामचन्द्रमूरीजी म	9-8-91	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
4.	श्री सुशील कुंवरजी म (माताजी)	19-8-91	देवलाली	श्रमण संघ
5.	श्री मुदधा श्रीजी म.	4-9-91	इन्दौर	तपागच्छ सागर समुदाय
6.	श्री सुरेश मुनिजी म "शास्त्री"	6-9-91	अमृतसर	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.
7.	श्री देवजी ऋषिजी म.	7-9-91	बम्बई	खभात समुदाय
8.	श्री हंसा श्रीजी म सा.	सितम्बर 91	मालेगाव	तपागच्छ समुदाय
9.	श्री ऋजुकला श्रीजी म	7-10-91	बम्बई	तपागच्छ समुदाय
10.	श्री शशिप्रभाजी म.	10-10-91	जोधपुर	रत्नवश समुदाय
11.	श्री किस्तूराजी म.	22-10-91	सवाई-माधोपुर	श्रमण संघ
12.	श्री ऋषभ मुनिजी म	2-11-91	बीकानेर	साधुमार्गी समुदाय
13.	तपस्वीरत्न श्री लालचंदजी म.	6-11-91	इन्दौर	श्री धर्मदास समुदाय
14.	श्री खजानचंदजी म.	10-11-91	मंडी गिदडवाहा	श्रमण संघ
15.	श्री नीलमजी म.	नवम्बर 91	कलकत्ता	जैन समुदाय
16.	उप प्रवर्तक श्री वनवारीलालजी म.	19-12-91	दिल्ली	श्रमण संघ
17.	श्री नोवतरायजी म.	23-12-91	रायकोट	श्रमण संघ
18.	श्री ज्योति सागरजी म.	4-12-91	जयपुर	दिगम्बर समुदाय
19.	श्री हेम रत्नाश्रीजी म.	5-12-91	मद्रास	तपागच्छ समुदाय
20.	श्री वक्सुजी म	2-12-91	समदडी	श्रमण संघ
21.	श्री धनकुंवरजी वाई म सा.	जनवरी 91	कच्छ मे	कच्छ मोटा, पक्ष समुदाय
22.	श्री नेमी सागरजी म.	15-12-91	सोनगिर	दिगम्बर समुदाय
23.	श्री मोक्षलता श्रीजी म	जनवरी 92	तिथल तीर्थ	बधु त्रिपुटी समुदाय
24.	श्री लिछमाजी म.	23-9-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
25.	श्री विदामजी म.	23-10-91	वीदासर	तेरापथी समुदाय
26.	श्री सुवटाजी म.	6-11-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
27.	श्री लक्ष्मीवतीजी म.	9-1-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
28.	श्री तनमुखजी म.	21-2-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
29.	श्री निर्मल सागरजी म.	22-1-92	बनेठा (टोक)	दिगम्बर समुदाय
30.	श्री सतीप कुंवरजी म.	3-2-92	देशनोक	जानगच्छ समुदाय
31.	श्री मूरज कुंवरजी म.	11-2-92	अजड (म.प्र.)	साधुमार्गी समुदाय
32.	आचार्य श्री कुमुदचन्द्र सूरीजी म.	14-2-92	पालनपुर	तपागच्छ समुदाय



क्र.सं.	संत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
68.	श्री जयचंद्र विजयजी म.	4-6-92	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
69.	श्री सूरजकुंवरजी म.	15-6-92	गंगाशहर	साधुमार्गी समुदाय
70.	श्री धीरज मुनिजी म.	19-6-92	भीनासर	साधुमार्गी समुदाय
71.	श्री मनोरमाजी म.	24-6-92	डूगरगढ	तेरापंथी समुदाय
72.	श्री स्वर्णलताजी म.	25-6-92	रोहतक	तेरापंथी समुदाय
73.	श्री गोराजी म.	28-6-92	लाडनू	तेरापंथी समुदाय
74.	श्री किशोर कुंवरजी म	24-6-92	गंगाशहर	ज्ञान गच्छ समुदाय
75.	श्री विनय श्रीजी म.भा.	31-5-92	बीकानेर	खरतर गच्छ समुदाय
76.	श्री जिनचन्द्रजी म.	14-6-92	चवलेश्वर तीर्थ	दिगम्बर समुदाय

**अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण (सप्तम् पत्र) तुलनात्मक तालिका**

(सन् 1986 से 1992 तक)

क्र.सं.	समुदाय	1992 कुल	1991 कुल	1990 कुल	1989 कुल	1988 कुल	1987 कुल	1986 कुल
1.	श्वे. मूर्तिपूजक	25	23	25	—ज्ञात नहीं हो सके—			
2.	श्वे. स्थानकवासी	32	33	23	24	19	19	29
3.	श्वे. तेरापंथी	9	6	12	—ज्ञात नहीं हो सके—			
4.	दिगम्बर	7	6	10	—ज्ञात नहीं हो सके—			
कुल योग		73	68	70	—	—	—	—

**अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण—संक्षिप्त तालिका 1992**

क्र.सं.	समुदाय	मुनिराज	साध्विर्याजी	कुल ठाणा
1.	श्वे मूर्तिपूजक	12	13	25
2.	श्वे. स्थानकवासी समुदाय	15	17	32
3.	श्वे. तेरापंथी समुदाय	—	9	9
4.	दिगम्बर समुदाय	5	—	7
कुल योग		34	39	73

सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को  
कोटी-कोटी वन्दन



आफिस- 2044723  
233368  
4308036  
निवास- 4300549

**राजेन्द्र ए. जैन**

**जैन इन्वेस्टमेंट्स**

**हीरालाल जैन एण्ड कं.**

907, ऐरेकेडिया,  
ओवेराय होटल के पीछे, नरीमन पाइंट,  
बम्बई-400021 (महा)

— शुभेच्छुक —

राजेन्द्र ए. जैन

प्रचार प्रसार मंत्री

भारत जैन महामण्डल,

बम्बई

मनोज आर. जैन

बम्बई

# अ. भा. समग्र जैन पंचवर्षीय नये

## आचार्य पद प्रदान सूची

(सन् 1988 से 1992 तक नये आचार्य बनने वालों की सूची)

क्र.सं.	आचार्य का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
<b>सन् 1988:-</b>				
1.	आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरीजी म.	फाल्गुन वदी 1	भायकला-बम्बई	आचार्य श्री प्रेमसूरीजी समुदाय (भाग द्वितीय)
2	आचार्य श्री विजय गुण रत्न सूरीजी म.	25-6-88	पादरली	" " "
3	आचार्य श्री रेवतसागरजी म.	फाल्गुन वदी 3	डग (राज.)	तपागकछ समुदाय
4	आचार्य श्री विजय महानन्द सूरीजी म	12-11-87	अंधेरी-बम्बई	आचार्य श्री वि. धर्मसूरीजी सम.
5.	आचार्य श्री विजयसूर्योदय सूरीजी म.	12-11-87	अंधेरी-बम्बई	आचार्य श्री वि. धर्मसूरीजी समु.
6	आचार्य श्री कलाप्रभ सागर सूरीजी म.	12-2-88	दांताणी तीर्थ	अचल गच्छ समुदाय
7	आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा. (गच्छाधिपति)	1988	राजस्थान मे	स्था. श्री जयमलजी समुदाय
<b>सन् 1989:-</b>				
9.	श्री नृसिंह मुनिजी म. (गादीपति)	1988	लिम्बडी	लिम्बडी मोटा पक्ष
10.	आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरीजी म. (गच्छाधिपति)	1988	72 जिनालय	अचल गच्छ समुदाय
11.	आचार्य श्री विजय अरविन्द सूरीजी म.	10-3-89	दाव (गुजरात)	आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरीजी समुदाय
12.	आचार्य श्री विजय यशोविजय सूरीजी म.	10-3-89	दाव (गुजरात)	आचार्य श्री सिद्धी सूरीजी समु.
13	गच्छाधिपति श्री सरदार मुनिजी म.	15-2-89	वरवाला	वरवाला समुदाय
14.	आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरीजी म.	11-5-89	सावत्थी तीर्थ	आचार्य श्री प्रेम सूरीजी समुदाय (भाग द्वितीय)
<b>सन् 1990:-</b>				
15	आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीजी म.	3-12-89	बम्बई	आचार्य श्री केशर सूरीजी समु.
16	आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरीजी म.	7-3-90	बोरसद	आचार्य श्री प्रेमसूरीजी समुदाय (भाग प्रथम)
17.	आचार्य श्री विजय जयकुंजर सूरीजी म.	23-3-90	बम्बई	" " "
18	आचार्य श्री विमल मुनिजी म.	15-4-90	जालंधर	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म. समुदाय
19.	आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरीजी म.	16-5-90	भाभर-कच्छ	श्री शातिचन्द्र सूरीजी समुदाय
20.	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी म	24-6-90	पारसोली	दिगम्बर समुदाय
21.	आचार्य श्री श्रेयास सागरजी म.	जून 1990	बासवाड़ा	दिगम्बर समुदाय
22.	आचार्य श्री वीर शेखर सूरीजी म.	7-3-90	डोलिया	आ श्री प्रेमसूरीजी समुदाय (भाग प्रथम)

क्र.	मत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/निष्ठा
सन् 1991 -				
23	आचार्य श्री दशम मागर सूरीजी (गच्छाधिपति)	3-2-91	बम्बई	मागर समुदाय
24	आचार्य श्री विजय महादय सूरीजी म	19-5-91	अहमदाबाद	आ श्री प्रेम सूरीजी म समुदाय (भाग प्रथम)
25	आचार्य श्री विजय पुष्पजान सूरीजी म	19-5-91	अहमदाबाद	" " "
26	आचार्य श्री विजय यगोवय सूरीजी म	19-5-91	दादर-बम्बई	आ श्री सवित्रि सूरीजी समुदाय
27	आचार्य श्री विजय पूषाचन्द्र सूरीजी म	19-5-91	गुवा	आ श्री प्रेमसूरीजी समुदाय (प्रथम भाग)
28	आचार्य श्री विजय मुक्तिप्रभ सूरीजी म	19-5-91	गुवा	" " "
29	आचार्य श्री जितेन्द्र सागरजी सूरीजी म	23-5-91	उज्जैन	मागर समुदाय
30	आचार्य श्री यगोवय सागर सूरीजी	24-5-91	बडोदा (म.प्र)	मागर समुदाय
31	आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म	2-6-91	जोधपुर	स्था रत्नवम समुदाय
32	आचार्य श्री विजय धनश्वर सूरीजी म	22-6-91	नगमनर	आ श्री प्रेम सूरीजी (भाग 2)
33	आचार्य श्री विजय पूषानन्द सूरीजी म	20-7-91	गणेश स्टेशन	आ श्री धम सूरीजी समुदाय
सन् 1992 -				
34	आचार्य श्री आर्यनन्दीजी म	24-12-91	बम्बई	दिगम्बर समुदाय
35	आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी म	8-3-92	वामवाडा	दिगम्बर समुदाय
36	आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म	7-5-92	साजप मिटी	स्था धमण मध समुदाय
37	आचार्य श्री चन्दन मुनिजी म	मई 92	गोपालपुर	नवनेरा पथ समुदाय
38	आचार्य श्री विजय महादय सूरीजी म (गच्छाधिपति)	8-5-92	गंगोत्र-बर्नाली	आ श्री प्रेम सूरीजी समुदाय (भाग प्रथम)

नोट - इसवे अलावा भी, अय नई नये आचार्य वनाय मय हगे, हमारे पास जितनी जानवारियाँ थीं वे यहाँ प्रस्तुत की गयी हैं। हमारा विचार 1986 से 1992 की अवधि में सम्पूर्ण जैन समाज में जितने भी नये आचार्य बने हैं उन सभी की सूची यहाँ प्रस्तुत करने का था, परन्तु सम्पूर्ण जानवारियाँ व अभाव में हम यहाँ प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं। अतः सभी पूज्य आचार्यों में नम्र विवेक है कि आप सभी अपना पूरा विवरण हम शीघ्र भेजने की कृपा करें ताकि भविष्य में हम प्रकाशित कर सकें।

# अ. भा. समग्र जैन पदवीधारक एवं प्रसिद्ध साधु-साध्वी

## एकादश वर्ष-महाप्रयाण सूची

सन् 1982 से 1992 तक महाप्रयाण पाने वाले प्रमुख पदवीधारक एवं प्रसिद्ध-साधु-साध्वियाँ.

(चातुर्मास सूची 1981 से 1992 तक के अनुसार)

### 1. श्वे. स्थानकवासी समुदाय:-

क्र.स.	संत सती का नाम	पद	दिनांक	स्थान	समुदाय
सन् 1982					
1.	श्री हस्तीमलजी म. मेवाड़ी	—	12-9-81	रायपुर (राज.)	श्रमण संघ
2.	श्री छोटेलालजी म.	—	दिम. 81	दिल्ली	आचार्य श्री मुशीलकुमारजी के गुरु
3.	उपा श्री फूलचन्दजी म 'श्रमण'	उपाध्याय	17-6-82	लुधियाना	श्रमण संघ
4.	श्री सूर्य मुनिजी म	—	30-9-82	इन्दौर	श्रमण संघ
सन् 1983					
5.	प्रवर्तक श्री हंगामीलालजी म.	प्रवर्तक	16-8-82	अजमेर	स्वतंत्र समुदाय
6.	दावाजी श्री जयंत मुनिजी म.	—	21-12-82	जोधपुर	रत्न वंश समुदाय
7.	तपस्वी श्री श्रीचन्दजी म.	—	17-1-83	इन्दौर	रत्नवंश समुदाय
8.	आमुकवि श्री अणोकमुनिजी म	—	8-2-83	पूना	श्रमण संघ
9.	प्रवर्तक श्री हीरालालजी म.	प्रवर्तक	10-3-83	जावरा	श्रमण संघ
10.	आचार्य श्री रूपचन्दजी स्वामी	आचार्य	10-6-83	भचाऊ	लिम्बडी मोटा पक्ष
11.	प्रवर्तक श्री वृजलालजी म.	प्रवर्तक	2-7-83	धुलिया	श्रमण संघ
12.	प्रवर्तिनी श्री मानकुंवरजी म	प्रवर्तिनी	16-5-83	जालना	श्रमण संघ
13.	विदुषी श्री लीलावतीबाई म	—	3-7-83	सुरेन्द्रनगर	बृहद् गुजरात
सन् 1984					
14.	युवाचार्य श्री भधुकर मुनिजी म.	युवाचार्य	26-10-83	नासिक	श्रमण संघ
15.	प्रवर्तक श्री मरुधर केशरीजी म.	प्रवर्तक	17-1-84	जैतारण	श्रमण संघ
16.	प्रवर्तक श्री कुन्दनमलजी म.	प्रवर्तक	20-2-84	अजमेर	स्वतंत्र समुदाय
17.	आचार्य श्री रतनचन्दजी म.	आचार्य	9-3-84	वांकी-कच्छ	कच्छ मोटा पक्ष
18.	मालध केशरी श्री सीभाग्यमलजी म	—	22-7-84	रतनाम	श्रमण संघ
19.	विदुषी श्री सत्यावतीजी म.	—	16-12-83	लुधियाना	श्रमण संघ
20.	विदुषी श्री रंभाबाई म.	—	28-1-84	राजकोट	गोंडल मोटा पक्ष
सन् 1985					
21.	श्री पन्नालालजी म.	—	28-12-84	हमीरगढ़	श्रमण संघ
22.	उ.भा. प्रवर्तक श्री शांतिस्वरूपजी म.	प्रवर्तक	25-4-85	मेरठ	श्रमण संघ



23	श्री फूलालानजी म		19-5-85	जाधपुर	ज्ञानगच्छ
24	विदुषी श्री भाणिवसुदेवी म		23-4-85	आब पर्वत	श्रमण मण
25	विदुषी श्री उमरावकुन्दजी म		3-5-85	जाधपुर	ज्ञान गच्छ
26	विदुषी श्री चादकुन्दजी म		24 7 85	हदोर	श्रमण मण
सन् 1986 -					
27	उपाध्याय श्री वस्तूचन्दजी म	उपाध्याय	22-10-85	रतलाम	श्रमण मण
28	श्री प्रेम मुनिजी म	—	30-5-86	अहमदाबाद	गाहन मोटा पक्ष
29	श्री सुमेर मुनिजी म	—	6-7 86	गोहाटी	श्रमण मण
30	विदुषी श्री अन्नादजी म	—	13-1-86	अम्बारा	श्रमण मण
31	विदुषी श्री भर्तृहरि म	—	28-2-86	भुजपुर	बच्छ मोटा पक्ष
32	विदुषी श्री त्रिगणनाई म	—	28-2 86	अहमदाबाद	दरियापुरी समुदाय
33	विदुषी श्री शांदादाई म	—	14 3-86	बम्बई	श्रमण समुदाय
34	आचार्य श्री जितमलजी म	आचार्य	16-2-87	जाधपुर	श्री जयमल समुदाय
35	माधारी श्री वनवतजमजी म	—	27 4-87	रोहतक	स्वतंत्र समुदाय
36	विदुषी श्री खतवाई म (99 वर्ष)	—	17-11-86	समाधोषा	निम्बई मोटा पक्ष
37	विदुषी श्री कमलावतीजी म	—	16-11-86	भद्रास	श्रमण सभ
38	विदुषी श्री जगदोग भतिजी म	—	9-6-87	रोहतक	श्रमण मण
सन् 1988 -					
39	आचार्य श्री नालचंदजी म	आचार्य	19-4-88	जाधपुर	श्री जयमल समुदाय
40	प्रवचन श्री अचिन्नेश मुनिजी म	प्रवचन	1-11 87	विरायतन	संभति तीर्थ समुदाय
41	तपस्वी श्री बद्धीप्रसादजी म (73 दिवसीय साधारा)	—	16-10-87	गोनीपत	स्वतंत्र समुदाय
42	विदुषी श्री सज्जायतीजी म	—	1988	पंजाब	श्रमण मण
सन् 1989 -					
43	आचार्य श्री चपन मुनिजी म	आचार्य	18-10-88	श्रमण	बग्घासा समुदाय
44	गादीपति श्री चुन्नीलालजी म	गादीपति	7 12 88	मारवी	निम्बई मोटा पक्ष
45	आगमन श्री पद्मेपालानजी (घानदेश)	—	13-1-89	बम्बई	स्वतंत्र समुदाय
सन् 1990					
46	विदुषी श्री बेलवाई म (101 वर्ष)	—	10-10-89	रापर-बच्छ	निम्बई मोटा पक्ष
47	विदुषी श्री लक्ष्मप्रसादजी	—	अप्रैल 90	जाधपुर	श्री जयगच्छ समुदाय
48	विदुषी श्री हींगवाई म (मोटा)	—	7-5-90	अहमदाबाद	दरियापुरी समुदाय
49	विदुषी श्री चादकुन्दजी म	—	7-5-90	बिलाहा	श्रमण सभ
सन् 1991 -					
50	आचार्य श्री छाटालालजी म	आचार्य	17-8-90	बोधी-बच्छ	बच्छ मोटा पक्ष
51	श्री मोहन मुनिजी (जिदा जलाया)	—	12-11-90	निम्बाहबा	श्रमण मण
52	तपस्वी श्री लाभचंदजी म	—	7 12-90	मदमोर	श्रमण सभ
53	श्री लालचंदजी म	—	10-12 90	सज्जाइ	श्री ज्ञानगच्छ

54. आचार्य श्री हस्तीमलजी म.	आचार्य	21-4-91	निमाज	रत्नवंश समुदाय
55. आचार्य श्री पूनमचन्दजी म.	आचार्य	31-5-91	प्रतापुर-कच्छ	कच्छ मोटा पक्ष
56. बाबाजी श्री खुशालचन्दजी म.	—	11-6-91	बालोतरा	ज्ञानगच्छ
57. तपस्वी रत्न श्री लालचन्दजी म.	—	6-11-91	इन्दौर	स्वतंत्र समुदाय
58. उपप्रवर्तक श्री बनवारीलालजी म.	उप प्रव.	19-12-91	दिल्ली	श्रमण संघ
59. श्री खजानचन्दजी म.	—	10-11-91	मंडी गिदड़वाहा	श्रमण संघ
60. आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.	आचार्य सम्राट	28-3-92	अहमदनगर	श्रमण संघ
61. विदुषी श्री जैनमतीजी म.	—	19-5-92	जोधपुर	श्रमण संघ
62. श्री मोती मुनिजी म.	—	10-5-92	मावली जं.	ज्ञान गच्छ
63. उपाध्याय श्री अमरमुनिजी म.	उपाध्याय	1-6-92	राजगृही	स्वतंत्र समुदाय

## 2. श्वे. मूर्तिपूजक समुदाय:-

क्र.स.	साधु-साध्वी का नाम	पद	तारीख	स्थान	समुदाय
1.	उपाध्याय श्री महिमा विजयजी म.	उपाध्याय	8-9-90	पालीताणा	श्री प्रेमसूरीजी (प्रथम भाग)
2.	प्रवर्तिनी श्री सज्जन श्रीजी म.	प्रवर्तिनी	9-12-89	जयपुर	खरतरगच्छ समुदाय
3.	आचार्य श्री विजय नवीन सूरीजी म.	आचार्य	15-5-90	अहमदाबाद	श्री विक्रम सूरीजी समुदाय
4.	आचार्य श्री विजय कनकसूरीजी म.	आचार्य	17-4-90	हाड़ेचा (गुज.)	श्री शांति सूरीजी समुदाय
5.	आचार्य श्री कंचनसागरजी म.	आचार्य	29-4-90	अहमदाबाद	श्री सागर समुदाय
6.	प्रवर्तिनी श्री जिन श्रीजी म.	प्रवर्तिनी	30-5-90	अमलनेर.	खरतर गच्छ समुदाय
7.	पन्यास श्री पुरन्दर विजयजी म.	पन्यास	फरवरी 90	—	तपागच्छ समुदाय
8.	उपाध्याय श्री ललित विजयजी म.	उपाध्याय	17-8-90	नडियाद	श्री प्रेमसूरीजी (प्रथम भाग)
9.	आचार्य श्री कीर्तिचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	30-11-90	बम्बई	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
10.	आचार्य श्री सुबोध सूरीजी म.	आचार्य	30-11-90	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
11.	आचार्य श्री चिदानन्द सूरीजी म.	आचार्य	6-12-90	जामनगर	सागर समुदाय
12.	आचार्य श्री स्वयंप्रभ सूरीजी म.	आचार्य	2-11-90	पालीताला	श्री केशरसूरीजी समुदाय
13.	आचार्य श्री भुवन सूरीजी म.	आचार्य	24-5-91	हिम्मतनगर	श्री प्रेम सूरीजी (प्रथम भाग)
14.	पन्यास श्री पुण्डरीक विजयजी म.	पन्यास	1-5-91	शांखेश्वर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
15.	आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीजी	आचार्य	9-8-91	अहमदाबाद	श्री प्रेमसूरीजी (प्र. भाग)
16.	आचार्य श्री कुमुदचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	14-2-92	पॉलनपुर	तपागच्छ समुदाय
17.	आचार्य श्री भद्रकर सूरीजी म.	आचार्य	15-4-92	अंकलेश्वर	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
18.	आचार्य श्री हिंकार सूरीजी म.	आचार्य	20-4-92	नागेश्वर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
19.	आचार्य श्री सद्गुण सूरीजी म.	आचार्य	जून 92	बम्बई	श्री नेमी सूरीजी समुदाय
20.	आचार्य श्री सोमचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	11-6-92	अहमदाबाद	श्री नेमी सूरीजी समुदाय
21.	आचार्य श्री वर्धमान सूरीजी म.	आचार्य	12-6-92	डभोई	तपागच्छ समुदाय

## 3 श्वेताम्बर तैरापयी समुदाय-

क्र.सं.	श्रमण-श्रमणी का नाम	तारीख	स्थान	विशेष
1	मुनि श्री मातृभक्तजी म	15-9-85	जागाहोली	अग्नि मुनि
2	मुनि श्री जयवर्षाजी	6-1-86	छाटी गाढ़	—
3	मुनि श्री नयमलजी	24-4-86	मुजागाढ़	शागत स्वभ भ्रमण
4	मुनि श्री माहनलानजी म	2-9-89	गा. गढ़	—
5	राखी श्री छगनाजी	16-9-89	साडनू	—
6	श्री माहनलानजी म	नवम्बर 90	साडनू	—
7	श्री वीरमलजी 'छापर'	गुप्त 91	राजस्थान	—
8	लिष्टमाजी	23-9-91	साडनू	—

## 4 श्री दिगम्बर समुदाय -

क्र.सं.	साधु-साध्विवा के नाम	पद	तारीख	स्थान	विशेष
1	आदिवा श्री भाषि मतिजी (90 वर्ष)	—	13-8-89	मतिपुर	90 वर्षीय
2	आचार्य श्री अर्जुनसागरजी म	आचार्य	9-5-90	साधला (गंज)	आचार्य
3	श्री कमरुण सागरजी	—	8-10-90	इंदौर	—
4	श्री ज्योति सागरजी म	—	4-12-91	जयपुर	—
5	श्री निर्मलसागरजी	—	22-1-92	बनडा	—
6	आचार्य श्री श्रेयाम सागरजी म	आचार्य	19-2-92	बामवाडा	—

नोट—आजक सम्मुख हमने यह 11 वर्षों का विवरण प्रस्तुत किया है जिसमें नम्र जन समाज के प्रमुख 15 वर्षों के धारक एव प्रसिद्ध साधु-साध्विवा के महाप्रयाण का विवरण है। स्थानबन्धिता समाज की पूरा जानकारिता का कारण हम समुदाय का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया है जबकि श्वे-मतिपूजक अपने तारापयी एव दिगम्बर समुदाय की पूरा-जानकारिता उपलब्ध नहीं होने के कारण जितनी प्राप्त हो सकी उतनी ही यहाँ प्रस्तुत की गयी है। हमारा तो हमेशा से यही प्रयास रहा है कि पाठकों को समाज की अधिन रु अधिन गतिविधियाँ की जानकारियाँ पूरा रूप से उपलब्ध करावें परन्तु जो जानकारियाँ हम ज्ञात ही नहीं हो सकी हैं हम वयावर सचेत हैं। आपसे नम्र निवेदन है कि आप हम, इस प्रकार की सूचनाएँ अवश्य प्रेषित करें ताकि हम आपकी और अधिप अच्छी सेवा कर सकें।

# श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय उच्च शिक्षा प्राप्त

## संत-सतियाँजी म. सा. की सूची

M.A., Ph-D. प्राप्त संत-सतियाँ

क्र.सं.	संत-सती का नाम	सम्प्रदाय	चातुर्मास स्थल
<b>संत मुनिराज समुदाय</b>			
1.	युवाचार्य डॉ शिवमुनिजी म.सा.	श्रमण संघ	मद्रास (तमिलनाडु)
2.	डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म सा 'रत्नेश'	श्रमण संघ	लावा संखारगढ (राज.)
3.	डॉ सुव्रत मुनिजी म सा.	श्रमण संघ	चीनगर-दिल्ली
<b>महासतियाँजी समुदाय</b>			
1	महासती डॉ. सुप्रभाश्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	भीम (राजस्थान)
2.	महासती डॉ. सुशीलजी म.सा.	श्रमण संघ	भीम (राजस्थान)
3.	महासती डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	भीलवाड़ा (राज.)
4.	महासती डॉ प्रमोदमुधाजी म.सा.	श्रमण संघ	पूना (महा.)
5.	महासती डॉ. धर्मशीलाजी म सा.	श्रमण संघ	पूना (महा.)
6.	महासती डॉ. ज्ञानप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	शेंदुर्गी (महा.)
7.	महासती डॉ. प्रियदर्शनाजी म.सा.	श्रमण संघ	धुलिया (महा.)
8.	महासती डॉ. ललितप्रभाजी म सा.	श्रमण संघ	देवलाली (महा.)
9.	महासती डॉ. मुक्तिप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
10	महासती डॉ. दिव्यप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
11	महासती डॉ. अनुपमाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
12	महासती डॉ संरोजश्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	लारेस रोड, दिल्ली
13.	महासती डॉ अर्चनाजी म.सा.	श्रमण संघ	इन्दौर (म.प्र.)
14.	महासती डॉ मंजु श्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	जयपुर (राजस्थान)
15.	महासती डॉ. कुसुमवतीजी म.सा.	श्रमण संघ	निम्बाहेड़ा (राज.)
16.	महासती डॉ दिव्यप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	निम्बाहेड़ा (राज.)
17.	महासती डॉ. तहलतावाई म.सा.	गोंडल मोटापक्ष	नासिक सिटी (महा.)
18.	महासती डॉ. अनिलावाई म.सा.	गोंडल मोटा पक्ष	.....

नोट.—इनके अलावा अन्य समुदायों में भी कई अन्य साधु-साधवियाँ उच्च शिक्षा M.A. Ph-D. उपाधि प्राप्त हैं, परन्तु उनकी कोई जानकारी हमारे पास उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका नाम हम यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सके। समयभाव के कारण उपर्युक्त उच्च शिक्षा प्राप्त कई साधवियों के नाम एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने का पुस्तक में उल्लेख करने से रह गया। इनके अलावा लगभग 100 साधु-साधवियाँ एम.ए., बी.ए., डबल एम.ए. आदि उच्च शिक्षा प्राप्त किये हुए हैं परन्तु समयभाव के कारण उनका उल्लेख नहीं कर सके। सभी उच्च शिक्षा प्राप्त साधु-साधवियों से नम्र निवेदन है कि आप सभी अपना नाम एवं उच्च शिक्षा का विवरण हमें शीघ्र भिजवाएँ ताकि भविष्य में उनका उल्लेख कर सकें।

—सम्पादक

# अ. भा. जैन सम्प्रदाय राष्ट्रीय सघ अध्यक्ष सूची

क्रम	समुदाय/सघ वा नाम	सघ अध्यक्ष वा नाम एवं सम्पर्क सूत्र	फोन न
<b>A जैन काफ़ेन्स</b>			
1	अ भा श्वे जन काफ़ेन्स (बम्बई) गाडोजी विल्डिंग, 2 माला, विजय वल्लभ चाव 219-ए-मूलाल बाडी, पायधुनी, बम्बई 400002 (महाराष्ट्र) फोन 8513273	श्री दीपचन्दभाई गाडों उपाधि ण, बम्बई रोड, पन् रोड बम्बई-400026 (महाराष्ट्र)	4945431 4945270
2	अ भा श्वे स्या जन काफ़ेन्स (दिल्ली) जन भवन, 12 शहीद भगतसिंह भाग, नई दिल्ली 110001 फोन न 343729	श्री पुष्पराज एस लुबड म पी डी आर वीटियाट्टाकिनम, 99 आन्ड प्रभादेवी, बम्बई-400025 (महाराष्ट्र)	4309536 4223565
3	अ भा श्वे स्या जन काफ़ेन्स (बम्बई) (गुज) त्रिभुवन बिल्डिंग, A B N बँक के ऊपर, 4 माला, विजय वल्लभ चाव, पायधुनी, बम्बई-400003 फोन न 3422927	श्री गिरजागवर उमियागवर मेहता म बाम्बे ड्रग डिस्ट्रीब्यूटर्स, ड्रग हाउस, 54 वीं प्रेक्टर रोड, आन दाश्रम के सामने, ग्राट रोड बम्बई-400007 (महाराष्ट्र)	3872256 3880034
<b>B जैन समुदाय / श्री सघ</b>			
4	श्रमण सघ समुदाय (श्री व स्या जन श्रावक सघ) उपरान्त क्रमांक 2 अनुसार	उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार	
5	अ भा साधुमार्गी जन सघ, (बीकानेर) समता, भवन, रामपुरिया सडक बीकानेर-334001 फोन 26867	श्री भन्जलाल बेन, (बलवता) C/o अ भा साधुमार्गी जन सघ समता भवन, रामपुरिया सडक बीकानेर (राज) 334001	
6	अ भा जन रत्न हितेपी श्रावक सघ (जाधपुर) घाडा वा चाक, जाधपुर-342001 (राज) फोन न 24891	श्री माफ़तराज मुणान, म बलवता गुण 111 मन्वर चेम्पग 7 4, नरीम, प्वाइट, फोन बम्बई-400021 (महाराष्ट्र)	222888 222833 244123
7	अ भा ज्ञान गच्छ श्रावक सघ (जाधपुर) अ भा सुधम श्रावक समिति (ज्ञान गच्छ) (जाधपुर) कपडा मार्केट, जाधपुर-342001 (राज) फोन 26145	श्री जगवतभाई एम. शाह म बायबेम फार्मास्युटिकल्स इण्डस्ट्रीज लि एन विल्डिंग, 1 धाडी, घालाब, पावा न 2217 बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)	2085534 2085430
8	सन्मति तीर्थ समुदाय (विशयतन) विशयतन कार्यालय, राजगृही जिला नालदा (बिहार) 803116	श्री भवलमल फिरिया C/o विशयतन कार्यालय राजगृही, जिला नालदा (बिहार) 803116	
9	अ भा बधमान बीतराज जन श्रावक सघ (जयपुर) नानाजी वा बास, मोती डूंगरी रोड जयपुर (राज)	श्री मल्याणमल जैन, मु पा चौक, बामा अलीगड जिला टाक (राजस्थान)	

10. गोंडल मोटा पक्ष नवागढ़ संघ, (राजकोट)	श्री शांतिलाल त्रिपाणी राजकोट	
11. स्थानकवासी जैन छः कोटी, लिम्बड़ी मोटा सम्प्रदाय संघ, (लिम्बड़ी-सौराष्ट्र) आचार्य श्री अजरामरजी भार्ग लिम्बड़ी जिला सुरेन्द्रनगर (गुज.) 363421 फोन 235	श्री छवीलदास त्रीकमलाल सेठ, 4/5, दल्लभभाई पटेल रोड, बाला हनुमान के पास, पंकज हाउस, सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001	24462 21062
12. श्वे. तेरापंथी महासभा (लाडनू) जैन विश्व भारती, लाडनू (राज.) 331306	श्री कन्हैयालाल छाजेड़ (कलकत्ता) C/o. जैन विश्व भारती, लाडनू जिला नागौर (राजस्थान) 331306	
13. श्री राजेन्द्र जैन युवक मण्डल (त्रिस्तुतिक) आचार्य श्री जयंत सेन सूरिजी म. (समुदाय)	श्री गगलदास हालचन्द भाई संघवी	
14. अ.भा. जैन श्वे. खरतरगच्छ महासंघ 9-वी सागर अपार्टमेंट्स तिलक मार्ग, नई दिल्ली	श्री हरखचन्द नाहटा, 9-वी सागर अपार्टमेंट्स तिलक मार्ग, नई दिल्ली	385923
15. अ.भा. अचलगच्छ (विधि पक्ष) श्वे. जैन संघ, (बम्बई) सम्पर्क सूत्र-अध्यक्षानुसार	श्री टोकरमी भाई आनन्दजी भाई लालका C/o अ.भा. अचलगच्छ श्वे. जैन संघ, न्यू हनुमान विल्डिंग, 1 माला, 11-वी केशवजी नायक रोड बम्बई-400009 (महाराष्ट्र)	
16. कच्छ आठ कोटी मोटी पक्ष स्था. जैन महासंघ (माडवी) वारीवारा नाका, मांडवी कच्छ (गुज.) 370465	श्री माणिकचन्द घेलाभाई राभिया 24/3 'वी' सुख शांति, जवाहर नगर, एस.वी. रोड गोरेगाव (वेस्ट) बम्बई-400062 (महाराष्ट्र)	6722282
17. हालारी स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय (जामनगर)	श्री हरकचंद भाई गाला (ट्रस्टी) C/o. श्री देवराज लखमशी गाह, 54 दिग्विजय प्लोट, जामनगर-361005 (गुजरात)	

नोट.—इनके अलावा अन्य समुदायों के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हुए हैं परन्तु हमें जानकारीयाँ ही प्राप्त नहीं हो सकी। हमें जितनी जानकारीयाँ प्राप्त हो सकी उतनी यहाँ प्रस्तुत की गयी है। हमने सभी समुदायों को सूचित किया था कि आप भी अपने-अपने समुदायों के राष्ट्रीय सहायक्षों की सूची भेजें परन्तु किसी ने भी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। हमारा तो हमेशा यही प्रयास रहता है कि पाठको को अधिक से अधिक एक से बढ़कर एक जानकारीयाँ प्रदान करें लेकिन किसी का इस ओर सहयोग ही नहीं रहे तो भला हम क्या कर सकते हैं। सभी जैन समुदायों के पदाधिकारियों से नम्र निवेदन है कि आप अपने समुदाय के पदाधिकारियों के बारे में हमें अवश्य सूचित करें। यदि आपके संघ के पदाधिकारियों की कोई डायरेक्ट्री सम्पर्क सूत्र की लिस्ट छपी हो तो उसकी एक प्रति हमें भी अवश्य भिजवाएँ। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपके द्वारा भेजी गयी सूचना हमारे पास से कभी भी व्यर्थ नहीं जायेगी हम उसका किसी न किसी रूप में अवश्य प्रयोग में लेकर आप सभी तक मन मोहक जानकारीयाँ के रूप में पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

आचार्य श्री विद्यानागरजी की आचार्य बुल/गुरु परम्परा के बैलगाड़ी के साथ ही श्री रतनराजजी बंसीदा आगरा के द्वारा "प्रबचन प्रदीप" पुस्तक का तथा मिपर्ट विन ब्रह्मनाथ जैन सागर द्वारा भगवद् बुद्ध बुद्ध के "अष्टाष्टक" ग्रंथ का आचार्य श्री द्वारा रचित पदानुवाद ग्रंथ का साक्षात्पण समाराहक अनन्तर बाह्य विद्या आश्रम की बहिना - वरगणमयी, मंगलाचरण स "आयिका दीक्षा" समारोह का वाचन प्रारम्भ हुआ।

वैराग्यमयी वातावरण में मन्वप्रथम ब्रह्मचारिणी स्नेह ज्ञान ने गुरुवर में प्रायना की जिमम से अज्ञान रूपी निमित्त का ज्ञान रूपी गलाका में ममतामयी माँ की तरह हटाकर अपना स प्रकाश की ओर, अनन्त न सत् का ओर तथा विषय नपाया में विषयानीन दसा की गह चनाये साथ ही उस आ-हम गभी को ने चने। आप अपने ज्ञान पुंज स हम स्विय नेत्र दे ताकि ममा के नाटका म अटके/मिटने नहीं और दुनिया के भूत भँवैया में बिना रच पचे ही आचार्य श्री क आदेश और आगांजाद रूपी दानों दीपका म जीवन के अंतिम क्षण तक सत्य पर निर्दोष रोति म चल मक्।

द्वितीय आत्मार्या ब्रह्मचारिणी नमिनाजी (हुग) ने परम विषय रूपी जीवन क दा पहनू जो मुग्ध-मुग्ध के कारण भा हते हैं, इनम बचकर तथा विषयाआ में अमपूजन रहकर मास माग पर अविरोध रच म घनकर अहाराज विनवाणी तथा देव गुरु की शरण में रहकर अगप्रना कर मक्। जीवन में वैराग्य का कारण प्रथमानुषाण में अनगमग की जावन घटना है अन आशय प्रया का पढ़कर, जीवन म उतारकर प्रेम, वागमत्य तथा एषतामय वातावरण बना मक् यही प्रायना है।

इनक अतिरिक्त गेप दीक्षार्या बाल ब्रह्मचारिणी बहिन मंगीता (जबलपुर), ब मीना गड़ा (जबलपुर), ब किरण नार (टीकमगढ़), ब कल्पना (अगावनगर), ब ज्योतिना (जबलपुर), ब मजू (नरनिहपुर), ब मुनीता (गटिगीव), ब अलका शाहपुर (सागर), ब माया (बानमा), ब ममता (जबलपुर), ब नविता पिरई (दमाह), ब अजना (अगावनगर) तथा ब साधना कटी (जबलपुर) न भी समाज की सञ्चरता का सायाता पूण विवेचन कर समय की महता का प्रतिपादन करन हुए तथा मममन जीवा की क्षमा करने हुए, उतने द्वारा ज्ञान/ज्ज्ञान भावों स मन वचन काम द्वारा हुई गनतिया/अपराधों/नुटिया से उत्पन्न मन्वेन दुखों के प्रति सम्पूर्ण प्राणिया में क्षमा याचना क।

दीक्षार्या बहनों के वैराग्य में ओत-प्रोत भावा की सुनकर जहाँ अनेकों नर-नारिया के जीवा म अग्रुधार निकल रही थी, वहीं अनेको जन समय धारण के प्रति उत्सुकता, गुह के प्रति निष्ठा और समपण की भावाभा का सुनकर प्रफुल्लित भी रह थे।

मन अस्विर हाता ह, जा कहन, सावन हुए भी उग विचार धारा से पुषक हा जाता है। नञ्चर मना म विप-नपाय तथा वामनाआ स अपन आपका तथा विचारा ता भी अगपूजन/पूषक रहत हुए भी पचा सेना जीवन के मान सरोवर म शक्ति की लहरे उत्पन्न कराने ता कारण हानी है। सध्या अधिक हाता मात्र प्रामा-णिकता का मूल्याकन नहीं करा मक्ता अपितु पदाथ/वस्तु स्वय ही अपना मूल्याकन करा देती है उदाहरण देते हुए क्ता कि स्वर्ण की परख जहाँ बही, जिम विमी भी वस्तु/व्यक्ति के द्वारा नहीं हा मक्ती बल्कि स्वणकार क द्वारा कमीटी पथर पर ही स्वण का परीक्षण का हो पाना सम्व हो सक्ता है, वैसे ही वैराग्य का मूल्याकन गग मगगीजनों के द्वारा नहीं अपितु वैराग्य वान लाग क द्वारा ही हो सक्ता है।

उक्त प्रेरणात्मक उद्बोधन आचार्य श्री विद्यानागरजी महाराज ने पढ़ने बाल ब्रह्मचारिणी बहिना को "आयिका-दीक्षा" देने के पूव व्यक्त किये और तदुपगन्त की जीवन का यथाय योध करा देन वाला दीक्षा सम्भार समाराह गरिभामय पद्धति में प्रारम्भ हुआ।

इसी अवसर पर नीरज जैन सतना ने अपने संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण भावात्मक अभिव्यक्ति में कहा कि भगवान महावीर के जिन शासन में कदाचित् यह प्रथम घटना होगी, साथ ही वर्तमान विगम कुछ शताब्दियों में निश्चय की प्रथम अद्भुत घटना इतिहास में आकी जावेगी जब अपने दीक्षा-शिक्षा गुरु के दीक्षा दिवस तिथि को उन्ही के हस्त कमलो से एक साथ एक मंच पर इतनी बहिनों की दीक्षाएँ सम्पन्न हो रही हैं। यह शिष्य परम्परा साधुओं में व्याप्त शिथिलाचार तथा संकीर्ण विचारधारा को समाप्त कर निर्मल, स्वच्छ, पवित्र, आचरण करके मार्ग प्रभावना कर समाज और देश को गौरवान्वित करेगी।

दीक्षा संस्कार की क्रियाओं के अनन्तर नामकरण संस्कार का जीवन में महत्ता/उपयोगिता को व्याख्यायित करते हुए आचार्य श्रीजी ने संघ दीक्षित आर्यिकाओं का नामकरण निम्न प्रकार किया—सर्वप्रथम आर्यिका आदर्श-मतिजी, आर्यिका दुर्लभमतिजी, आर्यिका अवन्तर मतिजी, आर्यिका अविचल मतिजी, आर्यिका अनुनय मतिजी, आर्यिका अनुग्रह मतिजी, आर्यिका अक्षय मतिजी, आर्यिका अमृत मतिजी, आर्यिका अखण्ड मतिजी, आर्यिका आलोक मतिजी, आर्यिका अनुपम मतिजी, आर्यिका अपूर्व मतिजी, आर्यिका अनुत्तर मतिजी, आर्यिका अनधर्मतिजी, आर्यिका अतिशय मतिजी। इस भव्य कार्यक्रम को ब्र. सुशीला बहिन ने दीक्षार्थी जनो का परिचय देकर गति प्रदान कर सुन्दर रीति से संचालित किया।

रविवार 5 जुलाई को प्रातः आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के “रजत मुनि दीक्षा समारोह” संयमोत्सव वर्ष का तृतीय सत्र डॉ. चेतन प्रकाश पाटनी के कर्मठ संचालन द्वारा ब्राह्मी विद्या आश्रम की ब्रह्मचारिणी बहनों के सस्वर संस्कृत मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ। ललितपुर (उ.प्र.) जैन समाज के पूर्व मंत्री श्री ज्ञानचन्द अलया की काव्यात्मक विनयाजलि तथा विद्यासागर पत्रिका के संपादक श्री निर्मल आजाद के काव्य सुमन समर्पण के अनन्तर श्री नीरज जैन सतना ने कहा कि हम और हमारा सम्पूर्ण समाज इन क्षणों के कारण स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। क्योंकि हमने संयमोत्सव वर्ष के प्रारम्भ को कल जिस रूप में देखा वह निश्चित ही इस शताब्दि में तो घटित नहीं हुआ। मैं समझता हूँ, इससे श्रेष्ठ और सुन्दर प्रसंग कोई अन्य नहीं हो सकता। पिच्छिका और उसकी मर्यादाएँ समाज में नित्य प्रति विकृत/घृणित रूप लेती जा रही है/थी। उन सभी को निग्रन्थता की वास्तविक गरिमा दिलाने/वतलाने की दिव्य दृष्टि आचार्य श्री विद्यासागरजी में विद्यमान है। यह युग “विद्यासागर युग” के नाम से इतिहास में स्वर्णाक्षरो से लिखा/जाना जावेगा। इनकी विशिष्टता है कि ये शिथिल आचार और विच्छोभ को दूर करने/कराने की अपूर्व दृष्टि/सृष्टि से सम्पन्न है तथा अनुशासन और आचरण की मर्यादाओं को विशिष्टता प्रदान कर व्यक्ति के अन्दर छुपे व्यक्तित्व को उद्घाटित करने में कुशल है।

ध्वनियों के बीच में भी आत्मध्वनि को सुनने/अनुभव करने वाले आचार्य श्रीजी के प्रति कवि श्री सुरेश सरल जबलपुर ने अपनी भाव पूर्ण काव्यांजलि समर्पित की। फिरोजाबाद (उ.प्र.) से पधारे प्राचार्य एवं जैन गजट के संपादक श्री नरेन्द्र प्रकाश जैन ने इन गौरवपूर्ण क्षणों को इन शब्दों में संजोते हुए कहा कि साधु, गृहस्थ तथा विद्वान सभी को अधिकार समीचीन, दिशाबोध/निर्देश देने के लिए वर्तमान में आचार्य श्री विद्यासागर जी ही समर्थ हैं इनके तथा इनके दीक्षित शिष्यों के कारण ही भगवान महावीर का जिन शासन पूर्ण वास्तविक नग्नत्व तथा साधुत्व की सही-सही परिणाम के साथ मूलाचार को जीवन्त रूप में हमें देखने/जानने तथा समझने को मिल रहा है, इन जैसा नैतिक आचरण यदि देश और समाज के इस प्रतिशत साधु भी अपने जीवन में मूर्तरूप दे सके तो निश्चित ही समाज तथा देश के चारित्रिक, आध्यात्मिक, नैतिक तथा संस्कृतिक उत्थान में नए आयाम तथा गरिमामय विशिष्टता उत्पन्न होकर साधु का विकृत आचार दूर होकर साधु संस्था की विशिष्टता/महत्ता सामने आवेगी।



कायधर्म का मन्त्रार्थ ही चेतन प्रकाश पाटनी, जोधपुर ने अपने विचार व्यक्त करण हुए कहा कि व्यक्ति या मन्त्रार्थ रहित ही अधिवाण उन्मुख रहता है ता माधव प्रतिक्षण अतर्ग की आर। आत्मन का आत्म प्रताने/मानन की भूत का सत/सृष्टिजन ही हूँ करण है। आचार्य या विनय, वात्मल्य तथा वरणा की माक्षात प्रतिमूर्ति है तथा आचरण के महाभाष्य। उनका दिव्य मदग हूँ कि वही अथय भागो नहीं। जहा हा वही ठहरो आर स्वय का जानन/पान का प्रयत्न करा, जयत्र भागने ग मुष्ट भी प्राप्त नहीं होगा।

आचार्य का मात्र वाणी ही नहीं अपितु जीवन/आचरण में नावार रूप देकर जावनतता देने वाले आचार्य श्री जी की वाणी में सा जादू/अमना है ऐसी अद्भुत शक्ति है, जिसे काण्य उनकी शिष्य परम्परा में एक दो नहीं अपितु चार पाच सौ बान ब्रह्मचारी भाई/बहिन तथा माधव जन इनके शिष्यत्व का पावर स्वय के नित्य साथ ही पर व नित्य दिशा बाध दे/पा रहे हैं और आत्मरत्याण के पय पर अग्रगर हावर दिशानिर्देशन दे रहे ह। मदनगड विशनगज के श्री मूनचदजी लुहाडिया के एन विचारों के उपगत इस "विद्वान-मगाली" के मून्य वक्ता उज्जैन विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा डॉ राममूर्ति त्रिपाठी उज्जैन न आचार्य श्री के आचार्यत्व में विद्यमान 4 गुणा की विवेचना कर उनके द्वारा हो रहे आत्ममगन में जनमगन तक के प्रपाण का विश्लेषित किया। आचार्य श्री द्वारा रचित "मूक माटी" महाकाव्य पर विशेष चर्चा करत हुए आपन गौरव के प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त किया है उसके मूल में उनर अदर एव सात्विक चेतना की विद्यमानता थी। वैसी ही स्थिति हम मूकमाटी और उसके रचनाकार के अन्त में पा रहे हैं। समाज राष्ट्र या विषय जन कभी वही वारणा में सटो में घिर जाता है तो मत/महर्षि जन ही अपनी मजान लेखनी के जादू में उस विपदाओं/सकटा में बचन का उपाय/माधन सुचारु मानव को उचित दिशा बोध देने हैं। आचार्य श्री के अदर कणा, प्रेम, वात्मल्य, अनन्य तथा महानता के अनेक गुण विद्यमान हैं/माजूद है, इन्ही भावा की मुदर तथा भावक अभिव्यक्ति मून माटी में हुई है।

अतः आचार्य श्री विद्यासागरजी महारज ने अत्यंत सारगर्भित जनापदेश में कहा कि भूत तथा भविष्य का हम "बुल" के रूप में जानत हैं। तथा वर्तमान में परिचिन होत हैं जो प्रत्यक्ष वर्तमान का नहीं जानता। वे स्मृति जादि के माध्यम में अतीत अनागत व कलकल/विलकिल रूपी चक्करा में पडकर व्यय ही अपना समय खोता रहता है। काल व विभाजा ही आर जाना ही निज का तथा वर्तमान का भूलना है। वस्तु पदार्थगत परिणमन व्यक्त दशा में वर्तमान में है तथा अतीत अनागत की पर्यायें अव्यक्त रहती है। स्मृतिया उधार जैसा होती है जो स्वाध्दार नहीं करिक धमना/भूगमरीचिका मात्र होती है। आन व वर्तमान की दशा/पर्याय है तथा आनन्ति हाना स्मृति/अतीत की घटना है अतएव आनन्द का ही अनुपात करना श्रेष्ठ है।

"समयसागर" आदि ग्रन्थ पापी रूप में है वा बोध का काय स्व चेतना के बिना नहीं कर सकते। उन्हें पड नेने/जान लेने मात्र से आन दानुभव नहीं होगा। वे अचेतन हावर भी चैनय पिष्ट ह। उनके द्वारा विनारा मित्रता है परन्तु नारा नहीं। वे ग्रन्थ बागज नहीं हैं उनम आत्म बोध जागृत हाता है और आचार्य शुद्धबुद्ध आदि प्राचीन जाचार्यों या गुह्वर श्री ज्ञान सागरजी जैसे महानुभावा से प्राप्त मवेत्ता का समसवर उमा अनुरूप अनुगमन का प्रयास/सुपाध हम करे तो मही दिशा बाध प्राप्त कर श्रेष्ठ परिणाम स्वी फल प्राप्त कर सके।

चमक-धमन के कारण भीतरी आभाषा परिवर्षण पाना संभव नहीं है वह भीतिक माधवों के पडक से बाहर है उनका मात्र सवेदन हीना ही संभव है अत आत्मा कल्पता आदि का ममाप्त करने के लिये चारित्र्य/समय स्वी शब्द के द्वारा भीतरी चमक उत्पन्न की जा सकती है। जिसे दर्शन का सार मिल गया उस अव मात्र देखना पर नहीं है, अपितु उसे धरना भी चाहिए। और बाहरी प्रदर्शनो के चक्करा से स्वय को पृथक् करना/रखना चाहिये।

ज्ञान फल सम्पूर्ण को जानने मात्र में नहीं है अपितु अपने निज रस का अस्वाद लेने में है जानने तथा जाना जाने अथवा देखने और दिख जाने में बहुत अन्तर होता है। प्रभु इच्छा/चिन्ता पूर्वक किसी को भी देखते/जानते नहीं हैं। उनके ज्ञान की निर्मलता तथा विशदता का ऐसा परिणाम होता जाता है कि समस्त चराचर जगत् स्वयमेव जानने एवं देखने में आ जाता है। भगवान तो सदा वर्तमान के अनुभव/संवेदन में ही तल्लीन रहते हैं वैसे अवस्था हम सभी को प्राप्त हो ऐसा सार्थक प्रयास हमें करना चाहिये।

आचार्य श्री ने बतलाया कि हमें स्व पुरुषार्थश्रित क्रियाएँ करना चाहिए न कि आक्रमण/किये दोषों की स्वयं आलोचना, प्रतिक्रमण तथा प्रत्याख्यान करो। ऐसा कुन्द कुन्द आदि महान आचार्यों का सन्देश/उपदेश हम सभी के लिये है। आलोचना में पर की अपेक्षा रहती है तो प्रतिक्रमण जो स्वाश्रित है। एक विभाव दशा का तो हमारा स्वभाव को प्राप्त करने के लिये कारण स्व होता है।

आपने यह भी कहा कि पुस्तकों/ग्रन्थों का पठन पाठन मात्र ही कल्याणकारी नहीं है, क्योंकि वह मात्र शब्द ज्ञान ही है जिसे मूढ़ अज्ञ जन भी कर सकते हैं शब्द से अर्थ तथा अर्थ से परमार्थ या भावों की ओर हमारी यात्रा होनी चाहिए परमार्थ की अभिव्यक्ति में शब्द बौने/निरर्थक से हो जाते हैं अतः स्वयं को जागृत करना होगा, जगाने मात्र से आप जाग जावे ऐसा संभव नहीं है। प्रमाद उन्माद, प्रमत्त आदि दशाये, हमारे बावले पन की परिचायक हैं। जो जीवन में विषाक्त जहर की भाँति प्रवेश कर सुख नहीं बल्कि दुःख ही दुःख को उत्पन्न करते हैं। ऐसी अवस्था में अत्यन्त प्रकर्ष ज्ञान का धारक भी स्वयं को जान नहीं सकता तथा अनुभवहीन ही रहा आता है। वही जब इन प्रमाद आदि की दशा से ऊपर उठता है तो भीतरी जानाकाश में अवगलित हो जाता है। आक्रामक तथा बाह्य चेष्टात्मक प्रवृत्ति के समय ही प्रभार पलता है/फलता है अतएव जीवन के वैभव को जानने पहिचानने के लिये इनमें सदैव वचना ही श्रेयस्कर है।

आचार्य श्री ने प्रवचन का उपसंहार हृदयावर्जक काव्यमय पंक्तियों से करते हुए कहा "तुम भीतर जाओ/ तुम तुम्बी-सम (सूमड़ी) जल में भीतर जाओ/और/बाहरी कल्प रूपी लेप/आवरणों को हटाओ/तो तुम तर जाओगे। भीतर जाए/डूबे विना तिरने/मुक्ति का मार्ग/प्राप्त होना संभव नहीं है।"

आपाढ़ सुदी अष्टमी, मंगलवार 7 जुलाई 92 को आचार्य श्री के द्वारा पुनः बाले ब्रह्मचारिणी बहिन पुष्प- (पिडरुआ) सागर तथा ब्रह्म अनीता थुंवीन- (अशोकनगर) की 2 आर्यिका दीक्षा समारोह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस तरह इस अल्पावधि में ही 17 आर्यिकाओं का समूह आगम में वणिगत आर्यिका समूह का स्मरण दिलाने लगा। इस तरह सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.) में विराजित आचार्य श्री जी के अतिरिक्त 9 मुनि वृन्द, 12 ऐलक वृन्द, 5 क्षुल्लक वृन्दों के साथ ही नवदीक्षिता 17 आर्यिकाओं के साथ अतिरिक्त 2 अन्य दीक्षित क्षुल्लिकाओं के साथ 46 साधुओं का समूक चतुर्थ कालीन श्रमण-आर्यिका संघों का परिचय दिला रहा है। दोनों नवदीक्षित आर्यिकाओं का क्रमशः अनुभवमति व आनन्दमति नामकरण आचार्य श्री ने किया।

अभी आपाढ़ सुदी चतुर्दशी 13 जुलाई 92 को इस विशाल संघ के अधिनायक संत शिरोमणी आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी मुनि महाराज का नममध वर्षायाम स्थापना समारोह श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर (दमोह) म.प्र. में होने जा रहा है। जिसकी व्यवस्था हेतु स्थानीय क्षेत्र कमेटी तथा सधर्मी वन्धुओं का जन-सहयोग प्राप्त हो रहा है।

स्वामीय विद्या मन्त्र में आचार्य, श्री विद्यामागरजी महाराज की मुनि दीक्षा के रजत मुनि दीक्षा समारोह मयमोत्सव वर्ष की पावनवर्षों में चतुर्मास कालीन वर्षायोग स्थापना का वायव्यम ब्राह्मी विद्या आश्रम की ब्रह्म चारिणी वहिना व मगनचरण म प्रारम्भ हुआ। सानंद निविन्ध चतुर्मासकाल व्यतीत हो ऐसी भावना में "चतुर्मास स्थापना कलश" का स्थापन ब्रह्मचारी रोशनराज जैन, आगरा बाबा के द्वारा हुआ, बुद्धार्थ विवासी श्री द्वारा मंगलदीप प्रज्वलन के बाद श्री हुकमचंद खजरी बालो के द्वारा घम ध्वजा का आरोहण हुआ। वायव्यम का संचालन करते हुए श्री चौबरी नैदीचंद जैन अकलतरा (बिलासपुर) वालों ने कहा कि हमारा परम मोक्षार्थ है। जब देश व अनेक प्रान्तों/नगरों के समक्षों जना के अनुनय-आग्रहों के उपरांत हम 25वें दीक्षा समारोह के इन वर्षों में चतुर्मास स्थापना का लाभ/श्रेय प्राप्त हो रहा है। गुप्तों का मानिध्य हमारी श्रांतियों तथा माह ममता के बधनों को तोड़ने के लिये मिला है। हम उमका अधिव से अधिव लाभ लेना है। हमें विभ्राम था कि किसी काल में बड़े बाबा की मूर्ति जब डम क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ी तो हमारे सब के आचार्य श्री हम "छोटे बाबा" भी कह लेते हैं, वैसे यहाँ में त्रिहार करते आज क्षेत्रीय धावकों की अनुनय, विनय भूत हुई। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष ताराचंद जैन तथा वायव्यचारिणी के अनेकों सदस्यों के अतिरिक्त अन्य मगमाय नागरिकों ने चातुर्मास स्थापना करने हेतु आचार्य श्री विद्यामागरजी ने प्रायना की जिम्मेदारी कर चातुर्मास वर्षायोग सबंधी धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत वायव्यम का प्रथम चरण पूरा हुआ।

आपाठ मुदी चतुर्दशी की स्थिति/तिथी वर्षायोग स्थापना के लिये अतिथिजन/माधुजनों के द्वारा स्वीकृत छ वर्ष में योगी जन आतापन योग, वर्षायोग तथा अघ्रावकाशन इन तीनों योगों के द्वारा आत्म साधना में तौन रहने का प्रयास करते हैं। वर्षाया मुस्यत साधना के लिये है। इसका अर्थ कार्य हेतु उपयोग न हा। इन धर्मों का लाभ धर्म तथा उसकी प्रभावना के माय सांसारिक प्रयोजना स रहित आत्मलाभ के लिये हा।

उक्त मामयिक उदबोधन आचार्य श्री विद्यामागरजी महाराज ने श्री दिगम्बर जैन अतिशय (मिद्ध) क्षेत्र कुण्डलपुर दमाह (मप्र) में वर्षायोग स्थापना के अवसर पर व्यक्त किये।

आपने कहा कि इन योगों के माध्यम में जहाँ सांसारिक प्रलोभनों के ओर भ्रवती चैतय आत्मा को एकाग्र किया जाता है वही वनस्पति तथा वर्षा में उत्पन्न क्षुद्र जीवा की होन वानी/हिमा से भी बचा जाना है। अहिमा की पूजा हिंसा के द्वारा नहीं हो सकती और न ही मात्र भावा को करने में वन भी दया का जीवन में वाय स्व परिणत करने में हानो। भगवान महावीर के नाम मिद्धत तथा पत्र को अमुष्य रखकर अहिमा आदि व्रतों का पालन किया जा सकता है।

आचार्य श्री ने कहा कि विगत अनेक त्रिना की भीषण गर्मी के उपरांत भी वर्षा का नहीं होना सभी के लिये चिंता की बात थी किंतु ठीक 300 बजे जैसे ही वर्षायोग स्थापना की क्रिया प्रारम्भ हो रही है घनघोर वर्षा का शुरु होना शायद इसी समय की प्रतीक्षा कर/करा रहा था जो बड़े बाबा के चरणों में चतुर्थ बार वर्षायोग के रूप में हो रहा है।

मयम की चर्चा करते हुए आपने स्पष्ट किया कि आत्मबोध के होने पर समय बच नहीं हो सकता। उम बोध नहीं मानते हैं जिनमें आत्मज वैभव को मही-सही नहीं समझा। मुक्ति का पथ समय की आराधना में पूणता को प्राप्त होता है। आचार्य बुद्धुद समतभद्र, उमास्वामी, पूज्यपाद, जिनसेन आदि महान आचार्यों ने आत्मानुभूति पूण लेखनी म इस अद्यकारमय, पंचमकाल में हमें दीपक के समान कुछ दिशा निर्देश दिये हैं जो हमारे लिये वर्तमान में जान मूय का काय कर रहे हैं। हमें उनके इस अनय उपकार को स्मरण रखकर उनके वतलाए मार्ग का अनुसरण कर उनके प्रति अपनी वृत्तज्ञता प्रदर्शित करनी होगी।

(सतोप मिधई)

सयोजक,

भारतीय शाकाहार उपामना परिषद, दमोह (मप्र)

द्वारा मिधई आयरन स्टीम, स्टेशन रोड दमाह (मप्र) 470661

फोन प्रतिष्ठान-2047, निवास-2394

# भाग-सप्तम्

गिनिज बुक ऑफ  
जैन समाज रिकार्डस्

WITH  
COMPLIMENTS  
FROM

FLOUR & FOOD LTD.



Alpine Solvex-Ltd.



Administrative Office

10/11, Yeshwant Niwas Road,  
INDORE-452003 (M P )



Phones 37365-6, 7, 8 9  
Telex 216 FOOD IN  
Fax (0731) 32926

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद, बम्बई

द्वारा प्रकाशित

## गिनीज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्डस् डायरेक्ट्री

संकलनकर्ता एवं सम्पादक—डा बूलाल जैन उज्ज्वल-बम्बई

जिस तरह पूरे विश्व में एक से बढ़कर एक रिकार्ड स्थापित होते हैं और उन सभी रिकार्डों को एक—“गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस्” बनायी जाती है। उसमें दुनिया के छोटे-बड़े एक से बढ़कर एक रिकार्डों को संग्रहीत किया जाता है। उसी तरह से हमने भी विचार किया है कि क्यों न हम भी एक ऐसा संग्रह करे जिसमें अपने सम्पूर्ण जैन समाज के सभी वर्गों के जितने भी एक से बढ़कर एक रिकार्ड हैं उन सभी को संग्रह करके एक “गिनीज बुक ऑफ जैन समाज वर्ल्ड रिकार्डस्” की रचना करें। हमने इस बारे में कई पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों से भी इस कार्य हेतु विचार-विमर्श किया है। उन्होंने भी इस कार्य के लिए अपना आशीर्वाद एवं मंगल कामनाएँ प्रेषित की हैं।

हमने यह कार्य गत वर्ष ही प्रारंभ कर दिया था और “समग्र जैन चातुर्मास” सूची 1991 में लगभग 121 तरह के रिकार्डस् संग्रहीत करके प्रकाशित भी किये थे। इस कार्य को सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने काफी सराहनीय कदम बताया है। इन रिकार्डों को पढ़कर सभी ने अपने-अपने नये रिकार्डस् भी हमें प्रेषित किये हैं। सभी वर्ग के पाठकों का इस वर्ष भी यही आग्रह रहा कि इन रिकार्डों को इस वर्ष भी सूची पुस्तक में स्थान दें। हमने सभी रिकार्डों का एक रजिस्टर भी तैयार कर लिया है एवं जो भी नये रिकार्डस् फायम होते हैं उनको सम्मिलित कर लेते हैं। आपको यह कार्य अभी अच्छा नहीं लगता होगा या आप इस ओर ध्यान नहीं देते होंगे लेकिन हमारा प्रयास तो चालू ही रहेगा और हमें आशा है कि यह कदम भी समग्र जैन चातुर्मास सूची की तरह ही पूरे विश्व में प्रसिद्ध होगा। समयभाव एवं स्थानाभाव विशेषकर प्रेस में हैण्ड कम्पोजिंग का काम बन्द होने के कारण जितना हो सका आपके सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। विस्तृत जानकारी अलग से प्रकाशित डायरेक्ट्री से प्राप्त कर सकते हैं। उपर्युक्त रिकार्डस् काफी छानबीन कर पक्का, पूर्ण प्रमाण प्राप्त होने के बाद ही सम्मिलित किये जाते हैं फिर भी अगर इनसे भी नया रिकार्डस् यदि किसी के पास हो तो हमें अवश्य सूचित करें।

अतः जैन समाज के सभी वर्गों के महानुभावों से नम्र निवेदन है कि आप भी अपने या अपने आस-पास के जितने भी रिकार्डस् स्थापित हुए हैं उन सभी की जानकारियों को शीघ्र से शीघ्र हमें प्रेषित करने की कृपा करें ताकि उनको भी सम्मिलित कर सकें। पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशित की जायेगी। सभी रिकार्डस् सही एवं पूर्ण प्रामाणिक होने आवश्यक हैं। आपके द्वारा भेजे गये सभी रिकार्डों को हम रिकार्डस् बुक में सम्मिलित करेंगे।

आशा है आप हमें इस कार्य में भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने की कृपा करेंगे, इसी आशा के साथ—

—बालू लाल जैन ‘उज्ज्वल’

सम्पादक

# गिनीज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स, डायरेक्ट्री

## विदास का विवरण -

1. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी सभ्या जो सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों द्वारा मात्र एक सामुदायिक सभ्या हो।
2. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर
3. जैन धर्म के अन्तिम तीर्थंकर
4. बनारस में जैन धर्म में जिज्ञा प्राप्त करने चले गये थे उनका नाम है।
5. सम्पूर्ण विश्व की एक मात्र ऐसी मूर्ति जिनकी पहचान में से बनयी गयी विश्व की सबसे बड़ी जैन मूर्ति है।
6. सम्पूर्ण विश्व की एक मात्र ऐसी मूर्ति जिसे जैन मूर्ति जिनकी एक पत्थर में बनयी गयी हो।
7. सम्पूर्ण विश्व के सम्पूर्ण जैन तीर्थों में जिसे तीर्थों धिराज के नाम से जाना जाता है, ऐसा एक मात्र महातीर्थ।
8. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा रेल्वे स्टेशन जहाँ पर यहाँ के सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ जैमी रचना मंदिर की है। वही ही रचना रेल्वे स्टेशन पर की गयी है। यहाँ गायत्री गाड़ी में बड़े बड़े मंदिर के दर्शन कराये जाते हैं।
9. सम्पूर्ण भारत के प्रवेतामन्दिर मूर्ति जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
10. सम्पूर्ण भारत के प्रवे स्थानकासी जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
11. सम्पूर्ण भारत के प्रवे त्रिपुरी समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
12. सम्पूर्ण भारत के दिगम्बर समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।

## रिपोर्टिंग माध्यम

1. सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों की प्रतिष्ठित एक मात्र सभ्या भारत की महामण्डल बन्दर है।
2. सभ्या श्री अदीनाथ
3. सभ्या श्री महावीर स्वामी -
4. सभ्या श्री महावीर स्वामी
5. सभ्या के पास सभ्या स्थित में इटली के पास सबसे बड़ी तीर्थ में सिम्बल समुदाय की सबसे बड़ी मूर्ति की पहचान में बनयी गयी है जिसकी ऊँचाई 52 मीटर तथा 84 फुट है।
6. काठियावाड़ में प्रथम बनारस सभ्या के श्री महावीर जी मूर्ति।
7. गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में काठियावाड़ स्थित श्री जयन्त तीर्थ जो तीर्थधारण तीर्थ रहा जाता है।
8. राजस्थान प्रान्त के सबसे महानगर जिनानगर श्री महावीर जी रेल्वे स्टेशन पर जैन मंदिर जैमी ही रचना प्लेट काम पर कर गयी है जहाँ पर सभी गाड़ी में बड़े बड़े ही मंदिर के दर्शन कराये जाते हैं।
9. जैन धर्म के प्रवेतामन्दिर मूर्ति जैन समुदाय की सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
10. जैन धर्म के प्रवे स्थानकासी जैन समुदाय की सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
11. जैन धर्म के प्रवे त्रिपुरी समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
12. जैन धर्म के दिगम्बर समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी सभ्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

13. भारत का एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ मूल एवं अन्यत्र क्षेत्रों में वसाहट के साथ जैन समाज के सर्वाधिक घर एवं जन संख्या है।
14. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ सर्वाधिक जैन साधु साध्वियों के चातुर्मास एवं शेषकाल में विचरण होता रहता है।
15. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जो सम्पूर्ण काच का बना हुआ हो और उसका नाम भी काच मंदिर पर हो।
16. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय जैन मंदिर जो विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय हो।
17. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके सर्वाधिक खंभे हो।
18. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसमें सर्वाधिक जैन मूर्तियाँ हो।
19. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे तीर्थंकर के पैर की मूर्ति जो सर्वाधिक वजन की चादी की बनी हुई हो।
20. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ किसी तीर्थ के पास नदी, तालाब, झील डेम आदि में मछलियाँ पकड़ने पर सरकार ने पावदी लगा रखी हो।
21. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ देश में सर्व प्रथम वार गौ वंश हत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया हो।
22. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ गौ वंश हत्या करने पर सरकार द्वारा सात वर्ष तक की कैद का नियम लागू कर रखा है।

13. सम्पूर्ण भारत में राजस्थान ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ मूल एवं अन्यत्र वसाहट के साथ (मूल राजस्थानी परिवार) सर्वाधिक घर एवं जनसंख्या है द्वितीय स्थान गुजरात का आता है।
14. सम्पूर्ण भारत में गुजरात ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ सर्वाधिक साधु साध्वियों चातुर्मास एवं शेषकाल में विचरण करते हैं द्वितीय स्थान राजस्थान का आता है।
15. सम्पूर्ण विश्व में इंदौर ही एक मात्र ऐसा स्थान है जहाँ सम्पूर्ण जैन मंदिर काच का बना हुआ है और वह काच मंदिर के नाम से जग प्रसिद्ध है।
16. सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक ख्याति प्राप्त लोकप्रिय जैन मंदिर राजस्थान राज्य में राणकपुर जैन मंदिर है।
17. राजस्थान प्रान्त का राणकपुर जैन मंदिर जिसमें सर्वाधिक 1444 खंभे विद्यमान हैं।
18. पालीताणा (मौराष्ट्र) का शत्रुजय महातीर्थ जिसमें सर्वाधिक 4500 जैन मूर्तियाँ हैं।
19. पालीताणा के शत्रुजय महातीर्थ में प्रथम जैन तीर्थंकर श्री ऋषभदेव के पैर की मूर्ति है जो चादी की बनी हुई है एवं उसका वजन लगभग 100 किलो का है।
20. सम्पूर्ण भारत में गुजरात ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ किसी भी धर्म के मंदिर के आस पास तालाब नदी झील आदि में से मछलियाँ पकड़ने पर सरकार द्वारा पूर्ण पावदी लगा रखी है।
21. मध्यप्रदेश ही सर्व प्रथम राज्य है जहाँ पर प्रदेश के लोकप्रिय मृत्यु मंत्री श्री मुन्दरलाल पटवा द्वारा गौ वंश हत्या पर सम्पूर्ण प्रतिबन्ध लागू किया गया है।
22. उत्तरप्रदेश राज्य में गौ वंश हत्या करने पर सरकार द्वारा सात वर्ष तक की कैद का नियम लागू किया है।



## रिवाइज्ड का विवरण

## रिवाइज्ड का उल्लेख

- 23 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जहाँ पूजा अर्चना करते समय हनु मूर्ति पर थाले थाले चावल के दाने चढ़ाएँ तो सर्वाधिक कितने चावल चढ़ाये जायें।
- 24 सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-गांधी जिन्होंने सर्वाधिक दिना तक सर्वाधिक उपवास किये हों।
- 25 वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में श्रावण श्राविका व्रत में एक मात्र ऐसे श्रावण-श्राविका जिन्होंने सर्वाधिक दिना तक सर्वाधिक उपवास किये हों।
- 26 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ जैन समाज के सर्वाधिक मात्रा में जैन परिवारों के घर विद्यमान हैं।
- 27 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ मधन पहले बिन्नी रोड का नाम अहिंसा के नाम पर रखा गया हो।
- 28 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा श्रावण जिनके सर्वाधिक स्थिति में बिन्नी वडे शहर के भाग में गली रोड का नाम उनके नाम पर रखा गया है।
- 29 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ बिन्नी जैन आचार्य के नाम पर सर्वाधिक जगहों पर चौक/शवशान का नाम सरकार द्वारा माय होकर नामकरण हुआ हो।
- 30 सम्पूर्ण जैन समाज का विशाल जैन ग्रंथ भण्डार जहाँ विद्यमान है वह म्यांन।
- 31 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जो कला कृतियाँ में सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो।
- 32 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ सर्वाधिक जैन मंदिर हो।
- 33 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ सर्वाधिक जैन धर्मशास्त्रों विद्यमान हो।
- 23 पानीताणा के शत्रुघ्न तीर्थ पर सभी 4500 जन मत्तिया पर अगर हनु मूर्ति पर एक छोटी चम्मक चावल के दाने चढ़ाये जायें तो लगभग सात बिकटन चावल चढ़ाने के लिए चाहिए।
- 24 श्रमण मठ के तपस्वी श्री सहज मुनिजी में न सर्वाधिक 121 दिना तक उपवास किये हैं। आपका नाम विश्व की बड़ गिनति पुस्तक में दर्ज किया हुआ है।
- 25 वर्तमान में विश्व में एक मात्र सर्वाधिक व्रत तपस्या उपवास करने वाली एकमात्र महिला श्रीमती उच्चरज बाई सुणावल जयपुर के हैं जिन्होंने 1975 के चतुर्मास में एक साथ 165 दिना की उग्र तपस्या उपवास किये हैं। जिनके पूरे महामठ की अध्यक्षता भारत के तत्कालीन तृपी मंत्री स्व. श्री जगजीवनराम न. निम्बकर 1975 में जयपुर में की थी।
- 26 महाराष्ट्र प्रान्त की राजधानी बम्बई महानगर में जैन समाज के सर्वाधिक जैन घर हैं।
- 27 बम्बई महानगर के चार राठ उपनगर के रोड नं. 14 का नाम अहिंसा मार्ग रखा गया जो सब प्रथम है।
- 28 महाराष्ट्र का अहमदनगर शहर जहाँ आचार्य समाज श्री आनन्द श्रुतीजी म.सा. के सर्वाधिक स्थिति में रोड का नाम आचार्य श्री के नाम पर रखा गया है।
- 29 बम्बई महानगर में जैन आचार्य श्री गुणसागर चौक का नामकरण सरकार द्वारा हुआ एक बम्बई में इन नाम के दो जगह चाक बने हुए हैं।
- 30 राजस्थान प्रान्त में जैमनामर स्थित विद्यालय जैन ग्रंथ भण्डार।
- 31 राजस्थान प्रान्त के पाली पर्वत के निचले क्षेत्रों का प्रसिद्ध जैन मन्दिर।
- 32 पानीताणा (माराष्ट्र) ही एक मात्र जैन स्थान है जहाँ सर्वाधिक जैन मंदिर हैं।
- 33 पानीताणा (माराष्ट्र) में जैन समाज की लगभग 350 जैन धर्मशास्त्रों हैं।

## रिकार्ड्स का विवरण

## रिकार्ड्स का उत्तर

34. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी श्रावक श्राविकाएँ जिन्होंने सर्वाधिक अट्टाडियाँ उपवास तप किये हों।
35. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे जैन साधु-साध्वी जिनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा जन्म शताब्दि महोत्सव पर डाक टिकिट प्रकाशित किये हों।
36. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ स्थान जहाँ पर सदैव बारह महीने ही सर्वाधिक संख्या में साधु-साध्वियाँ विराजते रहते हों।
37. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ स्थान जिसकी सर्वाधिक सीढियाँ हों।
38. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ जो पानी के बीच में बना हो।
39. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ इतिहास में वर्णित कल्पवृक्ष का पेड़ वर्तमान में विद्यमान हो।
40. सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन श्री सब जिसके सघ पति-अध्यक्ष सर्वाधिक वर्षों तक संघपति अध्यक्ष पद पर विद्यमान है।
41. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन विश्व विद्यालय जिसको सरकार की ओर से पूर्ण मान्यता प्राप्त है।
42. सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनका समग्र जैन समाज की चारों समुदायों में से किसी एक समुदाय पर पूर्ण अधिकार प्रभुत्व हो।
43. विदेशों में एक मात्र ऐसा देश जहाँ जैन दर्शन संबंधी ज्ञान भण्डार की पुस्तकें भारत से भी अधिक मात्रा में सुरक्षित उपलब्ध हैं।
44. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन पत्र जो सर्वाधिक वर्षों तक नियमित प्रकाशित होता आ रहा हो।
45. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन पत्र जो वर्तमान में अपने प्रकाशन का शताब्दि वर्ष मनाने जा रहा हो।
34. राजस्थान राज्य के जोधपुर जिले में फलौदी निवासी महान तपस्वीवर्य श्री गुमानमलजी लोढा ने अब तक 435 अट्टाडियाँ पूर्ण की हैं जो एक रिकार्ड है।
35. श्वे. स्था. समुदाय के स्व मरुधर केशरीजी म.सा. की जन्म शताब्दि महोत्सव 24-8-91 को उनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट प्रशासित हुआ है।
36. पालीताणा (सोराष्ट्र) में
37. सम्मत्त शिखरजी-मधुवन का जैन तीर्थ स्थान जिसकी सर्वाधिक लगभग पांच हजार से अधिक सीढियाँ हैं।
38. बिहार राज्य में पावापुरी का भगवान महावीर स्वामी जैन मंदिर
39. श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, जैसलमेर (राज.) में वर्तमान में भी कल्पवृक्ष का पेड़ विद्यमान है।
40. उत्तर की प्रतीक्षा में
41. राजस्थान प्रान्त के लाड़नू शहर में आचार्य श्री तुलसी की सद्प्रेरणा से स्थापित जैन विश्व का विश्वविद्यालय भारती
42. श्वे. तेरापंथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिनका समग्र जैन समाज की चारों समुदाय में से एक समुदाय, जैन श्वे. तेरापंथी समुदाय पर पूर्ण अधिकार है। अन्य तीनों समुदायों में कोई आचार्य है।
43. सम्पूर्ण विश्व में जर्मनी एक मात्र ऐसा देश है जहाँ पर जैन दर्शन सम्बन्धी सर्वाधिक संख्या में विशाल ग्रंथ ज्ञान भण्डार सुरक्षित हैं। जो ग्रंथ भारत में नहीं मिले वह वहाँ उपलब्ध है।
44. दिगम्बर जैन महासभा द्वारा प्रकाशित जैन गजट लखनऊ-हिन्दी साप्ताहिक पत्र ही सब से पुराना जैन पत्र है जो विगत 96 वर्षों से नियमित प्रकाशित हो रहा है।
45. उपर्युक्त क्रमांक 44 अनुसार

## रिकाटम् वा निरण

## रिनाडम का उत्तर

- 46 सम्पूर्ण जन समाज का एक मात्र ऐसा जन (पूणतया धार्मिक समाज) प्रधान है। जिसकी प्रसारण सत्या सुवाधिव हो।
- 47 सम्पूर्ण जन समाज का एक मात्र ऐसा दैनिक जन पत्र जिसका अन्तिम रूप में मनु प्रथम प्राणजन किया गया (पूण धार्मिक समाज) है।
- 48 सम्पूर्ण विश्व का अहिंसा का नाट "जीवा और जीने दा" देने का नाट है।
- 49 सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा प्रान्त जहाँ पर महावीर जयन्ती का अहिंसा दिवस के रूप में मनाया गया।
- 50 सम्पूर्ण भारत के जन समाज में एक मात्र ऐसा प्रान्त जो जिसने सुवाधिवदान दिया है और प्रामाणिक मनी इच्छा देने रहते है।
- 51 सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जन मन्दिर जिसकी मनी मूर्तिशा पर मोने की पालिका है रही है जिसे स्वयं जन मन्दिर कहा जाता है।
- 52 सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा विशाल प्रिंटिंग प्रेस जिसके मास्टर जन है।
- 53 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा जन परिषद जिसके महा मन्त्रीजन जन दीक्षाई जगीनार की है।
- 54 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ समाजिक जन नई दीक्षाई हुई है।
- 55 जनमानस का कुछ बंधन सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा मनुदाय एव मनुदायी जिसके सुवाधिव दिना तब लम्बा मयाग चला है।
- 56 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा कीर्तमान जिसमें उगमनुवाय के छोटे मुनिजन के मन्त्राचारण का नाट प्रदान अविमल है। पर मनु नायक ही जन स्वयं जन नैतक जन जनका मयाग पूण हुआ है।
- 46 अच्छी बीमा आयुधाल जन महाजन इन्सुरेंस का प्रकाशित "अच्छी बीमा आयुधाल जन इन्सुरेंस पत्रिका" दैनिक जिसकी प्रसारण सत्या लगभग 35 हजार दैनिक पतिया है।
- 47 उपर्युक्त प्रभाव 46 अनुसार अच्छी बीमा आयुधाल जन पत्रिका एक मात्र ऐसा जन पत्र है जो दैनिक के रूप में मनु प्रथम प्रकाशित किया गया उपर्युक्त पत्रिका जन समाज जयपु का प्रम अता है।
- 48 भगवान महावीर स्वामी न ही मनु प्रथम विश्व का अहिंसा का नाट जीओ धार जीने दा का दिया।
- 49 सम्पूर्ण विश्व का नाट का महागाष्ट ही एक मात्र ऐसा प्रान्त है जहाँ महावीर जयन्ती को अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का आदेश मन्त्रा द्वारा दिया गया है।
- 50 इन्सुरेंस का दानवीर श्रेष्ठोपय श्री दीक्षाई नई गाँव है एक मात्र ऐसे दानवीर है जो हर क्षेत्र में हमेशा धन दान दत रहते हैं।
- 52 राजस्थान प्रान्त में अजमेर शहर स्थित दिगम्बर जन मन्दिर नमिकाजी
- 52 दिल्ली एक इन्सुरेंस स्थित टाइम्स आफ इण्डिया प्रम जिसके मास्टर जन है एक द्वितीय प्रभाव नईदुनिया प्रेम उदा का जाना है जिसके मास्टर भी जन है।
- 53 उत की प्रतीक्षा म
- 54 गुजरात राज्य में सुवाधिव नई दीक्षाई सम्पन्न हुई है एव वर्तमान में भी होनी रहती है।
- 55 कुछ वर्षों पूर्व स्यातबामो मनुदाय के शासन प्रभावक श्रीगुदजननालजी मना न मनुदाय म हृदिगणा राज्य में महान मयाग धारा श्री इटीमनादकी मना व 73 जिनो तब मयाग चला था।
- 56 ऐसा कीर्तमान स्वयंनवासी मनुदाय म श्री धमनामजी मना ने ही बनाया जिहोंने अपन शिष्य ने मयाग ग्रहण करने में सहायत नदियन होने पर उनकी जगह स्वयं बठ गया और उनकी मयाग पूण हुआ।

रिकार्डस् का विवरण

रिकार्डस् का उत्तर

57. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ सर्वाधिक जीवदया के पांजरा पोल बने हुए हैं एवं उनमें सर्वाधिक पशु जहाँ के पांजरा पोल में हैं उसका नाम है—
58. सम्पूर्ण देश के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने देश के सर्वाधिक राज्यों में पैदल विहार किया हो।
59. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी (आचार्यों के अलावा) जिन्होंने सम्पूर्ण देश में सर्वाधिक राज्यों का पैदल विचरण किया हो।
60. सम्पूर्ण जैन समाज के चतुर्विध सब में एक मात्र ऐसा तपस्वी जिसने सर्वाधिक दिनों तक निर्जल बिना पानी के चक्र विहार उपवास तपस्या की हो।
61. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें सर्वाधिक साधु-साध्वियाँ विद्यमान हैं।
62. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
63. सम्पूर्ण जैन समाज के लगभग 165 जैन आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके नाम के आगे जी नहीं लगता हो।
64. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनका आचार्य पद सर्वाधिक वर्षों का हो।
65. श्वेताम्बर मूर्ति जैन समुदाय में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
66. श्वे. स्थानकवासी समुदाय में एक मात्र ऐसे आचार्य/गच्छाधिपति जिन्होंने पद प्राप्त करने के पश्चात् सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
67. श्वे. तेरापथी समुदाय के एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।

57. गुजरात राज्य में लगभग 550 स्थानों पर ठोटे बड़े पांजरा पोल बने हुए हैं एवं सर्वाधिक पशु लगभग 25 हजार रापर-कच्छ पांजरापोल में है।
58. उत्तर की प्रतीक्षा में
59. स्थानकवासी समुदाय श्रमण संघ के श्री विमल मुनिजी म. सा. जिन्होंने सर्वाधिक राज्यों का एक से अधिक बार पैदल विचरण किया है।
60. वर्तमान में नया कीर्तिमान बनाने वाली महिला श्रीमती इच्छाबाई बोहरी विलाड़ा (स्था. समुदाय) ने गत वर्ष 35 दिनों तक निर्जल-बिना पानी के चौविहार उपवास किये इससे पूर्व बैंगलूर की महिला श्रीमती विमला देवी काकरिया ने (स्था. समुदाय) ने 33 दिनों का रिकार्ड बनाया था।
61. श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय जिराके आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म. हैं एवं उसमें लगभग 1050 साधु-साध्वी हैं।
62. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी जिन्होंने अपने समुदाय में अब तक सर्वाधिक लगभग 700 नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
63. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी जिनके नाम के आगे जी नहीं लगता।
64. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी का ही आचार्य पद सर्वाधिक (56) वर्षों का है।
65. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य स्व. श्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा
66. साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी म.सा.ने सर्वाधिक लगभग 250से अधिक नई दीक्षाएँ आचार्य पद प्राप्ति के पश्चात् स्वयं ने प्रदान की हैं।
67. सम्पूर्ण श्वे. तेरापथी के सद्यः नायक आचार्य श्री तुलसी ही हैं आप अभी तक लगभग 700 नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं।

## रिवाज का विवरण

## फिकार्ड्स का उतर

- 68 दिगम्बर समुदाय में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
- 69 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-मुनि राज जिसे मनुदाय में रहते हुए समुदाय के आचार्य, मधनायक या गादी तंत्र के जलाना स्वयं ने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
- 70 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-मुनि राज जिसे पंच बार में सर्वाधिक नई दीक्षाएँ एक साथ हुई हैं।
- 71 सम्पूर्ण विश्व के एक मात्र ऐसे व्यक्ति जिन्होंने विश्व का जगज्जत का सन्देश दिया है।
- 72 सम्पूर्ण विश्व के एक मात्र एक व्यक्ति जिन्होंने समस्त का सन्देश दिया है।
- 73 सम्पूर्ण देश के समग्र जन समाज में एक मात्र ऐसा जन स्थानक जहाँ जहाँ सर्वाधिक वर्षों तक माधु-माधिका व विराजण में हमारा नाम रहा एक वर्षीय नहीं हुआ है ?
- 74 वनमान में सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने अपनी मर्त्या के मध लेना जगाकार की है।
- 75 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने जगज्जत का ही नहीं देना है।
- 76 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने चातुर्मास में सर्वाधिक मात्र खमण की तपस्या पूरा हुई है।
- 77 सम्पूर्ण जन समाज का चारा समुदाय में प्रत्येक एक मात्र एक आचार्य जिन्होंने जगज्जत में 2 सम्प्रदायों में एकमात्र सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
- 68 दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री विद्या सागरजी महागज सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं। आपने पांच उतमान में लगभग 100 ब्रह्मचारी भाई रहित अध्ययनशील हैं।
- 69 श्व स्या लिम्बडी समुदाय के शास्त्र प्रभावक श्री गायकवादी ममा, जो समुदाय का आचार्य, मधनायक, मदीपति आदि पद पर नहीं हान व पश्चात भी समुदाय में मुनिस्थ में जगज्जत 80 नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं।
- 70 उतर की प्रतीभा में
- 71 श्वे तरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी
- 72 स्या माधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी ममा
- 73 बीकानेर स्थित माधुमार्गी समुदाय का रुठिया भवन जो वनमान 88 वर्षों में केवल एक दिन के जलाना वर्षों खानी नहीं रहा राजाना भाई न कोई माधु-माधिका वहाँ विराजत है है।
- 74 उतमान में जगज्जत की प्रतीभा, गन वष तक यह स्थान स्या जगज्जत का आचार्य श्री हस्तीमलनी ममा के पास था।
- 75 जगज्जत आचार्य श्री हस्तीमलनी ममा ही एक मात्र ऐसा आचार्य के जगज्जत वनमान में जब डकटा स्थान बोन लेना है जगज्जत की प्रतीक्षा में।
- 76 श्वे मूनि श्री जगजी मुरीजी समुदाय के आचार्य श्री विजय जगजी मुरीजी म जिन्होंने चातुर्मास मद्राम (नर्मण भारत) में लगभग 300 मात्र खमण की तपस्या पूरा हुई है।
- 77 श्वे मूनि तपगज्जत आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीजी द्वारा 33 श्व तरापथी आचार्य श्री तुलसी द्वारा 31 श्व श्व स्या माधुमार्गी आचार्य श्री नानालालजी म द्वारा 25 श्व दिगम्बर समुदाय में आचार्य श्री विद्या सागरजी महागज द्वारा 15 नई दीक्षाएँ एक साथ दी जा चुका है।

रिकार्ड्स का विवरण,

रिकार्ड्स का उत्तर

78. सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में मुख्यतया 55 मान्य समुदाय विद्यमान हैं उनमें में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से कम साधु-साधवियाँ हैं।
79. वर्तमान में समग्र जैन समाज के सभी आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जो पूर्व में मघपति रहे हों एवं संघ में साधु नहीं होने के कारण साधवियों के उपदेश को मानकर संघ पति एवं ससार छोड़कर दीक्षा ग्रहण कर संघ नाथक बने हों।
80. सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन आचार्य जो किसी साध्वी वर्ग को दिया गया हो।
81. समग्र विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने वाहन का उपयोग कर विदेशों में जैन धर्म का प्रचार किया और वर्तमान में भी कर रहे हैं।
82. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे जैन आचार्य जिनकी भारत के अलावा अन्य देशों में भी ऊँचे से ऊँचा राजनेता तक जिनकी पहुँच हो।
83. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिनने लोक सभा का चुनाव लड़ा हो।
84. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिनको एक वर्ग के द्वारा पच्चीसवा तीर्थंकर होने का कुछ वर्षों पूर्व जोर जोर से प्रचार प्रसार किया था उसका नाम है।
85. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने कई शकराचार्यों को रामायण ग्रंथ के बारे में खुली चुनौती दी और वह रामायण को पाम में रखे बिना सभी पंक्तियों के बारे में संतुष्ट उत्तर देकर विजय बने हों—
86. सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसकी वर्तमान के सभी 10 हजार साधु-साधवियों में से सर्वाधिक महंगी दीक्षा सम्पन्न हुई यानि जिसकी दीक्षा में सर्वाधिक खर्चा हुआ हो।

78. ज्वे स्था बृहद गुजरात की एक सदय की मानी हुई समुदाय, सायला समुदाय में केवल दो मुनिराज ही विद्यमान हैं।
79. खभात सम्प्रदाय के आचार्य श्री कातिऋषीजी म सा. (तीनों बातें आपकी ही हैं)
80. ज्वे स्था समुदाय के स्व उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.सा. के समुदाय में महासती श्री चन्दनाजी को (जो साध्वी समुदाय में से है) आचार्य पद प्रदान किया है।
81. विदेशों में जैन धर्म के प्रचार के लिए पूर्व में कई साधु गये लेकिन आचार्यों में श्री सुशीलकुमारजी ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिन्होंने विदेशों में जैन धर्म का प्रचार प्रसार प्रारंभ किया। वाहन का प्रयोग प्रारंभ करके और आज भी कर रहे हैं।
82. आचार्य श्री सुशीलकुमारजी की ऊँची पहुँच देश विदेशों के ऊँचे से ऊँचे राजनेता तक है।
83. ज्वे मूर्ति समुदाय के श्री कमल विजय जी म ही एकमात्र ऐसा जैन साधु हैं जिन्होंने गत वर्ष वाडमेर से लोकसभा का चुनाव लड़ा था परन्तु वे विजयी नहीं हो सके।
84. कुछ वर्षों पूर्व दिगम्बर समुदाय के मुनि श्री कानजी स्वामी के लिए पच्चीसवे तीर्थंकर बनने वावत खूब काफी मात्रा में प्रसार प्रचार किया गया था परन्तु सफल नहीं हुआ।
85. स्थानकवासी समुदाय के स्व उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म सा (विरायतन)
86. ज्वे मूर्ति आचार्य श्री रामचन्द्र मूरी जी म के मानिध्य में डायमंड किंग श्री अतुल भाई ग्राह (वर्तमान में श्री हितरुची विजयजी म.) की सब से महंगी दीक्षा सम्पन्न हुई जिसमें 2 लाख लोगों ने एक भोजन किया, दीक्षा में एक करोड़ रुपये का व्यय हुआ बतलाते हैं।

## रिवाज का विवरण

## रिवाज का उत्तर

- 87 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा नियम अस्तित्व में है कि सभी श्राद्धों में एक साथ श्राद्धों का नाम न लेना किना है।
- 88 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 89 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 90 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 91 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 92 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 93 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 94 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 95 सम्पूर्ण जैन समुदाय में एक मात्र ऐसा श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 87 गणपति विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 88 आचार्य श्री ज्ञानेश्वरजी मया के मन्त्रप्रदाय के अन्तिम श्राद्धों में लगभग 3 म 4 लाख श्राद्धों का नाम लेना किना है।
- 89 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 90 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 91 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 92 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 93 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 94 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।
- 95 श्रद्धा विग श्री अनुसंगीय सूची का नाम अहमदाबाद के श्राद्धों में एक साथ दो नामों का नाम लेना किना है।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

- |  |   |
|--|---|
| <p>96. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा ग्रहण/क्षेत्र जहाँ वर्तमान में सर्वाधिक साधु-साध्वियों के चातुर्मासि होती है एव साधु-साध्वी विराजते है वह क्षेत्र है।</p> <p>97. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसके नाम के आगे तप सम्राट लगता है।</p> <p>98. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वाधिक युवाचार्य विद्यमान हैं।</p> <p>99. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वाधिक उपाध्याय विद्यमान हैं।</p> <p>100. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वाधिक पन्यास विद्यमान हैं।</p> <p>101. सम्पूर्ण जैन समाज के चारों जैन समुदायों में से एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें सर्वाधिक गच्छाधिपति विद्यमान हैं।</p> <p>102. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वाधिक प्रवर्तक - प्रवर्तिनियाँ - उपप्रवर्तक - उप-प्रवर्तिनियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>103. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वाधिक गणिवर्य विद्यमान हैं।</p> <p>104. सम्पूर्ण भारत के सम्पूर्ण जैन समाज के चारों सम्प्रदायों में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें सर्वाधिक सत-सतियाँ हैं।</p> <p>105. सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें सर्वाधिक साधु-साध्वियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>106. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिसके सर्वाधिक आजानुवर्ती साधु-साध्वियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>107. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा राज्य जिसमें सर्वाधिक आचार्य विचरण करते हैं एव चातुर्मासि करते हैं।</p> | <p>96. गत वर्षों तक यह स्थान दम्गई महानगर के पास था परन्तु इस वर्ष यह स्थान अन्तर्देशवाद में प्राप्त कर लिया है।</p> <p>97. श्वे. स्था. गोंडल पक्ष समुदाय के श्री रतिलालजी म सा. ही एकमात्र ऐसे संघ नायक संत हैं जिनके आगे तप सम्राट की पदवी लगती है।</p> <p>98. दिगंबर समुदाय में हो सकते हैं इसके अलावा श्वे. स्थानकवासी समुदाय में भी दो युवाचार्य विद्यमान हैं।</p> <p>99. श्वे. मूर्तिपूजक समुदाय में सर्वाधिक (15) उपाध्याय विद्यमान हैं।</p> <p>100. श्वे. मूर्ति पूजक समुदाय में सर्वाधिक 81 पन्यास विद्यमान हैं।</p> <p>101. श्वे. मूर्तिपूजक समुदाय सर्वाधिक (16) गच्छाधिपति हैं जो अन्य तीनों समुदायों से सर्वाधिक हैं।</p> <p>102. श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय में सर्वाधिक (40) प्रवर्तक, प्रवर्तिनियाँ, उपप्रवर्तक-उपप्रवर्तिनियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>103. श्वे. मूर्तिपूजक समुदाय में (30) सर्वाधिक गणिवर्य हैं।</p> <p>104. सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों में श्वे. मूर्ति. समुदाय ही एक मात्र विशाल समुदाय है जिसमें सर्वाधिक लगभग 6 (छ) हजार साधु साध्वियाँ हैं।</p> <p>105. श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय में सर्वाधिक 1050 साधु-साध्वियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>106. श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा. के सर्वाधिक 1050 आजानुवर्ती साधु-साध्वियाँ विद्यमान हैं।</p> <p>107. गुजरात प्रान्त में सर्वाधिक (लगभग 105) आचार्य विचरण एव चातुर्मासि करते हैं।</p> |
|--|---|



## रिवाइज्ड का विवरण :

## रिवाइज्ड का उत्तर

- 108 वर्तमान के 9वां म सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्विया जिनने महाप्रयाण (वाच धम) हाने 9२ अंतिम मन्वार के समय मवाधिन रुपया की बानी लगवाई गया हा वट्ट ह—
- 109 सम्पूर्ण जैन समाज मे दीक्षाभंग व समय दीक्षार्थी की विधी वस्तु की बानी म मवाधिन रुपया की बानी लगवाई गयी हा वट्ट स्थान एव बानी की रुपम—
- 110 सम्पूर्ण जन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्वियाँ जा मर म प्रवावृद्ध हा ।
- 111 सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्वियाँ जिनकी इस वर मतिप्रित स्थिति म जन्म जनान्ति वष वा जायानन किया गया हा ।
- 112 सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐसे जाचार्य जिनका वम वष अर्धनी मानार्जा शास्त्री के मात्र एक ही स्थान पर नातुमि हो ।
- 113 सम्पूर्ण जन समाज मे एक मात्र ऐम आचार्य जिनकी उम्र सभी आचार्यों से सवम वष ह ।
- 114 सम्पूर्ण भारत व जन समाज म एक मात्र ऐम जैन स्थानव जिस्का निमाण अष्ट बाण जिजाइन म बनया गया हा यानि जा आठ कला वा बना हुआ हा ।
- 115 सम्पूर्ण दश म एक मात्र ऐमा गाँव/लेन जहाँ कई पीणिया बर्षों म राजपूत जाति के दाम हान के पञ्चात नी पूर गाँव म काठ नी मानाहारी यः शादी नहीं ह पूरा गाँव आगाहरी एव जिना शराबा ह ।
- 116 सम्पूर्ण जैन समाज की मना समुदाया म एक मात्र ऐमी समुदाय नियम नियत वा जनन महाभय मनाया गया हा ।
- 108 वर्तमान के 9वां म श्वे मूर्ति समुदाय के गच्छाप्रिपति तानय श्री शिव राम चन्द्रश्रीजी म गा रे बाल घम 10-8-91 के अवम 9 उन्नती वाली म एक कराठ पन्चीम लख भये की वाली नगी जा मनाप्रिय रिवाइज्ड ह ।
- 109 समाचार पत्रा स ज्ञात हुआ ह कि स्था नियापुरी समुदाय म नज्दारी (गुजरात) म एक बहिन वा दीक्षा 1991 मे हुई उमम चादी के नारियन वा यानी 21 लाख रुपय मे पूर्ण हुई जा मनाप्रिय रिवाइज्ड ह ।
- 110 उत्तर की प्रतीक्षा म ।
- 111 श्वे स्था/वार्धमी भ्रमण सष की महामती श्री शिन्धीगुवजा म भा पिपलगाव बनवत (महा)
- 112 दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री पुण्डित सागरजी महाराज का अर्धनी सामाग्वि माताजी जो वर्तमान मे माध्वी जायानी ह उनके साथ वृष्णापुरा इदार म एक ही जगह चानुमास ह ।
- 113 उत्तर की प्रतीक्षा म, मभव ह दिगम्बर समुदाय म ही यह स्थान ह, मबता ह ।
- 114 श्वे स्था छ काटा जैन सष द्राण-वच्छ म नव निर्मित जैन स्थाक अष्ट वर्णाय ह जो सम्पूर्ण भारत मे एक मात्र आठ कोणी वाला अद्वितीय स्थान रखता ह ।
- 115 राजस्थान प्रांत के जिना मुसुतु के पाम गाडराटा नामक रेस। गाव ह जहाँ अजिबाद परिक्षा राजपूता व हान के पञ्चात भी पूरे गाँव म नत। कोई मामा-हारी ह न काटे शराबी । यहा तक कि शादी बल्ल उक्त भी इन नियम वा पहन रखा जाना है ।
- 116 श्वे मूर्ति जन वाप्रेन्स वमर्दे एन अय कई सम्भारत के मालनीय जध्यन एक मुनिसिद्ध दानवीर श्रष्टीयश्वे श्री दीपचन्दमाई गार्डी ना दम वष अमृा महोत्सव मनाया गया ह ।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

117. सम्पूर्ण भारत के सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा मंदिर जो सबसे पहले बनाया गया हो सबसे अधिक वर्षों का सबसे पुराना हो ।
118. सम्पूर्ण भारत के जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके सर्वाधिक दर्शनार्थी दर्शन करने जाते रहते हैं ।
119. सम्पूर्ण देश के जैन समाज में एक मात्र ऐसे रचनाकार लेखक जिन्होंने जैन धर्म के मौलिक इतिहास की रचना की हो ।
120. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा 'मुख्य मंत्री' जो जैन समाज का हो ।
121. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने आज से 100 वर्ष पूर्व बम्बई महानगर में प्रथम बार पदार्पण किया हो ।
122. सम्पूर्ण भारत के स्थानकवासी समुदाय में एक मात्र ऐसा स्थानक भवन जो सम्पूर्ण देश में सबसे बड़ा एवं विशाल हो ।
123. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा दिगम्बर जैन मंदिर जो सबसे बड़ा एवं विशाल हो ।
124. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा जैन तैरापंथी गभा भवन जो सबसे बड़ा एवं विशाल हो ।
125. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी दीक्षा पर्याय अन्य आचार्यों से सर्वाधिक हो ।
126. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वियों जिनकी दीक्षा पर्याय अन्य साधु-साध्वियों से सर्वाधिक हो ।
127. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी दादादाई जो सबसे पुरानी यानि सर्वाधिक वर्षों की बूनी हुई हो ।
128. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी पहिले भारत के बड़े बड़े नेताओं तक है एवं जिनका सभी राजनेताओं से अच्छा सम्पर्क है ।

117. उत्तर की प्रतीक्षा में
118. गुजरात राज्य में पालीताणा का श्री णवृन्जय तीर्थ-धिराज तीर्थ । द्वितीय स्थान श्री सम्मत्त णिग्वर जी (बिहार) का आता है ।
119. सम्पूर्ण जैन समाज में स्व. आचार्य प्रवर श्री हस्ती-मलजी म.सा. ही एकमात्र ऐसे आचार्य थे जिन्होंने जैन धर्म का मौलिक इतिहास चार भागों में प्रकाशित किया ।
120. सम्पूर्ण भारत में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मुन्दरलाल पटवर्गी ही एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो जैन समाज के हैं ।
121. श्वे मूर्ति समुदाय के श्री मोहनलालजी म. सा. ही एकमात्र ऐसे प्रथम साधु थे जिन्होंने 100 वर्ष पूर्व बम्बई नगर में सर्वप्रथम बार पदार्पण किया ।
122. पानी-मारवाड़ या नागिक गिंटी ।
123. श्री सम्मत्त णिग्वरजी दिगम्बर जैन मंदिर (बिहार)
124. राजस्थान प्रान्त में जैन विश्व भारती लाहौर ।
125. उत्तर की प्रतीक्षा में ।
126. उत्तर की प्रतीक्षा में ।
127. उत्तर की प्रतीक्षा में ।
128. ये तैरापंथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी ही एकमात्र सभी आचार्यों में ऐसे आचार्य हैं जिनकी पहिले-सम्पर्क देश के बड़े बड़े राजनेताओं तक पहुँची हुई है एवं राजनीतिक क्षेत्रों तक सम्पर्क एवं प्रभाव भी काफी अच्छा है ।

## रिपोर्ट का विवरण

## रिपोर्ट का उत्तर

- 145 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी विदेशी उर्जा मय प्रथम जैन मठ का निर्माण हुआ।
- 146 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी आचार्य जिनकी आज्ञा पर प्रति 100 माधु-माधियाँ के देशों के राज में स्थापित स्थान पर चतुर्मास होने है।
- 147 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी आचार्य जिनके आचार्यजी माधु-माधियाँ स्थापित रूप में उच्च शिक्षा M.A Phd उपाधि प्राप्त है।
- 148 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सर्वोच्च माधु-माधियाँ उच्च शिक्षा M A Phd उपाधि प्राप्त है।
- 149 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें माधु-पुनिराज समुदाय एक माधु-माधियाँ देना में ही सर्वोच्च उच्च शिक्षा M A Phd उपाधि प्राप्त है।
- 150 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय के अध्यक्ष जिनके सम्प्रदाय में प्रारम्भ की गयी जन संस्थापन याज्ञता जा वदमान में समग्र जैन समाज में स्थापित प्राप्त कर चुकी है।
- 151 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी व्यक्ति जिसने जैन समाज में सर्वप्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन प्रारम्भ किया।
- 152 समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसी माधु-माधियाँ जिनके यहाँ, आम-आम के क्षेत्रों की उत्तीम ही काम के बनना की स्थापित भीड़ राजाना यहाँ रहती हैं जिनमें सर्वोच्च रूप में काफी दृष्टिकोण करता पहला है। पूरा जैन समाज में बिना रहने के माधु-माधियाँ है।
- 153 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी सम्प्रदाय जिसमें सर्वोच्च रूप में वृद्ध समुदायों विद्यमान है मय में ज्योत्सना समुदायों जिन सम्प्रदाय में है उसका नाम है-
- 145 उत्तर की प्रतीक्षा में
- 146 श्वे स्या धर्मण मय के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिवरा मया की आज्ञा में लगभग 350 स्थानों पर प्रति 100 चतुर्मास होने है।
- 147 श्वे स्या धर्मण मय के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिवरा मया के आज्ञा प्राप्त लगभग 25 माधु-माधियाँ उपाधि प्राप्त है।
- 148 श्वे स्या धर्मण मय समुदाय जिसमें लगभग 25 माधु-माधियाँ उच्च शिक्षा M A Phd प्राप्त है।
- 149 श्वे स्या धर्मण मय समुदाय में माधु मुनिराज समुदाय एक साधु-माधियाँ देना में ही उच्च शिक्षा M A Phd प्राप्त सर्वोच्च है।
- 150 ज मा श्वे स्या जैन वास्तुशिल्पी के अध्यापन श्री पुष्कराज युवक इन्डिया द्वारा प्रारम्भ की गयी जीवन प्रवास योजना सम्पूर्ण जैन समाज में स्थापित प्राप्त कर चुकी है ऐसी योजना सम्पूर्ण जैन समाज में प्रचलित हो गयी है।
- 151 श्री नानवरगम पोगवान जैन इन्दौर द्वारा सर्वोच्च माधुपुर (राज) के श्वे पद्मावती पावान जैन समाज में 1976 में सामूहिक विवाह का सर्वप्रथम आयोजन प्रारम्भ किया जो बाद में सभी वर्गों में प्रचलित हो गया।
- 152 सम्पूर्ण जैन समाज में ज्योत्सना समुदाय के नवकार मय आराधन आचार्य श्री कल्याण भागवती महाराज के यहाँ आम-आम के क्षेत्रों के उत्तीम ही काम के बनना की स्थापित भीड़ राजाना यहाँ रहती हैं जिनमें सर्वोच्च रूप में काफी दृष्टिकोण करता पहला है। पूरा जैन समाज में बिना रहने के माधु-माधियाँ है।
- 153 वदमान में श्वे मूर्तिपूजक समुदायों में अपने अपने आचार्यों की कुल 25 समुदायों हैं जिनमें समग्र जैन समाज में सर्वोच्च है द्वितीय क्रमांक श्वे स्या समुदाय का आना है जिसमें 22 समुदायों हैं।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

154. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी महिमा से प्रभावित होकर उनके महाप्रयाण अन्तिम यात्रा के अवसर पर शासन द्वारा बहुत बड़े शहर का नाम बदल कर आचार्य श्री के नाम पर गृहर का नया नाम घोषित किया गया हो ।
155. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके महाप्रयास के अवसर पर कई तरह के चमत्कार एवं विशेषताएँ मिलीं ।
156. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ वर्तमान में किसी मूर्ति ने प्रत्यक्ष में कई देर तक कई बार अपनी आँखे खोली वन्द की फिर खोली का दृश्य देखने को मिले । ऐसा दृश्य कई व्यक्तियों पत्रकारों ने प्रत्यक्ष में देखा हो ।
157. सम्पूर्ण भारत में एकमात्र ऐसा जैन समाज का भेठ व्यापारी जिसके सद्कार्यों-गुणों की महिमा के स्मरणार्थ पूरे शहर के सभी व्यापारियों, स्नेहीजनों, सभी जैन परिवारों में विशाल रूप से अपने अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में उनका फोटो लगा हुआ हो ।
158. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा व्यक्ति जो मांस-हार एवं मदिरा कुव्यसन छुड़वाने हेतु अकेला ही किसी राज्य में सर्वाधिक गांवों के स्कूलों में प्रति वर्ष जाकर प्रचार-प्रसार करता हो एवं मांसहार मदिरा त्याग करने वालों के स्कूल के बच्चों को विद्यालय मन्थ्या में पुस्तकें एवं कपड़े वितरित करता हो ।
154. श्रमण संघ के आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म सा जिनके महाप्रयाण पर अन्तिम यात्रा पर शासन द्वारा अहमदनगर का नया नाम आनन्द नगर करने की शासन द्वारा घोषणा 30-3-92 को की गयी ।
155. श्वे. स्था. रत्न वंश समुदाय के आचार्य श्री हस्ती-मलजी म सा के महाप्रयाण पर कई चमत्कार हुए— संथारा एवं अन्तिम संस्कार के दिन ही बरसात उसी गांव में होना (गर्मी में आगे पीछे के दिनों में नहीं) नाग के दर्शनार्थ आना, आम के पेड़ पर आम आना, केसर की बरसात होना शासन द्वारा सम्पूर्ण राज्य में कसाईखाने बन्द करना 313 बकरों का अभयदान, आचार्य का 13 दिनों का संथारा होना, इनके अलावा 10 अन्य चमत्कार प्रभाव के उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलते ।
156. धालीताणा स्थित जैन साहित्य मंदिर जहाँ आचार्य श्री विजय यशोदेव सूर्यश्वरजी म. विराजमान हैं वहाँ श्री पद्मवती देवी की मूर्ति में ऐसा प्रत्यक्ष दृश्य चमत्कार इस वर्ष देखने को मिला ऐसा दृश्य-लगभग 5-6 घंटे तक चला एवं हजारों व्यक्तियों, पत्रकारों ने देखा ।
157. जलगांव एवं जामनेर के सुप्रसिद्ध सेठ श्री राजमलजी लखीचन्दजी जैन, जिनका जामनेर शहर के सभी जैन परिवारों, व्यापारियों एवं स्नेहीजनों के यहाँ अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में सेठ साहब का फोटो लगा हुआ है इतनी संख्या में अन्यत्र कहीं भी किसी का कोई फोटो कहीं नहीं मिलेगा ।
158. जलगांव के सुप्रसिद्ध जौहरी एवं समाज सेवक संघ रत्न श्री रत्नलालजी वाफला सराफ जो हर वर्ष महाराष्ट्र प्रान्त के लगभग 300 गांवों के स्कूलों में जाकर वहाँ के लोगों को मांस मदिरा त्याग करने का नियम करवाकर गरीब बच्चों को एक टुक मांस पुस्तकें एवं कपड़े वितरित करते हैं यह कार्य विगत चार वर्ष से कर रहे हैं एवं उन्हें हम कार्य में सफलता भी मिली है । सम्पूर्ण देश में आप एक मात्र ऐसे व्यक्ति हैं ।

## रिवाजम् का विवरण

## रिवाजम् का उतर

- 159 सम्पूर्ण विश्व म एक मात्र ऐसा जैन परिवार का व्यक्ति, जिसने टाइटिका फाय म विश्व विजेता का पुरस्कार प्राप्त किया है।
- 159 उत्तर भारत का 13 वर्षीय शिशुार यास्टर अभिषेक जैन ने गा व गोदरेज की मूर्तियों द्वारा बुनेम म सम्पन्न हुई यह टाइटिका नेमिगननी मे 109 अक्षर प्रति पटे की स्वीड स टाण करने विश्व विजेता का पुरस्कार प्राप्त किया है।
- 160 सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐसी समुदाय जिमके पिता एक पुत्र दाना आचाय हा।
- 160 श्वे सपाणच्छ समुदाय के मच्छाधिपति आचाय स्व श्री गमचन्द्र मूर्तीश्वरजी म की समुदाय म पिता एक पुत्र दोनों आचाय है जिनके नाम आचाय श्री जयमुंजर मूर्तीजी म (पिता) एक आचाय श्री पूणचन्द्र मूर्तीजी म है।
- 161 सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी स्थान जहाँ किसी सत मुनिगजों के जन्म मत्तच्छि म्मारिवा प्रथ का विमाचन एक ही दिन एक साथ कई स्थाना पर सम्पन्न हुआ हा।
- 161 श्वे स्या श्रमण मय के उवाध्याय स्व श्री वस्तुत्वर जी म सा के जन्म शनच्छि म्मारिवा प्रथ का विमा चन हम यव देश के चार नगरों म एक भाय सम्पन्न हुआ यह प्रथम जवसर है जहाँ एक ही दिन चार जगह विमोचन हुआ है।
- 162 सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी विश्वात समुदाय जिसके मंथ नायक सहित अय मन्त्री माधुसाधिया वाल ब्रह्मचारी ही है।
- 162 श्वे स्या समुदाय के सपाणय शानन प्रमावक श्री सुदगननालजी मसा की समुदाय म मय नायक सहित कुल 25 मुनिगज विद्यमान है (मनियोंकी नही है) के मभी 25 सय नायक एक मुनिगज बाय ब्रह्मचारी है।
- 163 सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जा वभी अपने राज्य मे से भी अपने क्षेत्र के अलावा 7 तो वभी राज्य के दूसरे क्षेत्रों म (अन्य राज्या मे तो तति नही) विचरण कन्द हैं और न ही वभी चातुमांस करन हैं।
- 163 श्वे स्या समुदाय के वच्छ आठ काटि नावी (छाटा) पदा के सभी माधु-माधिया गुजरात प्रात म वच्छ क्षेत्रों के अलावा वही भी नहीं जाते गही तब कि गुजरात प्रात के अय क्षेत्रा तब म भी नहीं जाते।
- 164 सम्पूर्ण जैन समाज मे वर्तमान मे एक मात्र ऐसा आचाय जिहोंने सर्वाधिक स्थाना पर जैन मंदिरा की प्रतिष्ठाएं कलायी हा।
- 164 श्वे मूर्ति सपाणच्छ समुदाय के आचाय श्री विजय राजयश मूर्तीश्वरजी मसा का प्रमाय प्रथम आ मकता है। अय उत्तर की प्रतिष्ठा।
- 165 सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमे नायकमों की आमदण पत्रिकाएँ विशाल रूप म सब से ज्यादा महगी छपती हैं। एव सब के वम एक मूर्ती किम समुदाय की होती है।
- 165 श्वे मूर्ति समुदाय म विभी भी प्रकार का कोई भी नायकम हो उतनी आमत्रण पत्रिकाएँ सबसे ज्यादा मात्रा एक सबसे महगी होती है। सबसे सस्ती एव कम सख्या की पत्रिकाएँ श्वे तेरापयी समुदाय की होती है।
- 166 सम्पूर्ण विश्व म एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके गुज के भाग के नीचे वा चौक लम्बाई चौड़ाई आकार म सब स उठा हो मंदिर के घीच म वन गुज के निचे सर्वाधिक आकार का चौक हा।
- 166 श्वे मूर्ति सपाणच्छीय आचाय श्री विनचन्द्र मूर्तीजी म की मद्प्रेरणा से नव निमिन श्री सनवनाथ जैन मंदिर, नावयी तीय बावना (गुज 16) का जैन मंदिर।

## रिकार्ड्स का विवरण

## रिकार्ड्स का उत्तर

167. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों में वे ही सदस्य अध्यक्ष समापति मुख्य अतिथि विशेष रूप से बनाये जाते हैं जो धार्मिक प्रवृत्ति, दीक्षार्थी के पिता, तपस्वी, बारह व्रतधारी श्रावक आदि हो वहाँ किसी राजनेता या धनवानों को कोई स्थान न मिलता हो।
168. सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी दीक्षा की रजत, स्वर्ण, अमृत वर्ष महोत्सव पर सर्वाधिक संख्या में दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं।
169. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ जैन म्युजियम की स्थापना की है वहाँ जैन म्युजियम है।
170. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा सिंघाड़ा (आदि ठाणा) जहाँ सर्वाधिक साधु-साध्वीयों उच्च शिक्षा M.A. Phd वाले हैं।
171. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने सर्व प्रथम उच्च शिक्षा M.A. Phd उत्तीर्ण की हो।
172. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने एक दिन में सर्वाधिक लम्बा विहार किया हो।
173. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य साधु-साध्वी जिसकी प्रेरणा से वर्तमान में सर्वाधिक नवपद की आयविल ओलीया सम्पन्न हुई एवं कहाँ हुई। एवं ओलीया के ऊपर सर्वाधिक तेले किये हो।
174. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी पुरानी संस्था जिसको उसके संस्थापक ट्रस्टी जब से संस्था की स्थापना हुई तब से हर वर्ष आर्थिक सहयोग निरन्तर देते आये हो अब तक बीच में कभी बन्द नहीं किया ऐसे व्यक्ति हैं।
167. श्वे. स्थानकवासी समुदाय के संघ नायक शासन प्रभावक श्री सुदर्शनलालजी म.सा. (उत्तर भारत) की समुदाय में केवल संत-सतियो, दीक्षार्थियों के माता-पिता, तपस्वी बारह व्रतधारी श्रावक ही कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथी बनाये जाते हैं।
168. संभव है दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्रीविद्या-सागरजी म.सा. का क्रमांक प्रथम आ जावे उनके इस वर्ष मुनि दीक्षा रजत जयंती वर्ष महोत्सव के अवसर पर एक साथ 15 आर्थिकाओं की एक साथ दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं।
169. पालीताणा स्थित विद्यालय जैन म्युजियम।
170. श्वे. स्था. श्रमण संघ समुदाय में महासती श्री मुक्ति-प्रभाजी म.सा. श्री दिव्य प्रभाजी म.सा. आदि ठाणा (11) का ऐसा सिंघाड़ा है जिनमें तीन साध्वीयों उच्च शिक्षा M.A. Phd है इतने अन्य कहीं भी एक साथ नहीं है।
171. उत्तर की प्रतीक्षा में
172. उत्तर की प्रतीक्षा में (हमारे पास 52 कि.मी. का रिकार्ड्स है)
173. श्वे. मूर्ति तपागच्छ समुदाय के आचार्य श्री गुण रत्न सूरीजी म. की शुभ निश्रा में जीरावाला तीर्थ में वि. सं. 2047 में एक साथ तीन हजार तपस्वीयों ने नवपदजी की आयविल ओलीया की एवं 2500 व्यक्तियों ने ओलीयो के ऊपर तेले की तपस्या पूर्ण की।
174. पालीताणा स्थित श्री सिद्ध क्षेत्र जैन मोटी टोली जैन पाठशाला के संस्थापक ट्रस्टी राय बहादुर बाबू साहब श्री बुद्धिसिंहजी ने एवं वर्तमान में उनके वंशज विगत 113 वर्षों से पाठशाला को 1200/- वार्षिक देते आये हैं बीच में कभी बन्द नहीं किया एक बार लाखों देने वाले बड़का मिलेंगे लेकिन ऐसे नहीं।

## गिनाडम का विवरण

## गिनाड का उल्लेख

- 175 सम्पूर्ण भारत का एक मात्र ऐसा तीर्थ एवम् व्यक्ति जहाँ कि मन्दिर की अक्षर 1 25 लाख परित्रमा-पदक्षिणा एक व्यक्ति द्वारा की गयी हो।
- 176 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनमें किसी जिनमूर्ति प्रभु प्रतिमा के सामने छडे खड हावर 1 25 लाख समाभगा (वरन रिधि) पूरा किये हो।
- 177 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनमें सब प्रथम बार जैन धर्म के बारे में उपचार की रचना की हो एक जिनके भवार्थिक जैन उपचार प्रकाशित भी हो गये हो।
- 178 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनमें सब से ज्यादा सनाधिप माहिप या लेखन काय किया हो।
- 179 सम्पूर्ण सनाधिवर्गीय समुदाय में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनमें सब से ज्यादा सर्वाधिक माहिप की रचना की हो।
- 180 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा पदवीदारक माधु-माधवी जो पहले आचार्य पद पर थे बाद में फिर युवाचार्य (द्वितीय प्रमाण) पद पर नियुक्त हुए।
- 181 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके जगि शासन सम्राट की पदवी उनके समय एक वर्तमान में भी लगी जानी है एक उच्च उमी नाम से जाना जाता है।
- 182 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनका सब से पहले आचार्य सम्राट की पदवी प्रदान की गयी थी। एक वर्तमान में भी उमी नाम से पुकारा जाता है।
- 183 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनको सम्पूर्ण 32 ही अंगम बरूठ माना हो।
- 184 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा माधु-माधवी जिनमें सर्वाधिक वर्धमान अवधि आती तप की उपस्था की हो।
- 175 लखवाड धर्मसुट का जैन श्वे मंदिर जिनकी 1 25 लाखपरिचयमा मुनि श्री विशा मिश्रजी (अचरगच्छ) ने पूरा की है।
- 176 उपर्युक्त प्रमाण (175) अनुसार
- 177 श्वे स्या श्रमण मधीप उपाध्याय श्री केवल मुनिजी मभा एक इनके भवार्थिक जैन उपचार सब तत प्रकाशित हो गये ह।
- 178 श्वे जैन तेरापरी समुदाय के युवाचार्य श्री महाप्रनजी मभा
- 179 श्वे रत्न वर समुदाय के इतिहास मार्गण आचार्य श्री हस्तीमनजी मभा
- 180 श्वे स्या समुदाय के स्व श्री मिश्रीमनजी मभा मधुकर जा पहले जयमल सम्प्रदाय के आचार्य के बाद में श्रमण मध के युवाचार्य बनये गये।
- 181 श्वे मूर्ति नवागच्छ के आचार्य श्री विजय नमा मुरीश्वरजी म को उनके मध पर वर्तमान में भी शासन सम्राट के नाम से जाना जाता ह।
- 182 श्वे स्या श्रमण मध के स्व आचार्य सम्राट श्री आनन्द कपीजी म ता एव सभय है आचार्य श्री आरमारमजी म सा. भी हो सकते हैं।
- 183 श्वे सनाधिवर्गीय समुदाय के विदुषी महामनी श्री तरचना वार्डे मभा जिनका सम्पूर्ण 32 ही अंगम बरूठ माना जाद है।
- 184 श्वे मूर्ति आचार्य श्री प्रेममुरीजी समुदाय के आचार्य श्री राजतिलक मुरीजी म ने सब तत 300 वर्धमान आयुविल तप की आनीया पूरा की है सब नाम की प्रतीक्षा है।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

185. सम्पूर्ण देश का एक मात्र राष्ट्रीय स्तर का ऐसा जैन नेता जो किसी भी धार्मिक विशाल कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में पधारते हो तब वहाँ स्टेज पर नहीं बैठकर साधारण लोगों में ही फर्ण जमीन पर बैठता हो ।

186. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने काश्मीर से कन्याकुमारी तक पद विहार करते हुए जो दोनो जगह गये हो ।

187. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा बालक-बालिका जिसने सब से कम उम्र में प्रतिक्रमण का पाठ कठस्थ कर लिया हो ।

188. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे श्रावक-श्राविका जिन्होंने अपने जीवन में सर्वाधिक मास खमण की तपस्या एवं सर्वाधिक लड़ी की तपस्या पूर्ण की हो ।

189. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने विश्वविद्यालय एवं धार्मिक स्तर की सर्वाधिक सभी परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हो एवं विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाधिक स्वर्ण पदक प्राप्त किया हो ।

190. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा व्यक्ति जिसने गम जल के आधार पर सर्वाधिक लीनों तक लव्त्री तपस्या उपवास पूर्ण किये हो ।

191. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें साधु समुदाय में कम से कम मुनियज्ञ हो ।

192. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से ज्यादा मुनियज्ञ हो ।

185. मध्यप्रदेश के गौरवशाली मुख्यमंत्री श्री गुन्डरलालजी पटवा जो जैन समाज के ही हैं एक मात्र ऐसे भारतीय नेता हैं जो किसी भी धार्मिक विशेष कार्यक्रमों में विशेष अतिथि के रूप में स्टेज पर नहीं बैठकर आम लोगों की तरह ही जमीन फर्ण पर बैठ जाते हैं ।

186. संघ प्रवर्तिनी साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म.ग. ने काश्मीर से कन्याकुमारी तक की पाद विहार यात्रा 1978 में की थी जो दोनों स्थानों तक की थी । कोई काश्मीर जाता है तो कन्याकुमारी नहीं इन्होंने दोनों जगहों की यात्राएँ की हैं ।

187. बालकेव्वर वर्ल्ड में मेगम अम्परा ज्यूस सेंटर धर्म श्री जयती भाई शाह का गुपुत्र किरण मेहना जिसने 6 वर्ष की वय में पूरा प्रतिक्रमण कंठस्थ कर लिया है ।

188. राजस्थान प्रान्त के चुरू जिला के डूंगरगढ़ गढ़ की महान उग्र तपस्वीनी बहिन श्रीमती मर्ताहरदेवी आंचनिया ने अपने जीवन में सर्वाधिक 37 मास खमण पूर्ण कर लिये हैं एवं एक से 36 की लड़ी भी पूर्ण कर चुके हैं ।

189. श्वे. ग्वा. खमण संयोग विद्युपी साध्वी श्री विजय श्रीजी म.ग. ने विश्वविद्यालय एवं धार्मिक स्तर की लगभग 8-10 परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हैं एवं मैसूर विश्वविद्यालय एवं हैदराबाद अर्थात् स्थानों में अब तक 6 स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं ।

190. उमर की प्रतीक्षा में

191. ग्वा.क.सा.सी संघ के संघर्षी समुदाय की एक मात्र ऐसी समुदाय है जिसमें कम से कम मुनियज्ञ है जिसकी संख्या केवल एक की है तथा वह मुनियज्ञ ही संघ नायक भी है जिसका नाम श्री मन्टे मुनिजी म.ग. है ।

192. श्वे. ग्वा.ग.क. समुदाय के रत्न आचार्य श्री रामचन्द्र मुनीश्वरजी म. के समुदाय में सर्वाधिक लगभग 250 मुनियज्ञ हैं ।



## रिवाज का निरक्षण

## रिवाज का निरक्षण

- 193 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से ज्यादा माध्वियों समुदाय विद्यमान है।
- 194 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें 70 से कम माध्वियों समुदाय विद्यमान हैं।
- 195 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिसके महाधियन विषय बाल श्रद्धाचारी हैं।
- 196 सम्पूर्ण स्वतन्त्रधार्मी समुदाय में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने स्या समुदाय में रहते हुए दूसरे समुदाय की सब प्रथाएँ और मन्दिरोँ प्रतिष्ठा कराई है।
- 197 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा स्वतन्त्र एवं स्वाध्यायी जा मंत्र में रहते पदपुष्य पत्र में स्वाध्याय चतुर गवा है।
- 198 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा जीवत्या या पाजरायान जिनकी स्थापना मंत्र में रहते हुई है।
- 199 सम्पूर्ण जैन समाज में एक वयावृद्ध भाई रहित जिन्होंने भीषण गर्मी में महाधियन तपस्या की है।
- 200 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन समाज का व्यक्ति जिसने धर्म के सर्वाधिक धर्मों का पूर्ण अध्ययन कर परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं और सभी धर्मों की महत्वाजा से महाधियन प्रमाण पत्र प्राप्त विषय है।
- 201 सम्पूर्ण जैन समाज का एक मात्र ऐसा महाधियन पत्रकार जिस सम्पूर्ण भारत के 10 हजार साधु साध्वी, जैन श्री मण्डल एवं वा के महानुभाव उससे वाद में परिचित हैं, जानते हैं।
- 193 धर्म मंत्र में लगभग 750 सर्वाधिक साध्वियों विद्यमान हैं।
- 194 सब स्या समुदाय के हाथारी मन्त्रदाय में सब से कम केवल चार साध्वियों ही विद्यमान हैं।
- 195 उत्तर की प्रतीक्षा में
- 196 स्वतन्त्रधार्मी समुदाय के रिवाज में जैन धर्म प्रचारक आचार्य श्री मुष्ठीनगुमारजी म गा जिन्होंने अमेरिका में मंत्र प्रथम बार मन्दिरोँ प्रतिष्ठा करायी।
- 197 सब स्या समुदाय के चतुर्मास म प्रवचन श्री माहन सावजी म सा जे वि स 1994 में समुदाय (अनन्तर) में सब प्रथम बार स्वाध्यायी बन कर गये थे।
- 198 उत्तर की प्रतीक्षा में।
- 199 दानोब के पयोमूढ श्री मेघराजजी आचलिया (83) वय में (33) साक्षात् एक श्रीमती रहते बाई नाहटा उत्तर (77) वय (31) उपवास इत वय जून 1992 में पूरा किया।
- 200 मेघराज के श्री जैन जवाहर मंडल के महन्त्री श्री घडकरजी S/o श्री राधनमलजी वृथा द्वारा विद्य के लगभग 20 धर्मों का अध्ययन कर उत्तीर्ण हुए एवं उत्ताणना के सर्वाधिक प्रमाण पत्र प्राप्त विषय है।
- 201 समग्र जैन चेतुर्मास सूची के सम्पादन बालान जैन 'उज्ज्वल जिनको हर वय चेतुर्मास सूची के काम करने में सम्पूर्ण जैन समाज का हर वय जानता है।

नाट-समयाभाव के कारण लगभग 150 रिवाजों में तैयार किए हुए यहाँ सम्मिलित करने स रह गये। संप्र  
जायामी जन में प्रकाशित किए जायेंगे।

**भाग-अष्टम्**

विज्ञापन

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

Phones 3437323/3436072

# NOBLE STORES

*Manufacturers & Dealers of*

Air Pillows \* Shopping Bags \* Air Bags \* School Bags  
Ladies & Gents Money Purses \* Plastic Raincoats &  
Presentation Articles

231/233, Janjekar Street, BOMBAY-2



# TOHFA

TEL 3433544/3439214

Presentation Articles, Imitation Jewellery,  
Ladies & Gents Money Purse & Plastic Raincoats

204/242, Janjekar Street,  
Near Jumma Masjid, BOMBAY-400002



शुभेच्छुक

रमणिकलाल छाड़वा  
बम्बई

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छः कोटि लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतियांजी म.सा. आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—

**समाजसेवी डी. टी. नीसर (भचाउ वाले)**

मंत्री : अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद, बम्बई

अध्यक्ष : श्रीयुत् मित्र मण्डल, भचाऊ-बम्बई संचालित

**C/o विसामो**

(लेटेस्ट सुविधापूर्ण जैन गेस्ट हाउस)

P.O. भचाऊ (कच्छ) 370 140



Tel. No 357755

**KWALITY GARMENT**

Family Shop for Readymade Garments

119-121, Jagannath Shankarsheth Road, Mantri Bldg., Opp. Majestic Cinema,  
BOMBAY-400 004

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर घर्म सप (श्री श्वेताम्बर जैन म्यानकवासी छ कोटि लिम्बडी सम्प्रदाय) के ममी पूज्य मुनिराजो एव महासतिर्याजो मसा आदि टाणाओ वा सन 1992 वर्षे वा चातुर्मास हर्षोन्नाम मय वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र एव तप वी आराधनाओ मे ओन-ओन वशम्बी एव गैतिहासिन बनने वी मगन वामनाएँ करन हुए—

हादिस शुभवापनाओ सहित—



पू मातुश्री शान्तावहन नेमचन्द न्यालचद मेहता  
(खेडोई वाला)

अरिहन्त ट्रेडिंग कं.

हाडवेअर, लोहा, पेन्ट, मशीनरी विक्रेता

PO मुन्द्रा (फचद्य) 370 130

टेलि दुफान 169 निवास 191

बिहार ड्रेसेस

रेडीमेड कपडे के विक्रेता

PO मुन्द्रा (फचद्य) 370 130

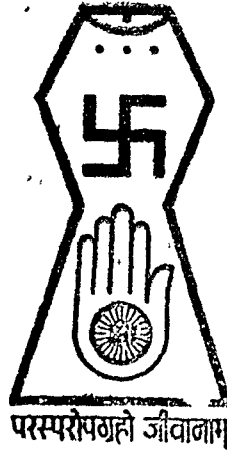
टेलि दुफान 111

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छः कोटी लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतिर्याजी म.सा. आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—



परस्परपणो जीवानाम

Tel- OFFICE : 24090  
Resi. : 23070

सुरेश क्लॉथ सेन्टर

(कपड़े के व्यापारी)

जवाहर रोड,

सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)

सुरेशकुमार नरोत्तमदास दोशी

13, चेतना सोसायटी,

सुरेन्द्रनगर-363001

(गुजरात)

जय महावीर !

जय अजरामर !

श्री अजरामर धम मध (श्री श्वेताम्बर जैन स्थाननवासी छ कोटि लिम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एव महासतिषाजी ममा आदि ठाणाओ का मन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोन्लास भय वातावरण मे ज्ञान, दशन, चारित्र एव तप नी आराधनाओ से ओत प्रात यगस्वी एव ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

पुण्यवता आचार्य भगवत श्री रूपचन्द्रजी स्वामी के अन्तेवासी

तरवन प श्री नवलचन्द्रजी स्वामी के शिष्य मुनिश्री भास्करजी स्वामी द्वारा सम्पादित

इंग्लिश लिपि व हिन्दी लिपि में सामायिक सूत्र एव मोटा टाईप गुजराती सामायिक प्रतिक्रमण की पुस्तकें निम्नोक्त पते पर भेगावें ।

श्रीन आफिस 49  
निवास 21

**संघपति श्री देवजी मुरजी सतरा**

(अध्यक्ष श्री गुन्दाला स्थाननवासी छ कोटि जैन सघ)

मु पो गुन्दाला (कच्छ) 370 410 (गुज)



शा दामजी प्रेमजी क 卐 भरतकुमार एण्ड क.  
(छाला चुनीवाला)

273/77, अनतदीप चेम्बर, भात बाजार, बम्बई-400 009

टेलि निवाम 864184, 4142187 आफिस 8552551, 8551314

तपागच्छीय परम प्रभावक, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री विजय कलापूर्ण सूरेश्वरजी म सा.  
आदि ठाणाओ का सूरत (गुजरात) मे सन् 1992 का चातुर्मासि सानन्द सम्पन्न होने की  
मंगल कामनाएँ करते हुए—

शुभकामनाओं के साथ—

# PLAZA TRADERS

## TOBU BRAND

PEN, BALL PEN & REFILLS

Plaza Shopping Centre, Shop No. 101,  
76-78 Sutar Chawl, BOMBAY-400002 (M.P.)

शुभेच्छुक ।

ढखमशी सूरजी गाला

धनजी सूरजी गाला

बम्बई



सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित-

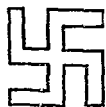
फोन नम्बर—6495067  
जयपुर—47300

**करमचंद मोदी**

21, स्वर्णदीप,

34, एस. बी. रोड, शांताक्रुझ (वेस्ट)

बम्बई-400 054 (महाराष्ट्र).



बी-47-ए-प्रभु मार्ग, तिलक नगर,

जयपुर-302004 (राजस्थान)

ॐ उषभ ८

जश्रमण संघ के पूज्य आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. युवाचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा., श्री पुष्कर मुनिजी म.सा., श्री विशाल मुनिजी म.सा., श्री मनोहर मुनिजी म.सा., प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा., श्री रूपचंदजी म.सा., श्री कल्याण ऋषिजी म.सा., श्री भंडारी पद्मचंदजी, म.सा., श्री अम्बालालजी म.सा., श्री उमेश मुनिजी, म.सा., श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. 'कमल' एवं सभी मुनिवरो एवं महासत्तियो के वर्ष 1992 के वर्षवास मे मंगलमय सभी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक, गतिविधियो सहित श्रमण संघ, संगठन उत्तरोत्तर प्रगति की कामना एवं भावना से ओत-प्रोत हो इस हेतु हमारी हार्दिक शुभकामनाओ सहित

सभी संत-सत्तियो को हमारी कोटि-कोटि वंदन!

## श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (रजिस्टर्ड)

इपंजीयन क्रमांक 11795

20, नीम चौक, रतलाम (म.प्र.) 457001

अध्यक्ष

इंदरमल जैन

35/8, मित्र निवास रोड, रतलाम-457001 (म.प्र.)

दूरभाष . 21680, 22337

मंत्री

मांगीलाल कटारिया

19/3, पेलेस रोड, रतलाम 457001 (म.प्र.)

दूरभाष : 20288, 22754, 22681

कार्यकारिणी सदस्यगण :

उपाध्यक्ष

माणकलाल बाफना

कोषाध्यक्ष

समरथमल कटारिया

सहमंत्री

दलपतसिंह चौरडिया

सदस्य :

धूलचंद ओरा

मनोहरलाल श्रीमाल चंचल

शांतिलाल रांका

पन्नालाल कटारिया

मानकमल तरसिंग

श्रीलाल मालवी

सूज्य गुरुदेव घोर तप  
इंदोर (२)

५  
का

15

जा ॥

, जेना, ममीमण ध्यान योगी परम श्रद्धेय आचार्य  
ए युवाचार्य श्री कामनालर्जा मना आदि  
ज्ञानज्ञान चारित्र्य व तप की अभिवृद्धि है।

तामय हा सारा देस !

हादिक शुभकामनाओं के साथ

# श्वेतमल राणीदान बोथरा

वरतनो के थोक व्यापारी

शनीचरी बाजार, दुर्ग (म.प्र.) 491 001

शुभेच्छुक रावलमल, धर्मपाल, प्रदीपकुमार बोथरा

रावल बोथरा

व्यापार्यक्ष

वरतन व्यापारी सभ, दुर्ग

समता विभूति, समीक्षण ध्यान योगी, धर्मपाल प्रतिबोधक परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा युवा तपस्वी परम पूज्य युवाचार्य श्री रामलालजी म.सा आदि ठाणाओ (12) का उदयरामर, परम पूज्य सघ संरक्षण श्री इन्द्रचदजी म.सा आदि ठाणाओ (6) का बीकानेर एवं विदुषी महासती श्री वसुमती जी म.सा आदि ठाणाओ (5) का भायन्दर-बम्बई में सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन } ऑफिस—3860652, 3862915  
निवास—354612, 3886575

## सुरेन्द्र दस्सानी

मंत्री—श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन समता युवा संघ, रतलाम  
सहमंत्री—श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ, बीकानेर  
कोषाध्यक्ष—समता चेरिटैबल ट्रस्ट, बम्बई  
संस्थापक—बीकानेर ओसवाल मित्र मण्डल, बम्बई

# P. P. JAIN & CO.

Mfg. Exporters - Importers of Diamonds

901, MEJESTIC SHOPPING CENTRE,

144, Girgaon Road, J. S. Road,

BOMBAY - 400004

*Associated Firm :*

**DASSANI BROS. BOMBAY**

**PREMSUKHDAS PARATAPMAL**

Sarafa Bazar, BIKANER - 334 001 (Raj.)

Tel. No. : 26034

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सघ (श्री श्वेताम्बर जन स्थानवासी छ कोटी निम्बोई सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एव महामनिराजा मसा आदि टाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोत्सव सघ वातावरण में ज्ञान, दान, चारित्र्य एव तप की आराधनाओं से आन प्राप्त यशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हादिक शुभकामनाओ सहित—

## संघरत्न जयवंतभाई मेहता

4, जयराज प्लोट,

राजकोट-360 001 (गुजरात)

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सघ (श्री श्वेताम्बर जन स्थानवासी छ कोटी निम्बोई सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एव महामनिराजा मसा आदि टाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोत्सव सघ वातावरण में ज्ञान, दान, चारित्र्य एव तप की आराधनाओं से आन प्राप्त यशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हादिक शुभकामनाओ सहित—

## श्री चांपशीभाई मालशीभाई बीवा परिवार

(प्रागपुर-कच्छ)

Tel 437 7516

### SHREE BOOK CENTRE

Distributors of Books Magazines & Comics

9, Himgiri, T H Kataria Marg, Matunga (w), BOMBAY-400 916

जय महावीर

जय अजरामर

## युगपुरुष आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी

कभी-कभी मेरे मन में विचार उठता है। काश! इन्सान को तीन आँखें होतीं! इन्सान की दो आँखें होती हैं, वह सिर्फ वर्तमान को देख सकता है। लेकिन अगर पीछे की ओर एक आँख और होती तो इन्सान भूत और भविष्य को भी जानने में सक्षम हो जाता। नीतिकारों का कहना है कि इस धरती पर कुछ इन्सान ऐसे हैं, जिनके तीसरा नेत्र भी होता है। लेकिन तीसरा नेत्र उन्हीं सत्पुरुषों के होता है, जो विवेकपूर्ण तप, त्याग और साधना में रत रहते हैं। परम पूज्य जैन आचार्य श्री अजरामरजी स्वामीजी ऐसे ही तीसरे नेत्र वाले धर्मगुरु थे। उन्होंने ज्ञान व क्रिया में सामंजस्य स्थापित किया।

पू. अजरामरजी स्वामी अपनी आत्मा के कल्याण के लिए संसार से विरक्त हुए, लेकिन प्राणी-मात्र का कल्याण भी उनके जीवन का महान लक्ष्य था। वे संयम, तप, त्याग और साधना की प्रतिमूर्ति थे। विवेकवान, निडर और साहसी थे। उन्होंने न केवल कच्छ-गुजरात क्षेत्र ही अपितु देशभर में पादविहार करते हुए मानव समाज को जो शिक्षाएँ दी, वे डेढ़-दो सौ वर्ष पूर्व ही नहीं, आज के युग में भी सार्थक सिद्ध हो रही हैं। उनका उपदेश था, संयम का पालन करते हुए प्रतिफल जागरूक रहो, प्रमाद से विरक्त रहो, धर्म-सिद्धान्तों की वृद्धि करो, विनय व अनुशासन को नहीं भूलो, सौजन्यशील बनो, धर्म की मर्यादाओं का पालन करो, मत्प्रवृत्तियों में लीन रहो, समाजको संस्कारशील बनाओ आदि-आदि।

परम पूज्य आचार्य अजरामरजी स्वामी हमारे बीच न होते हुए भी अपने महान उपदेशों के कारण अजरामर हैं। अगर वर्तमान साधु-संत, मुनिगज, साध्वीजी, श्रावक-श्राविकाओं पूज्य स्वामीजी के उपदेशों को स्वीकार कर उनके महान आदर्शों पर चले तो पाप और दुःखों का क्षय हो सकता है।

ऐसे महान आचार्य, महान गुरु और महान मानव के गुणों का वखान करने के लिए वृहद शब्दकोश के शब्द भी कम पड़ते हैं। जैन समाजियों को गर्व होना चाहिए कि उन्हें पूज्य अजरामरजी स्वामी जैसे सद्गुरु का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, और उन्हीं के निर्देशित मार्ग पर चलते हुए अनेक साधु-मुनिगज और आर्थिकाजी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

पूज्य आचार्य अजरामरजी स्वामी के 178वें चरमोत्सव (श्रावण (भाद्रपद) कृष्ण-द्वितीय) के अवसर पर शत-शत अभिनन्दन-अभिनन्दन !



—सौजन्य—

फोन ऑफिस-21631 निवास-21208

नरिन्द्र स्वीच गियर्स इन्डस्ट्रीज

प्रो. पंकजकुमार चन्दुलाल कळमादवाला  
जीनतान रोड, उद्योगनगर,  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001

समी पूज्य आचार्यो एव साधु-साध्वियो को कोटि-कोटि वन्दन

शुभकामनाओ सहित

Tel 343 95 47

# VICKY PURSES

*Whole Sale Dealers in*

**Gents & Ladies Money Purses, Hand Bags,  
Pouches & Complimentary Items Etc.**

31/33, SUTAR CHAWL, GR FLOOR,  
SHOP No. 101, CENTRAL MARKET,

**BOMBAY-400002**



— शुभचिह्नक —

**P. D. SHAH**

**(LAKADIA-KUTCH), BOMBAY**

सभी संत सतियों को कोटि-कोटि वन्दन !

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

**OSWAL**

Tel. : 310056 317458

House of Readymade Garments

276, KALBADEVI ROAD,

Bombay-400 002

**NANDU FASHION**

Tel. : 6731355

Mfg. High Fashion Shirts

Gala No. 6, Vakil Industrial Estate 2nd Floor,

Walbhat Road, Goregaon (East),

Bombay-400 063

**NANDU KNITWEAR**

Tel. : 6143398

Mfg. High Fashion T. Shirts

Devraj Niwas, Gr. Fl. 7th Road, Santacruz (East)

Bombay-400 055

**CARNIVAL**

Tel. : 6428237

39, HILL ROAD, BANDRA (East),

Bombay-400 050

— शुभेच्छुक —

शंभुलाल रुपसी नंदु

मणीलाल रुपसी नंदु

हरखचंद रुपसी नंदु

अविचल रुपसी नंदु



सभी पूज्य आचार्यों एव साधु-माध्वियों को कोटि-गोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

फोन न 313 84 83 / 342 01 00

# SONY PLASTICS

*SPECIALIST IN*

COMPLIMENTARY ARTICLES  
(House of Gifts & Novelties)

311, Abdul Rehman Street,

BOMBAY - 400 003



- शुभेच्छुक -

मोतीलाल हीरजी गाला

(मनफरा-कच्छ) बम्बई

जय आनन्द

जय महावीर

जय देवेन्द्र

आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. को शत शतः वन्दन करते हुए आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. आदि ठाणाओ का गढ़सिवाणा (राज.) में एवं श्रमण संघीय सलाहकार पं. रत्न श्री मूलचन्दजी म.सा. ठाणा 2 का उज्जैन में 1992 का चातुर्मास ज्ञान दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओ से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए !

शुभकामनाओं के साथ—

फोन नं. दु.—412116 ति.—412372

## महेन्द्र सेंव भण्डार

महेन्द्र के नमकीन

उत्तम सामग्री से निर्मित

विशेषता.—लोग की सेव, रतलामी सेव, खट्टा मीठा मिक्चर, हरे धनिये युक्त चिबड़ा मिलने का एक मात्र स्थान ।

63, मालगंज चौराहा जवाहर मार्ग, इन्दौर (म.प्र.) 452009



संबन्धित प्रतिष्ठान :

फोन नं.—412372

प्रकाश एण्ड कम्पनी

स्टोन, गिट्टी, मेन्यूफेक्चर एण्ड सेलर  
जवाहर टेकरी, धार रोड, इन्दौर (म.प्र.)

महेन्द्र के नमकीन

सपना-संगीता मेनरोड, टॉवर चौराहा, इन्दौर (म.प्र.)



—शुभेच्छुक—

गंगाधर भंवरलाल जैन, इन्दौर (म. प्र.)

सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजा, माध्वयाजी मसा व चरणों म एव जाचाय सत्राट पूज्य थी आनन्द ऋषिजी मसा का वाटि-कोटि बन्दन। आचाय प्रवर थी दवेन्द्र मुनिजी मसा उपाध्याय थी पुष्कर मुनिजी मसा गडनिवाना, प्रवतक थी सूर्यमुनिजी मसा के मुशिष्य प रत्न-थी रूपद्र मुनिजी मसा प्रवतक थी उमेश मुनिजी मसा, ठागा 6 खाचरोद, म्व-मालव केशरीजी मसा के मुशिष्य श्रमण सधीय प रत्न थी जीवनमुनिजी मसा ठागा 4 करही, श्रमण सधीय महामत्री थी माभाग्य मुनिजी गुमुद नावा मरदारगढ, प्रवतक थी रूपचन्द्रजी मसा बीजाजी कागुडा, 5 रत्न तपस्वी थी माहन मुनिजी मसा इदौर सभी का 1992वा चातुर्मास, नान, दशन, चारित्र एव तप की आराधनाओं में परिपूर्ण, यशस्वी, विर स्मरणीय एव ऐतिहासिक वने ऐसी मंगल कामना करते हुए।

हादिक शुभकामनाओं सहित—

फोन न { दुकान 431282  
निवास 411197

## सियाल ब्रदर्स

कपड के थाक व्यापारी

एम टी क्लाय मार्केट, इदौर (मप्र) 452002



—सम्बन्धित फम—

फोन न 430274

## शुभम् टेक्सटाइल्स

पापलोन के थाक व्यापारी

एम टी क्लाय मार्केट, इदौर (मप्र)

卐

फोन न { दुकान 30241  
निवास 412007

## कमल स्लेक्स

एन एन प्रिन्टेड पोनिम्टर के थाक व्यापारी

50, एम टी क्लाय मार्केट, इदौर-452002 (मप्र)



— शुभेच्छुक —

सागरमल सियाल नागदा (धार) मप्र फोन 231

सभी पूज्य आचार्यों व संत-सतियों को कोटि-कोटि वन्दन ! आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. ठाणा आदि का गढ सिवाना मे, महासती डॉ. अर्चनाजी म.सा. ठाणा 4 इन्दौर, महासती श्री शाताकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा शुजालपुर, महासती श्री रमणीक कुंवरजी म.सा. ठाणा 6 इन्दौर एवं आचार्य श्री तुलसी लाड़नू, आचार्य श्री तुलसी के मुशिष्य श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा. रतलाम एवं आचार्य श्री तुलसी की मुशिष्या महासती श्री सूरज कुमारीजी म. सा. जगमपुरा इन्दौर में 1992 के चातुर्मास, ज्ञान दर्शन, चारित्र्य एव तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत, सफल, यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनाने की मंगल कामनाओं सहित !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन . ऑफिस—39649, निवास—61743

**शांतिलाल कर्नावट & श्रीमती इन्द्रा कर्नावट**

50, इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर (म.प्र.)



फोन—नि. : 67480

**हस्तीमल विरेन्द्रकुमार कर्नावट**

102, शिवम् अपार्टमेंट्स वियावानी, इन्दौर-452002



शुभेच्छुक ।

शान्तिलाल कर्नावट, हस्तीमल विरेन्द्रकुमार कर्नावट, कु. ज्योति कर्नावट, कु. चेतना कर्नावट, कु. सपना कर्नावट

॥ जय महावीर ॥

॥ जय अजरामर ॥

टेली-2220

## जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

मंचालक दी भूज इग्निस स्कूल ट्रस्ट  
अजरामरजी चौक, हॉस्पिटल रोड,  
पोस्ट भूज (जिला-कच्छ) गुजरात 370001

श्री भूज इग्निस स्कूल ट्रस्ट मंचानित हाईस्कूल का नामकरण व उद्घाटन शुभ्रुपा नेगिटेबल ट्रस्ट-राण (कच्छ) के सौजन्य म 15 जनवरी 1989 व दिन हुआ।

स्कूल ट्रस्ट की स्थापना 1967 म हुई। तब से महापुरुषा के आजीविक म वह प्रगत के पय पर 7। 55 शिक्षिका रहना रा स्ट्याफ है। गुजराती व इग्निस माध्यम के इम स्कूल म बालमंदिर मे कक्षा-10 व कुल मिलाकर 38 वर्गा म 2200 छात्र-छात्राण अध्ययन कर रह है। भूज शहर म यह समय बड़ा सुप्रसिद्ध शिक्षण गस्था है।

—नम्र अपील—

मुकुन म. 24 वनाम-रूम हैं। तैकिन मुवह-सुपहर राजाना 38 वनाम बेंठाना पटना है। अन 10 नय वनाम रूमएव 3000+1000 चार हजार फीट का विनाल प्रायना हान का निर्माण नाय जारी है। 12000 फीट व ग्राफ काम म करीव 20 लाख के खच का जडाज है। जैन उद्योगिधर श्री अजरामरजी स्वामी के प्रति उदासीन शिक्षाप्रेमी पाठका म नम्र निवेदन ह कि वे अपना महयाग प्रदान कर दादागुर के प्रति अपनी भक्ति-भावना अवय प्रदर्शिन करें। उनके लिए यह उत्तम अवसर ह।

सत्या मे निम्नोक्त शिक्षणिक विभाग जारी हैं।

1 जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

० निम्नोक्त चार विभागा क साथ पू अजरामरजी स्वामी का नामकरण करने क लिए सौजन्यदाता के रूप म इन दाताओं ने अपने मातबर अनुदान की ओफर प्रदान की है।

2 प्राथमिक शाळा (गुजराती)—मठ श्री चुरालाल वेनजी मटना-माडवी (कच्छ)

3 प्राथमिक स्कूल (इग्निस)—मठ श्री चुनीलाल वेनजा मटना-माडवी (कच्छ)

4 बालमंदिर (गुजराती)—मठ श्री गागजी कुवर्गी वारा-समाधोघा (कच्छ)

5 के जी स्कूल (इग्निस)—स्व पदमगो खत्री शाह परिवार-साकडीजा (कच्छ)

० निम्नोक्त विभागा के साथ पू अजरामरजी स्वामी का नामकरण करने के लिए सौजन्यदाता की ओर से अनुदान की ओफर अपेक्षित है।

1 प्रायना-होल—(3000+1000=4000 फीट) छ लाख रु का जडाजित खच है। एक एक लाख के कम म कम तीन सौजन्यदाता की ओफर अपेक्षित है।

2 लाइब्रेरी—एक लाख व एक सौजन्यदाता की अपक्षा है।

उपरोक्त अनुदान प्रदान कर अपन स्वजन का तैरनिचित्र रखवा सकत हैं।

3 क्लास रूम—(450 फीट)—अनुदान-30 हजार (10 रूम के लिए 10 दाता चाहिए।)

4 फर्नीचर दाता—रु 15000 व दम दाता अपेक्षित हैं।

० उपरोक्त सभी अनुदान-दाता का के नाम स्वतंत्र शिलालेखों मे मंडित किये जाएंगे।

जैनान्वार्य अजरामरजी स्कूल कायमी निभाव-फंड  
तिथि योजना

- 0 एक तिथि के 2501/- . पच्चीस सौ एक प्रदान कर अपने स्वजन की स्मृति कायम बनाए रखें। और शिक्षा जैसे पवित्र कार्य में सहयोग प्रदान कर पू. अजरामरजी स्वामी के प्रति अपनी भक्ति-भावना प्रदर्शित करें।
- 0 उपरोक्त चार विभागों का नामकरण एवं प्रार्थना हॉल और लाइब्रेरी आदि का उद्घाटन-समारोह आगामी नवम्बर माह में आयोजित किया जाएगा।
- 0 चेक या ड्राफ्ट "धी भुज इंग्लीश स्कूल ट्रस्ट" के नाम का भुज की किसी भी बैंक के नाम पर उपरोक्त पते पर भेज सकते हैं।
- 0 वम्बई में सम्पर्क सूत्र — डी टी नीसर (भचाऊ-कच्छ वाले)  
द्वारा क्वालिटी गारमेन्ट, 119-121, जे. शंकर सेठ रोड, गिरगास, वम्बई-400004 (फोन-357755)
- 0 उदारमना दानदाताओं से सहयोग के लिए हार्दिक प्रार्थना करते हैं।

—निवेदक—

प्रिन्सीपाल  
श्रीमती रमणबाला मोरवीआ

मानद् मन्त्री  
डॉ. हिंसत मोरवीआ  
दाँत के मर्जन

अध्यक्ष  
प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर  
एडवोकेट

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सब ऋथी ज्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छ. कोटी लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतिर्याजी मसा आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की ओराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक वनने की मंगल कामनाए करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

**दोशो मनसुखलाल खीमजीभाई**

(बोठ्ड शाहटर)

पो. भचाऊ (कच्छ) 370 140 (गुजरात)

जय महावीर

जय अजरामर

श्री अजरामर धर्म मण (श्री ज्वेनाम्बर जैन स्यामनवास, छ काटी लिम्बदा मम्प्रनाय) व मभी पूज्य मुनिराजा एव महामतिर्योजी ममा आदि ठाणाया का मन् 1992 यप व/ चातुर्मास हर्षोल्लास मय बातावरण मे ज्ञान, दशन, चाण्डि एव तप की जागधनाआ मे ओत प्रात यशम्बी एव ऐतिहासिक बनने की मगय नामनाएँ करल हए—

**हादिक शुभकामनाओं के साथ :**



फान 357755

**अजरामर जैन युवा संघ—बम्बई**

अध्यक्ष डी.टी. नीसर (भचाऊ वाला)

C/o. क्वोलिटी गारमेटन्टस

119-121, जे शंकर सेठ रोड, मन्त्री बिल्डींग,

मेजेस्टिक सिनेमा के सामने, गिरगाम

बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री ज्वेताग्वर जैन स्थानकवासी छः कोटि निम्बड्डी मगप्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महामतिशंजी म.मा. आदि ठाणाओं का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय व्रतावरण मे जान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओ मे ओल-प्रोल वगस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हूँ—

**हादिक शुभकामनाओं सहित :**



**संघपति करसन देवराज कारीआ**

(श्री स्व स्थानकवासी छः कोटि जैन संघ)

मु.पो. रव RAV (ता. रापर) जिला भुज-कच्छ

पिन-370165 (गुजरात)



# जैन विश्व भारती, लाडनू (राजस्थान) 341306

(प्राच्य विद्या शिक्षण प्रसिद्धि, पाठ, सेवा और साधना का अद्वितीय प्रोत्खान)  
जैन विश्व भारती की आभिव्यक्ति व प्रेरणा-साधना है-साधना अनुभवान्ता जातीयता धुनयो

इस सत्या की गतिविधियाँ स्थापन हैं।  
सत्या की प्रमुख प्रवृत्तियाँ -

- गिणा-1 (1) जय शिवा विहार (2) साधना परिचालन (3) जीवन गिणा अकादमी (4) प्रायमिक्  
शिवा विभाग विमन शिवा विहार (5) माहिन्-विभाग -माया व महत्त्वपूर्ण गवोरता मद्रहाय एवं  
पठनीय मय्य आगम-एव आगमतर प्रकाशन  
2 अनकान भाषा पोट - (1) उद्भूतमान प्रयोग (2) माय विश्वविद्यालय  
3 तुलसी अध्यात्म नीलम -साधना विभाग  
4 मनन मन्त्रति मकाम -जैन विद्या पत्रिकाभा रा नववर्षीय पाठ्यक्रम एवं पत्राचार पाठमार्ग का दि-  
वार्षिक पाठ्यक्रम।  
5 गवा भावा कल्याण-वन्द -साम्प्रत्य एव मवा विभाग।

माय विश्वविद्यालय पत्रिचय अतरंग और बहिरंग -

मन 1970 म स्थापित जैन विश्व भारती व उद्देश्य वाचनमा एवं प्रवृत्तिया का मूलाकारन करत हुए  
विश्वविद्यालय अनदान जायाग (सू जी मी) का मनाह पर गानन मन्वार (मानव समाधन मन्वालय) न दिनाक  
20 माच 1991 का जैन विश्व भारती इन्स्टीट्यूट का माय शिवा विद्यालय (इन्स्टीट्यूट) क रूप म घोषित किया।  
राजस्थान की मन्मसि व बीच शाहन (OASIS) के समान हर मर परिमर मे स्थित यह विश्व-  
विद्यालय निता नगाय व एक कल्प लानू का गुणाभित कर रहा है।

- विश्व विद्यालय के अनुशास्ता -

प्रस्तुत माय विश्वविद्यालय म मन्त्रिधात म "अनुशास्ता" पर का प्रावधान है। शिवा विद्यालय पर नता  
आध्यात्मिक अनुशासन हाया। आतापथी धुनयो टम पर का अनुष्ठान कर रह म।

वतमान म तेना काई विश्व विद्यालय नहीं है जहाँ एक माय जै विद्या, प्राश्न, अहिंसा शान्ति, माध और जीवन  
विज्ञान का प्रशिक्षण एवं साधना काय चलता है। जैन विद्यालय म अधुनिक मन्मसाया का मन्मधान है, इगतिग उमरा  
अध्ययन आनन्दक है। जैन आगम एवं अय विगिष्ट पर प्राकृत भाषा म रचिया है, इगतिग प्राकृत का अध्ययन भी अपरिगल  
है। हिमा के बहन बानावरण म अहिंसा जार शान्ति का साधना अपरिगल है। मनुजि व्यक्तिगत विभाग के लिए जीवन  
विज्ञान पद्धति का प्रशिक्षण, पाठ और प्रयोग अनिवाय है। इन मन्त्री क्रियाविधि न लिए इस मन्मान की  
अनिराय उपप्राप्तिता स्पष्ट परिचालन हाती है।

- लक्ष्य और उद्देश्य -

- (1) निम्नलिखित शिपवा म गिणा, प्रशिक्षण, माध, विस्तार एवं प्रयोग का प्रावधान है-  
(क) प्राच्य भाषा एव माहित  
(ख) जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म एवं ध्यान  
(ग) मन, ज्योतिष आयुर्वेद आदि सुले प्राय प्राचीन भारतीय विद्याएँ  
(घ) प्राच्य एवं पाश्चात्य मनविज्ञान, आयुर्वेद तथा आयुर्विज्ञान व सन्ध म भारतीय याग एवं ध्यान-  
साधना का जीवन विज्ञान एक प्रेक्षाध्यान के रूप म मूल्याकारन।  
(ङ) सोमिन डच्छाया के अथशास्त्र के मन्मस म अपरिग्रह अहिंसा और विश्वशान्ति।

- (2) मौलिक ग्रन्थों का अध्ययन, सम्पादन, अनुवादन और प्रकाशन।
- (3) आगम कोश, शब्द कोश, विश्वकोश, शब्दसूची, विषयसूची आदि के रूप में प्राच्य विद्याओं के सन्दर्भ-ग्रन्थों का निर्माण एवं प्रकाशन।
- (4) सन्तुलित जीवन-शैली के विकास हेतु आधुनिक विज्ञान के साथ आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वयन।
- (5) शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मानव-समाज की सेवा।

—: पाठ्य विषय एवं विभाग :—

प्रस्तुत विश्वविद्यालय में निम्नांकित विभागों के माध्यम से तत्सम्बन्धी विषयों का प्रशिक्षण एवं शोध कार्य चलेगा—

विभाग	विषय
1. जैन विद्या	जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म एवं दर्शन
2. प्राकृत	प्राकृत और भाषा विज्ञान
3. अहिंसा और शान्ति शोध	अर्थशास्त्र और अहिंसक समाज संरचना
4. जीवन विज्ञान और प्रेक्षाध्यान	जीवन विज्ञान और व्यक्तित्व मनोविज्ञान

उपर्युक्त विषयों में एम.ए. डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों तथा शोध का प्रावधान है। प्रेक्षाध्यान और अहिंसा का प्रशिक्षण पत्येक पाठ्य विषय के साथ अनिवार्य रूप से जोड़ा गया है।

पर्याप्त छात्रवृत्तियों की व्यवस्था है।

श्री वर्धमान वीतराग संघ के सूत्रधार कुशल सेवा मूर्ति पं. रत्न श्री शीतलराजजी म मा आदि ठाणा 3 का 1992 वर्ष का चातुर्मास चौथ का बरवाड़ा (राज) में ज्ञान दर्शन चारित्र एवं तप की आराधनाओं से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए।

हार्विक शुभकामनाओं सहित—



**समीरमल पवनकुमार जैन**

बलाथ मर्वेन्टस

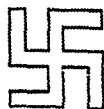
अलीगढ़—रामपुरा, जिला टोंक (राज.) 304023

जय महावीर !

जय अन्नराज !

श्री अन्नराज धर्म मण (श्री अन्नराज जैन स्वामिस्वामी छ कोटि निम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूजन मन्त्रिणा एवं महामन्त्रियाजी मन्ना आदि डाकाला का मल 1992 वष का चातुर्मास हर्षोत्सव मय वातावरण म आन, दशन, चार्दि एवं तप श्री आराधना ॥ म आन प्राप्त मन्त्रों एवं ऐतिहासिक वनों की मयन रामनाए करन हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—



बृहत् कच्छ

स्थानकवासी छ कोटि जैन लीम्बडी सम्प्रदाय के श्रुतपूर्व सघपति,  
संघरत्न

श्री चुनीलाल-बेलजीभाई मेहता

पो. माडवी (कच्छ) 370465 (गुजरात)

(वर्तमान में न्यूयॉर्क-अमरीका)

## हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



जीवन परस्पर सहयोग पर आधारित है। सहयोग और सेवा ही जीवन की सुगन्ध है जिसे सभी धर्मों ने स्वीकार किया है। अपने लिए सभी जीते हैं किन्तु दूसरों के निराशा भरे जीवन में आशा की किरण फैलाना, शिक्षा-चिकित्सा आदि के लिए सहयोग करना मानवीय गुण है।

पूज्य स्व. पिताश्री सागरमलजी एवं पूज्य स्व. मातुश्री रुक्मणीबाई लुंकाड़ के द्वारा सेवा और सहयोग की प्रेरणा सदा मिली। अ.भा.श्वे.स्था. जैन कांफ्रेस दिल्ली द्वारा 'जीवन प्रकाश' योजना जब प्रारम्भ की और सेवा में जुड़ा तो लगा कि सही और सच्चा कार्य सेवा ही है। मैंने इस शुभ प्रेरणा को अपने परिवार द्वारा स्थायी करने की भावना बनाई जिसके फलस्वरूप पी.एस. लुंकाड़ एण्ड सन्स चरिटेबल ट्रस्ट एवं श्रीमती सुलोचना पुखराजमल लुंकाड़ चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सेवा और सहयोग की स्थायी रचनात्मक 'सागर कल्याण योजना' प्रारम्भ कर रहे हैं।

मानव कल्याण की यह योजना चिकित्सा, शिक्षा और विभिन्न प्रकार के सहयोग के लिए है जिसमें धर्म, जाति, सम्प्रदाय के भेदभाव से ऊपर विशुद्ध मानवता के दृष्टिकोण से सहयोग किया जायेगा। हमारे परिवार की यह विनम्र सेवा भावना यदि किसी के दुख दर्द को कम कर सकी, किसी के आसू पोछ कर मुस्कान प्रदान कर सकी तो हमें आत्मानन्द प्राप्त होगा।

विनीत, ट्रस्टी

पी.एस. लुंकाड़ एण्ड सन्स  
चेरिटेबल ट्रस्ट

श्रीमती सुलोचना पी. लुंकाड़ ट्रस्ट

पुखराजमल एस. लुंकाड़, श्रीमती सुलोचना पी लुंकाड़,  
देवकुमार पी. लुंकाड़, राजेन्द्रकुमार पी. लुंकाड़

उत्तर भारतीय प्रवर्तक भण्डारी श्री पद्मचन्द्रजी महाराज को  
हीरक जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य पर शीघ्र प्रकाशमान

2500 वर्ष के इतिहास में पहली बार एक मनमोहक प्रकाशन

भगवान महावीर की अन्तिम वाणी

उत्तराध्ययन सूत्र

का रंगीन चित्रमय मध्य प्रकाशन

## सचित्र उत्तराध्ययन-सूत्र

उत्तराध्ययन सूत्र के कथानक, दृष्टांत, रूपक, उपमा आदि के भाव को अत्यंत कुशलता के साथ मांगीसंग स्वरूप में अभिव्यक्त करने वाले बृहद्गो मनमोहक 48 चित्र एवं अनेक नए रंगे रेखाचित्र। मूल गाथाएँ, टिप्पणियाँ एवं अंग्रेजी अनुवाद तथा विषय को स्पष्ट करने वाले उपाद्धान और विशेष स्पष्टीकरण। सम्पूर्ण सूत्र दो रंगी छपाई में।

सम्पादक उप प्रवर्तक श्री अमर मुनि

मह सम्पादक श्रीचंद मुराना 'सरस'

प्रकाशक आत्मज्ञानपीठ, मानसा भदी (पन्ना)

मूल्य 351/- रुपया मात्र

उत्तराध्ययन सूत्र का इतिहास, तुलनात्मक अध्ययन तथा  
मूल सूत्र में संकेतित उत्तराध्ययन की व्याख्याएँ, यगीकृत विवेचन आदि

## उत्तराध्ययन महिमा

सम्पादक श्री सुप्रस मुनि

मूल्य 51/- रुपया मात्र

दोनों पुस्तकें सद्यत्तरी वर्ष तक प्रकाशित होने की प्रतीक्षा करें।

अग्रिम बुकिंग के लिए इन्फो तथा एमओ भेजने का पता

## दिवाकर प्रकाशन

ए-7, अंबागढ़ हाउस, अजना सिनेमा के सामने,  
एमजी रोड, आगरा-282 002 दूरभाष 88328

With Best Compliments From :

# WE HAVE RANGE OF Products

We all...Men, Machines and Management of Jain Group of Industries  
Synchronized to produce high quality, diverse range of  
products to suit Indian and overseas requirements.

- Refined Papain (I. P.), ◦ Regid PVC Pipes, ◦ PVC Fittings, PVC Footvalve
- PVC Windows, ◦ Ribloc Pipes, ◦ Micro Irrigation, Systems,
- Industrial Transformers ◦ Engineering & Toolroom

## JAIN GROUP OF INDUSTRIES

Jain Industrial Complex, Jain Pipe Nagar, P. O. Box 20 JALGAON 425 001 (M S),  
Tlx - 753 201 Jain In, Fax - 257-4602.

### PLANTS :

Jalgaon (MS) (257-3132, 4603) Bambhori (MS) (257-6906/6515)  
Sendhwa (M.P.) (321-5 Lines), Gummidipoondi (TN) (4121-2214),  
Thane (MS) (022-593547-3 Lines)

### OFFICE ;

New York (212-696-1393), Bombay (022-2620011, Delhi (011-6833875),  
Madras (044-613812), Calcutta (033-264447), Pune (212-340555),  
Indore (731-36202), Ahmedabad (272-77920), Bangalore (812-577181),  
Amrawati (721-4737), Nasik (253-73718), Nagar (241-5780),  
Sangli (245-5497), Nanded (2462-25558), Jabalpur (761-24467).

धर्मण सध के मधुर व्याख्यानी प रत्न श्री रोगनलानजी मू ना आदि ठाणाओ (2) वा हरमाडा (अजमेर राज ) मे सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान दशन चरित्र एव तप की आराधनाओं मे यशस्वी एतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

धर्मोचंद गौतमचंद मेहता

मू पो हरमाडा वाया मदनगज विजयनगड  
जिला अजमेर (राज)

— शुभेच्छुक —

गौतमचन्द मेहता

C/o मेसर्स : एच. कमल एराउ कम्पनी

626 पचरल, आपुरा, हाउस, नम्बर-400 004 (महा.)

फोन 3628825

नम्र निवेदन—समी धम प्रेमी बंधुओ से नम्र निवेदन है कि आप सभी अधिक से अधिक सख्या में हरमाडा पधार कर गुरुदेवो के दर्शना वा लाभ लेकर हमे सेवा चा अवसर अवश्य प्रदान करने की कृपा करें।

हरमाडा पहुँचनेके साधन—मदनगज से हर समय एव अजमेर, विजयनगर, जयपुर, आदि, स्थानो से समय समय पर बसे उपलब्ध मिलती है। मदनगज से समीप पडता है।

जय महावीर

जय अजरामर

# चौक नामकरण भव्य समारोह



भुज (कच्छ) के सुप्रसिद्ध जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्कूल संकुल के पास चार रास्ता चौक को "जैनाचार्य अजरामरजी चौक" नाम देने के लिए दिनांक 26-4-92, रविवार को नामाभिधान समारोह लिम्बड़ी सम्प्रदाय के पूज्य गादीपति श्री नृसिंह मुनिजी म सा. की पावन मंगल निश्रा में आयोजित किया गया। इस प्रसंग पर समुपस्थित गुजरात राज्य के आरोग्य मंत्री श्री बाबूभाई वासणवाला, धारा सम्य श्री ताराचंद भाई छेड़ा, स्कूल के ट्रस्टी श्री ए. डी. मेहता व भुज (कच्छ) छ. कोटि जैन संघ के अध्यक्ष श्री वनेचंद भाई मीरवीआ चित्र में दिखाई दे रहे हैं (चित्र उसी अवसर का)।

नोट:—चौक संकुल का निर्माण:—चौक संकुल 25'—25' एरिया में संपूर्ण संगमरमर-मार्बल का संकुल मांडवी कच्छ छ. कोटि जैन संघ के भूतपूर्व संधपति संधरत्न सेठ श्री चन्नीलाल वेलजीभाई मेहता (यूयार्क-अमेरिका) के सीजन्य से बनाया गया है।

## हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन : निवास 21382

# एडवोकेट प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर

अध्यक्ष—जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हार्डस्कूल भुज-कच्छ 370 001 (गुजरात)



सभी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन  
 हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Tel 350239  
 3884658  
 358861

Goodluck Provision Stores  
**VENEET STORES**

159/161, Khetwadi Main Road,  
 Nanu Bhai Desai Road,  
 Opp. Cinema Restaurant,  
**Bombay-400004**

**रमणिकलाल प्रेमजी देढिया**

न्यू समीर बिल्डिंग, 193/95 खेतवाडी वेव रोड, 13 लेन, 4 माला, ब्लॉक 13 बम्बई-400004  
 फोन नं - 3880215



- ★ स्व पाचीबेन प्रेमजी देढिया (भचाऊ)
- ★ रमणिकलाल प्रेमजी देढिया (भचाऊ)
- ★ लालजी वीरजी देढिया (भचाऊ)
- ★ शातीलाल डी शाह (गुन्डाला)

जय महावीर

जय अजरामर

## भव्य उद्घाटन



भुज-कच्छ के सुप्रसिद्ध जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्कूल-संकुल के पास चार रास्ता चौक को "जैनाचार्य अजरामरजी चौक" नाम दिनांक 26-4-92, रविवार को प्रदान किया गया। लिम्बड़ी सम्प्रदाय के पूज्य गादीपति श्री नृसिंह मुनिजी मसा. की पावन शुभ निश्रा में आयोजित समारोह के दौरान गुजरात प्रान्त के आरोग्य मंत्री श्री बाबूभाई वासणवाला ने उद्घाटन किया। उस समय धारा सम्य श्री ताराचन्दगभाई छेड़ा, स्कूल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री प्रवीण भाई ठक्कर, सचिव डॉ. हिम्मतभाई मोरबीआ, श्री ए.डी. मेहता आदि महानुभाव उपस्थित हैं। (चित्र उसी अवसर का)।

नोट:-चौक संकुल:-25'--25' एरिया में पूरे संगमरमर मार्बल का मांडवी (कच्छ) छ. कोटि जैन संघ के भूतपूर्व संघपति सेठ श्री चुन्नीलाल वेलजी भाई-मेहता के सौजन्य से बनाया गया है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

# डॉ. हिम्मत भाई मोरबीआ

मानद् सचिव

जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

अजरामरजी चौक, भुज-कच्छ (गुजरात) 370 001

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

महाराष्ट्र की पावन भूमि की पुण्यवती

पूना शहर की पावन धरा पर

अदभूत !

अद्वितीय !

अलौकिक !!!

साकार लेता नूतन तीर्थ

श्री शत्रुंजय महातीर्थ

एक परिचय

शाम्बना श्री शत्रुंजय तीर्थ का नाम लन मात्र म अनंत पुण्य का लाभ मिलता है, जिसकी महिमा श्री मिमंघर परमात्मा ने श्री इंद्र भगवान के समूह अपने मुखारविंद में की थी। सौराष्ट्र की धरती ऊपर यह तीर्थ शामायमान है, उसी तरह महाराष्ट्र की धरती के ऊपर भी नतन शत्रुंजय तीर्थ का निर्माण हुआ रहा है। जिनके दर्शन करने से शाश्वत शत्रुंजय महातीर्थ की याद आये बिना नहीं रहे मवती। ऐसा अदभूत, अद्वितीय, अलौकिक मन्नामर मंदिर के साथ शत्रुंजय तीर्थ के निर्माण की याचना बना रहे हैं। यह तीर्थ शत्रुंजय टेम्पल ट्रस्ट के द्वारा एवं परम पूज्य चाकण तीर्थोद्धारक आचार्य देवश्री यशामद्र मूर्धेश्वरजी म मा आदि ठाणाओं के मांग दर्शन, प्रेरणा एवं आर्वावादि से ही साकार रूप ग्रहण कर रही है। बंगलौर, सोलापुर, बंगलौर हाईवे ऊपर पूना सनारा कोठवा हाईवे रोड के पास यह नतन तीर्थ बन रहा है। इस तीर्थ के आस-पास 1200 जैन घरों का बसाने की योजना है। अतः ऐसे अद्वितीय तीर्थ में प्रत्येक भाग्यशाली महानुभावों को लाभ लेने की नम्र विनती है।

इस नवनिर्मित तीर्थ की योजना निम्नलिखित तरह में है। जो भी भाग्यशाली इस योजना में भाग लेना चाहे वह पूना गोडीजी टेम्पल ट्रस्ट फान न - 444767 पर सम्पर्क कर सकत है।

नूतन शत्रुंजय तीर्थ में लाभ लेने की शुक्नवती योजनाएं  
परिकर के साथ चीमूजों प्रतिमा भराने की राशि (नकरा)

- |   |  |            |
|---|--|------------|
| 1 | मून नायक श्री नूतन शत्रुंजय तीर्थोधिपति श्री आदिनाथ भगवान  | ₹ 3,51,111 |
| 2 | मनमाहव महामहिमावत श्री महावीर स्वामी भगवान   | ₹ 2,51,111 |
| 3 | सकल शांति सुखकर शांतिदायक श्री शांतिनाथ भगवान  | ₹ 2,51,111 |
| 4 | अन्य आभ्यानाथ अनंत सुखदायक श्री अभिनंदन स्वामी भगवान   | ₹ 2,51,111 |
| 5 | पुण्यवता लक्ष्मी ग्रहण करता देरासर पढ़ी ऊपर नाम अंकित करने   | ₹ 1,51,111 |
| 6 | अनंतलक्ष्मि निधान श्री गुरु गौतम स्वामी भगवान  | ₹ 2,51,111 |
| 7 | आराधना साधना में लीन ऐसे पूज्य साधु भगवत का उपाश्रय के ऊपर नाम अंकित करने<br>(आदेश प्राप्त हो चुका है) | ₹ 3,51,111 |
| 8 | तप जप तान ध्यान में लीन पूज्य साधुजी का उपाश्रय के ऊपर नाम अंकित करने<br>(आदेश प्राप्त हो चुका है)     | ₹ 2,51,111 |

9. परमात्मा की वाणी सुनने हेतु व्याख्यान हाल के ऊपर नाम अंकित करने	रु. 3,51,111
10. व्याख्यान हाल के अंदर नाम अंकित करने का	रु. 2,51,111
11. तन की तंदरुस्ती रखने हेतु भोजनशाला के मकान ऊपर नाम अंकित करने हेतु	रु. 5,51,111
12. भोजनालय के अन्दर नाम अंकित करने हेतु	रु. 3,51,111
13. तन को आराम पहुँचाने वाली धर्मशाला, अतिथिगृह, 24 रुम जिसमें एक रुम के ऊपर नाम अंकित करना	रु. 51,111
14. भव्य भाव के हृदय आह्लाद प्रदान करने वाला भक्तामर महास्त्रोत का 44 गाथाओं का 44 आरस के चित्र पट के लिए एक चित्रपट की राशि	रु. 21,111
15. अद्भूत मंत्र वेत्ता चमत्कारिक दिव्य महापुरुष श्रीमान तुगा सूरेश्वरजी म.सा. की मूर्ति पधाराने की राशि (नकरा)	रु. 2,51,111
16. पूज्य अप्रतिम प्रतिभाशाली आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. की मूर्ति पधाराने की राशि (नकरा)	रु. 2,11,111
17. शत्रुजय तीर्थ के आजीवन संरक्षक बनने का शुल्क (नकरा)	रु. 5,555
18. धर्मशाला ऊपर मुख्य नाम प्रदान करने का लक्की ड्रा टिकिट	रु. 1,111

जैन शासन रक्षक, तीर्थ रक्षक, धर्म रक्षक, श्री आधिष्ठायक देवों की मूर्ति भराने का नकरा

1. श्री मणिभद्रवीर	रु. 1,51,111	6. श्री सरस्वतीदेवी	रु. 1,51,111
2. श्री नाकोडा भैरवजी	रु. 1,51,111	7. श्री अंबिकादेवी	रु. 1,51,111
3. श्री घंटा कर्णवीर	रु. 1,51,111	8. श्री लक्ष्मीदेवी	रु. 1,51,111
4. श्री चक्रेश्वरी देवी	रु. 1,51,111	9. श्री भोमियाजी देव	रु. 1,51,111
5. श्री पद्मावती देवी	रु. 1,51,111		

(आदेश प्राप्त हो गया है)

—निवेदक—

श्री शत्रुजय टेम्पल ट्रस्ट, ट्रस्टीगण

सभी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन  
हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**PADAMCHAND D. NAHAR**  
**JEWELLERS**

**134, Bhawani Peth, Subhash Chowk,**  
**JALGAON-425001**

Phone : Resi.—6547

शामन सम्राट, महा तपस्वी, राष्ट्रसत भाग्न दिवाकर कलिवालें अचलगच्छाधिपति  
आचार्य प्रवर स्व श्री गुण सागर सूरेश्वरजी म सा को कोटि-कोटि वन्दन ।

एव

साहित्य दिवाकर, राजस्थान दीप आचार्य प्रवर श्री कृष्णप्रभ सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणाओ (8) का चिचवन्दर बम्बई में सन् 1992 का चातुर्मास  
सानद सौल्लाम सम्पन्न होने की मगल कामनाए करते हुए—



हार्दिक शुभकामनाओ सहित :

**श्री कच्छी वीसा ओसवाल**

**जैन महाजन वाड़ी**

99/101, न्यू चिच वंदर रोड,

केशवजी नाथक रोड, (मांडवी.)

बम्बई-400 009 (महा.)

आचार्य सभ्राट श्री आनन्दकृपिजी म.सा. को शतःशत वन्दन! तृतीय पट्टधर आचार्य प्रवर श्री पं. रत्न श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. उपाध्याय पं. रत्न श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. आदि ठाणा का गढ़सिवांगी, आगम अनुयोग प्रवर्तक प. रत्न आगम रत्नाकर पूज्य गुरुदेव श्री कन्हैयालालजी म.सा. "कमल" आदि ठाणाओं सूरसागर जोधपुर एव श्री तिलोक मुनिजी म.सा. का माऊण्ट आबू का 1992 का चातुर्मास पूर्ण होने एवं गुरुदेव के स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए!

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन

ऑफिस-34826

निवास-35451

**कुन्दनमल मूलचन्द साकरिया**

(साण्डेराव वाले)

**पी. के. प्लास्टिकस**

प्लास्टिक सामान के शोक विक्रेता एवं वितरक—

5, खातीपुरा (जेल रोड), इन्दौर-452001 (म.प्र.)

मध्यप्रदेश के वितरक.

मारवल प्लास्टिक प्रा. लि.

ब्राइट ब्रदर्स लिमिटेड

कूलकिंग आईस बॉक्स

सभी पूज्य आचार्यों एव सत्-सतियों  
को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

श्री वर्धमान स्थानकवासी  
जैन श्रावक संघ,  
जयपुर

लाल भवन, चौडा रास्ता,  
जयपुर-302003 (राज)

सभी पूज्य आचार्यों, माधुसाध्वियों को  
कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

फान 75221

श्री लक्ष्मी क्लोथ सेंटर  
कपड़े के व्यापारी

905/1 बाहर पट्टी, (रविवार बाजार के पास)  
नामिक गिटी-422001 (महाराष्ट्र)

शुभेच्छु-  
लक्ष्मीचंद जयकुमार विजयकुमार ब्रह्मोबा

नामिक गिटी

जय आनंद

जय गुरु मियाँ

जय देवेन्द्र

श्रमण मधीय प्रवचक श्री रूपचंदजी ममा 'रजन', श्रमण मधीय मनाहकार उपप्रवचक श्री सुवन मुनिजी  
मसा आदि टागाभावा योजाजी का गुडा (राज) म मन 1992 का चातुर्मास सान्नागमय बानावरण  
मे मान्य पूवक सम्पन्न हान की मंगल कामनाएं करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक,

मु. पो. बीजाजी का गुडा  
वाया बगडी शहर जिला पाली (राजस्थान)

# णाणं नरस्स सारो !

मनुष्य जीवन का सार ज्ञान है ।

अपने जीवन के मूल्यवान समय को प्रमाद में नष्ट न करें ।

संकल्प करें---

में प्रतिदिन कम से कम एक घंटा अवश्य स्वाध्याय करूंगा !

## सुरुचिपूर्ण ललित साहित्य

(स्तोत्र साहित्य)

भक्तामर स्तोत्र (भाषा पद्यानुवाद  
भावार्थ सहित)

—मुनि रामकृष्ण

कल्याण मंदिर स्तोत्र (भाषा  
पद्यानुवाद, भावार्थ सहित)

चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा  
पद्यानुवाद, भावार्थ सहित)

वीर-स्तुति (भाषा पद्यानुवाद,  
भावार्थ सहित)

उपासना (स्वाध्याय-संकलन)

(काव्य)

मन्दाकिनी

ऋतुम्भरा

(जीवन-चरित्र)

भगवान् पार्श्वनाथ

विश्ववन्ध महावीर

महाप्राण मुनि मायाराम

महावीर का बेटा

तपकेसरी श्री केसरीसिंह महाराज

अद्भुत तपस्वी

अनहद मे अनुगुजित आचार्य

श्रमण धर्म के मुकुट

योगिराज श्री रामजीलालजी महाराज

प्रजापुरुषोत्तम मुनि रामकृष्ण

(अभिनन्दन ग्रन्थ)

—सुभद्र मुनि

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

(कथा साहित्य)

गुरुदेव योगिराज की कहानियाँ

गुरुदेव योगिराज की बोधकथाएँ

महामन्त्र नमोकार के चमत्कार

धर्म नाव के बाल यात्री

धार्मिक कहानियाँ

गुरुदेव योगिराज के देशना-स्वर

—0—

प्राप्ति स्थल :

मुनि मायाराम स्मारक प्रकाशन

के.डी. ब्लाक,

प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034



ट्रस्ट रजि न नंकाई/143

करमुक्तन H Q 11/P 33-212/89-90

## बनासकांठा जिला सहायक फण्ड ट्रस्ट

मनेजिंग ट्रस्टी श्री कहेयालाल दुलभराम भगमातो  
 प्रधान कार्यालय—जीवन विहार 2 माला, ऑफिस नं 4, गेयर बाजार के सामने,  
 - फोर्ट, बम्बई 400023 (महा) फोन -291310-3073686  
 शाखा कार्यालय—श्री पोपटलाल जैजी (कायालय मंत्री) मन्वार साभायटी, मन्वारगज के पास,  
 पाननपुर-395001 (गुजरात) फोन -2906

### जीवन की क्षण भंगुरता समझिए "हाथे ते साथे"

न मालूम यह शरीर कहीं और घन समाप्त हो जाये, वन जाये, निर्भीको भी मालूम नहीं है, आज अभी है आर आज ही कुछ दर के बाद या कल यह शरीर इस दुनिया में रहेगा या नहीं, किसी का पता नहीं है यह जीवन, पानी के बुलबुले के समान क्षणभंगुर है। यह मेरा मेरा करते-करते धन के पीछे दिवाने रहने वाले एक दिन खाली हाथ चले जाएंगे। गेयर बाजार के कोभाडा, पैको मे कोभाडा, पाप लीलाजो, करोड़ों रुपये के बगला, कारो, एयरकंडीशनन म रहने वाले, धन के त्विनि होकर एकाग्रमु, करने वाले आदि, सभी को एक दिन खाली हाथ जाना है। आखिर आपन कभी यह सोचा है कि हमारा वन क्या होगा। पाप के पीसो को, यह क्षण-भंगुरता। जीवन का सुखी वनान के लिए पुण्य के नाय की और विचार करा, हमरो व दुखी में महभाग्य वनकर मायक जीवन जीना। एक दिन यहाँ का मार्ग एण-आराम, वैभव-मुख्य तावा-गण्डा की पूजा छोडकर सभी को खाली हाथ जाना है। जीवन की क्षण भंगुरता का समझिये।

पुण्य आत्माआ के माय पर चलना मोखी। "नरवीर भामांगोह" जैन, वनकर कदम उठावो। नर रत्नकण" जैन दानवीरों के पावन चरण चिहों पर चरण का निचार कर पुण्यवत बनने के लिए अपनी धान गया व बहाशा एव परभव का लाभ वमाआ।

बनासकांठा जिना सहायक फण्ड ट्रस्ट श्री परावकार के कई कार्य कर सवा में तत्पर है। कुछ भावी योजनाएँ इस प्रकार हैं।

### ट्रस्ट की सेवाकीय प्रवृत्तियाँ

#### 25 जल प्रपा गृह निर्माण कार्य—एक सकल्प

111 जनपान धामा का निम्न मजन का सर्व पूण होने जा रहा है। इसके पश्चात जिले में 25 आरस व अनाखे जल प्रपा गृहा के नान का स्थापना है। बम्बई के एक उदारदिल जवेरी अथ ही पालनपुर म गाँव मात जल प्रपा गृहा बनाने की इच्छा है। जनहितार्थ पालनपुर नगरपालिका इस कार्य के लिए जमीन एव अन्य सुविधाएँ भी प्रदान कर रही है। एक चिर स्थायी रमणीय जल प्रपा गृह का खचा ममी के जन प्रपा गृहों के बराबर एक जैसा आवेगा। इस दिना मे हम कार्य कर रहे हैं।

कव्तर दत्त लो, अनुकपा धर्म बजाओ।

आय सञ्चित एव जैन परम्परा में कव्तरों का म्यान उनकी भावनात्म स्थापत्य एव अनुकम्पा की पीत सूपी के कारण अग्रिम है। 15-1-1987 म मंत्राणो जैनतीय मे कव्तरों की दत्त केवर यह प्रवृत्ति प्रारभ की गयी। उम समय लगभग 50 कव्तर दत्तक लिये थे। इसक पश्चात इस प्रवृत्ति ने काफी अच्छी प्रगति की एव सम्पूर्ण बनासकांठा जिले मे वनमान मे लगभग दो हजार कव्तर दत्तक लिये हुए हैं। सुविधानुसार कव्तर दत्तक लिये जात हैं। प्रत्येक कव्तर को प्रतिदिन तीन चित्रों चना दानन की मुख्यवम्पा है, स्थानीय तीन व्यक्तिया की वमटी म्म काय की देखरेख करती है। इस वप 2-50 लाख रुपये का चना डाला गया है।

आपका ईश्वर ने बहुत ही सुदर रिटि मिडि प्रदान की है उममें म आप जा जीवदया म कुछ खर्च करायें तो वह मानवता दयाधम के बहुमूल्य फल खिन उठेंगे।

#### 111 जलपान धाम चिरस्थायी स्मारक रुपये 500/-

उत्तर गुजरात के बित्तन ही गाँवा मे अबीन पशुओं के लिए निमल पानी, हवा उपलब्ध नहीं है, मुख्यतया पिछडे हुए आदिवासी विस्तारा म पशु-पक्षी पान व पानी के लिए इधर-उधर भटकते फिरते हैं। गुजरात-बच्छ एव सोराष्ट्र में लगभग 500 जितनी पाजुरापाल बने हैं। उनम मे बित्तनो ही पाजुरापोला के लिए पर्याप्त सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। हमने यह प्रवृत्ति विगत पाँच वर्ष पूर्व प्रारभ की थी।

65 जलपान धामों का कार्य पूर्ण हो चुका है। गुजरात प्रान्त के दाता तालूका के आदिवासियों के इलाके में भी बहुत ही अथाग मेहनत करके बहुत ही गहरे पानी के 29 जलपान धाम का निर्माण कार्य किया है। वहाँ के स्थानीय व्यक्तियों की एक समिति भी गठित की गयी जो वहाँ की समुचित व्यवस्था की देखरेख करे। जिसका संचालन ग्राम की किसी नियमित संस्था या ग्राम पंचायत के सुपुर्द की गयी। इन जलपान धामों के निर्माणकर्ता का नाम फोटो भी लगाया जाता है।

— सैकड़ों वर्षों तक टिके रहने वाले बढ़िया सीमेन्ट पत्थर एवं लोहे से निर्मित इन जलपान धामों का कार्य हमारे पालनपुर शाखा कार्यालय की देखरेख में ही होता है। हमारी कार्यकारिणी एकदम स्वच्छ है। हिसाब-किताब भी सही रखा जाता है। इनको कोई भी दानदाता आकर कभी भी देख सकता है। हमारे इन निर्माणाधीन जलपान गृहों के द्वारा वर्तमान में हजारों लाखों पशु अपनी प्यास बुझाकर तृप्त होते हैं।

— आगामी वर्षों में 111 जलपान धाम बनाने का हमारा उद्देश्य है। इसे पूर्ण करने के लिए हम पूर्ण रूप से प्रयत्नशील हैं। आपसे विनम्र निवेदन है कि निम्नलिखित प्रसंगों को चिर-स्मरणीय बनाने के लिए इन जलपान धामों में अपना सहयोग प्रदान कर पुण्योपाजन का लाभ प्राप्त करें।

#### जलपान धामों के स्थायी स्मारक

जीवन में एक अधिक प्रसंग को चिरस्थायी रखने हेतु जलपान धामों में अपना योगदान प्रदान करें।

- (1) सिद्धी तप, अट्टाई, 16 उपवास या मास खमण के कठिन तप की स्मृति में।
  - (2) जीवन के किसी एक श्रेष्ठ प्रसंग की स्मृति में।
  - (4) दाम्पत्य जीवन प्रवेश दिवस की खुशी की स्मृति में।
  - (5) लग्न जीवन—रजत जयन्ती, वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में।
  - (6) व्यापारिक क्षेत्र की दशाब्दि-द्विदशाब्दि, रजत-स्वर्ण महोत्सव की स्मृति में।
  - (7) स्नेहीजनों के जन्म-वेहावसान की स्मृति में।
  - (8) देव-देवियों की रोहनी स्तुति स्वरूप में।
- प्याऊ-परबों चालू करो—पुण्य कमाओ

छः दम्यकाओं से हमारे द्वारा की जा रही लोकांसेवा की प्रवृत्तियों का मुख्य केन्द्र बनासकांठा जिला ही है।

बनासकांठा मतलब वहता हुआ रेतीला क्षेत्र एवं बनासकांठा मतलब पानी की कमी का क्षेत्र और उन क्षेत्रों में प्याऊ-परब का होना मतलब अमृत तुल्य।

पानी मतलब जीवन—हमारे द्वारा रोजाना हजारों-लाखों प्यासे यात्रियों की शीतल जल के द्वारा प्यास बुझाकर संतोष प्राप्त करने हेतु प्रतिवर्ष लगभग 250 स्थानों पर प्याऊ-परब बैठाने का प्रबंध किया जाता है। तीर्थस्थलों, धर्मशालाओं, रुग्णालयों, एस.टी. स्टैंड या जहाँ आवागमन अधिक रहता है वहाँ पर वारह महीने ही जनहितार्थ जनसेवार्थ प्याऊ-परब बैठाने का कार्य किया जाता है।

- (2) शंखेश्वर जैन महातीर्थ में शुद्ध मीठे पानी की दो प्याऊ-परब वारह महीने ही चालू रहती है। एक प्याऊ-परब का वार्षिक खर्च 5,000/- (पाँच हजार रुपये) है।
- (2) भारत के प्रसिद्ध श्री अम्बाजी तीर्थ धाम में वारह महीने ही लगभग दस-प्याऊ-परब चालू रहती है। एक प्याऊ-परब का वार्षिक खर्च 2,500/- है।
- (3) कच्छ प्रदेश के रण क्षेत्रों में लगभग पन्द्रह प्याऊ-परब चालू है। एक परब-प्याऊ का रुपये 2,000/- है।
- (4) वस स्टैंड या हॉस्पिटल के पास एक प्याऊ-परब को चलाने का 1,500 है। लगभग 50 प्याऊ लगी हुई है।

सम्पूर्ण भारत में यही एक मात्र ऐसी संस्था है जहाँ विगत 50 से भी अधिक वर्षों से इतनी अधिक मात्रा में ऐसी प्रवृत्ति चल रही है। मार्च 1992 तक के पूरे हिसाब ऑडिट हो चुके हैं। सभी दानदाता पालनपुर के कार्यालय में पते पर देख सकते हैं।

जिसकी स्मृति में यह प्याऊ-परब चालू की जाती है उसका नाम व गाँव-शहर का नाम बोर्ड पर तख्ती में लिखा जाता है। प्याऊ के स्थल एवं प्रवृत्ति की जानकारी दानदाताओं को सूचित कर दी जाती है।

निवेदक ट्रस्टीगण—

# कृषी गो सेवा ट्रस्ट

फोन-पीपी 71450

पंचवटी-नाशिक 422 003 (महाराष्ट्र)

ट्रस्ट रजि न ड 539 नाशिक दि 7-1-1989

(इन्फॉर्मेटिव फ्री नं. NSK/TECH/180-G/88 89/141-W L F 20-1-89)

विद्युत बॉर्डि टूर टले वाछित फले तत्वाल। गो सेवा सेवे सदा तम पर भगत मात।।

-0 आभिम 0-

शेठ इंगरसी नागजी ट्रस्ट, तपोवन, वृद्धाश्रम, पंचवटी नाशिक-422003

फोन 76388

हम चाहिए।

हम चाहिए।।

हम चाहिए।।।

मूक, निःसहाय, घेवारित, दुर्ब से जिन जिवो के पुनर्वसन हेतु।

नामिक शहर म जीवदया कार्यालय के लिए मध्यवर्ती जगह

आपका आजीवदा, सहयोग, एव महभाग अनिवाय, अनुमोदनीय एव अभिनन्नीय है।

आपकी संपत्ति (आधिक-अनुदान-जगह आदि) आपकी मर्माति (आजीवदा)

आपकी सतति (कायकतामय) उपरोक्त ताना के समय संयोग मे स्वप्न पूरा होगा।

एव अद्वितीय, अल्प प्रेरणादायी नासिक का आभयण निद्र हेतुवाल

## जीवदया मंदिर का पशु-पक्षी पुनर्वसन केन्द्र (गो सवन)

जीवदया।

-0 नम्र निवेदन 0-

जीवदया।।

कृषि गो सेवा ट्रस्ट की ओर मे सभा दाताआ म नम्र निवेदन करते हैं कि, "गाय...हमार भारत" यप की माता है एव कृषियोग की सजनकर्ता है। हम सभी की बह रक्षणका है। गुरुदे, गुरुदे एव सभी ग्र्यों मे गाय का अत्य साधारण महत्व विपद दिया गया है। "गो दान" का सभी दानों मे सर्वश्रेष्ठ समझा जाता है।

हम जीवदया के उदात्त हेतु मे कमाईयो मे मुकन कराई गई गायें, बंस, बछडो का पालन कर उनके रक्षा का काय ट्रस्ट की ओर से करत हैं। गो-मदन निमाण हेतु दानेशुर धामती बनारसोनाई सहमीनारायण इदाणा, नामिक, इहानि पंचवटी मे बडी कीमती 2 एकड़ जमीन सस्या को दान मे दी है। सस्या उनकी हमेशा रहेगी। आप भी इम सवा मे मयाचित दान देकर शामिल हो सकते है एव पुष्प प्राप्त कर सकत है। ट्रस्ट आज नामिक शहर की सर्वोत्तम आदर्श मेवाभावी सस्था मानी जाती है। आप सहयोग पर सस्या का भवितव्य निभर है। सभी हिंदू, सिख, जैन भाईयो तपा जैन माताआ मे हम नम्रनापूवक प्रार्थना करत हैं कि आप अपना मन पूवक सहयोग दन की रूपा करे क्यकि यह धार्मिक काय आप जैन भाईयो के और बहना के महायता से ही चल रहा है। तथा आपने सहयोग स ही इम कार्य की वृद्धि हो मनेगी।

## दान का विवरण

- |                         |            |                       |            |
|-------------------------|------------|-----------------------|------------|
| (1) गो दान माता के लिये | 5001 रुपये | (3) एक बंस के लिये    | 2501 रुपये |
| (2) एक बछडे के लिये     | 3501 रुपये | (4) कायम तिथि के लिये | 1111 रुपये |

उपरोक्त दाताआ का नाम सस्या के नाम फन्क पर लिखा जावेगा एव "गो दान" करने वाले दाताआ का फोटो देने से कार्यालय मे लगाया जायेगा।

इम सस्या के आश्रयदाता बनना चाहत हो तो रुपये 1501 देवे एव रुपये 1001 देने पर प्राणियों को आपने नाम पर चारा खिलाया जायेगा, सा आपस नम्र निवेदन है कि, आप अपने शक्ति अनुसार अधिक से अधिक दान देकर हम आपने मेवाभावी काय मे उपकृत करें और सस्या के काय को विक्रमित करें तैसी आपसे प्रार्थना है।

एक दिन के चारे के लिए रुपये 501/-

सभी दानदाताओं से नम्र विनती है कि गो सवन बाधना है उसके लिये मदद करने को कृपा करें।

आपने विनीत,

कृषी गो सेवा ट्रस्ट के लिए भोजराज लोकुमत लोकनाथी

निधि प्रमुख, नासिक

कृपा दान की राशि "कृषि गो सेवा ट्रस्ट-नासिक (रजि)" के नाम से नगद/बैंक/डिमांड ड्राफ्ट/मनोआर्डर से भेजें।

"तन पवित्र सेवा किए, धन पवित्र किए दान। मन पवित्र हरिध्यान धर, होवे त्रिविध कल्याण।"

**हादिक शुभकामनाओं सहित :**

**चाँदी के प्रजेंटेशन आर्टिकल्स का भव्य शोरूम**

## **SILVER HOUSE**

शुभ प्रसंगों के अवसर पर स्नेहीजनों को भेट स्वरूप देने के लिए एवं घर में बमाने के लिए 100% टंच शुद्ध चाँदी के वर्तन—

सभी मंगल मूर्तों एवं मुद्रासंगों के लिए तथा लग्न प्रसंगों स्मरणार्थ, तपस्या, आदि के लिए शुद्ध चाँदी के सिक्के तथा लगडी 2½, 5, 10, 15, 20, 25, 40, 50, 100, 150, 200, 250 ग्राम में मिलेगी।

शुद्ध चाँदी की 999 टंच चाँदी की लगडियाँ, 2½, 5, 10, 15, 20, 25, 50, 100, 200, 250 ग्राम में मिलेगी।

बैंकों, लिमिटेड कम्पनियों, संस्थाओं, केट्रेड मार्क के अनुसार चाँदी के सिक्के बनाकर दिये जाते हैं।

महावीर स्वामी, घंटाकर्ण महावीर, शंखेश्वर पार्श्वनाथ, नवपदजी, आदिनाथ भगवान, पद्मावती देवी, सिमंधर स्वामी, सरस्वती देवी, लक्ष्मीजी, गणपति, अम्बाजी, श्रीनाथजी, गायत्री देवी, स्वामीनारायण, जरथोस, मक्का, साईबाबा, संतोपी माता, दत्तात्रेय, त्रिमूर्ति, गणेश लक्ष्मी, कृष्ण भगवान, शंकर भगवान, राधाकृष्ण, रामदरवार, ईश्वरु क्रिश्च, आदि 55 भगवान देवी-देवताओं के सिक्के सही मूल्य पर मिलेंगे।

प्रजेंटेशन आर्टिकल्स चाँदी के कलात्मक नोवेल्टीज, एवं अधतन अलंकारों के खरीदने का भरोसा मात्र स्थान !

फोन नं. दुकान 3429459, 3420128

**Any Thing & Every Thing In Silver**

**प्रताप ब्रदर्स चाँदीवाला**

**235, जवैरी बाजार, बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)**

प्रतापभाई, निवास :	3678516, 3621491	अनन्तराय भाई, निवास :	4946717
विजय भाई, निवास :	3621960, 3616769	हंसमुखभाई, निवास :	3634128, 3616509
प्राणलाल भाई, निवास :	3621317, 3621904		

**NO BRANCH**

नोट—उद्घाटन शुभप्रसंगों के लिए चाँदी का ताला, चाबी, कंची, क्रसकेट आदि सामान भी तैयार मिलता है।

॥ इहिया परलोपन ॥

॥ श्री गोटो जी पावनव्य स्वामिने जम ॥

"श्री गार जिनो दो"

भारतीय नौयजतु कम्पान बोड, मद्राग (पञ्चवर्ष एव दन सत्राय, भारत सरकार) भारत प्राण मन्था)  
मुक जीवो को वासा उठायेसालो एवमात्र मन्था

# श्री जीवदया महामंडल, पुणे (रजि.) (इ-ड रजि 7 ई 1224)

प्रधान कार्यालय डांग-364, रजिस्ट्रार पठ, भारत आदिवाय बीर, पुणे-411002 ताराग दु राय, भा न  
द्वारा प्र. प्रसिद्धा-435396, 437999, 65269 / विनाम-1 52722

श्री गिनि एव उगाति

## गेठ श्री नारायणदासजी दुगड जीवदया मंदिर (पाजरपोल) मु. लोणीकद

मन्था के उद्देश्य

- विद्य म 'जीवदया' याने पुनर्जाती पुनवसन कल्याणके विरवागि, विरवागि, विरवागि, विरवागि, विरवागि का प्रतीक।
- जीवदया मंदिर का निर्माण था, एव एकर जीवो का "गडुल" एव कायफलिया का समूह का गठन करने 'इसका' 'पे-त वा (इ-ड, -डी धी धी नदियों बहाने -) काय हूर एक दहात, गिन, मन्था 'उभय' 'उभय' प्रयोगीय क्षेत्र में करना क-वाना।
- 'जीवदया' का मन्थाद घट घट म पु-वाना, जगन्कता नाना, प्रफार-प्रतिदि कना।
- जाकाय का विरवागि प्रवार कना।
- मन्थान पा-डी फाम, मनोवाग मनवान, घाति विनक प्रवतिवो का नन विराध, जनना जाना, मयाफ कना।
- मास्टे याड, धृषि वागा- नमिनि, वंवा, विविध धोहागि उपायों, एवो विप्राय का सपर स्वामि ककर। वि-मूत 'पाजरपोल जप' फिर से पु-न कर पाजरपोल को मुदुठ कना। इ-ए उ-ड, गीतो गीत पाजरपोल निर्माण करना क-वाना।

पुण्यावधी पुनोवाहन का पुनित प्रयास। पुण्यावधी पुण्यावधी पुनहटा भयतर। श्री गोटो पावनव्य स्वामिने जम (श्री गेठ मन्थि) एव भोवो-व-वतिगा एव दान म श्री नाना वयो मे निरवागि मन्था "जीवदया मन्थाद-प्रता (गिन) इत्यादि प्रतीपण पर जाने कचकर रही। मन्था डांग जा गिन एव 2270 जीवा का जमनदान एव 112 जवा। "श्री जीवदया मन्थि म नाना पुनरगत गित मन्था। ए मन्थाना म वि उभय मन्थ ए "जीवदया मंदिर का पुनारगन म विनिर्माण विनाम काय मयाग हूए है।

- जायप स्थान (पूर्व 30' 100' / 21' जैका = 3000 चौ फुट
- आठ पानी की टकी • आधप स्थान (अधूरा) 15' x 100' / दो जगह = 3000 चौ फुट (पने, विनिर्माण, रमजादि काय बाकी है।) • बाधातय-600 चौ फुट का निर्माण • मन्थाना (आयतनानीन आधप स्थान) 80' x 30' = 2400 चौ फुट
- "कागिगिगो का" कायप्रम श्रीविनिर्माण करत ही भावना उदने है। हमें पादवाग भडाग, विवि-नाय, वैदकीय मुशग के-ड गेठमन्थ जीवो के निग वदाना आधपमन्थान, मन्थारी प्रावाम एवम और आधपमन्थान का निर्मा आरम्भना है।
- हम इतर जीवो का "गोडुल" याने को भावना रखते हैं। गार्वोपाव "श्री जीवदया मंदिर" को स्थाना करनी है। • प्रतिदिन २ 2500/- से भी ज्यादा व्यय (घागवासा, वैदमाल, अमपदान, औषधादि, धुरी, सरकी, पेड, मुसा, गुड आदि का) • इन्माट २ 75,000/ का उभय शवाजित है। • प्रतिमास २ 9,00,000/ से भी ज्यादा का व्यय है।

बाधि भावनाएँ कायगिन कनी हैं। मन्थाने पाम भाप वा बोड भी भाधन नहीं है न स्वायी प-उपमन्थ है। मन्था उदागदिन दागो के महयाग, महयाग, समयाग मे कनी है। अत हम आदरे महयोग, महभा, नकन, शभेकला, आगोवदि की निगान जायमन्था हू नहीं कनि कनिहामना है। हमे जाना रही कनि श्रद्धा ए वि आधपगिनाने है। मन्था का गानकारी के निग अन्धान गेठ - है। जिसमे नवीनवम गोडनाएँ एव बाकी आदिम को मुचा प्रस्तुत की है। इन सामुदायिक पुण्यावधी पाव प्राप्त करने के मुहूर जनमर मे मन्थाना शत क गिन गान, गान, नामकिल कते हैं। हम आप प्रारना क-त है कि जपन "श्री जीवदया" के यम में अपना मन्थ पूरा गानान (जागीर/मन्था गिनि) प्रदान करने/मन्था काय का गति है। ताकि "श्री जीवदया मंदिर" पुन नारा प्रता के लिए पुन जायमन्थ मिड होमा। आप जागवाग/मन्थान को कामना कते है।

आत्मश्रेयार्थ, आत्मीय स्वजन के स्मरणार्थ, मांगलिक प्रसंग, उद्घाटन, जन्मदिन, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, राष्ट्रीय-न्यायहार, धार्मिक अनुष्ठान, उजमणा, पूजन, प्रतिष्ठा, अंजन शान्ता, छ'री पालिन संघ आदि प्रसंग पर अवश्य यादकर "जीवदया" के वक्ष में योगदान "श्री जीवदया महामंडल-पुणे (रजि.) के नाम से चेक-ड्राफ्ट से सहायता भेजें। दान की राशि आयकर अधिनियम, 80-जी के अंतर्गत माफ है।

मूक, निःसहाय, देवारिन, दर्द से जर्जरित जीवों के पुनर्वसन हेतु!

आपका आशीर्वाद, सहयोग एवं सहभाग अनिवार्य, अनुमोदनीय एवं अतिमंगलीय है। आपकी संपत्ति (आर्थिक-जगह आदि) आपकी सम्मति (आशीर्वाद) आपकी संतति (कार्यकर्तागण) तीनों के सुगम से स्वप्न पूरा होगा एक आदर्श, प्रेरणादायी, पुणे का वास्तुपण सिद्ध होनेवाले श्री जीवदया मंदिर का (पशु-पक्षी पुनर्वसन केन्द्र (पांजरापोल) का निर्माण नवनिमित्त जीवदया मंदिर के लिये नवीनतम योजनाएँ—

1. श्री जीवदया कार्यालय के आगे शेट— सौजन्यदाता	रुपये 1,51,101	8. श्री जीवदया—प्रबन्धनायकीय भवन सौजन्यदाता	रुपये 1,11,501
2. श्री जीवदया चिकित्सालय सौजन्यदाता	1,51,101	9. श्री जीवदया-द्विआयुष्य सौजन्यदाता	1,11,501
3. श्री जीवदया घासचारा भंडार सौजन्यदाता	1,11,501	10. श्री जीवदया—कार्यकाल चक्रधारक निदान सौजन्यदाता	1,11,501
4. श्री जीवदया मंदिर सौजन्यदाता	1,11,501	11. श्री जीवदया—नर्तकी आवास सौजन्यदाता	51,111
5. श्री जीवदया आवास सौजन्यदाता (एक जीव का स्थायी आवास..)	11,511	12. श्री जीवदया—घासचारा आवास सौजन्यदाता	31,131
6. श्री जीवदया—वैद्यकीय जुशुषा केन्द्र सौजन्यदाता	1,11,501	13. श्री जीवदया पानी की टंकी (प्याऊ) सौजन्यदाता	5,454
7. श्री जीवदया—स्वागतकक्ष सौजन्यदाता	1,11,501	14. श्री जीवदया—ईट काजना	108

जीवन अभयदाता एवं अन्न (घासचारा आदि) दान बनाने की अतिरिक्त योजनाएँ—

1. बड़े जीव छुटवाने एवं जुशुषा के लिए	1,008	7. श्री जीवदया मिष्ठान्न तिथि दो समय	5,454
2. मध्यम जीव छुटवाने एवं जुशुषा के लिए	531	8. श्री जीवदया फागुन तिथि दो समय	5,454
3. छोटे जीव छुटवाने एवं जुशुषा के लिए	261	9. श्री जीवदया दारुण घासचारा तिथि एक समय	2,511
4. घासचारा—एक दिन—दो समय	1,008	10. श्री जीवदया आशुष, जुशुषा एवं उपचारदि कार्यों के लिए	1,521
5. घासचारा एक दिन—एक समय	531		
6. श्री जीवदया मिष्ठान्न तिथि दो समय	11,151		

श्री जीवदया मंदिर के (पांजरापोल) आदेश देने वाले हैं—

1. श्री जीवदया मंदिर पटकोंनी प्याऊ मंडुल का नामकरण आदेश	51,111	6. श्री मुख्य भवन के लिए वास्तु का नक्काशा रोपण का आदेश	11,511
2. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यगिखर का आदेश	51,111	7. श्री जीवदया मंदिर के प्रवेशद्वार के पिछले तरफाट का आदेश	11,511
3. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यगिखर का दाहिने बाजू का आदेश	41,111	8. श्री जैन दर्शन प्रतीक/श्री जैन आग जैन हार्मोनिकर आदि एक का	11,511
4. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यगिखर का बाएँ बाजू गिखर का आदेश	41,211	9. तीन अलग-अलग धर्मचक्र-नकरा प्रति एक का	11,511
5. श्री जीवदया मंदिर कीतिस्तंभ का आदेश	31,311		

संपूर्ण शेट को सौजन्यदाता के नाम प्रदान किया जाएगा। 0 बोर्ड पर नाम आएगा। 0 संभरसर की तहती पर नाम अंकित किया जाएगा। 0 संभरसर के बोर्ड पर नाम आएगा। 0 शिलालेख में नाम सम्मिलित किया जाएगा।

पचचीस ईट या ज्यादा सौजन्यदाता का नाम बोर्ड पर आएगा।

कृपया दान की राशि "श्री जीवदया महामंडल-पुणे (रजि.)" के नाम नगद/चेक/डिमांड ड्राफ्ट से भेजें।

"तन-पवित्र सेवा किए, धन पवित्र किए दान। मन पवित्र हरिध्यान धर, होवे त्रिविध फल्यण।"



NON VIOLENCE IS THE GREATEST RELIGION

श्री सायला महाजन पाजरापोल

(राज न 66)

सायला जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363430

स्थापना 255 वर्ष पूर्व, इस पिछड़े क्षेत्र में अबोल निराधार पशुओं की सख्या लगभग 800 से 1000 है।

(दान की रकम इनकम टैक्स 80-जी के अनुसार माफी मिलती है)

प्रायः कर दुष्काल प्रस्त भूमि में अठ्ठाई शताब्दी पुरानी एक पशु सख्या

जीवदया

जीवदया

### - नम्र निवेदन -

सागड़ प्रात का टम मरूमूमि में हूँ दूसर या तामरे वप भयानक दुष्काल पटना रहना है। सरकारी बाकटा के मुताबिक 100 वर्षों के सर्वेक्षण में 36 दुष्काल अथवा दुष्काल जैसी स्थिति रही है। उन क्षेत्र में रोजगार व कुछ भी माधन उपलब्ध नहीं है। वहाँ का जीवन केवल परमात व पानी में उपलब्ध खेतीबाड़ी के ऊपर ही निर्भर है। जब दुष्काल अथवा कमी पड़ता है तो तब वहाँ भूखायकाम हा जाता है। गरीबी की सख्या के नीचे जीवनवान व्यक्ति निम्नलिखित तीन कारणों में अपने प्यारे पशुओं का महाजन सख्या का भट करते हैं।

- (1) दुष्काल अथवा दब प्रकाश के समय शरीर विमान मालगारिया, पशुपालना की तरफ में छाड़े भय निराधार जन हुए पशु।
- (2) कमाटयाना में बंध हान के लिए बंधे गये पशुओं का बचाव हमशा-हमशा के लिए पाजरापोल में आश्रय देते हैं।
- (3) मूल, ताड़ रागमस्त, निबल, बीमार, बूढ़ जन्म विना उपयोगी जानवरों का आजावन आश्रय प्रदान करने उनका पानन-आपण उपरोक्त सख्या के द्वारा किया जाता है।

ऐसे अनाज, अमल, अमकन जीवा व वचान एवं उनकी सेवा करने हेतु इस सख्या का भी आप एवं आपन स्वीकृति के द्वारा दान प्रदान करने की विनयी करत है।

### सहयोग-अनुकम्पा की कायमी तिय

- |   |    |       |
|---|----|-------|
| (1) दुष्काल अथवा दुष्काल जैसी परिस्थिति के समय मातिका की ओर में त्यागे हुए अथवा कतरयाना में बचाये हुए जीवा (पाजरापोल में आश्रय लेने वाले ममा पशु-मलों) की सामूहिक कायमी तिय | रु | 335/- |
| (2) या मातक एवं अथ प्राणिया का पास खिलाने का कायमी तिय  | रु | 125/- |
| (3) बीमार जैसा जीवन लदा ब्याधिया, पीड़ित, बीमार जीवों का दवा इजेकशन तथा डाक्टर की सेवा सहित कायमी तिय   | रु | 100/- |
| (4) विन नफाकारक छाटे-छोटे दूध रीने शिशुजा मात प्रेम से बचि हा गये ह ऐसे बछड़े, पाडा बकर, आदि को दूध पिलाने की कायमी तिय   | रु | 75/-  |
| (5) शक्तिहीन, गोमाता एवं अथ प्राणिया का पाण्डक भाजन, अथवा शुद्ध घा, गुठ आदि से लापसी खिलाने की कायमी तिय  | रु | 60/-  |
| (6) मरुपण गाँव में सभा चतुर्तरा पर पशिया का चना चूगा डाना की कायमी तिय  | रु | 65/-  |
| (7) कुत्ता को रोजाना राटियां खिलाने की कायमी तिय  | रु | 60/-  |
| (8) कीटा-मकाड़ी को आटा शक्कर, घी मिक्क कर खिलाने का कायमी तिय   | रु | 50/-  |

पढ़ो

दानदाताओं से नम्र निवेदन

अवश्य पढ़ो

**दानदाताओं से नम्र निवेदन**

आपथ्री के अनंत उपकारी पुण्य ग्लोक, जतनी पिता, वडील, लघु स्नेहाल वंधु, भगिनी, जीवन साथिनी या प्रिय पुत्र-पुत्री या स्नेहीजनो की पुण्य स्मृति रूप मे कायमी तिथि मे नाम लिखवाकर उनके प्रति ऋण अथवा आतरिक प्रेम प्रदर्शित करे। इसके साथ-साथ सर्जनहारं सर्जेला अबोल, निर्दोष, दयनीय जीवो के अन्दर हृदय के शुभाशिष प्राप्त कर अपना जीवन धन्य एवं सार्थक बनावे एवं परम गति के अधिकारी बनो यही विनम्र प्रार्थना है !

छोटे से दान में आप भी पुण्य प्राप्त करें

- |  |           |
|--|-----------|
| 0 कृर कसाई के पास से गाय माता अथवा एक बड़े जीव को छुडाकर जिन्दगी भर, पजिरापोल मे पालन-पोषण करने मात्र का | रु. 221/- |
| 0 ऊपर मुजब एक जीव को छुडाने का   | रु. 111/- |

**विशेष सूचना:-**

प्रभु महावीर का अमृतमय सदेश को घर-घर तक पहुँचाने वाले, ग्राम-ग्राम मे विचरण करने वाले पूज्य साधु-साध्वियो विद्वान मुनिराजो आप सभी इस अभयदान के कार्य मे सभी जन सहयोग देने वावत प्रेरणा प्रदान करे; कार्य को अग्रसर वढावे। इसके अलावा संघ समाज, मंडल, ट्रस्टी-ण, कार्यकर्ताओ तथा जीवदया प्रेमियो आप सभी भी इस कार्य मे जितना हो सके सहयोग प्रदान करावे, ऐसी नम्र विनती है। सभी का कल्याण हो ऐसी भावना के साथ !

आप अपना दान निम्नलिखित पते पर भेज सकते है—

- |  |   |
|--|---|
| (1) ज्योतिर्विद नरोत्तमदास गुलाबचंद शाह, ट्रस्टी,<br>6, आँकारवाडी, नवरोजी लेन, घाटकोपर (वेस्ट),<br>बम्बई-400086 (महा.) फोन नं. 5139720 | (2) सोनेक्स ट्रेडर्स,<br>हार्डवेयर मर्चेन्ट, 39, कोलसा स्ट्रीट, ग्राउण्ड फ्लोर,<br>पापधुनी, बम्बई-400003 (महा.) |
|--|---|

राष्ट्र संत, प्रवचन प्रभाविक, आचार्य प्रवर श्रीमद् पदम सागर सूरेश्वरजी म सा आदि ठाणाओ का कोवा (गांधी नगर -गुजरात) मे सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करते हुऐ—

**हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-****महावीर जैन आराधना केन्द्र****कोवा**

वाया जिला गांधीनगर (गुजरात)



परम श्रद्धेय, प रत्न श्री एड्. मुनिजी म गा, प्रवक्त, प रत्न श्री उमा मुनिजी म ता जादि ठाणाभा (C)

का खाचगेद (मध्यप्रदेश) म सन् 1992 ता चानुर्मास जान, दशन चारिय एव तप ती आराधनाआ

मे आन प्राण जने ऐमी शुभ मगन ताभनाआ क माय ।

हादि शुभनामनाआ सहित ।



## ज्ञानचंद खूबचंद वुपकथा

173, जवाहर मार्ग, छांचरोद

जिला उज्जैन (म प्र) 456224

### प्रथम जैन विडियो पत्रिका का शुभारंभ

जा मस्मृति आर मय जाण्ड अहिंसा अनवाा जा अपरिग्रह का उद्देशे तन-तन तप पहुँचान व उद्देश्य म आध्यात्म आ मक्ति अनुाधान मस्यान द्वारा प्रथम जन वीडियो पत्रिका का शुभारंभ विता गया ह ।

प्रस्तुत ह हम यान्ता का स्वरूप

विश्व की प्रथम जैन वीडियो पत्रिका धम चन विम्व ह नन म आप पायेगे

ममाचार

— देश विश्व म जैन उमव दीपा ममाराट प्रमु प्रटाजा की गपट ।

तीथ दशन

— किमी एक प्रमुख तीथ नी याया, मसूर्ण जानकारी क माय ।

गता ममाधान

— दशका की वम क प्रति जितासा एक स्नत निचारा व शराआ का ममाधान प्रमु जैन आचार्यों एक माधु-माधिका द्वारा ।

इमन अलासा मकिन मीत कतानी, प्रासाडल धामिन प्रनातरी जिनघम व उदिहाम का परिचय आदि । यह पत्रिका अपन तरह की निघर की प्रथम विडियो पत्रिका हागी जा हर दूगर माह वापने हाय म होगी । मवय उडे शहरा म प्राण ।

नोट—मसूर्ण जैन ममाज व मभा जाचागी, माप्र-माधिका व प्रार म मसूर्ण जानकारियों एव मागदशन, ममप्र जैन चानुर्मास सूचीक मस्यादन वाव्ताज जैन 'उज्जयिन' मस्यड द्वारा प्राण का मपी एव वे कई जाचागी, मापु-माधिका के तातालाप हनु भी माय म गय ।

निम्नत जानकारी तन मस्यक उरे -

श्री सुनील भाई

आध्यात्मिक आर मनि अनुमधान मस्यान

अता काम्लेवम, 8, जुहुतारा राट, शातानुज (वेस्ट),

मसई-400019 (मटा)

फान-6130528 6124890

# तपागच्छ का ऐतिहासिक उद्गम स्थल (आयड़) उदयपुर

उदयपुर (आयड़) श्वे. मंदिर जैन जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ—राजस्थान प्रान्त के उदयपुर आयड़ स्थित तपागच्छ जैन समुदाय का ऐतिहासिक उद्गम स्थल आयड़ जैन मंदिर की सस्कृति ईसा पूर्व 2000 वर्ष से भी अधिक पुरानी रही है। राज्य सरकार के आर्चोलोजिकल विभाग द्वारा खनन कार्य करवाने से यह प्रमाणित भी हो चुका है। उत्खनन से प्राप्त मूर्तियाँ, भाँडे मणियाँ, पाषाणकालीन औजार इत्यादि का संग्रहालय यहीं पर स्थित है। पूर्व में इस स्थान को ताम्बावती नगरी, आटपुर, भाघाटपुर इत्यादि नामों से जाना जाता था।

इसी पावन भूमि पर आचार्य श्री जगन्धर सूरीजी म.सा. बारह वर्ष तक आंयग्विल तप की उग्र तपस्या के दौरान विहार करते हुए यहाँ पधारें। उस समय उग्र तप विद्वता एवं उत्कृष्ट संयम कि आराधना से प्रभावित होकर मेवाड के राणा जैत्रसिंह ने वैशाख शुक्ला 3 वि.सं 1285 को आपको तपा विरुद्ध में मम्मनित कर अपने आपको धन्य माना था। तभी से भगवान महावीर की परम्परा से चला आ रहा बडा गच्छ तपागच्छ के नाम से चला आ रहा है। उसी तपागच्छ की ऐतिहासिक उद्गम स्थली आयड़-उदयपुर के श्वे. जैन मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है।

अतः तपागच्छ के चतुर्विध श्री संघों के माननीय ट्रस्टियों कार्यकर्ताओं आदि से विनम्र प्रार्थना निवेदन है कि तपागच्छ की प्राण सभा यह पितृ मातृ भूमि के जिन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य में सहयोग प्रदान कर अपने ऋण से उत्कृण वने।



—निवेदक—

श्री जैन श्वेताम्बर आयड़-मंदिर जिर्णोद्धारक कमेटी,  
आयड़-उदयपुर-313002 (राज.)

५

—सौजन्य—

दिवानसिंह सम्पतकुमार बाफना  
होटल पायल

केन्द्रीय बस स्टेण्ड के सामने, सिटी स्टेणन रोड, उदयपुर-313001 (राजस्थान)

(यहाँ ठहरने की आधुनिक सुविधा उपलब्ध है)

## हादिक अभिनन्दन

अत्यन्त प्रमत्ता एव ह्ये वा विषय है कि ध्रमो मय न महाप्राण — 'गुप्तमन्, कुमारीजी म की गुणिया प्रखरवक्ता—उज्वल मय प्रमुखा धर्मणी—'ग-धु थो प्रमा' गुपानी म वा परिणत निन्धी म प्रशासित एव महत्वपूर्ण विनाय 'गुप्तम एशिया' क मय 7 म पार 4 पर निग मया है। यह सगुा जैन समाज क विग गात्र वा विषय है।

'गुप्तम एशिया विनाय म एशिया मय क महत्वपूर्ण व्यक्तित्वा क। ही उल्लेख किया जाता है। महा-मनीजी श्री प्रमाद गुपानी म मा प्रखर वक्ता है। अपनी आत्मवी वार्ता ग-आ-नि-त-म मानय मया क, अतया वाय सपत्र विन है। मन म मधुगता तन म तन्म्विता, वना म व्यवहार बुधतता आदि अतया गुपा ने शासित पूज्य श्री प्रमाद गुपानी म जिनशासन की गिमा म चार चाद गया 'ही है। हम शासना म यही जनुनय प्रायना करने हैं कि पूज्य श्री प्रमाद गुपानी म मा टनी तरह जिनशासन तय, धर्मण सय वा जामा म अभिवृद्धि करें तथा मानवता क वाय आपन द्वारा गुपयत हात 'है।

गत रह 1992 वा चातुर्मास पूना शहर न आश्रितान मायापटा म मयत्र करन क गार महामनी श्री प्रमाद गुपानी म मा अपन विनाय मावी परिवार क गान प्रथण की तरफ विहार करन ने भाव रखत है।

—गुप्तमन्—

गुरीलकुमार भवरलाल चारडिया (मद्रास)

गत 135 वर्षों से बढ़िया डिजाईनें और कलापूर्ण अलवार नाय ही अच्छी गुणवत्ता के लिये सम्पूर्ण महाराष्ट्र में—एकनाम विश्वासपात्र पेढो

\* **मे. राजमल लखीचंद सराफ** \*

सोने चांदी के आभूषणों के प्रसिद्ध विक्रेता और निर्माता

192 बाताजी पेठ, जलगाव-452001 (महाराष्ट्र)

१ 26681

फोन १ 26682

२ 26683

तार—मानगज

कचनसी काया पर हो

सदियोंसे सबको भाया है

कचन मनपसद ।

राजमल लखीचंद ॥

जय आत्म

जय शिव

जय आनन्द

श्रमण सघीय अनुशास्ता, शासन दिवाकर, परम श्रद्धेय, पूज्य युवाचार्य प्रवर डॉ. शिव मुनिजी म.सा. M.A. Phd., श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा., श्री श्लेश मुनिजी म.सा., श्री शिरीष मुनिजी म.सा. आदि ठाणाओ (4) का मन् 1992 वर्ष का पुरानी धोबी पेट मद्रास मे यशस्वी चातुर्मास ऐतिहासिक रूप मे होने की मंगल कामनाएं करते हुए कोटी वन्दन ।



हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन  
श्रावक संघ**

**जैन स्थानक,**

67, मुत्तय्या मुदली स्ट्रीट, पुरानी धोबी पेट,  
मद्रास-600021 (तमिलनाडू)

फोन नं.-552473, 553557, 554333

सभी आचार्यों साधु साध्वियों को कोटि कोटि वन्दन ।

Tel No—Off 252165 295172, 257064  
Resd 297842

Cable LUCK SAREES

## M. K. Textiles

Fancy Saree Mfg & Wholesale Marchant

105/107, Old Hanuman Lane, 2nd Floor P B No 2865  
Kalbadavi Road, BOMBAY 400 002

*OUR SISTER CONCERN*

Kishore Trading Co. BOMBAY

Nakodaji Textiles Pvt Ltd, BOMBAY



## M. K. Fabrics

Fancy Saree Mfg & Wholesale Merehant

1026 Mahavir Market, Ground Floor Ring Road  
SURAT 395001 (Gujarat)

PH 620992

With best compliments from :

pick a **PINKY** and let your writing sparkle

**LION PINKY**

The Prettiest Pencil in Town

Now from Lion Pencils

here's another novelty.....

the Pearl finished LION PINKY Pencil

a pretty pencil to behold.

Superb in looks, super smooth in writing with its

H. B. Lead strongly bonded to give you unbreakable points.

*Also available with rubber tip and hexagonal :*

Other popular brands of Lion Pencil are :

**Lion Moto, Lion Turbo, Lion Sweety**

**Lion Concord, Lion Executive and**

**Lion Gematic Drawing Pencil**

**LION PENCILS LTD.**

(1) Parijat, 95, Marine Drive. BOMBAY-400 002 (INDIA)

(2) 23, Nariman Bhawan, 2nd Floor Nariman Point,

BOMBAY-400021 (INDIA)

Tel—Off. 2020005, 2021765

Telex—11.84065 CHTN IN

Fact. : 661237-38-39

Fax - 022-8552856

## सुसंस्कृत जैन घर की पहचान



(4 कॅसेट का एल्बम)

केवल 140/- रु में

पूरी पाठशाला आपके घर में ...

प्रातः स्मरणीय प्रार्थना और सदावहार भजन

पार्श्व गायको की आवाज में

सजे व स्वरबद्ध !

‘प्रतिक्रमण’ आसानी से पठन हेतु,  
सुबह फेरने के लिए भक्तामर स्तोत्र

एव

ग्राम को फेरने के लिए

कल्याणमन्दिर स्तोत्र

सम्पक सूत्र-रोन न 78490



दर्शन ऑडिओ एण्ड विडिओ

16 वीरा विल्डिंग रविवार कारजा

नाशिक सिटी-422001 (महाराष्ट्र)

# वैसे तो आप छत्तीसगढ़के रहवासी! भला चांदी-सोनेकी खरीदी हेतु जलगांव कैसे पहुँच जाते बारबार?

सीधा एवं सरल कारण  
आर.सी. बाफना जलगांव!

वैसे जलगांव में ना इनका कोई नाता, ना कोई रिश्ता!

पर कटक से कन्याकुमारी तक फैली विख्यात ज्वेलर्स

आर.सी.बाफना की विश्वास

पर आधारित

रिश्तेदारी उन



तक कभी की पहुँच गयी है! पास-पड़ोसी, सखा-सहेलियों की,

नाते रिश्तेवालों की अब बस यही धारणा हो चुकी है कि आप

चांदी सोने की खरीदी में वाकई दक्ष हैं। और लाना पडता

है इन्हें इधर 'नयनतारा' शोरूम में! किंतु हर बार

आनेपर बिलकुल नयी नवेली दुल्हन ही लगती है ये

शोरूम! बिलकुल नये अंदाज, नवीनतम डिजाइन,

नया झौक! आप भी आइये .... विश्वास के साथ!



खान्देशका मुकुटमणी

**रतनलाल सी. बाफना ज्वेलर्स**

'नयनतारा', सुभाष चौक, जलगांव ४२५००१ महाराष्ट्र फोन: २३९०३.२५९०३ इतवार को बंद